



एताएग कान गतीक छा. ताता काराशीत ता-त्रेंसान व्यान-त्रुदतश्वती

छा. ताता काराशीत ता-स्थान व्याल-त्रुद्धभूती त्रिष्ठ श्रष्टाति















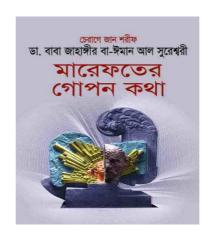






- **5. साद्यक्टात भावन क्या**
- ६. माद्रायक्टात वाषी
- ७. त्रुकिताम् व्याञ्चलतिष्ठात् अकसाञ्चलय- ५ स शञ्च
- 8. त्रुकिताम व्याञ्चलतिष्ठात्रत अकसाज लय- ५ स शङ
- अत्रिताम व्याञ्चलतिष्ठात् अत्रसात व्याच्चला व्याचला व्याचला
- ७. त्रुकिताम व्याञ्चलतिष्ठात्रत अकसाज लय- ८र्स शञ्च
- 9. त्रुकिताम् व्याञ्चभितिष्ठात् अकसात भरा- एस भन्न
- b. कात्रवानून मार्कीएत वाश्ना उँकात्व ३ व्यनुवार- ५ म **४**३

श्रायः पूनकृष्टिया, त्याः भ्रष्टाण्या, त्कतानीगश्रः, णाका



साद्यक्टात शायन क्या

छा. वावा काराशीत वा-त्रेमान व्याल भूदतश्रती

অপ্রতিদুদ্বী বিশ্বয়কর রচনা মারেফতের গোপন কথা; ঘন তমসায় উৎকট আলোর সর্ল রেখায় উল্কার নেমে আসার নাম মারেফতের গোপন কথা; সংকর্ণিতা, গোড়ামি, অখণ্ডতায় খণ্ডতার মানসিক বিকারে বিক্ত লিখন, নোংরামির স্থুলতাকে সার্বজনীন নামের মালা পরাতে নির্লজ্ঞ, বিশ্বাসঘাতক আখ্যায়িত করে ইতির পৈশাচিক অবণ্ড ভনের প্রকাশ্য উন্মোচনের নাম মারেফতের গোপন কথা। সার্বজনীনতার শেলার ভমক তাল হারায় নি কোনো প্রভাবশালার লাল ন্য়নের স্লকুটিতে। পাঠক বইটি পড়েই অনেক প্রশ্নের ঝড়ে বদলিয়ে নেয় চিন্তার বাধন। বারুদের ধুমায়িত আহত পাখির আহত চাহনির মতো দৃষ্টির স্থবিরতা এনে দেয় যে বইটি তার নাম মারেফতের গোপন কথা। বিক্ত করে রাখা কোরান-এর অনুবাদগুলোর গোমর ফার্ করা ভূমিকন্পের মতো প্রচণ্ড নাড়া দেওয়া হয়েছে

মারেফতের গোপন কথা বইটিতে।

ইসলামি ধর্ম-দর্শনের প্রচণ্ড বিস্ফোরণে বিমোহিত হবার নাম মারেফতের গোপন কথা। চিন্তার সাজানো অট্টালিকায় ডিনামাইটের কানফাটা শব্দের মতো যার শব্দ তার নাম মারেফতের গোপন কথা। এতদিনের কী সব বস্তাপচা ইসলামের নামে রচিত আবর্জনার আঅবিরোধের বিকৃত স্তুপের উপর দাড়িয়ে চিংকার করে ডাকছে, তার নাম মারেফতের গোপন কথা।

প্রকাশকবৃদ্দ

অবশেষে দু'টি কথা বলতে চাই

এত গাধার খাটুনি আর কোনো বই লিখতে করতে হয় নি যতখানি খাটুনি দিয়েছিলাম মারেফতের গোপন কথা লিখতে গিয়ে। আজ হতে চল্লিশ বছর আগে ইংরেজি সাতষট্টি সালে একটানা দিবা-রাত পরিশ্রম করেছি। রোমাঁ রোলাঁর কথায়, বইয়ের মতো বই হলে একটি বই-ই যথেষ্ট। পৃথিবীতে যতগুলো বিখ্যাত ইসলামের **छे** अत वर तिष्ठ रखिष्ट, साद्धकत्वत शायन कथा नासक वर्रिष्ठ अकिए। क्विन একটিই নয়, বরং অন্যতম শ্রেষ্ঠ বই। শত্রুপ্ত এ কথাটি দুঃখ নিয়ে স্বীকার করেন। कार्त्रण, अरे वरें टिट श्रमाण करत फिराय फिश्या रखाए या, रेमनास काला वाकि भानिकाना नारे। भारति क्यादा नत्र, वतः कातान-शामित्र मिरत्र अभन व्यकारि क्षमाप **ए**न्छिया रखाष्ट्र या, काद्वा प्रक्र मामाना नाक गलाक ना प्रदा मिश्टन मका গর্জন করতে হয়েছে। যারা কোরান-হাদিস দিয়ে ব্যক্তিমালিকানার দলিল তুলে ধরেছেন তাদের ব্যাখ্যাণ্ডলো যে মনগড়া, বিকৃত, বানোয়াট তা তুলে ধরা হয়েছে, যা পড়ে পাঠক বিনা বাক্যে মেনে নিয়েছেন। এটাই আমার লিখনীর সার্থকতা। আমি फ्रिशाटा क्रांसि या, वाकिसानिकाना वनाएँ। हें हातास। कातप, वाकि निष्मत सानिक নিঙ্গেই নয়। ব্যক্তি হতে পারে সম্পদের আমানতদার। এই আমানত খেয়ানত করতে ণেলেই আল্লাহর দরবারে জবাবদিহি করতে হবে, সর্বপ্রকার অপচয়ের জবাব দিতে रत। अप्राप्त रिमासित वर्षनीिए। रिमासि वर्षनीिएक मास्य व्याप्त कि नार सिप्ता বড় কথা নয়। বড় কথা নয় কোনো অর্থনীতির সঙ্গে কিছুটা মিলে গেল কি না - বড় কথাটি হলো ইসলামের অর্থনীতির মানদণ্ডটি কেমন, তার-ই ব্যাখ্যা ও বিশ্লেষণের মাধ্যমে তুলে ধরা। এবং এই বিষয়টিতে যে সাফল্য অর্জন করতে পেরেছি সেটাই বইটির প্রাপ্য পুরষ্কার।

> छा. ताता क्राशशीत ता-ऋभान व्याम मूद्राभृती श्रामः চুनकुर्णिया, त्याः भ्रष्टाण्या, त्कतानीभक्ष, णाका

वनळ চार्ड

ধর্ম বিষয়ে কিছু লিখতে গেলে সাংঘাতিকভাবে সীমাবর্দ্ধ স্থানে দাঁড়িয়ে লিখতে হয়। অলিম্পিকের উশ্ধ প্রোর মতো বৃত্তের মধ্যেই নড়াচড়া দিয়ে ছুড়তে হয়। একটু

अफिक अफिक रुलारे काउँन।

हैं साम शाक्कालित व्यमत वह बहिशां छें नुम ताकात भारक उथा वावृद्धि वृद्धि करत भूछिरा रफ्नात हुक्म हर्ल वारिस हिसाहित्न, किष्ठ रकातान-ब्रत ब्रक्में शक्त तिरुठ उफित वार्राल भातत्वन ना। व्याम्छ रमहें रमामा उफित्तित व्यामितित्में रिक्स्यत क्रामूचर्त रम्थळ भाहें। हैं मामा शाक्कालि वर्ताहित्वन, 'ठिन कूछि छ्वत रफ्तकात क्रमा याळ ना हळ भारत, जात क्रमा व्यक्ति भित्रम करत निर्ध रम्नाम भूषिवीत मवरहात व्याग्न वर्ष्ठ ब्रक्में थ्या रकातान-ब्रत उफित्ति।' किष्ठ महानित रो व्यार्थित वर्त्त शिर्म स्थानित वर्ष्ठ क्रमा वर्ष्ठ विद्याम ब्रव्ह वर्ष्ठ वर्ष्ठ महानित क्रमा व्याप्ठ वर्ष्ठ वर्ठ वर्ष्ठ वर्य वर्ष्ठ वर्ष्ठ वर्ष्ठ वर्ष्ठ वर्य वर्ष वर्ष्ठ वर्ष्ठ वर्ष्ठ वर्

फिळ रला।

सरावित तलिष्टलिव या, छैनात পत शिलाकण साम जिम तष्टत एलर्त अवः छिक जा-र रखिल। अकि ि क्विंग तर्य वि छत পाठक व्यवाक रतवा। रसास रामाव अवः व्यक्ति सुराविशात सर्था पृष्टित किनिएर जिम तष्टत पूर्वणात किन ष्टिल। यिष्ठ धर्म विस्तय किष्टु लिश्व श्वका मिनिएर जिम विश्व काश्याश के छित्र लिश्व रश्च, ज्व अकिक व्यवगार मिनिए काश्याश के छित्र विश्व रश्च, ज्व अकिक वि व्यवगार मिनि कर्त व्यवगार योक्ति कर्त वाम विश्व विकास में कि क्विंग कर्त व्यवगार श्वक विद्य यात्व। यदा श्वक श्वक वि व्यवगार विश्व विद्या वात्व विश्व विश्व विश्व वात्व व्यक्ति विद्य विविद्य विद्य विद

একু এক করে, সেদিনই সকল দ্বিধা-দ্বন্দ্বের হবে চির অবসান এবং এ রকম দিন

व्यक्ति काट्स वांत्रस्थ तत्त सत्त रट्स्ट्रं।

বিংশ শতাব্দীর পৃথিবীর বিখ্যাত তুলনামূলক ধর্ম বিষয়ের লেখক এরিক ফন দানিকেনের ব্যক্তিগত বিচারে শ্রেষ্ঠ ধর্ম হলো দুটো : একটা ইসলাম এবং অপরটি বৌদ্ধ। কত বড় স্বাধীন মনোবল নিয়ে এমন কথা বলতে পারে! সত্যি, ভাবতেগু

व्यवांक लाए।

আমাদের দেশে তুলনামূলক ধর্ম বিষয়ের উপর কোনো লেখক যদি স্বাধীনভাবে বলতে চায় যে, ধর্ম হিশাবে এই এই ধর্ম শ্রেছ ধর্ম এবং সাধন রাজ্যের অতি উন্নত পর্যায়ে উন্নতি হতে পারে মুসলমান সাধুকেরা, তা হলে চিৎকার শুরু হয়ে যাবে এবং

ार्ट कार्त्वा लिथक अमन कैया छुलि निथळ यादा ना अवः निथद्व ना।

या क्रिनिम ता एमेंन ता त्य धेमें भूत तिमि क्रनिश्च रहा याय ठात मत्या करणत करणा विक्रित मृत्यागंठा व्यापना व्यापनि रहा पद्धा। पत्यात श्रम् अत्यान करणा वाणितित क्यार धक्रन ना त्वन? कठ तक्य मिलाना नात्मत श्रम् अक्रमालत ठामा त्याठातित क्यार धक्रन ना त्वन? कठ तक्य मिलाना नात्मत श्रम् इंग्राम क्रिता क्यार क्रनात करार क्रमणत व्यापन व्य

प्रितीत व्यात काला धर्म कुछ एन कित रहा नि, यछ रहाए है जनाम धर्म। अछा व्यक्ति विदे प्रश्निक कि रात विद्या विदेश कि रात है। अहि। अहि अहि से शादा कि रात है। अहि प्रश्निक कि रात है। अहि प्रश्निक है। अहि एक्त प्रमान है। विद्या कि रात है। अहि प्राप्त कि रात कि रहा है। विद्या कि रात कि रात है। अहि प्राप्त है। अहि प्राप्त है। अहि प्राप्त है। अहि कि रात कि

লেখকের কতটুকু স্বাধীনতা থাকলে মুয়াবিয়ার আগে পিছে দুটো খেতাবি বিশেষণ

नागाळ रट्य ि

शादिकिए ते पर्ननत्ने स्वर द्वार यात अन्य विष्ठ कदा यात अन्य प्राप्त क्या स्वा। त्रिस्ट प्राप्त नाम अराव। स्वराधित विष्ठ क्रिय पि कादा प्राप्त विष्ठ क्रिय क्रिय नाम स्वा अराव विष्ठ विष्ठ क्रिय क्रिय क्रिय नाम अराव विष्ठ वापी कादा अराव क्रिय क्रिय हा निष्ठ हा यात क्रिय मान ना अराव महानित हा निष्ठ मान ना अराव महानित हा निष्ठ मान ना अराव महानित हा निष्ठ मान ना अराव महानित नाम क्रिय महानित नाम क्रिय महानित नाम क्रिय महानित नाम क्रिय महानित हा निष्ठ क्रिय महानित नाम क्रिय महानित क्रिय महानित नाम क्रिय महानित नाम क्रिय महानित क्रिय महानित महानि

अफिर्क त्रव कराणि फ्लर्क एसके फिर्स क्षमक स्मर्त खवाक करत वत्रत्वन अकिए नजून फ्ला সেই फ्लर्स नाम रत्ना काफिशानि। अ तक्षमणात्व अस्कर त्रत अकिए करत नजून नजून फ्ल नजून नजून नारम खाख्यकाम कत्रत्ना। रामन- खामातिशा, भावातिशा, क्रावातिशा, मानामाणिशा, स्माणाकिना, नुत्रारहित, त्रात्र रसामि, नाणाति,

ইয়াজিদি এবং দ্রুজ ইত্যাদি।

बिर्मिक उर्रोति मञ्चाप्तत श्रिशिंशा व्यावपूर्व उराव नक्षित क्रिश्च जाउरिक् भाक-छात्र व्याममानि कर्तन रमग्रम व्यार्मेम वित्रविछ अवः रमग्रम रमग्रमेम प्रमानि कर्तन रमग्रम व्यार्मेम वित्रविछ। भूषिवीत वाद्या व्यानि मुम्बमान या म्वजूङ रमर व्यारप्त मृताजूव क्रामाण्यत व्यावपात श्रिता वाद्या कर्ति मृतिपत व्यानक्ष्य जात्मक माण्यत व्यावपात व्यावपात विश्वपात वाम श्रिता वार्मे अप्तर्व व्यावपात वाम श्रिता वार्मे श्रिता वार्मे वार्मेम वार्मे वार्मेम वार्मे वार

वतः विश्व भूताण्व। अक्क व्यापनात पूः भ पाउष्ठा सार्क्षेट किंक नया। अप्रांक्त विश्व प्रकार अवि प्रकार कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता वालम (१) कारकत कर्का वालम क्षित्र क्षित्र कर्ता वालम (१) कारकत कर्काया क्रिया क्षित्र क्षित्र कर्ता कार्या क्षित्र क्षित्र कर्ता कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या क्षित्र कर्ता कार्या कर्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्

এ রকম আলেম (?) আর মাগুলানা (?)-দের মতো বিদ্যানদের ফসলের গন্ধ কী রকুষ্ম হতে পারে, স্বাধীনতার সংগ্রামে আল বদর, রাজাকার, আল শামসদের कीठिकनात्मत नमुना एम्भलिंह ताचा याग्न त्य, भुता ममान्न क्रीवतन कर्ण मातात्मक य्वा-**প**रूषन। অনেকৈই হয়তো তুরস্কের জাতির পিতা কামালু আতাতুর্ক এ রকম তথাকথিত আলেমদেরকে কী রকীম শাস্তি দেবার ব্যবস্থা করেছিলেন তী জানেন। এ সমস্ত তথাক্ষিত আলেমদের কথা খারেজিদের মতোঁ সুন্দর মনে হবে। 'আমরা वालार अवः वालारत वाणी कातान भाक ष्टांडा वात किष्टूर मानि ना नत मका। चार्तिकरमत अ क्यांछला वाक्र या-काला मुत्रूलमान छार मुलत व्यकार पूर्व সুন্দর কথা বলেছে' বলে মনে করবেন্। তাই নয় কি? অথচ এই খারেজিরাই ছিল भुंत्रनभान नाभधाती स्नानारफक ज्या वर्षरज्ञाता गराजान। भञ्जना व्यानि এদেরকে একটি একটি কুরে হত্যা করেছেন, কিন্তু খারেজিদের প্রেতাআ আজগু অনেকু মুসলমান নামধারীদের মধ্যে আধুনিক খারেজিরূপে অনেক অনেক পাবেন। একটু নিরপেক্ষ গবেষণার দর্শনের মাপকাঠিতে বিচার করতে গেলে আজন্ত এই চরম আধ্বিক यूर्गि व्यापित व्यत्नक शाद्धि - भाका भूमलभाव पाद्यव। याद्या भठना व्यानित भूरशत সীমনে আল্লাহ এবং কোৱান-এর দোহাঁই দেয়, তারা যে কত বড় মারাঅক জীঘন্য শয়তান। এবং এ রকম শয়তানদের দারাই পতন হয়েছিল খেলাফত এবং জনসাধারণের সম্পত্তি বায়তুল মাল পরিণত হয়েছিল ব্যক্তিগত সম্পত্তিতে। কল্পনা করতেও কন্ট হয় সে সব্ ঘটনার দ্বারা লিখিতু ইতিহাসের রূপ দেখে।

प्रिश्रता ना?

'আমুরা আল্লাহ এবং আল্লাহর বাণী কোরান ছাড়া আর কোনো কিছু মানতে রাজী নই' - এই বাক্যটির দ্বারা কী বোঝাতে চেয়েছিল খারেন্সিরা? তারা এই वाकाणित मारारे मित्रा मशना वानित लिए सिल नित्य विश्वीकात कत्वत्थ। शातिकता वानार अवः वानारत वानी कातानक भताक्रमण श्रातिकता वानार अवः वानारत वानी कातानक भताक्रमण श्रातिक महाने वानित लिए क्षेत्रण वानित कर्ति वानित कर्ति वानित कर्ति वानित क्षेत्र विश्वाम कर्ति क्षेत्र वानित वानित क्षेत्र विभिन्न वानीत क्षेत्र वानित वानीत क्षेत्र वानीत कर्ति वानीत वानीत कर्ति वानीत वानीत कर्ति वानीत वानीत वानीत वानीत कर्ति वानीत वा

व्याक्र अर्थे विश्म मेठान्तीत तुर्क व्यानक सूत्रमान सत्तत व्यक्राण शादिक्रिएत प्रमान विश्व कर्त रम्मित्व अर्थे कार्यामात साटी व्याक्रान पित्र नामाक व्याप्ता स्वान वित्र व्याप्त नाणि रमाम स्वानात्त विकृष्क याता व्यञ्च थत्य श्वाच कर्त स्वान वित्र क्रान क्षाम स्वानात्त्र विकृष्क याता व्यञ्च थत्य श्वाच कर्त्र क्षाम स्वान नाम विकृष्क याता व्यञ्च थत्य श्वाच कर्त्र क्षाम स्वान नाम थाती स्वान विव्या विकृष्ठ विकृत क्षेत्र क्षाम स्वान वास या क्षाम प्रमान वाम थाति र राष्ट्र विकृत क्षेत्र न श्वाच कर्त्र वार्य क्षाम स्वान वार्य विकृत क्षेत्र क्षेत्

দেখুন তো। কত সূক্ষ্ম আর কত নিপুণ ধোঁকাবাজি!

रिष्ठ श्रिके वर्लिष्टिलने, 'याता जीभार्त्क ना सिलं वर्ला, এক আল্লাহকে মানে তারা শয়তানের এবাদত করে। হঙ্গরত খাজা গরিব নেগুয়ার্জ বলেছেন, 'যার পরি নাই, তার পরি হলো শয়তান।' নরাধুম নরপগু এজিদ কোরান পাকের একটি আয়াত रुसाप्त वंश्टनंत त्य कग्नेक्षन त्वेट्ट हिट्नुन ठाएम्त्रटक वटन मिटना - 'खान्नार याटक थूमि তাকেই বাদশা বানান। শ্য়তান এজিদের মুখে কোরান-এর বাণী! নরপগু নরাধম ইয়াজিদের প্রশংসাও এই প্রথমবারের ঁ টেলিভিশনের পর্দায় - তা-ও আবার আগুরার দিন একজন মহাপুঞ্জিতের মুখে। ধর্ম এত সম্ভা আর মামুলি হয়ে পড়েছে যে, এর প্রতিবাদটুকু পর্যন্ত কেউ করার প্রয়োজন বোধ করলেন না। এক ইসলামের মধ্যে তেহান্তরটি দলৈর মধ্যে যে দুই-একটি দল এখনো এজিদের নামের আগে হজরত বসাতে লক্ষা পায় না এরং ইমার্ম হোসায়েনকে বিদ্রোহী আখ্যা দেয়, সেই দলের তেল-বেচা ডলারের বদৌলতে আহলে সুন্নাতুল জামাতের মুসলমানের মুখেও এজিদের প্রশংসা গুনতে হয়। হায় রে মালপানি, তৌর অঙ্গে কত রূপ আর শক্তি কতই না মোহনীয়়! বিবেকের গলায় ছুরি চালিয়ে দিতে পারে এই মোহনীয় ডলার। ব্যক্তি তো তুচ্ছ ব্যাপার - একটা দেশের গোটা সরকার পর্যন্ত মুখ বন্ধ করে থাকে এই ডলারের মোহে। ভাবখানা যেন অনেকটাই এরূপ -सालभानि यथन व्याभरम भाउता यात्र, जा रत्न ना रत्न अकर्षे मांज-सूथ वृद्ध मरा कत्र रहा व्यात कि। जा मरा कक्रन, जाल व्यासता भतिव वित्न ना रत्न सूथ वृद्ध तर्रनास। किन्न नत्रभञ्ज नताथस नत्रभाभी अक्रिम्ति छात्ना वनाणात्र कि पूर्भ कर्त থাকার সীমা ডিঙানো হচ্ছে না? এ রকম কথাও ডলার যদি হন্তম করাতে চায় তো পরকাল যে ঝরঝরা সে কি একবার এক মুহূর্তের ত্রুরে ভেবে দেখেছেন?

আমাদের বাংলাদেশের ইসলামের নামৈ কয়টি রাজনৈতিক দল আছে। তাদের মধ্যে অনেকেই একটি পোস্টার দেয়ালে লাগিয়ে দেয়। পোস্টারটির ভাষা অনেকটা খারেজিদের আধুনিক সংশ্করণ : 'আল্লাহ আমাদের প্রভু, কোরান হলো দিকদর্শন এবং হজরত মোহাম্বদ (আ.) আমাদের নেতা। কী সুন্দর, কী অপুর্ব অমৃতের নামে विष-माथा छोत्र! 'रक्ति साराम्म (या.) यामाप्तत ज्ञां वर्ण निष्क्रता गिष्ठि वनात यपूर्व हालांकि। रक्ति साराम्म (या.) यामाप्तत ज्ञां अहा श्रिष्ठि मूनलमान स्मल यान्रष्टा न्यून कर्त स्मल ज्ञांत उपप्रम प्रवात यर्ष रला, ठाता मरानंवित नाम छाष्ट्रिय गिष्ठ वन्न हाय - यान मरानंवित त्नाल अक्ष्म ठातार रय एष्ट, यात वाकि नव मूनलमाजाता माथा ठामूक। क्य छिक्रारेजत स्नानंवित या हल्य अवश्यात हामा

একান্তরের স্বাধীনতা সংখ্যামের সময় এই সমস্ত কাঠমোল্লারাই তৈরি করেছিল ইসলামের ইতিহাসের সবচাইতে মূল্যবান ঘটনা বদরের যুদ্ধের নামে 'আল বদর' বাহিনী। নিরীহ এবং বাছাই করা জাতির মাখাগুলোকে রাতের আধারে ধরে এনে জলাভূমিতে হাত-পা বেঁধে জবাই করার দায়িত পালন করেছিল এই আল বদর। ছিঃ ছিঃ, কী নিক্উতম মনের বিক্ত পরিচয় দিয়েছে এই কাঠমোল্লারা 'আল বদর' নাম দিয়ে! এক মুহুর্তের তরেপ্ত এই সমস্ত কাঠমোল্লাদের মন ও বিবেক কেঁপে প্রঠেনি - কী পবিত্র নাম দিলাম, কী অপবিত্র একটি দলের - আল বদর বাহিনী।

वामाएत एत अपूर्व क्लवाय एय तक्म वावराश्यात पर्वम किया एय मन्यात मन्यात क्ला किया क्रिया एत अक-धुक तकम। ठाउँ व्यामता क्राणित मवहाउँ विकास मन्यात मुणित उठिराम याधीनणात युक्त 'व्यान वक्त 'वारिनीक मत ताथळ पाति नि, अक्षा क्षिक्त उठिराम याधीनणात युक्त 'व्यान वक्त 'वारिनीक मत ताथळ पाति नि, अक्षा क्षिक्त व्याप्त वुक्त दुख्य क्ष्मा मृष्टि कता व्यानमात राय व्यामाप्त राय नियाप्त विकास विवास ने व्यामाप्त क्षाणीय तिणा क्रमा कर्त कियाप्त राय व्यामाप्त क्षाणीय तिण क्षाणा व्यामाप्त क्षाणीय तिण क्षाणा व्यामाप्त क्षाणीय तिण व्यामाप्त विवास क्षाणा व्यामाप्त विवास क्षाणा व्यामाप्त विवास क्षाणा व्यामाप्त विवास क्षाणा व्यामाप्त क्षाणीय व्यामा क्षाणा व्यामाप्त क्षाणीय व्यामा क्षाणा व्यामाप्त क्षाणीय व्यामा व्या

बती सरानित স্বচাইতে যোগ্য সাহাবা এবং জासाতा শেরে খোদা মগুলা আলির সামনে - যিনি হিজরতের সময় নিশ্চিত মৃত্যুর বিছানায় শুয়ে মহানবিকে করলেন মদিনাতে বিদায় - যাকে মহানবি সব সাহাবাকে লক্ষ্য করে বলতেন - 'আলির মূল্য আমার কাছে ততাঁকু, যতাঁকু দেহের মধ্যে প্রাণের মূল্য' - যাকে যুদ্ধের আশু আর বিরাট তলোয়ার জুলফিকার হাতে হায়দরি হাক মারতে হতো - যার জুলফিকার ইরাকের মিউজিয়ামে দেখে স্বাই চমকে যায় - এত বড় আর চগুড়া তলোয়ার কত শক্তির অধিকারী হলে হাতে নিতে পারতেন সেই মগুলা আলি, যিনি শুধু মোমিনই নন - মোমিনদের আমির তথা আমিরল মোমিনিন - তাঁর সামনে 'আল্লাহ এবং কোরান ছাড়া আর কিছু মানি না' বলা কত বড় ধৃষ্টতা আর ব্রদ্ধত্য প্রকাশ!

ডা. বাবা জাহাঙ্গীর বা-ঈমান আল সুরেশ্বরী ১৭ই মার্চ ১৯৮৬ খ্রি. ৩রা চৈত্র ১৩১২ বাং, ৫ই রঙ্গব ১৪০৬ হি.

সুরেশ্বরের গুরশ শোবারক

ইসলামের মধ্যে।

দ্বিদ্বতার যেমন অভিশাপ আছে, ঠিক তেমনি প্রাচুর্যতারগু অভিশাপ আছে। একটি প্রকাশ্য এবং অপরটি গোপনীয়। কেন্ড ধন-সম্পদ পেয়েগু মোহমুক্ত হয়, আবার কেন্ড কবরে যাবার আগেগু ধনের মোহে মন্ত থাকে। একের ভেতরই দুই। একটি উখান, অপরটি পতন। মানুষের ঠোটেই সুষ্টার বাণী, আবার মানুষের ঠোটেই শ্য়তানের পচা বচন। বীণের সুরে একটি ফণা তুলে নাচে, অপরটি পালীয়।

संशानित संश्रमा व्यामित्क मूता अश्रमीत्मत साद्धरूक्त तरमा वृतित ताश्रम तिप्त मारावात मूता अश्रमाम किनवात भारे केत्रल अकवात तिप्त ताश्रम तिप्त वाश्रम विवाद वाश्रम किनवात भारे केत्रल अकवात तिप्त वाश्रम शिव्या वाश्रम विवाद वाश्रम मिनत्व वाश्रम मिनत्व वाश्रम किन्न मार्गनित्व वाश्रम केत्र वाश्रम किन्न मार्गनित्व वाश्रम किन्न मार्गनित्व वाश्रम केत्र केत्र मार्गनित्व वाश्रम केत्र मार्गमित्व केत्र मार्गमित्व वाश्रम केत्र मार्गमित्व केत्र वाश्रम केत्र मार्गमित्व केत्र केत्र केत्र केत्र मार्गमित्व केत्र केत्र मार्गमित्व केत्र केत्य केत्र केत्य केत्र केत

व्यत्नेक विष्टु की विवास कि के कि विष्टु के कि वा'-त में कि वा' के मिल के कि वा कि

नानन, सुर्गिषि। व्यापनात यकीयठात सनःपुठ्ना रत्न छूत्नअ्किष्ठ व्याप्रतन ना।

কারণ যুক্তির রাম্ভার যেখানে শেষ, প্রেমের নিদীর সেখান থৈকেই শুরু।

<u> त्रश्रीक्रित ज्ञातिक त्रथ ७ वाःकादात अक ज्यपूर्व मशात्राद्य प्रश्रीण ज्यात गात्नत</u> বিভিন্নতা দিয়ে শুরু হয় গুরশ পালনের পদক্ষেপ। শেষুগু হয় সঙ্গীত আর গানের মধ্য দিয়ে। লক্ষ লক্ষ ভক্তের 'আল্লাহ' বুলে নেচে নেচে জিক্রির ক্রার এত বড় বিশাল পরিবেশটা দেখার মতো। লালন গীতি হতে শুরু করে হাফিন্স সিরান্সির আর জালাল উদ্দিনু क्रिसित शीत-পূজात कारति काश्रशानि शर्यष्ठ शायन। जूरत श्रशांति खात फে उर्वांक रफ़ तकात सुत्रेनसान छुटन आगरवन ना। कात्रप, उरावि अवः फ उर्वांक

ফেরকার মতে আমাদের সুরেশ্বরের গুরশ সম্পূর্ণ নাজায়েজ গু বেদাত। সঙ্গতি আমাদের ধর্মের বহির্ভূত, না অন্তর্ভুক্ত - এ বিষয়ের উপর আজগু তর্ক-বিতর্কের শেষু হয় নি। তুবে ইসলামের কুয়টি দল সঙ্গতিকে একদম হারাম বলে মন্ত ব্য করতেগু দ্বিধা করে নি। এমনকি বিবি তালাকের ফতোয়া পর্যন্ত দেগুয়া হয়েছে তাদেরকে, যারা সঙ্গীত ভালবাসেন। অথচ অবাক হবেন, সে সব মতাদর্শের অনুসারীদের দেশে রেডিও-টেলিভিশনে দেদার গানু-বাজনা চলছে। তবে কি তাদের ফটোয়া তাদের উপরই পড়ুছে না? এ রকম আঅবিরোধী ফঢ়োয়া দেখে যদি কেউ হাসে তবে কী ব্লবেন? নিজে ইুসলাম্বের শুরা-শুরিয়ুত সম্পূর্ণ আন্তরিকতার সঙ্গে भानन क्रतस्थन, किष्ठ **महानता कि मर्वाधुनिक छि.मि.**बार्त प्रश्रस्थ ना? ब्यलक ফতোয়াই এখন তাদের উপর পরোক্ষভাবে কি পডছে না?

मश्रीण राताम व्यथता नाकाराक कता रखाँए अभन अकिंग फिलन कि ममु কোরান পাক হতে দেখাতে পারবেন? মনগড়া অনুবাদ ও শব্দের অর্থকে যদি ইচ্ছাকৃতভাবে বিকৃত করে গানবাদ্য করা হয় তবে দৌষটা কার? এ রকম শব্দের কত হাজারো বিকৃত অনুবাদ করে কোরান পাকের হাজারো বিকৃত অনুবাদ উপহার

দেওয়া হয়েছে, তারই পরিণাম কি এক ইসুলামের তেহান্তর ফেরকা নয়?

প্রচলিত নিয়মের বৈশিড়্যে প্রায় প্রতিটি গুরশ পালুন করা হয়, কিন্তু সুরুমরের ওরশ সেভাবে মোটেই পালন করা হয় না। কারণ সুফিবাদের মধ্যে দেওবৃন্দি গন্ধ এখানে পাবেন না। তা ছাড়া কেউ গুরুশ পালন না করলেগু বলার কিছু নেই। কেউ গুরশের বিরুদ্ধে বক্তব্য রাখতে চাইলেগু এক ইসলামের তিন কুড়ি তের ফেরকার চেহারা দেখে কিছু বলার ইচ্ছা আর থাকে না। অনেকে বলেন যৌ, কোরান পাকের একটি আয়াতের অনেকে রকম ব্যাখ্যা হয় এবং যেহেতু এক আয়াতের অনেক রকম व्याभ्या रुश, সেट्ट्र खलक तकम छिष्ठाधातात श्रीठिकेनन रस धवः याट्ट्र खलक तकम रिष्ठाधातात श्रेठिकनन, प्रारट्यू चलक् तकम रकतकात कवा रथशा माधातप কথা। একদল বলবে তাদের চিম্তাধারা সৃতিক, অন্যদল বলবে ওদেরটা সৃতিক। সুতরাং কোনো দলের বিরুদ্ধে মন্তব্য সম্পূর্ণরূপে অশোভনীয়। যেহেতু অশোভনীয় *(*त्रेट्टिंग बींत्रव शाकार त्रक्षीं) विश

সুরৈশ্বরের গুরুশে দিনরাত ঢ়োলের বাজনা, দোতারা, একতারা, সারেশ্রী, त्वरामा, भारतकि गान, काश्रशामि व्यत्नत्कत कृष्टिर जाला मागत्व ना। म्मीय व्यार्थेलतं जुलायात रेमनास्मत नास्म চानाळ চार्थेतन, किन्न काला नार जरे। কারণ, অতি দুঃখের সাথে মুসলমান ভাইদের বলতে হচ্ছে যে, এক ইসলামু তেহান্তর ফেরকায় অনেকৈ আগেই ভীগ হয়ে গুছে। যদি গুরশের বিরোধিতা আপনি করেন তবে অবশ্যই আপনাকে বলবার অধিকার আছে যে, আপনি কোন ফেরুকার मुत्रनमान - अरावि रफतकात, ना कारियानि, ना निया, ना वारार, ना सालाकिना, नी वागातिया, ना गावातियां, ना भानाभाछिया, ना कावातिया, वा वाणान्छि, ना हाक्षानिक, वा बाहात, वा त्वीति, वा देशसारैनिया, वा वृत्तराविया, वा वृत्रारेति, वा त्राम रसामि, वा रम्वा रसामि, वा शाद्धिक, वा रयाक्रिकि, वा फ़ुळ, वा फ़ुरविक्रु ब রকমভাবে তিন কুড়ি তের ফেরকার কোন ফেরকার মুসলমান আপনি? যেদিন भवछला रफतकात व्यवभान घिष्टिय अक रेमनास भवारेक व्यानक भातर्वन, रिमिनरे व्याभनात भारता भारत श्रह्मरामा राज्य व्याभनात भारत श्रिक्ष श्राम व्याभनात भारत श्रम अकिं, रकातान अकिं अवः निवंश अक - व्यथक नक्षाक्रनक क्ष्मां रक्षा रक्षा रक्षा रक्षा श्राम विश्व श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा श्री रक्षा रक्षा

সুরেশ্বরের পাক দরবার শরিফের একজন নগন্য ভক্তের দাবিতে -

छा. क्राहाशीत वा-ऋभाव व्याल সুরেশ্বরी।

व्याभि या तलक চार्ड

গবেষণা সত্যকে নেংটা করে দিতে পারে। আবার গবেষণা সত্যকে পিছিয়ে দেবার लागाक পরিয়ে দিতে পারে कि ना জानि ना। তবে গবেষণার কাজটিকে মহানবি এতই উৎসাহিত করেছেন যে, ভেবে অবাক হই। গবেষণার আর একটা নাম জ্ঞান অর্জন করা বোঝায়। গবেষণার আর এক নাম যদি ঠুলিপরা চোখ দু'টো খুলে দিতে পারা বোঝায়, গবেষণা যদি একটি চাপিয়ে দেওয়া মিখ্যার খোলস খুলে দিতে পারা বোঝায়, তা হলে সেই গুবেষণার আর এক নাম জ্ঞান। নারীর অধিকার চাইবার भटित्रपाय यिष श्राष्टीत फाँफ़ कताटा छान धर्मत नात्म, छा रटल कि धर्मिष्ट भिष्टा वलष्ट. ना य धर्मत नाम फळाशा भातष्ट স भिष्ण वलष्ट? माना फिरा साराश्वमत्क याठार याता कत्रत्छ ठाय छात्मत भत्वभात साल-स्रमनात छित्रिछेत्ना कि নুড়বড়ে না শক্ত, তারগু গবেষণা হওয়া উচিত মনে করি। কীভাবে মহানবির নামে মিখ্যা কথার ঝুড়ি বানালো হয়েছে গৃবেষণার মাধ্যমেই সুন্দর ধরা পড়ে এবুং পড়ুতে শুরু করেছে। তাই মহানবি জ্ঞান অর্জনের জন্য সেই দিনের দুর্গম বলে পরিচিত চীন দেশে যাবারগু উপদেশ দিয়েছেন। সেই জ্ঞানের গবেষণার মাধ্যমে কোনটা মিখ্যা আরু কোনটা সত্য সেটারই সামান্য বিষয় তুলে ধরতে চেন্টা করা হয়েছে এই ছোট্ট বইটিতে। এই গবেষণার কান্জটিকে জোর করৈ থামিয়ে দিয়ে গতানুগতিকতায় চলার নির্দেশ দিতে গেলেই বিবেকের গায়ে পড়ে জমিদারের নির্মম চাবুকৈর আঘাত। আর টানে অশ্বীকার। একটা চাপা বিদ্ধোহ এবং ঘৃণা আর অবজ্ঞায় সমস্ত বিষয়টাকে একটা আবর্জনা মনে করে পোর করপোরেশনৈর আবর্জনা ফেলার গাড়িতে তুলে দিয়ে নিষ্তার পেতে চায়। এটাই মানবম্বনের একদুম হালকা দর্শন। তখন আর উেকে এনে নাম্ভিক বানাতে হয় না, বরং নাম্ভিক আপনিই হয়ে যায়। সব কিছুই মনে হয় তখন একটি সুপ্রিকল্পিত ভণ্ডামির নীল নকশা।

এই ছোট বইতে দেখাতে চেয়েছি আমার সীমিত গবেষণার ফসল। হয়তো কেউ ছুঁড়ে ফেলে দেবে, আবার হয়তো কেউ আদরে মাথায় তুলে নেবে। এই স্বাধীন নিবাচনের অধিকার যে জাতি দিতে চায় না, সেই জাতিই মনের অজান্তে সভ্য

জাতির দুয়ারে জ্ঞান-ভিক্ষার ভাণ্ড হাতে দাঁড়ায়।

 राष्ट्रिम, किन्न राष्ट्रिम्ट्रक कातान् कथनर व्यवस्थान कत्रक भावत् ना। सूर्य व्यात्ना

দেবে চাঁদকে, কিন্তু চাঁদ কখনোই সূৰ্যকে আলো দেবে না। আমার প্রথম লেখা বহুটি ইুংরেজি ভাষায় রচিত হয়েছিল ১৯৬৮ সালে। প্রথম প্রকাশের সঙ্গে সঙ্গে আইয়ুব খা সরকার বাজেয়াপ্ত করেছিল, কিছু বই বাজারে ष्टाष्ट्रा रुखिष्टन। वाकिष्ठत्ना भूनित्मत छत्य व्यामात भ्वी वज्रा तैर्त्य भानित्व पुवित्य দিয়েছিল। ভাগ্য খারাপ, সেই বইটির একটি কপিও এখন আমার নিয়ন্ত্রণে নেই।

আমার দুই নম্বর বহাঁট ইয়াহিয়া সরকার বাজেয়াপ্ত করেছিল এবং সেই বহাঁটর জন্য বর্তমান ফেনী জেলাতে আমাকে রাজবন্দি করে নোয়াখালীর মাইজদি জেলে পাঠিয়ে দেওয়া হয়। বিচারে এক বছর কারাদণ্ড হয় এবং প্রায় ছয় মাস জেল খাটার

পর মুক্তিলাভ করি।

আমার তিন নম্বর বইটি (মারেফতের গোপুন কথা) প্রথম ছাপা হয় ১৯৭৭-এ এবং দশ বছর চালু থাকার পর এরশাদশাহি সরকার ১৯৮৭ সালের ২৫শে অতেঁবির বাঙ্গেয়াপ্ত করে এবং বিচার করে বেকসুর খালাশ রায় প্রদান করা হয়।

আমার চার নম্বর বই এলমে মারেফত (মারেফতের বাণী) এখনো বেঁচে আছে। এই বইটির হায়াত কুতদিন থাকে তা আল্লাহপাকই জানেন। তবে কিছু কিছু কঠোর সমালোচনা যে হয় নি, তা নয়। তবে অসুস্থ হলেও মারা যায় নি। আসলে আমার কপালটাই খারাপ। কলম ধরতে গেলেই এলার্জির ভাইরাস ছড়িয়ে পুড়ে। আর সেই সঙ্গে মনে পড়ে বার বার হজরত শাকিল বাদাউনি-এর রুচিত দু'টি লাইন : চুপ तारहना छार तांग्र ना त्राक्, कूछ काग्रना छार काग्रना त्राक् ; कित्रमण तन रास मञ्जूत কেয়া - অর্থাং 'চুপু করে থাকতে চেয়েছিলাম, কিছু থাকুতে পারলাম না। কিছু वनळ क्रायां हिना में, कि हु वनळ भावनाम ना। कावप, छाग्र छा है व्यामारक कर्त्व फिने একদম অসহায়।

বাংলাদেশের ভেতর বেশ কিছু পীর-ফকিরদের আস্তানায় যাওয়া আসা করেছি। সবাইকে এক পাল্লায় মাপতে চাইবার ইচ্ছায় নয়। তবে আধুনিক যুগের কিছ কিছ পীর-ফকিরের 'হাঁমসে হাম' ভাবখানায় ডুবো ডুবো ভাবখানী দেখতে পেয়েছি। যার দক্রণ সুফিবাদের প্রচার যতটুকু হওয়া উচিত ছিল, তার কিছুই হয় নি বলে মনে হয়। আগের দিনের রাজা-জীমিদারদের চমৎকার একখানি আদর্শ ছিল - খানা नागाञ्ज, वार्रेकि नाणाञ्ज, गान वाक्रना मातना, सञ्चत्वत व्यारंग सन्दित वानाञ्ज, वृत्सा वराप्त जनक्रम करता अवः रामक्ज रामक व्यवस्थ एक याअ। ङान्-ग्रवस्या क्रेक নেই। ওটা ইউরোপ আর আমেরিকানরা কর্তে। নতুন নতুন জিনিস আবিষ্কার কর্তে। আমরা ওদের থেকে কিনে নেব আর মউজ্ কর্ত্বো। সাবাস, সাবাস বলে **गाउँ कार्यत्र क्रम जारा किरस् शिष्ट खात स्बुतराह्य क्रमनवानी अनिरस्ट : 'स्बुत, उता**

গাধী। খাটুনি করে মরুছে ইউরোপ আরু আমেরিকানরা।'

কিষ্ট যৈ সকল প্রীর-ফকিরেরা সুফিবাদের ধারক ও বাহক তাদের আস্তানাূয় তাও মরে-পিটে কিছু ছাপাতে গেলে বৃইণ্ডলোর চেহারা-সুরত এতই নিম্নমানের হয় या, পাঠকু হাতে निक्षे চায় ना। युगर्धार চমকের। চমকের কিছু আলো, বইটির क्रुशताता विडिंगि भानीतित उध्य का भान वा वाक, कि पूर्णी त्यासभानि य দিতেই হয়। যে যুগ রে বাবা! বৈঠকখানায় সাজানো ফুলুদানিতে থোকায় থোকায় রং-বেরং-এর ফুল-পাতা, একদম তরতাজা, মানে ফ্লেশ, কিন্তু প্লাফিকের ফুল-পাতা वर्षा यथन धर्तो পড়ে তৃখन मन्छीय এकछा कामफु माद्मा एकत्रेज हैमाम दिवाशाति नाएरत क्या अ तक्यं (साकावाकि प्रभक्त अकिए सिम्ब विश्वानरयाण वर्ष প্রহণ করতেন না। খালি ধামা দেখিয়ে গাধা ধরার কৌশল দেখে ইঙ্গরত ইমাম বোখারি প্রকটিও হাদিসু প্রহণ করেন নি। বিসমিল্লাতেই ধোঁকাবাজির ম্যাঙ্গিক শ্রে দেখে তিনি তাড়াতাড়ি বিদায় নিলেন। অথচ এ যুঁগৈ ধামার ভেতর কিছু থাক চাই

ना थाक, त्रिणा वर् कथा नय। वर् कथा रत्ना, धामाणात िक हिन्न निक्षा निक्ष क्षित्र त्रिष्ठ क्षित्र क्षेत्र क्षेत

व्यावात छाषात व्याभादत कलकाछात कथा छाषाछाँ रला हाँ भागाइँछित छाषा। श्रिकि यूप्यत अलार्षित थान्सिन धाताछि क्वाला ना क्वाला क्वांमल छिक व्याह्महै। मश्क्रुण छाषा क्वाला अक यूप्य हिल हाँहे भागाइँछित छाषा। ठथन कलकाछात कथा छाषा हिल माहित्छात श्रुल्य व्याह्महा। ठातथत माहेक्व व्यात विक्रिम वावूफ्त काष्ट्म हाछित हाँहे भागिशाल छाषाछि हला 'श्रुतावर्ण अवः व्यात कर्ण कि यूक्ताक्षदात किला। अकिन कतागिता विक्रालत काणक्रतक एत व्यक्तत काक वर्ण भाग किल अवः अफ्त छाषा मुर्थ छेष्टात्य कताणित्व भाग मत्न कत्राण। अनल व्याव हत्व, अ यूप्यत किष्टू किष्टू कतानि व्याह्म याता हैंद्रविक्र हेष्टा कर्त क्वां मा श्रुल्य ना। श्रुल्य अकृति व्याह्म विद्या क्रालन? व्यामात मूर्थ ना श्रुल्य अकृति व्याह्म विद्या क्रालन विद्या क्रालन वा।

एति है, ताकतम निर्मेक्ट जानूत्रतम कत्त्व। ठार जामात मटा करें कर तिस्थित है जिस्से के प्रमुख कित्रति मिनुम चित्रति है। अटि भार्क चित्र चित्रति है जान स्वत्व का कि जुन स्वत्व का स्वत्व का

কর্ম করতে হয়।

বুদরের যুদ্ধটি ইসলামের বাঁচাু-মরার যুদ্ধ ছিলু৷ তা হলে বদরের যুদ্ধের দূাম কতুটুকু হতে পারে? অথচু এই পবিত্র বদরের যুদ্ধটির একটি আমা (ভামি) দাঁড় করিয়ৈছে বাংলাদেশের স্বাধীনতা যুদ্ধে কারা? গুরুর বাচ্চা অকালে মাুরা গুলে গরুর **पुध**्भावात व्याभार भंता वाष्ठात छोसङ्ग हित्स टेर्जित कता रस अकिंग छासि, यात्क চুলতি ভাষায় 'আমা' বলা হয়। সেই আমাটির নাম ছিল 'আল বদর' বাহিনী। কী চমৎকার নাম! সেই আমাটি ব্যবহার করে স্বাধনিতার দুধ সংগ্রহ করতে চেয়েছিল याता, जाता सुत्रनसान नात्मत ऋघना कनक। जाता शांधा व्यति घाणात सिनत्नत भफत नासित मक्षत्र हिन। সেই খচ্চরদের আকাম-কুকামের কথা সবারই জানা আছে। व्याक्रञ्ज जाता वरान जविश्वरज र्वेर्स्ट व्याष्ट्र। त्रिभारक भाषा छैरू कर्द्ध, धर्संत नारम ভণ্ডামির ড্রুগড়ুগ্রি ব্রাজিয়ে সরল মুসলমানদের জাদুর ভেন্ধি দেখিয়ে দলে টানার কত রকম কেশিল তৈরি করে চলেছে একের পর একটি করে। এই পুরাতন খচ্চরেরা ইসলামি নামে কয়টি মাসিক পত্রিকা বের করেছে। তাও আবার 'আল বদরের' भक्ता পवित्र ग्रानभ्रत्नात नास्म। रैमनास्मत नास्म भिर्धा-भिर्धा निशा प्रश्रत्न व्यापनात মনে হবে, এরা কত বড় গণতন্ত্রের পূজারি। এদের পত্রিকায় কারো নামে অভিযোগ করা হলে আপুনার মনে হবে সাংবাদিকতার নীতি অনুসারে প্রতিবাদ করার যে অধিকারটি সর্বজনশ্বীকৃত সেটার কোনো সামান্যতম প্রয়ৌজন আছে বলেপ্ত এরা মনে করে না। বিবেক পাথর হয়ে যায়। শূকুর বনের এক শ্রেণীর পশু, কিন্তু এদের আকাম-কুকামু দেখলে শুকরগু শরমে পাঁলিয়ে যাবে। মধ্যপ্রাচ্যের এক নেতার মাু্থার উপর দুর্ইটি শিং গজানৌ রাক্ষস-মার্কা ছবির পোস্টার ছাপিয়ে দেয়ালে লাগিয়ে

দেবার জন্য কোনো এক দুতাবাস হতে শত শত রিম দামি কাগজ আর মোটা सालभानि পেয়ে কিছু পোর্ফীর দেয়ালে লাগিয়ে বাকি কাগজ ও सालभानिর খেলাটি হজম। কিছু ভাগ-বাটোয়ারা নিয়ে ওতাওতিতে এসব গোপন ক্থা ফাস হয়ে যাচ্ছে। য়েমন শুনি যে ডাকাতেরা সোনাদানা ডাকাতি করার পর সেই সোনাদানার ভাগ-বাঁটোয়ারা নিয়ে ডাকাতে ডাকাতে মারামারি করে। চিন্তা করুন, এরা কী রক্ষ रेतङानिक रॅंत्रनास्मत बाञा राळ शात्रा हिन्छ। এफ्तत हिन्धिशशानाश ताथा रटन की तकम मानात्व? অথচ এतारै याप्मतत्क रैद्यत्मा कार्नानिकस्मत गाँनि मित्र नामिक নাম্ভিক বলে চিৎকার শুরু করে দেয় তাদের সাপ্তাহিক কাগন্ধণ্ডলোতে যে গণতন্ত্বের অধিকারের কথা বলা হয়, তার চেয়ে অনেক অনেক বেশি গণতন্ত্রের কথা পাগুয়া याग्र পরিষ্কার পানির মধ্যে। এমনকি সেইসব সাপ্তাহিক কাগজগুলোর বিরুদ্ধে জঘন্য ভাষার গালাগালিগুলো পর্যন্ত হবহু ছাপিয়ে দেয়। যুদিও রাজনীতির কিছুই বুঝি না এবং বুঝবার আগ্রহটিও নেই, তবুগু বড়ু ছেলের কিনে আনা পত্রিকার্ডলৈ থৈমন, পুর্বাভাস, খবরের কাগজ, আগামী, এই সুময় ইত্যাদি অলস সুময়ে হাতে নিয়ে পঁড়তে গুরু করি এবং অবাক হয়ে অনেক কিছু ভাবতে বাুধ্য হই। সম্ভবত আমার মেয়ের বয়সের এক মা'র লিখা কয়টি লাইন বুকে দাগ কেটে আছে। এত সুন্দর আর এতুই ভালো লেগেছে যে আমি অধম তাকে প্রায়ই দোয়া করি। খাজা বাবার মাজারে দাঁড়িয়ে চোখের জলে কিছু চাইতেছিলাম। এমুন সময় সেই মেয়েটির লিখা মনে ভেসে আসতেই তার জন্য খ্রাজা বাবার কাছে কিছু চাুইলামূ। অথচ আমি তো সেই মহান মা'কে আজগু দেখি নি! সেই মায়ের লিখা কয়টি লাইন হবহ তুলে ধরলাম : ধর্মের দালান-কোঠা যদি মানুষে-মানুষে ভালোবাসা নন্ট করে, তবে এই পৃথিবী থেকে ধ্বংস হয়ে যাক মন্দ্রি, মসুজিদ, গির্জা ও প্যাগোভার সকল অমিত। ইট-সুভুকির চেয়ে মানুষ বড়। ইট সুভূকির চৈয়ে ভালোবাসা বড়। মায়ের এ কথাওলো यॅरि व्यथम रास योद्क, जा राम व्यामात मटा ऋषु रूप रामाम गत्वयक्त काना जारे ধর্মের ভাষা কোনটি। না দেখা সেই মাকে অমিষ্ট্রণ জানালাম, আসুন আমাদের গবেষণা কেন্দ্রে। আপনার মনের কথাটি বলুন। আমাদের গবেষণার কীক্ষে সহায়ক হতে পারে হয়তো।

धर्मत भूकृति तरु तरु छागरे (क्षृतिभाना) हिर्स असनसात एएक আছে या, अमार हुन रेट भूकृत सत्न ना करत भविष्ठत क्षिर स्व रूट भारत। हु मार्डी छागरे स्व रेट भूकृत सत्न ना करत भविष्ठत क्षिर सत्न रूट भारत। हु मार्डी छागरे रूस शिष्ट या, भानि आह्र तत्न सत्न भारा एत्य ना। आभून, यहि सत्न करतन अरे छागरे किष्टणा निक्र राट एत रूतन भानि आह्र तत्न एति सिर्फ भारतन एत भरतन सानुमध्ता किष्टणा छा रात करतन भानि आह्र तत्न एति भारत निष्कर मार रूप भारतन एति निष्कर हुन प्रति के निष्ठा यहि सत्न करतन असम निभक्त वर्षित तरन अमार हिर्म कर्मा अमार हिर्म प्रति त्या सान करतन, ना! अमार अमार हिर्म मार प्रति निष्ठा यहि न ला रत्न वासारक अस्मिन एत्यन तत्न वामा ताथि। आभनार हिर्म भारत हुम यहा मार हिर्म कर्म वर्ष विनामुला विरुद्ध करता हिर्म भारत हुम रहा याया। अस्त करता भारत हिर्म अस्त हिर्म अस्त करता भारत हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म अस्त करता भारत हिर्म अस्त हिर्म हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म अस्त हिर्म हिर्म अस्त हिर्म ह

जा ष्टाष्ट्रां अनि-वान्नाहरूत याता श्रिष्ठिक क्वित्वां जार्फत कार्ष्ट्रे व्याभात व्यवद्वाध तहें ता त्य, श्रीकां शिश्रा फेंछ त्यभन मार्जाम हित्रा जूल किना हम स्म तक्षिणात वाक्ष्म कार्य करून। वाक्षम तम्म कार्य कार्य वाक्षम वाक्षम कार्य कर्य कार्य कार्य कार्य वाक्षम कार्य वाक्षम कार्य वाक्षम कार्य वाक्षम कार्य कार्य कार्य वाक्षम कार्य कार्य

फिलन। जात जामता ठाएत रे छक वल किष्टू मामाना जार्थिक मारायात कना मिताक फिल अभिया जामता ना? जामनाएमत क्षां क्षां कार्य मान अकब करत नक्ष नक्ष वर्ष ध्रयाक्रल ममारक्षत क्षांनी-छभी रूट छक्त करत मतात मार्या विनामूला नठूवा नाममां मृत्य अमन्छात जाना ध्रांत जानाता यान वाश्नाएम त्य ध्रांत वर्षे ध्रयाक्रल भागित अमन्य क्षांत जानाता व्याच वर्षे अक्षां क्ष्मन छक्त रूपा भागित भागित अट वार्या क्षांत वर्षे अक्षां क्ष्मन छक्त रूपा थाता यि माराया कराणा जामनाएमत वित्वक करक वर्ष मारा एत जा रूपा निर्मा वार्य कर्षा वार्य कर्षे वर्षे वर्षे

विधान ना फर्मन?

যারা দ্রোটরগৃড্রিটাকে বিশ্রাম দেবার জন্য, রোদ-বৃষ্টি হতে বাঁচাবার জন্য তৈরি করে ইটের তৈরি ঘর, তাঁদের কাছে শোষিত বেকার যুবক, ঘূর-নেই মানুষের রাষ্ট্রার ধারে ঝুপড়ি বানিয়ে শিশু-সম্ভানুদের নিয়ে কা মন-কাদানো অবস্থায় জীবনটাকে খড়-কুটা ধরে বাঁচার মতো বেঁচে আছে - এদের কতুটুকু দাম থাকুতে পারে? কতটুকু নিম্নমানের পুশুর চেয়েগু নিম্নমানের হলে পৃথিবীর কৈনুনো জীব-জন্তুদের সঙ্গেও তুলনা দেবার নিদর্শন নেই বলেই এরা 'আসফালুস সাফেলিন' অর্থাৎ উদাহরণ দেবার মতো বিশেষণ ছাড়া একদম নিউ মডেলের পশু। এই সম্পদ জমাকারীরা ধনের নেশায় ভয়ঙ্করভাবে নেশাগ্রস্ত। এই নেশার তুলনা নেই, এ নেশা হেরোইন আর পেথিডিনের মতো মৃত্যুর নেশাকেও হার মানীয়। হেরোইন আর পেথিডিন তো একুটা যুবশঙ্কির মূলে আঘাত হানে। কিন্তু সুন্পদ্ জমাকারীদের নেশা একটি দেশের অধিকাংশ মানুষের "bgZg gvbweK শক্তির উপুর্ই প্রচণ্ড আঘাত হানে না, বরং সামান্যতম বিবেকের বিন্দুটিকৈ পায়ের তলায় পিষ্য়ে মারছে - যখন দেখতে পাই প্রাণহীন লোহের তৈরি মোটরগাড়িটা থাকে ইটের তৈরি দালানে, আর আল্লাহ পাকের সর্বশ্রেষ্ঠ সৃষ্টি মানুষপ্রলো থাকে ফুটপাতের পাশে রূপড়িতে। ইন্তরত ইমাম শাফি একবার দুঃখ করে বলেছিলেন যে, পাক পাঞ্চাতুন (মহানবি, আলি, ফাতেষ্না, হাসান এবং হোসায়েন)-কে ভালবাসতে গিয়ে যদি "শিয়া" অপবাদ মাথায় ठूटन निक्ट रहा, ठूटत स्थामात कंत्रम! खामात क्रिया वर्ज मिशा खात करें नारे। खरम লৈখকও হজরত ইম্রাম শাফির মত্যো চিৎকার করে বলতে চায় যে, এই নিঃম্ব, এই রিক্ত, এই এতিম, মিসকিনদের অধিকারের কথা বললে যদি 'কমিউনিস্ট' অপবাদ माथाय ठूटन निक्क रय, ठा रटन स्थामात कुनम! खूरम ट्यायक रेक कि निक्रें वटन গাল দিটে পারেন। এবং সেই সঙ্গে এ কুথাটি বলে দিতে চাই যে, অনাগত যুগই এর সুন্দর ব্যাখ্যা দিয়ে যাবে। আমরা বালির বাঁধের মতো অনেক বই-পুস্তকের বস্তা हित्य वां पित्र किला कि का कि मान। अर्थे त्रव वर्धे-पूछत्क व्यामात्मत पेत्रत श्रक्त 'शाक-यू' करत अकगामा यूयू नित्क्रण करत घृषिठ त्वरमान क्रानत्व। त्यतार्थन জমাকারীর যদি মৃত্যুদণ্ড নামকৃ শাস্তিই যোগ্য বলে বিবেচিত হয়, তা হলে যারা সম্পদ জুমা করে এইেন অবস্থা তৈরি করে তাদের জন্য কী শাস্তি?

খলিফা ইমর ফারুক ক্রেরজালেম যাচ্ছেন উটের পিঠে চাকরকে বসিয়ে। তারপর? মার্কস, লেনিন আর মাও সে তুং-এর বিবেকের চোখে বোবা বিশ্বয়! সেই উটের রশি ধরে টেনে চলেছেন একশত বাংলাদেশের চাইতেও বড় দেশের প্রধান। দুটি মিনিট নেপেটিভ চিন্তার দর্শন মন হতে সরিয়ে চিন্তা করুন তো। চিন্তা করুন वीश्लाफ्टिग्र छैंचू (?) পर्फर्त अकुछन अत्रकाति कर्मेष्ठातीत भटके कि अर्थे खाष्ट्रतप्र अपूर्णन कर्ता में अर्थे छाट्या शिक्ष मार्थित मा আঅহত্যা, নয়তো পদ্ত্যাগ পত্ৰের প্রুশুটি কি অবধারিত? মাগুলানা ভাসানী যখন ওমর ফারুকের এই ঘটনার বর্ণনা দিচ্ছিলেন মাও সে তুংকে, তখন মাও সে তুং क्रिवन अक्टि क्यार वर्ताष्ट्रत्न : वित्वक्ति माभ्यवाम्क भ्रेश् कता व्यात्रश्च ऋटिन। হূঁ্যা তাই। মানুষের রক্ত শোষণ করে যারা সম্পদের পাহাড় তৈরি করে উপাসনালয়ে वाणात वागुर्वे अर्थ करत जाता ज्थन? ज्थन क्षेत्र कनजात क्रकि कर्छत्रत स्थानात्वत खरूरत दुण्डे क्षार्ट्य : 'ख चरत क्षार्ट्य सक्ता स्थाप्त कार्ट्य कार्ट्य व्यात मन्त्रमू क्रमाकातीता আশুয় श्रर्थ करत সে घत जात यारे स्टाक ना कन, अट्टा क्थलारे व्यानारत ्रवत रुळ भारत ना।' এक সেत रुरतारैनमर धता-भरुा व्यामाभीत फिर्क रा রক্রটক্ষু নিয়ে তাকায়, সে তাকানোর ভাষা হুলো মৃত্যুদণ্ড। আর যারা দশের আমানত বেমালুম হজম করে বুসে আছে তাদের দিকে তাঁকাবো কীভাবে?ু বলবেন কি? বুকে হাতু রৈখে বলুন, কী ধরনের উপহার পাবার যোগ্য তারা? এই বিবেকের দাঁড়িপাল্লায় উঁচু-নিচু হবার অড় বইতে চায়। আল্লাহু পাক আমাদের শাহারণের চেয়েও নিকটে আছেন, আছেন রবরূপে, আছেন আদিল তথা সুক্ষা বিচারকরূপে আমাদেরই একান্থ কাছে-কাছে। আছেন আমাদেরই অন্তিত্বের প্রতিটি সুক্ষাতম কোষে-কোষে। কী অপূর্ব কোরান-এর আটুষট্টি নম্বর সূরা কালাম। কী বিজ্ঞানময় मुक्ता ভाষার गाँथूनि मूता कालास। शृं शिर्वीक अर्डे विक्रानसम् कातान-अर्वे कुलना कर्ती रात्राकत। कृतिन, र्कातानर रूला अक्षाब पूर्वात्र क्षीवनर्पन। भाकर्मवार राष्ट्रित रेठिराम टिति कत्रट निर्देश नाश्चिकठारक रकारण जूल

মাকর্পবাদ হাড়ির ইতিহাস তৈরি করতে গিয়ে নাছিকতাকে কোলে তুলে নিয়েছে। হাড়ির ইতিহাস আত্মার গবেষণাকে ফেলে দিয়ে মুক্তির বাণী শোনায়। কিছু অসম্ব। আপেক্ষিক (কিছু দিনের জন্য) সত্যরূপে প্রতিভাত হলেগু সার্বিক (সব সময়ের জন্য) সত্যের সামনে মার্কসবাদ মাথা নিচু করে কাঁদে। কাঁদতে হবেই, এটা অমোঘ সত্য। তাই তো মার্কসের 'হাড়িইজম' বার বার রোগা হচ্ছে আর পরিবর্তনের ইনজেকশন দিয়ে তাকে টিকিয়ে রাখা হচ্ছে। কিছু যেদিন বিশ্বনবির কণ্ঠ হতে নির্গত আল্লাহর মহাবাণী কোরান-এর মর্মবাণী উদ্ধার করা হবে, উদ্ধার করা হবে সর্বযুগের জীবনব্যবস্থার একটি পূর্ণাঙ্গ জীবনদর্শন, সেদিন মার্কপবাদ এইড্স রোগে আক্রান্ত হতে বাধ্য। যেদিন হজরত বাবা শাহ সুফি লালন ফকিরের অতি সহজ শব্দের গাঁথুনিতে রচিত পদ্যে কোরান-এর ব্যাখ্যা বাহির করতে পারবে - কারণ অধ্যাত্মবাদের মধ্যেও যে একটি অধ্যাত্মসাম্য থাকতে পারে তারই সম্বাট হলেন লালন ফকির - যেদিন ইমাম হোসায়েনের ইসলাম প্রতিষ্ঠিত হবে, যেদিন এজিদের রঙ্গ-চড়া চোখ-ধাধানো মরীচিকার ইমিটেশন-মার্কা এজিদি ইসলামেকে ডার্টবিনে নিক্ষেপ করতে পারবে, সেইদিন কি হোসায়েনি ইসলামের হাঁটি হাঁটি

পায়ে চুলার বাস্তব রূপটি কোখাও প্রতিফলিত হবে?

दिश्व मृत्यू र्यथात त्रव किष्टूत त्यव त्रिक्षाष्ठ वत्त धत्त त्रिश्वा रहा, धत्त त्रिश्वा रहा अर्थ प्रिवीत जीवनिए अक्षाव त्र्या, त्रभात त्कवन माक्त्रवाहर नहा, वतः त्य त्वाता नव्य जात पूताचन मण्यात (रिज्य) त्रभ जात युक्तित नाएानाएत एः यण्रे जापाण्य निर्मुण वत्न मत्न त्याक ना त्कन, किष्ठ भूव धीत्व धीत्व यथन गर्ळ त्रद्ध राज-त्रा छाडात जातक पृथा प्रस्था त्रात जातक प्रमा त्रभ त्रिष्ठ राज-त्रा छाडात जातक पृथा प्रस्था त्रात त्रभ त्रभ होता त्या है विष्ठ जात व्यातक प्रमा त्रभ त्रभ त्रभ त्रभ त्रभ त्रभ त्रभ व्यात व्यातक व्यातक

লাগাবার নতুন নতুন প্রয়োগ ব্যবস্থা। কারণ, আপেক্ষিক সত্ত্যের প্রশ্নে প্ররা দৈহিক মৃত্যুটাই সব কিছুর শেষ বলে সিদ্ধান্ত নেবার ঘোষণা করে নি, বরং সার্বিক সত্যরূপে চুট্টান্ত সিদ্ধান্ত নেবার ঘোষণা করা হয়েছে। যার দরুণ প্রয়োগপদ্ধতিটাই মুখ্য এবং ট্রিই প্রয়োগপদ্ধতিটার যতই নতুনু নতুন ধরন-ধারণ বাহির করা হোকু না কেন, উহা হয়ে পড়ে একটি পূর্ণাঙ্গ জীবনদর্শনের পরিবর্তে একটি পূর্ণাঙ্গ জীবনবিধান। একটি পূর্ণাঙ্গ জীবনবিধান' - বার বার এই ভুল্টি, এত বেশি প্রচার করা হয়েছে, यात मुक्त संगक्त स्थानार कतात मेळा 'पूर्वाक मैंनन'- अत करातात सून नाम 'पूर्वाक करिनिविधान' तना रूप्त। अ कनुरहे अत कन्छित खलक तकम नाम रळ भारत - स्थमन যান্ত্ৰিক বস্থুসর্বস্ববাদ, क्रीवन. व्यार्थन সর্বস্ব ধমক দেবার व्यक्षाव्यवाम, मतमिवाम, मुक्तिवाम, किति इंग्डामि नासित नेत्रवामि हिंक फर्मनछत्नात्क दूकसन् करत् अर्थे कता याग्न, a **डि**शु ना कूद्त वतः **डूं**ट्र साद्त यङ त्रव জ্যন্য গালাগালির বিশ্লেষণ - যেমনু অফ্রেয়বাদ, গাঁজাখুরি, ভণ্ডামি, ফুল বাবুর চিন্ত

াধারা, অলস মাথাুর বিকৃত ফসল ইত্যাদি।

মৃত্যুর পরগুজাবন আছে, পুরস্কার আর শান্তি আছে। যদিও এণ্ডলো সাদা চোখে মোটেই ধরার ইপায় নেই। তবুষ্টু এই অধ্যাত্মবাদকে কে**ট্ মাুরতে পারবে না - এটা** माता क्रीत्न नामिकातास्त्र भूकाति भ्रमातक हतात भत्र दिस्क मृद्यात मामतन भ्रद्रम অকারণেই আধ্যাত্মবাদের কুয়াশা কাঁদায়। এটা যেন আগাছা মনে ইলেও আপনিই গন্ধায়। জীবনে কোনো দিন টাষ করা তো দূরে থাক, মূনেগু করতে চায় নি। সেই অধ্যাঅবাদ মুত্যুর সামূলে এসে আগাছার মতো আপনিই গজিয়ে উঠবে। হাঁট্য গজাবেই। কার্রণ, এটাই যে জীবনের পূর্ণাঙ্গ দর্শন, যা সে নিজের ইচ্ছায় নয়, বরং मामांकिक क्रीवन्वावश्राय व्याव्यविद्धाध प्रित्थ वाम मिळ वाधा रुखाए। किश्व मानुत्यत দৈহিক মৃত্যু যতদিন যাকরে, ততদিন অধ্যাত্মবাদকে কেন্ট মেরে ফেলতে পাররে না। কারণ, এটা এমনই এক জিনিস যা কেন্ট ঝেটিয়ে চিরবিদায় করে দিতে চাইলেণ্ড আবার আপন ঘ্রেই বুমেরাং-এর মতো ফিরে আসে। লৌকিকতার অবগুণ্ঠনে অশ্বীকার করছে, কিন্তু শ্রোন্তার অবওঠনে অধ্যাঅবাদের দর্জার সামুনে মাথা নিচু করে ফুঁপিয়ে কাঁদছে। সত্যিই আল্লাহ পাক, তুমি মহান না নিচুর জানি না, জানার জন্য চেন্টাগু করি নি কোনোদিন। কিন্তু আজ বিদায় বেলায় কেন মনের একান্ত গর্ভে তোমার কথা মনে হয়? যিশুর মহাক্ষমার দর্শন : 'এক গালে চড় মারলে আর এক গাল পেত্রে দাও', 'আল্লাহ, তুমি ওদের ক্ষমা করে দাও, ওরা যা করছে তা ওরা নিজেরাই জানে না' – এ রক্ষ কত উপদেশকে কত রক্ষ কুৎসিত আর জ্ঘন্য বিশ্লেষণের কাপড় পরিয়েছি, কিন্তু মৃত্যুর শেষপ্রান্তে এসে অকারণেই বুকে জড়িয়ে थदा त्रवातू जनस्का भाषा निष्ट्र रख्य योटिए।

তবে কি ঐ ऋषात वापीर সার্বিক সত্যং যদিও আপেক্ষিক অর্থে এতকাল জেনেছি

অন্যৱক্ষ।

भाद्यकर की ३ क्व?

व्याद्वित 'व्यादारां' मक् रूक साद्वरूठ। व्यादारा वर्ष रता काना, क्रान लाछ कदा। साद्वरूठ वर्ष लक्ष क्रान। साद्वरूठ मिद्ध क्रभठ ३ क्रीवत्वद य काता विष्दाद मग्नुक क्रान क्राना यारा। यून पर्मन श्रक्ठ पर्मन नय, मृक्ष्म पर्मन श्रक्ठ पर्मन। क्रानीभप मृक्ष्मठा व्यवनयन कद्ध क्रीवन ३ क्रभठक फ्रिंच, रेरारे साद्वरूठ। त्याक्त याक साद्वरूठ वर्षा सत्व कद्ध, व्यामत्व छेरा साद्वरूठ नय। काद्वप व्यक्षाठ विषय क्रानाहार साद्वरूठ। व्यक्षाठ विषय क्रानाहार साद्वरूठ। व्यक्षाठ विषय क्रानाहार साद्वरूठ, व्यामत क्रान्य व्यक्षाठ विषय क्रान साद्वरूठ, साद्वरूठ, स्वान साद्वरूठ, स्वान क्रान्य व्यक्षाठ विषय क्रान साद्वरूठ, स्वान साद्वरूठ, स्वान क्रान्य व्यक्षाठ विषय साव्यक्ष साद्वरूठ, स्वान साव्यक्ष व्यवस्थान क्रान्य व्यक्षाठ क्रान साव्यक्ष साद्वरूठ, स्वान क्रान्य व्यवस्थान क्रान्य व्यवस्थान क्रान्य साव्यक्ष साव्यक्ष व्यवस्थान क्रान्य साव्यक्ष स्वान क्रान्य व्यवस्थान क्रान्य साव्यक्ष साव्यक्य साव्यक्ष साव्

তার রবের পরিচয় পায়। রবের পরিচয় পেলে সে তার সৃষ্টিকর্তা, পালনকর্তা ৪ ধ্বংসকর্তার সম্যক পরিচয় লাভ করে। যতদিন পর্যন্ত মানুষ এই রবের পরিচয় না পায়, ততদিন সে দুংখচক্রের আবর্তে নিজের দুংখ নিজে সৃষ্ঠন করে ঘুরতে থাকে। এ জন্য কোরান বলছে, ওয়ান্তাকু রাব্বাকুম তোমরা তোমাদের রব সম্বন্ধে সাবধান হও। ইহাই মারেফতের গোপন কথা।

অতএব, বাজারের বিতর্কমূলক তথাকথিত শরিয়তের ধোঁকায় পড়ে পরস্পর আত্মকলহে লিপ্ত হয়ো না। আপন দেহ হতে আপন রবের মারেফতের দ্বার উদঘাটন করে আল কেতাবের শরিয়ত বুঝে লগু, তবেই সকল বিতর্কের অবসান ঘটবে। মারেফতের গোপন কথা আসলে গোপন নয়। সম্যক গুরুর প্রতি ভক্তিযোগ অথবা জ্ঞানযোগের পথ ধরলেই গোপন কথার তালা খুলে আল কেতাবের দ্বার খুলে যাবে।

ভালো করে জেনে রাখুন

रान **आभ**रन वित्मेष करत कि्र्यू भाष्ट्रात्राग्न भात्र कता आदूनम <u>अवः भूकठिता</u> कथाग्न कथाश नतन भूननभान छाइएहेत्रकों कारफत् करछाशा हित्स वसनी खूरिए छाता क्टांजन ना या, कळाशा-ब माक्रन छन्म (८८०/১২)-ब कळाशा विषया की উপদেশ দিয়ে সাবধান করে দেওয়া হয়েছৈ : 'কাফের ফতোয়া দেবার প্রশ্ন উঠলে দেখতে হবে যে, যদি শতকরা নিরানব্বই ভাগ কাফের বলার অবকাশ থাকে, কিছু মাত্র এক ভাগ কাুফের না বলার সম্ভাবনা থাকে, তবে অবশ্যই মুফতি এবং কার্জি कारकत कळाशा हिळ भातत्व ना। वाह हुक्त भूशठात नाभक कळाशात कठात्वत भूठाह व्यक्षात्मत (७৯৯/७) कळाशाळ न्यूष्ट वेना रुख्य रा, 'कारकत कळाशा र्फितात युष्टि व्यत्नकं कातपंछ शास्क्र, छतुछ यिष्ट्र भाव अकिंग कातपं कारकत ना स्तात জুন্য বাহির করা যায়, তা হলে কোনৌ মতেই মুফুতি এবং কান্তি কাফের ফুতোয়া <u> फिल्ल भारति ना। अर्हा खल्ला त्रामानामाय अर्की विषय ख, ইमलासित ইতিহাসে</u> विशाण किष्टू व्यात्मिता अत्क व्यभदात उभत या-ण मञ्जर कदा शिष्ट्रन। यमन व्यामाप्नत मुन्नि कामाद्वात रकत्र रुमाम व्यातू रानिका-त्क णतिश-र शिलूत नामक কেতারের লৈখক খতিব বাগদাদি দান্ধাল বলৈছেন। হজরুত ইউসুফ সাউরি জঘন্য এবং অপাঠ্য সমাুলোচনা করে গেছেন ইমাম আবু হানিফা-কে। এ রক্ষভাবে रक्तर रहा मानिक-एक कर्छात त्रभात्माहना कर्त्वर्ष्टन साराश्वम रेवरने रेतराक **अवः रैवल खावि क्रिव। रक्रत्रज रैमाम भारक्शिक रैवल मुरैन। रै**ज्यां ि वर नमूना एटन ध्रुता याय।

ি স্বচেয়ে মন্তার ব্যাপার হলো, হানাফিরা শাফেয়িদেরকে, আবার শাফেয়িরা হানাফিদেরকে যেমন কঠোর সমালোচনা করেছেন, তেমনি মালেকিরা হামলিদের এবং হামলিরা উপরে বর্ণিত তিন মহান ইমামদেরকে কঠোর সমালোচনা করেছেন

এবং একে অপরকে গোমরাহ বলেছেন।

संशानित विशे त्राशीता अवर व्यापन চाচाछ छाई रक्षत्र व्यापनूनार हैवल व्याक्तात्र (ता.) तृष्टत अकि उपरम्भ मिरा शिष्टन अहे वर्ल रा, 'राशालह छान पार्त छा व्यर्जन करत निष्ठ। व्यात रक्षनार गारश्वत पश्चिछरम्त वाग्छा अवर त्रभारणाचना अर्थ कत्र राष्ठ ना। कात्रभ, अता स्थाशास्त्र वात्र कता भानूषत्रभी स्वकृति मन। अता अरक व्यत्यात उपत छुगु रहा।'

क्वत ३ साक्षात विषया व्यात्माचना

মাজার পবিত্র স্থান। কারণ ইহা কবর নয়। কবর এবং মাজারের মধ্যে আকাশ-পাতাল প্রভেদ। অবশ্য ধর্মীয় পরিভাষায়। কেননা, মৃত মানুষের জন্য কবর।

জীবিতের জন্য নয়। অথচ সর্বশক্তিমান আল্লাহতে যিনি ফানা তথা নির্বাণপ্লাপ্ত टूर्यूष्ट्रन हैनलाम ठूँ। रक निर्मास अधिक वेंद्रन पृष्ट्र हार सामगा करत्र ए । मूर्जताः र्शिन সর্বসময়ে জীবিত তাঁর আস্তানাকে কবর না বলে মাজার বলা হয়। ইসলামে क्वत-পূজा निरुष। कातप, क्वर्त भृष्ठ वाक्ति शास्त्रन। यिष्ठ वाक्रकान व्यासता माक्रात बिवः कवदात मुक्ता श्रुट्छम् नो वूट्या ममास्क्रत व्यत्नक गनामाना वाकि अ নেতাদের কবরকেগু মাজার বলি। ইহা আমাদের একান্ত অনিচ্ছাকৃত ভুল। তা ছাড়া পবিত্র এক ইস্লাম ইতোমধ্যেই ৭৩ (তেহান্তর)-টি ভাগে বিভক্ত হয়ে গেছে। এই ৭৩ (তেহান্তরটি) ভাগের মধ্যে প্রত্যেক ভাগের আবার নিজম্ব দর্শন আছে এবং প্রত্যেক ভাগের অনুসারীরা তাদের দর্শুনই কোরান এবং সুন্নাহ ভিঙ্কিক বলে দাবি করেন এবং অনেক সময় এই দাবির যুক্তিযুক্ততা নিয়ে ঝগড়া এমনকি খুনাখুনি পর্যন্ত र्खा शिष्ट अवर अथने रहा। कथाना त्रीति के कार्षिशानिए ते सर्रिंग, व्यावाति कथाना त्रुति अवर निशाएनत सर्रिंग, व्यावात कथाना त्रुति अवर कशाविएनत सर्रिंग,

হজরত মোহাম্বদ (আ.)-এর নামে যদি সৌদি আরবে মিলাদুন্নবি পাঠ করেন তবে সঙ্গে সঙ্গে চাবুকের আঘাত খেতে হবে। কারণ সোদি আরবের শ্রুদ্ধেয় ভাইয়েরা था**य त्रवार अरावि धवः अराविता नवित नाम** क्षिलाम পाठ कतात्क त्यद्वक, त्वमाठ **अवः नाकाराक भल करतन। अकसाब त्रुन्नि सूत्रनभाजितार साकातरक त्रुन्नान करतन।** मुत्रनभानएत्त मुक्षा अभन ५न७ व्याएश्ने यात्रा भाकात तरन काला किष्टु भानका ঐকদম নারাজ। এই রকম একটি দলের নাম গুহাবি। শ্রুদ্ধেয় গুহাবি ভাইয়েরা সংখ্যায় অনেক কম হলেও সুন্নিদের মধ্যে প্রবেশ কুরে সুন্নিদের ধর্মদর্শনের ভারসাম্য নষ্ট করে দিচ্ছেন। হাইকোটের মাজার শরিফে যিনি আছৈন তার নাম হজরত খাজা শরফুদ্দিন চিশতি। ইসলামের অন্য কোনো দল অথবা তরিকায় গানবাদ্য জায়েজ থাকুক আর নাই থাকুক, কিন্তু চিশতিয়া তরিকা ইহার সম্পূর্ণ ব্যতিক্রম। চিশতিয়া তরিকার মধ্যেই কাওয়ালি, গজল, নাত, মুরশিদি বিভিন্ন প্রকার গানবাদ্য হয়ে আসুছে। বিভিন্ন সুরের সুষ্টা হজরত নিজাম উদ্দিন আওলিয়া-র প্রধান শিষ্য হজরত

আমির খসরু চিশীত তার উদ্ধল এবং বিস্ময়কর প্রমাণ।

সমগ্র কোরান শরিফের কোষাগু গান-বাদ্যের বিরুদ্ধে একটি শব্দগু উচ্চারিত হয় নি। কেবলমাত্র দুইটি শব্দের শাব্দিক ব্যাখ্যা নিয়ে অনুবাদকারীর বিভিন্ন মতামত প্রতিফলিত হয়েছে। সমগ্র কোরান শরিফে যে দুইটি শব্দকে ভিত্তি করে অনেক শুদ্ধেয় ভূাইয়েরা গানবাদ্য না-জায়েজ করেছেন, সৈই শব্দ দুটো হলো লাহওয়াল राष्ट्रिम। छेरा त्रुता त्माकसात्मत ছয় नश्वत व्याग्नाट्य व्याद्ध। व्यातीत ভाষाग्न मारशुराम শব্দের অর্থ হুল বাজে তথা অসাড় এবং হাদিস শব্দের অর্থ হলো কথা। দুটো মিলে শান্দিক অর্থ দাঁড়ালো বাজে কথা। এই 'অসাড় অথবা বাজে কথা'-কেই মুলধন করে কেউ গানবাদ্যকে বুঝিয়েছেন, আবার কেউ কবিতাকে বুঝিয়েছেন, আবার কেউ গানবাদ্য এবং কবিতা দুটোর একটিূও বোুঝায় নি ্বলে মন্তব্য করেছেন। আবাুুুর অনেকে বলেছেনু যেহেতুঁ হজরত দাউদ নবি (আ.) গানবাদ্য করতেনু এবং তার মধুর সুরে এমনকি পশু-পাখি পর্যন্ত আসতো সেই হেতু 'লাহগুয়াল হাদিস' বলতে গানবাদ্যকে বুঝালো হয় নি, যেহেতু তিনিগু একজন অতি সন্মানীয় নবি ছিলেন। অনেকে আবার এই বলেও মন্তব্য করৈছেন যে, যেহেতু গানবাদ্যের আরবি ভাষায় প্রতিশব্দ হল 'গুনা' সেই হেতু গেনা শব্দুটি কোরান-এর কোথাও একুটি বারের क्रनाक तना रस नि अवः यारके तना रस नि मरे रक्ष नारकसान मक्ति यात वर्ष অনর্থক-বাঙ্গে-অসারের দ্বারা গানবাদ্যকে বোঝানো ইয় নি। অনেকটা নানা মুনির नाना भळत भळा त्मानाग्र।

रुक्तर शाका सन्देनुष्टिन हिम्छि अवः रुक्तर्छ निकासर्छेष्टिन वार्डेनिया हिम्छित মাজারে সব সময় কাওঁয়ালি, গজুল, নাত ইত্যাদি হয়ে আসছে এবং মাজার শরিফের পাশেই নামাজ পড়ার জন্য মুসজিদ্ধ আছে। এশার নামাজ শেষে দিল্লিতে অবস্থিত रुक्रत्र निकास्डेफिन আউলিয়া চিশতির साक्राद्ध गान्वामा अक्र रয় কিন্তু আজমিরে অবস্থিত খাজা বাবার মাজারে এইসব টাইম টেবিলের খব কমই খেয়াল রাখা হয়। কারণ, সেখানে শত শত কাগুয়াল একই সময়ে গান গেয়ে চলেছে। শত শত বাদ্য-বাজনার দল একই সময়ে বাজিয়ে চলেছে। হাজার হাজার লোক একই সময় জিকির করছে। হাজার হাজার লোক একই সময়ে কোরান পড়ছে, মিলাদ পড়ছে, দাঁড়িয়ে নেচে-নেচে জিকির করছে, চিংকার করে কাঁদছে ইত্যাদি। এ যেন এক আজব দূরবার। এখানে যেন সব নদীর মিলনম্বল মহাসমুদ্র এবং মহাসার্বজনীন। এত বড়ু সার্বজনীনতার বিশাল প্রকাশ পৃথিবীর আর কোলোঁ নবি-ওলির মাজারে আছে কি না আমার জানা নেই। কারণ, এখানে পৃথিবীর এমন কোনো সম্প্রদায়ের लाक लर्डे या व्यात्रा-याश्रया ना कद्धन। त्रुणताः शोका वावात्रर्डे व्यापन जानिना वृत्त কথিত হাইকোর্টের মাজারে যিনি আছেন সেই হজুরতু খাজা শরফুদ্দিন চিশতির মাজারে কাগুয়ালি, গজল, নাতু, মারফতি এবং মুরশিদি গান বহু পূর্ব হতেই শুরু रखिष्ट। कि हु अथन साक्षातं कि सिंग्लिक् व्यना शाखित कर्यक्रम मुद्धस्य शास्त्र अदिम কুরে যে স্থানটিতে সব সময় কাওয়ালি হতো সেই স্থানটিকে মসঙ্গিদের ভিতর ফেলে দিয়েছেন এবং এখানেই ইহার শেষ ুনা করে সমস্ত স্থানটিকে বেড়িবাঁধের মুতো আটক করে সেই স্থান হতে কাগুয়ালির নাম-গন্ধ পর্যন্ত উঠিয়ে দিয়েছেন। যদিগু মাজার কমিটির ভেতর কয়েকজন শুদ্ধেয় খাদেম ইহাতে আপত্তি তোলা সত্ত্বত क्ताता कल रत्र वि।

साम्रात व्यानार्त भागनाएत घत। अथाल विषित्व धतलत व्यानार्त व्याप्तन व्याप्तत अवः विषित्वछात जाएत सलत छाव श्रकाम कतत्व। अथाल शानाभर अकसात कृत जार व्याप्त क्या कृत व्याप्त व्याप्त

भावस साराम्म (आ.), भावस रंगा (आ.), भावस मुना (आ.), भावस मार्छेष (आ.), भावस रंतारिस (आ.) - अ तकमछात् कराक लक्ष आभाएत भावसित मुर्थ तक्ष आण्ठार करा (भणाम? तक्ष भावसित काष्ट्रिकर आण्ठार अक्षा करा विलाव साध्रम अर्था अवल्य करत नित्तन? तक्ष भावस्य कराता (रंत्रार्ट्छ)-तक्ष आण्ठार कराता वत्त साध्रम अर्था अर्थ आण्ठार तक्ष भावस्य कराता (रंत्रार्ट्छ)-तक्ष आण्ठार कराता वत्त साध्रमा करा रता? भावस्य आण्ठार आण्ठार काण्ठिस तर्था वत्ता अर्थ आण्ठार मान्त्र तर्था वत्ता साम्य स

ति उग्राक्ष उथा नत नाताग्रंप तत्म क्ला खोषपा कता रता?

দেহ यि क्र उपा व्याच्या ना रस उत्त क्र उपा व्याच्यात व्याप्त व्याप्ट कि? व्याच्या मर रद्ध विषास धर्म क्र क्ष म्हर्म वास नाम म्हर्स रहे कि? व्याकात भरत निमास नारफ़ िन राठ, किष्ठ व्याच्यात व्याकात की? व्याच्यात यिष्ट काला व्याकात ना भारक ठर्व व्याच्या कि निताकात? ठर्व कि सानुस्थ निताकात? व्यामार या निताकात अट्टा व्याठ नाभातप सानुस्थ काल, किष्ठ सानुस्थतथ या काला व्याकात्र ल्या क्याक्त व्याठ्य भारत? क्ष्मा भारि हामाय या-सानुस्थि व्यात व्युत रिक्षानिक व्यार्थनम्यारन सानुस्थित क्षितिक हारिष्टा अक रस्थ विष्टा-वृद्धिक

कि व्याकाশ-পाठाल व्यवधान পार्हे ना?

एट यिष व्याचात (भागांक रहा उत्त (भागांक हों कि व्याचा तनता? कान्य त्यां सन एट्टर (भागांक ठांटें तल कि कान्य हार (भागांक एट तल हानिया एत? व्याचात विक्रांनी रक्तर महिन्छित हिगठि व्यान (रामांचेंनि व्यान रामांने ठांत भिव मक्रूताळ शका नामक भूमके (यांचा करानन, हुंकुमना काना भागळ तळ उर् ह्र ह्रामांचें शाद कि व्याना हार विक्रांने व्याना हार विक्रांने व्याना हार विक्रांने हुंकि वाला हार विक्रांने वाला हार विक्रांने रक्ति हुंकि वाला हार वाला हुंकि वाला हार व्याम व्याना हार वाला हुंकि वाला हार वाला हुंकि वाला हुंकि वाला हार वाला हुंकि हुंकि वाला हुंकि हुंकि वाला हुंकि वाला हुंकि हुंकि वाला हुंकि हुंकि हुंकि वाला हुंकि हुंकि वाला हुंकि हुंकि हुंकि वाला हुंकि हुंकि वाला हुंकि ह

यानार क्या त्रविषदार क्रमणावान वर्ण यदनकवात सामगा करतष्ट्रन। छत्व यानारत कथा त्रन याकारम सास्तर गर्झन कतात मक्या मन्द्र करत यामाप्तर क्रानिता मिलान ना? ना रम विक्रिन एमकात्नात मक्ष्या यालात विष्ठित द्वथा मिला यानारत कथा त्रिन वाथ मिलान ना? ना रम वत्रकत एकदा मिलात भण्यत मक्ष्या क्रान्यत कथा त्रन विश्व विक्रिण नाथ ना रम वत्रक्ष्य करता यामाप्तर क्रानात्मन ना? द्विक क्ष्या वाकारम इत्य विक्रापन कथा सक्या क्षयत याकारम इत्य क्षया क्षया क्षया वाकारम वाथ यामाप्तर कथा क्षया वाकारम वाथ यामाप्तर कथा क्षया वाथ यामाप्तर व्याप्तर वामाप्तर वाथ यामाप्तर वाथ याभ

मृष्टितरस्यात व्यात्माचना

विक्राक्रन यि विभिन्न रहा अवः रारेष्ट्राक्रन रहा अभिविन्निन अवः उँछয়ঢ়ात नः मिन्ति या प्राप्ति ना त्या क्रित्र ना विक्र ना विद्या विक्र ना ना विक्र ना विद्या विक्र ना विक्र ना ना विक्र ना विद्या विक्र ना विक्र ना विद्या विक्र ना विक्र ना विद्या विक्र ना विक्र ना विक्र ना विद्या विद्या विद्या विक्र विद्या विक्र ना विक्र

সম্পূর্ণ অপবিত্র (অ্যাবসোলিউট ব্যাড)। এই সুম্পূর্ণ অপবিত্র তথা শয়তানকেও वाल्लीहरूत काट्ट मेन्सूर्य शाताभू नागला। ठाँह ठिनि मेन्सूर्य छाला किर्दिमच्या बात সুন্দুর্ণ খারাপ শয়তানৈর সংমিশ্রণে বানালেন মানুষ। এই ফেরেস্তা এবং শয়তানের মিশ্রিত রূপ মানুষই আল্লাহর কাঁছে সবচাইতে প্রিয়ী। তাই মানুষকে সৃষ্টির শ্রেছ জীব তথা আশুরাফুল মাখলুকাত (ফ্রান্টুন অব দ্য ফ্রিয়েশন) বলৈ ঘৌষণা করলেন। নির্দিউ সীমিত স্বাধীন ইচ্ছাশক্তি (লিমিটেড ফ্রি উইল অ্যান্ড চয়েজ) দেওয়া হলো। **अर्थे इन्हामिक एशा व्यामिक वर्জन कदा व्यान्नार्थक काना रुख यावात कर्मुना फिल्नन।** আমিত বর্জন করলেই আঁল্রাহর জাতের সঙ্গৈ মিশে যাবার সর্বোচ্চ পুরষ্কার পাবার

कथा धाष्या कत्रल्व।

এক ফোটা পানি অনেকু পানির মধ্যে ফেলে দিলে যেমন সুম্পূর্ণরূপে মিশে যায়, সেই নির্দিষ্ট পানির ফোটাটি আর খুঁজে পাওয়া যায় না, তেমনি একের মুধ্যে মিশে একাকার হয়ে যাবার একমাত্র উপদৈশ দিলেন। সেই এক্ষাত্র উপদেশটি আমরা বহুপুর্ব হতেই পেয়েছি এবং ইসলাম অতি স্পষ্ট ভাষায় বলিছ কঠে ঘোষণা করলেন, या निष्कर्त ि विच्छे (भरतिष्ट (म छात श्रञ्चर्त छशा वाल्लाहर्त ि विच्छे (भरतिष्ट । अशार्त व्याल्लाहर्त हित्त विचार क्षेत्र क्षेत्र विक्षर्त क्षेत्र विक्षर क्षेत्र क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र क्षेत्र विक्षर क्षेत्र विक्षर क्षेत्र क ि द्विष्टिन अतः अ-छ तेना रखिष्ट त्य, जाभूनात्क किनळ भातत्वर जानारक क्रना रुख् शिष्ट। त्रमञ्ज रुमनामि मर्गतनत् भून छिछि ठथा यठः त्रिक्त मठा (अक्रीमखात्मिकि দ্বুথ) হলো নিজেকে চেনা (নো দাই সৈলফ)। আর কোনো উপদেশই আল্লাহ কর্তৃক দৈওয়া হয় নি, হোক না যদিও সেই উপদেশ কয়েক লক্ষ অথবা কয়েক কোটি, যা रैंत्रनामि দर्गलंत भून छिंहिरक रक्तु कुद्ध वना रखिष्ट। भवातू व्यारंग भद्ध यांछे, जा रल यात मुक्रा लिंह। कातप, श्रव्योकिष मानुषक मान अकिषिवादात क्रना यवगार মৃত্যুর স্বাদু গ্রন্থীইণু কুরতেই হবে বলে ঘোষণা ক্রিলেন। মুরারু আগে কেমন করে মারা योति? श्रमिष्ठि ठिनि कतलन वावात श्रद्भत छेंडतिछ छिनिष्ट फिलन अहे वल या, **क्याबात व्याबिल क्याबा एक मन्यूर्ग पूत केंद्र पाछ, इंशर्ड एला बतात व्यार्ग बद्ध** যাবার উপদেশ।

আুআর বিজ্ঞানী হজরত বায়েজিদ বোস্তামি-কে তাঁর এক মুরিদ প্রশ্ন কুরেছিলেন या, की तकम (लाटकत त्रश्वाद्य शाकरवा? ठात छैंबदा ठिनि अपूर्वे वर्षणिष्टलन या, यात मर्रा जामि अवुः ठूमि तिर। जात्यात विकानी मनतूत राल्लाक-अत जानाल रक ठशा 'जामिर अकमात त्रठा'

ঘোষণার গভীরতম রহস্য এখানেই লুকিয়ে আছে।

আআর বিজ্ঞানী শামুসে তাব্লিজ-এর 'আমিই সর্বপ্রথম, আমিই সূর্বশেষ, আমিই একুমাত্র প্রকাশ্য এবং আমিই একীমাত্র গোপনীয়' বলার মাঝে এই গভীরতম রহস্যের ইঙ্গিত বহন কুরেছে।

আআুর বিজ্ঞানী হজরত শে্খ ফুরিদ-এর 'আমিই গুলি, আমিই আলি, আুমিই नित, আधिर माञ्जाना, আधिर त्रीतपुरुष এतः আधिर मिन्दित द्वाञ्चप पूर्वारिल

वनात गर्छीत्र व्याप्त विश्वास स्थाप्त है निर्देश व्याप्त । व्याप्त विश्वास त्र विश्वास स्थाप्त विश्वास निर्देश विश्वास विश्वास निर्देश के स्थाप्त विश्वास निर्देश के स्थाप्त विश्वास के स्थाप्त के स्थापत के स्थ তিনি পানিতেপ্ত নেই, মাটিতেও নেই; তিনি আন্তন্ত নন, বাতাস্থ্ৰ নন, মাটিও নন, পानिश ननः छिनि भूक्ष्यश नन, छिन् सरिलाश नन् अवः रक्षत्रास्त्रेम नामक र्वास्टिखर ফেরেশতাপ্ত নন। যদি আমরা প্রশ্ন করি, তবে আপনি কে? উত্তরটি সহজ, যা হজরত सनमृत राष्ट्राक तत्नाष्ट्रत्नन।

কৈনো প্রকন্ত্র আ্যার বিজ্ঞানী আল্লাহুর ওলিকে প্রশ্ন করা হয়েছিল যে, তাঁুর কি মৃত্যু নেই? তিনি উন্তর দিলেন, না, গুলি আল্লাহ ক্রখনোই মুরেন না। (গুলি व्यान्नारि ना रहा भुष्ट्र)। व्यावात श्रम्भ कता रतना, त्वन भद्धन ना? छिनि युन्हत अंकिंटि উত্তর দিলেন, যেন্তেতু মৃত্যুর স্বাদ কেবলমাত্র একবারই গ্রহণ করতে হয়, দুইবার নয়, সেহেতু গুলি আর মুরেন না। যেহেতু মারা যাবার আগেই গুলি মারা যান,

সেহেতু পুনরায় মরার প্রশ্নই আসে না।

অীত্মীর বিজ্ঞানী হজঁরত আবদুল কুদ্দুস বলেছিলেন : ওফতে কুদ্দুসি ফুকিরি দার ফানা ওয়া দার বাকা খুদবাখোদ আজাদু বুদি খোদ গেরেফতার আমদি -অর্থাৎ বলে দান্ত, ফকিরের তথা আল্লাহর ওলির লয় এবং ষ্থিতি ইচ্ছাকৃত এবং দেহধারণ ও দেহত্যাগ তাঁর ইচ্ছাক্ত - অর্থাৎ এখানে লাশটি পড়ে আছে, কিছু দূরে সেই একই সময়ে আবার সেই একই দূেহ নিয়ে পুরিচিত লোকদের সঙ্গে কথা वलष्टन। अरे व्याच्यात विक्रान भिक्रात जांगिर रिट्ज गिर्स रूपनाम स्वायना कतरह, याकে विक्रालित তथा एकमळत् कान मान कता रख़ए ठांक यखुर्छ कम्पाप मान করা হয়েছে। বিরাট বিরাট যুক্তির অকাট্য প্রমাণ দিয়ে অনেক কিছু করা যায়, একজনের মুখে তালা মেরে দেউয়া যায়, আনন্দ আর আঅতাপ্রিতে মনিকে ভরিয়ে ळाला याग्न। युक्तित साधारम् त्रकात काष्ट्रांकाष्टि अञ्चला याग्न व्येथवा त्रकात व्यात्नात সন্ধান পাওয়া যায়। বিরাট বিরাট বিজ্ঞানের আবিষ্কারে মানুষকে অবাক কুরে দেওয়া যায়। মানুষ কোনো দিন যা ধারণাও করে নি সেই নতুন ধারণার ভিত্তির উপর দাঁড়িয়ে চিন্তা-ভাবনা করতে পারা যায়। বোতামে টিপ দিয়ে ঘুমিয়ে থাকা একটা দেশকে বোমার আঘাতে মানচিত্রের চেহারা বদলিয়ে দেগুয়া বায়। মনে করুন আরপ্ত অনেক অনেক কিছু কুরা যায়, মুনে করুন মানুষটাকে কেটে জোড়া नागाला यारा, कि हु उत्व का बके हि क्षम, बंक हि कि छात्रा खेंक यारा। यि हिन बरे সামান্যতম একটি জিঞ্চীসার উত্তর পাগুয়া যাবে সেইদুন আমার মনে হয় মানুষ পাবে প্রকৃত শান্তি। এর আগে মানুষ শান্তি পেতে পারে কি না সন্দেহ। (অবশ্য ইইা वासात् बेकाष्ट्र कुञ्जिगळ धात्रपा, मूळेताः वासात धात्रपा चूनश रूळ भाद्य।)

সেই ছোটু জিজাসাটি, ছোটু প্রশ্নটি হলো : দেহুতে যৈ আমিটি বাস করছে, যে वािक्षि क्याँ वृत्ष, य वािक्षि फ्रिंस्ट, य वािक्षि व्यवस्त कराष्ट्र - त्र वािक्षि কে? সেই আমিটার নাম কী? সে আমিটার পরিচয় কী? এত জ্ঞান-বিজ্ঞান যে আধসের (?) মাথার মণজে গ্রঁজে রাখা হয়েছে সেই মণজের মালিক 'আমি'টা কে? গোঁজামিলের উত্তর, আঅতিপ্রির উত্তর নানা মুনি নানা রকমে বোঝাতে চেয়েছেন, কিন্তু প্র পর্যন্তই। পৃথিবীর চিন্তাশীল ব্যক্তি এবুং বৈজ্ঞানিকদের আকুল আবেদন করছি : व्यापनाता मार्नेष मातात नजून नजून कां ए व्याविश्वात ना केंद्र गत्वस्था कदा আবিষ্কার করতে চেন্টা করুন যে, এই হাড়-মাংসের তৈরি মান্বদেহটাতে যে আমিটা তথা রুহ তথা আআটা বাস ক্রছে, সে কে? ক্রী তার পরিচয়? কীভাবে তার পরিচয় পাগুয়া যেতে পারে তার ফর্মুলা দান করুন। বিদ্যুতের শক্তির মতো এত ণুতির অধিকারী তো আমিটা নয়। যদি ধরে নেই, দেইের সব কিছুর মিলিত সিনুর্বোসসটাই আমি নামকু প্রাণটা, তবে ইহাতে কি একটা বিরাট গৌজামিলের काँकि भाता रुग्न ना? अर्हे काँकि भाता येछिन एन्ट्र याकत्व, त्य त्कात्ना हैकत्भत দোহাই দিয়েই হোক না কেন, তাতে কি পৃথিবীতে শান্তি আস্তে পারবে? 'দরিদ্রতার যেমন অভিশাপ আছে, প্রাচুর্যরও তেমনি অভিশাপ আছে'- এই দর্শন ইসলীম আমাদেরকে দিয়েছে। তা হলৈ শান্তি কোথায়? একটা অজানা অতুপ্ত কাম্বনা-বাসনার স্লোতে ভেসে চলেছি। অহস্কার, আঅগরিমা অনেক সময় সাময়িক गान्नि फ्रिय, व्यावार्ते स्मर्थे अक्छाँएय व्यवसात अवः व्याध्यभतिसार्गेन छाट्या नार्य ना। काराय यन निक्रक प्रमर्भेप कत्रक भात्रल बाताम পেতाम, পেতाम गाँछ - ध রকম প্রশ্ন বুকের ভিতর বোবার মতো কেঁদে ৪ঠে।

ু প্রাচুর্যর অভিশাপে ইউরোপ-আমেরিকার তরুণ-তরুণীরা দিশেহারা হয়ে শান্তি খোজে। রাশিয়ার দর্শন (ফিলোসফি) - খাদ্যই সব কিছু, আর কিছু নেই, এই ভেটো মারা কথাতেও শান্তি নেই, গণতুন্ত্রেও শান্তি নেই, রাজতন্ত্রেও শান্তি নেই,

জাতীয়তাবাদেগু শান্তি নেই, তবে শান্তি কোথায়ু?

এই বিরাট অথচ অতি ক্ষুদ্ধ এবং অতি পরিচিত প্রশ্নের উত্তর যেদিন মানবজাতি আবিষ্কার করতে পারবে, যেদিন 'আমি'কে চিনবার কোনো সার্বিক বৈজ্ঞানিক ফর্মুলা দিতে পারবে, যার দ্বারা 'আমি'কে চেনা যায়, সেদিনই পৃথিবীর মানুষগুলো প্রকৃত শান্তি পাবার আশা করতে পারে।

ेश्रथम मानत जामम (जा.) হতে একটিমাত্র ধর্ম ইসলামের জন্ম, আর সেই একটিমাত্র ধর্মের একটিমাত্র কথা, একটিমাত্র উপদেশ, পৃথিবীর বিভিন্ন দেশের মানুষদেরকে বিভিন্ন মহাপুরুষ তথা অবতারদের দিয়ে একটিমাত্র হেদায়েত করে গেছে। সেই একটিমাত্র হেদায়েতের নামটি হলো - নিজেকে চেনো (নো দাই সেলফ)।

তাই ইসলাম ঘোষণা করেছে যে, প্রত্যেক জাতিকে হেদায়েত করার জন্য অবতার তথা নবি পাঠাুনো হুয়েছে এবং প্রত্যেক অবতার বা নবি একটিমাত্র ধর্ম

প্রচার করে গেছেন - সেই একটিমাত্র ধর্মের নাম হলো ইসলাম ধর্ম।

ভালোবাসাভিত্তিক ইসলামের রূপরেখা

यानार यभीम। भीमात प्रशास िन लिंग छान यभीम। भीमात प्रशास छान लिंग यि छात्न तथाति स्थाति स्थात

यानुंगितिक धर्म भानति सक्षा यण मून्त अवः भित्रभूमं त्रभर थाक ना त्कन उंश रिला यारेन ज्या रिमिक धर्म। यारेलित एउत यानुंगितिक धर्म भानतित मून्त्रज्य मामाक्रिक मृश्रमा (भारति भारति अवः (भारति भारति मृन्त्रज्य ति कि याम्म, कि श्व श्वम क्ष्मतार्थ भारति यार्य ना। कात्रम, व्यारेन श्वमत्क मरा करति वा। ठिक प्रमिन श्वमति श्वमत्व ज्यायार्थि (भारति वा। श्वाप्त व्यार्थ करति श्वमति श्वमति वा। श्वाप्त श्वाप्त व्यार्थ करति वा। श्वाप्त वा

र्थे श्रीमा त्या वाष्ट्रां विष्ट्र वि

सानुसर्ल दिला एत्य रल? सानुसर्ल भारभत ताम्राय रक छित्न निर्य याय? नाम ठात मयुग्न। अहे अक मयुग्न रहे रहे तथा भारभ भारभ करत सानुसर्क देशका हिर्य, कुमम्रा हिर्य, विश्वित अलाङ्कात साध्यम भारभत भर्य निर्य याय। अथन रक्छ यहि अभू कर्तर रक्षणन र्या, मयुग्न आणा ज्ञारभ क्षा मयुग्न हिला ना, जा हल जारक रक्षणन र्या, मयुग्न ज्ञारभ ज्ञारभ ज्ञारभ विश्व हिला ना, जा हल जारक मयुग्न रावाला? मयुग्न ज्ञारभ विश्व रक्षणा मयुग्न रावाला स्वावल क्षा क्षणा क्षणा मयुग्न रहा स्वावल रावाला स्वावल क्षणा क्षणा क्षणा मयुग्न करते, कि द्व रक्षणा स्वावल क्षणा क्षणा अरुग्न मयुग्न रहा स्वावल व्यावल क्षणा अरुग्न मयुग्न रक्षणा क्षणा क्षणा क्षणा अरुग्न मयुग्न रक्षणा क्षणा क्षण

পরিণত হলো? সে কাকে গালমুন্দ করবে?

वानारहें की तलन या, ठांत वारिम विर्त्म क्रिंग गाष्ट्रत भागति नम्ना कर्म क्रिंग क्रिंग

 विक्रान नित्य जाता यज्रूंकू गत्वर्षण कता एतकात जात किष्टूर कत्तन नि, वतः कतात श्राम्य जन्न कतात श्राम्य जन्न कर्ति कात्रण, प्रसंत विभिन्न जाते अख्याम अप्रतिक उत्तर क्षिण्य जात्र विभाग अप्रतिक उत्तर स्था आणि भूष्य भाग जासता जात्रात विक्रानीत काष्ट निष्मरक रक्षन कर्त क्रना यार्र, मान यार्र सर्वे कर्मुं नाष्ट्रकूर भार्रे।

হাদিসভিত্তিক শরিয়ত গু মারেফতের পরিচয়

বোখারি শরিফ একটি বিরাট হাদিসের বই। যিনি হাদিসগুলো সংগ্রহ করেছেন তাঁর নামেই হাদিস বইটি পরিচিত। ফোজদারি আইনের যে রকম ধারাবাহিক নম্বর থাকে সেই রকমভাবে এক দুই করে সাজানো রয়েছে। তা সহঙ্গেই বোঝা যায়। এই বিরাট হাদিস বইটিতে আমরা অনেক মুল্যবান আদেশ-উপদেশ যে হজুরপাক (আ.) দিয়ে গেছেন তার পরিচয় পাই। এই কয়েক হাজার হাদিসের মধ্যে একটি राष्ट्रिंग अके अपूर्व अवः विश्वय्ञकत्र द्वान कुट्ड मृर्ट्यत आत्नात सटा कुनकुन करत আমাদের চোখে ধরা পড়ছে। হাদিসটা ইজুর পাকের (আ.) বাণী নৃষ্ণ, অুখুচ शुंफिरम्त মর্যাদার আসন পেয়েছে। সাহাবাদের মধ্যে বিশেষ জ্ঞানী-গুণি যাঁরা তিনি তাঁদেরই একজন। সেই সাহাবার কথা কয়টি হাদিস না হওয়া সত্তেও হাদিসের মর্যাদার স্থান পাগুয়া কম কথা নয় এবং নিঃসন্দেহে স্থান পাবার মতো যোগ্যতা বহন करत। त्मरे वित्मेष मारावात नाम रतना रक्तर वातू स्राताग्रता (ता.)। वातू स्राताग्रता ठ्रांत व्यामन नाम नग्न। छिनि भूव विछान्ध्रिय हित्नन वरन रक्तुत भाक (আ.) একদিন 'বিড়ালের বাবা' বলে ডাকঁলেন। সেই থেকে ুঠার আসল নাম মুছে গিয়ে আবু মানে বাবা এবং হোৱায়রা মানে বিভাল তথা 'বিভালের বাবা' বলৈই মুসলিম জীহানে সুপরিচিত। হন্তর পাকের (আ.) বেশিরভাগ বাণী আমরা পেয়েছি ঐই মহান সাহাবারু নিকটে। তাঁরু এই মহান দান আমরা অতি ত্রাঙ্গিমের সাথে মনে করি। তবে সবচাইতে বেশি তাজিম করি তাঁর নিজের কয়েকটি অপূর্ব কথা মনে করে. যা বোখারি শরিফ-এর পঁচানব্বই নম্বর হাদিস। তিনি অকপর্টে শিশুর মতো সরল-সহজভাবে আমাদেরকে জানিয়ে দিয়েছেন যে, হজুর পাক (আ.) হতে তিনি দুই প্রকার ফ্রান অর্জন করেছেন : একটি ফ্রান বাহিরের, অপরটি ভেতরের তথা ঐকটি জাহেরি এবং অপরটি বাতেনি। একটি সবাইকে বলা তো দুরে থাক, একদম বিশেষ জ্ঞানী ছাড়া বলাই যায় না এবং সকলের সামনে এই গুপ্তজ্ঞীন প্রকাশ করলে তা তিনি ব্যক্তিগতভাবে অন্যায় মনে করেছেন এবং তাই তিনি বলেছেন যে, এই গুপ্তজ্ঞান তথা এলমে মারেফত সকলের সামনে প্রকাশ করলে তাঁর গুলা কাটা যাবে। এখানে গলা কাটা মানে একদম খুন করা অর্থে তিনি রোঝান নি। এখানে 'গলা কার্টা' একটি বাগধারার মতো ব্টবহার করেছেন। অর্থাৎ এই এলমে মারেফত কখনোই সবার জন্য সমান বোধগম্য নয় বলেই প্রকাশ করা সমীচীন নয়। তাই তিনি অকপটে শ্বীকার করলেন যে, এল্মে মাব্রেফতের জ্ঞান তথা গুপ্তজ্ঞান, যা হজুর পাক (আ.) হতে পেয়েছেন, তাঁর বিরাট ভান্তটি ওপ্তই রেখে গেলেন, তথা প্রকাশ না করে একটি সুন্দর রহস্যপূর্ণ ইঙ্গিত দিয়ে গেলেন। এই বিরাট ওপ্তক্ষানভান্তটি হজরত আবু হোরায়রার মতো বেশু কিছু সাহাবাদের জানা ছিল, যার পরিণতিতে ইসুলামের सर्रो पूरिकवाम छथा क्विति श्रकाम् लान। यम्बि रेंश पूरिकवाम छथा कविति नास व्यालाफी जात्व त्रुपति हिल, व्याप्रत हैं हा स्माटिं है व्यालाफी नग्न। नाम ताथा रखिष्ट আলাদা, কিছু কর্মে ইহাই ইসলামের প্রাণকেন্দ্র। প্রাণকে বাদ দিয়ে দেহের মূল্যায়ন করতে গেলেই আমরা বিভিন্নতার মধ্যে হাবুডুবু খাই। সত্যকে আমরা মরা কুকুরের মতো উপেক্ষা করি হাজার বার সব মামুলি বুঁলি উচ্চারণ করে এবং সত্যকৈ কাঁধ

বাঁাকিয়ে তুচ্ছ এবং বাজে বলতেও লক্ষা পাই না, যদিও আমরা পিছনের দিকে পা টেনে টেনেই চলতে সাহসিকতার পরিচয় দিচ্ছি বলে আমেত্রপি লাভ করি।

আল্রান্থ যেমন রহস্য, আদমও তেমনি রহস্য এবং আজাজিল তথা শয়তানও আল্লাহ্র একটি উদ্দেশ্যমূলক রহস্য। একের ভেতর তিনের গুপ্তরহৃস্য প্রকাশিত হলে রহস্যৈর সৌন্দর্য অতি প্রকটরূপে প্রকাশিত হয় এবং ইহার সৌন্দর্যে অবগাহন করতে পারলেই শেরেকরূপ পরদা দুরীভূত হয়। আজাজিল গুরফে শয়তান কিসের তৈরি? ইসলামি দুর্শন বল্ছে, শয়তানু এমন এক বিশেষ প্রকার আগুন দিয়ে তৈরি যে-वाञ्चलत सांग्रा लहें ज्या सूम्रितिहीन व्यश्चित्र पूर्वा मुक्तिज काला विद्युत निक्ष्य সত্যু নেই আল্লাহর অম্ভিত্ব ছাঁড়া। কারণ, তিনি একৈর মুধ্যেই একক। ধুমুবিহীন অগ্নির মোলিক কোনো সন্তা না থেকে থাকে তবে উহাও কি একের ভিতর একক? যদি বলি হাা, তুবে সূজনের মধ্যেই সুন্টা দ্বান্দ্বিক পদ্ধতিতে প্রকাশিত গ্রুবিকশিত रख एलएक। ठांत बेरे अकाम बवर विकारमत थाता अठिए टमरकर यिए कखक হাজার কোটি ভাগু করা হয় এবং সেই ভাগে যতটুকু পরমাণুরূপ ক্ষুদ্রতম সময়ে কুয়েক হাজার কোটি সম্পূর্ণ নতুন রূপ দেখিয়ে চলট্টেন এবং সেই ক্ষণিকতম সময়ে विगान त्रुपि व्यात कालािफिनेंश प्रधान ना, ठार ठिनि त्रव त्रुषश नव नव त्रुप्त বিকশিত হয়ে চলেছেন। আর যদি বলি : না, ধুমুবিহীন অগ্নি তাঁর সম্পূর্ণ পৃথক সন্তায় সন্তবান - তা হলে ইহা শেরেকেরই নামান্তর। কিছু সুষ্টিতে শেরেক বলতে কিছু নেই, আবার আছেও - শুনতে অনেকটা আমেবিরোধী মনে হয়। আসলে অতি গভীরে প্রবেশ করলে কোনো আত্রবিরোধী ভাবধারার সমাবেশ তো দূরে থাক, সবই একেরই অনেক রূপের মধ্যে তিনি এককু রূপে খেলে চলেছেন। মূলত চরম সত্য কথা বলতে গেলে, তিনি ছাড়া আর কিছুই নেই। তাই আমাদেরকৈ দেখতে প্রবং মর্মে-মর্মে বুঝতে চেন্টা করার তাগিদ দিয়েছেন এই বলে যে - বলো, আল্লাহ निक्सरे वाराष्ट्र।

वाल्लार अक ७ अकत्कत विषया वात्नाचना

अकरकत मुर्द्यार निमक्तमान। जार जिनि वाराम।

त्रित उपलिए त्रित है मूल नक्षा वा क्लु विन्तु हाला आिम प्रविद्धां कता। छाहे छिनि अहे कथाछ वलान, या छात आिम छा। कत्रा एप्ति एक, एन छात अिणानक आणा पार्कत प्रमेन अवगाहे एप्ता है। अथान 'अवगाहें महि या। कर्त एउता हारा हारा पार्कत प्रमेन अवगाहें एप्ता है। अथान 'अवगाहें महि या। कर्त एउता हारा हारा हारा है। अथान 'अवगाहें या कर्त हारा विवाद कर्त हारा। वाम कर्त छा। वाम कर्त छा। वाम कर्त पार्त पार्व हे यह पिछा हारा विवाद कर्त आवाद विवाद कर्त आवाद या कर्त हारा। कार्त , विवाद कर्त करा या से , अर्थ क्रिका वाम कर्त है। उपले अहे दिता हारा वाम कर्त है। वाम कर्त है। उपले अहे दिता है। वाम कर्त है। वाम करा है। वाम है।

वायाण्य कानलार ता पड़लार वायाक रथा याय ना। वािस्तृ जाण ठ्या कर्ज्जा कां भित्राण कर्त जात वाद्य वायाक रथा याया, व्याप्त व्याप्

আত্মতত্ত্ব জানলেই আত্মক্ত হওয়া যায় না। প্রমধের নামতালিকা পাঠ করলেই রোগের লক্ষণ ধরা যায় না। রোগের লক্ষণ ধরতে হলে ভিন্ন পন্থা অবলম্বন করতে

হুবে। তাই লা ইলাহ্রা ইুল্লাল্লাহ - 'তিনি ছাড়া কিছুই নেই' মুখে পড়তে বলা হয় নি। কারণ মুখের স্বীকৃতির কোনো মূল্য নেই, যুদ্ কর্মে উহা প্রয়োগ না করা হয়। যেমন 'শয়তানের ধোকাবাজি হতে আশ্রুয় চাইছি বললেই শয়তান তাকে মোটেই ছেড়ে দেবে ना এবং শুয়তানের ধোঁকাবাঁজি হতে মুক্তিও পাবে ना, যে পর্যন্ত ना কর্মের মাধ্যমে শয়তানকে বিদুরিত করতে পারবে। মুখের হাজার কথায়ও শয়তান চলে যায় বললে হাস্যকর্ই শোনায়, কারণ মুখের কথায় শয়তান চলে যেতে পারে না, यलक्रेप ना अकाश हिट्ड वाल्लार-माधन श्रीकृतित कर्बनाग्न फिल्म माधनाग्न मिक्सि नाल् ना করা হয়। মৌখিক শ্বীকৃটি তিনি গ্রহণ করেন না, বরং অন্তরের শ্বীকৃতিটাই তিনি फिट्य शास्त्रन अवः अर्थ करेतन। यान्नार् याभाफित कथा, क्रेंगता अवः याभन फिट्यन ना, छिनि फ्रिस् शास्त्रन् आधार्फ्तुं निय्य अर्था९ अष्ठतत् श्रीकृष्टि अवः अकनिष्ठ সাধনায় ব্রত্থারী কি না উহা তিনিই ভালো করে জানেন। তিনিই বুঝতে পারেন যে, व्याभारमत निग्ने छत्त्व माधनात राज्य छनाग्न काभनात रेष्टे नुकिरहे व्याप्ट कि ना। আমার বিচারকু এখানে আমি নই, তাতে যত সাধনাই করি না কেন। বিচারক তিনি, তিনিই বিচার করে যখন দেখতে পাবেন যে, আমার নিয়ত একদম তাঁর দিকে ছাড়া আর কোথাও নেই, সেদিনই তিনি 'রহিম'-রূপে বিশেষ দান করবেন তাঁর পরিচয়ের গুপ্তরহস্য। 'রহমান'-রূপে নয়। কারণ 'রহমান'-রূপে যে দান উহা সাধারণ দান। 'রহিম'-রূপের দান আমিত্রের বর্জনপূর্বক দান। তাই তিনি গফুরুর तिहम। गर्के के ते रहान निन्। 'तिहम'-तिशी मानश्रीष्ठ रता यानारत याहामक्रियेत त्रमाक छाने रस अवश्वराह का क्षांत्र का कार्या करत अवश्वराह याहामक्रियेत প্রত্যক্ষ দর্শন হয়ে যায়। 'আইনুল ইয়াকিন' না হওয়া পর্যন্ত এবাদত করো বলে ইসলাম ঘোষণা করেছে।

ইসলাম কী অপূর্ব সুন্দররূপে আহ্বান করছে : তে অদৃশ্যে ইমান আনার লোকেরা, তোমরা ইমান আনো - অূর্যাৎু মোখিকু 'বিল গায়েবে' তথা অদৃশ্যে ইমান আনার দল, এখন তোমরা আইনুল ইয়াকিনের দিকে এগিয়ে যাও তথা প্রত্যক্ষ জ্ঞান অর্জন কর। যারা অদুশ্যে ইমান ঐনেছে তাদেরকেই ইমান আনতে বলা, হয়েছে। তা रटल रुमानरक साँगिमेटि पूर्णी जारंग जांग करत जिल्ला यात्र। अक्टि साँशिक रैमान অপর্টি প্রত্যুক্ষ ইমান। প্রথমটির যে কোনো মুহূর্তে হারিয়ে যাবার সম্ভবনা আছে আর দ্বিতীয়টির হারিয়ে যাবার আর কোনো প্রস্থৃষ্ট উঠতে পারে না, যেহেতু প্রত্যক্ষ জান তথা আইনুল ইয়াকিন তার হয়ে গেছে। তাই ইসলাম ঘোষ্ণা ক্রেছে, এবাদত সেই পর্যন্ত করোঁ যে পর্যন্ত না আইনুল ইয়াকিন হয়। অর্থাৎ আইনুল ইয়ার্কিন হবার পুরু এবাদুতেরগু শেষ হয়ে যাগুয়া বোঝায়। কারণ, মৌখিক ইন্ধানের কোনো দুট্ ভিত্তি নেই। মৌখিক ইমান হলো সদা চঞ্চল গতিসন্পর। এই ইমান কথায় কথায় ভেঙে যাবার সম্ভাবনা থাকে। এই ইমান বিভিন্নতার মধ্যে ছোটাছুটি করতে ভালোবাসে। এই ইুমানের আধিকারীদের মতামত অনবরত বদলাতে বাকে। এই প্রকার ইমানের অধিকারীদের কাছে আজ যা সত্য বুলে ধারণা জন্মায়, অগ্রোমী क्छाक भारत मस्यारे व्यावात छैरा भिष्या वर्ण श्रृठीयमान रय। कात्रन स्मींश्वक ইমানের এক কথায় কোনো স্থিরতাই নেই। কিছু আইনুল ইয়াকিন তথা প্রত্যক্ষ জ্ঞান অর্জন করলেই আর কোনো প্রকার চুঞ্জতা, অস্থিরতা এবং সন্দেহ প্রকাশ পাবে না। ইসলাম এই প্রত্যক্ষ জ্ঞান অর্জনকারীকেই প্রকৃত শান্তি লাভ করেছেন বলে তথা ইতমেনান লাভ করেছেন বলে ঘোষণা করেছে এবং জান্নাতের সুসংবাদ এরা পেয়ে গেছেন বলেও ঘোষণা কুরা হয়েছে।

रक्रतण सम्नुष्मिन िमिण जात सक्यूवाटा थाका नासक वरेटा रक्रतण क्यूवुष्मिन वर्षणियात कार्किटा उपरम्भ फिट्मन अर वटन या, 'या व्यक्ति व्याचार व्याचार क्रिकित कर्ताष्ट्र, क्रांत तात्था, त्य व्याचारक भाग्न नि अवः रेराङ क्रांत तात्था या, या व्यक्ति व्याचारक भाग्न जिन व्यात क्थातार व्याचार व्याचार क्रिकित करायन ना। रेरा क्रिसन क्या वटन जूसि व्यासाय श्रम कराटा भादता अवः यपि श्रम कराता ज्यत जात रुव रला या, छामात काला शिश्वक्रनक मृद्ध एमण्ड पाल छाक एत्व, कि मु यंभन या छामात व्यक्ति विभाग उभन व्यात छोक एत्वात श्रमुंह व्याप्त पाद्ध ना। व्यक्ति यंभन वृप्ति व्यानाह्य पित्र श्राह्म श्राह्म

সমানভাবে বিতরণ করাগু সম্বাচীন নয়।

शाका गतित ति उसाक विकि उँठू मेर्याखित अनि। जिनि असन कथा उत्तरिक अनिएत व्याप्त अनिएत व्याप्त करता। त्यसन अक्षात जिनि तनत्न त्य, '(श्करण) रमात (नितर्) मानिर व्याप्ति ज्या व्याप्तिर पिछीस रमा। कार्त्तप, जात काष्ट त्य क्रश्न कृष्ट्रम त्यर अकर क्रश्न कृष्ट्रम व्याप्ति कार्या व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्याप्ति व्

नामिषानाम साभात सान रैत्रात्य त्रानि छषास।

হামিপ্তপ্যাধিক প্রমধের নবম শক্তিতে প্রমধের কোনো অন্তিত্ই খুঁক্তে পাগুয়া যায় না। তা হলে এক হাজার শক্তিতে কী থাকতে পারে? অথবা একলক্ষ কিংবা দশলক্ষ শক্তিতে? ঔষধেরু কোনোই অম্ভিত্ব নেই, কিছু অম্ভিত্বহীন ঔষধ রোগের মূলে গিয়ে

একটি কীটের ক্রমীবকাশের পূর্ণাঙ্গ রূপটি হলো মানুষ। আরগ্ড একট তলিয়ে দেখি, দুখি এই ধাতু কোখা হতে এলো? শ্বেত (এ্যালবুমিন) ও লোহ কণিকার (হিমোগ্রোবিন) মিশ্রিত রূপ রক্ত হতে ধাতৃর জন্ম। রক্ত কৈাথা হতে এলো? খাদ্যদুব্য रेळ बळेंब कवा। श्रोपूप्तवा ट्रकाशा रेळ विन? बाहि, शानि, वाहना ववः वाठाम रेळ

খাদ্যদুব্যের জন্ম। মাট্রি, পানি, আলো এবং বাতাস কোথা হতে এলো?

এন্ডাবে পর পর চিঞা করলে, আসল মূল কোথায়, এর উত্তর খুঁজতে গেলেই নিজেকে চেনার উপদেশ দেওয়া হয়েছে। কারণ, নিজেকে চিনতে পারলেই আল্লাহকে टिना रखें यांत्र तत्न रंगनाम खायगा कर्तिष्ट अतः रेरारे रूपनात्मत अकमान रुपत्म। दिनीय काता रुपत्म रुपनाम एत्र नि। वानार क्र किष्ठ नेत छुपात्नि व्यक्ति। व्यक्ति छुपात्नित मक्ष्य प्रतिगरिक्त छुपात्नि यान्। व्यक्ति छुपात्नि प्रति प्रति छुपात्नि प्रति प्रति छुपात्नि प्रति छुपात्नि उत्ति छुपात्नि उत्ति छुपात्नि छिपात्नि छुपात्नि छ ওণের নেতা বা সরদার। কিন্তু এই শীর্ষুভারীয় 'ইচ্ছা' ওণুটিও একুদম বেকার হয়ে পড়ে কুখন, কোখায় এবং কার কাছে? তিনটি প্রশ্নের একটি ছোট্ট উন্তর হলো প্রেমের তথা ইশকের কাছে 'ইচ্ছা' বেকার হয়ে পড়ে। প্রেমের তথা ইশকের আগুন যখন প্রেমিকের তথা আশেকের মনে দাউদাউ করে ফুলে ওঠে, 'ইচ্ছা'র দৃঢ় বাঁধনও তাকে शामित्रा फिट्ट পারে না। মৃত্যুর যাতনাগু প্রেমের কাছে ঠুচ্ছ। আইন-কানুন, রীতি-নাতি, আচার-অনুষ্ঠান, ছোট-বড়, রাজা-প্রজা কোনো কিছুই প্রেমকে রেধৈ রাখতে পারে না। যেন একটি ফুল্ম আর্ডনের টুকুরো। কে এণিয়ে যাবে নীতির আঁচলে প্রেমকে বেধে রাখতে? সর্ব কিছু ফ্লালিয়ে পুড়িয়ে একাকার করে দেয় এই প্রেম। তাই व्याकांकिल अंतरफ गुराठांन भलारा निस्तरष्टन कलस्कत्र साला।

বিশ্ববিখ্যাত প্রুলিয়ে কাশ্রেল হজরত শামসে তাব্রিজ্ঞ এ রকম্ অতি গুপ্ত কথা তাঁর দিগুয়ান-এ বলে দিয়েছেন। কিছু আমাদের বলার অধিকার নেই। সত্য যেঁ উলস্থ হয়ে পড়ছে, আবরণা আর যে থাকুছে না। কামুনার মায়াকাননে বাস করে কিছুই क्रांनेनाम ना, त्वानाम ना। यूठ गिशि, यठ পড়ি, তাতে আরও স্পৃষ্ট হয়ে ধরা পড়ৈ নিক্ষের অঞ্চতা। তবে কি নৈরাজ্যের আধারে হিংসা, আঅগ্রেমা, লোভ আরু কামনাই জানলাম? তুবে কি আমাদের মুতো আমিত্বের রশিতে বাঁধা জীবনে এটুকুই জান্তে পারি য়ে, জূবিনটা সূত্য, মৃত্যুটাও সূত্য এবং এর মাঅখানের ছুটোছুটিটা একটা ফাঁকা, বিরাট শূন্য। হিশাব মিলাতে গিয়ে দেখি কলুর চোখ-বাঁধা বলদের मळा जलक পर तिर्धे अकर ग्राल मांजिस जाहि, संभान सिक गांवा एक

করেছিলাম।

রক্তের সম্পর্ক ইসূলাম শ্বীকার ক্রলেগু পূর্ণ শ্বীকৃতি দেয় নি। পূর্ণ শ্বীকৃতির শ্বাক্ষর পাই প্রেমের সম্পর্কে। রক্তের সম্পর্কে শুজুর পাকের (আ.) আপন চাচা আবু লাহাব ছিলেন বিরোধীদের মধ্যে একুজন জঘন্যতম শক্র। 'ধ্বংস হোক আবু লাহাবের হাত দুটো', কোরান পাকের এই ঘোষণা রক্তের সম্পর্ককে সোজাসুঞ্জি বুড়ো আঙুল দেখাচ্ছে। অন্যান্য চাচাদের মধ্যে আবু জাহেলের বিরোধিতা এট প্রকটি ছিল যে, সাধুর বিপ্রীত শব্দু শয়তানের মুতৌ তার ভূমিকা ইস্লামের বিরুদ্ধে ছিল। ন্তুর্বিনভর ইসলামের বিরোধিতাই ছিল হজুর পাকৈর (আ.) চাচা আবু জাহেলের লৈতিক চারিত্রের বৈশিষ্ট্য।

শুদ্ধেয় শিয়া সুম্প্রদায়ের ভাইদের অনেকেই আমার কথায় একমত নাগু হতে भारतन। कात्रम, ठाँएसत व्यत्मर्क्ट वर्रल शास्त्रन या, 'व्यातू मुक्तिशास्त्रत राठ मुट्टी। ध्वःभ ट्राक -त्क व्यातू लाराद्वत नात्म छालित्य प्रश्रुश रख्या । भुष्क्रश् निशा ভাইয়েরা, আপনারা একটু তলিয়ে দেখুন তো, হন্তরত আবু সুফিয়ান (রা.) হন্তুর

পাকের (আ.) वःশেরই একজন কি না? অবশ্য অপ্লিয় হলেও মানতে হচ্ছে যে, এই হজরত আবু সুফিয়ান (রা.) জীবনভর হজুর পাকের (আ.) বিরুদ্ধে জঘন্য শক্রতা করে গেছেন এবং অবশেষে অনেকটা বাধ্য হয়েই শেষ কাতারের হালকা ইমানওয়ালা মুসলমানরূপে পরিচিত হয়েছেন। আপনারা মওলা আলিকে বড় করতে গিয়ে অনেক গণ্যমান্য সাহাবাদের ওপর জঘন্য অপবাদ ছড়াতেও লক্ষাবোধ করেন নি। হজরত আবু বকর (রা.), হজরত ওমর ফারুক (রা.) এবং হজরত ওসমান (রা.)-কে এত নীচে নামিয়ে কি যে আদিম তৃত্তি পান তা আপনারাই ভালো করে বোঝেন। অবচ এই তিন মহান সাহাবারাও কয়েক পুরুষ আগে একই বংশের তথা নবিবংশের এবং দুকন হজুর পাকের (আ.) আপন শক্তর এবং একজন আপন জামাতা। এরই নাম বোধহার ঘাড় মোগড়ামি। 'শিবাজী তাজমহল বানিয়েছে' – এ রকম উদ্ভেট আবিষ্কার আপনাদের মগজের মধ্যেই পাওয়া যায়। মা'র চেয়ে মাসির দরদের বহর প্রকাশ করতে গিয়ে মূল শিক্ষাকে হারিয়ে তথা নিজেকে চেনার শিক্ষাকে বাদ দিয়ে বগল বাজিয়ে কুণ্সিত আনন্দ পেতে পারেন, কিছু এতে সত্য-

সুন্দর রূপের মাঝে অবগাহন করা যায় না।

रॅंगनासित এकसाब भिक्रा रुटना ः सान् व्याताका नाकगार काकार व्याताका রাব্বাহ্ণ – তথা যে তার নিজেকে চিনতে পেরেছে সে তারু প্রতিপালককে তথা আল্রাহকে চিনতে পেরেছে। অনেক প্রকার ঔষধের যেমন একটি মাত্র উদ্দেশ্য থাকে अवर त्र उपमृत्य राला रूराता जाकृत्त्र, श्रकात्त अवर अपत किक कित्र ज्रिक्ष থাকলেগু সবাই রোগ মুক্তির জন্য তৈরি হয়েছে। দ্বিতীয় কোনো প্রকার শিক্ষা ইসলাম দেয় नि। यारा वाष्ट বলে মনে रয়, ইरा वांत्रपूर निष्मुत्क क्रनात मूल শিক্ষাকে অনুধাবন ৪ গ্রহণ করার বিষ্ণতত ব্যাখ্যার পরিপ্লেক্ষিতে রচিত হয়েছে। কৈ অনেক ছোর্ট এবং কে অনেক বড়ু এবং পবিত্র - সাহাবাদের চরিত্রের কুৎসা গাইবার শিক্ষা দেওয়া হয় নি। কারণ উহাতে নফুসুরূপ পাগলা ঘোড়া মাটালের মুতো লাফাইতে পারে এবং একটি মঙ্গবুতু দলকে বিভূিন্ন গোত্রে টুকরো টুকরো করে ছিতে পারে এবং একে অন্যের উপর ছিল ছোঁড়াছুঁড়ির মারহীবা পেতৈ পারেন, কিছু একমাত্র শিক্ষাকে স্বয়ন্ত্রে এড়িয়ে গিয়ে উজবুকৈর মতো দেখেও না দেখার ভান করতে পারেন। তাই খান্সা বাবাকে একবার শ্রুদ্ধৈয় শূিয়া ভাইয়েরা এঞ্চিদ সম্বন্ধে মন্ত वा कत्रक वनाक शाका वावा वलिष्टलन त्ये, छिनि रैमाम स्टाप्मलत मस्य এমনভাবে ডুবে আছেন যে এজিদ সম্বন্ধে চিন্তা করার সময়ই পান নি - যদিও আমরা দূলমত্ নির্বিশেষে এজিদকে একটি নরপগু বলতেও ঘৃণা বোধ করি। ঝগড়া কাদা ছোড়াছুড়ির মধ্যে সত্য নেই।

প্রয়োজনে মাঝে মাঝে এদের দোহাই দিতে বাধ্য হন। আপনাদের জেল্লা-মারা বাক্কা কথাবার্তায় কত সহজ-সরল-প্রাণ মুসলমান যে ইমান হারিয়ে ফেলবে তা কি

वुवाळ शास्त्रव वा?

আপনারা প্রযুমে হাত দিয়ে পাহাড় ঠেলতে গুরু কুরে দেন, যখুন পাহাড় নড়ছে ना ज्यन পाष्टा फिर्स र्छला छक्न करते रून। की विधिन्न तः-न त्रिम्ला व्यापनाता। राफिन का नव वाफरे फिर्स फिर्ल्स क्व. अथन तरेंटिना अकसाब नश्च कातान - मिरे <u> अक्साब मञ्चल क्वांतानक्तृ आत्या सात्या विद्याप्त वत्त या एष्-शानुष्ट सार्व वृत्मन छा</u> আপনাদের লেখা পড়লেই বোঝা যায়। আপনাদের চেয়ে এক ডিগ্রি গলা উঁচু করে লেখেন যারা তারা হলেন 'গোলাবি শিয়া'। এই গোলাবি শিয়াদের বিকৃত মীন্তিষ্কের फन्नटल এত দুৰ্গন্ধ যে নাকই রাখা যায় না। এরা আবার কোরান-এর ভেতর অনেক কথা চুকে গেছে বলে ষম্ভব্য করেন। ষম্ভব্য কোরান-এর ঘোরতর শত্রুগু করতে পারে নি। কারণ, হন্তুর পাকের (আ.) স্ময়ই ব্রিশ হাজার কোরান্-এ হাফেজ জুবিত ছিলেন। খেজুর পাঁতা, চামড়া অথবা শিলালিপি নন্ট করা যায়, কিন্তু বুকের ভিত্র যাহা মুখস্থ করে রাখা হয়েছে তাহা क्षिम करत नर्षे कता यारे, रेंग बेरे भागावि भिरातीर जाला करत कालन। कवि রবি ঠাকুরের একটি কবিতা বাল্যকাল হতে মুখস্থ আছে। সেই কবিতাটিতে যদি এতটুকু বিকৃত করে লিখা হয় উহা কি আমার টোখে ধরা পড়বে না? যেমন 'আমার বড় নিদী চলৈ হু হু করে বৈশাখ মাসে তার সাতার জল থাকে।' এই কবিতার লাইনে কোখায় কতটুকু ভুল হুয়েছে উহা হবহ বলে দিতে পারবো। কারণ, ইহা আমার মুখস্থ আছে। সুতিরাই যদি কোরান-এর কোথাও কোনো বিকৃতি ঘটতো তবে সঙ্গে সঁঙ্গে ত্রিশ হাজীর হাফেজ সাহাবার চোখে ধরা পড়তো। ধরে নিলাম, দুই চারজন शास्त्रक मारावा नीतव तरेलन, कि हु बिग राक्षात रास्त्रकत भक्त नीतवेणा भानन করা অসম্ভব। এটা বুড়ো বয়সে ভাষিরতি ধরার মতো শোনায়।

শুদ্ধেয় শিয়া ভাইয়েরা, বুকে হাত রেখে বলুন তো, ভিন্ন মত ৪ পথের व्यनुत्रातीर्दित क्रिक्षक्रवरक भूत्रमधान वानाळ (পर्वाष्ट्रने? गर्कनीत त्रूमणान भारमूह भाके-ভात्रक भूत्रमधान वानाक व्याप्त्रन नि व्यथुवा व्यापनास्त्र भक्षा विद्वान পণ্ডিতগণঙ মাশীল্লাহ মুসলমান বানাতে পারেন বি। সমগ্র পাক-ভারতে যুারা মুসলমান বানিয়েট্ছেন তাঁদৈর আমাদের মুতো অন্ধ পণ্ডিতের বিদ্যার কচকচানি ছিল নী। আমাদের মতো বিদ্যার সাগুরদের দিয়ে কাগজের পৃষ্ঠায় লিখিত কোরান-এর निश्चिण व्याभागा भाक-छात्रक देंत्रनाम धर्म शुरुष कर्त्वन नि। व तकम छकत्रित व्यामाप्नत मुक्जा गांधात भिक्छ त्वाचा रुख तहता। व्यवप्र त्वाचा मन ७ मक्जत वाकिए ते चाँदिक वाँदिक भूमनभान धर्म श्रेट्य कताद्ध भाति नि अवः भागानार कात्नाहिन त्य भातत्वा ना छा व्याभाएन छन्य भा मूद्धा एस्थल दिवाचा याय त्य, আমাদের গ্রন্থনে জয়পাল সাধুর মতো বটগাছ নড়বে কি না। দশহাজার মণ গ্রন্থনের পাথরটি তারাগড় পাহাড়ের উপর হতে আমাদের ওপর গড়িয়ে দেওয়া হলে আমরা আমাদের মোটা মোটা এলমের বই দিয়ে রুখে ফেলবো! যেমূল চড়ুই পাখির পা দুটো দেখলে বোঝা যায় যে ইহার বিশাল (?) পায়ের ভারে বটগাছ নিভূবে কি না। তবৈ বটগাছ নুড়ছে বুলে আঅপ্রসাদ লাভ করা যায়, কিছু কাহাকেও বিশ্বাস করানো যায় কি না উহা আমরা সকলেই বুঝতে পারি। লিখিত বই-পুস্তক দিয়ে ধর্মপ্রচার হুয়, কিন্তু ধর্ম গ্রহণ করানো যায় না। তার কুলন্ত দুষ্টান্ত রেখে গেছেন সুলতানুল হিন্দু খাজা গরিবে নেগুয়াজ। ইুচ্ছা ক্রলে তিনিগ্র আরবি ভাষায় কোরান পীকের তফ্রির করে যেতে পারতেন। কিষ্ক উহার মূল্য কতটুকু হবে ভেবেই তা করেন নি। তিনি নুরি কোরানকে, যে কোরান কাগন্ধ অথবা শিলালিপিতে কলম অথবা হাতুডু-বাটালৈ লিখা হয় সেই কোৱান নয়, যে কোৱান পবিত্র না হয়ে পাঠ করা তো দূরের কথা স্পর্শই করা যায় না (লা ইয়া মাস্সাহ ইল্লাল্ মুতাহ্হাক্লন)

সেই বুরি কোরানকে নিজের জীবনের গুপুর তফুসির করেছেন। যে বুরি কোরান সাত হরফের দুদ্ধের মধ্যে নেই এবং সেই তৃফসিরের ফলে সারা পাক-ভারতে যে মুসলমান্দের অম্ভিত্ব অনুভব করি তার অধিকাংশই তার নেয়ামূতের দান। মুখের কুৰায় 'শয়তান হতে আশ্ৰয় চাই'-এর যেমন কোনো মূল্য নেই তেমনি কাশুক্তে লিখিত কোরান তফসিরের দারা মানুষকে অনেক বিষয়ে অবগত করানো যায়, কিছু मीक्रिए कता याग्न ना। यि में क्रिएंट कता खिए एटन मुनियाट अलक हिया तर्र तर्र তুর্ফাসর করা হয়েছে, কিন্তু খাজা বাবার লিখিত কয়টি চিঠি ও কবিতা ছাড়া আর কিছুই ুনেই। তেমনি বাংলাদেশের মধ্যেপ্ত মুসলমান করে গেছেন বাবা শাহজালাল এবং তার শিষ্যবৃন্দ। কোনো রাজা, জমিদীর এবং আমাদের মতো বাক্যবাগীস আরবি জানা শিয়া ও সুন্নি পণ্ডিতরা মুসলমান করে যান নি। আমরা উভয়েই व्यामारम् ते निश्चित् हिशासाती मिरस मूत्रनमीनरम् त मरसा रकृतकात रङ्गारङ्ग वानारङ **গুস্তাদ। আমরা উভয়েই আমাদের ঐমন সব আজব বেমিল এবং অসংযত কথা গু** লিখনী দাুরা মুসলমানদের সূর্বনাশের পথে ঠেলে দিয়ে মারহাবা কুড়িয়েছি। আমাদের লিখনীর ফসল জগাখিচুড়ি আর সেই খিচুড়ি পরিবেশন করে কুঁত প্রকার রোগের যে জন্ম দিয়ে ফেলেছি। তার হিশাব দিলে, আমাদের উভয়ের ছেঁড়া জুতার সুন্দর মালা পাবার পুরস্কার ঘোষণা করবেন। নানা মুনির নানা মতের মতো আমাদের চিল্লাচিল্লিতে মুসলমানের যত বড় ক্ষতি হয়েছে তা অন্য দল ও মতের দারা এর শতীংশের একাংশপ্ত হয় নি। আমরা উভয়ে নিজেদের কুঠার নিজেদের পায়ে মারার বিদ্যা শিখেছি কিন্তু এলমে মারেফতের ধারে কাছেও যাই নি। কার্ণ উহাকে যে আগেই ফুতোয়া শ্বেরে দিয়েছি। আমরা এক ইসলামকে তেহাতরটি ইসলামে পরিণত করেছি। ইহা কি কম কথা? ইহা কি আমাদের বিদ্যা হাসেল कतात कम मुन्दत नमुना? অথচ যে সক্ল গুলি-দরবেশ, পীর-ফকিরেরা মুসলমান বানিয়ে গেলেন, তারা বলে আমাদের দুর্ফিতে কোরানই ভালো করে ব্রুতে পারেন নি। একেই বোধহয় বুড়ো বয়সে ভাষরতি ধরেছে বলে মনে হয়। জাহেরি ইলম দিয়ে ইসলামের তবলিগ্ ইয় না। বাতেনি ইলম অর্জন করতে পারলেই হয় ইসলামের তবলিগ। জাহেরি ইলম দিয়ে মুসলমান মুসলমানকে তবলিগ করতে পারেন, কিছু একটা সম্পূর্ণ ভিন্ন মতের অনুসারীদেরকে ইসলাম গ্রহণ ক্রানো যায় না।

रेकतर्ज मुकाएँफ़र्प्त আল ফৈসানি তাঁর মকতুবাত-এ লিখেছেন যে, মগুলা আলি বলেছেন, যারা তাঁকে হুজরতু আবু বকর এবং হজরত গুমরের গুপর প্রাধান্য দেয়

তারা মিথ্যুক এবং স্পর্ট বিদ্রান্তির মধ্যৈ বাস করে।

वामि छाट्ना करते हैं कानि, वापनाता बहें केरा साएँ है विश्वाम कतरवन ना। मत करून, धर्त निमास हैं हा सक्ष्मा व्यामि वटनन नि, कि हु मुक्राएफ एक वान रक्षमानि छा वटन हैं । जात स्टा विश्वधाण अनित नाम व्यापनाति कानातहें करा। कि हु व्यापनाता मत्म मत्म जारक अर्थ जारक अनि वना छा मूर्त्रत करा व्यापनाति व्यापित व्यापित कानित है विश्व व्यापनाता हैं काहित कर्त रक्षमर्त्वन। कि हु व्यापनाता छा क्षात्नन ना रा, रवनाराख्य मामत्न नव्याण अक्षि विश्व ववः व्यापित विराम । हक्षत्रण मुमा (व्या.) भवः हक्षतण शिक्षत (व्या.)-अत राष्ट्रनाइ रमतं है मुमा (व्या.) निव श्रीयमिक मर्ज रिश्व धात्रम कत्र या भारति ना।

तिनारिंग्यंत व्राप्टक्ट रुषूत भाक (व्या.)-त्क व्रथमिं किष्ठु तमून वना रम नि। व्रथम वना रखण्ड 'व्यावेषूर' उथा व्यानार्त विश्व वान्ता अवर रेरारे तिनाराउ अवर भरत वना रखण्ड 'तमून्र' उथा व्यानार्त तमून। व्याप्ति कानि, राकारतावात यि त्यावाय कर्षा कर्ति, उप्पा व्यानार्ति तमून। व्याप्ति कानि, राकारतावात यि त्यावाय कर्षा कर्ति, उप्पा त्यावा कर्षे रूत्व वा। कात्रभ, याता भव किष्टु तूत्व शिल्डन, उपमत्रतक व्यात न्यून करत त्वावात्मा यास ना अवर 'मिवाकी ठाके सरन वानित्यात्म यात्रत नव व्याविद्वादत्व भारत्वार्क कार्य स्ता कूकूर्त्वत भ्रक्षा वूनण्ड, उपमत्रतक वनात भ्रक्षा किष्टुर याकक्क भारत ना।

वातत एम रूळ तर मृत्त वाक्षिकात काला वामिस, निधा तल याता वामाएत काष्ट्र मुपति हिछ, त्मर काक्षि रक्षतछ त्वनान (ता.) हातूकत वाघाळ तक्ष्माण रूत्र रक्षत पाक्त (वा.) श्राद्धात मण्डक्त व्यश्नीकात कतलन ना, ततः क्षीत्वत विनिमस्त श्राद्धात मण्डक त्याप्त प्रता प्रता प्रता वामाण्य वामाण्य वामाण्य वामाण्य प्रता वामाण्य प्रता प्रता प्रता वामाण्य वामाण्य

ইতিহাসে ভরপুর।

वार्यन घर्रात मुझन रहा कारकत। छुधू कि कारकत? एटन व्यक्त लार या जाएनत पाता कता रहा नि। व्यक्त प्रमुन्ता रहा व्यक्तिन। युक्त महानता रहा विकार करा महानता रहा विकार करा कारण वार्तित वार्वार वार्तित वार्वार करा करा करा करा करा वार्तित वार्वार वार्तित वार्वार करा वार्वार वार्तित वार्तित वार्तित वार्वार वार्वार वार्तित वार्वार वार्वार वार्तित वार्वार वार्तित वार्वार वार्तित वार्वार वार्वार वार्तित वार्वार वार्तित वार्वार वार्वार वार्तित वार्वार वार्वार वार्वार वार्तित वार्वार वार्वार

ধর্মের প্রকারভেদ সম্পর্কে আলোচনা

যত ক্থাই বুলা হোক না কেন, যত ভাষার লালিত্য আর ছন্দের কণ্ঠকুনিকায় বহুরূপী সুর বিধুত হোক না কেন, যত কল্পনার আবেশের আবির ছড়ানো হোক না কেন, যত কান্না-মিশ্রিত আবেগ আর যন্ত্রণার মৃঢ় অনুভূতি জড়িয়ে রাখা হোক না क्तन, श्रासत व्यापन व्यापि त्रभिं। सत्न रश उनमें रख क्रिंगताष्ट्रिनंश धता फिक्ट छाश না। বিচিত্র রহস্যের অবগুঠনে ঢেকে থাকা প্রেমের রূপটি ধরা দিচ্ছে বলে মনে হয়, কিন্তু সবটুকু যেন ধরা শেল না। তৃষ্ঠি পাগুয়ার ভেতরগু লুকিয়ে আছে অদৃশ্য অতৃষ্ঠি, একটা বৌবা নেশারু অতৃপ্ত পিপাসা। এই পিপাসার ভীষা নেই, কথা নেই, নিই काला मुक्त। यनुष्ट्रित भाषा यन रातिषा यारा। कर भरीलं, कर भरीति य প্রেমের অম্ভিত্ন, ধ্রীটাই ভয়ঙ্কর কণ্টকর। এই গভীরতা মাপতে যেুয়ে মানুষ তার আপন সন্তাকে পর্যন্ত অবহেলা করতে শেখে, অবহেলার চরমতম রূপটি অনেক সময় নিজেকে তিলে তিলে বলি দিতে দিতে পেতে চায়। তখন পায় কি না জানি না। শুধু জানার মাঝে এতটুকুই জানতে পারলাম - জানতে পারলাম অতি প্রাচীন, অতি পুরাতন একটি একটিয়ে नियुষ निर्मित থেমে থেমে চাপা কান্নার সুরু – পৃথিবীতে এলাম, পৃথিবী থেকে চিরবিদায় নিলাম, এটাই বোধহয় সূত্য, এটাই বোধহয় আঁধার আকাশে তারার আলোর মতো সত্য, যেন পয়সার এপিঠ আর গুপিঠ। এই দুইয়ের মাঝখানে পথের পুলটা, যার দৈর্ঘ্য অনেক বড়, অনেক ঝামেলায় ভরা। অভিজ্ঞতার সুশ্রী ও বিশ্রী, রূপু আর অরূপের খেলাটাই চুলে জন্ম আর মৃত্যুর মাঝখানে। এই মাঝখানের যে বিচিত্র পথটা এর দামু কত তুমি কি জান? মনে ইয় এর দাম খুব বড় একটা শূন্য অথবা খুব বড় একটা দীর্ঘমাস।

তবে কি মানুষ এবং জিনজাতিও সৃষ্টিজগতের ভেতরে? না বাহিরে? মানুষ এবং জিনজাতিও প্রথ্টো সৃষ্টিজগতের ভেতরেই থাকে তথা প্রথ্যে ইসলাম ধর্মকেই গ্রহণ করে, কিন্তু যৌবনের প্রান্তে যখন এসে দাঁড়ায় তখন আম্নিত্ব নামক ষড়রিপু হতে আগত ছায়া তাকে ইসলাম হতে মনের অঁজান্তে দুরে সরিয়ৈ ফেলে। তাই মানুষ শিশুরূপে যখন একটি বিশেষ পর্যায়ে থাকে তখন সে মুসলমান। সেই শিশু যে কোনো মত্ ৪ পথের অনুসারীর ঘরেই জন্ম নিক না কেন। কিছু যখন ভালো-মন্দ বুঝবার পূর্ণ বুদ্ধি অর্জনের সময়-সীমার মধ্যে এসে পড়ে শিশুটি, তখ্ন তারু মধ্যে হতে ইসলাম ও ধীরে ধীরে দূরে সরে পড়তে থাকে এবং একসময় সেই শিশুটি সম্পূর্ণরূপে ইসলাম হতে দূরে সরে পড়ে। এক কথায়, আমিত্বের উদয় ইসলামের অস্ত। কারণ व्याप्यमभूभक्ते किष्टुळर स्नत्न निक्ष हारा ना व्याभिष्ट्र। व्याभिष्ट्र मरेक्ट भारत ना व्याच्यित्रसर्भंग। তাই বিদ্ধোহ ঘোষণা করে এই আমিত। দুরুন্ত বাঁধনহারা ষাঁড়ের মতো টেচাতে থাকে আঅসমর্পণের বিরুদ্ধে বিভিন্ন ভাষার ভৌন্ধিবাঞ্জি আর কথার গোলকু ধাঁধা দিয়ে। এই বিদ্ধোহের দেয়ালটাই অন্ধ্রকার। সুষ্টার নিকট এণিয়ে আসার পর্দাই बर्चे विद्धार । यात श्रीतेपांस गांशि। ब गांशि व्यवस्थित विद्यक्र शर्दक धत्रत्व शादा वा। ठार्च रंत्रनाम द्यायपा क्राष्ट्र, व्यक्षा शानाक्यून क्रिन्ना अग्रान रून्त्रा रंत्नना লিয়াবুদুনি - অর্থাৎ 'মানুষ এবং জিনকে আমার এবাদত করার জন্যই সৃষ্টি করা হয়েছে। যেহেতু এবাদুত ন্যু করার ক্ষতা তুখা সাময়িক ইচ্ছাশক্তি দানু করা হয়েছে क्तिवनभाव पुर्ती। वापीक्ट अवः अर्थ वापी पुर्ता शला भानव अवः किन, अर्ए উভয়কে মনে করিয়ে দেগুয়া হলো এই বলে যে, তাদের ভুলে গেলে চলবে না, কারণ এবাদত কুরার জন্যই তাদেরকে তৈরি করা হয়েছে। সৃষ্টিজগতের মধ্যে এই কথা আর কাউকে বলা হয় নি (অবশ্য আমার জানা মতে) যেহেতৃ কোনো সৃষ্টিকেই मीं भिज ग्राधीन रेष्टामिक प्रथसा रस नि, जिट्छू ब तकम वाप्टिंग उपएम-वेपतक দেবার প্রশ্নুই উঠতে পারে না।

ठाई पूर्वि रेटना साब पूर्वे श्रकात : अकि वाल्लार्त प्रीव वात व्यभ्ति रिटना सानूर्यत प्रीव शिव अक, व्यश्व अवर व्यवष्ठ, कि हु सानूर्यत प्रीव वर, विविध अवर ऋष्यारी। वाल्लार्त प्रीव्यत व्यन्त राज्या भित्रवर्धन जिल्ले सानूर्यत प्रीव्यत श्रीव्यत प्राव्यत प्रीव्यत श्रीव्यत प्रीव्यत प्रीव्यत श्रीव्यत प्रीव्यत प्रीव्यत प्रीव्यत श्रीव्यत प्रीव्यत प्रीव्या अवर अर्थे प्रविद्यात्म वाम क्राय्वत श्रीव्य वाम क्राया अर्थे प्रविद्या सानूर्यत सत्वत त्व्यव्यत अकिए विक्रम वानात्मा व्यवसा यो स्रीविच व्यवसार रिट्न वा भात्रत मुन्दर्य वामक घटना प्रित्य राज्य प्रित्य अकिन वाधा करात ।

मृठ्य-घर्षना व्यातात पूरे श्रकात : अकिंगि क्रीतिल व्यवश्वाय घट्ट, व्यवहार प्रश्विनात्मत द्वाता घट्टा क्रीतिल व्यवश्वाय मृठ्य-घर्षना घर्षाटल भातत्वर व्यात मृठ्य लिंह अवः ইराक्ट व्यक्तिक्व मुट्टा वना रग्न अवः अरं अरं मुट्टाक्क खिन मान कता रग्न किंदा त्र के बीवलत व्यात मुट्टा लिंहे, उथा व्यन्त कीवलत व्यक्तिकात नाम कता, उथा व्यानारत व्यक्ष मिलत ताका अदिन नाम कता। मानुत्यत मलत व्यक्तित व्यक्ति आपन त्यानार्त्त व्यक्ष मिलत ताका व्यक्तित र्वाका मानुत्यत मलत व्यक्तित व्यक्ति अरं अरं अरं अरं अरं मिलत वाला व्यक्तित र्वाका विश्व विद्या विश्व विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या किंद्र पृथिती विद्या किंद्र पृथिती विद्या महिन्ना मत्र क्ष्य व्यक्ति विद्या पृति विद्या मत्र क्ष्य विद्या क्ष्य के किंद्र किंद्र विद्या मत्र क्ष्य विद्या क्ष्य के किंद्र किंद्र विद्या व

সেজদার প্রকারভেদ সম্পর্কে আলোচনা

কোৱান পাক বলেছে, 'গুয়া নাজ্য়ু গুয়াশ শাজাক্ল ইয়াস্জুদান' অৰ্থাৎ '(আকাশেৱ) তারাণ্ডলো এবং গাছণ্ডলো সেজ্দা করছে'। তা হলে সেজ্দার অর্থ কাঁ? সেজ্দা বলতে की ताबाय? व्याभवा यात्क स्त्रेन्नमा चल ज्ञानि उथा প্रচলিত कथाय यात्क स्त्रन्म वर्ता त्रवारे स्नत्न त्नरे छेरारे कि स्त्रक्रमा? स्त्रक्रमात्र व्यर्च रत्ना व्याप्यत्रसर्त्रम। निष्करक সম্পূর্ণরূপে বিলিয়ে দেগুয়া। আপন সহাকে পরম সহার কাছে নির্বাণ করা তথা বিলীন করে দেগুয়া। আপন ইচ্ছায় তথা নিজের স্বাধীনতায় না চলাকেই সেজদা বলে। আক্যশের তারা এবং জুমিনের গাছপালা আল্লাহর অনুম্র বিধানে তথা আইনের মধ্যে সম্পূর্ণ দাসত করছে। ইহাদের আপন ইচ্ছা মতো, নিজের খেয়ালখুশি মতো চলাফেরার অধিকার নেই। আপন খেয়ালখুশি মতো না চলার অধিকার ইহাদের মতো সমস্ত ফেরেস্তাজাতিকেও দেওয়া হয় নি। এই অধিকার না থাকাটাই সেজদা তথা আঅসমর্পণ্। সুতরাং সমগ্র সৃষ্টিজগত অনন্ত বিধানে তথা আইনের আওতায় আবদ্ধ। এই মহাবিধীন তথা মহাত্রাইন ভঙ্গ করা তথা অমান্য করে চলার অধিকার নেই এবং অধিকার দেওয়াও হয় নি। যেহেতু সমস্ত সৃষ্টিজগতের নেই কোনো নিজম্ব স্বাধীনতা, সেহেতু এরা সবাই সেজদায় আছৈ তথা আঅসমর্পণ করেছে। সেজদার व्यर्थ व्यामंता श्रष्टींने नियद्भ भाषा नठ कतात्क तृषि, किन्न भाषा नठ कतात्क काषाठ प्रक्रमा वना रय नि। भाषा ज्ञाद्भात खाकावाकि रुक्त प्राराय हारे, राष्ट्रात বার মুখে পড়লেগু শয়তানের ধোঁকাবাঞ্চি হতে যেমন রেহাই পাগুয়া যায় না, ঠিক ट्रि त्रकेम राक्रांत वात माथा अवः कथान क्रिमल द्वाराश वा ट्रांक्रमा व्यामाप्तत मात्य প্রচলিত আছে সেই সেজদায় প্রকৃত তথা আসল তথা ইসলামে বার্ণিত সেজদা হয় না। কেবল জমিলে মাথা ঠোকাই সার, শয়তান হতে আশ্রুয় চাইছি বলার মতো। মুখে শয়তানের শয়তানি হতে আশ্র চাওয়ার মূল্য য়েমন শূন্য, তেমনি মাখা এবং কপাল জমিনে রেখে লেকিক সেজদা তথা আনুষ্ঠানিক সেজদার মূল্যগু তেমনি <u> गुन्छ।</u>

भाषा ने कताँ गिर्के यिष त्रिक्षमा वर्ता धर्ता ताई जर्त शाह्यां ने करत क्रांचा ने करत त्रिक्षमा करते? जैंगम, मूक्षक ब्यात जाता क्ष्मन करत क्रांचा त्रिक्षमा कर्ता कर्ता कर्ता क्रांचा व्याप अता मवाई ब्यानाहरक त्रिक्षमा कर्ता वर्ता वर्षा माण्य व्याप कर्ता वर्षा माण्य वर्षा कर्ता कर्ता कर्ता वर्षा वर्षा वर्षा कर्ता करता वर्षा वर्षा वर्षा कर्ता करता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा कर्ता वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व

পুয়োজন আছে। যাতে মানুষ তার সন্তাকে সম্পূর্ণ আল্লাহর কাছে বিলীন করে দিতে পারে তারই প্রাথমিক শিক্ষা দেবার কোশনী সেজদা হলো মাখা নত করা। কারণ মাখা ঠিকই নত করে দিলাম লোকিক সেজদার মতো, অখচ মনটি সেখান হতে দূরে সরিয়ে রাখলাম, তাতে কি সেজদা হবে? তাই মনটাই সেজদার মুখ্য অংশ, মাখাটা নত করা সেজদার গোণ অংশ। তাই আচার যখন তার মূল উদ্দেশ্য ও লক্ষ্য হারিয়ে ফেলে, কেবলমাত্র মাখা নত করলে উহার অর্থ এবং মূল্য কতটুকু থাকে তা আপনারাই বিচার করে দেখেন।

वाम्रस्मत वानुगण अश्न कत्रक्क ज्या त्रिक्रमा मिक्क वानुगर भाक हैविनियत्क वित्तिष्टितन। हैविनिय व्यूर्व युक्ति-जर्कत व्यवजातमा कत्र अहे प्रिम्मा निल या, व्याम्रस्मत वानुगण अश्न कता ज्या वाम्रस्क त्यानुगण अश्न कता ज्या वाम्रस्क त्यानुगण अश्न कता ज्या वाम्रस्क त्यानुगण अश्न कता ज्या वाण्य क्या वाण्य क्या वाण्य करा व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त करा व्याप्त व्याप्त

যৈহেতু ইবলিস ফেব্ৰেস্তা নন এবং য়েহেতু ইবলিস ধুম্ববিহীন অগ্নির সৃষ্টি জিন সেহেতু তীর ভূেতরে আমিত তথা কর্তৃত্বাভি্মনি তথা খুদ্টি তথা হান্তি তথা ক্রহং তথা বিবেক তথা ইণো আছে। যেমনু মাটির তৈরি মানুষের্গু আছে। কারণ, এই জিন এবং মানুষকেই আমিতু দিয়ে সৃষ্টি করা হয়েছে তথা সীমিত স্বাধীন ইচ্ছাশক্তি প্রদান कता रख़िष्ट। यि रेंतेनिम अर्डे वाषम-तरमा वाणरे खानळ भातळा अतः यिष সেজদা দিয়েই ফেলতো তবে কি আদমকে দুনিয়াতে নিক্ষেপ করা হতো? এবং व्याम्रस्तत् वः मृत्रित प्वाता कि व्यासारम्त सळा काि काि सानुरसत अना रळा? আমুরা কি দুনিয়াতে কোনোদিন আসতে পারতাম? তবে কি ইবলিসের এই ঘটনার প্রতিক্রিয়াতেই আমাদের আগুমন? দুনিয়া কি আমাদের জন্য একপ্রকার সিজ্জিন তথা কারাগার নয়? দুনিয়া কি আদিম সম্ভানদের জন্য বিরাট একটি মহাপরীক্ষা नश् अर्थे भराभतीकाश्चे व्यक्रकार्य रत्न ज्था किन भातत्न कि काराद्वारम खट्ट रत ना? छत् ब्रह्म कठिन भर्तीकात ब्रुत्शाबुशि रलाम कात भारभ? हैवलियू ना खारुम्? বেহেস্তে निষদ্ধ বৃক্ষের ফল তথা রূপক গব্দম আদম আর হাগুয়া খেয়েছিলেন বলেই কি তাদের দুনিয়াতে আগমন এবং তাদেরই কি বংশধর এই মানব সম্ভানরা নই? এই शक्ष भावाते तथा बाल्लारत रक्ष व्यवाना कतात माग्निकृषा कात? बाम्स ना ইবলিসের্? ইব্লিসের প্ররোটনায় পড়ে এবং হাগুয়ার অনুরোধৈ ভুল করতে পারেূন? তুরে কি ইছা ইচ্ছাকৃত অথবা ওপ্ত এলমের আনুগত্যের বৈহিঃপ্রকীশ? তবে কি ইছা খিজিরের তিনটি কর্মের মতো, যা মুসার মতো নীবিগু অনুধাবনই করতে পারেন নি?

আমরা আবার আদম এবং ইবলিসের সেজদা সংক্রান্ত ঘটনীর মধ্যৈ ফিরে যাই। যেহেতু কোৱান পাক ঘোষণা করেছে যে, আদমকে সকলেই সেজদা দিলেন একমাত্র रैवर्नित्र शाष्ट्रा, अरे 'अकसाब रैवनित्र शाष्ट्रा' कशाप्टित प्राता ऋषे द्वाचा याटक त्य, তার উপরগ্র সেজদা করার আদেশ দেগুয়া হয়েছিল। ইবলিসকে আদেশ প্রদান না করা হলে 'একমাত্র ইবলিস ছাড়া' সবাই সৈজদা করলেন কথার কোনো মানেই হয় না। শিক্ষক ক্লাসের সবাইকে দাঁড়াতে আদেশ করলেন এবং ইহাতে স্বাই দাঁড়ালেন প্রকমাত্র প্রকটি ছাড়া। ইহাতে বোঝা যাচ্ছে য়ে, য়ে একমাত্র ছাত্রটি দাঁড়ায় নি তার উপর্গু দাঁড়াবার আদেশ হয়েছিল এবং যদি দাঁড়াবার আদেশ না হতো তবে একটিমাত্র ছাত্রা বলার কোনো মানেই হয় না। এই বক্রব্যের অবতারণা পুনরায় এ জন্যই করতে হলো যে, কেউ কেউ মনে করেন যে, ইব্লিসকে সেজদা করার হকুম দেওয়া হয় নি। যার যতটুকু বুঝুবার শক্তি, সৈ ততটুকুই বুঝতে পারে, সুতরাং কোনো প্রকার মন্তব্য অশোভনীয়। উপলব্ধির বিভিন্নতা গ্রু দুশনের বৈচিত্র বীকবেই, সুতরাং কারো উপর কোনো প্রকার গালমন্দ করাটাই অশোভনীয়। যেহেতু আল্লীহ বলেন যে, তিনি নিজেই কাল তথা সময় তথা টাইম এবং এই কালকৈ গাল্লমন্দ করতে বারণ করা হয়েছে, সেহেতু কোনো প্রকার অশোভন মন্তব্য কুরা সমটিন নয় এবং প্রকৃত প্রস্তাবে গালমন্দ করার স্থানই নেই। আদমু এবং रैंविनिएमत अञ्चतरमा खनुधावेन कत्रक्त भातत्म भामसन्द क्या पृद्धत कथा, नींत्रवला প্রদর্শন ছাড়া আর কোনো উপায় থাকে না। তা ছাড়া একজন মানুষের কাছে যে রূপটি একটি নিরেট সূত্য বলে তার নিজম্ব দর্শুনে বিশ্বাস ম্বাপনু করৈ, সেই একই রূপটি অপর আর একটি মানুষের কুছেে ডাহা মিখ্যা বলে তাঁর নিজয়ু দুর্শনে বিশ্বাস্ স্থাপন করে। রূপ কিন্তু মূলতঃ একটিই, কিন্তু দর্শন হয়ে পড়লো দুটি এবং সম্পূর্ণ বিপরীত। একটি মানুষের জীবুনবোধের কাছে যাহা স্ত্যরূপে ধরা দেয় তাহাঁই আবার অন্য একটি মীনুষের জীবনুবোধের কাছে ভাহা মিখ্যা রূপে ধরা দেয়। এই দৃষ্টির বিভিন্নতার মধ্যে দ্বান্দ্বিক দর্শনের পূর্ণ স্বীকৃতি পাই।

े চোখ দুইটি ইহার একান্ত নিজম্ব শক্তির দ্বারা কখনো কিছুই দেখতে পারে না, যে পর্যন্ত না আলোর মিলন হয় এবং সেই আলো সূর্যেরই হোক কিংবা নিশির কোনো প্রদীপেরই হোক, দর্শনের আকাঙ্কায় সাহায্য তথা অবলম্বন গ্রহণ করতেই হবে।

অন্যথায় কোনো কিছু চোখে দেখা অসম্ভব।

सानूष এবং জিন কৈবলমাত্র এই দুটি প্রাণীকেই (আমাদের জানা মতে, কারণ অন্য কোনো এহের জীবনের পরিচয় জানা নেই, যদিও কোরান পাক আকাশসমূহ এবং ভূমিসমূহের সকল জীবের রেজেক-দাতা বলে বেশ কয়েকবার ঘোষণা করেছেন। সেহেতু সেই সমস্ত এহের জীবেরা মানুষ ও জিনের মতো ব্যক্তিশ্বাধীনতা

পেয়েছে कि ना, अवर পেয়ে शाकल जाफत विधान আছে कि ना अवर विधान थाकल छेंंंंंं की त्रिश्व - बाबाति श्रम श्रम अट्र फेंंं ए। या, कि हु या यें हैं हैं हैं ए। यें व বিষয়ে আমরা এখন পর্যন্ত কিছুই জান্তে পারি নি, সেহেতু আলোচনা অথবা সমালোচনার কোনো প্রশ্নুই আসৈ না) সীমিত স্বাধীনতা দৈওয়া হয়েছে এবং স্বাধীনতা পুরিত্যাগ করে আল্লাহতে ফানা তথা বিলীন হবার উপদেশ প্রদান করা रखिष्ट। यिनि व्यापन व्याप्तिष्ठ छेत्राग कुद्ध व्याष्ट्रार्थ काना छ्या विनीन रखिष्टन स्मर्टे সাধারণের মধ্যে অসাধারণ তথা ওলি তথা মুর্শেদ তথা বান্দা নেওয়াজ তথা নর নারায়ণের আনুগত্য তথা শিষ্যত্ব গ্রহণের মাধ্যমৈই আূল্লাহতে ফাুনা হওয়া যায় এ কথা প্রত্যেক গ্রনিষ্ট একবাক্যে ঘোষণা কুরেছেন। তাই খাজা গরিব নেগুয়াজ তার মকত্বাতে খাজা-তে বলেছেন যে, যার পীর নেই শয়তানই হলো তার পীর। সূতরাং আনুগত্য গ্রহণ করতেই হবে তথা সেন্ধদা দিতেই হবে এবং ইহা রূপক সেন্ধদা তথা साथों ने कतात संका संभक् **अन्न हो ने हो। कार्त्व मार्था ने क**ता कार्ता अन्न हो नग्न अवः खारङ्क बाल्लारत अनित्क बामन स्मन्नमा मित्कर रत उथा बानुगका अर्थ क्तर्लंड रत, लार्ड्जू अनित भारता काना ना रख छ्या काना किम् माख्ये ना रख ফানা ফিল্লাহতে পৌছীনোর প্রশ্নই আসে না। যার মধ্যে আল্লাহর জাত নুর প্রকাশিত रुग्र छिनिरे আল্লাহ্র ওলি। যেমন আদুমের মধ্যে আল্লাহ্র জাত নুর ছিল বলেই ইবলিসকে সেজদা করার আদেশ হয়েছিল, নতুবা সেজদার আদেশ প্রদানের প্রশ্নুই অবান্তর, যাহা ইবৃলিস বুঝতেই পারে নি। এবং না বোঝার দরুণ লাইন ছেড়ে বে-नार्रेजित क्यावार्ग वर्ले क्लाला। रैविनिम वृत्न क्लाला ख, स्म व्याप्तम खरक অনেক উত্তম কারণ আদম ঠনঠনে মাটিতে তৈরি আর সে ধোঁয়া ছাড়া সুক্ষা আগুনের তৈরি এবং এরূপ কথাবার্তা সত্যকে খোঁজার আগুরিকতার অভাব ঐবং আঅঅহঙ্কার প্রকাশের পরিষ্কার প্রমাণ।

वाम्रसित् म्राट्टा याद्वारत काण नृत वर्णमान, प्रारम् वाम्मादन वान्नित्र वान्नित्र रणित कता रखाए। अण्कान छल वाप्ति, वान्नार्त वाक्ति वान्नार लिखे वान्नार निष्म राम्मा करताएन या, वाम्म राम्मा राम्मा करताएन या वान्नार निष्मा करताएन या वाम्मा गाँत वाक्षिण ज्या पूत्र (यारमूज वान्नार याम्मा करताएन या वाम्मा गाँत वाक्षिण ज्या पूत्र वान्नार वित्यम भताय वाक्षिण ज्या पूत्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाक्ष्मा याद्वार याम्मा करता याक्ष्मा वाक्ष्मा वाक्षमा व

बर्षे चाम्स-चार्कि नाधात्र सानूत्रत चाक्ि नয়। य পर्यष्ठ नाधात्र सानूस ठात टिउटत वीक्रत्रभी क्रश्टल पूर्व वृत्क भित्रपठ कर्त्य ना भावत्व ठथा चानूरत क्राठ नृत्त नृत्रसय रूळ ना भावत्व क्रिश्च पर्यक्ष ठात्क नाधात्र सानूसर वना रूत अवः यथनर भावत्व उथनर अर्थ व्याधात्र सानूत्र व्याधात्र व्याधात्य व्याधात्र व्याधात्य व्याधात्र व्याधात्य व्याधात्य व्याधात्य व्याधात्र व्याधात्य व्याध

उठा (यत्ति छिनि व्यामाप्तत मद्या नन, कार्य छाँत काष्ट व्यामार्त अहि नाक्षम हत्या। किरिक छाहिमार फिक मित्र रार्या वा धर्त निमाम व्यामाप्तत मद्यारे। ठारे कार्य नृत्त नृतमय व्याममत्क प्रकृमा कर्नां कर्नां हे हत्व न्यूना व्यामार्क्त भावाय व्यामार्क्त प्रकृमा कर्नां कर्नां हे हत्व व्याममत्क प्रकृमा कर्नां वा भावाय वा भाव

নতুবা এই রকুম আদেশ সম্পূর্ণ শেরেক।

সেই ইবলিস এখন কোথায় আছে? প্রশ্নটি অতি মারাঅক এবং বুঝবার জন্য ণভীর চিন্তাসাপেক্ষ। ইবলিস বাহিরে নেই। ইবিলিস আমাদের মতো মানুষৈর ভেতর্ই व्यापन सूर्िट विवासमान। मानुष ছाडा रैविनएमत निस्त्र काला व्याकात लारे। सानुष ছাড়া ইবলিস সম্পূর্ণ ত্রীকারবিহীন তথা নিরাকার। তাই মানুষ যেমন আল্লাহর রহস্য তেমনি ইবুলিসের রহুস্যগু এই মানুষ। তাই ইবলিসের যুত্তুআকাম-কুকাম সব মানুষের আকৃতির মধ্যেই প্রকাশ পায় এবং এই মানুষ দিয়েই ইবলিসের যুঁত আকাম-কুকাম করালো হয়। মাূনুষের দেহ এবং রক্তে ইবলিস এমন নিখুঁতভাবে मिट्रा याश्र ये ত্যাকে আর ধ্রবার উপীয়ই থাকে না। তখন সে মানুষের আঁুক্তিতে ইবলিস। চিনে নিতে বড় কণ্টসাধ্য ব্যাপার হয়ে দাঁড়ায় যে, সে কি মীনুষরপৌ আদম্ ना सानुষत्रभी रेविनम। मुछताः এर सानुषत्रभी रेविनम क्शलार हारा ना सानुषत्रभी আদমকৈ সেজদা করতে তথা আনুগত্য গ্রহণ করতে, কিন্তু আল্লাহ পাক হৈষ্মিণা कत्रत्थन या, व्याष्ट्रसत्र साधास ष्टामृो व्यान्नारक भाउरा चार्त ना, उथा काना किन् भारतथ ना रुख, उथा व्यापन भीरतत भरधे काना ना रुख काना किन्नाट याउँसा याद्व ना, তথা আল্লাহতে ফানা হতে পারবে না। তাই খান্ধা বাবা বলেছেন যে, যার পরি নেই শয়তান হলো তার পরি। কারণ শয়তান পরিকে তথা আদমকে সেজদা তথা व्यानुभछा श्रष्ट्य क्रत्रका व्यञ्जीकात कर्द्धाट्ट राधन व्याधारम्त्र है धर्सा याता नत्रत्र भी শয়তান তারা পরিকে তথা আদমকে সেজদা না দিয়ে তথা আনুগত্য গ্রহণ না করে সোজাসুজি আল্লাহকে পেতে চাুয় এবং এই চাঙ্য়া যে ইবলিসের টাঙয়ার সঙ্গে হবহ िष्ठल उँचा त्रापृंग्र त्र**ार** छानी ऋत्नता त्रराङ त्रुवाळ शाद्वन **ब**वः रेरा**७ त्रुवाळ** পারেন যে মানুষ ছাড়া শয়তানকে পাগুয়া যায় নী তথা মানুষ ছাড়া শয়তান হয়ে পড়ে সম্পূর্ণ নিরীকার।

হজুর পাক (আ.) একবার সাহাবাদেরকে বলেছিলেন যে, প্রত্যেক মানুষের সঙ্গেই একটি করে শয়তান দেওয়া হয়েছে। এই কথা গুনে একজন সাহাবা ইজুর পাককে (আ.) প্রশ্ন করেছিলেন যে, তা হলে কি আপনার সঙ্গেও একটি শয়তান? হুজুর পাক (আ.) বলেছিলেন যে, হাঁঁঁঁ, তাঁর সঙ্গেও একটি শয়তান দেওয়া হয়েছিল,

किन्रे छिनि त्मर्हे मञ्जूनातक सूत्रनसान वानित्स रकत्मण्डन।

হজুর পাক (আ.) একবার সাহাবাদের বললেন যে, বেহেস্তের সামানা আসমান-জমিনে ব্যাপ্ত। তখন একজন সাহাবা প্রশ্ন করেছিলেন যে, তা হলে দোজখের স্থান কোখায়? সঙ্গে সঙ্গে অপূর্ব উত্তর দিলেন হজুর পাক (আ.) - রাত্রির অন্ধকার এলে দিন কোখায় যায় এবং দিন আসলে রাত্রি কোখায় যায়?

আমিতৃ তথা অহং তথা অহমারই আল্লাহতে বিলীন হগুয়া তথা ফানা হবার পথের একমাত্র পর্দা তথা আবরণ তথা দেয়াল। এই অহমারের দরুণই ফেরেম্ভাদের নেতা আজাঙ্কিল শয়তানে পরিণত হলো। তাই কোরান পাক ঘোষণা করছেন, 'অহমারী ব্যক্তি বেহেন্তে যাবে না। তাদেরকে বলা হবে নরকে প্রবেশ করতে এবং সেখানে থাকতে। এটাই অহমারী মানুষদের পরিণতি।'

रुषुत नीक (व्या.) वर्तन, 'यात दुछ्छदा अक मितिया नित्रियान व्यवसात व्याट्स स्म

त्वरहर्षे यात्व नां।

रुष्ट्रत পাক (আ.) বলেন, 'আমি কি নরকের অধিবাসীদের খবর তোমাদের দেব না? প্রতিটি অহস্কারী ব্যক্তি।'

रुष्ट्रत भाक (वा.) तलन, 'वाधन यामन कार्घ स्वारा रकल व्यरहात क्रमनि

मानवीरी अपभ्रत्मां (अर्य रकत्न।'

হজুর পাক (আ.) বলেন, 'অহঙ্কার সত্যকে বিনাশ করে এবং মানুষকে হেয় করে।

रुष्त পাক (আ.) বলেন, 'একটি উট যদি সূঁটের ফুটো দিয়ে যেতে পারে তা হলে একটি অহঙ্কারীও বেহেশ্রে যেতে পারবে।' হন্ধুর পাক (আ.) বলেন, 'অহঙ্কারী লোকদের "ইউলুস" নামক নরকের কুঠরিতে নিয়ে যাগুয়া হবে এবং নরকের আগুন তাদেরকে আক্রমণ করবে।'

প্রচলিত সাম্যবাদ ও ইসলামি সাম্যবাদের স্বরূপ

यिष्ठ गण्यर्व व्याणित मार्कमवाम् का मार्गवाम वना रय, व्याम् एत रेरा मार्गवाम्त वात्म व्याणित मार्ग व्याणित मार्ग व्याणित मार्ग विश्व विश्

খাবার মজাটা আর থাকছে না। এই অর্থনৈতিক সূত্রটি অনেকটা অর্থনৈতিক সমতা এনে দেয় বলেই উচু-নিচু শ্রেণীগুলোকে ড্রেজার দিয়ে সমান করে দেবার প্রচেষ্টা চালায়।

প্রাথমিক শর্তটকুপ্ত মেনে নিতে পারে নি। কত বড় ঘাড়ুমোগুড়া এরা।

দেউ হাজীর বছর আগে ইসলামের সাম্য ধীরে ধীরে অনেকুখানি অগ্লসর হুয়েছিল সেই যুগের দৃষ্টিভঙ্গি দ্বারা বিচার করে, কিন্তু হজুরত আমির মুয়াবিয়া (রা.) ইহার কবৈর রচনা করে গৈলেন। 'যাকে ইচ্ছা তাকেই নেয়ামত দান করেন' এই কথার দ্বারা ধন-সম্পদ্ধ যে একটি তাঁরই বিশেষ নেয়ামত এবং এই ধন-সম্পদ কালে কালে বিভিন্ন পদ্ধতিতে যে ভাগ-বণ্টন করার ব্যবস্থা করেছেন ইহাও তার একটি বিশেষ শান। একজন অফুরন্ত ধন-সম্পদ পেুয়েগু ভোগুবিলাসে রত না থেকে সাধারণ জীবনযাপন করে গেছেন এবং ইহা একটি ঐতিহাসিক নিঠুর সত্য কথা এবং ইহা আল্লাহর একটি বিশেষ শান। আবার একজুন অফুরম্ভ ধন-সম্পদ পেয়েও **एत्रम त्छागतिलात्म नित्मत्क लागामशैनछात्व छात्रित्य फित्यत्य अवः अत कत्ल ममाम** क्षीवत्न लिख अत्मर्ष्ट्र व्यम्भरा यञ्चपा, स्थाध अक्षि क्षेत्रियामिक निर्वृत मेठा केशा अवः र्ष्टरा व्यान्नार्त अक्षि वित्मर मान्। सानुष या व्यक्गा मक्तित् क्रिक्ट कर् व्यप्तराय, আবার দৌই মানুষ্ট যে অদৃশ্ শুক্তির কাছে কত[े] সহায় এই দুই বিপরীতের এক অপূর্ব দর্শনের অপূর্ব বৈপরীত্য ঐতিহাসিকু সত্যে ভরপুর। কারো কাছে আল্লাহ প্রিয়, কারো কাছে অপ্রিয়, কারো কাছে অশ্বীকারের আফালন আবার কারো কাছে স্বেচ্ছাচারিতার খেলা। কিছুই নেই তিনি ছাড়া এই সর্বশ্ববাদ, এর সৌন্দুর্য, বৃহ সম্পূর্ণ বিপরীতের খেলা চলছৈ তাঁর নব নব বিকশিত হবার ধারায় বলেই তিনি সর্বয় **७शो खा**शाहा

নাইজেরিয়ার জঙ্গলে গেরিলা পাগুয়া যায় বলে বাংলাদেশের সুন্দরবনেও গেরিলা পাগুয়া যাবে এই দর্শনে যারা বিশ্বাসী, তাদের দর্শনের সৌন্দর্যে সম্পূর্ণ আত্মবিরোধী ভাবের সমাবেশ না থাকতে পারে এবং দর্শনের ভাষার ছক্কা-পাঞ্চার মারপ্যাচে একদম নিখুত সত্য বলে মনে হতে পারে, কিছু ইহা হলো সম্পূর্ণ কেতাবি দর্শন যা বাস্তব জগতের সঙ্গে মেলাতে গেলে আত্মবিরোধের ছকে বাতিল বলে তারাই উড়িয়ে দেবেন এবং তাই এরূপ দর্শনকে কেতাবি দর্শনে বলা হয়। এবং এরূপ কেতাবি দর্শনে বাস্তব জগতের এই দার্শনিকদের দর্শনের প্রতিফলন পাগুয়া যায় না। অনেকটা কাজির গরু কাগজে লিখা আছে, কিছু গোয়াল ঘরে নেই-এর মতো অপূর্ব দার্শনিক মতবাদ। সূত্রাং রাজতন্ত্বপ্র তারই একটি বিকশিত রূপ, গণতন্ত্ব, জাতীয়তাবাদ, সমাজতন্ত্ব, কমিউনিজম, প্রিমিটিভ তথা আদিম কমিউনিজম, মাতৃতন্ত্ববাদ, কোনো

रेक्स ष्टाष्ट्रा प्रमग्न रेग्डािन्छ जांतर क्रिक क्षिक प्रमास्त्र क्षिक्क तिक्स क्ष्य क्ष्

মার্কসবাদের বকুনি দিয়ে যে পুথু নিক্ষেপ করলাম, না জানি অদুর ভবিষ্যতে সেই পুথু নিজের গায়েই এসে পড়বে। নিজের গায়ে পড়ার মণ্ডকাটাই বৈশি। কারণ हैं नवारिमें ते नारम त्यां स्वापन कार्ने साकटन युठ प्लाहार्हें कि खरें वांस-छाड़ा स्नाट्यत উপর ধর্মের বাঁধ দেই না কেন, উঁহা বালির বাঁধের মতো ভেঙে খান খান হয়ে যাবে। তার কিছুটা আলামত যে আমরা সবাই বুঝি না এমন ক্থা নয়। আমরা নাকের উপর কর্য়টি ফেরেস্তা বসতে পারে তা নিয়ে ঝগন্ডা গু দল তৈরি করতেই ব্যস্ত এবং ফতোয়ার ছড়াছড়িতে একে অপরকৈ কাফের, মুনাফেক বানিয়ে মুসলমানুশুন্য দেশ বানিয়ে ছাড়ি। ইহা আমাদের নৈতিক চরিত্রের বিরাট দোষ হয়ে দাড়িয়েছে। মুসলমানদের মধ্যে নিম্নতম কর্মসূচীর ভিন্তিতে এখনো আমরা একতায় আসতে পারি নি এবং ভবিষ্যতে পারবো কি না তাগু জানি না। আশ্বাদের অনৈক্য থাকবেই এবং এই অনৈক্যের সুবর্ণ সুযোগ প্রহণ করে যখন মাকুর্সবাদ স্শুরীরে আস্তানা গেড়ে ফেলবে তখুন আমাদের নাকি কান্নার সুর বেজে উঠবে। এই নাকি কান্নার মধ্যে व्यवग्र त्रवार्थे निয়ालের रुक्का रहा छात्कित मत्या अकब रुव अवः उथन व्यात त्काता **म्हलसंज शाकर्त ना, रैरा छाट्ना कर्त्व ऋानि। व्यासार्फत व्यवश्रा व्यत्नक** व्यापाद्वमन সাকসেসফুল কিন্তু রুগী পরপারের টিকিট কেটে বসে আছে-র মতো হবে। কোনো नाङ रूर्त ना ज्थन। निष्करफ्त ङाग्र निष्क्रता পतिवर्जन कत्रक्र পातनाम ना, क्ववन म्लामीन আর ফতোয়া মারার স্টাইল আর কোনো কাঙ্গে আসবে না, আল্লাহ পাকও व्याक्षाप्टत ভाগ্য ফিরিয়ে দেবেন না। ধর্ম তখন আমাদের নাকি কান্ত্রার পরিবেশে মহাপ্রস্থানের মহাপূথে পাড়ি জমাবে। কারণ, আমি ভালো করেই জানি, আমার এই लिখा, আমার এই নাকি কান্না মুসলমান ভাইদের কানে গেলেগু একতার মাঠে त्रभएत्य रुक्ष शात्रात्वा ना।

দাঁড়িয়ে আছে।

श्रेत्राव-भाराधानात में मार्क अक्टित छाट्न आश्रा मिर्फ वट्ट वट्ट है मार्स दिन ना जारेंदा (आ.) जातभत नामाक भड़क वट्ट वट्ट कातप, जाक नामाक अड़क वट्ट वट्ट कातप, जाक नामाक अड़क वट्ट वट्ट भारत। त्म तकम त्मिक्त काश्रा वात हाकात व्यवद्विक ममग्राय कर्कतिल मानुस्वत काट्ट मार्कमवाम छैकि-पूर्वि मात्र वट्ट भवः मूर्याभ त्मि विदेश कर्वा व्यवस्था मुर्याभ जाता भारतह। भवः भक्वात यिष्ट आमर्क भारत जरत

क्रैनार्टलं मध्या क्रिका राज राज कि क्रिका राज मिल्ल राज कि क्रिका राज कि क्रिका राज मिल्ल राज कि क्रिका राज मिल्ल राज कि क्रिका राज मिल्ल राज कि क्रिका कि क्रिका राज कि क्रिका कि क्रिका राज कि क्रिका राज कि क्रिका राज कि क्रिका राज कि क्रिका कि क्रिका राज कि क्रिका राज कि क्रिका राज कि क्रिका कि क्रिका कि क्रिका राज कि क्रिका कि कि क्रिका कि क्रिका

পবিত্র কোরান-এর অনুবাদের শ্বরূপ নিয়ে আলোচনা

अकि नेजून श्वत वाभनाप्तित्रक छनाळ हाहै। श्वति भूताणन किष्ठ विभित्र छाष मानूत्रत कात्य विद्या भर्ड बता भर्ड ना, ठाई श्वति नेजून करत विद्या हाता। वाति हामा वाभनात छाना ना शाकलाठ वाभनि थाहीनकाल हळ वाधिनकाल विम-भित्र माना कातान भाक्तत व्यन्ता ह उग्राशा अकम्प्र भर्ड प्रश्राम कातान भाक्तत व्यन्ता ह उग्राशा अकम्प्र भर्ड प्रश्राम भावन भावन जाता वाकाम-भाजान वात्र वाता भावन, वातात काता काता छाता काता मान्ति वाता काता काता काता काता हाता है। श्वर मिन्ह प्रश्राम भावन प्रति काता वाता वाता काता मान्ति वाता है। श्वर किन वात्र काता काता भावन मान्ति वात्र अक तिम वात्र श्वर किन। 'श्वर किन वात्र कात्र वात्र कात्र वात्र कात्र वात्र विष्ठ वात्र विष्ठ वात्र विष्ठ वात्र वात्र विष्ठ वात्र वात्य वात्र वात

व्यभदाति । श्रश्य कत्रक्क वाधा र स्वाह्मन। श्र कि हि हि नमुना कृत्म कि माम।

क्वाह्मन भारत वालार कांत्र निक्षत कथा 'व्यक्ति वलिष्ट व्यावात 'व्यामता वलिष्ट' पुर तक्ष्मर भारतन। श्रेष्ट पुर तक्ष्मर श्राय व्यनुवाहकातीता र श्राय व्यनुवाहकातीता र श्राय व्यनुवाह करामत कांत्र निष्ठ विष्ठ विषठ विष्ठ व

চাই' শয়তান হতে বললেই বুঝি মুক্তি পাগুয়া যায়! এ রকম হলে তো মাশাল্লাহ আমরা সবাই ইনসানে কামেল।

এখন প্রশ্ন হচ্ছে, অনুবাদক কি কোরান পাকের আন্ধরিক অনুবাদের হবহ ताथलन? अनुवाहक कि श्रामात छे अत श्रामकाति कतलन ना? याला के कि यामता বাদু দিয়ে সঁবখানেই আমি বলতে পারতেন না? তবে আপনি কৈ এবং কোন व्यिधकारत व्याभता-रक व्याभि व्यवचार कत्रलवः? अर्थे व्यिधकात व्यापवारक रक हिनः? এত বড় উদ্ধত্য আর সাহস আপীন কোথা হতে পেলেনু? ইহা কি সুক্ষা সীমালগ্রন नश् भंतात ज्ञकारम कि जाभिन त्रीमामध्यनकातीताल विरविष्ठ रखन ना? जाभिन হাজারো যুক্তির সেতু দাঁড় করিয়ে বোঝাতে চান না কেন, তবু একটি প্রশ্ন যুদি করা হয় যে, আল্লাহ কি সবখানে আমি বলতে পারতেন না? আপনীর ধারালো যুক্তিওলো কি ঐ একটি প্রশ্নের কাছে হার মানবে নাং তলোয়ার দিয়ে দাড়ি টাছার মটোই কি আপনার অনুবাদ জনতার হাতে তুলে দিচ্ছেন না? সাধারণ পাঠক বিশেষ করে আরবি ভাষা না-জানা সহজ-সরল পাঠকদের আমি শুধু এটুকুই বুঝিয়ে দিতে চাই যে, আমি এবং আমরা অতি সাধারণ বিষয়টাতেই অনুবাদকরা কী চমৎকার প্রলোটপালট করে দিয়েছেন। এ রকমভাবে কোরান পাকের হাজার হাজার শব্দের অর্থকে যা মনে লেগেছে তাই করে রেখেছেন, সেণ্ডলো পাঠকদেরকে কেমন করে বোঝাই - কেম্বন করে বোঝাই যে, গোঁজামিলের পাহাড় দাঁড় করিয়ে রাখা হয়েছে এবং এর থেকে প্রকৃত অর্থ উদ্ধার করা যে কত কঠিন বিষয় উহা কেমন করে পাঠক ভाইদেরকে বোঝাই? আমি এবং আমরা না হয় পাঠক ভাইয়েরা আঁঠ সহঙ্গেই বুঝতে পারবেন, কিন্তু এরচেয়ে অতি মারাত্মক হাজারো গোজামিলণ্ডলো একটি ঐকটি করে আন্ধরিক অনুবাদ করে বোঝাতে গেলে উহা যে কত বড় বইয়ের আকার ধারণ করবে উহা সহজেই বোঝা যায়। এরচেয়ে সমগ্র কোরান পাকের व्याक्रितिक व्यनुवार कताँ गरे असी छोन अवः छैरा कत्रक्र शिर्ण वर व्यायाञ व्यास्त्र या এই অধম দেখক এখনো তফ্সির তথা ব্যাখ্যা করতে পারবে না এবং আক্ষরিক অনুবাদের নিচে 'আমি উহা বুঝিতে পারিলাম না' অনুনকুবার লিখে দিতে হবে। কিষ্ক এ রিকম কথা লিখতে গেলে সত্য কথার অপ্রিয় শ্বীকৃতি হয়, কিছু পাঠকবন্দের निक्छ सरापञ्चित वर्तन वित्विष्ठित रुख्या क्या पूर्वित केथा, অপদার্থ বলে পরিচিত হবার সমূহ ভয় আছে। আমাকে অপদার্থ বলে গাল দেবে - ইহা কি কম্টি কথা, ইহা রীতিমতো অপমানজনক কিছু একটা নয়? সুতরাং না বুঝলেগু যা ইচ্ছে তাই গোজামিল মেরে দাও। যদি সমুয় সুযোগ এবং আল্লাহ পাকের রহমত হয় তবে हैन गान्नाह रका दान भारक द आक्रुतिक विनुवाह ये गीन्न भूति वासता केंद्ररता।

পথের লোকদের বোঝানো হয়ে থাকে তবে বহু ভিন্ন মতের অনুসারীরা কোরান পাকের অনুবাদ ও ব্যাখ্যা লিখেছেন এবং তাদের অনুবাদ ও ব্যাখ্যা আমাদের মত পবিত্র (?)-দের চেয়ে তুলনামূলকভাবে অনেক বেশি উন্নতমানের হয়েছে। এখন উপায়? অগত্যা আর উপায় নেই তাই গোজামিল দেওয়া পর্যন্তই সার এবং এইভাবেই সমগ্র কোরান শরিফের অনুবাদ ও ব্যাখ্যা গোজামিলের বস্তা বানিয়ে রেখেছেন।

बर्चे खिठ ছোট আকৃত্বির ব্যাখ্যা পাঠক ভাইদের পড়তে অনুরোধ করছি। জগাখিচুড়ির বাহার এবং গোজামিলের ধাধায় চক্ষু চড়কগাছ। আরবি জানা হিয়া বড় বড় কই কাংলাই ভিরমি খায়, আর সাধারণ পাঠক তো কোন ছার! অতি দুঃখের সাথে বলতে হচ্ছে যে, এইসব অনুবাদকারী পণ্ডিতের দল, অসীম আলুহের অসীম জানের সবটুকু পানি মনে করে এক চুমুকে খেয়ে বসে আছেন। ভাবখানা যেন, মাত্র এইটুকু! অসীম জানের ভাগু কোরান-এর একটি স্থানেও 'ইহা বুঝিতে পারিলাম না' অথবা 'ইহার অর্থ আমি জানি না' এ রকম একটি অকপট শ্বীকৃতির নাম-গন্ধুও যদি থাকে। কারণ অসীম আলুহের সবটুকু তারা বুঝে ফেলেছেন। সুতরাং ব্যাখ্যা দিতে আবার কিসের কন্ট? দশের কথায় বলৈ প্রকৃত সাধুকেও ভণ্ড বনে যেতে

रश। ठारे क़ा थनात् वष्ठनि व्याक्ष व्यासार्फ़्त सूर्थ सूर्थ पूत्र - 'फ्न एक ভগবান ভুত'। এবং সত্যি বলতে কি হয়েছে তাই।

আর ঐকটি হের-ফের করা অনুবাদ পাঠকের কা্ছে তুলে ধরলাম।

रेका काम रेना त्रानाळ काम क्रिया के विश्व है जैने विश्व विश्व विश्व है से स्वाप्त विश्व है से स्वाप्त का कि स् কুরুনাল্লাহা ইল্লা কালিলা - অর্থাৎ 'যুখন তারা সালাতের দিকে উঠে দাঁড়ায়, খুবিই অলসতার সঙ্গে দাঁড়ায়, মানুষ্কে দেখাবার জন্য। অন্তর তাদের আল্লাইকে

শ্বরণ করে না অল্প কিছু লোক ছাড়া।' পাঠক ভাই, অাপুনি প্রায়ু অনুবাদেই একটি ছোটু ভুল দেখতে পাবেন। ভুলটি रश्रः वापनात पृष्टित कांकिडे फिल्ट पात्त, वातात बेक व सतात्यांग परकात्त দেখলেই ছোট্ট ফাঁকিটা আপনার চোখে ধরা পুড়ে যাবে। ফুঁাকিটা ছোট হতে পারে, किष्ठ अत वर्षे रुख भेट्ड माताव्यक द्वानाट्टै। 'रेक्ट्रा कामू रेनाम मानाट्ट' यात रुवर वर्ष रुला 'राधन मानाट्टित हिटक हाड़ाय़', किष्ठ अत रुवर व्यनुवाह ना कदत ठाता অনুবাদ করেন 'যখন সালাতের জন্য দাঁড়ায়'। 'যখন সালাতের জন্য দাঁড়ায়' যদি कोतान भारत निशा शाकल ला रेस हैं होते , इवह बाति छात्राण हैं को कार्य ल मानाल। कात्र्व, बाति छात्राय 'हुनात,' बर्च रत्ना फिर्क, अवः 'ल' बर्च रत्ना জন্য। এখন আপনিই বলুন, কোথায় 'ইলা' আর কোথায় 'লে'। অথচ জোর করেই এ রকম হাজার হাজার উল্টাপাল্টা করে রাখা হয়েছে। অবশ্য পাণ্ডিত্যের অজুহাতে ব্যাকরণের ঘেউ ঘেউ আর চিল্লাচিল্লির দাঁত খিঁচুনির দর্শন মিলবে অনেক, আর বার বার চোখের কাছে আসবে ভিরমি এবং তাতে ভুলের গর্তে পা রেখে বিপদে পড়তে পারেন। সম্ভবত এ রকম ভুলের গর্তে পা ফেলে একু ইসলামকে তেহান্তর ভাগে ভাগ क्रों रख्र है। यात्र अन्तर्ते क्या कि, क्लाता अनि-मृत्र तम्, श्रीत-कृकित्वत पाता কিন্তু এক ইসলামকে এত ভাগে ভাগ করার মহানু কর্তব্য সাধিত হয় নি। এত ভাগে ভাগ করার সাধনার ফর্লাট আমরা পেয়েছি আরবি-জানা বড় বড় পণ্ডিতের মাধ্যমে। পীর-ফকির, গুলি-দরবেশরা মুসলমান বানিয়েছেন, আর আরবি-জানা পণ্ডিতেরা মুসলমানদেরকে তেহান্তরটি ভাগৈ ভাগ করে দিয়েছেন।

লাগ ভেন্ধি লাগের মতো আপুনার মনে, মাথায় আর চোখে সুন্দর ভেন্ধি লাগিয়ে

(लक्षकार्षा।

সালাত ব্লতে যদি नाभाक পড়াট্রাকেই বলা হতো তবে 'যখুন সালাতের জন্য দাঁড়ায়' ইহাই হতো প্রকৃত অনুবাদ। কিছু তারা দাঁড়ায় সালাতের দিকে, এর কারণ, এই দাঁড়ানোটা হলো সালাতের দিকে অনুশীলুন, যাকে আমরা ট্রেনিং নেগুয়া হচ্ছে বলি। সুতুরাং ইহা সালাত নয়, সালাতকে কামিয়াব করার প্রস্তুতি প্রহণ করা মাত্র। দেহের বিভিন্ন ওঠা, নামা, বসা, হাত তোলা এবং মাখা নতু করা ইত্যাদি व्यञ्जनिष्ठत्वा सार्छें यानांच नग्नां कात्रप, अर्थे व्यञ्जनश्वरता यिष यानांच्ये रत তবে 'মানুষকে দেখাবার জন্য' এই বাক্যটুকু কোরান পাক আমাদেরকে বুলে দিতেন না। এই কথাটুকু বলার মধ্যে তেমন অর্থ বিইন করতো না। কারণ, অঙ্গভঙ্গির মাধ্যম ছাড়া মানুষকে কিছু দেখানো যায় না। আল্লাহর সঙ্গে যোগাযোগ করাকেই বুলা হয়ু সালাত এবং এই সীলাত তথা যোগাযোগকৈ করতে হয় কায়েম অর্থাৎ স্থায়ী। এই সালা্ত কায়েম করতে হয়, তাই ব্লা হয়েছে 'গুয়াকিমুস্ সালাত' অর্থাৎ (আল্লাহ্র সঙ্গে) যোগাযোগ স্থায়ী করতে - 'একরা' করতে নয়, অর্থাৎ পড়তে নয়। কার্ণ, একরা সালাত' অর্থাৎ সালাত পড় বলে কোরান পাকে একটি বারগু বলা হয় নি। (তাই বলে কেউ যেন ভুল করে না বসেন যে, অধুম লেখক পাঁচ গুয়াক্ত নামাজ পড়তে বারণ করছে। কারণ, এখানে নীতিনিধারণের আলোচনা হচ্ছে, প্রয়োগপদ্ধতির আলোচনা নয়)।

আল্লাহ্র কাছে দেহের হাজিরা দেগুয়াটা হাজির হুগুয়া বলে বিবেচিত হয় না। মনের হাঙ্গিরা দেওয়াটাকেই আল্লাহর কাছে হাঙ্গির হওয়া বোঝায়। সুতরাং क्वितनभाव प्रत्यत यांक्रिता प्रथशात नामाक्रक जानाछ वर्तन १९४ कता यस ना। कात्र १, সালাত মনের সঙ্গে জড়িত এবং মন দিয়েই সালাতের কারবার। দেহ নিয়ে নয়। কারণ, দেহ মুসলমান এবং দেহের প্রতিটি অঙ্গ-প্রত্যঙ্গ মুস্লমান, কিন্তু মনটি মুসলমান বানাটে হবে। তার্ই জন্য সমন্ত্রীকোরান পাক একটি উপদেশাবলির বিরাট श्रेष्ठ। তাই অমুসলমান মনটির মৃত্যুর পূর্ব পর্যন্ত মুসলমানু দেহটিকে সাময়িক কর্তৃত্ব थमान कता रुद्धाएए। এই सुमनसान फरिए मिर्स सीनवकाछित कन्यापा व्यामक भारत আবার অকল্যাণেও নিয়ৌজিত হতে পারে - ইহাই একটি মূনের সাময়িক স্বাধীন ইচ্ছাশক্তি। তাই মনের চৈতৃনেয়র সঙ্গে আল্লাহপাকের মহাটেতন্যের যোগাযোগ প্লতি্ঠা হলেই সালাতের আবির্ভাব হয় এবং উখনই হয় দুনিয়ার ষড়রিপুর মায়ায় তৈরি অটেতন্যের তিরোভাব। মেরাজের অবগুর্ছন ধীরে ধর্টির মুছে যেতে বাকে এই সালাতের কাছে এবং এই সালাতের যিনি সাধী তাকেই বলা ইয় মোমিন। কারণ, स्मोभिद्रात সालाञ्हे रत्ना स्मताञ्च। जा रत्न श्रम् व्याप्म, यात मालाञ कारसम रस्न नि ठात कि स्नताक रखाष्ट? ना। कातप, ठात त्रांनाठ रला मानुषक प्रधावात कन्छ। साब **ना**साना किছू लाक **ছा**ড़ा श्राय नकलार वाल्लारक व्यञ्जत मिरस ग्रातम करत ना -এ কথা আমার কথা নয়, এ কথা শ্বয়ং আল্লাই পাকের কথা এবং স্পর্ট ঘোষণা। সুতুরাং অতি অন্নু লোকেই কোরান্ পাকের উপ্তরহস্য অনুধাবন করতে পারে এবং वीकि त्रवाहरू छैंहा वेटल लाखे जिहै। त्रवाहर त्रछाटक पुरुषक केंद्रक शादा ना अवर त्रछाटक छेत्रलक्षिक कद्रक्क शादा ना, त्कवलक्षात्र खन्न किছू लाक ছाछा - हेहाहे त्कादान त्राक खाक्षाएमद्रत्क वृत्विद्धा मिद्धाएएन अवर वृद्धिक्षाने के छानीत्नात्कद्वा अहे কথার গুপ্তরুহস্য বুঝুতে পারেন।

हर्राणि तिथूत क्षेकि सारात गाँणि-शिश्या महाएक्ष कीवनणिहें हला विहेसालत क्षीवन। अहें विहेसान कीवलत हैं अत यथन हैं सालत क्षण्ड व्याघाण थएं अवर अहें हैं सालत क्षण्ड व्याघाण यथन विहेसालत क्षण्डार्शी क्षण्डला अव्ह अव्ह क्षण्ड यावण यथन व्यह्मालत क्षण्डार्शी क्षण्डला अव्ह अव्ह अव्ह क्षण्ड यावण व्यापन क्षण्ड नित्य भीवत भीवत हैं प्रति विह्मण्ड व्यापन कानार मण्ट्रि (हान्त विश्वव हिमाव) सूर्ण क्षण्ड विद्यमण्ड स्थापन हें विद्यमण्ड स्थापन स्थापन विद्यमण्ड स्थापन स्थापन विद्यमण्ड स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

- वर्षा९ 'वामता कामारक दाक्रक मान कति।'

जून करात क्रिया 'जामि कानि ना' तल क्षाल लिश्वा जलक छाला। कार्य, जायनात अकि जून क्रम फिर्व जामिक छुलात। भिर्मिक हरत माराव्यक अवर छ्यावह। अहे छुलात भय फिर्व जामाफर छित्रके तर्भपदाता अभित्य यात जून भर्य, यात करन जामेन नरका भिर्मेख जामाफर छित्रके तर्भपदाता अभित्य यात जून भर्य, यात करन जामेन नरका भिर्मेख मार्क खामिक क्रमेख कर हमान लिख क्रम अवर क्रम फिर्व क्रिय क्रम ह अध्वा अवर अवर अवर क्रम किर्य क्रम हित्र क्रम करा भिर्मेख क्रम क्रम करा भूरण करा हक्ष्म क्रम करा भूरण करा हक्ष्म करा त्राचिक ज्ञान करा भूरण करा हक्ष्म करा हित्र क्रम जून परा ज्ञान करा अर्थ छुलात विद्यान्तित क्रम करा हार्य क्रम करा वामाक करा वामाक करा क्रम करा हित्र क्रम हार्य करा करा हित्र क्रम हार्य क्रम हार्य क्रम करा हित्र क्रम हार्य क्रम करा हित्र क्रम हार्य क्रम हार्य क्रम करा हित्र क्रम हार्य हार्य क्रम हार्य हार्य

বেহায়াপনারও একটা সীমা থাকা দরকার। মাতালের খিম্রির মতো এরা যা মনে लिएছে ठारें करत शिष्ट्रन। अधु कि कन्नदात कातानकर कन्नदात नामान वर्ल हालिखिष्ट्रन? कातान भाक उन्निश्चि मेत्रिक्रिफ्ट अनुवास्ट नामान वानिद्रा ছেড়েছেন এবং সেন্তুদাকেও নামার্জ বানাতে তাদের মন ও কলম থেমে যায় নি। বিবেক এক মুহূর্তের তরেও তাদের দংশন করে নি। বাংলা ভাষায় কোরান পাকের যত অনুবাদ ইয়ৈছে, সবচাইতে জঘন্য অনুবাদ হয়েছে শ্রুদ্ধেয় মাগুলানা আকরাম খাঁ সাহেবেরটা। শুদ্ধেয় মাগুলানা আকরাম খাঁ সাহেবেরটাকৈ ভুল বললেও সুন্দর মানায়, কিন্তু উহা একটি পণ্ডিত-পাগলের বস্তাপচা খিস্তি ছাড়া আর কিছুই নয়। আগাণোড়া সব মনগড়া অনুবাদ ও ব্যাখ্যায় ভরপুর। কিন্তু ইসলামিক ফাউন্ডেশনেরটা হলো তিন বস্তা ভুলের ঝুলি এবং উহা তিনু খতে বাঙালিকে हिराष्ट्रित उपरात। ठाठ वातात अर विन्तारित क्याननी विक के मार्थत। अरु हि पूर्णि नय, अर्क्तुरत राज्य पाता क्रिकेन मरापछिक्त मिन्छ केमन। अर क्रिके পীণ্ডিতের নাম যদি একটি অনুবাদে থাকে তবে সাধারণ পাঠক তো দুরে থাক, হিয়া বড় বড় সম্বাদারদেরও ভির্মি খাবার জোগাড়। শুদ্ধেয় জনাব মাগুলানা বেলায়েত হোসেনের নামের আগে যে আশ্চর্যজনক মেডেলটি ঝুল্ছে উহার নাম 'শামসুল উলামা' অর্থাৎ 'উলামাদের সূর্য'। এই 'উলামাদের সূর্যের' মেডেলটি দর্শন করলৈ কার বুকের পাটা আছে যে, প্রতিবাদ করবেন? বিদেশ হতে আগত হিয়া বভূ আলেম শুদ্ধেয় জনাব মাওলানা কাশগড়ী সাহেবের নামও আপনি পাবেন। এই জাতীয় চৌদ্দটি ক্রই-কাত্লার মতো বড় পদার্থের উপর প্রায় সকলেরই বিশ্বাস থাকার কথা। এনারা সবাই মিলে বহু গবেষুণা করে 'ফুজরের কোরান'কে 'ফজরের দিয়েছেন। উফসিরে কাশ্শাফ আল্লামা জমখশরির একটি বস্তাপটা অনেক আণ্রের তফসির। সেই ব্সাপঢ়া তফসিরে কাশ্শাফ-এর মতো অনেক তফসির আরবি, कार्त्रिम अवुर छेर्षु छाषाग्र व्याष्ट्र। त्रवहारेट्ट दिनि पुःश नार्थ यथन राकिश्वन छेन्नुछं नामक অৃতি মূল্যবান মেডেল পাওয়া হুজরত মাওঁলানা আশরাফ আলি থানভি সাহেবঙ্গ ঐ একই ভুল করেছেন তার তফাঁসরে।

সুরা বনি ইস্লাইলের ৭৮ নুম্বর আয়াতটি এখন পাঠক ভাইদের কাছে তুলে ধর্মছ - আকি মুস্সালাতা লিদুলুকি শামিসে ইলা গাসাকিল্ লাইলে ওয়া কোরানীল্ ফারুরে। ইন্না কোরানাল্ ফারুরে কানা মাশ্হদা।

অর্থাৎ, 'সালাত কায়েম করো সূর্য ঢলে যাবার কারণে, রাতের আঁধারে ঢেকে যাবার কারণে এবং ফঙ্গরের কোরান-এর জন্য। নিশ্যুই ফঙ্গরের কোরান হলো

ইহার প্রচলিত এবং বিকৃত অনুবাদ করা হয় এইভাবে - 'সূর্য হেলিয়া পড়িবার পর হইতে রাত্রির ঘন অন্ধকার পর্যন্ত সালাত কায়েম করিবে ঐবং কায়েম করিবে ফজরের সালাত। ফজরের সালাত পরিলক্ষিত হয় বিশেষভাবে।' অনুবাদের চরিত্রই যুখুন বিকৃত্তখন ব্যাখ্যার চুরিত্র কেমনু হবে? অধম লেখক এই আয়ীতটুকুর ব্যাখ্যা দিচ্ছি : সূর্যকে এখানে একটি মানবজীবনের সঙ্গে তুলনা করে বলছে যৌ, সালাত কায়েম করো - কারণ যখন সালাত কায়েম হয়ে যাবৈ তুখনই দেখতে পাবে প্রথম কোরান-এর প্রথম পরিচয়। সূর্য যেমন উদয় হয়ে ধীরে ধীরে পূর্ণতায় এসে পুনরায় অস্ত্র যেতে থাকে তথা চুলে যেতে থাকে একং এক সুময় রাতের আধার চেকে যায়, ঠিক একটি মানুষের জীবনসূর্যটারও ঐ একই গতি। বাল্যের জীবনসূর্যের উদয়ের মতো ধীরে ধীরে পূর্ণতায় এসে তথা পূর্ণ যৌবৃনে এসে পুনরায় বুড়ো হুটে থাকে তথা ঢলে যেতে থাকে এবং একসময় মৃত্যুর আঁধারে ঢেকৈ যায়, সূর্য যেমন রাতের আধারে ঢেকে যায়। জীবনসূর্যটি যে থমকে দাঁড়িয়ে নেই। প্রতিটি মুহূর্তে এ যে ঢলে যাচ্ছে। কোথায়? এক ঘন অন্ধকারের মাঝে। তাই জীবনরূপ সূর্যের ঢলে যাবার

काরণে উপদেশ দেওয়া হচ্ছে সালাত কায়েম করতে। কারণ, সালাত তথা যোগাযোগ কায়েম তথা স্থায়ী হয়ে গেলেই আপন পরিচয় প্রথম মেলে তথা ভোরের কোরান-এর যে রহস্য উহার সঙ্গে প্রথম পরিচয় হয়। কোরান-এর সঙ্গে পরিচিত रवात की मुक्त अवः अभूवं जाूकू िएष्टन्। अरे क्वातान कागक्र, अथवा मिनानिभि অথবা চামন্টা বা যে কৌনো জিনিসের উপর কালির নকশা আঁকা কোরান নয়। কারণ, ইহা আসল কোরান-এর পরিচয় পাবার কতগুলো অক্ষরের বাঁধন। এই অন্ধরের বাধন, যেটাকে আমরা প্রায় সবাই কোরান বুলে জেনে আসছি, উহা হলে, विष्ठाभिक्रात साध्यस ष्टाष्ट्रा অञ्चल। অञ्चल अक्जन्छ नवि वा तञ्चल साम्राञाञ्च অञ्चला এই জাতীয় কোনো বিদ্যালয় হতে শিক্ষা গ্রহণ করেন নি। তারা উন্মি, তথা অক্ষরের সঙ্গে পরিচিত নুন। সুতরাং যাহার সঙ্গে নবি গু রসুলরা পরিচিত নন উহা কখনই একমাত্র ধর্তব্য হিশাবৈ গণ্যই করা যায়ু না অর্থাৎ এই জাতীয় বিদ্যালয় হতে শিক্ষা ना निल्लं आत्रन कातान्- अत् त्रस्त्र भितिष्ठिण रुट्यू भातर्व। कात्रम्, आत्रन क्यातान्-এ কোনো অন্ধরের বাুলাই নেই। কারণ, উহুা বুরি কোরান। তাই কোরান নিজেই धाषुपा कतरह या, भवित ना रख उथा व्याप्तिष्ट्रे छाभ ना कदा उथा याभायाभक भाशी ना करत रुशे। **मानार कारसम ना करत कर**ें कारानक दावा। का पृत्व থাক, কেবলমাত্র স্পর্শ করারও কারো ক্ষয়তা নেই। (লা ইয়ামাস্সুহ ইল্লাল্ মুতাহারুন)। এরপরেও কি আমরা কাণজের লিখিত কোরানকে আসল কৌরান বলৈ ভুল করবো? তাই অনেক সময় আমরা বিপাকে পড়ে, যাই, যখন দেখতে পাই मोप्राुत्रा व्यथवा विष्णावस्य ना-পर्ण अकलन नितन्नत्रं (?) व्यानार्त अनि वस्त

সুপরিচিত।

লিখাপড়া না ক্ষেনে আল্লাহর গুলি হওয়া যায় না - এই মারাঅক ভুলু কথাটি **मा**द्वात्राश लात्र-कता व्यात्मसेतारे असनভाবে প্রচার করে ফেলেছেন যে, सिशाটारे वात वात उष्टातिञ खवात एकप अवञात काल त्रञ वल भल खष्ट अवः अवञ ज्यव মারাঅক ভুল করে বসেন। জনতা তখুন মনে করেন যে, মাদ্রাসায় যখন পড়া হলো ना ठा रल ैं यात त्राधना कदार वा की लाछ। अर या माताव्यक छुल धातपां, रेंरात অবসান আমাদেরকেই করতে হবে, না হলে এক ইসলামের ভেতর উজন ডজন দল **७ मळित जुल धात्रवात ञ्चवंत्रान कात्नामिन ३ रत् ना। माम्नात्रात ञालम जारै**स्त्रता अ तकम मुर्भ (१) मञ्जूत, छुलऋ रुखा পড়ে शाका अनिएमतुरके अनि तना ळा मूरत् शाक, অহকারের বাণ ছুঁটে বিপ্রথামী বলতেও জিন্তা কাঁপে না - হায় রে বিদ্যার কচ্চতানি - তাই কুমলিওয়ালা (আ.) বলেন, আল এলমুল হেজাবুল আকবার -অর্থাৎ 'এলেম তথা বিদ্যা হলো (সত্যকে জানবার পথে) সব চাইতে বুড়ু পরদা তথা দেয়াল। এই সেই বিখ্যাত ভারতবর্ষ, তেত্রিশ কোটি দেব-দেবীর দেশ। এই মহাভারতে যিনি মুসলমান বানিয়ে গেলেন সেই সুমহান সুলতানুল হিন্দ খাজা বাবা তো আন্ধরিক কোরান-এর একটি তফসির করে যেতে পারতেন। সত্যকে পাবার क्रुना रेंशत श्राक्षित क्यूंपूर्व अक्ष्य वस्त करत रेंश एउतर विति या करतन नि। रिश्रा वर्ष क्वातान यकत्रित केतनाम, मार्शकन क्षमित्रा त्राज्रताय त्राज दिन कातान তফসিরের বিরাট আয়োজন করলাম, কিছু জীব্নেগু একটি অন্য ধর্মের মানুষকে মুসলমান বানাতে পারলাম না - আমার মূল্য কতটুকু? আমার মূল্য জিরো তথা শুন্য वेनलि हाम प्रिथा रेश। क्रिता मार्रेनांत्र कार्रेड ठेशी मून्य रेळाई नाँ हिता किर्न या रेश সেই দামर আমার। একবার ভেবে দেখুন তো - একটা সম্পূর্ণ অন্য ধর্মের भावुषक भुगलभाव वावाद्वा कल कर्षमाध वााभीत। ट्या प्रभुव क्यो शाका वावात কথাঁ! কত বড় শক্তির অধিকারী হলে পাক-ভারতে লক্ষ লক্ষ হিন্দুদেরকে মুসলমান বানিয়েছেনু। আর আমার মতো মাগুলানারা? আরবি ভাষার জাহাঁজ বুলতে পারেন। কোরান শুরিফকে অন্ধরে অন্ধরে ভেঙে ভেঙে অনুবাদ করার জাদুকরি শক্তি অর্জন করেছি। হিয়া বড় মাহফিলের আয়োজন করে জনতাকে কোরান-এর অনুবাদ গু

व्याच्या छनित्य एमक नाशित्य िष्टि। वाखात भत वाखा कुड़ांष्टि किष्ठ मिट एकिम्पत्तत मार्शिक्त क्याज्य व्याप्य व्

वामात मेळा माठनानास्त्र मुश नित्रा शर्ष कृष्टळ शाका। नाधातप विषयात कथा ना रस वान्हें दिनाम, छक्रपूर्ण विषयात उभत काला महत्व ताथळ वर्ष विस्था उभत काला महत्व ताथळ वर्ष विस्था विद्या काला कि ना। कार्त्रण, भव कि इ किला कि कि विद्या कि कि मुख्ता व्या छावना-िष्ठ कि कि कि विद्या कि विद्या कि विद्या कि कि विद्या कि कि विद्या कि

या अक्रिएत कथा अक सुर्र्ठ छावळं भादान नि।

वािमाञ्च वाक्सकात येथन मानाज कार्यसित पाता पूत रश जथनर क्षयम भित्र एश व्यामन कारान विद्या रश व्यामन कारान विद्या नित कारान नित विद्या वामन कारान विद्या वािमा यािम वािमा वािम

ও প্রমাণ সে যে নিজেই। তাই ফজরের কোরান হলো সত্যরূপে প্রমাণিত। আর আমিত্বের বাঁধনে যারা জড়িয়ে আছে, যারা ছয়টি রিপুর তাড়নার তাঁড়া খেয়ে রিপুর কোলে ঘুমিয়ে আছে, তারা কি এই ফজরের কোরানকৈ পারবে স্পর্শ করতে? কারণ, এই কোঁৱান-এর গ্রন্থন যে সাংঘাতিক ভারী - তাই তো পাহাড়-পর্বত আর সাগর निक्ष हारा नि कातान-अत वासानछ। सानूष क्वांका, ठाएँ अत वासानछ अर्थ क्रिक्ट। ठाएँ ट्र सानुष, ठूसि खु कातान-अत वासानछ निल्न, क्वांसात ख स्रीवनपूर्य एल याटक भुगुत वाँभारते, गार काराभ करता मानाग्रक - मानाग्र काराभ रतिर কোরান-এর সুস্রভাত হবে এবং এই কোরান-এর সুপ্রভাতের জন্য তুমিই সত্যরূপে তোমার নিজের কাছে প্রমাণিত এবং তখনই তৃমি কোঁরানগুয়ালা।

যে কোনো মানুষের জীবনে যদি 'ফজরৈর কোরান' তার রবের ইচ্ছায় তথা আল্লাহর ইচ্ছায় লভি করতে পারেন তবে ইহাই তার জন্য 'মাকামে মাহমুদা'-তে তথা প্রশংসিত মাকামে স্থান পাবার সোড়াগ্য এনে দেয়। এখন সূরা বনি ইস্রাইলের

वाशाजध्या भर्फ प्रभुव का, भिन भाव कि ना।

अशा भिनान् नार्टेल काठाराकाम विशि नाकिनाठान नाका - **आ**ष्टा आर्टेशात्व

আসাকা রাববুকা মাকামাম মাহমুদা। (সূরা বনি ইস্রাইল: ৭৯)। অর্থাৎ 'এবং রাত্রি হতে কিছু সময় সুতরাং উহাতে তাহাজুদ কর - একটি লাভ তোমার জন্য - হয়তো অচিরেই এমনও ইতে পারে যে, তোমার রব তোমাকে উঠিয়ে

(नर्तन भाकारम भारमुहाक्<u>त</u>

কাগন্ত, পাথর এবং চামড়ার উপর লিখিত কোরান যদি কয়েক মণ হুতে হান্তার मिएात में में अलग्र हा अवर हैं है। शाहाक-वर्षक यिन ताथा हा के जाक कि वाहाक-পর্বত ধ্বংস হবে অথবা ভেঙে চূর্ণ-বিচূর্ণ হবে? ना, তা হবার প্রশ্নুই আসে ना। তা रटल कातान भाक । किसन करें। वलएंष्ट्र कांभक्रत कातानकर योर्ष धदा निलास ইহাই একমাত্র কোরান, তা হলে তো পাহাড়-পর্বত এবং সাণরের এরূপ অবস্থা হতেই পারে না। যেহেতু এরূপ অবস্থা, যাহা কোরান্-এ বর্ণিত হুয়েছে, হতেই পারে ना সেহেতু কাণজের কোরান কোরান নয়, বরং ইহা আক্ষরিক কোরান। নুরি কোৱানই প্রকৃত কোৱান এবং একমাত্র কোৱান এবং ইহা আমিত্ব তথা স্বকীয়ট্টা नाभक खन्नकोत मालाज कार्यभ দ्वाता দূत करत खर्ञन कतळ रहा बर हैरा खर्जन যার হয়ে গেছে তার আঅপরিচয় লাভ করা হয়ে গেছে।

साउनाना व्यावषुन शांकिस अवः साउनाना व्यानि व्याश्यान क्वातान-अत व्यनुवाष उ ব্যাখ্যাটি এমনভাবে বিকৃত করে ফেলেছেন যে অবাক হতে হয়। কত প্রকার অনুবাদ ও তফসিরের দোহাই যৌ উনারা দিয়েছেন নিজেদের অনুবাদ ও ব্যাখ্যাকে সহি বলে প্রমাণিত করার প্রয়াসে! অথচ ইনারা ভাই গিরিশ টন্তু সেন রচিত অনুবাদের কঠোর এবং জঘন্য অপাঠ্য সমালোচনা করেছেন। ইহা এই উভয় পণ্ডিত কর্তক রচিত অনুবাদ হতে শতগুণে ভালো, যদিও ভাই গিরিশ চন্দ্র সেনের অনুবাদে হাজারো একই ভুল দেখা যায়। শ্রুদ্ধেয় মাওলানা হাকিম প্র আলি আহসান ভাই গিরিশ চন্দ্র সেনী নামটিকে জনৈকৈ বলতেও লক্ষা পান নি। এইবার এই উভয় মাওলানার অনুবাদ হবহ তুলে দিলাম। পাঠকই ইহার বিকৃত করার নমুনাটা ভালোভাবে বুঝুতে পারবেন। 'সূর্য অন্ত-পথে অবনমিত হইবার পর রঙ্গনীর অন্ধকার পর্যন্ত নামাজ প্রতিষ্ঠিত কর এবই প্রভাতে কোরান পাঠ কর, এবং প্রভাতের কোরান পার্চ সাক্ষীম্বরূপ হইবে। 'ফজরের কোরান' কে 'কোরানু পাঠ কর' - নতুন মাল আমদানি করা হলো। এই বাক্কা মাল কোথা হতে আমদানি করা হলো - পীঠকের প্রশ্ন। ইহা তো গেল অনুবাদের শ্রী। এবার উভয় মাগুলানা ব্যাখ্যা করতে গিয়ে পাঞ্জেণানা ফরজ নামাজের কথা এই আয়াত হতে 'সোনার খনি পেয়েছি' বলার মতো আবিষ্কার করে ফেললেন। এই আবিষ্কারের গান্তীর্যু বজায় রাখতে গিয়ে বলেছেন যে, এই পাঁচ ওয়াক্ত নামাজের আবিষ্কার তারা করেন নি। ইহার আবিষ্কার করেছেন

এত্যা বড়ু তফপিরে ইবনে আব্বাস, তৃফসিরে জরির, তফসিরে কবির, তফসিরে राक्वानि ३ তফসিরে মোহাম্বদ আলি। পাঁচ ওয়াক্ত নামান্ত এই আটাত্তর নম্বর আয়াত হুতে পেয়ে গেছেন। ইহারই নাম বোধহুয় আমাদের দুর্ভাগ্য। আটাত্তর নম্বর আয়াতে পাঁচু গুয়াক্ত নামাজের কথায় যে ক্তখানি গোঁজামিল দৈগুয়া হয়েছে তার নমুনা তুলে ধরছি। এই সুরাটি তথা বনি ইস্লাইল সুরাটি মক্কাতে নাজেল হয়েছে এবং নীজেলৈর ধারাবাহিক नेश्रुत হিশাবে এই সুরার नेश्रुत হুলো পুঞ্চাশ এবং হজরত উসমানের দেওয়া ধারাবাহিক নম্বর হল স্টের। আনুষ্ঠানিক পাঁচ অথবা (তাহাজ্জুদসহ) ছয় <u> ওয়াক্ত নামাজ পড়ার আদেশ হিজরতের পর মদিনায় নাজেল হয়েছিল। যেহেতৃ</u> व्यानुक्रानिक नाम व्यथवा एस असाङ नामाट्यत व्याप्तम महिनास नाट्यन रखिएन সেইেতু মক্কায় আনুষ্ঠানিক সালাত পালন করার আদেশ দেবার কোনো প্রশ্নই ৪ঠে ना। येषिञ्ज व्यामता मकास व्यवशीर्य भूताञ्चलात मस्या भागाण कारसमू कतात व्याप्तम অনেকবার পেয়েছি৷ কিন্তু এই সালাত কায়েম করার অর্থ নীতিগত সালাত, আনুঠানিক জমাতবন্দি সালাত নয়। এই নীতিগত সালাতের মতো জাকাত বিষয়টিও একই রকম নীতিগত জাকাত। আয়ের শতকরা আড়াই ভাগ বিশেষ কয়টি भानवकन्यापत क्रना वास कतात या व्याप्तम प्रश्रुसा रखाए, कातान भाक रेराक জাকাত বলে নি। জাকাত বলতে মানবীয় আমিতের অথবা মানবের শ্বকীয়তার পরিপূর্ণ উৎসর্গ বোঝায় এবং এই কারণে সালাত এবং জাকাত একসঙ্গে ঘোষণা করার কথা প্রায় ত্রিশবারের মতো পাগুয়া যায়। এই নীতিগত সালাত এবং জাকাত পাঁচ গুয়াক্ত নামাজগু নয় এবং আয়ের শতকরা আডাই ভাগ খাজনা আদায়গু নয়। भेठकता আড়াই ভাগ খান্ধনা, যাকে আমরা জাকাত বলে মনে করে থাকি, ইহার জাকাত নামটিও প্রদান করে নি, বরং সাদকা নাম দিয়েছে এবং যেখানেই খাজনার জাকাতের কথা পাবেন সেখানেই সাদকা শব্দটি অবশ্যই পাবেন, কিছু জাকাত শুব্দটি একটি স্থানেও পাবেন না। পাঠক ভাই, ইহা অতি চমকপ্রদ। একটু গভীৱে গিয়ে চিন্তা করে দেখুন তো কোথায় জাকাত আর কোথায় হলো সাদকী। কিষ্তু भागानार। छुलत পारोत्फ काकाळत लान्ध्य काल ५७३३। रखण्ड अवः लककाण রূপটি মুসলিম সমাজে সত্যরূপে প্রতিষ্ঠিত হয়ে এখনো চলে আসছে। এই সাদকাকেই জাকাত নাম দিয়ে রাষ্ট্রীয় খাজনাণ্ডলোর একটি খাজনার নামকরণ করা হয়েছে -অর্বাৎ সাদকাকেই খাঁজনাতে জাকাত নামে পরিচিত হয়েছে। দুই চোখই কানা व्यथे भएतूत भएग मुन्हत कार्यित भाविक भूतृत्वाचन नाभ ताँचा रखिए काना एटलं नामें। **এখन क्रीथ ना शाकुक - नाम क्रा** ताथा रख़रू পদ্মलाएन! क्राकार এবং সাদকার ভুলটা অনেকটা এ রকম। জাকাত নামের সাদকা মানুষের স্বকীয়তার জাকাত তথা উইসৰ্ণ নয় - ইহা মালের জাকাত। কারণ 'জাক্কা' শব্দ হতে জাকাত শব্দের উৎপত্তি। 'জাককা' অর্থ পবিত্রকরণ। সালাত এবং জাকাতের মতো कातानकि से अकर तकम व्यर्थ अर्थ कता रखिए। व्यर्घ कातान य नृति কোরান, কাগদ্ধের কোরান নয়, এ কথা আমরা জানবার সুযোগ পেলাম না। পাহাডুকে ভয়ে বিচূর্ণ অবস্থায় দেখার প্রশ্নুই আসুতে পারে না যদি নুরি কোরানকে কার্গক্তি কোরান বলে ধরে নৈওয়া হয় এবং সত্যিই যদি নুরি কোরানকৈ পাহাড় এবং সাগরে অথুবা যে কোনো স্থানের উপর নিক্ষেপ করতেন তবে কী অবস্থা যে হতো উহার একটি নমুনা আমরা গুনতে পাই - গুনুতে পাই যে, আল্লাহর নুরের অতি সামান্য একটু অংশ তুর পাহাড়ের উপরু পতিত হবার পর তুরি পাহাড়ের কী শোচনীয় অবস্থা হয়েছিল। অবশ্য কৈউ যদি প্রশ্ন করেন যে, উহা তো আল্লাইর বুর এবং নুরি কোরান নয়, তা হলে অবশ্যই তার প্রশ্নৈর সঙ্গে আমিগু একমত ইতে বাধ্যি হবো বিশেষ কয়টি কারণে। যদিগু আগুনের শিখা আগুন হতে আলাদা নয়, তেমনি नुति কোরান আল্লাহর নুরের সঙ্গে একই সূত্রে বাঁধা এবং মোটেই অবাক হবার কিছু নয় যদি আল্লাহ সতিঃ সতিঃই কোরানকে পাহাড়ের উপর নিক্ষেপ করতেনু।

नाउ वानकान्ता राकान् काताना वाना कार्वानिन् नातारैठार शानिशास सूठात्राफ्रप्तशास सिन शानिशाठिन्ना। व्यक्ति कान वासष्टान् नाफ्रत्वरूरा निन् नात्रि ना वालारस रैंशाठाकाक्कारून - व्यर्वार 'यिक वासता अरे कार्तान भाराक्त्र उभद्व नाक्ष्म क्रियां व्यक्ति व्यक्ति क्रियां क्रियां विक्र्म व्यवशायां अर्थ क्ष्मिक व्यवशायां स्वाविक्रां विद्यां वि

করে। (সরা হাসর : ২৯)।

এখানে একটি বিষয় লক্ষ্য করার মতো। আল্লাহ এই আয়াতে 'আমি নাজেল করতাম বলেনু নি - বলেছেন, 'আমুরা নাজেল করতাম'। এই 'আমরা কুে প্রায় অনুবাদেই 'আমি' পাবেন। আর একটি কথা পাঠক ভাইদের লক্ষ্য করতে বলি যে, নাজৈল করার সময়, হেদায়েত করার সময়, রেজেক বর্তন করার সময়, রুহ कुरकादात मक्षय - इंग्रांकि कशिं विस्मय क्रिता व्यापित अकवात्र 'वासि' मक्षि পাঁবেন না, অঙ্কের হিশাবের মতো 'আমরা' অবশ্যই পাবেন্। ইহার সৌন্দর্য, এত বিষায়কর এই রহস্য যে, ইহার আলোচনা করতে গেলে তৌহিদ একেবারে উলঙ্গ रुख भर्फु। रेरात व्यात्मारुना व्यान्नार চार्स्ट क्या कता रूत - उत्त अक कथाय्र श्रक्कार আমরা-রপৌ আল্লাহ আমি-আল্লাহর আমরার দলের সদস্য এবং প্রত্যেকে পূর্ণ হেদায়াতপ্রাপ্ত। প্রকৃত প্রস্তাবে এই আমরার দলের সদস্যরাই ধর্মে দীক্ষিত করেন। কারণ, কেহই সহক্রে চান না বাপ-দাদার ধর্ম পরিত্যাগ করতে। ধর্মমত পড়তে এবং গুবেষণা করতে একজন সহজেই এগিয়ে আসে, কিন্তু উহাকে বরণ কুরার প্রশ্ন উঠলেই প্রচণ্ড আঘাতের প্রয়োজন। এই মানসিক প্রচণ্ড আঘাত এক পীর-ফকির ष्टाषु व्यात कि कि भारत वा - धर्म श्रश्यत देविदाम अरे क्यारे व्यामाप्ततक জানিয়েছে। আমার এই অনুবাদ ও ব্যাখ্যার যুক্তি যতু সুন্দুরই হোক না কেন, হোক না যুত বড়ু অকাট্য দলিল প্রমাণের দারা প্রমাণিত, কিষ্টু ইহার মূল্য চারটি প্রসাপ্ত व्याप्ति एत्वं ना। यिष्ट कात्ना अनित्य कात्मन वत्नन त्य, कक्षत्वत्व कात्रान वनक्य नाष्ट्र अशाङ नामार्ऋत कथार वना रखाष्ट्र, एत व्यवगार छैरा व्यामि स्मतन त्नव। कात्रप, আমার অনুবাদ ও ব্যাখ্যা আমিত ও স্বর্কীয়তার মুধ্যে থেকে করা, ওলিয়ে কামেল যে तकम অनुवीर ७ व्याभार दिन ना कन, उँटा यदि वामात मक्ता वामि-७ यानात्मत কুছে পছন্দ ও যুক্তিসঙ্গত নাও হয় তাতে কিছুই যায় আসে না। কারণ, যত বড় বিদ্যার কচকচানিই আমাদের থাক না কেন, গুলিয়ে কামেলের সামনে আমাদের কোনো भुना আছে বললেগু অতীব नक्षात कथा। আমাদের भुना আমরা এত বেশি দিয়ে ফেলি যার দরুণ ইসুলাম ধর্মের এমন অবস্থা। আমরা জ্রীবনে বোধ হয় একটি শ্বসলমানগু বানাতে পারি নি, বরং মুসলমানদের মধ্যে দলাদলি আর ফতোয়া মারতে পীৱি. তা এই অধম লেখকের লিখা দেখলেও বোঝা যায়। কত বড বাক্কা পণ্ডিত. এই অধম লেখকের লিখা পড়লেই পাঠক বুঝতে পারবেন। কিন্তু আসল পদার্থ তথা কামালিয়াতের 'ক'-৪ অর্জন করতে পারি নি। কামালিয়াত অর্জন না করে কলমূ হাতে নিলে কোনো অধিকারে? যদি আল্লাহ পাক প্রশ্ন করেন তবে কোনো উন্তরই **দিতে পারবো না, বরং চোখের জলে ক্ষমাঁ চাইতে হবে এবং ক্ষমা পাব কি না তা-ও** জানি না। কারণ, আল্লাহকে পাবার পথে বিদ্যা হল সবচাইতে বড় পরদা - ইহা অধম লেখকের কথা নয়, ইহা আহমদে মুখতারের (আ.) কথা। অধম লেখকের কলমের শক্তি কতাটুকু, পাঠকমাত্রেই বুঝতে পারবেন এবং এই লিখনীর মায়াজালে এমনভাবে জুড়িয়ে ফৈলেছি যে, নিজের ষাঁড়ের মতো স্বকীয়তা হতে মুক্তি পাই কি না জানি না, যদি কোনো গুলিয়ে কামেলের একান্ত দয়া হয় এবং নেক নজর থাকে এবং পদসেবা করতে পারি, তবে হয়তো গুলিয়ে কামেলের নুরি বীর্যের যে ধারা প্রবাহিত হয়ে চলেছে উহা হতে ওলির ইচ্ছায় পেতে পারি। ওলিয়ৈ কামেলের নুরি বীর্যের যে

धाता श्रवाश्चिण रख एलएए उँराक्ट वना रख काश्चिता । अर्थे काश्चिता निकृषि प्रस्थ कातान भाक साध अकिएवात उँक्छातिण रखण्डा काश्चित्त मक्षि प्राराणिक अश्वत्था। उँरात श्रक्ण व्यव्या श्रकाम कता मित्रयण व्यक्षाम साता। श्रिक्त सक्षा व्याप्त श्रिक्त सक्षा वृक्ति हित्र सक्षा वृक्ति श्रिक्त सक्षा वृक्ति श्रिक्त सक्षा वृक्ति श्रिक्त सक्षा वृक्ति श्रिक्त सक्षा वृक्ति हित्र सक्षा वृक्ति हित्र सक्षा वृक्ति हित्र स्वाप्त स

সামান্য একটি বীন্ধ হতে যেমূন বিৱাট একটি গাছের জনা, তেমনি এক ফোটা वीर्यंत मर्सा निर्टिण कार्षि कार्ण क्रूप्त वीर्यकी यात्रा कार्स सत् यात्र ना সেই একটি বীর্যকীট হতে একটি বিরাট মানুষের জন্ম। এই বিরাট মানুষটির দেহটি প্রথমে এতই ছোট ছিল যে, উহা খালি চোখে দেখা যায় না - দেখতে ইলৈ অণুবীক্ষণ যন্ত্রের মধ্যে চোখ রাখলেই বোঝা যায় এর আয়তন কত্টুকু। সাধারণ বীর্য তথা শুক্রের প্রবহমান ধারাকে কাগুসার বুলা হয় নি। নুরময় বীর্যি তথা শুক্রের প্রবহমান ধারাকেই বলা হয়েছে কাণ্ডসার। কী সুন্দরু রূপকতার আশ্রয় নেগুয়া হয়েছে - সাত বেरেপ্তের যাবতীয় नामाधला वनक्य बैकिंট नुत्रभग्न भानवेत्मर बवः प्रत्यत क्ष्यत নুরি বর্থি চলাচলের বিভিন্ন পথগুলোকে বোঝানো হয়েছে। একটি জ্যোতির্ময় দেহই ्ये तिर्मुष्ठ अवः अकि नग्ने भव कग्नि तिरम्भ ज्या भाजि तिरम्भ अविभान, উহাকেই রূপক ভাষায় কাগুসার বলা হয়েছে। এই রূপকতার মধ্যে সঁত্য উপলব্ধি করতে যেন ভুল না করি তার জূন্য কুী সুন্দর করে পৃথিবীর মাটির সুগন্ধি আছে এই বেহেন্তের কাইসারে। এখন কেউ যদি প্রশ্ন করেন যৈ, বেহেন্তের কীগুসারের মধ্যে আবার পৃথিবরি যে মাটি তার গন্ধু কেন এবং সেই গন্ধ আবার সাধারণ গন্ধ নয় -সুগন্ধিযুক্ত গন্ধ? রূপেক ভাষায় সত্যটিকে আরও স্পর্ট করা হয়েছে এই বলে যে, সেই ক্রী প্রসারৈর পানির রংটা কিছু পানির মতো নয় - সাদা দুধের চেয়েগু সাদা এবং হরিণের নাভি অপেক্ষা সুগন্ধী। আমরা জানি সাধারণ বীর্যের রং সাদা এবং গন্ধযুক্ত। णारे **अशाल व्यामाए**न मेट्या त्राधातप वीर्यंत कथा वना रटष्ट ना - वना रटष्ट वैठि অল্পসংখ্যক মহাপুরুষের তথা ফানাফিল্লাহর পর্যায়ের গুলিদের বীর্যের কথা কারণ, তারা আমাদের মতো সাধারণত ডিঙিয়ে গেছেন তাই তাদের বীর্যের রূপ দুধের চেয়েও সাদা। এই দুধের চেয়েও সাদা এবং মৃগনাভির চেয়েও সুগন্ধী বলতে আর একটি রূপকতার অশ্রৈয় নেওয়া হয়েছে, অর্থাৎ আমাদের মতো সাধারণ বর্তিয় এটা নুয়। কারণ, এই বীর্যের ধারার মধ্যে মহাপুরুষ জুনা নেয় - আমাদের মতো নিটিক-ফিটিক জনাবে না। আরে ভাই, দুনিয়ার জিন্দেণিতেও আমরা দেখতে পাই, সাধারণত প্রতিভাবানের ঘুরেই প্রতিভাবান জন্মায়। যেমন গাছ তেম্ন তার ফল -এটা কাওসারের মতো উঁচু পর্যায়ের দর্শনু নির্ণায়ক না হোক, কিছু আমাদের সাধারণ জীবনেও অনেক্টা বাস্তব সত্য। কিছু দুঃখ হলো কি, চরম সত্য কুথা कार्तान भारकत राशालार अकाम कर्ताष्ट्र (प्रशालार अक्यूड़ि स्पर्कत हिक्सिक

कता कागळ मूट्ड ित्याष्ट्र – ठार व्याप्त मठाि प्रश्क धतार यात्र ना। ठार थात्र मत ठकित्रकोदातार ताथा राय व्या व्यातको भागतात मट्टा व्यात्तको यान राया व्यात्तको व्यातको व्यातको व्याप्तक। व्यातको व्याप्तक। व्याप्तक। व्याप्तक। व्याप्तक। व्याप्तक। व्याप्तक। व्याप्तक क्ष्यक व्याप्तक क्ष्यक व्याप्तक व्याप्याप्तक व्याप्तक व्याप्तक व्याप्तक व्याप्तक व्याप्तक व्याप्तक व्

बेठ वर्ष्ट्र मान, या त्रमञ्ज कांद्रान् भाक्ति त्राठाञ्चत शुक्रात नग्नमेठ क्रिजानिमाँ ए শব্দের মধ্যে মাত্র একটি শব্দু - সেই আকাঙ্কিত শব্দটির নাম 'কাগুসার' যাত্রা আতা করলেন অবশ্যই শব্দটি যোগ করে, সুলতানে আদ্বিয়া (আ.)-কে আরবি ভাষার কোরান-এ এই বলে - ইন্না আতোয়াইনা কাল্ কাণ্ডসারু - নিশ্চয়ই আমরা আতা করলাম আপনাকে কাগুসার। এত বড়ু অমূল্য সুন্দদ আপনি পেয়েছেন সুত্রাং সালাত করুন আপনার রবের জন্য - এখানেও আরবি কোরান্-এর ভাষার সৌন্ধর্য व्यपूर्व विद्धानसरा कातप, अशाल त्रामाञ काररास कत्रक्ज वर्त्मन नि। कातप, त्रुमञाल আঁষিয়া (আ.) সালাত কায়েমের বহু উধের, তাই বলা হচ্ছে ফাসাললে লে রাববেকা **এবং কোরবানি করুন তথা গুয়ানহার। একমাত্র উট ছাড়া অন্য কোনো পশুকেই এই** কোরবারি করার মধ্যে সম্পূর্ণ রূপকভাবে গ্রহণ করা হয় নি। কেন? উটকেই এখানে কোরবানি করার প্রতীকরূপৈ কেন বলা হলো? এ আবার আরেক রহস্য। উটুকে हैं। ज़ाला व्यवशास अथरम वर्गा फलक हैं एउं मात्रक रस वूक वर कर्छनानीक। हैं। ज़ाला व्यवशास उठाँत वूकू ७ १ हा हित्स तूक र र करत व्यविद्य याक शाक। গুহদের যুদ্ধে সুলতানে আঁম্য়ার (আ.) পবিত্র রক্ত ব্যুরেছে, অটেতন্য অবস্থায় भट्डिं हिल्बन, किन्ने गाराफार वर्तन क्रितन नि । ट्रांत्रार्यन मिनेनि, उग्ना बाना मिनान रहात्राद्यन : त्रूनठात्न व्याष्ट्रियात (व्या.) की विश्वयंकत खाषणा - की विश्वयंकत सर्वापात त्र त्यांका ने की विश्वयंकत सर्वापात त्र त्यांका ने विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त क्षित विश्वयंक्त क्षित विश्वयंक्त क्षित विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त प्रति विश्वयंक्त विश्वय অচিন্তনীয় অভিসম্পাত বর্ষণ করা হতো প্রতি জুম্বার নামাজের খোতবায় – ভাবতেও শরীর ঘণায়, লজ্জায় রি রি করে ৪ঠে। সেই সময়ের সংগ্রহ করা এই সেই মূল্যবান राष्ट्रितिष्ट्री याप्तत सूर्थ सूत्रनसान छन्दा नक्र राष्ट्रित ठाएम्त सूर्थ मुक् लार्ड् कन? যারা হাদিস সংগ্রহ করেছৈন তারাগু প্রাণের ভয়ে মাগুলা আল্রির বর্ণিত হাদিস খুব বুঝে গুনেই গ্রহণ করতেন - হান্ধা মুল্যের কোনো প্রয়োগপদ্ধতির হাদিস না হলে। কারণ, তাতে দেহের মধ্যে মাখাটি নাঠ থাকতে পারে।

সুর্লতানে আন্বিয়ার (আ.) সাহাবাদের আমরা একই তাজিমের দৃষ্টিতে দেখি। ছোট-বড় মর্যাদা থাকলেও আমরা সবাইকে অতীব শ্রদ্ধার সহিত তাদের নাম নেই। আল্লাহ পাক নবিদের মধ্যে পার্থক্য করতে যেমন বারণ করে দিয়েছেন আবার উচু-নিচুও করে রেখেছেন তিনি নিজেই। আল্লাহ পাক আরবি কোরান-এ দিবালোকের মতো স্পর্ট ভাষায় সকল নবির চেয়ে হজরত মোহামদ (আ.)-কে যে সর্বোচ্চ আসনে স্থান দিয়েছেন উহা প্রায় তফসিরকারকদের আরু পর্যন্ত নঙ্গরেই পড়ে নি। দলিল-প্রমাণের দ্বারা প্রমাণ না করে অনুবাদকারীরা গায়ের জোরে শ্রেষ্ঠতু প্রমাণ করতে চাইছেন। পাঠক এবং অনুবাদকারী শ্রুদ্ধেয় ভাইদেরকে অনুরোধ করি সুরা আলে এমরানের একাশি নম্বর আয়াতটি মনোযোগ সূহকারে অধ্যয়ন করতে। এই একাশি নম্বর আয়াতই হজরত মোহাম্বদ (আ.) যে সর্বশ্রেষ্ঠ নবি উহার জুলন্ত প্রমাণ। আরবি কোরান-এর আর একটিও আয়াত নেই সুলতানে আম্বিয়ার (আ.) শ্রেছত্বের এত সুন্দর অকাট্য দলিলরূপে বিবেচিত হতে পারে। অধম লেখকের সবচাইতে বড় **फार्य रेट्सा ख, त्र प्राक्षािक्रकात निर्दालक। धर्मत प्राप्टनतार्छ त्र विश्वापी नग्न।** কারণ, সাইনবোর্ড মনে আনন্দ দিতে পারে, কিন্তু সত্যের দেশে নিয়ে যেতে পারে না। সে কারো দিকে তাকিয়ে কিছু লিখতে জানে না - এতে পাঠকু বেজার অথবা খুশি यार टाक ठाळ ठात किष्टूर याग्र बात्म ना। ठत मःशात फिक फित्र प्रिवीक হজরত ইসা (আ.) তথা জিসাস ক্রাইস্ট তথা যিশু খ্রিস্টের উন্মত সবচাইতে বেশি। উন্নত তথা অনুসারী কোনো নবির সবচাইতে বেশি বলৈ প্রশ্ন করলে হজরত ইসার (আ.) নামই ইবে প্রথম এবং যদি বেশি উন্মত যার তিনিই শ্রেষ্ঠ এই মানদণ্ডে বিচার করা হয় তবে হজরত ইসাকে (আ.) সর্বশ্রেষ্ঠ মর্যাদার আসন দিতেই হবে। কারণ সত্য অগ্নিয় হলেও সত্য।

আল্লাই পাক যেমন নবিদের মর্যাদার উচু-নিচু নিজে করে নিজেই আমাদেরকে ছোট-বঁড়ু করতে বারণ করে দিয়েছেন, ঠিকু সৌরকমু সরদারে হাশেমি, ইমামে কেবলাতাইন (আ.)-৪ সাহাবাদের মধ্যে মর্যাদার উচ্চ-নিচু করে নিজেই আবার তা বারণ করে দিয়েছেন। কারণ, ইলেকট্রিসিটি তথা বিদ্যুৎ মূলত এক, অখণ্ড কিছু বাল্বগুলো বিভিন্ন প্রকার এবং অখণ্ড একক বিদ্যুতের ধারণ ক্ষমতার প্রকারভেদ থাকতে পারে এবং উচু-নিচু মুর্যাদায় আলো ছড়ীতে পারে, কিছু বিদ্যুৎ এক এবং हैं होते छात्र केता यारा ना, ज़िहें हैं हो आहा एक लें वितास माने। निर्वती खाहा एक लें वितास मान, जाहें 'नुकादत कू' ज्या भ्यक केता यारा ना। जाहें त्य यात निर्वत स्मूर्छ द ঘোষণা করে। তার ব্যক্তিষাধীনতা ও দর্শনকে শ্রদ্ধাই জানাবো। কারুণ, মুলত নুবিরা স্বাই এক। সিরাজুম মুনিরার (আ.) মর্যাদার হাদিসগুলো পড়লে নিরপেক্ষ দৃষ্টিতে বিচার করলে দেখা যায় যে, ইমাম হোসায়েনকেই শ্রেছত্বের তাজ মাথায় প্রিয়ে দিয়েছেন, তারপর মগুলা আলিকে, তারপর মা ফাত্রেমাকৈ এবং তারপর ইমাম হাসানকে এবং তারপর অন্যান্য সাহাবাদেরকে। (অবশ্য ইহা অধম লেখকের নিজয় সিদ্দিক, হজরত গ্রমর ফারুক এবং হজরত গ্রসমান ধারে-কাছেগ্র ভিড়তে পারবেন না। কারণ, পাক পাঞ্চাতন কাগুসারের দাতা, আর তাঁরা হলেন গ্রহিতা। বিজ্ঞজনের জূন্য এই একটি বাক্যই বুঝবার জন্য যথেষ্ট। ইহা অপ্রিয় হলেও সত্য কথা। কারণ, ইহা অধম লেখকের কঁথা নুয় - স্বয়ং সরকারে দো আলমের (আ.) কথা। হোসায়েন মিননি ওয়া আনা মিনাল হোসায়েন - এই একটিমাত্র হাদিসই যথেষ্ট সর্বশ্রেষ্ঠত্বের প্রমাণের জন্য, যদিও আরও অনেক মর্যাদার হাদিস ইমাম হোসায়েনের উপর আছে। হাদিসটির বাংলা অনুবাদ হলো 'আমা হতে (হন্তরত মোহাম্বদ হতে) হোসায়েন এবং আমি (হন্তরত মোহামুদ) হোসায়েন হতে। 'আমা হতে হোসায়েন ষ্ট্ৰা অতি সহজেই বোঝা যায় এবং ইহা স্বাভাবিক, কিন্তু 'হোসায়েন হতে আমি' र्टेश भुवरे त्राःघांठिक कथा अवः रेंश त्वाबाळ शत्न माथा ट्यां ट्यां कत्व घुताग्र अवः रैंश चैवरै व्यञ्चार्धाविक भाग रहा। कात्रप, रक्षत्र साराम्न (व्या.) क्रिम करत **रात्राखिन रूळ, अर्थे अस्त्रुत छै**छत कि ँ ज्ञाल कि ना ज्ञानि ना, उत्त व्यवस **ल**शक

ইহার রহস্য বহু চেষ্টা করে আজগু পর্যন্ত কিছুই বুঝতে পারি নি - কেম্বন যেন সব

ওপ্তরহস্যের ধুমুজালে ছেয়ে আছে। 'ওয়ানুহার'-এর মৃত্যে স্বয়ং হজরত মোহান্দ্রদ (আ.) কারবালার মাঠে হোসায়েন नामक পरिव नात्में उँभाधि धार्त्य कृत्त, नािंग्स हुट भाषा भर्यत्र त्मारामि मूत्र नित्य, त्मारामि क्रांच कृत्त, नित्य, त्मारामि मूर्या भार्या धार्त्य कृत्त, অসত্যের বিরুদ্ধে আপোষহীনু সংখ্রাম করে আলি আকবর, আলি আসণরসহ প্রায় সবাই বুক আর কণ্ঠে তরবারির আঘাতে পূতপ্রিত্র রক্ত শোবারক কার্বালার উষ্ট্রবাল্ডি অর্থির বরণ করলেন শাহাদাং। আনা মিনাল হোসায়েন – 'আমি হোসায়েন হতে' তবে কি কারবালার মাতে ইমাম হোসায়েন শহিদ হন নি? তবে কি গণনায় দুইটি প্রিত্র দেহে একই একমাত্র কাগুসার? তবে কি কাগুসারের মত্যে সূর্বশ্রেষ্ঠ দীনের প্রতিদান এই ফাসাল্লে লে রাব্বেকা গ্রয়ানহার তথা যেহেতু সর্বশ্রেষ্ঠ দীন কাপ্তসার (সেহেতু) সুতরাং আপনার রবের জন্য সালাত করুন প্রবং কোরবানি করুনু? এই কারবালার প্রান্তরে যুদ্ধরত অবস্থায় যে বা যারা আপনার পাশ হতে क्टिं शुद्ध त्म वा ठाता कांश्रमात छेशा नृति वीर्धित श्रवष्ट्रमान धातात मुट्टाप्तशामक रुट विषेठ, वर्षा वालनाट याता अस्ति यात ठाता निःमञ्जन। अर्थ निःमञ्जन, अर्थ वात्रान्य वालनाट व कार्त्रण, याता रुक्रत्रज्ञ साराम्म (आ.)-अत विक्रफ्त हिन अवः আছে जोप्तत कि ছেলে-स्रिया लर्रे? रा, मिठारे जाप्तत काला महान लरे। जाप्तत अक्लकलत ডজন-ডজন ছেলে-মেয়ে থাকতে পারে, তবু তাদের কোনো সন্তান নেই। কেন? কারণ, সেইসব সন্তানদের মধ্যে বুরি বার্যের প্রবহমান ধারা নেই - এই বুরি বার্যের ধারা হতে তারা বঞ্চিত। সুতরাং তারা আকারে যুদিও মানুষের মতো, কিছু প্রকৃতই ठाता पञ्च। ठाएमत ভाएगु पञ्चलेका हाजा वार्त की शाक्क पादत? येष्ट्रिश मानेखत भळा चत्र फ्रांक, जार बानुष तल इस रहा याता सानुष कवा फ्रा नि, फिराइ मानुषक्षी পঞ্জ, তারা কি নিঃসন্তান নয়? তারা কি অপুত্রক নয়? এই পৃথিবীতে যত প্রকার আল্লাহর দান আছে তার মুধ্যে কি সং পুত্র তথা নুরি বীর্যের পুত্র লাভ করা সর্বশ্রেছ দিনি না? সুতরাং নিশ্চয়ই যে আপনাকে এড়িয়ে যায় সে নিঃসন্তান। এই 'আপনি' বলে ডাকছেন যে হজরত মোহান্ধদ (আ.)-কে, তিনি কে? তিনিই নুরে মোহন্ধদি রূপে বিকশিত হয়ে ছুটে চলেছেন নুরি বীর্য দান করতে। কাকে? যে বা चिनि वार्यने वाक्षित्र उसा वार्यने युक्त प्रतास्य पूर्वित सारामा कर्ति कार्यने प्रतास कर्ति कार्यने प्रतास कर उसा विनोन रक्क लिद्धार्थन जात्ते अर्थ मरानूति वीर्य मान कर्तक। ठार श्रीकिए গুলিয়ে কামেলের মধ্যে এই নুরি বীর্য ধারণ ইয়ে আছে নুরে মোহাম্মদের একমাত্র কাগুসার হতে।

साराश्वर नामक नुद्धत सामवाणि रूक्त ये राजात नुद्धत सामवाणित जाला एक्तिय प्रकृत ना किन् छैरा अकदकत मस्पार्ट अक नुत। जान अमतात्वत अकामि नश्त जाग्रात्वत छामाग्र नृति सारश्वरि सामवाणि रूक्त राजात नुति वाणि अकर व्यालाश व्यालाभग्न देख व्याष्ट ठाएम् व्यालात मामला पूर्ववर्गी निविएम् सर्यामा अकर् तक्य। कार्त्य व्हांमायान याया जाउँ । नावजा नावजा नावजा व शकर् तक्य। कार्त्य व्हांमायान यायन साशायान रेट्ट क्यांन साशायान रेट्ट न्यांन साशायान रेट्ट - अत अनुत्रमा शिन उपनिक्ष करत्रष्टन जिन त्यात क्रिंगायान क्रांत्यन ना।

मञ्जा जानि अवः रुमाम रहात्राखातत मुख्य मर्यामात পार्चका निर्पय कता रवाकामि এবং বেয়াদবি। কারণ নুরি সাগরের সবাই এক একটি নুরি মাছ। অবশ্য এই নুরি मास्टर्त व्यायण्यत तर्र-प्टार्ष शाक्ति भारत अवर रक तर्र अवर रक स्टार्ष स्टार्व गरतस्था ना करत निष्ट्र रक्षन करत नुति वीर्यंत व्यविकाती रुख नृति मास्ट्र भतिषण रुख পারবো সেই ফিকিরে থাকাই আমাদের অবশ্য এবং একমাত্র কর্তব্য। তবে যদি সাহেবে মেরাজ (আ.) মর্যাদার পার্থক্য করে যান, উহার কেবলমাত্র বর্ণনা দিতে পারি, কিন্তু মন্তব্যু অশোভনীয়। আমিতের আঁধারে থেকে এই বর্ণনা করতে গিয়েও ভূল এবং বেয়াদবির সমূহ বিপদের সম্ভাবনা আছে। তবে খুব সতর্ক এবং নিরপেক্ষ হয়েই করতে হচ্ছে। আমরা হজরত সাহেবে মেরাজের (আ.) হাদিস হতে যা लिखि त्विन उँरातरें वर्षना क्रमि। यिष्ठ श्राय लाक्टि क्रांतन या, रक्षुत निक्त (या.) मारावाप्तत मया मवणारेट उँक भर्यामामन्त्र रलन माठना यानि। क्रमि रामियात महीता प्रमुख रामियात रामियात प्रमुख रामियात प्रमुख रामियात र

रुक्रत्रण रॅमाम ताशांति नात्रेत जांत तांशांति गतिके मध्यर केत्रत्ण त्यात्र जिनि হাদিসের ব্যাখ্যা দিতে শিয়ে একস্থানে অতি স্পর্ট ভাষায় হজরত মুয়াবিয়া (রা.)-কে কাফের ফতোয়া দিয়েছেন এবং তার প্রকাশ্যে প্রাণদণ্ড প্রদান করেছেন। যদিও হজরত মুয়াবিয়া (রা.)-এর অনেক পরে এই ফতোয়া দেগুয়া হয়েছে। কারণ, তখন তিনি জনীগ্রহণই করেন নি। অনেকটা ইংরেজ দার্শনিক রাসেলের দেওয়া মৃত্যুদণ্ডের ফতোয়ার মতো। আফ্রিকার সোমালিয়া নামক দেশে রক্ষিত ইমাম বৈীখারির ব্যাখ্যাসহ ব্রোখারির ম্যামত গুয়ার্কসে হজরত মুয়াবিয়ার (রা.) বিরুদ্ধে এ রকম कळाशात रेंछिरात्र क्रानळ भाति। जनग बरें केळाशांछि नोम प्रश्रा रूप्सिष्ट बन्द আমার মতে বাদ দিয়ে ভালোই করা হয়েছে। কারণ, ইহাতে অশ্লীলতা এবং বিভেদের কাদা ছোড়াছুড়ি হবার ভয় আছে। কারণ ইমাম বংশ হলো করুণার কাগুসার। গলায় ছুরি হাঁসিমুখে বরণু করে নিয়েছেন, তবু আল্লাহর কাছে ফরিয়াদ कुद्भव नि। कार्त्रपुरे करियाम केर्राल विक्रम्ह मन मदम मुद्रम् स्वर्भ रेदारम रेद्य याज। जाघाटार বিনিময়েও প্রেম বিতরণ করাই ইমাম বংশের আদর্শ। নবি আর ইমাম ধ্বংস করতে আসেন না, তাঁরা আসেন গড়তে, হাসিমুখে প্রাণ বলি দিয়ে প্রেমের মুল্যবোধকে দাঁড় করাতে। যিশু যদি নির্মম-নিঠুর আঘাতের বিনিময়ে হাসিমুখে মৃত্যুকে আলিঙ্গন করে ऋसा करत फिट्ट भारतन छटने भाक भाञ्चाछन कि स्म तकसे ऋसों कत्रट भारतन ना? তাঁদেরকে কি তবে মনের অজান্তে ভাবপ্রবণ হয়ে পৃথিবীর কাছে সুক্ষাভাবে খাটো করা হচ্ছে না? শ্রুদ্ধেয় শিয়া ভাইয়েরা এই ব্যাপারে অতিরিক্ত উচ্ছাস দেখাতে গিয়ে অনেকখানি খাটো করে ফেলেছেন অবচ তারা মনে করেন যে খুব একটা প্রেম প্রদর্শন করলাম। অবশ্য তাদের প্রেমের উপর কটাক্ষ করার উদ্ধত্য আমার নেই। কারণ, প্রত্যেকের মন্তব্য করার ব্যক্তিশ্বাধীনতা আছে। একবার ভেবে দেখুন তো! অবশ্য বেয়াদ্বি না করে নিরপেক্ষ মন নিয়ে। হজরত ইব্রাহিম (আ.) তাঁর আপন পুত্রকে কোরবানি করতে গিয়ে হাত থর থর করে কাপছে। মমতার কাছে উৎসর্গ হার मीनळ চार्रेष्ट। गर्रे काथर काथ पूर्णा तैंस निक्र रला, व्यक रैमाम सामासन নামক হুজরুত মোহাম্মদ (আ.) কারবালার মাঠে একটি একটি করে সম্ভানদের काরবানি দিয়ে চলছেন। পা হতে মাখা পর্যন্ত একদম হবহু হজরত মোহাম্মদের সঙ্গে মিল আলি আকবরের, য়াঁর কণ্ঠশ্বর গুনতে হঙ্গরত মোহাম্বদের (আ.) কণ্ঠশ্বর বলে खुन रहा - **(सर्वे त्रहा खोतनश्राश्च जानि जाक**तत गरिष रतना गरिषे रतना पुरस्तत শিশু আলি আসণর। তবু তো আল্লাহ পাকের কাছে করেন নি কোনো ফরিয়াদ। কোনো কাতর যাচঞা। ভৈবে দেখনু তো, একটু চোখ বন্ধ করে চিন্তা করুন তো সেই কারবালার দৃশ্য। সেই পানিরু পিপাসায় ছাত্রি-ফাটা, আলি আসগরের শহিদ श्वात पृगु। उननो कतळ शल कि रक्षत्र स्त्रारिस्मत (खा.) कातवानि अपीप হাতে সূর্য খৌজার মতো তুলনা হয় না? দেহের মৃত্যু প্রেমের জীবন। যুক্তির কবর व्यसित व्याप। या राजित व्यसित म्मर्स व्यस व्रकृतिर्चे रखा विकितप करते व्यस मिर्र

हाळ भार्षित मन्नाति मृत्रु हिमगींचन हात विकित्तन करत महाक्रमा। त्रहें महाक्रमात तिरिक्त भूष्मात व्याप्त व्याप्त कर्ति निर्धा कर्ति क्षा कर्ति भूष्मात्र कर्ति भारत ना, मत्र क्षात्म व्याप्त व्याप्त क्षात्म क्षित्व व्याप्त क्षित व्याप्त विक्र क्षित विक्र क्य

স্বচাইতে বেদন্দায়ক অপ্রিয় সত্য কথা হলৌ, যাঁরা হন্তুর পারকের (আ.) সঙ্গে দৈনন্দিন সংসার জীবনের সঙ্গে ছিলেন নিবিড্ডাবে জড়িত, যাঁরা রসুল পাকের (আ.) আপন পরিজন, তাঁদের মুখে বর্ণিত হাঁদিসের সংখ্যা যে তুলনীয় মুসলিম জাহান আশা করেছেন তার হাজারভাগের একভাগও নেই বললেই চলে। এত অতি নগণ্য সংখ্যকু হাদিস পাগুয়া যায় যাহা প্রতিটি বিজ্ঞ মানুষকে অবাকু করে এবং শত প্রশ্নের শতু ন্ধিক্তাসা হাঁ করে থাকে। যে কোনো মহাপুরুষ তাঁর পরিবার পুরিন্ধন গু দেশৈর পরিবেশের প্রভাবকে অশ্বীকার করতে পারেন না। বিশ্বমানবজাতির জন্য अन्छन सरापुरुष रत्नि अरे पतित्वर्गत श्रेणात् निष्ट्रण श्रेणामिण रत्ने पूर्वाः तुमून भार्तित् (वा.) भातिवातिक क्रीवत्नत मूत्र गाता अल्खाल्खात्व क्रिस्ट्र प्रितन ঠাঁদের নিকট আমরা অনেক মূল্যবান হাদিস পেতাম। কিছু অত্যন্ত পরিতাপের বিষয়, ইহা হতে একদম নিরাশ হওয়া ছাড়া উপায় নেই। তা ছাড়া হজুর পাকের (আ.) হাদিসগুলো এমন এক সময় সংগ্রহ করার পরিকল্পনা নেওয়া হয়েছিল যখন জুমার নামাজের খ্লোংবায় নবিবংশের উপর এতটুকু করুণা প্রদর্শন করা তো দূরে थीक, वतः यांश हिन्नाई कता याग्र ना, यांश भतित भर्त्या धात्मा रूळ्छे घंगा क्षेत्र विद्वार करत, त्मर অভिमाপ वर्षण कता रूळा। नितृत वश्रुमत उपत जुिना वर्षण কুরা – তাও আবার আল্লাহর ঘর বলে কথিত ইট-পার্টুকেলের মসঞ্জিদে (কারণ ইট-পাটকেলের মসঙ্গিদুকে কোরান পাকের কোখাও মসঙ্গিদ বলা হয় নি। হৃদয়ের ভেতর যে মানবসতা বিরাজমান উহাকেই আল্লাহর মসজিদ বলা হয়েছে) জুমার नामाळ या खारवा भार्ठ कता रश्र (म खारवाश्रा याता नामाळ भड़क खेळन छाता তো আমাদের মতোই মুসলমানু, কিম্ব নবিবংশের উপর এই অভিশাপ বর্ষণ করা क्षिम करत रक्षम करत निक्रन रेंश छावक्र शिल खवाक्तत क्रायुष्ठ वर्छ खवाक रक्ष করেছে ইসলামের ইতিহাস।

कर्निक ने निर्मित के परित्रं लिशक ठाइ इयका इमलासित मास्म मुक्क इत्य व्यात्कर्णत मुक्कि समुद्रा कर्ति वासित स्थानियात मिश्र मुक्कि कर्ति वासित स्थानियात विश्वामघाठकणाय ताक्षण्य श्रिकिण इत्य क्रनमाधातएत वायणून साल सुक्किस्य श्रिका नास्रधातीएत পतिवात-পतिक्रनएत हाक्क छल ना त्येण, यिष्ठ श्रिका अस्तत् "उत्य मिक्कि यण्डूक श्रिकात वत्म यावात व्यक्षिकात एण्डूक घाकत्तत व्यक्षि अहे व्यक्षि मर्कि वित्राक्ष कृतका, एत काल सार्कम क्राकित मर्कि वित्रात व्यक्षितियात व्यक्षित्व व्यक्षित मिक्कि व्यक्षित मिक्कित मिक्कित मिक्कित मिक्कित मिक्कित स्थानि प्रतिवाद स्थानि वित्रात श्रीकि व्यक्षित स्थान व्यक्षित स्थान व्यक्षित स्थान व्यक्षित स्थान व्यक्षित स्थान व्यक्षित स्थान स्थान व्यक्षित स्थान स्थान व्यक्षित स्थान स

করে দিত।

व्याघाट्यत विनिष्ठा व्याघाट श्रमान कता रता शामाणिक व्याप्टन, किन्न व्याघाट्यत श्रिटमात क्रमा कत्र भारत रहा श्रमा कार्य, व्याचार भार हाजा किन्न हो तिन्द्र स्था। कार्य, व्याचार भार हाजा किन्न हो तिन्द्र स्था। कार्य, व्याचार श्रमा किन्न हो तिन्द्र स्थान अवः हत्म भाष्टिमाटा अवः हत्म भट्टा हिनि हो माण्डक, हिनि हे श्रमा किन्न व्याचार हिनि श्रमा हिनि व्याचार हिनि श्रमा हिन्द श्रमा व्याचार हिनि व्याचार हिन्द श्रमा व्याचार हिन्द ह

কলঙ্কজনক অধ্যায়ের সূচনা করেছেন তাতে তাঁর উপর যে কোনো ধরণের শান্তির ফতোয়া দেগুয়া চলে এবং এই ফতোয়ার সঙ্গে আমিগু প্রক্যমত পোষণ করি।

याता रुबत भाकरक (आ.) आमास्ति मद्धा भाषात् मानवत्तर्भ विद्वर्णना कद्धन अवर काताने भाक्ति वापी 'आना वाभाक्षम मिम्रलक्षमं - अत स्मारार मिस्त या रेष्टा छार अमाप कत्वत्य क्रिया वापी 'आना वाभाक्षम मिम्रलक्षमं - अत स्मारार मिस्त या रेष्टा छार अमाप कत्वत्य क्रिया कर्दान, छास्ति मद्धा आकार अवस्य क्रिया कर्दान अवस्य विद्या क्रिया आमा व्याप्त विद्या कर्दान कर्दान आमि क्रिया अवस्य क्रिया भावत्य अवस्य क्रिया कर्दान आमि विद्या क्रिया कर्दान कर्दान भावत्य क्रिया कर्दान कर्दान कर्दान कर्दान भावत्य क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

দর্শনের ব্যাপকতাভিত্তিক আলোচনা

करत यातात व्याण सानुत्यत त्मर कान्नाणित नास कि जूसि कान? मुनीज जात नास। कात्रम, मत किष्टू अत्मात्मता िष्ठात तांधत मनीज उपनात त्मरा अक्ष्र विभास, अक्ष्र क्रिकामात व्याक्तात त्मरा किन्नास सिभ्रिज तक राद्धा करात कात्रस्त क्रम, ना रस अक्षि भीर्य निःश्वाम। व्यासात कमत्सत मांधता कात्रा सत्म मांच ना कार्यूक। कात्रम, यकि अविक्रिजा व्यापनात्क उपरात त्मरत नात्रस्त व्याप्त व्याप्त व्यापनात्क उपरात त्मरत नात्रस्त व्याप्त व्यापनात्क उपरात त्मरत नात्रस्त व्यापनात्म व्याप

তবে কি প্রত্যেকটিরই বাহির এবং ভিতর আছে? তবে কি চোখের দেখাটা বাহির এবং চোখ বুদ্ধে দেখাটা ভেতর? তবে কি আমি দেখি না, আমার চোখ দেখে? চোখ হলো লাইটের বাল্বের মতো। বাল্ব ফিউন্স তথা অন্ধ হলে আলোকিত হবে না। আলোর ফোকাস বেরুবে না। চোখ ফিউন্স তথা অন্ধ হলে দেহেতে জীবন থাকলেণ্ড দেখা যাবে না। চোখ এবং জীবন উভয়টি ঠিক থাকলে দর্শন হয়।

मृत्य अकि विवश् वा शित्तिन्। अकत्तिश्र हक्क वार्तिश्व कित्र अहे मृत्य मार्यस्म। मृत्य वलक 'किष्ट लहें (नन अकिष्ठमक्षेत्र) नया। मृत्य वलक काला किष्ट हिंद वार्ति किष्ट हिंद वार्ति किष्ट हैं हिंद वार्ति किष्ट हैं हिंद वार्ति किष्ट हैं हैं हैं। उत्त में किश्व हैं वार्ति किष्ट हैं हैं। उत्त में किश्व हैं विकास कित्र अहें श्री का निष्का हैं विकास कित्र हैं। उत्त में किश्व हैं वार्ति वार्ति हैं। वार्ति है

এক কথায় মৃত্যু হলো পরিবর্তন। মানুষ প্রথমে একটি সদ্যোজাত শিশু। ইহা একটি বিশেষ রূপ বা অবস্থা। বার বছর পর সম্পূর্ণ আর এক রূপ। কারণ, এখন সেই সদ্যোজাত শিশুটি হাঁটতে পারে, দৌড়াতে পারে এবং কথা বলতে পারে। আমরা বলতে পারি যে, সদ্যোজাত শিশুরূপটির মৃত্যু হয়েছে তথা পুরিবর্তন হয়েছে এবুং বালকরূপ ধারণ করেছে। এ রকমভাবে একটা ধরা-বাধা গতিতে রূপ বদলাতেই थाकरत। व्यवस्था अक्षेत्रसञ्च राष्ट्र वालकि वृष्क्तत ऋष धात्रप् कत्ररत। अ व्यावात व्यात् এক রূপ। বালকরূপের এখানে হয়েছে মৃত্যু তথা পরিবর্তন। বৃদ্ধরূপ হতে সেই সদ্যোজাত শিশুটির আআা যখন বিদায় নিল তথা মৃত্যু হলো তখন আর প্রাণটিকে দেখতে পাই না। আমরা কেবল এতদিন মাটির দেইটারই পরিবর্তন দেখে আসছি। ছোট থেকে কেমন করে আন্তে আন্তে বড় হলো, তারপর বুড়ো হলো - শুধু এই পরিবর্তনটাই দেখে এসেছি। প্রাণহীন দেহ আর চলতে পারে না এবং তখনই বুঁঝতে পারি যে, দেহটাই আসল বাু মূল নয়। মূল যেটা এতদিন ছিল উহা আর নেই। উহা দেহু ছেড়ে চলে গেছে। দেহটির্ মাপ সাড়ৈ তিন হাত পেলাম, কিন্তু যাহা দেহ ছেড়ে পালিয়ে গৈছে উহা কয় হাত? উহার মাপ কত? তবে কি উহা মাপের বাইরে? উহা কোখায় চলে গেল? এই প্রশ্নটির যে উত্তর উহার নাম অক্তেয়বাদ। দেহের যাহা মূল, যাকে আমরা আআ বলি সৈই মুলটি কিন্তু দেহতে দৃশ্যমান থাকা অবস্থায়প্ত চিনতে পারি নি যে উহা কী? দেহতে বিরাজ করা অবস্থায় যেহেতু চিনতে পারি নি সেই হেতু দুশ্যমান জগতেও উহা ছিল সম্পূর্ণ অজেয়। দেই ছেড়ে অদুশ্যমান জগতে বিচরণ করীটা তো স্বাভাবিকভাবেই অজ্ঞেয়ীবাদ। কিন্তু দেহের মধ্যে বিরাজ করে দৃশ্যমান জগতেও তাকে চিনতে পারলাম না তুথা সেই অক্তেয়বাদের অপবাদই রয়ে গেল। তা रटल व्यद्धश्चराम वटल या क्षेठ वारामुति कर्त्राष्ट्र ट्रिश्चराम वटल कि किष्टू तरेन? ठा रत कि द्ध्युवाम क्याणार व्यामासित काष्ट्र व्यक्ष्यवाम उथा यक्षत मट्टोर मूल रय ना? या 'আमि'-क्न निरा এত रुड़ारुड़ि, এত সাজ সাজ রব, এত বানানো বিধান, সেই আমিটাই কি ना तरा भिन অজ্যেবাদের অন্ধকারে। এমনুকি এই দৃশ্যমান জগতে আমারই বিচরণ হচ্ছে বলে বিশ্বাস করি। তবে কি বিশ্বাসটারই নাম क्तरुश्चात नग्न? তবে সংস্কার কাকে বলবো? অবিশ্বাস? অবিশ্বাসের আর এক নাম কি শ্বীপ্ল নয়? তবে কি দৃশ্যমান জ্গতে বিচরণ করাটাও শ্বপ্ল আর অবিশ্বাস্? তবে বাস্তুব কোনটি? তবে কি অসীমের (ইনফিনিট) একটি কার্যের অবস্থার মধ্যেই স্বপ্নের সৃষ্টি रुग्न? छत्व कि অসীस्रित একটি कार्यंत कात्रुप অवश्वात भस्प्रार्थ वाश्वत्वत সৃষ্টি रेग्न? আभि'-টाই যেহেতু সকল অবস্থাতেই অক্ষেয়বাদের কলঙ্ক বহন করে চলছে সেই 'আমি'-টাকে চিনবাূর, জানবার জন্য যে সুকল মহাপুরুষ আমাকে দেবে প্রয়োগ-পদ্ধতি তথা অ্যাপ্রাইড নলেজ, তাঁরা পৃথিবী গ্রহের যে কোনো দুরতের মধ্যে যে অবস্থাতেই থাকুন না কেনু, উহা আমাকৈ গ্রহণ করতেই হবে। কারণ, সেই আমার প্রকৃত বৃদ্ধ যিন্ত্রি আমাকে শিক্ষা দেবেন কোৱান পাকের একমাত্র শিক্ষা : আপনাকে চেন। তাঁকৈ নবি, রসুল, গুলি, পীর, মুরশিদ, দয়াল, অবতার, দার্শনিক, বিজ্ঞানী -**या वासिंह जाता देशक ना रकन स्रिंह व्याधात श्रक्य वद्ध। कात्रप, निर्फ़रक क्रनात** প্রয়োগপদ্ধতির আশায় যারা নিজেকে চেনার প্রয়ৌগপদ্ধতি না দিয়ে অন্য রাষ্ট্রায় याळ वर्ल छाता यछ वर्ड अशान, खुानी खात अशापूक्त तर्लू विताल करूक ना त्कन, व्यामात कात्म ठउँ एक श्रनीय नय। व्यामात क्रूप्त वृद्धित नितर के विशास निवास क्रिया क्र হজরত মোহান্দ (আ.)। কিছু আপসোস! অবিকৃত কোরান পাকের এত বিকৃত আর মনগড়া নোংরা জাতিভেদের ব্যাখ্যায় স্ত্মপীকৃত কাগজের আবর্জনায় মাণিক ছাই-চাপা পড়ে গেছে।

সেই সদ্যোজাত শিশুরূপের মধ্যে যে 'আমি' তথা আত্মা একদিন এসেছিল এখন সে কোথায় গেল? সে এবার করিপে ধারণ করবে? এবার সে কোথায় থাকবে? যেখানেই থাক না কেন সেখানেই কি দিন-রাত্রির হিশাবে কোটি কোটি বছর থাকবে? না আরগু বেশি? না আবার আমাদের মধ্যে ফিরে আসবে? আসলেগু কোন হয়েছে। ইসলামের ইতিহাস এই কথাই আমাদেরকে জানায়।

 ঙ্গুনতে পাও? তোমরা ঙ্গুনতে পাও বলে যে বিশ্বাস করতে বলো, উহা যদি আন্ত

त्रिकला ना रुख्य रहेकातिला रग्न?

वर्गीम अक्टिं मुट्टूर्ट्र उर्जिश शास ना। छितिषाठ मुट्टूर्ट दश वर्णमान व्यावात वर्णमान मुट्टूर्ट दश वर्णि। व्यनम इट्ट उनात गित मधा मिर्स्स नव नव जर्म उथा व्यावर्णन-विवर्णन माधारम ममीमर्क उथा व्यामारम्बर्क शिक्टिं मुट्टूर्ट्जिश क्वारिं क्वारिं छ्याप्ट्रम मानवात, वृत्यवात कान मिरस व्यवाक करत एत्य ममीम, उठ्हें व्यमीम राम क्रुप्त कि मिर्स व्यवाक करत एत्य ममीम, उठ्हें व्यमीम राम क्रुप्त कि मानुष रामन क्रुप्त वर्ष निरा श्वात व्याव क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात व्याव क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात व्याव क्वार सिर्म श्वात व्याव क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात व्याव क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात व्याव क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात क्वार सिर्म वर्ष निरा श्वात क्वार सिर्म क्वार

सानू-व्यक्तिसातन भारा ऋष्ट्रिन श्रन्न ठूटन ताथा तथना, ना व्यक्तिनाय।

(এনভায়রনমেন্ট) অথবা স্থানে (রিলম) চুকিয়ে দেবে? আমি জানি না - সত্য গ্র सिराा, नारा ও অন্যায়, ভালো ও মর্ক, সুকর এবং অসুকর, য়পু এবং বাস্তব এই শক্ষলো অসীমের অবিরাম গুতিতে ছুটে চলার মুধ্য দিয়ে বিভিন্ন সময়ের, বিভিন্ন পরিবেশের, বিভিন্ন কার্যের, বিভিন্ন কারণের সৃষ্টি ছাড়া আর কিছুই নয় কি না? ভাই-বোন অসীমের একটি বিশেষ পরিবেশের উপর ভিত্তি করে এবং বিশেষ কার্যের কারণেই বিবাহবন্ধনে আবদ্ধ হতো কি না আমি জানি না। পাঁচ ভাই মিলে একটি **स्रायाल विवार क्**रा व्यथवा अकिं युवक व्यत्निक्ष्यला विवार करा व्यथवा विवार ष्टाराष्ट्रे व्यवाध रयोन क्षिलन कि अकर्षि विरम्य পরিবেশের উপর ভিত্তি করে একটি कार्यंत वित्मेष कात्रप कि ना व्याप्ति कानि ना। काँচा साःत्र, फनभून খाउँয়ा, পार्यत्वत অম্ব্র ব্যবহার, গুহায় বাস করা, রোগের কাছে অসহায় হওয়া, সূর্যের রূপ দেখে <u>फ्रिय-फ्रवीत व्यात्रत्व वत्रात्वा देग्राहि की व्यत्रीक्षत्र अकिए श्रीतेत्वेत्य अक अकिए</u> कार्खित अक अकिं कातप हिल कि ना व्याप्ति ऋानि ना। পुरिवी अरुटात माटि व्यात পানিকে শত শত খণ্ডে ভাগ করে, দেশ আর সাগর নাম দিয়ে, আইনের নামে সরকার তৈরি করে, একটি দেশের সঙ্গে আর একটি দেশের যুদ্ধ বাধিয়ে মানুষ মানুষকে খুন করে, খুন করার পুরাতন অম্ব হতে আধুনিকতম পদ্ধতি শিখে, অম্ব বিক্রি করে পুঁজি বাড়ীলো, অন্যকে দারিদ্রের জোয়াল কাঁথে তুলে দিয়ে, সভ্য আর অসুভ্যের দেয়ালু দাড় করিয়ে অসীম এক একটি কার্যের এক একটি কেবল কারণই **फिशुख एनष्ट** कि ना व्याप्ति कानि ना। श्रीवरीष्ट्राष्ट्र यि कालाफिन अकिए फिन रहा, একটি সরকার অথবা সরকার ছাড়াই সাম্য বিরাজ করে এবং মানুষের কাছে যদি পৃথিবীটাই তার জন্মভূমি হয়, পৃথিবীর মানুষণ্ডলোই তার ভাই এবং এই পূথিবীর सोनुस्र एता उत्ताहार जोत स्म रशे - उत्त त्रिक्त मास्त्र ताक, पूँकिताक, मास्त्र काल, मास्त्र ताक, मानुस्त काला ताकाता कि सिंह विक्रस र उत्ताहित कालाता कि सिंह विक्रस र उत्ताहित काला कि सिंह विक्रस र उत्ताहित कालाता कि सिंह विक्रस र उत्ताहित काला कि सिंह काला कि सिं रैक्षमञ्जला कि ভবিষ্যত বংশধরদের কাছে শ্বপ্লের মতো মনে হবে না?

আল্লাহর বর্ণিত রেজেক গু কেতাবের মূলতত্ত্ব

এক কথায় আল্লাহর আপনু ওণাবলিকে রেজেক বলা হয়। যে ব্যক্তি নিজের ইচ্ছার ঘরে বাস করেঁ, তথা আমিত্বের কাছে বিক্রি হয়ে যায়, তথা শ্বকীয়তার বৃত্তে घुपाय्रभान, তथा व्यापन भत्नते रिष्टाय एता, তथा এক कथाय याता पुनियाक्त (পৃথিবীতে নয়) বাস করে, তাদের কাছে আল্লাহর গুণাবলি প্রকাশিত হবে না তথা রেজেকরপে পারে না। এই রেজেক পেতে ইলে আঅসমর্পণ করতে হবে। এই আঅসমর্পণ প্রকৃতির নিয়ুমের কাছে নয় - আল্লাহূর ইচ্ছার কাছে করতে হবে व्याच्यित्रसर्भमा व्यापन ग्रुंिस वृक्षन अवुः विग्रुंिस मुक्ति। व्यान्नारत छपावनि রেজেকরূপে দান করার জ্বন্যই তিনি প্রকাশিত হয়েছেন। এই প্রকাশের ধারার নামই क्लिंग्राव। अर्थे क्लिंग्राव बाल्लार्त कांग्र रक्ष व्यागमन। मुग्रताः क्लिंग्र रक्ष्यं मस्य স্টির আগমন। প্রকৃতির নিয়মণ্ডলো কেতাব হতেই বেরিয়ে আসে। সুতরাং সমস্ত সৃষ্টিটাই কেতাবের মধ্যে আছে এবং থাকবে। কেতাব আল্লাহর নুর হতে আসে এবং नुत আসে ইশক হতে। ইশকের অর্থ হলো প্রেম, ভালোবাসা, মহবৈত, লাভ। আল্রাহ निজের প্রেমে নিজেই প্রেমিক। নভোমণ্ডল এবং ভূমণ্ডলের এবং এর বাহিরে যা কিছু আছে উহা আল্লাহর অখণ্ডরূপের একক প্রকাশ তথা আহাদ। তাই তিনি ছাড়া কিছুই নেই এবং থাকতে পারে না। তাই আর কেন্স নেই যে আল্লান্থ অন্যের সঙ্গে প্রেম করবে। অন্য কেউ থাকলে, তা সে ্যত ক্ষুদ্রই হোক না কেন, পৃথক অগ্রিতৃকে ুমেনে নেপ্রয়া হচ্ছে। এবং এই আলাদা কিছু আঁছে ধারণা করাই শেরেক তথা অংশীতের দর্শনকে মনের অজান্তে মেনে নেগুয়া হচ্ছে। অথচ সৃষ্টিতে কোখাগু অংশীতের দৌষ व्यादािषिठ कता यात्र ना। ना सश्कूषा हैनानाह - 'काला किष्ट्रहें लहें छिनि हाजा। त्रुठताः नाश्चिताष्ट्र वर्ल्ष किष्ट्रहें लहें हैं त्रनात्म। नाश्चिताष्ट्र शाक्षा का सत्तत्त त्राधीनठाते पार्य हात्राक्षण। अहें हात्राहें सात्रा अवः हैं हा त्य त्रिठाहें सात्रा ठा धता यात्र स्टूठा नासक घटनात पाता। स्टूठा-घटना व्यावात पूर्ट श्रकातः अकि सत्तात व्याव्य सत्त याश्चरा, व्यप्ति किर्ह्णिक त्राधात्म स्टूठावत्य। श्रवसाटा व्यक्तिक अवः पिठीशिट त्रावेश्वनीन। व्यक्तिक त्रिक्षक त्राधनात श्रद्ध व्यव्यक्ति यह सहाप्तक त्रुव्यक्ति व्यक्तिक व्यव्यक्ति व्याव्यक्ति व्यव्यक्ति व्यव्य

প্রয়োগব্যবস্থা।

প্রয়োগব্যবস্থা এক নয় এবং এক হতেই পারে না। ইহা অনেক এবং অর্গণিত। বাংলাদেশের পোশাকে আর শীতের দেশের পোশাকে পার্থক্য থাকতেই হবে। উল্টাপাল্টা করলেই দেহের উপর আুসবে প্রবল শান্তি। সুতরাং প্রয়োগ-পদ্ধতির প্রশ্নে व्यत्नक रूळ वाधा। याता श्रद्धांशभद्गिर्जिक अक भत्न केंद्र व्हात केंद्र छानु केंद्रळ চায়, তাদেরকেই কাঠমোলা, কাঠ পুরোহিত, কাঠ পাদ্রী এভাবে বিভিন্ন নাম দেওয়া যেতে পারে। আসলে এদের যদি এর রহস্যের কিছু জানা থাকত, তা হলে এই कं हात्मिहित मुर्किक मानुष्क विधान रक्ष रक्षा ना क्षीक्रेश खरहरू व्यन्य काता প্ৰক সন্তায় সন্তাবান প্ৰাণী, অপ্ৰাণী এবং কোনোকিছুই নেই, সেহেটু আল্লাহ কার সঙ্গে করবে প্রেম? অতুএব আল্লাহ নিজের প্রেমে নিজৈই প্রেমিক। তীই প্রেমের যে व्यालाएन ज़ाना करें ज़रा हें हैं या वानार रज़रें वाज। ज़रें करें खात প্রতিক্রিয়ায় (রিঅ্যাকুশন) যাহা বিক্শিত হুয়ে পড়ে সেই বিকাশের নাম কেতাব। কেতাব হুতেই প্রকাশিত এবং অপ্রকাশিত সৃষ্টি বেরিয়ে আসে। এই রহস্যময় সৃষ্টির এক-একটি নিৰ্দশন এক-একটি চিহ্ন এবং এই প্ৰকাশ্য প্ৰমাণিত চিহ্নগুলোকে না মানার তথা অশ্বীকার কুরার কোনো উপায় থাকে না এবং এই চিহ্নগুলোকেই বলা হুয় কেতাবের এক-একটি আয়াত। এই আয়াতের সঙ্গে সংযোগ করা যায় দুই ভাবে। নিজের ভেতর আমিকে রেখে এবং নিজের আমিকে সাধনার দ্বারা ত্যাগ করৈ নির্বাণ হয়ে। নিজের ভেতর আমিকে রেখে এই আয়াতের দর্শনকে সাধারণ দর্শন বলা হয়। এ রকম দর্শন কমবেশি সবার হয়ে থাকে, কিন্তু নিজের আমিকে সাধনার দারা ত্যাগ कत्त या छत्रभ দर्भन लाख रश छेराक्त অসাধারণ দর্শन वला रश। আয়াতের সুঙ্গে এ तकम वात्राधात्र पर्मन नास कत्रल मानुष रुठएएएन रुख भएए, एथा वारिस्त्रत त्राधात्व (एछनात रस व्यवन्धि अवः उचन्हें निष्कृत त्ररूप हुनेन नाम रस अवः उचने त्राधिक (यासपा करतन द्रा, छिनि व्याहिष्ट्र स्नामिन हिल्लन (व्याना व्यामसान् মুমিনিন)। দুনিয়ার কলুষিত মায়ারূপ আমিত্ব নিজের মুধ্যে থাকা অবস্থায় এরূপ र्तेरिफार्त प्रभिने लाख रहाँ ना। कार्त्रप, कलुंषिठ माह्याद्धल व्यामित्र रल अद्धल प्रेटा प्रभिन नाट्यत भरा भूत हाईट्यू तर् भर्तमा ठेशा प्रशान। जातात तन्ट रट्ष, जानार निक्ततं श्राप्त निक्तरं श्रिका कृतिन्, िनि हाजू य किहूरं जरे। बाल्लारत श्रिप्तत যে আলোড়নু তোলা ঢেউ, সেই ঢেওঁয়ের বিকশিত রূপটির নাম কেতাব। সূতরাই তার সমস্ত সৃষ্টিজগৎসমূহ এই কেতাব হতেই আগত। সুতরাং যাহা কেতাবে নেই উহা কোখাও নেই, এমুনুকি কল্পনাতেও নেই। কার্ণ, এই কল্পনাও কেতাবেরই অন্তর্ভুক্ত। সুতরাং কেতাব্ সৃষ্টির মূলে হলো প্রেম, যাকে ইশক বলা হয়। ইশক তথা প্রেম অুখুঞ ঐকক এবুং অদ্বৈত। তবু বুঝবার খাতিরে প্রেমের আর একটি নাম হলো পার্থিব প্রেম। পার্ষিব প্রেমের রূপিটিও প্রায় একই রকম। মানুষও নিজের প্রেমে নিজেই মত থাকে এবং এই প্রেমের যে ঢেউ জেগে ৪ঠে সেই ঢেউয়ের প্রতিক্রিয়াটাই মূরে মূরে ধীরে ধীরে গড়ে গুঠা মানবসভ্যতা। এই সভ্যতা একজনের প্রেমে নয় এবং একজনের প্রেমের প্রতিক্রিয়াও নুয়। বহু মানুবের বহু অতীত-বর্তমানের একট্ট একট্ট করে জমে **ঙঠা বিশাল প্ৰেম প্ৰতিফ্ৰিয়ার প্ৰতিফলন রূপের নাম হলো মানবস্ভাতা। আমি নয়,**

व्यासता। अक नग्न तर। व्यासतात सर्पार्ट व्यासि अतः व्यासात सर्पार्ट व्यासता। अकि मतीरतत सर्पार्श व्यासि। वाचात तर मतीरतत सर्पार्श व्यासि। तर मतीरत तर व्यासि, किष्ठ व्यासि। वर व्यासि। तर सामवाणित सर्पा तर व्यात्मा, किष्ठ व्याप्ता अक व्यात्मा। तर वात्मत सर्पा तर विपूर, किष्ठ व्याप्ता अक विपूर। तर कत्मत क्लाज सर्पा तर कर्म, व्याप्ता अक कर्म। तर व्यात्मत तर सिण् तर्पा अक सिण् तप्ता वर स्था वर त्यानात भर्पा तर वर त्यानात भर्पा तर वर त्यानात भर्पा तर वर त्यानात भर्पा तर वर त्यानात कर त्याना।

वालाह तलाइन ता, जिनि नत्छासञ्चल अतः खूसञ्चलत मसस स्रीतित तिकाल का। निकासञ्चल अतः खूसञ्चल अहे मासाना मक पूर्णित तिमालजा ता कल तम् उहात धातमा कताणिश विताण कर्णमां ता तामाना । जत्त साणासणि विताण कर्णमां तामाना । जत्त साणासणि विताण कर्णमां तामाना त्यामान । जत्त साणासणि विताण कर्णात मासान व्यासाम् अहे ह्याण पृथिती नासक अह्हात व्यास्त्र क्यात क्यात अक्षात आत्मान हत्व भागान हत्व भागान त्यात विताण अहित व्याकात्म अहित हा त्यात विताण कर्णात क्यात क्यात क्यात क्यात विताण कर्णात क्यात क

জগতকে বলা হয় 'আলমে জাবরুতু'।

नट्यासञ्चल अवः खुसञ्चलत गान्तिक व्यर्ख या ऋगः वालार दावाळ क्रायाख्य সেটা আমাদের মতোঁ পৃথিবী নামক কুয়োর ব্যাঙ কী করে ধারণা করতে পারে? তাই আমার মতো কুয়োতে বাস করা ব্যাঙ্গের পক্ষে কি বর্ণনা দেওয়াটাও সাজে? সুতরাং আল্লাহর কথায় স্পর্ট বোঝা যাচ্ছে যে, আরুগু অসংখ্য জগৎই কেবল নেই প্রেই সঙ্গে অসংখ্য জীবও আছে এবং এই অসংখ্য জীবদের রেজেকদাতাও একমাত্র তিনি। তা হলে স্বাভাবিকভাবেই এই পৃথিবী নামক কুয়োতে বাস করা অধম লেখক aर वर्गांपे क्रभळत वर्गांपेठ क्रांतिता रिश्वट त्मिनं, ठाता कि वासारित सठन ना व्यवादिक्य, ठाएमत क्यान-वृद्धि कि व्यामाएमत क्रिया वर्ष्ट्रथण विभि ना व्यामाएमत क्रिया व्यत्नक कंस, ठाएसत् मत्म ब्रांसाएसत कात्नाफिनअ भूतिएस रख कि ना, ठाएसत धर्स এবং আমাদের ধর্ম এক কি না, আমাদের পৃথিবী নামক কুয়োতে বাস করা জীবগুলোর নানা প্রকার মুত গু পর্যের বিভিন্নতার জটিলতার কি অবসান হয়ে সবাই अक धर्म अक जाम्ल् लीन रूळ भातत्वा ना अवः छरा की रुभाभ अर्थि नामुक काला भराभानवक ित्य कताला रूत कि ना, अर्थ तरसात श्रकामिल त्रभि कि অন্য প্রহের রহস্য, প্রবং হজরত মোহাম্বদ (আ.)-প্রর বুকে কেন জিব্রাইল নামক ফেরেস্তা অপারেশন কুরলেন প্রবং এই সিনাচাক যাকে 'বুক অপারেশন' বলে প্রই কি-বা রহস্য - ইত্যাদি হাজারগু প্রশ্নু আসে। কেন এত প্রশ্ন বুকের মধ্যে জমা হয়ে **क्षमापिछ मछात्रर्स्य कानक्क राम जामार्फत भूरिती नामक धररत ध्रामिछ अव**९ অপ্রচলিত সবণ্ডলো ধর্ম গভীর মনোযোগ সহকারে অধ্যয়ন করতে হবে এবং আপন ধর্মীয় সাইনবোর্ড ফেলে দিয়ে একদম নিরপেক্ষ মুনোবল নিয়ে যাচাই করে দেখতে হবে তন্ন তন্নু করে। মুখের কথার আনুষ্ঠানিক নিরপেক্ষতার নামে নিরপেক্ষ দর্শন बैशाल उञ्चों वे वेल गेरीं रता वार्रीतक बनः रेठिनाएक मुलातृहित नित्रालक्ष ভাবধারা নিয়ে কণ্টি পাথরে সোনা যাচাই করার মত্যে প্রতিট্রি বিষয়কে যাচাই করতে হবে। তারপর ভুল হোক আর শুদ্ধ হোকু একটা আ্রুরিক সিদ্ধান্ত গ্রহণ এবং সেই করতে रुत्त,

একান্তই ভূল হয় তবু আন্ত্রিকুতার প্রশ্নে একদম প্রশ্নাতীত বলে দূষণীয় মনে করা

হবে না। যদিও উহা বৈর্জনীয়, কিন্তু আন্তরিকতার সঙ্গে বর্জনীয়।

मसरात अकि मुनिर्षि हाल मंहिरा मताहरक निश्ठ रा गत्वस्पामुनक तहना।
मूछता मसरात गिडिट टार्ड तहना हान करत लग्न अकाह ताथा हरा। विक्रानी निर्हेष अकि निर्हेष मसरात है महारात है महिरा अव रे रेक्कानिक व्यानवाह व्याहनके हिरा ति कि विक्रानी निर्हेष अकि निर्हेष मसरात है महारात है महिरा अव महिरा अव कि महारात है महारात गिडित ति है महारात है महारा

পেছনেও তাই দেখেন।

वालाह्य (तिष्ठक यिनि लां कर्त एका कात राज्य राज्य विश्व विश

পক্ষে এই কেতাব অধীন হওয়া তো দূরের কথা স্পর্শ করার ক্ষমতাও নেই (লা ইয়া মাসসাহ ইল্লাল মুতাহারুন)। যেহেতু আল্লাহর জাত ৪ সেফাতের বিকাশের নামই কেতাব সেই হেতু কেতাবের বাইরে কিছু নেই। বৃহত্তম নক্ষত্র হতে আরম্ভ করে ক্ষুদ্রতম অণু পর্যন্ত সবৃহ কেতাবে অবস্থান করে। আল্লাহর ইচ্ছার সঙ্গে নিজের ইচ্ছার भिनेन रुख़ें शिल व्यर्वा९ काना रुल व्यानार जात्क ग्रांशिज দान कदान व्यर्वा९ 'वाका'-এর অবস্থান দান করেন। ইহাকে বলা হয় ফানাফিল্রাহ এবং বাকাবিল্রাহ। এবং সাধুক এখানেই কেতাব পুরিচালনার ক্ষমতা লাভ করেন এবং কেতাব পরিচালনার যিনি কর্তৃত্ব লাভ করেন তিনিই বেহিশাব রেজেকের অধিকারী হন। আল্লাহর প্রেমে প্রেমিক না হলে আপন ইচ্ছাকে আল্লাহ্র ইচ্ছার সঙ্গে মিলানো যায় না। তাই যিগু খ্রিস্ট পবিত্র বাইবেলু-এ বলেন, 'তোমার সবটুকু হৃদয় দিয়ে, তোমার সবটুকু প্রাণ ও তীষার সমস্ত মূন দিয়ে তোমার প্রভু আল্লাইকৈ প্রেম করুবে। এটাই মইং ও প্রথম আদেশ। আর দ্বিতীয় আদেশটি হলো, তোঁমার প্রতিবেশীকে আপনার মতো প্রেম করবে এবং এই দুইটি মাত্র আদেশের মধ্যেই সমস্ত বিধান ও ভাববাদী কেতাবও ঝুলছে। যিগু খ্রিফ পবিত্র বাইবেল-এ বলেন, 'য়ে কেহ নিজের আমিত্বকে উধ্বে **ঠিচাতে চায় তাকৈ নত করা হবে আর যে কেহু নিজের আমিত্বকে নত** করে দেয় তাকে উচুতে গুঠানো হবে। ধর্ম নিয়ে যারা ভণ্ডামি করে ধিক তাদের। কারণ, তারা মানুষের সামনে বেহেশ্তের দরজা বন্ধ করে দেয়। তারা নিজেরাগু প্রবেশ করে না এবং যারী প্রবেশ করতে চায় তাদেরকেও প্রবেশ করতে দেয় না। চোর কখন ঘরে ঢুকে প্ডুবে ঘরের মালিক তা জানে না। যদি জানতে পারত তবে জেগে থাকত এবং ঘরে র্সিধ কাটতে দিত না। ক্রেণে থাক ও এবাদত কর। আআা এবাদত করতে চায়, কিছু শ্রীরের মাংস দুর্বল। যারা খুন করার অস্ত্র হাতে নেয় তারাই খুনের অস্ত্রে খুন হয়।' যিগু পথ দিয়ে যাবার সময় একটি ডুমুর গাছে কেবল পাতাভঁর্তি দেখতে পৈলেন। काला कन लहे प्रत्थ विष्ठ गार्षिटिके निक्र करत वनलन, जात कथला क्राप्ताक कन ना धक्रक, जात त्रस्य त्रस्य शाष्ट्रि छिकित्य कार्ठ रखे लन अवः छैरा प्रस्थ **७**क्रवृष्ट व्यवाक रखा शासन। व्यवाक रवात कथार। कात्रप, भिषाप्रत उथला क्रिंगव व्यर्धनि रग्न नि। व्यात रिष्ठत कथा। क्ल्यां रस्थां रखा रखा क्यां क्यां स्था नित्र ऋना একদম মামুলি ব্যাপার। তাই যিন্ত তাঁর ভক্তদের লক্ষ করে বলছেন, 'তোমাদের আল্লাহতে বিশ্বাসে (ইমানে) এক সুরিষা কৃণা সন্দেহ যদি না থাকে তা হলে ডুমুর গাছুঁ তো মামুলি ব্যাপার, যদি একটি পর্বতকে বলো যে সাগরে গিয়ে পড়ো, উবৈ (मर्डे बाएर**मर्ड) भा**षिण रूप्त अवश्या চारुप्त लारे भारत।

यिश्व श्विट्यंत अर्थे उपलिए ता साधारम किया विदेश विश्विष्ठ विश्व शिट्यंत अर्थे विश्व विश्

অখণ্ডতার সৌন্দর্যের উজ্জ্বলতম স্বান্ধর।

उप जिस्त ना क्रानल छात्र जिस्त करा। यारा ना। कान छानल साथा जात्र तरहा विक्रालं कथा विक्रालं कथा जात्र कथा जात्र विक्रालं कथा विक्रालं विक्रालं कथा विक्रालं विक्

क्लार अवः पिछी शिव नाम 'पृर्वीत अवारि' छथा पृर्वीन हैं मनाम। पिछी शिव व्यवस्त कर्ताल अथमित ज्ञान नाछ हर छथा क्लार ज्ञान नाछ हर। या मक्ल वाहन-कानन वानाह छात निक्त माध्य भाषित क्लार क्लार पृत्व अनाहित मन देवार या मनविश मुक्त वाहार केला का मानविश मुक्त व्या मानविश मानविश

অনেকেরই প্রশ্ন, ধর্ম ও বিজ্ঞানের মধ্যে বিরোধ আছে কি না? চিন্তা করলেই द्वाचा याश्र त्य, धर्मत नष्ट विक्रालित द्वाला विद्वाध लग्है। कातप श्रकृतित निয়মণ্ডলো শিক্ষা করাই বিজ্ঞান। আর প্রকৃতির সমস্ত নিয়ম কেতাবেরই বিষয়সমূহ। ধূর্ম মানুষকে 'কেতাব জ্ঞান' শিক্ষা দেয়। এই শিক্ষার পূর্ণতা তখনই হয় যখন আল্লাহ তার দাসকে 'কেতাব দান' কুরেন তথা কেতাবের উপর পূর্ণ কুঠুত্ব প্রদান করা হয় এবং তখনই আল্লাহর দাস বেহিশাব তথা অফুরন্ত রেজেকের অধিকারী হন। সুতরাং धर्म मिक्रा 3 विद्धान मिक्रात मध्य काला विद्वाध लाई। धर्म मिक्रात माध्य य কেতাব জ্ঞান লাভ হয় উহা সেই ব্যক্তির মধ্যে সুমি।বদ্ধ, কিছু বিজ্ঞান শিক্ষার মাধ্যমে यে क्लान कान नास रग्न सेरा व्यक्तित सर्था त्रीसावम्र नग्न। निक्रानास कताएँ। श्रयस সীমাবদ্ধ, কিন্তু পরে ব্যাপক্তার মধ্যে ছড়িয়ে পরে। ধর্ম শিক্ষার মাধ্যমে যে কেতাব জ্ঞান লাভ হয় উহাতে প্রকৃতির যে কোনো আইনকে বদলিয়ে নিতে পারবেন, যদিও ইহা একান্ত ব্যক্তিকেন্দ্রিক এবং ব্যাপক্তার প্রশ্ন এখানে অব্যুন্তর। তুবে ব্যাপকতার विनान অপ্রতিহত ऋषें । এখানে যত টুকু থাকে আধুনিক বিজ্ঞান निकांत साधारस এখনো আমরা তত টুকু পাই নি। একই ব্যক্তির এক ছানে মৃত অবস্থায় দাফন করার व्यास्माकन् शृटम् अवैशे व्यनाञ्चाता छक्त भूतिमरम् तरके निरस् भाना भावात व्यास्माकन চলছে। এটাই ধর্মের মাধ্যমে কেতাব জ্ঞানদান। একই ব্যক্তি পাঁচ স্থানে একই সময়ে পাঁচটি মুরা দেহ ফেলে গেছেন। সবাই দাফন কুরেছে একই ব্যক্তিকে। পরে জানাজানি হবার পর বোঝা গেলু যে ইহা পরি-ফকিরের কারামূত। আসলে এই কারামুত্র হলো ধর্ম শিক্ষার বিজ্ঞান। সুতরাং এই শিক্ষায় শিক্ষিতের সংখ্যা সাংঘাতিকভাবে নুগণ্য তাই সম্লাজে ইহার গুরুত্ব বহন করা তো দুরে থাক, বরং ঠাট্রা-তামাশার বিষয় হয়ে দাঁড়িয়েছে এবং ইহাকৈ ভদ্রলোকেরা গাঁজীখুরি গল্প বলে হি হি করে হাসতে থাকে। হাসাটাই খুব স্থাভাবিক এবং ইহাতে ভক্তদের মনে দুঃখ পেলেও বলবার মতো কিছুই নেই। তাই পীর-ফকির খাজা ওসমান হাকুনি বলেছেন যে, তিনি মানুষের অসহ্য ঠাট্রা-তামাশার উপর দাঁড়িয়ে প্রভুর প্রেমে নেচে চলেছেন। তাই ভক্তদেরপ্ত দৃঢ় মনোবল নিয়ে এই ঠাট্টা-তামাশার উপর দাঁড়িয়ে সাধনা করতে रत। अरे ठाष्ट्रा-ठामामात उशक्ता फिल् फिल छात्रिक रळ अमनजात त्तर्फ চলছে যে, অধিকাংশই ঠাট্টার শিকারে পরিণত হয়ে বরবাদ হয়ে যান। 'এমন এক্ সময় আসবে যখন ইমান ঠিক রাখাটা হাতে জুলন্ত কয়লা রাখার মতো অসহ্য হবে' - হক্তরত মোহাম্বদ (আ.)-এর বাণীটি মনে পড়ছে।

विक्रान निकात साधारम প্রকৃতির মহানিয়ুমের কিছু অংশ মানুষের ব্যবহারে আনতে পেরেছে। প্রকৃতির নিয়মকে বিক্রান শিক্ষায় বদলতে না পারলেও কোনো কোনো ক্লেব্রে প্রকৃতির নিয়মকে বদলতে সক্ষম হয়েছে। যেমন গর্ভে ধারণ করার বাচ্চাটিকে টেস্টটিউবে বানিয়ে দিচ্ছে। একজনের হুৎপিও ফেলে দিয়ে আরেকটা

नाशिख हिष्टि। अर्जु मिल्लित आशािक छिम कािंगाति अर्जु हिल्लूत कि इ याःता

ফুটিয়ে দিচ্ছে। কৃত্রিমূ হীরা, মুক্তা, কাপড়, চামড়া বানাচ্ছে - ইত্য়াদি।

े धर्म मिक्रा कर्तत्वेष्ट र्य मेक्टन क्लान मार्च अंग सार्टिस किंक नया। विद्यान मिक्रा कर्तत्वेस र्य मेक्टन विद्यान किंग्रा कर्ति र्य मेक्टन विद्यान विद्यान किंग्रा कर्ति र्य मेक्टन विद्यान किंग्रा कर्ति यात्वेस कर्ति प्रकार कर्ति व्यव्यक्त मेक्टन विद्या कर्ति विद्यान कर्ति व्यव्यक्त मेक्टन विद्यान कर्ति कर्ति विद्यान कर्ति कर्ति विद्यान कर्ति कर्ति विद्यान कर्ति कर्ति कर्ति विद्यान कर्ति क्रिक्ति कर्ति क्रिक्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति क्रिक्ति कर्ति कर्ति करिति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति क्रिक्ति कर्ति क्रिक्ति कर्ति कर्ति क्रिक्ति क

'কেতাবের জ্ঞান' অর্জন করতে হলে মনটিকে মসজিদ বানাতে হবে। মনের মসজিদে অবস্থান করতে না পারলে কেতাব জ্ঞান লাভ করা যায় না। 'বিজ্ঞানের জ্ঞান' অর্জন করতে হলে মনটিকে প্রজ্ঞার (ইনট্যুইশন) মসজিদ বানাতে হবে। প্রজ্ঞার মসজিদে ধ্যানস্থ না হলে বিজ্ঞানের জ্ঞান লাভ করা যায় না। উভয়ের জ্ঞান অর্জনের পদ্ধতির পরিবেশ অভিন্ন, কিন্তু গভীরতায় ভিন্ন। একজন আপন স্বকীয়তায় কোরবানির তাকোয়ায় রত, অপরজন আপন স্বকীয়তাকে সাময়িকভাবে ভুলে থেকে

সাধনায় রত।

পৃথিবীর নিক্টতম উপগ্রহ চাঁদে এই সেদিন পা রাখল মানুষ। হজরত মোহান্ধদ (আ.) সমস্ত সৃষ্টি অতিক্রম করে গিয়েছেন মেরাজে। সৃষ্টির বাইরে, যেখানে বিজ্ঞান কল্পনা করতে পারে না, সেই বস্তুহীন, স্থান কালহান 'লা মোকামে' হজরত মোহান্ধদ (আ.) বিজ্ঞানের সাহায্যেই গিয়েছিলেন। ইহাই আল্লাহুর মনোনীত বিজ্ঞান। এই বিজ্ঞানবলে হজরত মোহান্ধদ (আ.) পৃথিবীতে থেকেই শুধু আঙুলের ইশারায় চাদকে দু'টুকরো হতে বলেছিলেন এবং সেই আদেশ সঙ্গে সঙ্গে পালিত হয়েছিলো। দুনিয়ার বিজ্ঞান এরূপ শক্তি অর্জনের ধারণা এখনো করে নি, তবে ভবিষ্যতে কা হয়

वैना याग्न ना। कातपु, ङानदाद्धाः छट्टा वटन काला कथा ल्हे।

লোকের মুখে শুনি যে টাদের ফাটল দেখে অলড্রিন, আর্মস্ট্রং এবং কুলিস অবাক रुख अक्रमसूरी सुमलसान रुख यान। जाता या सुमलसान रुखाएंटन अ विषया मत्कर लर्ड, उर्व हैं। प्रित कार्रेन फिर्स ना खना किছू वैत्य सूत्रनमान रखाष्ट्रन छैरा जातारें कालना श्रिकान धर्म जाग करत जाता ता सूत्रनमान रखाष्ट्रन रेंग वास्त्रन कालना এক দৈনিক খবরের কাগজে প্রকাশিত ইয়েছিল। কোরান-এ উল্লিখিত 'হেকমত', যার অর্থ বিজ্ঞান, কুপ্রাটির তাৎপর্য গু অূর্থ না বুঝে প্রায় তফসিরেই গোজামিল দেইয়া হয়েছে। এমনিই তো প্রায় তফ্সিরই গোঁজামিলের এক-একটি আজব বস্তা বানিয়ে রেখেছে, তার উপর 'হেকুমত' কথাটির অনুবাদে 'বিজ্ঞান' শব্দ ব্যবহার না করে অন্য শব্দ ব্যবহার করতেও দ্বিধাবোধ করেন নি। কারণ, অনুবাদকারীরা মনে করেন যে, হজরত মোহাম্বদ (আ.)-এর সময়টি তো বিজ্ঞানের যুগ ছিল না। অবশ্য এ জন্যই এ রকম মনগড়া অনুবাদ করা হয়েছে। গোজামিলের আজব বস্তা কেউ ইচ্ছে করে বানাতে চায় না। প্রত্যেকৈই গোজামিল দেওয়াটা অন্তর প্রেকে ঘৃণা করেন, কিছু যার যতটুকু বুঝবার শক্তি অর্জন করা হূয়েছে ততটুকু আন্তরিকতার সঙ্গেই তিনি व्यवरात कैर्देवने अवः या छात्न धर्दा ना छैरा निक्रभीर्री रुख्य खन्य खात अकछन या বুঝেছেনু তারটা গ্রহণ করতে বাধ্য হনু। তাই অনেক সময় অসহ্য হয়ে অধুম লেখক গীলাগালি দিয়েছি। আমার চেয়েু যিনি ভালো বুঝতে পেরেছেন তিনি আুবাুর व्यामारक शान स्ट्रितन - रेंश श्वानांतिक ध्रवः शानमक् रक्षम कतात्र मानिमक्रा देवित করতে হবে। কারণ, আল্রাহর সুমন্ত সৃষ্টিজ্রগৎ ছুটে চলছে। একস্থানে থেমে নেই। त्रतेन त्रशात मुळी त्रश् हित्रे त्रिकिं अर्थ हुटी हित्त ना। त्लातान त्रतेन त्रशात गठित त्रभूर्यन प्रश्न नि। मार्गनिक् त्रिक्ताकात व्यनुभानहीं ठाट ठिक रश नि। वृज्ञाकात्त স্ফিজণং ঘূর্ণায়মান। তাই সুনাতাল্লাহে লা তাবদিলা-র ঘোষণা দেগুয়া হয়েছে। মেরাক্রে হজরত মোহাম্বদ (আ.)-এর গমন এবং আল্লাহ পাকের সঙ্গে মিলনের রূপটি বৃত্তাকার। দুই ধনুকের ব্যবধানে । একটি ধনুক অর্ধবৃত্ত। দুই ধনুকের দুই অর্ধবৃত্ত সমান এক বৃত্ত। যদিও বলা হয়েছে আরও নিকটে। এই আরও নিকটে

এই অবিরাম ছুটে চলার গতির কোনো একটি নির্দিষ্ট স্থানে দাঁড়িয়ে কোনো কিছুর সিদ্ধান্ত গ্রহণ করা যায় না। অবশ্য সিদ্ধান্ত আমরা অসহায়ের মতো নিয়ে

ফেলি, কিছু শত কি হাজার বছর পর উহার আমূল পরিবর্তন দেখতে পাই।

रंगलास धर्स ३ व्यक्तिसालिकावा

त्रमञ्जू क्या का जान के जान जान के ज

श्रवस्ताद्व निश्विवम् कर्तनाम।

व्यान्नाक्टिकाबाज्ञ सामाअ अशाफामा - कातान मृतिरक्त अर्थे अकिएसाब আয়াতকৈই ব্যক্তিমালিকানার বিরুদ্ধে অকাট্য এবং সর্বশ্রেষ্ঠ দলিলরূপে পেশ করতে চাই। এই আয়াতের হবহু অনুবাদ হলো 'জমা করে সম্পদ এবং গুণে-বেছে রাখে'। এখন সবচাইতে বড় প্রশ্নটি হলো, সম্পদ কাকে বলে? সম্পদ বলতে কী বোঝায়? সম্পদ বলুতে কি কাঁগজের টাকা এবং ধাতুর তৈরি পয়সা বোঝায়? অর্থনীতির অতি সাধারণ বিদ্যাটুকুগু যারা রপ্ত করেছেন তীরাগু জানেন যে, কাণজের টাকা গু ধাতুর টুতরি পয়সা কেবলমাত্র সম্পদ্ আদান-প্রদান কুরার একট্রি সুহজ্ঞ উপায় ছাড়া আঁর কিছুই নয়। যেহেতু কাগজের টাকা ও ধাতুর তৈরি মুদ্রায় জিনিসপত্রের লেনদেন তথা আদীন-প্রদান করতে হয় সহজ, সেহেতু ইহাকে মার্থ্যম ছাড়া আর কিছুই বলা যায় না। তা হলে সুম্পদ কাকে বলা হয়? জায়ুগা-জমি, বাড়ি-ঘর, খাদ্যমস্য, নিত্য প্রয়োজনীয় জিনিসপত্র, কাপড়-চোপর ইত্যাদি যাহা জীবন ধারণ করতে প্রয়োজন रुग्न जात्कर साठी कथाग्न मन्मर वर्ता। ब्यप्टन ठीका बवः ब्यप्टन भग्नमाग्न मार्ताणि हिन পই পই করে ঘুরেগু আপনি কি এক টুকরো কাপড় সংগ্রহ করতে পারবেন, অুথবা কেন্ট্র আপনাকে পেটের ক্ষুধা মেটাবারী খাদুদ্রেব্য দেবে, অথবা যে কোনো জিনিস? क्रिं वाभनाक फूर्व ना। कार्त्रप, मन्नम विनिष्ठ कर्तात बाधावि मन्नूर्प वहन इत्य পুড়েছে। এমনও পরিস্থিতির উদ্ভব হয়েছে যখন যুদ্ধের ভয়ঙ্কর আঘীতে নাগুরিক জাবন সর্বাবষয়ে পর্যুদন্ত। জাবন বাঢ়ানোর প্রশ্নে সম্পদের অভাব, খাদ্যশস্যের ভীষণ

ঘাটিতি, তখন কাগজের টাকা এবং ধাতুর মুদ্রার মুল্য অনেক ক্ষেত্রে এমন মুল্যহীন হয়ে দাঁড়িয়েছে যে, পরনের সাধারণ একটি লুকি, যার দাম খুব বেশি ইলে ব্রিশ টাকার উধের নয় উহাই সাড়ে চার শৃত টাকায় খরিদ করতে হুয়েছে। (দিুতায় মহাযুদ্ধে বার্মার কোনো একটি বাজারে)। একবেলা পেট্ ভরে হোটেলে খেতে শিয়ে ছয় শত কুড়ি টাকা দিতে হয়েছে এবং তার দুদিন পরেই একবস্তা টাকা হোটেলের मराक्रनर्के ळून सार्थ फिरां अर्थे अर्थे अर्थे आठेशाळ भातर्य ना त्रल स्मिकि अनुक्र হয়েছে। (দ্বিতীয় মহাযুদ্ধে জূপান যুখন সিঙ্গাপুর আক্রমণ করে)। ফ্রান্সের প্যারিস শহরে তো এর চেয়ে বৈশি টাকা দিয়েও মানুষ একমুঠো খাদ্যদুর্ব্য সঞ্মহ করতে পারতোূে না। এখনু নিজের বিবেককে প্রশ্ন কুরে দেখুন তাে, কাণজের টাকা প্রবৃহ ধাতুর তৈরি মুদ্রাই কি সম্পদ, না জায়গা-জমি, কাপউু-চোপড়ু, খাদ্যশস্য ইত্যাদিই সুন্পিদ? নিত্য প্রয়োজনীয় দ্বব্যসামগ্রী যদি আপনি টাকার বৃষ্টা দিয়েও না পান তখন কি আপনি মনে মনে এই ভাববেন না যে, কাণক্ষের টাকা, ধাতুর তৈরি মুদ্রা কখনোই সুম্পদ হতে পারে না। তবে আপনি কি এখনগু সম্পদ বলতে কাঁগঙ্গের টাকা ও ধাতুর তৈরি পয়সাকে মনে কুরছেন? না, ক্খনোই মনে করুতে পারেন না। শুধু সম্পদ আদান-প্রদান করার একটি উপায় ছাড়া টাকা গু মুদ্রার কি আর কোনো মূল্য আছে? সম্পদ বলতে যে জায়গা-জন্ধি, খাদ্যশস্য, কাপড়-তাপড় ইত্যাদি ব্যবহার্য জিনিসপত্রকেই বোঝানো হয়েছে, এতে কি আপনার এখনো কোনো সন্দেহ থাকতে পারে? যদি এণ্ডলোকেই আপনি সম্পদ বলে মেনে নেন তবে এণ্ডলো জমা করে রাখা তথা মজুদ করে রাখতে পারছেন না। কারণ, কোরান সম্পদ জমা করে রাখতে নিষেধ করছেন এবং নিষেধ অমান্যকারী হতামা নামক ফুলন্ত নরকের আগ্নিতে অবশ্যই বাস করবে বলে ঘোষণা করা হয়েছে। এখন প্রশ্ন হলো কতটুকু সম্পূদ জীমা कत्रक्ष कातान वात्रं कर्वाष्ट्र कातान-ध्र मन्भएत काला भतिसान रिप्त नि, वतुः वना रखिष्ट या, या क्रमा करत मन्नम खुरीं। क्रमा कताछार रजामा उरा क्रम खूर्य অর্থাৎ যত ক্ষুদ্র সম্পদই হোক না কেন, উহা জমা করতে মানা করছে, তুখা ব্যক্তির অধিকারে কৌনো সম্পদই জমা করা বারণ করা হয়েছে হতামার হুমকি দিয়ে। এখন প্রশ্ন হলো, সম্পদ ব্যক্তির অধিকারে যে কোনো পরিমাণ রূপেই জমা থাক, যদি জুলন্ত व्यक्षित गामि एर असा रस, यूपि वाकिसानिकानास मन्त्रुप क्षमा कता क्षम व्यक्ति रस, তবে ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি তথা প্রাইভেট্ প্রোপার্টির স্বীকৃতি কোঁথায়? কৌরান-এর এই আয়াতে আমরা ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি তো দূরে বাক, বরং ঙ্কুলম্ভ আন্তন রূপেই দেখতে পাই। কোরান কি একবার ব্যক্তিমালিকানার বিরুদ্ধে আবার অন্যত্র ব্যক্তিমালিকানার পক্ষে বলতে পারে? অবশ্য যুগের চাহিদা অনুযায়ী সম্পদ বর্ণনের नाना त्रक्य व्यवस्था याकृत्व अवः याकत्य भात्ते अवः व्याट्ट अवः याकत्व। यव युशः है या अकरें तकम व्यर्वलिकिक वार्व्या जानू शाकुरव रेंशा व्यष्ठिव अवः रेंशा वान्नीर्त সৃষ্টির প্রকাশের ধারার মধ্যে নেই। অনেকিখানি সম্পদ একজনের আমানতে থাকতে भारत, जारे वर्ल यात व्याक्षानक वाष्ट्र छैनि यपि निष्करक मन्भएपत भानिक वर्ल धाषपा कदा छदा रेंटा त्रूष्पूर्प काजान-विद्धार्थी ध्याषपा। भानूष खलक किष्टूत আমানতদার হতে পারে, কিছু কোনো কিছুরই মালিক হতে পারে না। আমার প্রবন্ধের সার বঙ্গব্য কিছু ইহাই। আমার ভয় হয়, অবশেষে কা বুলুতে গিয়ে পাঠক কী বুঝে ফেলেন। অর্থনৈতিক ব্যবস্থা ইসলামের শরিয়তের একুটি প্রধান আইন, कि हुँ हैं रा रेमनास्मत कथलार भूननीि नया रेमनास्मत भूननीि रूला, निक्रत আমিত্ব বৰ্জন করে আল্লাতে ফাুনা ইগুয়া তথা নিজেকে চেনা। এখানেই ইসুলামু এবং भानुषरंक , **१७ वानावार्वे किमिউनि**क्र्यात भार्या विता । यार्येका । यार्थेक किमि निक्रया মানুষৈর ক্রৈবিক চাহিদার একুটি নিূরেট প্রয়োগ ও ব্যাখ্যা এবং আর্ফ্রা-টাঅূার ধার धातीत श्रश्न क्या मृत्त थाक, विश्वाम्हें कत्त ना ठ्या 'खात काला छान लहें' वर्ल **দরজা বন্ধ করে দেওয়া হয়েছে, সেই হেতু কমিউনিজম হলো মানুষকে পশু বানাবার**

नुछन भछवाদ। অবশ্য धक्रप्रिव कार्न भार्कत्र (शान्यात्छत्र अप्टन অवभ्रा प्रिश्रप्त

केंग्रवात या फाँळ फाँळ लांश ङान राताळन्।

ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি যেহেতু ইসলামে নেই, সেই হেতু ব্যক্তির জ্ঞা করে রাখা পুঞ্জির প্রশ্নটিগু অবান্তর। যেহেতু ইসলামে ব্যক্তির জ্ঞা করে রাখা পুঞ্জির প্রশ্নটি অবান্তর্ সেই হৈতু সুদ বলৈ কোনো কিছু কল্পনা করাটাগু ইসলামে নেই। ব্যক্তির হাতে পুঞ্জি থাকছে না, তাই সুদের প্রশ্নুগু আসছে না। যেহেতু ইসুলামে সুদ হারাম তথা নিষদ্ধি, সেই হেতু ব্যক্তির কাছে পুঁজি তথা মাল থাকার শ্বীকৃতিও হারীম, তথা ব্যক্তিমালিকানায় কিছুই থাকছে না মানুষকে জানোয়ার বানাবার কমিউনিজমে व्यक्तिभानिकानात स्मिनिक श्रीकृष्टि ना फिलिंश व्यक्तिक छत्रप-लायलत ऋन्य या ताश्च কুঠক নির্ধারিত করে দেপুয়া ইয় তার উপর ব্যক্তির পূর্ণ কর্তৃত্বকে মেনে নেপ্তয়া হয়, কিষ্টু ইসলাম সেটুকুরগু শ্বীকৃতি দেয় না তথা মেনে নেয় না। অর্থাৎ কোনো কিছুরুই মালিক হগুয়া তৌ দুরের কথা, এমনকি তার দেহ মন তথা সে-গু তার নয়, অঁপাৎ ব্যক্তি নিজেগু তার নীয় এবং সেই হেতু ব্যক্তি কোনো কিছুরই মালিক নয়। ুমানুষ আল্লাহর গোলাম। কিছু এই গোলামরূপে চলার পথে বিদ্রৌহ ঘোষণা করে নিজের ষুন বা আইডিয়া। এই জ্ন্য ইসুলাম নিজের খেয়ালখুশি মতো চলাকেই কুফরি क्रिन्मि तल्ए এবং এই क्रिन्मिंगित 'नक्त्र वान्नाता" খেতাব দিয়েছে। ইসলীমের ভেতর নিজের খেয়ালখুশি মতো চলার স্থাধীনতা নেই এবং থাকতে পারে না। কারণ, খেয়ালখুশি মতো চলাকৈই ইুসলাম 'দুনিয়াতে' বাস করছে বলে অভিহিত করেছে এবং এক্লপ দুনিয়াতে যে ব্যক্তি বাস কিৱতে চায় তাকে মৱদুদ তথা শয়তান বলা হয়েছে। কারণ, শৃয়তান আল্লাহ্র ইচ্ছার কাছে আঅসমর্পণ নী করে নিজের ইচ্ছার काष्ट्र याञ्जनसर्वेष कदाष्ट्रिने, उंथा निष्कृत श्रवित शानाप्ति कदाष्ट्रिन এवः এर গোলামিকে ইসলাম জঘন্য জীবন বলে অভিহিত করেছে এবং এর পরিণাম জাহান্নাম তথা অনুশোচনার আগুনের শাস্তি। অনুশোচনার আগুন কথাটি অনেকেই ভালো করে বুঝতৈ পারেন না। কারণ জাহান্নামৈর আগুন কিছু কোনো ঘর-বাড়ি পোড়ায় ना, क्रोंशत्नात्मत खाधन काला कार्लड़-क्रायड़ लाड़ाग्न ना, काला कार्ठ-क्यमा পোড়ায় না, এমনকি ইহা মানুষের দেহটিও জ্বালায় না। তবে জাহান্নামের আণ্ডন কী कुालाग्न? हैरा क्विन अकिंग क्रिनिमर क्रोलाग्न। छैरा की क्रिनिम? छैरा छथा भानुरसत জাহান্নামের व्याधन শ্ভধু অন্তরনৈ স্ক্রালিয়ে-পুড়িয়ে একাকার করে দেয়ে। জাহান্নামের আগুনের কত বড় শঁঙ্গির অদৃশ্য উঠাপ হলে, কতটুকু অন্তরে দাহ তৈরি হলে মানুষ অসহ্য হয়ে গলায় দড়ি দিয়ে কিংবা নানা রকম বিষ সৈবনে আঅহত্যা পর্যন্ত করে ফেলে ভাবতে গেলেগু व्यवाक रुळ रयः व्यात व्यवाक रुळ रय द्वातान-अत विकान्यय छाषात् नानिका अ গভীর দর্শন দেখে। কোরান-এর গভীর দর্শন দেখতে পেয়ে ইউরোপের কিছু দলপ্রিয় দার্শনিকের হিংসায় যা-তা বলতেও বিবেকে বাধে নি।

আল্রাহর সমগ্র সৃষ্টিরাজ্যে এই রকম স্বাধীনতা কাউকে দেগুয়া হয় নি (অবশ্য আমার্দের জানা মতে)। সমগ্র সৃষ্টিরাজ্যু আল্লাহ্র গোলামি করছে – কেবল দুটো वापी वार्फ : अक्टि मानुष, जेनदी किन। अहे पूर्णात्कर वाकियाधीने ए एउँ या হয়েছে এবং সেই সঙ্গে এঠ বলা হয়েছে যে, তোমীদের ব্যক্তিশ্বাধীনতা সম্পূর্ণরূপে वर्জन करत बाल्लारत रुख याउ छथा मात्र वा शालाम रुउ। कातूप, त्रमध त्रीफैताङा व्यान्नार्त शानांभि कतस्य अवः खर्ल्य मकल्य व्यान्नार्त शानांभि क्तस्य प्रेट रूठू त्रकर्तार भूत्र मान, कित्व मान अवः क्रिन नी में पूर्णा थापीक शाला मित्र বাধ্যকতায় না ফেলে স্বাধীনতা প্রদান করেছেন এবং সেই সঙ্গে এই স্বাধীনতার কুফরি হতে পরিত্রাণ পাবার জন্য কেবলমাত্র এ দুটো জ্রাতিকেই এবাদত তথা গোলামি করার আহ্বান জানানো হয়েছে। যেহেতু সমগ্র সৃষ্টিরাজ্যই সুষ্টার গোলামি করছে তথা এবাদত করছে তথা তসবিহ পাঠ করছে তথা জিকির করছে তথা

সেজদায় আছে তথা একু কথায় সমগ্র সৃষ্টিরাজ্য আল্লাহ্র একু, একক এবং অখণ্ড विधान তথা দীলে এলাহিতে বাস করছে, সেই হেতু সমগ্র সৃষ্টিরাজ্য মুসলমান তথা আঅসমর্পণকারী। ব্যতিক্রম কেবলমাত্র মানব এবং জিন জাতির ক্ষেত্রে। যেহেতু মানব এবং জিন জাতিকে ব্যক্তিশ্বাধনিতা প্রদান করা হয়েছে তথা নির্বাচনী ক্ষমতা প্রদান করা হয়েছে সেই হেতু সুষ্টাকে আবেদন করতে হয়েছে, সাবধান করতে হয়েছে, ভয়ম্বর শান্তির হকুম দিতে হয়েছে এই বলে যে, তোমাদের ব্যক্তিয়াধীনতাকে সম্পূর্ণ বর্জন করে তথা আমিতকে ধ্বংস করে তথা হাম্ভি বা খুদিকে মিটিয়ে দিয়ে, তথা মুরার আগে মরে, তথা নিজের মল্লস্থায়ী দ্বীনকে বর্জন করে সুস্টার একক, অখণ্ড ष्ट्रीति अनाश्कि व्याञ्पत्रभूषेष कत्रक्ष, ज्या अवाष्ट्र कत्रक्ष। जार्र कात्रान धाष्ट्रपा করছে যে, তিনি কেবলমাত্র মানব এবং জিনকে এবাদত করার জন্যই তথা দাসত করার জন্যই তৈরি করেছেন। যেহেতু মানব এবং জিনজাতির অনেকেই আল্লাহর **দাসত তথা এবাদত করতে নারাজ এবং নিজের স্বাধীন প্রবৃত্তির ইচ্ছায় চুলতে চায়্** সেই হৈতু কেবলমাত্র এই দুটো জাতিকেই 'এবাদত কর্বার জন্যই সৃষ্টি করেছে' বলে কৌরানকে ঘোষণা করতে হয়েছে। কেবলমাত্র এই দুটি জাত্রি ছাড়া আর কাউকে কোৱান 'এবাদত কর' বলে আবেদন করে নি। কীরণ, সৃষ্টিরাক্ত্যে আর কোনো প্রাণীকেই নির্বাচনী ক্ষমতা দেওয়া হয় নি, তথা ব্যক্তিয়াধীনতা দেওয়া হয় নি এবং সেই হেতু সমগ্র সৃষ্টিরাজ্য অাল্লাহর একক বিধানে তথা আল্লাহুর দ্বীনে বাস করছে এবং সেই হেতু তারা সদাসর্বুদা এবাদতে রতু আছে এবং সৈই হেতু তারা সবাই মুসলমান। কেবল মানব এবং জিনকেই এর ব্যতিক্রম করে তৈরি করা হয়েছে এবং এই ব্যতিক্রম হেতু তারা কেউ ততুক্ষণ পর্যন্ত মুসলমান তথা আঅসমর্পণকারী रुक्त भारत ना, यलक्रेन भर्यष्ठ निष्क्रत निर्वाप्तनी क्रेमेला लया व्यक्तित यार्थीनलाटन বিসর্জন দিয়ে আল্লাহ্র দ্বীনের দাসত্বকে হাসিমুখে বরণ না করে। মনে থাকে যেন, **अभात्न वना रुखाँछ रैननासित छिछेत व्यक्तियाँसैनिया तिरी। या रत्न अप्त यानत्व,** छत् कि वाक्षि याधीनण हैमलात्मत वाहृत्तः हैंग, वाक्षियाधीनणात आत्री बक नाम আমিত। সম্পূর্ণ আঅসমর্পনের আগে এই আমিতু কিছু বা কিছু থাকবেই। এখানে ইসলামের সর্বোচ্চ পর্যায়ের কথা বলা হয়েছে। কিন্তু প্রবৃত্তির বশবর্তী হয়ে যা ইচ্ছে তাই করে যাবেন, এটা ইসলাম শ্বীকারু করে না। তবৈ প্রয়োগপদ্ধত্বিতে শ্বাধীন মতামত এবং দর্শন প্রদান করার পূর্ণ স্বাধীনতা আপনার আছে। আধ্যাত্মিক বিষয়ে বিভিন্ন চিম্তাবিদের বিভিন্ন মূত ও দর্শুনের সৃষ্টি হতে পারে এবুং তা হয়েই থাকে। ्यभने देशाभ भाष्क्रांनि अवेरे हेभाभ छाहेभियाते कथा धता याक। वित्वकृतक क्रांकि ना দিয়ে বিচার করলে ইমাম গাজ্জালির দর্শন ইমাম তাইমিয়ার ঠিক বিপরীত। তাই বলে কি চট করে কাফের ফতোয়ার তরবারি বসিয়ে দেব? তবলিগ জামাতের প্রতিষ্ঠাতা শ্রুদ্ধেয় মাগুলানা ইলিয়াস সাহেবের বিরুদ্ধে অনেক রকম যা-তা ফতোয়া মারতে দেখে ভীষণ দুঃখুপাই। এই অল্পদিন আগে আল্লামা ইকবালকে কয়েক শত আলেম কাফের ফতোয়া দিয়েছিল এবং কবি কান্ধি নজফ্রল ইসলামকেও। ইসলামের মধ্যে দল তৈরি করে এক শ্রেণীর আলেম সমাজ যে কত বড় ক্ষতি করে চলছেন এবং এই ফুতোয়ার কাদা ছোড়াছুঁড়ি ক্রেই তো়ে! আজু আমাদের এহেন রূপখানা দেখে **श्रीवर्ती हि हि कद्ध हारम**ि मवार्हेटक यिंह मार्मनिक रूछर रदव वदनन छा रदन বাজারের তরকারি, মাছ-মাংস বিফ্রি করবে কারা? তারা না থাকলে আপনি চলবেন কেমন কুরে সেটা একবার ভেবে দেখেছেন তাে? না, না ভেবেই ফঢ়োয়া মেরে দেবেন? ব্যক্তিশ্বাধীনতার দোহাই দিয়ে অর্থনৈতিক বৈষম্য তৈরি করা - ইহা কি মেনে নিতে চাইছেন? টোটাল সিনসিয়ারিটি তথা সম্পূর্ণ সততার মাধ্যমে কোরান-হাদিস গবেষণা করতে হবে এবং এতে কার সঙ্গে কর্টটুকু শ্লেলে বা মিলে গেল উহা বিচার্য নয়। ইসলামের রূপ ৪ দর্শন যা বুঝতে পেরেছি উহাই প্রকূাশ করে গেলাম। আমার দর্শনই একমাত্র সত্যদর্শন এবং এর বাইরে আর কিছু নেই বলাকে

र्षेणा सत्न कित। आसि सत्न कित छून कता खलक छाला, क्रत्न छत्न छञ्जासि केतात एएस। मार्गनिक ख्रुडातिक निष्टें नाष्ट्रिक, किष्ठ रसानुदान काण आष्टिक। विष्ठात तात्का डेंड्सत वार्वधान खाकाण खात भाणान। किष्ठ भिष्ठसा मुडाणा डेंड्सक मिस्सा मुडाणा डेंड्सक मिस्सा मुखान भागा सानुष्ट भेड़ वानावात किस्डिनिक्स एस ना। लाई विष्ठात तात्कात श्राधीनलात क्षत्र में किष्ठ वृद्ध श्राधन सार्का किसंडिनिक्स एस मार्का मिसंडिनिक्स प्रस्त मार्का किसंडिनिक्स क्षा मार्का किसंडिनिक्स मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स क्षा मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का किसंडिनिक्स मार्का मार्का

व्याप्त प्रशासिता अकरें काणि अवः अकरें प्रत्र यि सिलिसित्म एनात णिमि शांक अवः त्ररें प्रत्र रिःप्रा, सातासाति, कूनूस अवः व्यन्ता व्यणाणात रेट पृद्ध शांकात णिमि एम्छ्या रयः, उत्व कि व्यासता गंभीता जाति वर्षात्माणा कर्त प्रश्चित वा त्यः, कित्यत प्रका अर्थे व्यन्त रिःप्रा-वित्वस सानवप्रसाद्ध साथा प्राम्न पिद्ध अदं अवः अर्छ प्रायः वित्वत्यक्त पृष्टि पिद्ध यि विष्ठात कर्ता यात्र, यि वित्वकर्त कं कि वा एम्छ्या रयं उत्व प्रश्चा यात्र त्यः, अर्थे विष्ठित कर्ता यात्र, यि वित्वकर्त कं कि अर्थ अर्थे विद्या सानवप्रसाद्धक व्यक्त विद्या कित्य क्रिल्य विद्या कित्य क्रिल्य विद्या क्रिल्य व्यव्या राष्ट्र अर्थ अत्र प्रतिष्ठि अर्थ सानवप्रसाद्धत जात्रप्ता हिंद्म क्रिल्य व्यव्या व्यव्या विद्या क्रिल्य व्याचा क्रिल्य क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा हिंद्य क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा हिंद्य क्रिल्य व्याचा क्रिल्य व्याचा हिंद्य क्रिल्य व्याचा हिंद्य व्याचा व्यचा व्याचा व्

बर्रे वाकिसानिकानात उप्टिष्ट कर्त जाम्स मञ्जालता मकल सिल जानारत सानिकाना विद्याम त्वर्थ यि इनक्क भारत, उत्वर त्यिन सानवकारि भारत मिलाना विद्याम त्वर्थ यि इनक्क भारत, उत्वर त्यिन सानवकारि भारत मिलाज ज्यात ज्यात क्षित्र क्षाव्य क्ष

व्यक्तिमानिकानाष्ट्राष्ट्र येज व्यथकर्म अवः वर्वत्रजात मुने।

ব্যক্তিমালিকানার উচ্ছেদ করে আল্লাহর মালিকানায় যদি কোনো গোঠী এগিয়ে আসে তবে তাদের জয় সুনিশ্চিত এবং অর্থনৈতিক দাসত হতে মুক্তিও তারা সম্পূর্ণরূপে পাবে এবং সেই মানবগোঠীর সকলের মুখেই অর্থনৈতিক মুক্তির হাসি

यनित्रस डुर्ठरव्।

এই ব্যক্তিমালিকানার খপ্পরে পড়ে লাখো লাখো গরিবদের ফুটপাতের ধারে রাত কাটাতে হয় জীব-জানোয়ারের মত্যে, অথচ ধনীদের বাড়িতে যে মোটর গাড়ির জীবন বলতে কিছুই নেই, সেই গাড়িটারও থাকার জায়গা হয় দালানের একটি সুরক্ষিত কামরায়। এই ব্যক্তিমালিকানার খপ্পরে পড়ে ধনী লোকটি তার ছেলেপুলে নিয়ে নাস্তা খায় মাখন আর হালুয়া-কটি, আর অপর দিকে বিষ্তির কাদামাটির ঘরে, বৃষ্টি এলে ঝুপঝুপিয়ে জল পড়ে, তারই মধ্যে গরিব বেচারা পয়সার অভাবে চিকিৎসা করতে না পেরে কী করুণ উপবাস আর কী বক ফাটা শিশুদের কারা!

िर्किश्मा कर्ता नी शिद्ध की करूप उँभेवाम जात की वर्क काछा मिछ एकत काला! याटिक 'विक्र विक्र शिक्ष विक्

অপরাধের ক্ষমা নেই। আল্লাহ যেহেতু মনে করেন যে, এই অপরাধ তাঁর কাছে করা হয় নি, করা হয়েছে মানুষের উপর, সেই হেতু ক্ষমা করে দেবার প্রশ্ন প্র প্রতিশোধ নেবার প্রশ্ন উভয়ই নির্ভর করে তাদেরই উপর, যারা শোষিত এবং অত্যাচারিত হয়েছে।

যেহেতু শোষিত এবং অত্যাচারিত মানবদের উপর ক্ষমা অথবা প্রতিশোধ নেবার ইচ্ছাশন্তি প্রদান করা হয়েছে, সেই হেতু মানবজাতি যদি শোষক এবং অত্যাচারীকে ক্ষমা না করে তাদের বিরুদ্ধে জেহাদ করে প্রতিশোধ গ্রহণ করে, তবে আল্লাহ্র আইন মোতাবেকই ইহা করা হবে এবং এই শোষক ও জালেমের বিরুদ্ধে

দাঁড়ানোকেই আল্লাহ 'জালেমকে সাহায্য কর' বলে আহ্বান জানিয়েছেন।

हैं त्रमास व्यक्तिमामिकाना श्रीकात करत वर्ण याता कातान हरू छेद्वि शिंग करतन ठाएमत छेद्वि ठिममुट्टत सर्था व्यक्तिमामिकानात कथा है वना हराए कि ना शिंग ट्रंट प्रमासित छेद्वि ठिममुट्टत सर्था व्यक्तिमामिकानात कथा है वना हराए कि ना शिंग ट्रंट प्रमासित प्रमासित क्रिया है कि ना शिंग विद्या है कि ना छेटा विद्या विद्य

দু'একটি কথার সত্যিকার আলোচনা করা অল্প কথায় একপ্রকার অসম্ভব।

কোরান-এর এই জাতীয় আয়াতগুলিকে অসাম্য এবং ব্যক্তিমালিকানার পক্ষেদলিকপে দাড় করানো হয়। কিছু একটু গভীর ভাবে লক্ষ্য করলেই আমরা দেখতে পাব যে, ইহাদের অর্থনৈতিক অসাম্য এবং ব্যক্তিমালিকানার স্বপক্ষে দলিকপে মোটেই দাড় করানো যায় না। আয়াত তিনটির ব্যাখ্যা হলো : হে মানব, তোমাদেরকে তোমাদের পূর্ববর্তীদের উন্তরাধিকারীরপে পৃথিবীতে স্থান দান করেছেন এবং মর্যাদায় তোমাদের একজনকে অন্যান্যের উপর শুর্ভত্ব দেওয়া হয়েছে। এই 'মর্যাদা' কথাটির দ্বারা বৃদ্ধি, বিবেচনা, চিন্তাধারা, শারীরিক ও আধ্যাত্মিক শক্তি লাভ করাকেই বোঝানো হয়েছে। ধন-সম্পদের যে শুের্ভত্ব তথা একজন আর একজনের উপর অর্জন করে থাকে, সে কথা মোটেই বলা হয় নি। তার কারণ হলো, ধন-সম্পদের শুের্ভত্ব আল্লাহ কখনোই স্বীকার করেন না এবং ধন-সম্পদ্ উপার্জন করার শুের্ভত্ব কখনোই রবের দান হতে পারে না। এই আয়াতে 'আল্লাহ' শব্দের ব্যবহার করা হয় নি, ব্যবহার করা হয়েছে 'রব' শব্দ। রব কখনোই ধন-সম্পদের ব্যতিক্রমকে মর্যাদার কারণ হিশাবে গ্রহণ করতে পারেন না। ধন-সম্পদ্ ছাড়া শুের্ভত্ব লাভের অন্যান্য যে সকল উপায় রয়েছে সেওলোর কথাই এই আয়াতগুলোতে উল্লেখ করা হয়েছে এবং বিশেষ করে নফসের তথা চিত্রবৃত্তির শ্রেন্তত্বর মর্যাদাই এখানে বলা হয়েছে। কারণ এ মর্যাদাই রবের কাছে বিশেষভাবে গ্রহণীয়। মানুষকে তার রবের

উপार्জन ইসলামে হারাম।

यि सर्यामा श्रुवः (मुर्केव्युत क्या कातान घाषण कत्रष्ट उँराक्य वृद्धि, विव्वष्टना, চিন্তাধারা, শারীরিক ও আধ্যাত্মিক মর্যাদা ও শ্লেছত্বের কথাই বলা হয়েছে। এসব বিষয়ে মানুষের মধ্যে বিভিন্নতা এবুং গুণুগতু পার্যক্য যাকুবেই। যেমন ধরুন, রূহিম नामके একটি মানুষ অধ্যাপক, করিম ইনজিনিয়ার, মতিন ডাক্তার, আবুল শ্রমিক এবং সেলিম কৃষক। কর্মক্ষেত্রে এই পাঢ়জনের কাজ মোটেই এক নয়। কাজের বিভিন্নতা এবং গুণগত পার্যক্য এখানে স্পষ্ট ধরা পুডুছে। এই বিভিন্নতা এবং গুণগত পার্থক্য জীবন ধারণের বিভিন্ন সমস্যার উপর ভিত্তি করেই প্রতিষ্ঠিত হয়েছে এবং যতদিন মানবঙ্গীবনে বিভিন্ন সমস্যা থাকবে ততদিন কর্মেরগু বিভিন্নতা থাকতে বাধ্য। এবং যতদিন কর্মেরু বিভিন্নতা থাকুছে ততুদিন মর্যাদা গু শ্রেষ্ঠত্বের প্রশ্নগু থাকবেই। যে কোনো একটি কাজের কথাই ধুরে বিবেচনা করলে আমরা দেখতে পাই যে সেই কাঙ্গের বিষয়ে একজন প্রচুর অভিজ্ঞতা এবং অনুশীলন করার ক্ষমতা রাখে, পক্ষান্তরে অপর একজন সদ্য সেই কাজে যোগ দিয়েছে। এই দু'য়ের মাঝে উণ্গত পার্থক্য থাকবেই এবং থাকছে। এই দুয়ের মর্যাদা এক হতে পারে না। কারণ, মুর্যাদার দিক দিয়ে এখানে একজন শিক্ষক অন্যন্তন ছাত্র। সে রক্ষভাবে সমাজ জীবনের বিভিন্ন সমৃস্যার অভাব পূরণ করতে গিয়ে এই পাঁচজনের পাঁচ রক্ম কাজ করতে হচ্ছে। এই পাঁচ জনের পাঁট রকমের কাজের মধ্যে কোনো মিল্ নেই। এক-একজন এক-এক রকম সামাজিক সমস্যার দায়িত পালনে রত, কিছু এই পাঁচজনকৈ যদি একসঙ্গে বুসিয়ে পাঁচজনের হাতে একটি করে ঝাল মরিচ হাতে দিয়ে খেতে বলেন, তবে পাঁচজনেই ঝাল লাগছে অথবা মুখ পুড়ে যাছে বুলে একই রক্ষ त्विमनात कथा व्यापनात्क कानात्व। अष्ट प्राप्तकत्नेत मेर्स्य किन् मृतिष्ठ श्वरत मिर्फि नागष्ट तनत ना। जात कातप की? कातप रला क्रितिक श्रद्धाऋतित (বায়োলঙ্গিক্যাল নিডের) বেলায় সবাই সমান বেদনা এবং আনন্দ অনুভব করে তথা

किर्विक श्रुद्धाञ्चलत द्वनाय मुवार मसान। शिष्टू (भटन मवार श्राट छारेदव अवः बशाल विভिন्न कार्य तठ नैाछकल बकर किनिएमत कना ममान অভাব অनुভব कत्रष्ट। रूमनाम बर विভिন्न क्र्स्त्र तठ भाष्ठकलत राशाल बकर तुकम অनुভव, সেখানেই রেখেছে সাম্য। অর্থাৎ ফৈবিক প্রয়োজনের বেলায় যেহেতু বিভিন্ন কার্যে রত পাঁচজন একই রকম অভাব অনুভব করছে, সেই হেতু ইসলাম জৈবিক প্রয়োজনের तिनाश त्रवाहरक त्रामावारमत भिक्रा धर्ण कंतुर्ज् वित्निषछात्व छक्नज् मिरसर्थ अव्ध ইসলাম এটাও ঘোষণা করে দিয়েছে যে, এই জৈবিক প্রয়োজনের বেলায়, সুবাই याখाल त्रमान व्यनुख्त कता श्राप्त व्यनामा शाकरा भारत ना अवः अहे रिक्रिक প্রয়োজনের বেলায় যারা অসাম্য তৈরি করতে চায় তথা বৈষম্য রাখতে চায় তারাই তাওত পুজা করে, তুথা কলুষ্তি বস্তবাদের (কোরাপট্রেড মেটিরিয়ালিজম) গোলামি করছে এবং ইহাই কুফরি জিন্দেগি এবং এদেরকে ইস্লাম কাফের বলে ঘোষণা করেছে। জৈবিক প্রয়োজনের বেলায় বৈষম্য তৈরি করে মর্যাদা এবং শ্রেছতের कथा कन्नना कताँ छ। अधना अथताथ वर्टन देंत्रनाम वात् वात् उपरम्भ हिर्छाटेश। ভাতের বাসনে পাঁচজন খেতে বসলে একুই রক্ষ এবং একই পরিমাণ না খেলেই যে অসাম্য হয়ে গেল তা নয়। বিভিন্ন কর্মে নিয়োজিতু এই পাঁচজনের খাটুনি একই রকুম হতে পারে না। মাটি যে ব্যক্তি কাটে এবং যে ব্যক্তি বসা কান্ত করে, উভয়ের খাটুনি সমান নয় বলেই খেতে বসলে উভয়ের সমানই খেতে হবে, এ রকম কল্পনার সাম্যিও ইসলাম প্রচার করে নি। খাটুনি অনুযায়ী যার যতটুকু অভাব পূর্নের প্রয়োজন ততটুকুই শুধু তাকে দিতে হবে এবং ততটুকু তাকে প্রহণ করতে হবে। যেহেতু জমা কুরাটিটি জাহান্নামের আণ্ডন, সেই হেতু জিন্ধা করে রাখার প্রশ্নই আসতে পারে না। খिलका আবু বকর, গুমর, আলি, মায়ীজ ইবনে জাবাল, আবু জর গিফারি - এই महामाना मोहावातां निक्रांप्तत वांक्रिया क्रीवनधात्रपत देवनारी अवः व्यत्नक ममरा এমন কঠোর সাম্যনীতি অনুসরণ করছেন, যা যুগে যুগে মানুষের কাছে দৃষ্টান্ত হয়ে থাকবে। খুলিফা ওমর যেভাবে জালুলার যুদ্ধে পাওয়া কাপড় জনসাধারণকে ভাগ করে দিয়েছিলেন তাহা আজকের যুগৈ কল্পনার সাম্যের মতোই মনে হয়। খলিফা আবু বকর মদিনাতে যখন কোনো এক যুদ্ধে পাগুয়া সুম্পদ এলো, তুখন তিনি সেই সম্পদিকে সমানভাবে ভাগ করে দিলেন। বড়-ছোট, দাস-দাসী, নারী-পুরুষ স্বাইকে দিলেন সমান ভাগ। এতে আপত্তি করেছিলেন কেন্দ্র এবং বলেছিলেন, र्षेत्रुलाम याता व्यारा श्ररण करत्र एक छार्प्रत छागरी व्यवादकम कृता स्टाक्। कि খলিফা আবু বকর বন্তুকণ্ঠে এর বিরোধিতা কুরে বললেন, এটা হলো জৈবিক প্রয়োজন তথ্যী খাদ্যু সংক্রান্ত ব্যাপার - মুর্যাদাভিত্তিক ব্যবহার এই ব্যাপারে হয় না। এ রকম অবিশ্বরণীয় বিশ্বয়কর বহু ঘটনার সমাবেশ আমরা দেখুতে পাই দেড় হাজার বছর আগে যখন বর্বরতার যুগ তার ডানা মেলে অনেকাংশে বিরাজ করছে। সেই যুগে সেই পরিবেশের ভুয়ঙ্করতের মধ্যে সহসা এ রকম শিক্ষা ও মানবতার বাণ্ডী গুনি সাহাবাদের কর্চে ও ব্যক্তিগত জীবনে। এ রকম হাজার হাজার মানবতার বাণী আজ্ঞ পুরনো পুঁথির পাতায় লিখা আছে, কিন্তু তার আদর্শ গু শিক্ষা, আজকের मुजनभानोरेन संस्थे जिंहै चुलहै का अठ नाष्ट्रना जात जनभान।

्रेमलाम त्लाता व्यर्वेनिकि भूत्याभवावमा हित्य याय नि। त्यात्रकू रॅमलाम व्यर्वनिकि भ्रत्याभवावमा हित्य याय नि त्रर्रे त्यू रॅमलाम अकि भूपान जीवन विधान। यि रॅमलाम व्यर्वनिकि भ्रत्याभवावमा हित्य त्याका कर्ति भूपान जीवन विधान। यि रॅमलाम व्यर्वनिकि भ्रत्याभवावमा नित्य त्याका कर्ति क्रांच हित्य त्याका कर्ति कर्ति कर्ति क्रांच क्रांच विधान व्यव्यान कर्ति कर्ति कर्ति विधान विध

ব্যবস্থাপত্র দিয়ে যায় নি, সেই হেতু কোরান-এর বাণী সর্বকালের জন্য চিরন্তনরূপে বিরুদ্ধি করছে এবং সেই হেতু কোরানু প্রতিটি বিষয়ের মূলনীতি দিয়ে গেছে এবং

সেই হেতু সর্বকালের জন্য ইসলাম একটি পূর্ণাঙ্গ জীবনবিধান্।

रेर्रि गंकित अक्षे वार्राशा (एवार श्रीसांक्रव मता करिष्ट। भीतकाकरत व्यमव विद्यान्न पाठकणात श्रणीक अवः श्रणिमकत्त्व वार्षात्र करा रस्न, ठिक (नर तक्मणात रर्षा निवान करा व्या करा व्या करा व्या अवः अतः अतः अति अवः ति अण विक्रणीव श्रणीक अवः श्रणिमकत्व श्रणि अण वार्षा करा श्रणिक अवः अति अण वार्षा करा वार्षा अवः अतः अति अण वार्षा करा वार्षा व

येषि त्वर ध्रकान्तर अरे व्याग्नाटिक विक्रमानिकानात कित्क नागाळ हान ठा राम अरे मानिकाना वाक्रिमानिकाना नग्न। रेरा भन्नत उपत मध्य मानविज्ञाठित मानिकाना वा व्यक्षिकात त्वावाग्न। वाक्रिमानिकानात त्वावाग्न वा व्यक्षिकात त्वावाग्न। वा व्यक्षिकात त्वावाग्न मान्य वाम्य व

ग्राता कि कुछ श्रव बा?'

सानुषरके পশুর উপর কর্তৃত্ব করার অধিকার আল্লাহ দান করেছেন। তাই মানুষ পশুর উপর কর্তৃত্ব করতে পারে। ইহাদের উপর আরোহণ করে, মাংস খায় ইত্যাদি। যদি মানুষকে পশুর উপর মালিকানা অর্থাৎ অধিকার ও শ্রেছত্ব দান না করতেন তা হলে পার্ষিব জীবনে মানুষ পশুকে আপন ব্যবহারে আনতে পারতো না এবং পশু মানুষের বাধ্য থাকতো না। সে তার অধিকত্বর শারীরিক শক্তি দ্বারা এবং বৃদ্ধি বেশি দেওয়া হলে উহা দ্বারা হয়তো মানুষের উপরই কর্তৃত্ব করতে চাইতো। পার্ষিব জীবনের এরপে শক্তিদানের নমুনা হতে মানুষের বোঝা উচিত যে, আল্লাহকে এক্ষাত্র ইলাহ-রূপে (অর্থাৎ কঁঠা, নেতা, অধিকারী রূপে) গ্রহণ করতে পারলে -অর্থাৎ দ্বীনের মধ্যে - আল্লাহ মানুষকে সারা সৃষ্টির উপর পূর্ণ কর্তৃত্ব দান করবেন।

পার্ষিনু জীবনে পশুর উুপর কর্তৃত্ব দীন উহারই একটি নমুনা মীত্র।

এই আয়াত তিন্টি পরবর্তী আয়াতসমূহে কোরান যৈ ভাবধারা অঙ্কন করেছে ठा निश्लक्ष : भार्स्वकीवत्न सानूष व्यान्नारेक एष्टरः व्यनग्रना रेनूात माराया मक्सान করে এবং অন্যসব ইলার সাহায্য লাভে চৃপ্ত হয়ে থাকে। কিন্তু পরিণামে দেখা যাবে যে, আল্লাহ ছাড়া অন্য কেউ তাকে সাহায্য করতে পারে না, অথচ দুনিয়ার জীবনে व्यत्नेक "रैनात त्राराया निरसर प्र ठात कीवनयायन करते शास्त्र। ठार मानुषस्क সাবধান করবার জন্য আল্লান্থ বলছেন যে, এ বিষয়ে কোরান কোনোরূপ কবির কল্পানাপ্রসূত একপ্রকার সাবধান বাণী নয়। কাজেন্থ যুারা জাগ্রত গু জীবন্ত তাুরাই কেবল উপদেশ লাভ করে সাবধান হবে প্রকাল ও দ্বীন সম্বন্ধে। আল্লাহ পাকই যে মানুষের জন্য একুমাত্র সাহায্যকারী একুং সৃষ্টির উপর কুর্তৃত্বদানকারী, তার্ই একটি नमुना पुनियात किर्मिश्लिष्ट जिनि एमिश्लिष्टन गृश्यानिर्ज अञ्चत्र उपतं कर्ज्यमात्नत কথা উল্লেখ করে। কাজেই ব্যক্তিমালিকানার কোনোরূপ প্রসঙ্গই ইহা নয়।

कार्तान-वर व्यत्वक वाराक वालार वर्णन, 'वामरा काराकुं दिश्गिव छ्या অফুরম্ভ রেজেক দেই এবং কাহাকেও আমুরা তার রেজেক নির্দিষ্ট করে দেই। আল্লীহর রেজেকের অর্থ যে কেবলমাত্র পার্থিব ধন-সম্পূদকে বোঝানো হয়েছে তা মূর্নে হয় না। বেহিশাব তথা অফুরস্ত রেজেক দান করেন ইহা কোরান-এরই ঘোষণা। যদি ধরে নিলাম আল্লাহর রেজেক বলতে একমাত্র পার্খিব সম্পদকেই বোঝানো হয়ে থাকে, তবে আল্লাহ তাঁরু বেহিশাব রেজেক দেুবার অপ্রতিহত ক্ষমতা হতে মানুষকে জানোয়ার বানবার কমিউনিজ্মের দেশে বঞ্চিত হয়ে পড়েন। ধরে নিলাম সারা পৃথিবীতে যদি কখলো সাম্য প্রতিষ্ঠিত হয় এবং সেই সাম্য ধর্মসহ অথবা ধর্মনিরপেক্ষ অথবা যে কোনো রকমেই সাম্য প্রতিষ্ঠিত হোক না কেন, উহাতে আল্লাহ তাঁর

বেহিশাব রেজেক দেবার ক্ষমতা হতে কি বঞ্চিত হয়ে পড়েন না? 'বেহিশাব রেজেক' অর্থে যদি দুনিয়ার সম্পদকেই বোঝানো হয়ে থাকে তা হলে প্রমন কোনো ব্যক্তি আছেন যার ধনের ব্যবহার বিধির উপর আল্লাহ 'হিশাব' তথা কৈফিয়ৎ করবেন না? আল্লাহ প্রত্যেকের ধনের ব্যবহার বিধির উপর পাই পাই করে হিশাব নেবেন বলে অনেকবার আমাদেরকে জানিয়ে দিয়েছেন। কিষ্কু য়েখানে व्यानारत तोर्रमात धन-त्रम्भू प्रतात कथा तमा रखाए त्रभात व्यातात रिमात চাইবার প্রশ্ন উঠলে কি আঅবিরোধী ভাবধারার সমাবেশ হয়েছে বলে মনে হয় না,

यि पुनिशाते अकुशाब धन-मन्भिष्टक्ट 'আল্লाহর রেছেক' বলে ধরে নেই?

यि ধরে নেই যে, একমাত্র দুনিয়ার ধন-সম্পদ্ধ আল্লাহর রেজেক, তা হলে প্রশ্ন আসবে, আল্লাহ এই ধন-সম্পদ্ধ কাহাকে বেহিশাব (?) দিলেন অথবা দিচ্ছেন অথবা (एउया रखाएँ? यिन धरत लारें, श्रीवरीत वर्ज वर्ज धर्नीएत एउया रखाएँ जा रखा 'या क्रमा करत धन-जन्म बवः छुट्टा व्यट्ट त्रांश' जात क्रना उग्नारेन नामक नतकत অাণ্ডনে জুলতে হবে বলার মাঝে কি আঅবিরোধী ভাবের সমাবেশ হয় না? অথবা 'সূঁঁচের ছেঁদা দিয়ে উট ঢুকে যেতে যতুটুকু অসম্ভব বলে মূনে হয় তার চেয়ে অনেক र्तिमि व्यत्रष्ठत रत्व अकक्रने धनवान वाकितै त्वारहस्त्र एगका' वनात मात्य कि अधाना আপনি স্পর্ট আমেবিরোধী ভাবের সমাবেশ পাচ্ছেন না, যদি আল্রাহর রেজেক বলতে একমাত্র দুনিয়ার ধন-সম্পদকেই বোঝানো হয়ে থাকে?

पुनियात धर्नी लाक यु त्रम्भूष्मानीं है स्टाक ना त्कन जात त्रम्भूष कथला त्वरिमाव হতে পারে না। তা ছাড়া বেহিশাব রেজেক বলতে যদি দুনিয়ার ধন-সম্পদই হয় তবে এমন একটি ব্যক্তি কি দুনিয়াতে আপনি দেখাতে পারবেন যার ধন-সম্পদের হিশাব নেই? বর্হ্ন নিশ্যুই তার ধনের হিশাব-নিকাশ আছে এবং তা পরিমূত ও স্থান আর কালের সীমায় আবদ্ধ। সুতরাং উহা বেহিশাব তথা অফুরম্ভ মোটেই নয়। কোনো

वाकि वित्मस्यत कथा क्या व्याप्रक्ष्य भारत ना, वतः प्राता पृथिवीक कर्णूकू ठाउँन, वस देराहि दृष्ट ठात्र हिमावधाना व्याक्र त्वतं विक्रालित युग व्यासता क्षांस रे धवरतं काणक एक्या पृथिवीक कर्णूक् ठाउँन, वस देराहि धाम्यम्य क्षांस निक्रानिस क्षांस एक्या भित्र क्षांस प्रात्म प्राप्त प्रम्पेष विद्या कि विक्रानीस कि निप्त विक्रानीस विक्रानीस विक्रानीस विक्रानीस विक्रानीस व्याप्त क्षांस विक्रानीस व्याप्त व्याप्त क्षांस विक्रानीस व्याप्त विद्या स्वाप्त क्षां विक्रानीस व्याप्त विक्रानीस विक्रानीस विक्रानीस व्याप्त विक्रानीस व्याप्त विक्रानीस विक्रानीस विक्रानीस व्याप्त विक्रानीस वि

ठैत बान्नारत दिव्हक वनळं की त्वाबाला रख्यः अथवा बान्नारत दिव्हक

कारक वर्ताः अके कथाय बालारत ध्वावित्क द्वाक्रक वना रय।

रॅमलास काकाठ विषयात व्यात्नाप्रना

अवात जामता क्लातान-शिम्ट्र उन्निश्चिण क्लानाण विषयणित उभ्रत प्रश्करण जालाकणाण करावा। प्राधातम मुगलमान नात्म याता प्रमाद्धत वृत्क भिर्तिष्ठिण जात्मत कथा क्ष्रा विषय क्लिंग क्लिं

শতকরা আড়াই টাকাকে কোৱান-হাদিস কোথাগু জাকাত না বলে 'সাদকা' বলেছে। যেখানেই সম্পদের উপর করদানের প্রশ্নু, সেখানেই কোরান-হাদিসে 'সাদকা' শব্দটি ব্যবহার কুরা হয়েছে। অনুবাদকারীদের মধ্যে এই শব্দ-পরিবর্তন विरम्बर्णात नक्षा कतात विषय। क्वातान मैतिक छाष्या कतत्व ख, रक्षत्र नुठ, रुकत्र रेतारिस अवः প্रত্যেক निवर काकाण मिखाष्ट्रन। अथन श्रम रेला, रुकतेण नुळत क्रबों व्याक खट्क वर वर्षत व्याए। व्यवप्रावप्र विवता ळा व्यातेष्ठ वर पुतालव। रैंजिरानरें तनार, मान कराक राजात तहत जाएं नपातिनिमग्न श्रेण ज्या तीत्रणत निमटिम ज्या अल्लाटर्क्षु ज्यत करमाद्विष्टि हिन् अतः अर्थे श्रेष्टनन तम तिर्द्रहिन मानवनमात्मत वुर्ते পतिष्ठिण ष्टिल। किष्ठ পण्यविनिमय श्रेयात व्याणित देणिरात्र আমরা দেখি আঁদিম সাম্যবাদ। এই আদিম সাম্যবাদ কয়েক হাজার বছর আগেই ছিল। এখন বিরাট প্রশ্নটি হলো, যখন প্রসার্ত প্রচলন ছিল না এবং পণ্যবিনিম্য প্রথাগু ছিল না তখন কোৱান-এ বর্ণিত নবিৱা কোন জাকাত দিয়েছেন, যদি জাকাতের অর্থ একান্তই মাল গু শতকরা আড়াইভাগ অথবা টাক্যু বলে প্রচার করা रला? अट्ट कि व्याच्यितिताधी क्यात त्रभारतम् रहा ना? छटत कि मुस्हरा व्यालम ভাইয়েরা সোনার পাথরের বাটি এখানে খুঁজে পাচ্ছেন না? তবৈ যে সমস্ত তেলেসমাতি গরেষকরা 'ডক্টরেট' মুগু গুলায় ঝুলীবার লোভে সিক্ত, তারা হাতিটাকে নদুতি টেনে হেচরিয়ে ফেলে দিয়ে, নদীর রচনায় গবু দার্শনিকদের মতো ভাবগম্ভীর পরিবেশ সর্ঘি করে পাণ্ডিত্যের বমি উদর্গীরণ করে। এই বমির গঙ্কে সমাজের সহজ, সরল, কাঁচা গলা মোমের মতো মানুষ্ণুলোকে এমনিভাবে আফ্রান্ত করে ফেলে যে, এরা আরু সূহক্ষে কোনো প্রতিষেধক প্রমধ পায় না। আর যদি একান্ত প্রমধ মেলেই, তবে সেই গ্রষধে প্রাণ বাঁচলেগু, মরলে জাহান্নামে যেতে হবে বলে তেলেসমাতি গবেষকেরা ভয় দেখিয়ে ফেলেছেন। মরে যাও তাতে কোনো দোষ নেই, কিছু এই জাতীয় প্রষধ খেয়ে বাঁচাও মহাপাপ বলে আশা দিয়েছেন তেলেসমাতি গবেষকবৃন্দ।

তার্পরের প্রশ্নটি হলো, প্রত্যেক নবিই যদি জাকাত দিয়ে থাকেন এবং জাকাতের অর্থ যদি মাল ঐ আড়াই টাকা হয়, তবে প্রথম মানব হজরত আদম (আ.) কাকে জাকাত দিলেন? বিবেককে আর ফাঁকি না দিয়ে এই প্রশ্নটির উত্তর দিবেন কি? কোরান বলছে, আল্লাজিনাহম লিজ্জাকাতে ফায়েলুন - অর্থাৎ 'তারা (বিশ্বাসীরা) সদা-সর্বদা জাকাতের জন্য কর্মতৎপর থাকে। যদি জাকাত বলতে টাকার অথবা মালের ট্যাক্স বোঝায় তা হলে যে জাকাত দিচ্ছে তার আর সব সময় জাকাত নামক ট্যান্ত্র দেবার মধ্যে ডুবে থাকার প্রশ্নই আসে না। তা হলে সে অথবা তার পক্ষ হয়ে কেউ বাংস্ত্রিক আয়ের হিশাবটা কিছু সময়ের মধ্যে করেই চুকিয়ে দেগুয়া যায় এবং বছুরের বাকি সময়টা নানা বিষয়ের উপরু সহঙ্গেই মনোয়োগ দিতে পারবে। সুদা-সর্বদা জাকাতের জন্য কর্মতংপরতায় নিমক্ষিত থাকার প্রশ্নুই তা হলে এখানে উঠতে পারছে না। বিশ্বাসী হবার যে সংক্রা কোরান দিয়েছেন তার মধ্যে এটিও একটি প্রধান শর্ত যে, বিশ্বাসী জাকাত দেবার জন্য সব সময় নিজেকে নিমন্জিত রাখে। যদি জাকুতে বলতে ট্যাক্স বোঝায় তা হলে ধরে নিলাম, একটি গরিব মানুষের সেই গুণটির সম্পূর্ণ অভাব আছে এবং যেহেত জাকাত প্রদান করাটা বিশ্বা**স**িবলে গণ্য रवात कना बकिए जनाउस क्षरान गर्ज लिए द्वरू त्र विश्वामी र्वात गर्ज रूट् कि বঞ্চিত হয়ে পড়ছে না? যদি জাকাত বলতে 'গরিবের জন্য খাজনা' বলে ধরে নেই তা रटल काज्ञान-ब अकर कथाक वाज वाज वलाज भाव्य कि व्यविक्रानिकठाज व्यथवा गरुभित्वत পति एस त्यादा ना? 'त्रावाज' ज्या नामाक त्रकत्वत क्रना व्यवमा भावनीस, অথচ 'জাকাত'- কে বলা হয় শুধু মাত্র কিছু সংখ্যক লোকের জন্য। তাই নয় কি? তা रल किसन करत अर्थे पुर्छा गर्क विकाननेन्ने छाति मुकलब क्रमा वात वात वास्म এবং সতর্ক থাকার জন্য একই সঙ্গে বসানো হলো, যদ্ভি একটি আদেশ শুধু কতকের জন্য হয়ে থাকে এবং অন্যটি সকলের তরে? এ রকম অবৈজ্ঞানিক শব্দচয়ন কোরান-

बत काषाछ तिहै। बात यि बकान्नहें 'गितित्वत क्रमा शाक्रमा'-क कातान-बत काकाल वर्त भरत तिहै जा हर्त मध्य कातान-बत छावधाता छ पर्मत्वत मार्य वाद्मविद्धाधी छात्वत ममार्वम एप्या याग्न, किष्ठ कातान-बत काषाछ बाद्मविद्धाधी अकि छैकि तहें। व्यावात छूट्यत क्रमारे बाद्मविद्धार्थत क्रमा हरा। बाद्मविद्धार्थ मत्वत मर्था व्याव्यविद्धार्थत कर्त्वहें वाम्रता बक् हें बाद्मविद्धार्थत कर्त्वहें वाम्रता बक् हें मामर्क क्रमां करत क्रमहें। मत्वत बहें वाद्मविद्धार्थत कर्त्वहें वाम्रता बक् हें मामर्क क्रमां वाद्मविद्धार्थत कर्त्वहें। बार्या मत्वत व्याव्यविद्धार्थत कर्त्वहें। वाम्रता व्याव्यविद्धार्थत कर्त्वहें। वाम्रता व्याव्यविद्धार्थत कर्त्वहें। वाम्रता वा

তা হলে জাকাতের কোরান-ই অর্থ কী? খুবু সংক্ষেপে উত্তরটি হলো, মানুষ আল্লাহ হতে যা কিছু লাভ করে যথা ধন-সম্পদ, বিদ্যা-বৃদ্ধি, চিন্তা-ভাবনা ইত্যাদি চিত্তবৃত্তির সর্বপ্রকার ভুগাবিল সুকল্ই আল্লাহর দান। আল্লাহর এই সমস্ত দান ত व्यव्यविद्याल राज्य निक्र है अर्थ कतात नाम रला क्राकार। ठाइ मानूत्यत या কিছু আছে তা আল্লাহর সেবায় নিয়োগ করা ফ্রঙ্গু তথা অবশ্যক্র্তব্য। তারই দেওয়া চিষ্টা-ভাবনা ৪ ধন-সম্পদ তাঁরই সেবায় তাঁরই নির্দেশ মতো উৎসর্গ করার নামই হলো জাকাত। মানবীয় আমিত ৪ আপ্ন ভাবধারা আল্লাহর নিকট বিলিয়ে দিতে হয়। আমিতৃকে निष्मत মাঝে রাখলে তার সঙ্গে সংযোগ হয় না। তাই আমিতের উৎসর্গ তাঁরে সঙ্গে সংযোগের জন্য একান্তই প্রয়োজন। এ জন্য লক্ষ্য করবেন, জাকাত क्यांप्रि कातान मतिरक श्राय्रे जानाळत् जस्त्र मिनिरय श्रकाम कता रखिष्ट। रयमनः 'গুয়াকিমুস সালাতা গুয়াতৃজ্ঞ জ্ঞাকাত' অর্থাৎ 'কায়েম করো (পড়তে বলা হয় নি তথা একরা সীলাত বলে নি) সালাত এবং দাও জাকাত।' সালাত শব্দের যত রকমেরই व्यर्थ कता त्यांक ना किन, व्यामत्म मामाळत व्यर्थ रत्मा व्यानारत मत्य मध्याभ-প্রচেষ্টা। আল্রাহর সঙ্গে সংযোগ করতে গেলেই মানবীয় আমিট্রের বিসর্জন প্রয়োজন रश। এ জন্য आंग्रेर সালাত এবং জাকাত একত্র করে উল্লেখ করা হয়েছে। মুসলিম রাষ্ট্র এই সাদকা খাজনারূপে আদায় করতো এবং এই খাঁজনার নাম ছিল্ জীকাত। এই সাদকাকে জাকাতরূপেই সকলে মনে করে আসছে। আর এই একই কারণে কোরান শরিফের জাকাত অর্থ ভুল করে সাদকার ভাবধারাতে গ্রহণ করার অভ্যাস চলতি হয়ে গেছে। যার ফলে কৌরান-এর অর্থের মিল পাগুয়া খুবই কঠিন হয়ে

तत्रात्ना रग्न नि

প্রবার আমরা আলোচনা করবো 'ফরায়েঙ্গি আইন' বিষ্য়ে কোরানু কি বলছেন। আলোচনার আগে বলে রাখা ভালো যে. এই 'ফরায়েজি আইন' বিষয়টি এম্নভাবে ঘোলাটে ও জটিল করে ফেলেছেন শ্রুদ্ধেয় আলেম সমাজ যে তার তুলনা নেই। ব্যক্তির সঞ্চিত ধন-সম্পদ কীভাবে ব্যক্তিটি মারা গেলে বণ্টন করে দিতে হবে তার বিধি–ব্যবস্থাকে বলা হয় ফরায়েজি আইন। পুত্র-কন্যা, আত্রীয়-স্কুন, প্রার্থী– অপ্লার্থী কীভাবে সেই ুমৃত ব্যক্তির সম্পদ পাবে সেটীই বলা হয়েছে। প্লার্থী ও অপ্লার্থী বলুতে এখানে মৃত্ ব্যক্তির অনাত্মীয়দের ক্থাই বলা হয়েছে, তথা যারা এক কথায় গরিব এবং অভাবী তাদেরগু সেই সম্পদের উপুর হক আছে এবং এই হককে কোনো ক্রমেই অম্বীকার করা যায় না। আর অম্বীকার করা যায় না বলেই শ্রুদ্ধেয় আলেমেরা মহাফাঁপড়ে পড়লেন। যদিও এই বর্ণ্টনব্যবস্থা কেন এবং কতদিনের জন্য फिछशा राला त्मरे भूनमुद्धेत मत्म **अत्क्**वाद्धरे मभाक्रत्के भित्रिणानिल ना कद्धरे अवः উদ্দেশ্যমূলকুভাবে বীদ দিয়েই তারা বিরাট ফাঁপড়ে পড়ে যান। তারা দেখতে পেল যে, যদি গরিবু এবং অভাবীদের হককে সেই সম্পদের উপুর স্বীকার করে নেওয়া হয় তা হলে তারাই মৃতব্যক্তির ধন-সম্পদের কিছু অংশের অধিকারী হয়ে যায়। তাই সব কিছু ভেবে-চিন্তে দেখার পর শ্রদ্ধেয় আলৈমরা এক চমৎকার ফন্দি আবিষ্কার করলেন। সেই ফন্দিট্রি হলো, মৃত ব্যক্তির ধনু হতে কিছু খাদুদ্রেব্য গরিব আর <u> অভাবীদেরকে দিয়ে দিতে হবে। তা হলেই গরিব আর অভাবীদের যা হক তথা</u> পাবার ছিল তা সম্পূর্ণ মিটিয়ে দেগুয়া হলো। চমৎকার শ্রুদ্ধেয় আলেম ভাইদের **कळाशा**!

ब तक्स शात्रा शात्रा कळाशा ित्य ित्य ित्य वात्यत नित पाति कतात प्रम मुक्त्य वालस्मता हैनमास्मत अक प्रतः जिन कृष्ट्रि छत छानित त्मवान शित्य पित्यष्ट्रिन। व्यात हैनमास्मत शात्य अछ छानित कासात वाहात प्रत्थ त्राक्तात शात्य शात्य अछ छानित कासात वाहात प्रत्थ त्राक्तात शांकात स्वा कर्ता। अहे मुक्त्य व्यात्यस्मता हैनमास्त व्याक्षक्र क्रत्छ शित्य सिशान शिष्ट्र त नस्त्र त्राप्त्र शित्य क्रित्य क्

र्राट्ट्रि मृठवाकित मिक्छ धन-मन्नम वर्णन कतात वावशा हैमनाम मिख्रिष्ट मिहे द्र्यू वाकिमानिकानात श्रीकृष्टि আছে वल्महें म्निफ श्रमानिक हक्ष्म अवः अहें श्रीकृष्टिक नित्रित्म मत्न वित्वक्क कांकि ना मिख्र विष्ठात कत्रल स्मतन नित्यहें हत्वे त्य, वाकिमानिकाना हैमनास আছে।

यार्ट्य हैं त्रनाम तैलाष्ट, ठूमि या शां अ भूतिधान कत हैं हा छामात मात्र-मात्रीरमत्रके मिछ हत, ज़र्हे रहे मात्रश्चात भीकृष्टि खाष्ट तलहें ऋषे श्रमाणिठ हक्ट ब्रवः ब्रहे भीकृष्टिक नित्रक्षक्र मत्न वित्वकक्त कांकि ना मिखा विष्ठात कत्रल स्मातन निटाइ हत्त या, मात्रश्चरा है तृनास खाष्ट्रा

यार्ट्य 'मामश्र्या हमास लहें' तल श्रीताम करत मत्म मत्म तमास या अशाल माम-मामीत छेपत या तात्रशातिक जाम्म तयाष्ट्र तम जाम्म मर्तकालत छना जाम्म नम्मीत छेपत या तात्रशातिक जाम्म तयाष्ट्र तम जाम्म मर्तकालत छना जाम्म नम्भीत का प्रति विवृष्ठि ना श्रष्ट उठिमन पर्यष्ठ अहे जाम्म मामितिकाल वार्तिकाल वार्तिक

वाकित मिक्ट धन-मन्माप्तत वर्षनवावश्राणि यां कातान-भ प्रभुशा रखाष्ट छैं रा याक कार्याश भवः यार्ट्य माम्रथा हानू याका व्यवशा माम्पत छेमत की की तक्ष वाह्य कता रत छैंरा वल प्रभुशा रखाष्ट, त्र रें द्र्यू धन-मन्मम यहिन वाक्रित राक्ष क्षा थाकात क्ष्या हानू थाक्रत छुछिन त्र राक्षित स्पूरत मत व्यवगुर वर्षनवावश्राणि थाक्र रत भवः त्र रहे रूट्य छुछिन वाक्षित वाक्ष श्रीकृष्ठि थाक्ष वाक्ष याक्ष माम्प्रभ वाक्ष वाक्ष याक्ष वाक्ष याक्ष वान्य थाक्ष वान्य याक्ष वान्य वान्य

পদ্ধতিকে উপেক্ষা করতে পারেন না।

ইস্লামে কোনো সাম্প্রদায়িকতার প্রশ্ন তো উঠতেই পারে না, বরং এর সম্পূর্ণ বিরোধিতাই করছে। কোরান এবং হাদিস শরিফ হতে তন্ন তন্ন করে খুঁজেও যদি আপনি একটিমাত্র প্রমাণগু দাঁড় করাতে পারেন যে, রহিমের ছেলে করিম্কৈ ইসলাম सुत्रलसान तरलए अत्र तास्त्रतं एएल गासरक रत्रलास रिन्दू तूरलए, एरसत एएल হ্যারিকে ইসলাম খ্রিস্টান বলৈছে, ইহদির ছেলেকে ইসলাম ইহদি বলেছে - তা হলে আমি মেনে নেব যে, নিশ্চয়ই ইসলামে সাম্প্রদায়িকতা আছে এবং তাু যত ক্ষুদ্র আকারেই প্রাক না কেন। কিন্তু অবাক হবেনু, ইসলাম এরপে অশোভন উদ্ভি কোথীও करत नि। हेमलास सूमलसान हैवात मन्छा दिखाएड अवर अहे मन्छात वाहरत याता ठाएमतरक सूमलसान वला रहा नि। व्यथि सिथात भारामु दिखा अवर वानारहाएँ वर्गाशात क्षेत्रीशिष्ट्र हिं अतिरवसन करत यूर्ण यूर्ण अवात र्रमनाभरक किष्टू लारकत ব্যক্তিগত ইসলামে পরিণত কুরে রেখেছে। যারী ইসলামের সত্যসুন্দর রূপীট্ট ধরতে পেরেছেন তারা এসব সংকর্ণিতা দেখে এ পথ ছেড়ে সুফিদের মধ্যে আশ্রয় নিয়েছেন এবং অনেকে রাজশক্তির প্রবল বাধা আসতে পারে বলে বাধ্য হয়েছেন। এদের সঙ্গে আগড়া করে এবং কলম না চালিয়ে আঅদুর্শনের সাধনার রাজ্য সুফিবাদের মধ্যে চলে গ্ৰেছেন। 'কুকুরদের জন্য হাড় বেখে দিলাম' বলে সুফিবাদের উপর অম্ব এয় মসনভি শরিফ রটনা করে জালানউদ্দিন ক্রমি সুফিবাদকৈ জ্ঞানীদের জন্য প্রতিষ্ঠিত সত্যরূপে রেখে গেলেন। এত মিখ্যার পাহাড, টেউ-এর পর ঢেউ-এর মত্যে কেবল সেই হাদ্বিস তৈরি করার সময় হতে চুলে আসছে যে, সামান্য সত্য লিখুনীর দ্বারা এত বড়ু মিথ্যের সমুদ্রের কাছে না দাঁড়িয়ে সুফিবাদকৈই শ্রেছ অবলম্বন হিশাবে বহ ज**ानुशी सर्वास**िश्चर्य करत विख्या हन।

ইসলামের আদর্শ প্রতিষ্ঠার তরে যখন ইজরত মোহাম্মদ (আ.)-এর নয়নের মণি ইমাম হোসায়েন এগিয়ে এসেছিলেন তখন হজরত মুয়াবিয়ার (রা.) সেই পেশাদারী তিন শৃত তথাক্ষিত আলেমর তাকে 'কাফের এবং বাগি' ফতোয়া দিতেগু বিবেকে বাধে নি। তাই তো হজরত মোহাম্মদ (আ.) বিশ্বের মানবকে সাবধান করে দিয়ে বুলেছিলেন, 'এমন দিন আসবে যখন আলেমদের মভাব জমিনের উপর সবচাইতে

निक्छ रखे।

यि धन-जम्मत्मत माम একটি माছित একটি ডানার সমানও নয় বলে আল্লাহ আমাদেরকে বার বার জানিয়ে দিলেন, যে ধন-जम्मत्मत দাম একটি মরা-পঢ়া-দুর্গন্ধযুক্ত ছাগলের বাচ্চার চেয়েও মূল্যহীন বলে হজরত মোহাম্মদ (আ.) আমাদেরকে বহুবার বহু রক্ষে উপ্দেশের পর উপদেশ দিয়ে গেলেন আর সেই ধন-সুম্পদ্ নিজের অধিকারে রেখে কী করে যে আমরা আল্লাহ এবং নবির আদর্শে

বিশ্বাসী বলে জাহির করি সেটা ভাবতেও মন লব্জা ও ঘৃণায় ভরে ওঠে।

'तिस्तर असन काला शापी लाई यात श्रसाक्रनीय में में उत्तर असन काला है में कि करतन नि', अठ तक्र निकारणात तापी कातान आसाफरतक फिश्रा मद्ग्रेश यि काला ता शिंक विद्याग करत या, कितमण भ्रमाम मालत पूर्णिक भ्रमाम नेक्र सानुष या ना श्रास साता एन, जाता यि कि काम काला प्रति व्याप्ति का श्रास सता सानुष्यत श्रसाक्रनीय मन्मर ज्ञान काला ति का सात काला है व्याप्ति का स्ति का सानुष्यत श्रसाक्रनीय मन्मर ज्ञान काला ति काला है विद्या सता सानुष्यत श्रसाक्रनीय मन्मर ज्ञान काला ति काला है विद्या सता सानुष्यत श्रास काला वाला काला काला है काला है

हेन्ना व्यावश्यावान कान्नाण जाहणा किनाल माह्युक - व्यर्गाः 'त्वरह्युन एनका निम्हयुहें जन्नवानित हायान निक्र तिक्र कि जिल्हें विक्र कि किन्न के विक्र कि किन्न के कि किन्न के किन्न किन्न के किन्न किन्न किन्न किन्न

े कालमत्क त्कमन करत कूनूम २०० वित्रण कृता यात्व? क्रथ्य फाँगुंग वणाणाती कालमुख्त विकृत्म, त्यन कालम व्यात त्कालामिन कूनूम कत्वत्ण ना भारत अवः अस क्रथ्य फाँगुलाणार कि वण्डाणाती क्रालमद्भत्तत्क त्राराया ज्या मफ्ट कत् नाराः

হজরত মোহান্দদ (আ.)-এর এই আদেশ-বাণীকে যদি আমরা একটু গভীরভাবে চিন্তা করে দেখি, যদি নিরপেক্ষ মন দিয়ে তথা বিবেকের দারা বিচার করে দেখি, তবে নিশ্চয়ই আমরা এই সিদ্ধান্তেই উপনীত হব যে, জালেমদেরকে দুনিয়ার ইতিহাসে কোনোদিন আবেদন-অনুরোধ তথা যুক্তির মাধ্যমে বুঝিয়ে সবপ্রকার জুলুম পরিত্যাণ করাতে পারে নি এবং আবেদন-অনুরোধের মাধ্যমে হয় না, বরং আরগু উয় আরগু ভয়াল মূর্তি নিয়ে জালেম চরম আঘাত হানার ষড়যদ্ধে দিশেহারা হয়ে পড়ে। তারই জুলন্ত নমুনা, তারই জলজ্যান্ত ঘটনাসমূহ য়য়ং হজরত মোহাম্মদ (আ.)-এর সময়েগ্র আমরা দেখতে পেয়েছি। দেখতে পেয়েছি হজরত মোহাম্মদ (আ.)-এর আবেদন-অনুরোধের প্রতিক্রিয়া এমন ভীষণ আকার ধারণ করলো জালেমদের মনে যার দক্ষন য়য়ং হজরত মোহাম্মদ (আ.)-কে পর্যন্ত জেহাদ করতে হলো। জেহাদ করতে হলো সংঘবদ্ধ হয়ে জালেমের বিক্রদ্ধে জীবন-মরণ সংগ্রামের লোহশপথ নিয়ে। জালেমের বিক্রদ্ধে সংগ্রাম করতে গিয়ে হজরত মোহাম্মদ (আ.)- এর পবিত্র রক্ত-কণিকান্ত পবিত্র দেহ মোবারক হতে ঝরে উষ্ণ বালিকে লাল রঙে পরিণত করেছে গ্রহদের যুদ্ধ ময়দানে।

एएं राक्षांत वर्षत वार्ण रक्ति साराम्म (वा.)- अत काष्ट अरम् याता मुनारकि करतेष्ट - याता रक्ति साराम्म (वा.) - अत अर्छकार्णत भत्र छछ नित सिक्त, लागांकि नित सिक्त नक्ष नक्ष मानुषरक छून भर्य एएं अदन अर्ज छछ नित सिक्त, लागांकि नित सिक्त नक्ष मानुषरक छून भर्य एएं अदन अर्ज मानुष्ठ वानिराष्ट्र, जाता वित्रज्ञ मानवममाक रूज मुख्य यात्र नि। जाता तिर्क्त तिष्ठ जात्म के जात्म आर्थ जात्म अर्थ मानुष्ठ कर्य मानुष्ठ कर्य मानुष्ठ सानुष्ठ सिक्त अर्थ मानुष्ठ सिक्त अर्थ मानुष्ठ सिक्त जात्म अर्थ मानुष्ठ सिक्त जात्म अर्थ मानुष्ठ सिक्त जात्म अर्थ मानुष्ठ सिक्त मानु

रक्रतेण वार् तकत, रक्रतेण असत कांक्रक, रक्रतेण अपसान, रक्रतेण वालि, रक्रतेण वार्त कर भिकातित कांच्यत प्राप्त स्पार्य स्पार्य स्वाप्त कर भिकातित कांच्यत प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त कर स्वाप्त कर विद्याप्तित सक्ष्य कर्म सानुसक्त विद्याप्तित सक्ष्य कर्म क्रिया क्ष्य कर्म क्रांनि ना स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त क्रिया क्ष्य क्रांनि ना स्वाप्त विश्वारा स्वय्र क्रिया क्रिया क्रिया क्रांनि ना - व्याप्त विश्वारा स्वयंत्र क्रिया क्रिय

বোবার মতো কিছুক্ষণু অনাগৃত কালের মুসলমানেরা এমনিভাবে বিদ্রান্তির মধ্যে

পড়ে যাবে বলে छिंदिष्टिलन कि ना?

ক্ষিঞ্চাসার বিভিন্ন বিশ্লেষণের মরুভুমিতে উর্মির নৃত্যছন্দের ছায়া আবরণ দিতে व्यक्रम। क्रीतन्थ्रप्तीर्भे व्यप्तेष्टा व्यल्डाञ्जर्जीभ क्राणाय तिर्देतक श्रुद्धात धातात्मा तात्पूत আঘাতে উপল্বদ্ধি করে মৃত্যুগ্র্হণের অনিচ্ছার ছবি। ইচ্ছার তীব্রতা আঅহত্যার দড়ি অবলোকনে ভ্রীত হলেও ফাঁসির আসামীর মতো জমটুপি মাথায় এগিয়ে যেতে হয়। বেদনার মূর্তি তৈরি কুরে দুঃখ।

আঅপরিচয় অপরিচিত রাজপথের পথিকের মতো হেঁটে চলে। কেউ প্রশ্ন করতে চাওয়া তো দুরে থাক, একটা মমতার চাহনিও পায় না তখন। ভিক্ষকের চাওয়ার भट्टा भिनिष्ठित नान व्यांखान। निष्करक व्यापन ट्राट्ट पूर्विरश् एतः व्यर्थे करन। व्यामात অদৃশ্য আকাঞ্জায় যান্ত্রিক সভ্যুতার মেক্ আভিজাত্যের অথৈ জলে যে তাকে জেনে-পারে মুর্মে-মর্মে। আর তুখন? কেউ রূপ নেয় বিদ্রোহীর। জানে পর্যুজয় তার অবধারিত, তবু বিদ্ধোহটাই তার প্রতিবাদ। কেউ রূপ নেয়ু ডাকাত-হাইজ্যাকার-চোর-ছাঁচিড়ে আর প্রতারণার সুন্দর সুন্দর বাণিজ্যে। এই বাণিজ্যের মধ্যে আছে আর একু বাণিজ্য। একটা মার খায় এই সমাজে আর একটা সুখের প্রাসাদ গড়ে তোলে। যান্ত্রিক সভ্যতার আধুনিক পৃথিবী পাহারা দেবার প্রহরীকে দিয়ে শান্ত্রির বাণী শোনায়। অথচ পাহারটিারকে যুদি পরীক্ষার হলে নিয়ে যাওয়া হয় তবে তুমি দেখতে পাবে রাজপথের দু'ধারের সারিবদ্ধ প্রাসাদের চমক আর ঠমক গড়েছৈ তারাই। আইনকে আইনের গলা টিপে মারতে দেখেছি, দেখতে হবে এবং কতদিন দেখতে **ट**त्व क्रांनि ना। कात्रप, **भवक्रा**ख्य वसु क्रान-विक्रात्नत या त्मष क्या जात नाम 'क्रांनि वा'।

জেনে-শুনে উষ্ণতার ভয়কে আলিঙ্গন করে অনেকেই জ্বলগ্রুআগুনের সামনে দাড়াতে পারে, তবু বর্ণচোরাদের বানালো ভণ্ডামির নরম তুলতুঁলে বিছানাটাকে করে घुगा। कात्रप, क्षे वैर्पटाताएमत नतुम विष्टानाश यिष्ट अकवात घुमिरश भरत उथन अता লাশ মনে করে আর তখনই গুরা জিভ বের করে শিয়ালের অক অক চোখে খুবলিয়ে খাবার বোবা বাসনায়।

কোরান-এর কতিপয় সূরার অনুবাদ গু ব্যাখ্যা (क) त्रुता नाशव

- जाक्वाज् रॅश्वाफा व्यावि नाराविछै अश्वा जाक्वा। ٤.
- सा व्यागना व्यान्श सानूश अग्रासा कामाता। ષ્ટ .
- সাইয়াস্লা নারান্ জাতা লাহাবিউ অধ্রাতুহ। **v**.
- 8. राभुभा लाठाल् राठार्त।
- कि क्रिफिरा रावनुष विष् षात्राप्। G.

অনুবাদ

- আবু লাহাবের হাত দুটো ধ্বংস হোক এবং উহা ধ্বংসই। ٤.
- তার ধন ৪ তার উপার্জন তার কোনো উপকারেই আসে না। ષ્ટ .
- U. শীঘ্রই সে লেলিহান আণ্ডনে কুলবে।
- 8. व्यात क्रुमर्त्व छात श्वी क्रामानि कार्छ वरनकातिनी।

৫. খেন্তুর পাতার দড়ি তার গলায় জড়িয়ে পড়বে। ব্যাখ্যা

त्रभाक कीवत्व कालमासंत्रत्व व्यक्तिमान स्वतांत व्यव्हें रला जास्त्र विक्रम्ह नश्चाम क्रात मत्वाज्ञ वित्य हवात विर्ह्म । जूलक यान मुर्ज्ज क्रम कालमस्त्रत्व श्रम्य क्रिया ना यानि। श्रेष्ट क्रनार्ट श्रम्प व्यक्तिमान स्वात विर्ह्म ताथा रखाए। श्रथात वातू वाराव वव्यक्त व्यक्ति विक्रम विक्रिक्ति व्यक्ति विक्रम विक्

সব রুক্তম বৈষয়িক এবং আধ্যাত্মিক কর্মক্ষেত্রে।

विक्रि वातू नारात अतः त्नुषी वातू नाराततः स्वःत्र कामना छपु या वामता मानूरवतार करतता जा नग्न, तदः कातीन निक्षर अरे स्वःत्र कामना केद्र। व्यर्षाः, रेरा कातान-अतर विधान ज्या विश्व श्रक्तित विधान या, अरे वातू नारात त्नुषीत लाकता स्वःत्रश्राश्च रखर उनष्ट, किष्ठ जा वामता व्यक्त प्रविग्नात पृषित कात्रप वृत्रात ना। वातू नारात त्नुषीत याता, जात्मत त्रक्त श्रकात कर्म श्रक्ति वार्ष ज्यां कात्रप क्षित वार्ष विग्ना वार्ष विग्ना वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्य

তারপর আসলো তার স্থ্রী-প্রসন্ধ। যারা ভালবাসবে আবু লাহাব শ্রেণীর লোকদেরকে এবং তাদের সহযোগিতা করবে, তারাগু এই একই শ্রেণীভুক্ত। যে কার্যাবলি গু আমল তারা করে সত্য গু ন্যায়ের বিরুদ্ধে, ঐগুলোই তাদের দৌঙ্গখের ইন্ধন। দুনিয়ায় অবস্থানকালে এই ইন্ধনসমূহের ক্যালা দৃষ্টিগোচর না হলেগু অতি শীঘ্রই দুন্তি প্রবেশ করে তারা দেখতে পাবে যে তাদের যাড়ে সেই অগ্নির বোঝাই বহনু করছে। আর তাহা এমনভাবে তাদের গলদেশে দড়ির মতো জড়িয়ে পড়বে

या, छैंरा जाता जाग कत्रक भातर्त ना।

जार्व नारात ३ ठांत भ्री मेठा ३ नेपायात श्रठीक रक्षत भारकत (जा.) विक्रफ्त यात्रभ जनाय जारत कत्रा हरात भ्रत हिन हिन्या भेतर कर्ठ्यत सार। मकन यूरारे एत्या याय या भक्त स्थाति लाक निष्करमत रीन भार्य भेतर क्रमणात कर्ठ्य तक्षात कर्व्य क्रमणात कर्व्य तक्षात क्रमणात कर्व्य तक्षात क्रमणात कर्व्य क्रमणात क्रमणात क्रमणात क्रमणात व्याप्त क्रमणात व्याप्त विक्रफ्त रिश्माभूनक जारत क्रमणात थारक। यिक्षणात व्याप्त विक्रफ्त विक्रफ्त विक्रमणात व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विक्रमणात व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विक्रमणात व्याप्त व्याप्

'व्यात नारात्व रमुद्र ध्वःत्र रश्यां'-व व्यर्थ व्यन्ताय मिलत ध्वःत्र कामना कता उथा व्यन्ताय मिलत विक्रम्ह प्रशास पर्यामणा कता। व्यन्तायकाती व्यन्त र्रे र्यामणा करा। व्यन्तायकाती व्यन्त र्रे र्यामणा करा। व्यन्तायकाती व्यन्त र्रे र्यामणा करा। व्याप्तायकात र्यामणा करा व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्तायकात व्याप्ता व्याप्तायकात व्

মন্তব্য

'ধ্বংস হোক আবু লাহাবের হাত দুটো এবং উহা ধ্বংসই' কোৱান পাকের এই বাণীতে কেন্দ্র যদি প্রশ্ন করে যে আবু লাহাব তো আর ইহন্তগতে নেই, দেড় হান্সার বছর আণুেই তার মৃত্যু হয়েছে, তবে তাকে আর 'ধ্বংসু হয়ে যাকু আবু দাহাবের হাত দুটো' বলার মাঝৈ কী সার্থকতা থাকতে পারে? কিছু এর উন্তর, ব্যক্তি আবু नाष्ट्राव नेश्व, व्याव नाष्ट्रावर्ष्ट्र स्थापींगञ्जात्व स्वःत्रु रवात करा धाष्ट्रपा कता दूखाखाँ ব্যক্তি মীরজাফরতৈ যেমন বিশ্বাসঘাতকতার প্রতীকরূপে আমরা ব্যবহার করি এবং তার ধ্বংস কামনা করি, সে রকম আবু লাহাবকে জালেম অত্যাচারীর প্রতীকরূপে ব্যবহার করে আবু লাহাবদের শ্রেণীচরিত্রকে ধ্বংস হয়ে যাবার কামনা করতে বল্য रख्रा । सराभूक्षरेता यमन अक-अकिं यूण ूळागमन कर्द्र मानवलात ूळाफ्र म ব্যাপকভাবে প্রচার করে যান এবং মানবতী প্রতিষ্ঠার তরে নিঙ্গের শ্বল্ল জীবনকে विनित्स फित्स यान, त्म तक्स व्याव नांशात्वता यूप्ण यूप्ण व्यागमन केत्रत् अव्ध भानवजात विक्रम्ह संज्वाम ज्या कुनुस व्यज्जाणात्वत वन्ता वत्स फित्स यात्व। जार अर्थ व्याव नांशाव त्युपीत्मत व्यज्जाणात्वत विक्रम्ह त्यन व्याभता ज्या सक्षुस कृत्जा मम् সর্বদা সাবধানতা অবলম্বন করতে পারি তথা তাদেরকে সমুচিত শিক্ষা দিতে পারি ठातर मन्त्र अर्ग कर्ति विकास के पार्क क्या कि उपा कि उ विषक्ष याता सानवमसार्क वृत्व प्रस्त ३ फिट्ट ठाएस्त विकास सानवमसार्क्ष अकार्यक्ष रुख मन्त्राप्सत् वात्वमन ३ वार्ष्म कि उपा कि उपा कि उपा कि वातान। व्याव লাহাবদের বিরুদ্ধে রুখে দুঁাড়াবার মাঝে আপাতদুর্ফিতে নির্মম বলে মনে হলেগু ইহাঁ মোটেই নির্মনতা নয়, যদিও আবু লাহাবদের চৌখে এবং যারা তাদের অত্যাচার করার লাকড়ি যোগাঁড় করে তথা আবু লাহাবদের সাহায্য ও সহযোগিতা করে তাদের দৃষ্টিতে ইহা নির্মম বর্বরতা এবং হিংসাতাক কার্যকলাপ বলেই মনে হবে এবং सक्रमुस् क्रेनठात्क् छुन भर्य भित्रिष्ठानना कतात क्रना श्ली उन्हाता, ठथा আবু नारावर्फत था-**हो** होत हल, उँद्धे थट्ड लागदा।

ব্যক্তি আবু লাহাবর্কে অত্যাচার করতে সহায়তা করেছিল তারই স্থ্রী উদ্ধা তাই স্থ্রী উদ্ধাকেণ্ড ধ্বংসপ্রাপ্ত হতে হয়েছে তথা ধ্বংস করে দেগুয়া হয়েছে এবং শ্রেণী আবু

অবুশ্য আন্তকের এই আধুনিক যুগে স্ত্রী উন্ধার মতো যারা শ্রেণী আবু লাহাবদের **मानानि करत शा**ष्टा त्रक्षाक क्रीवनरके अकष्टा विताष्ट स्वःस्त्रत भूसे रहेरल निरस याट्य তাদেরকে চেনাও মজলুম জনতার পক্ষে ভীষণ কণ্টকর হয়ে দাঁড়িয়েছে। এই সমস্ত দালাল ডাহকেরা যে কট রকম পোশাক বৃদ্লাতে পারে এবং কত রকমে যে মঙ্গলুম জুনতার দৃঢ় ঐক্যের মাঝে শত শত ফাটল তৈরি করে যার দক্রন মজলুমের সংগ্রাম 🗞 বিপুব সফলতা অর্জন করে বহুদিনের অধ্যবসায় ৪ কঠোর সাধনার পর। ডাহুক-ধরা বেদৈ জানে যে, ঝোপ-জন্মলের স্বাধীন ডাহকেরা বেদের মুখ দেখে ধরা দেবে না। কারণ, ভাহক-ধরা বেদে এদের শ্রেণীভুক্ত ভাহকু নয়। সে অন্য জীব তথা মানুষ। তাই বেদের মুখ দেখলে ঝোপের ভাহকদল পালিয়ে যায়। বেদে তখন মনে মনৈ ফন্দি আঁটে আঁর এই ফন্দির ফলম্বরূপ বেদে একটি ডাহুককে খাঁচায় পুরে আপন জনের মতো খাদ্য দিয়ে লালন-পালন কুরে। যখন খাচার ডাহুক বেদের পাৈষ মেনে নেয় এবং বেদের শেখানো আকার-ইঙ্গিত রপ্ত করে ফেলে তখনই বেদের বুকে আশার সঞ্চার হয়। খাচায় আবদ্ধ পোষা ভাহকটিকে নিয়ে বেদে তখন ভাহককুলৈর আড্ডাখানায় তথা ঝোপ-জঙ্গলের এক কোণে রেখে দেয় এবং চার ধারে পেতে রাখে मतुष काँम, यात्क काना वना रहा। शासा छाएक मनित्वत त्मशाता व्याकात-ইঙ্গিতগুলো আপন মনে ঠোটের কোণে সুর করে ভাজতে থাকে। বেদে বৃহ দূরে চুপু करत नुकिरा शास्क। त्याप्तत छाञ्चलता मरमा एमत्क अर्छ, एमत्क अर्छ छार्ड्ते हैं দলের তাদেরই শ্রেণীভুক্ত আর একটি ডাহকের করুণ কারায়। বাচ্চা-কাচ্চা নিয়ে সুখের সংসার পেতেটে ডাহককুল ঝোপের ভেতর। তার্ই তারা সংসারের মায়া বোঝে, বোঝে অপরের বেদুনা। নিজেদের সুখে তারা নিজেরাই গর্বিত, নিজেরাই আনন্ধিত, সংসারের সকলে মিলেই তারা আনন্দের গান গেয়ে একে অপরকে সুখের কথা জানায়, কিছু সূহসা কে এমনিভাবে একাকী কেদে বুক ভাসাচ্ছে? কী তার ব্যথা? প্রশ্নের উত্তর খুঁজতে গিয়ে ডাহুককুলের কিছুসংখ্যক ভাহক এগিয়ে আসে পোষা ডাইকটির কাছে। পোষা ডাহকটি তীদের দেখে কান্নায় যেন ভেঙে পড়ে। বুক ফাটিয়ে চিৎকার করে কাঁদতে থাকে। ঝোপের ডাহুক অতি কাছে এসে যখন পৌষা ভাহকটিকে মুক্ত করে দিতে চায় তখন সে বুঝতে পারে যে, মরণফাঁদের ভেতর সেও চিরদিনের তরে আটকে গেছে। পাখার ঝাপঁটা ঝাপটিতেও আর নিজেকে মরণফাঁদ হতে মুক্ত করতে পারে না। আর এমনি মুহূর্তে সম্পূর্ণ অন্য একটি জীবকে তথা বেদেকে দেখতে পায়, যে তাদের পাণ্ডলো দড়ি দিয়ে বেধে হাতের মুঠোয় পুরে নিয়ে আর **भ**रश খাচার পোষা ডাহকটিগু। কত বড় প্রতারণা - কত বড় জঘন্য বাটপারি - কী বিশ্রী বিশাসঘাতকতা। একই জাতের, একই শ্রেণীর, একই পালকে মোড়া দেহ অথচ কঁত

সাবধান করে দিচ্ছে পাক কোরান মঙ্গলুম জনতাকে। সাবধান করে দিচ্ছে স্ত্রী উদ্ধার মতো শ্রেণী আবু লাহাবদের, যারা বেদের পোষা ভাহকের মতো মায়াকান্না

ব্যক্তি আবু লাহাব, আবু জাহেল, এজিদ আর মারোয়ান ইহজগতে নেই। দেড় হাজার বছর আগে কালের কয়টি দিবসের নাটক মঞ্চের বিশ্রী অভিনয় মানুষের দৃষ্টি হতে মুছে গেছে, কিম্বু স্মৃতির পাতায় যুগে যুগে স্বাক্ষর হয়ে থাকবে কলঙ্কের আবর্জনায়। কিম্বু ব্যক্তি আবু লাহাবদের প্রেতাআ মানুষের দেহধারণ করে যুগে যুগে ভুর করে থাকবে। তাই পাক কোরান আমাদেরকে শিক্ষা দিছে, সাবধান করে

দিচ্ছে, সমুচিৎ শিক্ষা দিতে উৎসাহ দিচ্ছে এই ছোটু লাহাব সুৱাটিতে।

ব্যক্তি মীরজাফর, মোহাম্বদি বেগ, ইয়ার লঁতিফ, উমি টাঁদ আর এই মর্ত্যে বিশ্বাসঘাতকতার অভিনয় করতে আসবে না, কিছু মর্ত্যের নাটক চলার গতির মাঝে তারা বিশ্বাসঘাতকতার অভিনয় কভিত্যে করতে হয় তা অনাগত কালের নতুন মীরজাফর, মোহাম্বদি বেগ, ইয়ার লতিফ, উমি টাঁদদের শিক্ষাগ্রহণ করার ব্যবস্থা করে রেখেছে। তাই আজকের দিনে যারা মজলুম জনতার অধিকার প্রতিষ্ঠা করার বিরুদ্ধে মীরজাফরি করে বেড়াচ্ছে তাদেরকে হেদায়েত করতে বলছেন পাক কোরান।

(খ) त्रुता रक्षाका

- ১. প্রয়াইলুলুলি কুলুলি হুমাজাতিল লুমাজাতিন।
- र. ज्योननिकि क्रिकाचा मानाव व्या चाफिरार।
- ইয়াহ সাবু আয়া য়ালায় আখলাদায়।
 কাল্লা লাইউয়বাজায়া ফিল য়তায়াতে।

G. रुषा व्याष्ट्रताका साम रूठासा।

y.

9.

नार्कन नार्डि मुकामाजु। व्यानारिकार ठाटाउँ व्यानान व्याकिमार। इत्रारा व्यानार्डेशिस सुमामाजुन। कि व्यासामिस सुसाम मामार्ड। **v**.

অনুবাদ

रुभीका : याता पुनाम अवः चनुगरा करत रासुारा

٤.

ર.

যারী অপরের দুর্নাম এবং অপকৃষ্ণ করে তাদের সবার জন্য দুঃখ। যারা ধন জমা করে এবং তাহা গুণে রেছে রাখে। তারা মনে করে তার পুঁজি তাকে চিরদিন বাঁচিয়ে রাখবে। (বাু) তা নয়, নিশ্চয়ই তাকে হতামায় ফেলে দেইয়া হবে। **v**. 8.

G.

की मिर्स क्रीमार्क ताबादना यात्र स्य च्छामा की? (च्छामा च्या) व्यानावत्र शुक्रानेछ व्याधन। यावा दृष्टि व्या व्यवस्तुत उपते। **U**.

9.

নিশ্চয়ই ইহা তাদের উপর সতুপীকৃত অবস্থায় আছে। থামের মধ্যে পরিবেষ্টিত। **v**.

ব্যাখ্যা

যারা ধন-সম্পদ সম্বয় করে তা গুণে-বেছে তাদের মনমতো সান্ধিয়ে রাখে এই ভেবে যে, তাদের মাল তাদের সুখ-সম্পদকে চিরস্থায়ী করে তুলবে, তাদের জন্য আফসোস। এই ধন-সম্পদের জুন্যই তারা অন্যের দুর্নাম এবং অপকর্ম করে বেড়ায়। কিন্তু ধন-সম্পদ ত্রাদেরকে স্থায়িত্ব দিতে পারবে না, বরং উহা তাদের হতামায় निक्रिंभ করবে। পুঁজিমোহ নিজেই হতামা। হতামা আল্লাহুর রোমের জ্বলন্ত আগুনু। बर्रे बाछन मानवेमलात प्रवेधकात कामनला, श्रम-श्रीिल वृवः प्रामा रैल्यां हि সদপ্রণণ্ডলি পুড়িয়ে ফেলে। যার ফলে সমাজের উপর নেমে আসে বৈষম্যের দুঃখ এবং শ্রেণীভেদের তীব্র বেদনা। মানবসমাজে চরমরূপে দেখা দেয় অসাম্য ঐবং এই অসাম্যের পুরিণামরূপে প্রেম-প্রীতির বন্ধন হয়ু শিখিল। বস্কুমোহ তাদের অন্তরে পুগুর মতো হয় উদিত। নিশ্চয়ই এই বস্তুমোহ বিশ্রী রূপ ধারণ করে তাদের মনের উপর বোঝাই হয়ে থাকে। তাদের এই জঘন্য মনৌভাবকে তারা খুঁটি দ্বারা ঘেডাও করে সুংরক্ষিত করে রাখে। কিন্তু প্রকৃতপক্ষে তারা আল্লাহর রোমের আন্তনকেই নিজেদের উপুর বড় বৌঝা করে সংরক্ষণ করে রাখে। এই সূরার সারমর্ম হিসাবে একটি কথা অতি সুন্দর ও সচ্ছ হয়ে ফুটে ওঠে। উহা হলো, পুঞ্জিবাদ ও হীন স্বার্থবাদ সমাজে সর্বপ্রকার অকল্যাণের মূল। 'যারা ধন জমা করে রাখে এবং তা গুণে বেছে রাখে এই সূরার দ্বিতীয় আয়াতটি অতি সুন্দর এবং স্পুষ্ট ইঙ্গিত দিচ্ছে প্রাইভেট প্রোপাটি তুথা ব্যক্তিমালিকানার বিরুদ্ধে। প্রাইডেট প্রোপার্টি তথা ব্যক্তিমালিকানাটাই মানবচরিত্র এবং সাম্যবাদকে বিকৃত এবং বিশ্রী করে তোলে। তাই কোরান-এর এই সুরাটি প্রাইডেট প্রোপার্টি তথা ব্যক্তিমালিকানাটাকেই প্রজুলিত অগ্নির সর্বপ্রধান ইন্ধনিরূপে तर्पना करत्वक्ष

ষ্মপ্তব্য

এই সুরাটি বস্থবাদকে কেন্দ্র করে যে পাশবিক হীন স্থার্থবাদের গঙ্গে গড়া পুঁজিবাদ, সেই পুঁজিবাদের উপর একটি চরম আঘাতরূপে প্রকাশিত হয়েছে। এ রকম বিশ্বমোহ মানব অন্তরের গুণরাঙ্গিকে ধ্বংস করে তথায় প্রতিষ্ঠিত করে একপ্রকার কঠোর পুঁজিবাদ ৪ হান স্বার্থবাদু। এবং এই পুঁজিবাদের সমর্থনে তারা সর্বপ্রকার অপবাদ अवः क्लाक्निम्ला छश्चामित्र माराया विकासित त्रामाक्न व्यात्र राज्य कार्या बवः बतर करल स्वा देवस्यात उधा कनममास्त्रत वृत्त मराधीित कार्म गणा मामानात करत कार्य रित करता 'श्रा रेवल के किया कार्य राष्ट्र कार्य कार्य

চুরমার করে দেবে।

নিজের স্বার্যটা নিজের কাছে এত প্রবল এবং এত বৃড় বিশ্রীরূপ যে এর সামনে সূর্বপ্রকার আদর্শবাদ খেই হারিয়ে ফেলে। যুক্তিহীন স্বার্থবাদের গতিপথে চোরা খাদ তৈরি করে। যুক্তিবাদের ঢাক-ঢোল যুত রকমেই পেটানো হোক না কেন উহা আসূলে কিন্তু ঈম্পূর্ণরূপে মানুষের মানবিক দাবিকে ফাঁকি দেবার সুক্ষা অন্ধবাদ। শ্বার্থটাই হলো অন্ধ্র। অন্ধ আলো (আল হক তথা একমাত্র সত্য তথা দি ট্রুথ) দেখতে পায় না। আলোর শ্লিগ্ধরূপ তাকে মহীয়ান করে তুলবে কেমন করে? পরিত্র কোরান এই রকম অন্ধতৃবাদকেই আমিত বলে ঘোষণা করেছে। আমিতের আধারে বাস করাটাকেই আবার পবিত্র কোরান পাপ বলেছে। সুতরাং হীন স্বার্থবাদই অন্ধত্ববাদ। তাই পাপকে তাড়াবার চেষ্টায় যে রুত, সেই পাপ্ট তাকে আছেন্ন করে ফেলে এবং **मिट्टी कार्त्र किल्प्रत प्रार्थ, ना रम्म भार्त्रिक प्रार्थ, ना रम्म प्रार्थ, ना रम्म अ** একটি ভূমিতে বাস করা কতগুলো মানুষের মার্থে। এই মার্থটা কখুনো সার্বিক মঙ্গলের পথ দেখাতে এবং আদর্শ দিতে পারে না। তাই এই হান মার্থটাই অন্ধতুবাদের পুজারি। সূতরাং অখণ্ড ভালোর জন্য পাপের বিরুদ্ধে সংখ্রাম তার মৌখিক, অর্থাৎ মুখে মুখে এবং ইহা গোণ এবং হীন স্বার্থটা তার আন্তরিক অর্থাৎ ভেতুরে ভেতুরে এবং ইহা মুখ্য। হীন স্বার্থটি যে সম্পূর্ণরূপে অন্ধতুবাদের উপর প্রতিষ্ঠিত এবং অখণ্ড ভালোকে বর্জন করে পাপকেই বইদুর দিয়ে নিজের মধ্যেই घुताला रुप्छ वर रेरा उथनर পतिश्वातक्राल सानुत्यत काँए अक्रामिछ रुख পঞ् যখন পাপের বিশ্বত চক্রটি মানুষের কাছে ধরা পড়ে যায়। কালির কলমে আর চামুড়ার মুখের চাতুর্যপূর্ণ ভাষা দিয়ে যুক্তির সেতু রচনা করে, কিন্তু বালির ভাগ এত বেশি सिगोला रशे यो, यात कल मार्विक सम्मेलत भा-शाना পড়তেই सिक्ति युक्तित সেতু তার অম্ভিত্ন হারাতে থাকে। সূক্ষা হতে অতি সূক্ষারূপে হীন স্বার্থটা যৈখন বিরীজমান তখন স্থল দুর্ফির কাছে ধরা পড়ে না। তাই বুহু মানুষের সূক্ষা হীন স্বার্ধের প্রভাব থাকলেগু উঁহা নিঃস্বার্থবাদ, সুতরাং আপাতু যুক্তিসংগৃতী। সাদী চোখে পানির मस्या ट्यां तर्जाता त्वाग-क्रीवापू सर्वा भट्ड वा, कि है व्यपूर्वीऋप यद्धित त्राराया नित्न চোখ দুটো বোকা বনে যায়। মনের ভেতর হীন স্বার্থটা ট্রেসে বেড়াচ্ছে কি না ইহার প্রমাণ দিতে হলে বিশ্বের মানব নামক অণুবীক্ষণ যদ্ধ দিয়ে পরীক্ষা করতে হবে। মহাপুরুষ রসুলাল্লাহ (আ.)-এর দেগুয়া অনুবীক্ষণ যদ্ধটির নাম হলো এই, 'কেহই सूत्रवासीन रुटी भारत ना, यां भूर्य प्र या भूष्ट्रक कर्त निष्कृत कना हा त्र भएक करत ত্রীপরের জন্য' এবং এই অণুবীক্ষণ যদ্বটি দিয়ে নিজের হীন স্বার্থটা নিজের মধ্যে उँकियुँकि भात्रष्ट कि ना छा नेत्रीका करत निट्छ रख।

वामि नामाल निष्ट , द्वाका दिए हन्छे, नश्च कार्रवानि निष्ट - किन्न नवहारक वर्ष अन्न रता, व्याम कि मुननमान रक्क लिद्ध कार्रवान निष्ट निष्ट निष्ठ निष्ठ कार्य रता, व्याम कि मुननमान रक्क लिद्ध कार्य वानात्व 'ने कि मुननमान रक्क लिद्ध कार्य कार्य

'छ्यू नामाक त्कन, निकल नामाक आणि करतेष्ट्र, ताल क्रिश लाशक लिए अदे वामाक कर क्रिक्ट अदे ताका अदि ति हैं जो लिए अदे वामाक कर क्रिक्ट अदे ताका अदि ति हैं के लिए अदे के लिए के लिए

ध्यम्। द्वाता विक्र कि कि त्रम्पूर्व विकटन यादव ना?

একজন বিলাসিতার ঢেউয়ের মাঝে দোল খায় আর একজন বাঁচা-মরার করুণ প্রশ্ন নিয়ে একমুঠো ভাতের জন্য মানুষের দোরে দোরে পাণলের মতো ঘুরে ফিরছে। বিংশু শতাব্দীর ধনতান্ত্রিক দেশগুলোতে মানবতার যে জঘন্য অপমান করী হচ্ছে তার বিশ্রী দৃষ্টান্তগুলো মানবপ্রেম্বিকদেরকে দিশেহারা করে তোলে। ধনতন্ত্রের দেশে মানুষের দ্বারে মানুষ তার বেঁচে থাকার ফরিয়াদ জানায়। ছোট ছোট ছেলেমেয়ে নিয়ে একটি মানুষকৈ মাথা গোজার ঠাইশ্বরূপ একটি কুটির দেওয়া হয় না, অথচ আর একটি তার্ই মতো রক্ত-মাংসের দেহে গড়া মানুষ তার প্রাণহীন যন্ত্রদানব ট্যাকসিখানাকে ইট্রের তৈরি দামি ঘরে রেখে দেবার কঁত সুন্দর ব্যবস্থাই না করে রাখে। আল্লাহর সৃষ্টির শ্রেষ্ঠ জীব আশরাফুল মাখলুকাতের রাত কাটাবার স্থান পুঁজিমোহে আছিন্ন ব্যক্তিটি আকার-ইঙ্গিতে রাজপথের ফুটপাত দেখিয়ে দেয়। প্রশ্ন করিলে বুলে 'আল্লাহ আমাকে ধন-মান আর ইন্ধতু দিয়েছে আর তোমাকে কিছুই **फिरा नि।' ध्नुउद्धित फिर्म धलत भर्यामा भानुरम्**त स्नीवन रूळ चल्कु र्वाम भूमावाने। কোটি কোটি মানুষের বাঁচা মরার করুণ প্রশ্নিটির দাম ধনতন্ত্রের পুঁক্তিপতিদের কাছে একটি কানাকড়িই নয়। প্রাসাদের কক্ষে প্রাণহীন জড় মোটর গাঁড়ি ঘুমাবার স্থান পায়, कि द्व অবহেলিত মানুষ পথের ধারে ছোট ছোট ছেলেমেয়ে নিয়ে হাড়-কাঁপা भीटि छाँत कथन रूट छीवष्ट। अर कि इंजनात्मत् नात्म रंजनामि गाननवावसा? উঠের পিঠে চাকরকে বুসিয়ে হজরত গুমর (রা.) রশি ধরে গরম বালুর উপর হেঁটে ক্ষেক্সজালেম গিয়েছেন। বিংশ শতাব্দীর তথাক্ষিত ধনতন্ত্রে গড়া মেকি সভ্যতা হন্তরত **৪মর (রা.)-এর সাম্যবাদকে অচল বলে উপহাস করছে। হজরত ৪মরের (রা.)** আদর্শ আজকের পৃথিবীতে বাস করা মেকি মুসলমানেরা বেদাত, নাজায়েজ, শুরেক প্রবং কুফরি ফতোয়া দিয়ে হঙ্গরত গুমরের (রী.) চোখের জল আর বোবা চাহনিকে कि उँभेराम कत्रष्ट ना? जारे व्याभारमत छात्ना कत्त्व भत्न ताथळ रत्व त्य, व्यवस्रिक মানুষের দাবি প্রতিষ্ঠা ততদিন পুঁজিপতিরা করে না বা করতে চায়ু না, যতদিন প্রত্যৈক সংখ্রামে নেমে না আসবৌ, জেহাদ ঘোষণা না করবে, যতদিন ঐক্যবদ্ধ সংখ্राমকে একমাত্র নীতি হিসাবে গ্রহণ করে এগিয়ে না আসে। হাজার বছরের ইতিহাসু বাস্তব সান্ধী দিচ্ছে - সংগ্রামই বন্যতাকে দূর করে, বিষের সাহায্যেই বিষের ফ্রিয়াকে ধ্বংস করে এবং এই সংগ্রামকে বর্বরতী না বলে রসুলাল্লাহ (আ.) সাহায্য কর অত্যাচারীকে' বলে বিশ্বের অবহেলিত জুনতাকে আহ্বান জানিয়েছেন।

ইমাম হোসায়েন কারবালার রণপ্রান্তে অত্যাচারীর বিরুদ্ধে সংগ্রাম করে উন্মতে মোহাম্বদিকে শিক্ষা দিয়ে গেলেন, 'খবরদার, অত্যাচার-অসাম্যের বিরুদ্ধে মাখা নত करत रारका ना। मित्र िष्ठ मुत्रनमान, उर्व अत्रारम्य मात्रनरक माथा लिए सिल् लिवात कन्य सानारकृषि कीवन धात्रप करता ना। या भर्यष्ठ छामता अञ्याषात-अत्रारम्य विकस्त चाभिरम ना भरुरव त्र भर्यष्ठ आनुष्ठ छामास्त्र उभत रछ अञ्याषात आत अत्रारम्य विष पूत कत्ररवन ना। विषमार्थम अक्रिस्त्र त्रमाभिष्ठ त्राप्त स्वत्व आत्र कात्रवानात त्रप्थार्थ समाम स्थानारम्य अक्रिस्त्र वम्प्रण भीकात कर्त्र ज्ञात्र वात्रवास कानावात् भत्र समाम स्थानारम्य त्रनाभिष्ठिक पृष्ट कर्ष्य वनत्वन, 'स्थानारम्य कात्रा भ्रिवीत अधिभात करत्व दिल्ला स्थान स्वत्व कर्त्व वाकर्त्व ना।'

क्षिण पृंक्षिपणिता रामा है स्वासित कृषिक्ष व्याप देवान नामिला सापकार्तिक व्याप प्राप्त कार्य सापकार्तिक व्याप्त स्वाप्त प्राप्त व्याप्त व्याप

<u> रेमनाम धर्मत गठिधातात উপत यूर्ण यूर्ण अक्रिफ खात ब्राद्धाशात्नत बट्टा धर्मत</u> मुरशाम लागिरा जिल्लाप्तत অञ्चल जागेमन बेवः रूपलाम धर्मस्क स्वाप्त स्वःप्रमण्डुस्य পরিণত করার পরিচয় আমুরা ইতিহাসের বাস্তব পৃঠায় পাই। প্রথম খলিফা হজ্রত व्याद् वकत त्रिफिक-वर्त शिलाक्ट भावात भर्त व्याद् प्रकिशान स्मान सर्भेरक **ध्वःत्रे**त्रज्राल পतिपञ कतात् शैनश्रक्षां अथना योनिक धनाककत् श्रक् माविमात तृत्व त्थनाकळतू विक्रफ्त विद्धार कतात उँग्नानि प्रश्रशा रश अवश्वमञ्जन वालित्क रामा ७ तम्ह दिया भूतीयावाँ माराया करीत वाशामा वातू मुक्तियान कित्यहिन, किष्ठ यावा वालित श्रवेश धर्म त्यावा वातू मुक्तियान वाति तर्वेश वात्र स्वाप्त वात्र वानि वार्त पृष्टियानत्त धमक हित्य वत्निष्टितन्, 'ठूमि बेठकान स्बूत नात्कत (वा.) यात मक्का कृतत्व ठ्रु रूठ नि? वावात त्राष्ट्र सीन श्रद्धण वामात माध्य हित्य কুরাতে চাঙ?' বাটপার এজিদের মতো কায়েমি স্বার্থবাদীরা সুযোগ খুঁজে বেড়াচ্ছে পবিত্র ইসলাম ধর্মের মুখোশু লাগিয়ে। জনসাধারণ ভালো করৈই জানৈ, যদি এই সকুল ইসলামের মুখোশিধারী দলুগুলো কোনোদিন ক্ষমতায় আসতে পারে তবে সেদিন হজুর পাকের (আ.) প্রচারিত ইসলাম প্রতিষ্ঠিত না হয়ে বাটপার এজিদের ইসলামই প্রতিষ্ঠিত হবে। এই সমস্ত ধূর্ত দলগুলোর প্রচারণায় আজ মুসলিম সমাজের সরল মুসুলমানণ্ডলোর কাছে ইসুলামের লেবাসধারী অনেক বাটপার পেয়ে আসছে मन्नान, किन्न रेन्मान्नार असन हिन रश्चा व्यामत्त्र, व्यक्ति क्रनमाधातप तूत्व नित्र পারবে যে সাহাবি হঁবার সংজ্ঞাট্টি কতু শক্ত আর কঠিন।

কলুষিত (কোরাপটেড) পুঁজিপতিরা মান্বজাতির বিশ্বত বুকটাতে বুলেট-বেয়োনেটের আঘাতে তাজা রক্তের স্লোত বইয়ে দিয়ে, অবহেলার কাদা ছুঁড়ে, ভাষাহীনু দুর্দশা আর দীনতার বোবা বেদনার যন্ত্রণা দিয়ে ধর্মের টুপি পুরে মান্বজাতির কাছে মানবুতার তন্ত্ব-মন্ত্র জপে চলছে। এই সমস্ত কলুষিত্র পুঁজিপতিদের ধর্মের টুপি পরা ভদ্রুরপটি তখনই মানবজাতির কাছে নগ্ন হয়ে প্রকাশিত হয়ে পুড়ে যখন তীদের শোষণৈর স্বার্থবাদের উপর আঘাত পড়তে চায়। তাদের এই নিখুঁত কপটতা এবং জঘন্য বর্বরতার জন্য ইসলাম আম্রুরিক ঘূণা করে। ইন্না আবগুয়াবাল জান্ধাতে তাহতা জেলালিস সয়ুফে - অর্থাৎ 'নিশ্চয়ই বৈহেন্তের দ্রজা তরবারির ছায়ার নিচে।' তাই ইসলাম মান্বজাতিকে সাবধান করে দিয়েছে, কলুষিত পুঁজিপতিরা মানুষ খুন করার বিকেটাকৃতির আদিম দানব। মানুষের মাথার খুলি দিয়ে বিলাসিতার পান-পেয়ালা তৈরি ছাড়া কলুষিত পুঁজিপতিরা বিক্ত ভোগের তুপ্তি পায় না। মানবুজাতির ইতিহাসে হীনু স্বার্থবাদের পাশবিক পুরিটয় কুলুষিত पूँकिं भिरता राष्ट्रात मिरा यात्र, ठात ठूलना रिश्म कालाशास्त्रत मास मिर्छे स्मैनाम य्था कर्ता। स्तर्फ शाकात मन्नानिछ व्यक्तिकात निर्देश स्य माम्यानास्त्र व्यापूर्ण श्रीठिका করতে ইস্লাম বার বার আহ্বান জানিয়েছে, ইসলামের এই সত্যটুকু অশ্বীকার করে कवृषिण पुंक्तिभण्डिता सानवकाणिक सद्व यावात भत्न व्वत्वरस देती-कामान निरस वाह्यात्म यौकात निष्ठित वाशात्मत वाशी त्यानाश, व्ययप्र निष्करफत शैन शार्यवाफत দর্শনটাকে দুনিয়ার বুকে কোশলে বজায় রেখে চলেছে এবং আপ্রাণ চেন্টা চালায়। मद्र यावात भेत द्वरिष्ठ भावात छैथ स्मार्ट कनमाधातम निक्रफतद्क व्याष्ट्रत कर्त জীবনের অতি সাধারণভাবে বাঁচার অধিকার ধাপে ধাপে নিচের দিকে নেমে যায় এবং ঠিক সেই হারে বাটপারেরা মরে যাবার পর বেহেন্তের সুখ-ভূোগ না চেয়ে মর্ত্যে ভোগম্বর্গ বানায়। এইভাবে সম্পদ আর শক্তির একক অধিকার তখন বাটপারদের মধ্যে সীমাবদ্ধ হয়ে পড়ে। জনসাধারণ আকাশে বেহেম্ব তৈরি করতে লেশা-খাগুয়া মাতালের মতো ব্যস্ত হয়ে পড়ে, কিছু নেশা কেটে গেলে নর্দমার কাছে নিজের দেহটা পড়ে আছে দেখে যখন ভীষণ লক্ষা অনুভব কুরে সে রকম লক্ষা নিয়ে জনগণের মনে ধুমায়িত বিদ্ধোহ জেগে ৪ঠে এবং এই বিদ্ধোহটি প্রথম অবস্থায় নিজের মুনের বিরুদ্ধে বিদ্ধোহ ঘোষণা করে এবং পরে মাঝে মাঝে ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র জনতার ছিটেফোটা বিদ্বোহ দেখা দিলেও কলকজার আসল বোতামটা বটিপারদের হাতে থাকাতে তেমন আশাপ্রদ ফল ফলে না। কেননা, এই বাটপারদের বন্যশঙ্গির লোহহস্তে নিম্পেষিত করার জি্ঘাংসা চরিতার্থ করার দক্রণ মুক্তির মল্লম্থায়ী মপ্লগুলো मिलिख याळ हारा अवः अतुर कृत्ल भाभ रळा भित्रवान भौतात मत्नावत्नत मात्व ভাঙন আরু ফাটলের অপুরণীয় ফাঁকে সৃষ্টি হয়। ইসলাম এই শরিয়ত তথা সামাজিক তথা প্রাথমিক সুঞ্মামকে পাপের বিরুদ্ধি সংগ্রাম বলে ঘ্রোমণা করেছে। বাটপারেরা হুলো সমাজ জীবুনের বিষপাপ। অখণ্ড ভালোতে (কুংক্রিট ণ্ডড) পাুপের অনম্ভিত্ন আঁধার দূর করে বিরাজ করতে হলে সমাজ জীবনের বিষপাপকে প্রাথমিক সংগ্রামের দারা অখণ্ড ভালোকে পাবার যে পথ সেই পথে সবে হেঁটে চলেছে বলে ইসলাম ঘোষণা করছে।

रेंत्रनाम व्यक्ति छात्राय तत्न नित्त्व, ज्ञीम कि जिस्त त्रिकि जित्त कर्या व्यक्ति विष्ठिति व्यक्ति विष्ठिति व्यक्ति विष्ठिति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष

হোমিওপ্যাথি ঐষধের আবিষ্কারক হ্যানিষ্যান যুদি মুসল্মান না হন তুবে তাঁুর দেওয়া ঔষধে রোগ সারে বা বলে ফেলে দেওয়াটি কি নিতান্ত বোকামির পরিচয় **(मरा ना? मार्टेक विधर्मी व्याविश्वात कर्त्वट्ट वर्ट्स कि मार्टेक व्याक्रान (मर्रेशा, क्यातान एकोंभेत अवः अग्राक्ष कता है**ल्याम् हाताम तृत्व माहैक व्यवहात कतरवन ना? योष्टि अ तुक्स कळाशा एळा। ट्यानिमिनिन वैष्यत वाविश्वातक वालकबाधात द्वासिन খ্রিস্টান বলে কি তার পেনিসিলিন ব্যবহার করার মাঝে নিষেধ আছে? বিশ্বাস ঐকান্ত ব্যক্তিগত, কিন্তু আবিষ্কার সার্বজনীন এবং গ্রহণযোগ্য। ধর্মের নামে ভণ্ডদের জন্য দুংখ হয়, কারণ তারা ত্রা নিজেদের চোখে ঠুলি পরে কলুর বলদের মুতো দেড়িাচ্ছে এবং मानवनमाञ्चल सूर्वे अक्र ठूलि कात केत्त्र नित्रिश फिल्छ। ठारे मानुत्युत रंगङान मानुषरक পথ দেখিয়ে দিচ্ছে, मानुरात जामाक्रिक निठाकात ज्ञारनीय भतिरान अवः য়ে কোনো সময় ফৈটে পরতে পারে বোমার মতো সামাজিক বিপুর এবং সে বৈপুরিক পরিণাম কলুষিত পুঁজিপতিচের বিরুদ্ধে বিক্ষিপ্তভাবে মুক্তির সরলপথ দেখায়, অর্থাৎ ইসলামের দেওয়া অর্থনৈতিক ব্যবস্থায় প্রতিষ্ঠিত ইসলামি সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠার যাত্রা গুরু হয়।

কান্ত করার সাধনা ছাড়া অখণ্ড ভালোতে বাস করছি বা করতে চলেছি বলার व्यरिकात्रक रैत्रनाम छञ्जामि कता रुट्य वटन क्रानित्य फिट्य अवश्वारिकात ना পেয়ে কাজ করে যাপ্তয়াটাকে ইসলাম নিছক গাধার-বোঝা-বইছে বলে উপহাস করছে। मठा, नाश ३ निर्िक्रात अथि। इस्ता पुनरमतात्रत वर्षित धातात्ना अवः मुक्काअथ। এই প্রের চার্পাশ ঘিরে আছে অনষ্টিত্ব পাপের আধার। তাই যে কোনো দুর্বল মুহূর্তে পাপের জাঁধার বাসা বাঁধতে পারে । গুহুদের যুদ্ধের মাধ্যমে পার্থিব সম্পদটি যে কোনো এক দুর্বল মুহূর্তে সত্য, ন্যায় ৪ নৈতিকতার আদর্শকে ভুলিয়ে দিয়ে পাপের গ্রাসে পরিণত হতে পারে তার ফুল্মু ইন্ধিত রুসুলাল্লাহু (আ.) বিশ্বমানবসমাজকে দিয়েছেন। আমুরা যুক্তিসঙ্গতভাবে বিশ্বাস করি - এই গ্রহদের যুদ্ধ আমাদেরকে মুল্যবান শিক্ষা দিচ্ছে যে, সত্য, ন্যায় গু নৈত্রিকতার আদর্শকে জীবনের প্রতিটি ক্ষেত্রে ব্যবহার করতে হবে এবং সর্বনাশের প্রসারিত আঘাত অখণ্ড ভালোর পবিত্র দেহে গিয়ে লাগার বিপদ আছে।

'যারা ধন জমা রাখে এবং তা গুণে-বেছে রাখে' - কোরান-এর এই কয়টি কথা একটু চিন্তা করলেই অতি সুন্দর এবং স্পর্ট ইঙ্গিত পাওয়া যায় যে, প্রাইডেট প্রোপীর্টি তথা ব্যক্তিমালিকানার বিরুদ্ধেই বলা হয়েছে। ব্যক্তিমালিকানাটাই মানব **ए** तिब्र अवर रेंत्रनामि त्रामात्रामध्य विकृष्ट अवर विन्नी करत छाएन अवर अतर कुल मामाञ्चिक खनाष्ट्रात अवः रेवसम्य प्रभो प्रमा छाडे कात्रान श्राहेट्ड श्रामार्षिक

প্রজ্বলিত অগ্নির সর্বপ্রধান ইন্ধনুরূপে বর্ণনা করেছে।

প্রাইভেট্ট প্রাপার্টি বলতে কিছু না কিছু ধূন-সম্পূদের উপুর কর্তৃত্ব কুরা বোঝায় এবং সম্পত্তির কর্তৃত্ব মানুষের আমিতু এবং পৃথিবীর উপর স্বার্থ রক্ষার ইবলিসি ইঙ্গিত বহন করে। তাই এখানে ব্যক্তির অধিকারকৈ তথা নিজের অধিকারে ধন জমা রেখে দাতা সেজে ক্ষুধার্তকে খাদ্যু দান করার ছগুয়াব হাসেল করতে বুলা হয় নি অর্থাৎ প্রাইভেট প্রোপার্টির স্বীকৃতি দেওয়া তোঁ দূরে থাক, বরং ইহা আমিত এবং দূর্নিয়ার মোহে জড়িয়ে পড়ার একটি প্রধান কারণ বলে ইহাকেই (প্রাইভেট প্রোপার্টিকে)

रामा वर्षा अश्वादात्वात्मत श्रुक्ष निर्ज्ञ विश्व विना रूखा है। 'भून क्रुमा करत' वाका दिते व्यर्थ की? वाभिन निर्कृष्ट अकटू उनिरा प्रभून छा। আপনি কি ধন বলতে ধাতুনির্মিত মুদ্রা গু কাগঙ্গের টাক্রাকে মনে করছেন? আপনি তা কখনোই মনে করতে পারেন ন্যীযদি অন্ততঃ অর্থনীতি সম্বন্ধে আপনার কিছুটা ধারণা থেকে থাকে। কারণ, আপনি জানেন, ধাতুতে বানানো মুদ্রা এবং কাগঞ্জৈর টাকা হলো ধন বিনিময় করার একটি সহজ মাধ্যমু। সুতরাং ধনী জুমা করে রাখা এবং তার হিশাব রাখাটার অর্থ হলো নিজের অধিকীরে কমবেশি সম্পদু রেখে দেওয়া এবং সেই সম্পদ যাতে নিজের হাতছাড়া না হয় তার জন্য সবসময় সেদিকেই

मलानित्वम कता अवः रेराकर वना छाषाय वना रय थारेटिए प्राभाष्टि ज्या वाष्ट्रशुकातान मतिरफत छिछत अभन काला वानी लहे यात छछत् ब्राह्मछूष्ट প্রোপার্টির সমূর্থন খুঁজে পাগুয়া যায়, বরঃ বহু বাণীতে ইহাকে প্রজ্বলিত অ্থি, জাহান্নাম, কঠিন শাস্তির ইন্ধনরূপেই বর্ণনা করা হয়েছে। জানি না নাস্তিক কমিউনিশ্রা সর্বহারাকে যুদি পরিধানের কাপড় এবং পায়ের স্কুতো সরকারিভাবে ব্যবহার করতে গিয়ে যদি বলে, 'এই কাপ্ড এবং জুতোর ব্যবহারের মধ্যে অন্তত তোমাকে সর্বময় অধিকার দেওয়া হলো তা হলেও ইহা আমাকে অকপ্টে মীকার করতে হবে যে, ইসলাম সেই কাপড় এবং জুতাটুকুর উপরেও কাউকে সর্বময় অধিকার দেয় নি। সর্বহারা হো বাদ, যে কেহ যদি সেই কাপড় এবং জুতার অপব্যবহার করে তবে তারও কৈফিয়ত দিতে হবে – ইহাই ইসলামের বিধান। कातप, प्रवंशय ऋभणात व्यक्षिकात अवः व्याप्रमान ७ ऋभित्नत अक्षाव मानिक रतन वाल्वारं। कातान धार्मा कत्रष्ट, 'ठूमि कि जान ना, वात्रमान अवः जमित्नत

सार्विकाना আল্লাহরই।' (সূরা মায়েদা : ৪০)। পুনরায় কোরান এই কথা ঘোষণা করছে যাতে আমরা নিজেদেরকে মালিকের আসনৈ না বসাই; কারণ আমরা মালিকানার কর্তৃত্ব প্রহণ কর্লেই মাথা চাড়া দিয়ে উঠবে মানবসমাঞ্চের বুকে অসাম্য, জুলুম আর শোষণের বিভাষিকা। কোরান বলছে 'আসমান এবং জমিনে যা কিছু আছে, या किছू ইহাদের উভয়ের মধ্যে আছে এবং যা কিছু মাটির নিচে আছে, স্বই তারই (আল্লাইরই)। (সূরা তোয়াহা : ৬)। তাই বড় रहाँक किश्वा यठ क्रूप्ट्रें रहाक, काला क्रिनिएनर्तर्ड मानिक मानूम रूट भारत ना। मानूम रूट्ट्र भारत धुर्भ मानवकाछित नर्वश्रकात मन्ननगरतात् वामानटमात्। भानित পিপাসায় নিজের জীবন হয়তো চলে যেতে পারে - তবু সেই পানি হাতে নিয়ে যে ব্যক্তি ভাবতে পারে যে তার মতো পিপাসার্তু অনেকেই যুদ্ধময়দানে পড়ে আছে, जार्फत निभामा रुश्वका वामात क्रात्यक द्विमि, जार वाली जारफतक भानि भाने করতে দাও। এমনিভাবে সকুলের তৃষ্ণার্ত টোট্রের কাছে পানি পেয়েও যারা অপরের एकात कथा भारत करत भानि भाने करतन नि अवः भूतिरमस् अवाङ्ग्रेर्क अस्त्रकान কুরতে হয়েছে। এ রকম নঞ্জিরবিহীন দ্রাতৃত্ব আর সিমেনটেড ইউনিটি যাদের চরিত্রের আমলে সালেহা তথা 'অপরের সুখ-দুঃখ নিজের মতো মনে করে বরণ করে बिछेशा हिल छाएमत्रक यछ त्रभारलाहिनाई कती खाक ना कन छत् विस्त्रेत् भानवक्त्र মুহূর্তের তরে অবাক করে দেয়। আরু যারা মুসলমান তাদের টোখ দুটো মুহূর্তে অফ্রিসিক্ত হয়ে উঠে। প্রাইভেট প্রোপার্টির জঘন্ট অপবাদ কোরান-হাদিসের ইপির চাপিয়ে দুয়ে বিকৃত ব্যাখ্যা করে যারা ইসলামের সৌন্দর্যের মুখে কালি লেপে দুয়ে হীন স্বার্থসিদ্ধি করে, যারা আল্লান্থ যা নাজেল করেন তার বিকৃত ব্যাখ্যা দিয়ে আসল সত্যটিকে মানুষের চোখে ফাঁকি দেবার জন্য চেকে রাখে, তাদেরকে কোরান সোজা শান্তিভঙ্গকারী, জালেম এবং সবশেষে কাফের বলে ঘোষণা করছে। কোরান ঘোষণা করছে, 'আর সেই সব লোক হতে দুরে থাকো যারা আল্লাহর নামকে বিকৃত করে দিচ্ছে, শীঘ্রই তারা তাদের কর্মের প্রতিফল পাবে। (সূরা আরাফ : ১৮০)। কোরান পুনরায় বলছে, 'তবে কে আছে তার চেয়ে অধিক অত্যাচারী যে আল্লাহর বিরুদ্ধে মিখ্যা বানিয়ে নেয়?' (সুরা কাহাফ)।

কোৱান বলছে, 'আল্লাহ যা নাজিল করেছেন যারা সেই অনুসারে বিচার করে না, তারাই শান্তি ভঙ্গক্রী।' (সূরা মায়েদা : ৪৭)। একই কথা আবার কোরানু বলছে, 'আল্লাহ যা নাজিল করেছেন যারা সেই অনুসারে বিচার করে না তারাই কাফের।' (সুরা মায়েদা : ৪৪)। আবার কোরান ঘৌষণা করে, 'আল্লাহ যা নাজিল করেছেন যারা সেই অনুসারে বিচার করে না, তারাই জালেম। (সূরা মায়েদা : 86)1

কোরান-এর কোথাগু নেই?

প্রাইডেট প্রোপার্টি তথা ব্যক্তিমালিকানার পক্ষে সুরা ইয়াসিনের ৭১, ৭২ এবং १७ এই তিনটি আয়াতকে দলিলরূপে অনেকেই ব্যবহার করে থাকেন। অথচ এই আয়াতে পৃশুর উপর মানুষ্কে যে কর্তৃত্ব গ্রু অধিকার দেওয়া হয়েছে শুধুমাত্র সেই क्यां वे छेल्ल्य त्राराष्ट्र है रहारक व्यक्तिमानिकानात निष्ठतत्रस्थ रक्सन करत रा দেখানো যেটে পারে তাহা বোঝাই মুশকিল্। একু মানুষের উপুর অন্য মানুষের অথবা একদল মানুষের উপর অন্যদলের কর্তৃত্পাপ্তির নির্দেশ উল্লিখিত আয়াতৈর দারা কেমন করে যৈ বোঝা যেতে পারে তাইা আবিষ্কার করা যাঁয় না। **ই**সলামি সাম্যবাদের বিরুদ্ধাচারণের উদ্দেশে, ব্যক্তিমালিকানার স্বার্থবাদী ভুত যাদের মাথায় চড়ে বসে আছে তাদের পক্ষে এরূপ অভূত অর্থ আবিষ্কার করা সম্ভব হতে পারে। যদি क्रिं अकान्तर अरे व्याग्राज मित्रकरक भीनिकानात फिर्क नागाळ जान जारा रहना **अर्थे भा**षिकाना व्यक्तिभाषिकाना नग्न। रेंश गृरभाषिठ পश्चत उपत भनुषाकाठित सानिकाना वा অধিকার। ব্যক্তিমালিকানার কোলো প্রশ্নুই আসে না। আল্লাইর বিধান মতে সবাই এই অধিকার পেয়েছে পশুর উপর। একজনকে বঞ্চিত করে অথবা বাদ দিয়ে অন্যন্তনের অধিকার বোঝায় না। এই অধিকার সার্বন্তনীন। আর একটি বিষয় थ्र**प्रसं** छत्त ताथळ रत या, मन्नम क्षाकातीत रंभनामि मञ्ज्ञाणि की, व्यर्शा সম্পদ জমা করে রাখে বলে কার উপর ইসলাম অভিসম্পাত বর্ষণ এবং কাফের-**सानारक** तत्न অভिश्चि कत्रष्ट? हैं याम धर्म जात्क है यन्त्र कसा कत्रष्ट तत्न অভিহিত করছে যার জীবন ধারণের একান্ত প্রয়োজনীয় ব্যয় বাদেপ্ত কিছু সম্পদ জমা থেকে যায়। তাই হজুর পাক (আ.) এ রকম সম্পদ জমাকারী সম্বন্ধি বলেছেন, 'সম্পদ জমা করে যে লোক, সে আল্লাহ্র দূরবৃতী, বেহেন্তের দূরবৃতী, মানবসমাজের দূরবৃতী এবং দোজখের নিকটবতী। (তির্টিমিজি)। হজুর পাক (আ.) আরুগ্রলেন, বিটেপার, সম্পদ জমাকারী এবং নিঠুর ব্যক্তি বেহেশতৌ যাবে না।' (তিরমিজি)। হজুর পাক (আ.) পুনরায় বলেন, 'আমার মনে হলো যে আমার কাছে একটুকরো সোনা আছে। ইহা (এই সোনা) আমাকে ধরে রাখুকু আমি ইহা মোটেই পছন্দ করি না। তাই ইহা বর্ণ্টন করে দৈবার আদেশ দিয়েছি।' (বোখারি)। হন্তুর পাক (আ.) বলেন, 'মপ্তুমুদদার অভিশপ্ত।' (ইবনে মাজা)। হুজুর পাক (আূু.) বলেন, 'যে খাদ্যশস্য চল্লিশ দিন মগুজুদ রাখে আর তা পরে বিলিয়ে দেয় (গরিবকে) তা তার পাপের প্রায়শ্চিত্ত হবে না।' (রাজিন)। হজুর পাক (আ.) বলেন, 'যারা মুসুলমানগণের ক্ষুতি করে তাদের খাদ্যশস্যূমগ্রন্থ্র করে রাখে আল্লাহ তাদেরকে কঠিন রোগ ও দরিদ্রতা দিয়ে কর্ম দেবেন।' (ইবলে মাজা)।

श्कूत भाक (আ.) বার বার আমাদেরকে সাবধান করে দিচ্ছেন এই জন্য যে, আমরা যেন ইসলামি সাম্যের আদর্শ হতে শয়তানের প্ররোচনায় পড়ে অসাম্য, বৈষম্য, শোষণ নিজের অধিকারে সম্পদ জমা করে রাখার জ্যন্য কর্মে লিপ্ত না হই।

श्रुत পাক (আ.) একদিন ঘটনাচক্রে হজরত বেলালের নিকট গিয়ে দেখতে পেলেন যে, তার সামনে একঝুড়ি খেজুর। তিনি তখনই বেলালকে জিজেস করলেন, 'হে বেলাল, এণ্ডলো কী?' বেলাল উত্তর দিলেন, 'আগামী কালের জন্য আমি ইহা জমা করে রেখেছি।' তিনি বুল্লেন, 'বিচারের দিন দোজখের আগুনের বাষ্প কি

(एथए) छग्न कत ना?' (वार्रशिक)।

মাত্র একঝুড়ি খেন্ধুর জমা করে রাখাটাকে হুজুর পাক (আ.) দোজখের আগুনের वाष्प वर्त रेक्ट्रेंच दिनानुरक मावुधान करत किरेनन, आंत्र आंग्रता अथन काशाश কোন পতনের বিন্দুতে দাঁড়িয়ে আছি একবার নিরপেক্ষ মনে বিচার করে দেখুন তো! অন্যের কথা বাদই দিলাম, ব্যক্তি আমিটাকেই একবার বিচারের কাঠগড়ীয় দাঁড় করালে ক্রী রায় আশা কুরতে পারি? আমার নিজের পাপ দিয়েই তো অন্তের পাপ মেপে যাই, তার পরিণতির শোচনীয় অবস্থাটার কি ব্যাখ্যা দিতে হবে? জলজ্যান্ত স্ত্যের উলম্ব প্রকাশের ধারাকেও আপন অন্ধু স্বার্থের খাতিরে বাঁকা পথে জোর করে টেনে निয়ে যাই, আর যদি একান্তই না নিতে পারি তা হলে চিরন্তন একখানা অপুবাদের গালি দিয়ে যাই - 'এই হাদিসগুলো না একদম বানানো হাদিস তথা জয়িফ হাদিস।' কিন্তু আমরা জেনেগু না জানার ভান করতে বাধ্য হই ঐ স্বার্ষের ব্যড়িটার দিকে লোলুপ দৃষ্টিতে তাকিয়ে। কিছু এটা যে অবিসুংবাদিত সত্য কথা -'त्रेळात् शांक ना काँला পাশাক। পা খেকে মাখা পর্যন্ত সত্য চিরদূন থাকে উলঙ্গ।' চমক দিয়ে উঠে রক্তপানের চরিত্র তরবারির দেহে। পিপাসার্ত পেটকের মতো ঢক ঢ়ক করে পান করতে চায় তরবারি। চমক দিয়ে উঠে চৈতালি প্রখর সূর্যের মতো উলস্ব ,ছবি সত্যের চরিত্রে। পিপাসার্ত পেটুকের মতো ঢক ঢক করে গিলৈ ফেলতে চায় মিখ্যার ঘুট ঘুটু অন্ধকার দিয়ে বিছীলো শয্যা। কারণ, সত্য সাংঘাতিকভাবে घुगा करत वानेष्ट विशारक, रामन धा राउँ कुकूत छला घृगा करत मानू यस्थरका **ठि**ण वाघ अप्लास्क ।

क्य श्रकाद्वर ना व्याभारम्बरक मन्मम याक्य कात्ना क्रस्मर क्रभा ना कवि ठाव আদেশ-উপদেশ হন্ত্রর (আ.) দিয়ে গেছেন। মাত্র একঝড়ি খেজুর একটি দিনের জন্য রাখার বাসনা হওয়াতে হজুর পাকের (আ.) প্রেমিক সাহাবা হজুরত বেলালকৈ পর্যন্ত সাবধান বাণী গুনতে ইলো, যে হজুরত বেলাল একদিন আবু উসামার নিচুর প্রহারের তল্পে হন্ধরত মোহাম্বদ (আ.) নামটি উচ্চারণ করতে এক মুহূর্তের তরেও ভুলে যান নি। কুত সহসুবার যে হজুর পাক (আ.) সম্পদ জ্মী করা তথা वुँकिसानिकानात विक्रप्तः, रैवयस्यात विक्रप्तः, त्यायूपात विक्रप्तः, पर्वश्रकात जुन्सात বিরুদ্ধে জেহাদ করতে, সংগ্রাম চালাতে আবেদন-নিবেদন করে গেছেন তার হিশৈব নেই। অথচ আমরা গাছের মূল কেটে ফেলে মাথায় পানি ঢেলে গাছ বাঁচানোর ক্তই না কথার তুবড়ি আর বস্তাপচা বুলি ঝাড়ছি তার ইয়তা নেই। হজুর পাক (আ.) বলেন, 'সম্পদ জমা করে রাখা দৌজখের একটি গাছ। যে ব্যক্তি সম্পদ জমা করে রাখে, সে দোজখের একটি ভাল ধরে আছে। ভালটিও তাকে ছাড়বে না যে পর্যন্ত সে (ভালটি) তাকে দোজখে দাখিল না করে।' (বায়হাকি)। একদিন হন্তুর পাক (আ.) কার্বা শরিফের ছায়ায় বসে ছিলেন, তখন হস্তুর পাক বল্লেন, 'কার্বীর প্রভুৱ শপ্র! তারা ক্ষতিগ্রস্ত। আবু জর গিফারি বল্লেন, 'আমার পিতা ও মাতা অপিনার জন্য কোরবান হোক। তীরা কে?' শুজুর পাক বললেন, 'যারা ধন-সম্পদ অধিক করে, কেবল্ ঐ লোকজ্ন ছাড়া যার সামনৈ থেকে, পেছন থেকে, ভান হাতে, বাম হাতে বলে এইভাবে, এইভাবে, এইভাবে খরচ করে। তাদের সংখ্যা অল্প। (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

হন্ধুর পাক (আ.) যেভাবে খরচ করার নমুনা দেখালেন সেভাবে যদি ধরে নিলাম কেউ তার সন্ধিত সম্পদ বিলিয়ে দেয় তবে তার কাছে যে কী থাকবে তা বুঝতে কারো কই হবে না। অর্থাৎ সম্পদ যাতে অতি সামান্য পরিমাণও কেউ জমা না রাখতে পারে সে কথাই ঘুরে-ফিরে বিভিন্ন রকমে বলেছেন। সম্পদ জমা করার বিরুদ্ধে (প্রাইভেট প্রোপার্টির তো প্রশ্নই উঠতে পারে না) হন্ধুর পাক (আ.) কত রকমেই না আমাদের আদেশ দিছেন। হন্ধুর পাক (আ.) বলেন, 'যে ব্যক্তি সোনা মগুকুদ করে তার উপর অভিসম্পাত এবং যে ব্যক্তি রূপা মগুকুদ করে তার উপর অভিসম্পাত। (তিরমিজি)। আমাদের অন্ততঃ এটুকু নিশ্চয়ই জানার কথা যে, হন্ধুর পাক (আ.) একমাত্র কাফের এবং মোনাফেকদেরকৈই অভিসম্পাত বর্ষণ করেছেন। এখন একটু তলিয়ে দেখুন তো সোনা আর রূপার মগুজুদদারদের কি অভিসম্পাত বর্ষণ করা হয় নি? হন্ধুর পাকের (আ.) বর্ণিত হাদিসগুলো ভাষা এবং ভাবের দিক দিয়ে এত সন্ধর, এত গভীর যে তার একটি নমুনাম্বরূপ নিচে দেগুয়া হলো। হন্ধুর পাক (আ.) বলেন, 'দোজখে ঢুকানো হবে না সেই ব্যক্তিকে যার ভেতর এক তিল পরিমাণ অহংকার আছে।'

साब अकि 'अवर' मक् र्याम करत हित्य की मुक्त छारवत मसम्म माधन कता रखाए। जामा कित भार्ककसादार अर राहिमणूक्त मछीत तरमा जान्यावन कत्र ज्ञान्यावन। अधूसाब कारकत अवर सानारककर एतर के जिल्ला कर्या कर्ता रखाए, जा रत्न रमाना-त्रभात सञ्जूष्मात एतरक की वन्त हान? अर मव सञ्जूष्मात एतरक की वन्त हान? अर मव सञ्जूष्मात एतरक की वन्त हान कर्ता हात माज भ्रावान विद्या कर्त राहिस सानव मानवित्र वृत्त रमास्य अवर रवस्तात भ्रावान सानवित्र वित्र सानव मानवित्र वित्र सानवित्र सानवित्र मानवित्र सानवित्र सानवित्र

ঐক নিদারীণ সমস্যায় না ফেলে।

কোরান বলছে, 'আর যে ব্যক্তি সম্পদ জমা করেছে এবং পরকালের কোনো ধার ধারে না এবং ভালো কাজকে মিখ্যা জানে, তার জন্য দুঃখের পথকে আমি নিশ্চয়ই সহজ করব যাতে সে শীঘ্র দোজখে পৌছতে পারে এবং যখন সে দোজখে পড়বে তখন তার ধন-দোলত (যা সে নিজের ব্যক্তিগত সম্পদ মনে করেছে) কোনো কাজেই

আসবে না। ' (সুৱা লাইল : ৮ - ১১)।

कार्तान वंनरेष्ट, 'ना, ना, सानूस मिछिं है मीसानश्चन करत अहे छना या, क्रिकिट धनवान सदन करत, कारातेष्ठ धात धातर्क हारा ना अवर भरताया करत ना।' (मूता व्यानाक : ७ - १)। कार्तान वनर्ष्ट, 'लाक रुक्त जूसि व्यरकात करत सूच चूतिया निष्ठ ना, किश्वा पूनियाक व्यरकात करत हता ना, निश्चार व्यानार व्यरकाती लाकरक छान्वास्मन ना।' (मूता लाकसान : ১৮)। कार्तान वनर्ष्ट, 'व्यर्धित व्यमरायक्तत छेंभत जूसि कथला जून्स करित्र ना अवर या (तंक्र धानात छना व्यक्तिया व्यानाय हारा हो किश्वा क्रिया क्रिया व्यानाय हारा हो क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया व्यानाय हारा हो क्रिया क्रिया क्रिया व्यानाय हारा हो। व्यवस्थित व्यानाय हारा हो।

তারান বলছে, 'কিন্তু সেদিন অত্যাচারীদের গুজর-আপন্তি তাদের কোনো উপকারেই আসবে না এবং তাদের অনুতাপগু (তগুবা) কবুল করা হবে না। (সূরা রুম : ৫৭)। কোরান বলছে, 'এই জালেমেরা স্পষ্টই প্রমুষ্ট (কাফের) হয়ে

রয়েছে।' (সূরা লোক্ষান : ১১)।

কোরান বলছে, 'এবং তাদের সূহিত যুদ্ধ করতে থাক যতক্ষণ না জুলুম দূর হয়।'

(সুরা বাকারা : ১৯৩ আয়াতের কিছু অংশ)।

Rvtjgt`i ¶gv Kti w`tjl Ges Rvtjgt`i Rjg ntZ mvgwqK tinvB tctjl meKvtji Rb Dnv wKš tgvtUB wbivc`bq ! w'' c#gvt\$i Kvt% Rvtjg কিছুক্ষণের জন্য চুপচাপ থাকলেও ভেতরে ভেতরে জুলুম করার নিখত পদ্ধতি বের করার জন্য তারা ফিন্দি করতে থাকে। এ জন্য কোরান পাক আমাদেরকে সব সময় জালেমদের

উপর কড়া নজর রাখতে বলেছে। ইসলামের ধারাবাহিক ইতিহাস পড়লেই এ

क्रशाध्यांत भूमा अवः धक्रः तावा याग्र।

कालिसित विजाणित मेंकन्स कनणात या तक लायप कता रखाए, सकन्स कनणात उपति या विजाणित दानात निर्ससणात जानित याउद्या रखाए, जाएनति या विजाणित याउद्या रखाए, जाएनति या विजाणित याउद्या रखाए, जाएनति या विजाणित विजाणित

हैं त्रवास वर्णा शिवास कार्यास, याता व्यागा होती - ठाता है प्रथम् , ठाता कार्यात व्यात सानारक्त। ठात्मत्र व्यानाह प्रथ प्रभान ना। ठाता सान्यत्म अठिस वानित्स, अठिसत तक त्यायप करत प्रथ पाकात क्रम ट्रित करत वर्ष वर्ष भागान। किष्ठ त्यायपत पाता थर्फ ट्रांना त्य भागान, ठात भिठिए हैं है क्रांत्यसंत समस्य कार्या मान्नित स्वपत्म व्याप करत छोष्य छाता । ठात है म्रक्त क्रांत्यसंत सन प्रव प्रभा व्यान्नित व्याप्त प्रवाद । ठात है म्रक्त क्रांत्यसंत सन प्रव प्रभा व्यान्नित व्याप्त प्रवाद क्रांत्य व्यान्नित करता व्यान्नित क्रांत्य व्यान्नित करता व्यान्नित क्रांत्य व्यान्नित करता व्यान्नित क्रांत्य क्रांत्य क्रांत्य व्यान्नित क्रांत्य क्रांत्

খুজবে?

े खठा हात, क्रुनूस, त्याषप खात निर्याणन यि तावात सत्या छ्यू नीतत्व फ्रांडित्य प्रत्य याठ्ठ, यि अत विक्रफ्त श्रिण्ठवाफ्रमूशत ना रूठ, यि त्यापन करत तार्शा खठा हात्रीत विक्रफ्त श्रिण्ठवाफ करात खानारत फ्रिक्स क्ष्मपछ सापछ त्यापन विक्रिक्त ताश्च खानारत, यि निर्देश यारा क्रिज्ञा क्ष्मण्ड श्रामाण्ड व्यापता विक्रिक्त वाश्च खानात्रा कर्त क्रिक्ट खानत्व साध्य क्रिक्त क्षाय खानात्रा कर्त क्रिक्ट खान्य विक्रिक्त साध्य विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त विक्रिक्त खान्य खानात्व।

नीतित प्रमेंटिक में स्टिंग याटि बालाइत निर्ममनछ्टला ट्यामता शाभन करत ना ताथ ठातर कना ट्यामाटिक का द्वापाय करत निर्म्ण, 'याता शाभन करत ताथ क्ष्मण क्षमानछ्टला अवः बालाइत भर्य प्रमात निर्द्रमण्डला यारा व्याप्त भारित्राष्ट्र ट्यामाटिक कना व्यात यारा (अक्वार्त्त) श्यालामा करत व्यामता दिश्वाण व्यामाटिक ट्यामाटिक ट्यामाटिक व्यामाटिक व्याप्त केंग्रेत व्यालाइत व्यक्तिमान अवः याटिक व्यक्तिमान दिवाल क्षमान दिवाल व्याप्त व्यक्तिमान कर्ते व्याप्त व्यक्तिमान दिवाल क्षमान दिवाल व्यक्तिमान दिवाल व्यक्तिमान दिवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान दिवाल व्यक्तिमान दिवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान दिवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान विवाल व्यक्तिमान व्यक्ति

পৃথিবীর বুকে সাম্য, শান্তি, শৃঙ্খলা যাতে বুজায়ু থাকে, আর যত প্রকার অপুক্রি, অন্যায় এবং ক্ষতি যারা তাদের শয়তানি বুদ্ধির জোরে কুরে বেড়ায় এবং পৃথিবীর বুকে অশান্তির বন্যা নামিয়ে দেয়, আল্লাই যত বড় কঠিনু শান্তি দিতে আমাদেরকৈ আদেশ করছেন তা গুনলে সত্যই অবাক হতে হয়। একতিল পরিমাণ মায়া-মমতার প্রশ্ন গুঠাই অবান্তর করে রাখা হয়েছে আল্রাহর প্রতিটি আদেশের মাঝে যারা পৃথিবীতে অন্যায়-অত্যাচার করে বেড়ায়। এই জালেমের দলকে সুমুচিত শিক্ষা দেবার আদেশ দিয়েছেন আল্লাহ। এদের অপকুর্ম যাতে ভূ-পৃঠে ব্রোগন্ধবিাণুর में में महिला में महिला है कि उन्हें में महिला में महिला में महिला में महिला महिला महिला महिला महिला महिला महिल দিতে আদেশ করছেন। জালেমের্ প্রতি উদারতা আল্লাহ কো্থাও দেখান নি। কারণ, উদারতার প্রশ্ন এখানে অবান্তর। উদারতা প্রদর্শন করার অর্থ হলো জালেমকে সাহায্য कता अवः क्रांतिसत मारम वािकृत्य फिवात सुभिका थ्रर्थ कता। व्याभता त्यन भूत्थर শুধু আল্লাহ্র এবং রসুলের আদেশ পালন করে না যাই, বরং উহা কার্যক্ষেত্র প্রয়োগ <u>क्रें तेळ हैं त्वे अवश्ळॉहिएम् त भून भिक्राहे हत्ना भ्रुथ अवश्कार्यक्रत्व क्षर्याभ</u>क्ता। নিজে মধুপান করার অভ্যাস ত্যাগ করে অপরকৈ মধুপান ত্যাগ করতে বলার আদর্শই ইসলাম এবং ইহার ব্যতিক্রমকেই উদারতাবাদ বলা হয়। মুখে ক্রেহাদের বুলি কুপচালো, কিন্তু কার্যক্ষেত্রে উদারতাবাদ প্রয়োগ করা; অন্যকে জেহাদু করতে वैना, किष्ठ निक्रंत्र तिनारा श्रायां कता रग्न उपात्रजावाप अवः रेरात्कंश कि अक প্রকার মোনাফেকির লক্ষণ বলা যায় না? পশুর মতো একবোঝা খাবার উদরে তুলে আবার মুচাঁক হাসি তুলে রসুলের বাণাঁকে টেনে এনে মিডি খাবার মোহটাকে সুন্নত বললে ঐ মোনাফেকদের মুখেই সুন্দর শোনায়, কিন্তু শোষণ আর জুলুমের বিরুদ্ধৈ ভাজার ভাজার বার আল্লাভ্ এবং রসুলের আদেশটা কেন্ট গুনিয়ে দিলেই উদারতাবাদের ললিত ভাষার শৈলী শোনায়। 'তিন দিনের বেশি খাদ্য ঘরে মগুজুদ না করার' যে হন্ধুর পাকের আবেদন, সেই আবেদন যারা ভূড়িভোক্তের পর মিটি খেয়ে 'হন্ধুর পাকের সুন্ধুত পালন করছে' বলে বেড়ায় তাদেরকে এই খাদ্য মগুন্ধুদ না करत ताशीत वसान त्मीनात्म जाता खन मरमा व्याकाम रूळ भरफु यान। व्यवाके रूख এ রকম প্রশ্নপ্ত হয়তো করে বসতে পারে 'এ রকম হাদিস তো স্থানি নি', অর্থাৎ তা रल क्या कोल मित्र एक्टिश खनल खेवाक रेत्व - रुक्त भारकत वर्षिण अरे रामिनिएक पूर्वन, सिथा, वानाता, सनत्र्थ वर्षनाकातीत्वत सेत्या खानुकर "निर्वत्रयाण नर्य, ইত্যাদি বিশেষণগুলো আগেই লেপে দিয়েছে তারাই যারা মিন্টি মুখের গর্তে টপ টপ করে ফেলে হজুর পাকের সুন্নত পালন করতে ব্যস্ত এবুং বিশেষজ্ঞ।

वानार धारेषा कतत्व काल्यात क्रन्यति श्री रेट मूट िएट। 'मिक्ति भूताभूति भ्राम् कत्व याता भ्रीवीत वृत्के क्रन्य, व्यक्ति व्यात क्रिट कतत्व टाता व्यानार अवः ठात त्रमुलत विक्रम्ह युद्ध कर्त्व अवः अठार ठात्मत अक्षाव मामि या, ठाम्तिक व्यवगार थून कर्ता रत्व व्यवगा मूट किंद्रा स्नात क्रन्ट रत व्यवगा क्रिटी फिक कर्त्व ठाम्ति राज-भा क्रिटी एउगा राष्ट्र अवः अठा टाप्ति क्रम् भ्रीविद्य छीत्व व्यवमान अवः भ्रतकालात क्रुमु ठाएम्तर छात्व व्यवमान अवः भ्रतकालात क्रमु

र्रत। (त्रुता सांशिमात ७७ व्याशाळित छातार्य)।

(গ) সূরা তাকাসুর

- ১. আল্ হাকুমুত্ তাকাসুর।
- २.राजां क्रूत्रेष्ट्रैबेनं बाकार्वित। ७.कान्ना त्राठका ठानाबुना।
- ८. त्रुमा काल्ला त्राठका ठावासून।
- **८.काल्ला लांछ छालाञ्चना अलग्नाल रहााकीन।**
- ७. लाठोता उत्ताल क्रांटिया।

१. युषा नाठाता छेतारा वारैनान् रूग्राकीन्। ৮. युषा ना ठूम वानुता रुग्राश्वारिकन वानिन् नारुष।

অনুবাদ

১.(বিষয় সম্পদের প্রয়োজনের) বেশি কামনাই তোমাদেরকে বিনাশ করে।

২ যে পর্যন্ত ন্যু ত্রোমরা কবরে যাও।

७. जा नश्र, भौधष्ट्र (ळामता तूर्याळ भातरत।

৪.পুনরায় (বলছি) তা নয়, শীঘই তোমরা বুঝতে পারবে। ৫.তাও নয়, (হায়) যদি তোমরা জ্ঞানের দ্বারা বুঝতে পারতে।

৬ . নিশ্চয়ই ঠোমরা দোজখ দেখবে।

৭ তারপর নিশ্চয়ই তোমরা উহা প্রত্যক্ষভাবে দেখবে।

৮.তারপর নিশ্চয়ই তখন তোমাদেরকে জিজেস করা হবে নিয়ামত সম্বন্ধে।

ব্যাখ্যা

দুনিয়ার ধন-সম্পদ্ধের উপর ভোগ-বিলাসের ফলাগু করার জন্য আল্লাহ মানুষকে দুনিয়াতে পাঠান নি ্মান্ব সৃষ্টির উদ্দেশ্য হল্যে দুনিয়ার পরীক্ষাগাঁর হুতে মুক্তি লাভ করে আল্লাহ্র দ্বীন ইসলামে প্রবেশ করে তাঁর সম্ভোষ লাভ করা। বিষয়বস্থর काभना অন্তরে অধিক থাকলে আল্লাহর দ্বীন ইসলামে প্রবেশ করা সম্ভব হয়ে ৪ঠে ना। अरे कांत्र(पर्टे अरे मृताग्र वाल्वीर वश्वत्यार रूळ युक्त शाकात कना मावधानवापी उष्णात्व कर्तिक विचार अर्थाक्रज़्त व्यक्षिक उपार्कन कतात क्रका कर्तार অপরাধ। কারণ তাতে আমাদের মানসিক শক্তির অপব্যবহার হয়। অথচ আমরা পরস্পুর প্রতিযোগিতামূলকভাবে সঞ্চয়-প্রবৃত্তি জাগ্রত করে রাখি। কারণ, বস্তুর চাকচিক্য এবং ধন-সম্পদের মোহ কবরে না যাগুয়া পর্যন্ত আমরা কাটিয়ে উঠতে পারি না ্ব্যক্তিগতূভাবে সম্বয়-প্রবৃত্তির উপরু এই সূরাটি বিরাট একটি ধমক। এই সঞ্চয়-প্রবৃত্তির অর্থই হলো অন্য লোক হতে নিজের ঈন্য অধিক রাখার ব্যবস্থা করা। এ অপরাধৈর শান্তিশ্বরূপ দোজখে ফেলে দেগুয়া একেবারেই অবধারিত। তাই সর্বশেষ আয়াতে বলা হচ্ছে যে, আল্লাহ্র প্রত্যেকটি নেয়ামতের ব্যবহার সম্বন্ধে মানুষকে প্রশ্ন করা হবে। অন্য লোক হতে অধিক ভোগ করার প্রবৃত্তিই একটি বড় অপরীধ। যাহা সমাজ জীবনে অনেক অনুর্থ ঘটিয়ে থাকে। এই অনুর্থ বহু রক্ষে দেখা দেয়। ছোট-वर्फ, धनी-निर्धन, मन्नानी-व्यमन्नानी हैणाफि नानात्रम सुपीविछाभ, मासाङ्गिक कनस्कत मृत कात्रम हरना व्यन्ध हरू व्यक्षिक मक्ष्य कतात श्रवृद्धि। कात्रम, এই मक्ष्यात দ্বারা সে কাহারো উপরু প্রভুত্ব করে থাকে, কাহারো উপর নিজের প্র্ভৃত্ব প্রমাণ করে, আবার কাহারো উপর অপমান গু ঘৃণা নিক্ষেপ করে। এই সব সামাজিক কলঙ্ক হতে রক্ষার জন্য মানুষের সম্বয় প্রবৃত্তির উপর আল্লাহ দোজখের ভয় দেখিয়ে কঠোর সাবধানবাণী উচ্চারণ করেছেন। বস্তুমোহের মূল্য আল্লাহ্র দুননের সৃষ্টিতে একেবারেই তুচ্ছ; অথচ ইহাকেই আমরা বড় করে দেখে থাকি। দৃষ্টির এই ভুলের জন্য আমার্দের চক্ষুকে দেখানো হবে ভয়ঙ্কর দোজখ। অর্থাৎ চক্ষুকৈ প্রবৃত্তিসমুহৈর প্রত্বীকরূপে ধরে ইহাই বোঝালো হয়েছে যে, প্রবৃত্তিসমূহ দুনিয়ামুখী হওয়ার কারণে শাস্তি লাভ করবে।

हैं जनामि जमारक प्राप्त -तर्, धनी-निर्धन (मुपीतित्र्यम कर्ता क्रचना व्यवताध। छैहात माता मानुषरक काहातास केला क्रिया पूछता ता क्षीय कर्ठता हरत मानुषरक अहे व्यवताध हैं कर्जा व्यवताध है के जान करता करता। जा हरता (मुपीतित्यम पृष्टि हर या ता व्यवताध है व्यवताध व्यवताध व्यवताध वात्र ना। विवस्त व्यवित्या विद्या विद

त्रभाद्ध भानुत्यत প্রবৃত্তিগুলোর পরিচালনা আল্লাহর দ্বীন ইসলামে প্রবেশ লাভ করার চেডাঁতে নিয়োজিত রাখাই অধিক হওয়া উচিত। এই উদ্দেশ্য সাধনের জন্যই সূরার প্রথমেই ঘোষণা করা হয়েছে, অন্য লোক হতে অধিক সক্ষয় করার কামনা মানুষের ধ্বংস হয়ে যাবার প্রধান কারণ। আল্ হাকুম অর্থ হলো, ধ্বংস করে তোমাদেরকে তাকাসুর অর্থাৎ অপর লোক হতে অধিক বিষয়বম্ব লাভ করার কামনা।

विषय-त्रम्भाप्तत প্रতি অধিক কামনা উंशत त्रीमा ছেড়ে त्रीमाशीनताल পরিণত হয়। প্রয়োজন মতো আছে, কিছু তাতে কামনার তপ্তি লেই। 'আরগু চাই - আরগু পাই' এই কামনার বিশ্বী রূপ মানুষকে কবরে যাবার পূর্ব পর্যন্ত অক্টোপাসের মতো জড়িয়ে ধরে এবং মৃত্যুই এই ভয়ঙ্কর বিশ্বী সীমাহীন কামনার প্রে প্রাচীর হয়ে দাড়ায়। মৃত্যুর আঘাত না পাগুয়া পর্যন্ত 'আরগু চাই'-এর সীমাহীন কামনার প্রক

म्पूर्त याघाउँ ना भाउरा भयर यादि हिए - धृत भागाशन कामनात भयरके वाहिक्या ताथळ भारत ना अवः काला किष्ट्र वाधा फ्वात ऋमण ताथ ना। वाधिक्या ताथळ भारत ना अवः काला किष्ट्र वाधा फ्वात ऋमण ताथ ना। वाधिक्या कामना ऋणत निष्ठत फिल्क भिष्ठ्य यावात धर्मत मळा गड़ाळ र थारक। धृरे गड़ालात धर्मरक वाधा क्या क्या किष्ठा कामना वाधा म्पूर्य कालात भारत काला मळा वाधा मळा वाधा कामना वाधा मळा वाधाळ वाधा

फरनकाला। या कालात फरन जात्क छितकाल वाध्य करत मरैळ अवः अरे जीत कालारे रता फाक्रथ।

অধ্যাতম দৃষ্টিতে 'আরগু চাই'-এর সীমাহীন বন্য লালসার শেষ হয় মৃত্যুর কাছে
- কোরান-এর এই কঠিন সত্যটি সমাজ জীবনেগু একইভাবে প্রযোজ্য। 'আরগু
চাই'-এর ভয়ম্বর কামনা ছোট থেকে কিভাবে বড় হয়ে আরগু বড় হতে হতে
সামনের দিকে এগিয়ে চলে এবং 'আরগু চাই'-এর পুঁজিরপটি যখন চরমরপ
সাম্রাজ্যবাদের রূপ গ্রহণ করে বলগাহীন হয়ে যায় তখন 'আরগু চাই'-এর মৃত্যু ঘণ্টা
বেজে উঠবে।

व्यामता त्रमाक कीवलत পথে 'व्यात्र हारें - ध्रत गिल-श्रक्ति ध्रवः मृत्र विदार त्रामान व्यात्मा करता। 'व्यात्र हारें - ध्रत गिल, व्यन्त कामना, त्रमाक कीवलत भर्य हमात त्रमा या कल ज्ञल लग्न ध्रवः कल ज्ञल विम्माल राज्ञ हारें - ध्रत ध्रवः कल ज्ञल विम्माल राज्ञ हारें - ध्रत ध्रक्ति व्यात्म या कल व्यात्म या व्यात्म व्यात्म व्याद्म व्याद्म

त्रीमारीन कामनातं त्मस त्र्विण रत्ना त्राम्वाक्ष्यवाह। अधात अत्ररू त्रीमारीन कामना मृत्युत व्याघाण थाय त्मासिण्टएत अक्य-त्रभ्याम नामक व्यद्ध। त्राम्वाक्ष्यवाह क्याणि उप्ताव क्रतार व्याप्त आमता अकिए त्म्य व्याप्त आत अकिए त्मित्व क्याण व्याण क्याण क्याण

ধন জমা করে যারা তাদেরকে আল্লাহ শুধু জাহান্নামের প্রজ্বলিত আগুনে চিরকাল থাকতে হবে, প্রবল ঘৃণা-বৃষ্টি নিক্ষেপ ক্রা, অভিশাপ তথা লানং দেগুয়া, বয়কুট করা ইত্যাদি সাবধানবাণী উচ্চারণ করেই কুঠব্য শেষ হলো বলে মনে করেন নি। কারণ সর্বক্ত আল্লাহ জানেন যে, পরকালভিত্তিক ভয় দেখানোকে ধন জমাকারীরা कार्ता भृत्वाशार्हें कत्रत्व ना। धन ऋषाकातीता खाल्लारत भावधानवाधी छत्न वर्तन त्युजात, 'स्तात भत काशासाय याव कि ना जात निष्ठिशेजा क व्लक्ज भारत? जात শোষণনীতি পরিত্যাণ করে 'সাম্যের আদর্শে সকলের চলতে হবে' বলে আহ্বান জানাতে বলেছেন। যদি ধন জমাকারীরা সাম্যের আদর্শকে তাদের শোষণনীতি ছেড়ে **फिर्स भर्रं** करत जर्व त्रभाष कतात काला श्रसाञ्चन लर्है। बात योर्फ वैक्त वरत्र এবং সাম্যের আদর্শকে অবজ্ঞা প্রদর্শন করে তবে জেহাদের মনোবল নিয়ে ঞ্জক্যবদ্ধভাবে সংখ্রাম করতে হবে এবং আদ জাতির মুতো নির্মমভাবে উপযুক্ত শিক্ষা দিতে হবে। ইন্না আবগুয়াবাল্ জান্নাতা তাহ্তা জেলালিসু সয়ুফে - অর্থাৎ নিশ্চয়ই তরবারির ছায়ীর নিচেই বেহেন্তের দরজা।' ধুন জমাকারীদেরকৈ আল্লাহ এবং রসুল (আ.) শোনাফেক বলেছেন। শোনাফেক কিন্তু কাফেরদের চেয়েওঁ ভয়ঙ্কর এবিং বিশ্রী। তাই তার শান্তির মাত্রাটাই খুব বেশি। ইহকালে তাদের বিরুদ্ধে সংগ্রাম করার শাস্তি এবং পরকালে অগ্নিবাস। কোরান প্রকাশ্যে ঘোষণা করছে, সম্মান একমাত্র আল্লাহর এবং তার রসুল এবং মোমিনুদের। এর বাইরে কারো স্মান ইসলাম श्रीकांत्रेकत्त्र्वा। अथव श्रश्न रला, सामिन् कर सामित्नत मुख्या की? सामित्नत সংজ্य फिल्य शिख्य कातान केन्युंधला गर्न फिख्यएं बन्द बर्च गर्नधलात मक्षा रेराध একটি মোমিন হবার শর্ত - 'তুমি তোমার জন্য যতটুকু বাঁচার প্রয়োজন অনুভব কর ততটুকু প্রয়োজন অপরের বেলীতেগু অবশ্যই করতে হিবৈ।

किष्ट मःशाक लाक यिष हैमलासित अहे जाएम जमाना करत त्मामपनीणि अहण करत मिमाक कीवनरक अक जमहाय जवशास्त्र भित्रपत्त करत छरव छाएमत विक्रम्स स्माण करा ममास्मत मकलात कना हरा प्राम्भाय जवगाकर्ठवा अवः अहे जवगाकर्ठवा यिष्ट ममाक भानन ना करत छरव छाएमतरक सानारकरक माहायाकातीतर भण करा हरा। छाहे हैमलाम धर्म खामपा करत - क्रनमाधातरात पृाता मतकात गर्छन करार हरा। छाहे हैमलाम धर्म खामपा करत - क्रनमाधातरात पृाता मतकात शर्म करार हरा। क्रनमाधातपह निय्म करार ताष्ट्रीय (?) क्रमणा। हैमलाम मतकात अवः वाष्ट्रीय वर्ण करार हिमान मालिकाना भीकात करत छुप अकमात जालाहत। क्रनमाधातप यिष्ट विज्ञान मालिकाना भीकात करत छुप अकमात्र जालाहत। क्रनमाधातप यिष्ट विज्ञान करार ममालिकाना छएक करत ममस्मत करार क्रम मालिकाना छिएक करत ममस्मत करार क्रम कर्म कर्ज वाष्ट्रीय जामान्छ वार्म वार्म कार्य कर्म करार वार्म क्रम करार वार्म वार्म करार वार्म वार्म वार्म वार्म वार्म करार वार्म वा

'ব্যক্তিমালিক' এবং 'ব্যক্তি শোষণ' রূপে পরিণত হবে এবং সমাজ জীবনের ভারসাম্য মোটেই টিকে থাকবে না, তখন ব্যক্তিআমানত উচ্ছেদ করে দিয়ে সমগ্রের सक्रालत क्रवा प्रसंध कर्जक 'प्रसंखित व्यासावण्यां वावायां अर्थ क्रवां स्ट्रिंग क्रिया स्वार्थ क्रिया क्रिया स्वार्थ क्रिया स्वार्थ क्रिया स्वार्थ क्रिया स्वार्थ क्रिया क्रिया स्वार्थ क्रिया क्रिया स्वार्थ क्रिय क्रिया स्वार्थ क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया स्वार्थ क्रिया स्वार्थ क्रिय क्रिया स्वार्य क्रिय क् নামে যারা ভণ্ডামি করৈ শোষ্ণব্যবস্থাটাকে জিইয়ে রাখতে চায় তারা বলে বেড়ায় -'ইসলামি সাম্যবাদ ব্যক্তিমালিকানা উচ্ছেদ করে রাষ্ট্রীয় মালিকাুনাতে পরিণুত করবে।' কিন্তু মানুষকে জানোয়ার বানানোর বিদ্যা কমিউনিজম রাষ্ট্রীয় मानिकानाद्कु भीकात करत, कातप जाता रूपनाम धर्म क्षा पृरत् थाक, शृथिवीत কোনো ধর্মষ্ট্র মানে না। তাদের মত্যে ঠেটা আর ঘাড়মোগড়া কমই পারেন। কারণ ইনারা সব বিষয় ইটুড়ে পাকা ফরফরিদাসের মতো বুঝে গেছেন। এমন ইটড়ে পাকা পণ্ডিত একমাত্র কমিউনিস্টদের মধ্যেই পাবেন গণক ঠাকরের মতো। ইনাদের কোনো নেতা কি খলিফা গ্রমর ফারুকের মতো চাকরকে উটিরে উপর উঠিয়ে নিজে রশি ধরে টেনে নিয়ে যাবার সাম্য কল্পনা করত পারবে? বাস্তবের কথা তো বাদই দিলাম। ইনাদের যে কোনো নেতার বঁই পড়ে দেখলে দেখতে পাবেন য়েন সাক্ষাৎ গণক ঠাকরখানা। ইনাদের জালোয়ার বানানোর ইজমখানার মৃত্যুঘণ্টা বাজতে আর বেশি বাকি নেই এবং কমবেশি বাজনার শব্দ যে গুনতে পাই তা এদের নেতাদের চরিত্র দেখলেই বোঝা যায়। এই 'মহান', আবার কিছু দিন যেতে না যেতেই 'শয়তান'। দুটি সম্পূর্ণ বিপরীত বিশেষ্ণের সমাবেশ একই নেতার মধ্যে व्यामता रत-शूरमभू लिख व्यात्रष्टि अवः अर्थे উन्हों भागा त्रिभागा प्रत्य पृथिती क्रभान क्राप्त हि हि कदा रात्रक छक्त कदाष्ट अवः माँछ दात कदा रात्रात्र त्रभग्न একদিন অবশ্যই আসবে - ইহা একটি ঐতিহাসিক ফরমান হুবে একদিন।

तिम पूर्श रश छाएत क्रना याता रूपनात्मत छेपत पूपछीत नितरिक्र मन नित्र प्रमाणना ना करत छाएत छिक्रमम् नीतर्ति पर करत याश बात ना रश छाएत प्राण्या ना करत छाएत छिक्रमम् नीतर्ति पर करते याश बात ना रश छाएत प्राण्या परितर्जन परितर्जन परितर्जन वितर्जन क्रिया क्रमाणना वितर्जन क्रिया परितर्जन मिला है मननीछि स्वाप्ति रामाणना स्वाप्ति परितर्जन क्रिया परितर्जन मिला स्वाप्ति स्वाप्ति

मार्तिक मार्किया नामाक वामारा कतक रहत।

তাই ইসলামের মূলনীতি হলো এক জিনিস, যাহা পরিবর্তনীয় নয় এবং মাসালা হলো অন্য জিনিস, যাহা পরিবর্তনীয়। হন্তুর পাকের (আ.) সময়ে মদিনাতে সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠিত ছিল। অবশ্যই উহা ছিল সৈই যুগের সেই পরিবেশে উপযোগী একপ্রকার ব্যবস্থা। এই প্রয়োগব্যবৃষ্ণাটি পরিবর্তনশীল, কিন্তু বর্তন বিষয়ে সাম্য গ্র

ন্যায়নীতির মূল কথা কখনোই পরিবর্তন করা চলবে না।

অনেকে ধারণা করেন এবং করেছেন, হজুর পাকের (আ.) সময়ে মদিনাতে

यে অর্থনীতি চালু ছিল তার পরিবর্তন করা চলবৈে না। ইহা মারাঅক ভুল।

याता अरे खूरेनत लगा कर्छ उठ्ठे भारतन नि ठाएमत्तक मुसारेना एना निर्सस रलं वन्त्र वारी हेते या हैमनास्मत **हैभत बक्**षाना नितरभक्त मुगर्छीत गतवर्षना जाता না করে গোড়ামির চার দেয়ালে আবদ্ধ হয়ে থাকেন।

পরস্পর সুবিচার ও ন্যায়সঙ্গত আচরণ করার বিষয়ে ইসলামের জোর তাগিদ রয়েছে; এই নীতি সম্পদ-বণ্টনের ব্যাপারেগু প্রয়োগ করতে হবে। প্রয়োগপদ্ধতি যে

त्रक्षरे स्थान ना क्नि ठाळ किष्ट्ररे व्याप्त याग्न ना।

সামাজিক ৪ অর্থনৈতিক বিবর্তনের সঙ্গে উৎপাদন ৪ বণ্টন ব্যবস্থার প্রয়োগপদ্ধতি অবশ্যই পরিবর্তন ক্রতে হবে, কিন্তু সাম্যবাদের মূলনীতি অক্স্ম রাখতেই হবৈ। ধক্রন যেমূন 'জাকাত' নামুকু কুর। ইহা হজুর পাকু (আঁ.) চালু কুরৈছিলেন দরিদ্ধকে সাহায্য ইত্যাদি কয়টি নির্দিষ্ট কাজের জন্য। যদি বণ্টন সাম্যনীতিরূপে গ্রহণ করা रश जा रल 'काकाज' नामक कुर्तिंग्य ना त्वत्थश्च एल, कि ब्रुकाकाळ त त्य मुननीजि - আম্ব্রিত্ব সরিয়ে দিয়ে পুত-প্রিত্র হতে হবে, উহা অবশ্যই পরিবর্তন করা চলবৈ না। भू ननीिं कि कि कि स्व अर्थ पूर्ववर्गी कि अर्थांग-वावश्चा अस्त्र भएग अनुमत्र कितल भाताव्यक ভুল হবে। উহা ইসলামের অনুসরণ না হয়ে অনেকক্ষেত্রে বিরুদ্ধাচরণরূপে काक कत्रती। प्रीन हैं भनासित भूननीं छित श्रीत एसित खाडात अवः श्रीतेवर्छन भीन त्रमाक्षवावश्वात उपात छें हा अवर्जन केतात त्रूगछीत क्षात्मत व्यछात्व व्याधुनिक यूण दीन रूपनामत्क अकूषन त्यात्क व्यथत्याका मृत्व कतत्वन। ठातुमत् मत्ज नाकि द्वीन रूपनाम् একবারেই ব্যক্তিগত বিষয়। তাই দ্বীন ইসলাম 'মধ্যযুগীয়' অপবাদে তাদের নিকট একপ্রকার কলুষিত হয়ে রয়েছে।

(घ) त्रुता भाष्ट्रैव

८ जोतोङ्गेरान् नाक्ति रुष्टेकाक् किंतु तिएमीन। २ काकान्तिन् नाकि रुशामुखन रुशारिकी

७. ७ याना द्यारेषु वाना क्रीयामिन मित्रोक्न।

८.का अशास्त्र जाना का तावन्ति । ८.का अशास्त्र वित्ते । ८.कालाकिना स्म कान् त्रानीिक्स त्रास्त। ७.कालाकिना स्म स्टेंबास्न।

१. ३ शारशास नाउनान् साउन।

অনুবাদ

- ১ . তুমি কি দেখেছ তাদেরকে , যারা দ্বীনের উপর মিখ্যা আ্রোপ করে?
- ২.তা হলে (দেখে নাও) এতিষকে যারা তাড়িয়ে দেয় গুরাই তারা।

७. এবং भित्रकिनक्त शांवात फिक्ट छैश्त्रार फ्रियं ना।

৪.তা হলে আক্ষেপ মুসল্লিদের জ্ন্য।

- ৫.যারা তাদের সালাতৈর প্রতি উদাসনি।
- ७.তারা করে লোক দেখানো সালাত।
- ৭ . এবং তারা মাউন দিতে মানা করে।

ব্যাখ্যা

এখানে রসুলাল্লাহ (আ.ু)-কে এবং ব্যক্তিগতভাবে প্রত্যেক মানুষকে একমাত্র দ্বীন ইসলামের উপর যারা মিখ্যা আরোপ করে তাদের পরিচয় দেইয়া হয়েছে। গুরাই **द्रीन रेंगुलाभटक भारत ना याता अठिभटक ठा**ड़िएस एन्स अवः भित्रक्तिनटक शावात দেবার বিষয়ে উৎসাহ দেয় না।

এতিম কথাটি অসহায় ৪ দুর্বলের প্রতীকরূপে ব্যবহার করা হয়েছে এবং মিসকিন কথাটি নিঃসম্বল ৪ দরিদ্ধের বোবা প্রতীকরূপে ব্যবহার করা হয়েছে। যারা গরিবকে गितिवर्षे ताथळ हारा अवः जास्ति थाछ्या-श्वात मामािक विस्तृति कतळ तािक शास्ति ना अवः व्यमशाय व्यवधाय (श्वाय जास्तिक जास्ति व्यक्तित्व रळ विक्रिण तात्य, जातार द्वीन रमािमात (श्वाक्ता मािमात क्षाक्ति व्यक्तित्व क्षां विक्रा मिल्लात द्वाकि द्वाक्ति कर्ति उत्पक्ति। जार द्वित्या मािमात द्वाकि द्वित्या कर्ति हित्या मािमात द्वाकि विद्वा मािमात द्वाकि द्वाक्ति कर्ति हित्या मािमात व्यक्ति विद्वा मािमात क्षाक्ति विद्वा मािमात विद्वा कर्ति हित्य विद्वा विद्व

साउँ व वर्ष त्रःत्रात-कीवलत निर्ध्यसाक्षनीय क्रिनित्र। स्यसन मा, कूड़ाम, शहा, शिंक, लाठिम रेट्डामि। अर्रे मक्षि सानुस्तर निर्ध्यसाक्षनीय व्यवस्तर वश्वर वर्षेत्र वर्षेत्र मानाला रस्त्र आस्ता व्यविक्ति व्यव्धातिक त्रक्ष्य लागाला रस्त्र । वासता व्यविक्ति व्यव्धातिक व्यव्धातिक वर्षेत्र व्याप्तिक व्यवस्त्र विक्तिमीम। यारे त्रसाक कीवल निर्माण रस्त्र कार्याणिया क्रित्र साध्यस व्यासाप्तर किनिक्त कीवन त्रवृद्धाति वालाव्य रस्त्र। अर्थे त्रर्थाणिया कर्त्र याता केमात्र व्यवस्त्र क्रिक्त कर्त्र वा याता व्यवस्त्र व्यवस्त्र विक्रित्र वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य व्यवस्त्र विक्रित्र वाक्ष्य वाक्

मूर्तिशामात है प्रीनमादात श्रेष्ठाव मन्पूर्प प्रका पूर्तिशामात श्रेष्ठावण्ड पार्षिव श्राद्यंत श्रीण व्यक्ति काश्रण। जार प्र रता त्यां की है श्राद्यंत श्रीण व्यक्ति काश्रण। जार प्र रता त्यां की है श्राद्यंत श्रीण व्यक्ति प्रकार प्रविद्यात काला है पार्षिव वर्षिन विषय प्र रहा है मात है प्रविद्यात है श्रीण विचान काला है प्रविद्यात है श्रीण विच-मन्प्रम प्रवाह कि मात्रात श्रीण विच कि मात्रात स्थाप स्थाप विच कि मात्रात स्थाप विच कि मात्रात स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप

মন্তব্য

याता अठिभक्त जािंध्य प्रमा - व्यर्वा९ विष्ठ-त्यािंविज-व्यवस्थित रुख प्रभाक कीवत्न কোনো রকমে জীবনটা বাঁচিয়ে রাখার জন্য যারা সংগ্রাম করছে তাদের সাম্য এবং নৈকট্যের দাবিকে উপেক্ষা যারা করে, তারা ইসলামের সীমানাতেই দাঁড়াতে পারে নি। অর্থাৎ প্রথমেই তাদেরকে ইসলামের ধারে-কাছেও নেই বলে আমাদেরকে সতর্ক করে দিচ্ছে। আমার মনে হয়, এতিম শব্দটির গভীরতা অনেকেরই জানা নেই। এতিম বলতে কাকে বোঝানো হয়েছে তার সামান্য ব্যাখ্যার প্রয়োজন মনে করছি। পিতা-মাতা না থাকলেই এতিম হয় না। আবার পিতা-মাতা থাকা সত্তেপ্ত এতিম হয়। यिसन, व्याप्त्रसन्ती साता शिटन जात ष्टटलट्न अणिस वना एटन ना। योवात या वाकि তার ছেলে-পুলে নিয়ে প্রতিদিনের খাবারটুকু যোগাতে পারে না, প্রায়ই উপবাস কুরে हिन काँठाळ रश्न, जात्मत्रक्छ बिठिस वैना रश्न, बश्न मर्रेटक र द्वाचा याश्च, बिठिस मक्ष्टित जुर्यू रत्ना विक्रज, त्यासिज, जवरहिन्छ रेज्यामित सूर्ज धर्जीक। ब्रत्सा त्यास्त्रत বেদিতে দাঁড়িয়ে মৃত্যু-তরবারির অপেক্ষায়ু দিন কাটাচ্ছে। সব মানুষের বাঁচা-মরার **मृति रल प्रमान बैदः बर्धे प्रमान क्यां**टित्क याता मात्न ना खान्नार ठाएम् तत्क ইসলামের অতি সাধারণ সারিত্যেও স্থান দিতে ঘৃণা তো দূরে থাঁক সম্পূর্ণরূপে ইসলামের ধারে কাছেও নেই বলে বন্ত্রকঠিন গলায় ঘোষণা করেছে। এখন বুকে হাত রেখে নিজের বিবেককে প্রশ্ন করুন, মুসলমান হবার সংজ্ঞাটি কেমন। এখন প্রশ্ন रेला, ठा रेल् भूत्रनमान देन? अर्थ व्यभूत्रनमानर ता दन? या त्रक्त धनदनाछी तक्र रनाषरकता रैं जेनाम धर्मत नामाविन फरेरत उँ भत क्रु छिरा भूजनमान जमारक नुकन মুসল্মান সাজে তারাই মানব সমাজের কাছে মসজিদ ্ঘরের দ্বারদেশে দাঁড়িয়ে मुप्ति गाउँ जार्रे जार्ञे जार्रे जार्रे जार्रे जार्रे जार्रे जार्रे जार्रे जार्रे जार 'সাচ कीरा, समिक्र स वासित-সঙ্গে ধনলোভীদেরকে খেঁকিয়ে প্রতিবাদ করে, গাঁৱব কা ফারাক নাহি হ্যায়, মাুগার সানকি মে বহুত ফারাক।'

লোক-দেখানো এবাদতকারীরা আর ঢোখে কলুর বলদের ইলি পরাতে পারছে ना। गौत्रवता ठारै वल्ए, सर्गोक्षर घद्ध धर्नी-गौत्रव त्रेसान वलात वार्षी প्रচात कद्धन, किष्ठ शावात दिनाय महान फावि कत्रलार नाम्निक वटनन दिनः (मायदिन स्नायप, অত্যাচারীর অত্যাচার পুঁজিপতি মাথায় টুপি লাগিয়ে গরিবের দাবিকে কুফরি দাবি বলে আর কতকাল মীনুবসমাজের বুকৈ ভুগুমি করে বেড়াবেন? আপনাদের নামাজ-রোজাকে তো পবিত্র কোরান ভুগুমি করছো বুলে বার বার জানিয়ে দিয়েছে। তবু আপনাদের ভণ্ডামি গরিবদেরকে এতকাল ফাঁকি দিয়ে রেখেছে, কিন্তু मद्र ताथरवने, ভञ्जामि कताएँ। कमरविन त्रमस्य अकिषन ना अकुष्टिन धता शर्फ यास्र। র্ণারবেরা এখন বুঝতে পারে, আপনারা ইসলামের দোহাই দিয়ে শোষণের শাসন চালাতে চান। আপুনারা হজুর পাকের (আ.) ইসলাম চান না। আপনারা চান এজিদের ইসলাম প্রতিষ্ঠা করতৈ। আপনারা কবে ইসলামের নাম বিফ্রি করে ভণ্ডামি कतात मुत्थाम रफरन रिस्स প्रकृण मुगुनमान रूपन? रैंगनास्मत गामानार युर्ग युर्ग আপনাদের মতো দলের হাতে যদি আঘাত না খেত, যদি এজিদের মতো বাটপারদের কুচুফ্রের তলে ইসলামের আদর্শ ঘুরপাকু না খেত তবে কুফরি মতবাদ, পশু-বানানো কমিউনিজমের কল্পনাগু কেহ কোনোদিন অনুভব করতো না। আজ সারা পৃথিবীর নাণরিকেরা ইসলামের ছায়াতলে আশ্রুয় নিয়ৈ ইসলাম যে প্রকৃতই শান্তির ধর্ম উহা মলে-প্রাণে উপলব্ধি করতো। কৃষক, মন্তুর আর মধ্যবিন্তরা শ্রেণীতে শ্রেণীতে বিভক্ত হয়ে শ্রেণীদুন্দ্বের কথাটি কল্পনায় বানীনো মানুষ মনে করতো। খলিফা গুমরু ফ্রাক্তকের উট্টের রশি ধরে ভৃত্যকৈ উট্টের পিঠে বসিয়ে যাবার আদর্শ সমাজের প্রতিটি ক্ষেত্রে ফোটা ফুলের মত্যৌ শোভা বিস্তার করতো। 'মানুষ মানুষের

ভাই' - ইসলামের দীন্তিমান মঞ্জের দীক্ষায় মানুষের জীবনধারার প্রণালির শিক্ষা আপনাদের হাতে পড়ে মাদ্রাসার ছোট ছোট ছাত্ররা হায়েজ-নেফাস আর চিলাকুলুপের মাসলা-মাসায়েল শিক্ষা করে। মহানবির অক্ষন্তরা নয়নে মানবতার আদেশ মাদ্রাসার দ্বারপ্রান্তে হমড়ি খেয়ে বোবার মতো কাঁদে। কিছু মাদ্রাসার হাজার হাজার প্রিয় ছাত্ররা একদিন আপনাদের আসল চেহারাখানা চিনতে পারবে। আর বেশি বাকি নেই যেদিন এই মাদ্রাসার ছাত্র ভাইয়েরা, শুদ্ধেয় মুহাদ্দেস-মুফাসসেররা বলে উঠবেন: আল্লাহ পাক ও রসুলাল্লাহর (আ.) দেওয়া সাম্যের আদর্শ প্রতিঠা

করতে হবে।

ইসলামের অর্থনৈতিক ব্যবস্থার উপর রচিত পুস্তুকণ্ডলো পড়ে অবাক হয়ে নিজেকে শুধু এতটুকুই প্রশ্ন করলাম - কোরানূ এবং হাঁদিস কী বলছে আরু আপনারা কী লিখছেনী কৌৱীন-হাদিসের দেপুয়া অর্থুনৈতিকু ব্যবস্থার সামান্যতম মিলগু খুঁক্তে পাওয়া তো দূরে থাক, সম্পূর্ণরূপে চিরস্থায়ীরূপে দাঁড় করালো হয়েছে এক ভয়ন্বর মানবঁতার অপমান করার হিংসু পুঁজিবাদী অর্থনৈতিক ব্যবস্থা। কথায় বলে, ফলের চেয়ে বিচি বড়। আপনারা ইসলামের নামে যে অর্থনৈতিক বিধি-ব্যবস্থা দান করেছেন উহা পাশ্চাত্যের পুঁজিবাদকেও হার মানিয়ে দিয়েছে। উদাহরণস্বরূপ, অর্থনৈতিক ব্যবস্থার উপর লিখিত কয়েকটি উচ্চি অতি সংক্ষেপে তুলে ধরলাম। ১৯৬৫ সালের ডিসেম্বর মাসে লাহোরে প্রদন্ত ভাষণে শুদ্ধেয়ে মগুলানা মগ্রিদুদী সাহেব পুঁজিবাদের উপর দৃঢ় সমর্থন দিয়ে ইসলামের দোহাই দিয়ে বলে ফেললৈন, 'এক ব্যক্তি যেমন কাপড়া, আসবাবপত্র ৪ ঘরবাড়ি রাখার অধিকারী, তেমুনি তার যদ্প্রাতি ও কল-কারখানার মালিক হয়ে যাওয়াটাও তেমন অপুরাধ নয়।' তিনি শুধু মালিকানা মেনেই চুপ করে রইলেন না, বরং কথার মায়াজাল বিস্তার করতে করতে व्यत्नक मृत वर्षष्ठ श्रीभारत शिल्वन। वर्षतिठिक प्रभागात है प्रमासि प्रभाषान नामक वर्षे-श्रत ५५ वृष्टात छिनि वनत्वन, 'काद्भार कर नक्ष-त्काछि छाकात प्रम्पम छेवार्सन ३ पृक्षत करत्व छा प्रभाद्भत वर्षतिछिक जीवनत्क विवर्षष्ठ कर्वत्छ वाद्भ ना। वृष्टिक्षि, प्रामगुवामी ३ प्राम्लाकावामीतिहरू होन श्रार्थत्क मानवप्रभाद्भ छितश्रातीक्रत्व ক্ষিইয়ে রাখার উদ্দেশে এবং কোটি কোটি মানুষকে এক অসহায় করুণু অবস্থার सात्य रिंग्स मिट्स में एक्स संग्रेना संग्रेज ने निर्माण के वार्य किया में किया में एक्स संग्रेज संग्रेज संग्रेज संग्रेज के संग्रेज के अपनित के संग्रेज संग्रेज के स्वार्य के स् क्रिसिंह रहेक ना क्वन, वाहनमुत्रक छैपाख ७ नियस काराद्वा सानिकानासुक रल সে অবৃশ্যই তার বিধিসম্বত মালিক হবে, তা তার বৈধ মালিকানা সম্পৃত্তিরূপৈ গণ্য হবে।' ইহাই শেষ কথা নয়; যাতে সামন্তবাদীরা নাকে তেল দিয়ে ঘুমিয়ে, হাতে চাবুকু निया गतिवरम्ब माता क्रिक्ष प्रशिद्धा ट्यांग क्रवट्य भाद्य यात छैं भर्ते छैं रेनेनास्मत नाम िन्द्रा फळाशा िन्द्रा फलएनन, 'निष्मत क्रिस ए। निष्मर हासावान क्रिक रूट এই ুমালিকানার বৈধতার জন্য তারও কোনো শর্ত নেই।' (ইসলাম ও আধুনিক অর্থনৈতিক মতবাদ পুস্তকের বন্ধানুবাদ ১৭৭-৭৮ পূচা)।

উলামারা প্রশ্ন করেন, উঁহা কাঁদের এবং কী প্রকার 'আইনসন্ধত' উপায় রাখার ফতোয়া দিলেন? উহা কি আপনার বানানো ইসলামের আইন না আলাহ এবং রস্লালাহ (আ.)-এর দেওয়া আইন?' চাউল সেদ্ধ হল কি না তার জন্য হাঁড়ির সমুস্ত চাঙূল একটি একটি করে টিপে দেখতে হয় না। আপনাদের মতবাদখানা যে

কী, কয়টি উক্তিতেই যথেষ্ট মনে করি।

আমরা সার্বজনীন ভোটাধিকার চেয়ে গণতদ্বের অতন্ত্র প্রহরী সাজি। ভোট দেবার বেলায় সকলের সমান অধিকার মানি, কিন্তু সানকির (খাদ্যের) বেলায় একজনের পোলাগু-কোরমা আর একজন দুবেলা সেদ্ধ ভাতটাগু পেট পুরে খেতে পারবে না। সানকিতদ্বের অতন্ত্র প্রহরী সাজার জামাটায় বুঝি আমাদের ছারপোকা কামড়ায়? ভোটের বেলায় যদি সবাই মিলে সমান অধিকার পাই, সানকির বেলাতেও যাতে সবাই সমভাবে খেতে-পরতে পারে। আমাদের এহেন অবহেলা এবং উদাসীনতার দরুনু আমরাই নিরুদের হাতে সুন্দর সুন্দুর খাল কেটে মানুষকে পশু বানাবার কুফরি মতবাদ কমিউনিজম্বুকে ডেকে আনছি। তা ছাড়া মুরণির 'বটি হারাম আর

त्रुंकशा रानान' कळाशात खांका फ्वात फिन भल रश हुंल शिष्ट्र।

পৃষিবীর মানবজাতিকে ইসলাম তার সত্য ও সৌন্দর্য বুঝে নিতে এবং এহণ করতে আহ্বান জানাচ্ছে সার্বজনীনভাবে। কিন্তু ইসলামের এই অখণ্ড সত্য হ সৌন্দর্যকে সীমানার মেকি বেড়া দিয়ে গুণ্ডির ভেতর আটকিয়ে রাখতে চেন্টা চালিয়েছে এবং চালাচ্ছে কিছু সংখ্যক আরবি-জ্বাে পণ্ডিতেরা। অতি সাধারণ কতণ্ডলাে আঙ্গিক विकामक्टे **टैं**ननास्मत नण ७ जिन्हर्स्यत मानकार्छ वर्ल ४द्ध जन ४वः मानुस्त्रत वाकुछित भारत वाश्विक विकारमत हिस्स कृटि ना उठल अवस्य व्यवता देशनात्म নেই বলে ফতোয়া দিতেও দিধাবোধ করেন না। এই আরবি-জানা পণ্ডিতেরা কেবল 'ফেকাহ' শাস্ত্র অর্থাৎ ধর্মীয় বিধি-ব্যবস্থা বিষয়ক বিদ্যার অনুশীলন করে সারাটি জুবিন বিন্টু করে দেন। 'ফেকাহ' শাষ্ট্রের বিধান মতো চললৈই পরকালে মুক্তি মিলবে - এটাই তাদের ধারণা। প্রকৃত ব্যাপার কিন্তু তা নয়। কত্পলো মাসালা মুখস্থ করে রাখা আরু মানবঙ্গীবনের সার্থকতা কো্থায়, স্রুষ্টার নৈকট্য লাভের যেঁ প্यिमगति সেই विষয়ে জ्ञान त्रक्कान कता त्रम्पूर्य व्यानामी करा। विश्वविधार हैसास शाक्कानि अरे मूट्टा विषय त्य साटिंग अक नय अवः अत शानक-धांधाय व्यासता याटा ना পড়ি সে বিষয়ে বিস্তারিত আলোচনা গু দূলিল প্রমাণের সাহায্যে বুঝিয়ে দিয়েছেন। 'কেবল সেই ব্যক্তিই ইসলামের আসল বিষয় তথা মূল জ্ঞান কিছুই বুঁঝতে বা জানতে পারে না যে ব্যক্তি কেবল ফেকাহ শাম্বের মাসালা-মাসায়েল নিয়ে পড়ে থাকে। এরূপ ভুলু ধারণায় নিজেরা তো গড়াতে থাকে এবং সহজ সরল মানুষণ্ডলো গড়াবার ব্যব্স্থ্রী তৈরি করে রাখে, যার ফলে সাধারণ মানুষগুলো এই মীসালা-মাুসায়েলকেই ইসলামের মূলনীতি জেলে ইহারই মধ্যে সারাটি জীবন কাটিয়ে দেয়। (কিমিয়ায়ে সাআদাত)। ইমাম গাজালি এই কথাই দুঃখ করে লিখে গেছেন। तेत्र्वालार (आ.) वर्त्तष्ट्व, हैतालारा वा हैशानकुक हैना त्रुशारते क्य वा हैना वामार्टिक वामार्टि **টোমাদের** व्यान्नार প্রবং আমলগুলোর প্রতি দেখেন না, কিন্তু তোমাদের অন্তর প্রবং উদ্দেশ্যের দিকে দেখেন।

খলিফা গ্রমরু ফুারুক (রা.) বুলেছেন, 'আমি হারামে পতিত হবার ভয়ে সন্তর প্রকার হালাল জিনিস বর্জন করেছি।' নিজেকে এত সাবধানে রেখেও খলিফা ওমর ফারুক (রা) কাফের মেয়েলোকের পাত্রে পানি নিয়ে গ্রন্থ করেছেন। আর আর্বি ভাষা জানা পৃষ্টিতেরা 'বঞ্চিত মানবকে বঞ্চনার বিশ্রী অপুপচেষ্টা ঘুচিয়ে ইসলামি সাম্যের আদর্শে মহিয়ান করে তোল মানুষের সমাজ' - এই আদর্শ গ্রহণ এবং প্রচার कतात পतिवर्ध भिष्टिभिष्टि अञ्च-शामलीते विनास भवित्रका नाष्ट्र वासावासि कदा অনর্থক সময়ের অপচয় করে থাকে। এদেরকে ইসলামের মূল বিষয় চোখে আঙুল দিয়ে বোঝাতে গেলে বুঝ নেগুয়া তো দূরের কথা, কেউটের মতো ফণা তুলে ছোবল মারতে আসে। এদের মধ্যে এমন অনৈকে আছে যারা ধোপার ধোঠীয়া কাপড় প্রিধান করাটাকে মনে করে বড় পাপের কাজ করা হলো। অথচু রসুলাল্লাই (আ.)-কে কাফেরেরা যে কাপড় উপহারশ্বরূপ দিতেন তিনি বিনাদিধায় সৈই কাপড় পরিধান ক্রতেন। সাহাবায়ে কেরাম ধর্মযুদ্ধে কাফেরদের থেকে যে কাপড় 'গনিষতের মাল' হিসাবে পেতেন বিনা দ্বিধায় তাঁ পরিধান করতেন। এমনকি ধুয়ে **जिंदा अद्याक्षन अस्त क्राटन ना। कार्क्यतफ्त रय**्जलायात भाउया र्येज সাহাবারা না ধুয়েই তা কোমরে বেঁধে নামাজ পড়তেন। কেউ 'অপ্বিত্র' মনে করে তা जिन नि। याता किवन गतिवर्पत **माविक आ**जान द्वारा उपत पृष् करत पश्चत भक्ता, व्यक्षात श्रिण क्षि ना तिएश एक्षण कर्त, याता तमना, राण, भा रेणािक व्यक्षात ना त्राय-व्यनारात विषात विषय मार्यानणा व्यवन्यन ना करत कर्वन अबु- भामरात दिनाय व्यक्षाति वामरात विषय मार्यान निर्य वाणािक कर्त, जास्त क्रें मिल्ला दिनाय व्यक्षाति वालां वालां निर्य मार्यान निर्य मार्यान विद्य वालां विद्य मार्यान विद्य वालां विद्य वालां विद्य वालां व

व्यावार्त व्यत्नक व्योद्धवि-काना पिष्ठिण व्याष्ट्रम याता नामास्क माहित्य मृता कास्मिश्च व्यावा त्यातान्वत व्याव त्याता व्याव पहुंचात माहित्य त्याता व्याव व

व्यावात अमन व्यत्निक व्यात्मम व्याद्धन याता अकित्त अक श्रेण्य कातान পार्छ करतन। जात क्रमा जात्मतक कातान भतिक श्रुव जाजाणीं भज़्क रहा। क्रिस्ता विषया प्राप्ति में स्वा प्राप्ति क्रमा जिल्ला क्रिस्ता क्

পৃথিবীর বিশাল সবুজ বুকটাতে গরিবেরা সুর খুঁজে পেতে চায়, সেই যন্ত্রের সুরে সুর মিলিয়ে কে গান গায়? বেসুরা, বেতাল গানের বিশ্রী শব্দে গরিবেরা আহত পাখির মতো ছটফট করতে থাকে আর খুঁজে পেতে চায়, কোথায় সুর আর কৃষ্ঠের মিলনে মধুর সেই গেয়ে গুঠা হজুর পাকের (আ.) গান - মানুষ মানুষের ভাই। হজুর পাক (আ.) বলেছেন, মানবের তরে এমন একটি সময় আসবে যখন

श्कृत ने निक्त (आ.) तल्ला किं, 'सानतितं उत्तं असन अकिं निम्मे आप्ति यथन अक्ट स्मास थाकति ना। त्किन थाकति उत्तर स्थान ता क्रमा। त्कातान थाकति ना, त्किन थाकति अत नाम। आत्र आत्र समित्र पति भाका रत, किंद्र अत सद्धा व्हिन समित्र अत्वर्ग विद्यर्ग विद्यय्य विद्ययम्य विद्य

करनेक हैं ज्वाम गत्विक वर्तन, 'नि म ठ्वीव शाठ्द कान, निम्नु मान्ना शाठताय

ইমান অর্থাৎ 'হাতুড়ে ডাক্তার প্রাণনাশক, কাঠ মোল্লা ইমান নৃষ্টকারী।'

খলিফা গ্রমর ফারুক (রা.) ইসলামি সাম্যবাদের আদর্শকে প্রতিষ্ঠিত সত্যরূপে সেই যুগে, সেই পরিবেশে, সেই অসভ্যতার ক্ষের সবেমাত্র কেটে-গুঠা সমাঙ্কের বুকে গোলাম আর মনিব উভয়কে একই মানের এবং একই পরিমাণ বেতন দেবার ব্যবস্থা করে অপূর্ব দৃষ্টান্ত অনাগত কালের পৃথিবীর নাগরিকদের জন্য রেখে গেলেন। পৃথিবীর ভবিষ্যৎ নাগরিকেরা যেন ইসলামের এই সুন্দরতম আদর্শ মনে-প্রাণে গ্রহণ

করে নিতে পারে তারই দৃষ্টান্ত স্থাপন কুরা সেই যুগে কতখানি কন্টসাধ্য তাহা সহজেই বোঝা যায়। সেই যুগে গোলাম ছিল আরবদৈর কাছে সবৃচেয়ে নিকৃষ্ট এবং ঘূণিত শ্রেণী। হুজুর পাকের (আ.) গোলাম হজরতু জায়েদের (রা.) পুত্র হজরত উসামার (রা.) বৈতন অন্যান্য মনিবদের স্মপরিমাণ হওয়াতে খুলিফা ওমরু ফারুকের (রা.) পুত্র হজরত আবদুলাহ (রা.) পর্যন্ত প্রতিবাদ করেছিলেন। সেই যুগের কথা বাদ দিয়ে আমাদের সভ্য যুগে কেন্ত যদি প্রস্তাব করে যে, দারোয়ানপিওন প্রবং উচ্চপদস্থ ক্র্মচারী প্রক্ত পরিমাণ বেতন পাবে - তবে আমাদের জন্দরদী নেতাগণ হাউমাউ করে চিৎকার মেরে প্রতিবাদ করবে এবং আজকের যুগে প্রতিবাদ করা অত্যন্ত স্বাভাবিক। ইসলামের চরম আদুর্শ প্রতিঠার কল্পনা ছিল উহাই, সামান্য দুনিয়ার মূল্যহীন বস্থুপ্রান্তির অসাম্য তৈরি না করে সাম্য প্রতিষ্ঠা করা। একই খাদ্য, একই পোশাক পরিধান করাতে সন্ধানের উচ্চ-নিচুর পার্থক্য হয় না – পার্থক্য হয় এবং হবে ইমানের গভারতা এবং তাক্ওয়ার ওপর ভিত্তি করে। ছোট-বড় এই অসাম্যর প্রবাহকে হজরত গুমর ফারুক (রা.) অসভ্য যুগের ঘৃণ্য আচরণ বলে বার বার ঘোষণা করেছেন এবং আরব জনসাধারণ যাঁতে এই হিংসাত্মক অহংকার হতে রেহাই পায় তার জ্ন্য অক্লান্ত পরিশ্রম করে গেছেন এবং এই পরিশ্রম যে সেই যুগে বেশ কিছুটা কিছুদিনের জন্য সাফল্যমণ্ডিত হয়েছে তার নুজির তার নির্বাচিত প্রধান সেনাপতিদের চরিত্রে ফুটে উঠেছে অপূর্বরূপে। ইরাক বিজয়ের সময় প্রধান সেনাপুতি আবু উবায়দা যখন সাকাতিয়া নামক স্থানে শিবির স্থাপন করলেন তখন সেই সাকাতিয়ার দুইজন বিখ্যাত সরদার ফারুক এবং ফেরাগুয়ান্দ মুসলমানের বশ্যতা মেনে নিলেন। একদিন এই দুই সরদার দামি খাদ্য তৈরি করে আবু উবায়দাকে খেতে বললে আবু উবায়দা প্রশ্ন করলেন, 'সমস্ত দৈনিকুদের জন্য টুকি এই খাদ্য আনা হয়েছে, না ষ্ট্রপু আমার জন্য?' সরদার ফারুক উত্তর দিলেন, এই সামান্য সময়ের মধ্যে সুকল সৈনিকদের জন্য ব্যবস্থা করা সম্ভব হয় নি। আবু উবায়দা সরদারের সেই তৈরি করা খাদ্য ফিরিয়ে নিতে বল্লেন এবং উপ্দেশ দিলেন যে, 'মুসলমানদের মধ্যে একের উপর অন্য ব্যক্তির কোনোই প্রাধান্য ভেই।

कारान विक्र स्वा क्रिया क्रिय

गतित्वत त्मायकत्मत नात्य द्वाञ्च्यत वन्नत मान्निपूर्वजात नामा-रेमनीत श्रीिठ श्रिण्ठां कतात जामा भवः श्रणात छिक त्मरे तक्यरे जाजीविताधी जामा भवः श्रणात, त्य तक्य भक्ति जवधातिल मृत्युभवयानी वम्र त्वाभीत नत्य मृत्रु-नवन मानुवणात्क भक्रे विष्टानाय ताल काणात्मीत जामा भवः श्रणात कता। जेववा मियान जात मृत्रिक्त भक्ति पत्त मान्निक्त वन्नवाम कर्या। कात्र मियान जात मृत्रिभ धात्व ना वत्न कथा मित्राष्ट्र। श्रिवीत रेणिरान भवः रूननाम भरे मात्राक्रक जूतित त्याळ

যাতে শোষিতরা ঘুরপাক না খায় তার জন্য বহুবার আমাদেরকে সাবধান করে দিয়েছে - মনে রেখ, বাতেল তুথা অসত্য এবং হক তথা সত্য একই বিছানায় থাকতে পারে না। হয় সত্য, না হয় মিখ্যা থাকুবে। অসত্যের সঙ্গে সত্যের কোনো আপোষ হয় না। যারা আপোষের কথা বলে শোষিতৃদুের আশা দেয় তারা মোনাফেক। তারা ভণ্ড এবং এই ভণ্ডামির ভেতর পুরো অসত্যই লিকলিক করছে। তাই সত্য নামক অস্ত্র **দ্বারা যখন মিখ্যাকে আঘাত করা হয় তখন মিখ্যার মাখার খুলি চুরমার হয়ে যা**য় ঐবং সত্য তার আপন সুন্দরতৃম রূপটিকে নিয়ে উদ্ভাসিত হয়। সত্যের অস্ত্র ব্যবহার না করা পর্যন্ত মিখ্যা কঁখনোই তার আসন হতে সরতে চায় না। যারা সত্যের অম্ব ব্যবহার না করে মুিখ্যাকে সরাতে চায়ু তারা পৃথিবীর ইতিহাস এবং পবিত্র কোরান পড়লেগু গবেষণার নিরপেক্ষ দৃষ্টিভঙ্গি নিয়ে পঞ্চেন না। সত্যের অন্ধ্র ব্যবহার না করে व्यान्नार्त माराया भावात व्यामा व्यमञ्जव। कातप, व्यान्नार्ट स्म विषया व्यामारम्बरक আণ্রেই সাবধান করে রেখেছেন - তোমাদের ভাগ্যকে যদি তোমরা পরিবর্তন করার চেষ্টায় রত না থাক্ তবে আল্লাহ তোমাদের ভাগ্যকে পরিবর্তন করবেন না। তাই আমরা এই সিদ্ধান্তে উপনীত হতে পারছি যে, সত্যের তরবারি শোষিতরা কাঁধে নিয়ে এক মহান ঐক্যের মাধ্যমে মিখ্যার বিরুদ্ধে আপোষহীন সংখ্রাম করতে হবে। আঘাত হানতে হবে মিখ্যার বিরুদ্ধে ভয়ঙ্কররপে। ইন্না আবগুয়াবাল জান্নাতে তাহতা জেলালিস্ সয়ুফে - 'নিশ্চয়ুই তরবারির ছায়ার নিচেই বেহেশ্তের দুরজা' - হন্ধুর পাকের (আ.) এই মহাবাণীই শোষিতদের একমাত্র আদর্শ। মিখ্যার বিরুদ্ধে সংগ্রামৈ জয়ী হলে শোষিতদের গুলায় 'গাঙ্কি' নামুক মালা শোভা পাবে। মিখ্যার বিরুদ্ধে সুংখ্রামে মৃত্যু হলে শোষিতুদের গলায় 'শুহিদ' নামুক মালা শোভা পাবে। মিখ্যার विक्रफ्त मेश्रास मठा राणियात जूल निरंत मूनिन्छिण विक्रय वर्ण वालार भाक कानास वरवात सामगा करतस्व। भूषवीत्व मूळात राणियात जूल निरंतस याता, তারা এক হন্ত এবং আঘাত হান মিখ্যার বিরুদ্ধে। মনে ব্রেখ অসত্যের মৃত্যু অবধারিত, তবে সূত্য বলতে কী বোঝায় এবং সত্যের আসল পরিচয় কী তা জানতি रुत, नरेल मेळा-सियात शानक-धांधार পড़ात शाकत महावना। मेळा এवः सियात প্রভেদ করতে হলে সত্যকে ভালো করে প্রথমেই জেনে নিতে হবে।

बर्ड क्या यान क्रिति मुजार विश्वाणी किमिछेनिग्रें ता मतन ना करत या जाएन मजनाएन माम बाए। श्रीविण मामजार विवास करना बक्या मरानि रक्त भाक (बा.)। मानुसर्क श्रुष्ठ वानावात विम्हा किमिछेनिक्रस की तक्य माम वितास करत जा निष्मत कार्या एएथ बामल राजात वात ज्ञुष्ठवा भुष्ठ रत, नजूवा विम्न बामात उभक्त रत। श्रीवित काला धर्मक्रें बता माल ना, वतः बता श्रुत माजा साम राज्या करत श्रुत माल करत - धर्मछला रला वाक्यि। जात माल रला मामजार श्रीविण बक्या मराम हिला कर्या मामजार श्रीविण बक्या मराम हिला कर्या प्राप्त कर्या मामजार श्रीविण बक्या मराम कर्या मामजार वाल वाल करत बतः मराम क्रित क्रा मामजार वाल करत क्रित कार्य माल करत क्रित क

(४) त्रुता वालाफ

121 ला उनिषय विश्वान वालाम। अया व्यानका दिलसूल विश्वान वालाम। अया अयालिमिड अयासा अयालाम। लाकुाम शालाकनाल श्रृमाना कि कावाम। **v**. 8. প্রাইয়াহ সাবু আল লাই ইয়াকদিরা আলাইহি আহাদ। र्हेशाकुन वार्रमाकु सामुन्तामा। वार्रशास्त्रात वाननाम रशाताष्ट्र वाराम। व्यानाम नाम व्याननार वार्वनारेन। \$3555555 **अग्रामित्रानुष्ठि अग्रामाकालार्**बन। **अग्रा राषारेनारन नाक्ष**पारेन। कालाकछाशाल खाकावा। **अशाक्षा व्याप्रताका क्षाल व्याकावार।** े. कार्ककृताकावार। वाण व्यापापार।
८. कार्ककृताकावार।
८. वाठ देखवानून कि देशाठिमन क्रिमानगावार।
८. वाठ देशाठिमान क्रामाकतावार।
८. वाठ मिनकि नान क्रा माठतावार।
१. नुममा काना मिनानाकिना व्यामानू ठशाठाठशानाठ व्यक्तावारी
ठशाठाठशानाठ विन मातरामा। 5¢. 50. SV. उँनार्हेका व्याप्ररादेन सारमानार। अशानुष्ट्रिना काकाक तवा रहा छिना रस व्यापरादेन सामवासार। ১৯. ২০. व्यानशिश्य नाक्षय युत्रामार। ঠি আমি এই শহরের শপ্য করছি। ২ . এবং আপনি এই শহরের স্বাধীন নাগরিক। ७. श्रुवः शिंठा-सांठा ३ त्रेष्ठांत्वतं क्रियं। ८. विश्व शिंठा-सांठा ३ त्रेष्ठांत्वतं क्रियं। ८. तिश्व श्रुवः सानुष्ठक व्यासता देणीत कर्वाष्ट्र कर्वेड्ड सद्धाः। ८. त्र कि सत्व कर्व ठात छैपत (व्यथः) व्याशाः गिंठ वितासिठ नग्नः। ५. त्र वित्त व्यासि व्यत्वकं सांव (व्यथः) व्याशाः (पृष्टि) ठाक एत्थः नाः। प. ति । ति अस् अद्भाव कार्य व्याप्त (व्याप्त) व्यास्त (क्ष्मण) व्यास्त (क्ष्मण) विकास । व्यास्त (क्ष्मण) विकास । विक े ज्यारा वाष्ट्र व्यवाद क्ष भूक कता।

े ज्यारा जिलात त्र मस्य शाम्य एम्छ्या।

े तिकर्णात मार्विमात अणिमत्म।

े ज्यारा भूमिममिन भित्रिक्तित (निःश्वरक, त्र्व्हातारक)।

े जर्त त्र ह्या विश्वातीत मस्य गंप अवद सम विश्वर उपक्रमाणात मस्य गंप अवद त्र हम् त्र क्षिण्य ज्यारा मस्य गंप अवद त्र हम् त्र त्र हिम्मण्यात सस्य गंप अवद त्र हम् ज्यार हिम्मण्यात व्यविचाती।

े अवद याता मित्रा क्रांति ज्यामारम् (अर्ह) भित्र ह्या ज्यारा वाम हाळत ज्यारा हिम्मण्यात हिम्मण्यात हिम्मण्यात हिम्मण्यात हिम्मण्यात वाम हाळत ज्यारा हिम्मण्यात हिम्मण्यात हम्मण्यात 58. 50. ડેહ. ५१. SV.

ব্যাখ্যা

20.

নগর ৪ উহার স্বাধীন নাগরিকতার শপ্য করার উদ্দেশ্য হলো, নাগরিকতার শপ্যের দ্বারা বোঝায় সামাজিক সুশৃঙ্খল সমাজ গঠনের দায়িত পালন করা। তারপর পিতা-মাতা গু সম্ভান-সূমৃতির শপথের উদ্দেশ্য হলো পারিবারিক জীবনের দায়িত্ব সুঠুভাবে পালন করা। এই উভয় প্রকার দায়িত ঠিকভাবে পালন করতে হলে সমাক্ষরীবীয়া ও

তাদের উপরই ভুরি ভুরি আগুন যা দিয়ে তারা বেণ্টিত।

'স্বাধীন নাগরিক' কথাটি উল্লেখ করার কারণ হলো পরাধীন নাগরিক সমাজ ব্যবস্থার উপর হস্তক্ষেপ করার কোনো অধিকার রাখে না। তাই স্বাধীন নাগরিকের উপরে আল্লাহ এই কর্তব্য আরোপ করেছেন যে, যেন সে সমাজ হতে পরাধীনতা,

অন্যায়, অসাম্য ইত্যাদি সর্বপ্রকার অত্যাচার দূর করে।

उत्ति शिल मामाजिक क्रिशां कराज शिल मानुस्त वह पूर्थ-क र्षे वर्त करत निक्ज हरा। इराह मालाविक। लाह वना हक्ष्य, व्यामर्ता मानुस्त मेरि करतिष्ठ पूर्थंत मर्प्य - व्यर्श मानुस्त म

सञ्जा धर्म तनक्क येषि त्रामञ्ज कैंग्रि तकाश ताथा रश्न, धर्म तनक्क यिष्ट वित्रकूम ताक्क श्रुत व्यक्त प्राप्त व्यक्त वित्रकृत वित्रकृत ताक्क श्रुत व्यक्त व्यक्त वित्रकृत वित्रकृत वाक्क श्रुत व्यक्त वित्रकृत वित्

 করার উপায়গুলোর মাথায় প্রচণ্ড আঘাত হেনেছে সূরা বালাদ। শোষকেরা ধর্মের মুখোশ লাগিয়ে ভণ্ডামি করছে। সমাজ জীবনে ভেদাভেদের পাপ আর হিংসার কাদা ছড়িয়ে দিচ্ছে। তাই এই শোষকেরা ধর্মের যত লেবাস ধারণই করুক না কেন আসলে এরাই যে ধর্ম মানেু না তথা প্রকৃত নাম্ভিক সে কথা পরিষ্কার বোঝা যায়।

जातनित तेना राष्ट्र या, मानुमर्त नारा ज्वारा पूषि श्रेषान नर्रात रिकार कि नित्न कि

তারপর কোরান সত্যপথ তথা দুর্গম পথের সংক্ষা বা পরিচয় দিচ্ছে। সত্য পথ হলো পরাধীনতার বোঝা মানুষের কাঁধ হতে নামিয়ে দেগুয়ার ক্ষেহাদ করা। অর্থাৎ মানুষকে শাসন গু শোষণের সর্বপ্রকার অধীনতা হতে মুক্তি দানের সংগ্রাম করা এবং

গরিবদের ভরণপোষণের ব্যবস্থা করা।

এই সমস্ত সামাজিক কর্তব্য পালন করলে পর মানুষ বিশ্বাসী তথা ইমানদার হবার পর্যায়ে আসতে পারে এবং তুখনই কেবল সে ধৈর্য ও দয়া সম্বন্ধে উপদেশ কোনো মূল্যই শ্বীকার করা ইয় নি। উল্লিখিত সামাজিক কর্তব্যপ্তলো পালন না করলে ধর্মরাজ্যে ইমানদাররূপে প্রবেশ নিষ্কিম। এই সমস্ত ধর্মে প্রবেশের শূর্তাবলি याता श्वीकात ना कतरत व्यर्वा९ छा। ३ छिछिका-मार्शक ध्रष्ट मध्य गर्छाविन याता क्षीवल भावन कतात मध्याम श्रर्थ ना कृतत्व जातार वामभन्नी, वालार्त विक्रफ्रभन्नी, জাহান্নামি। আল্লাহর পথ কণ্টকাকীর্ণ এবং দুর্গম। এই কথাই অতি স্পর্ট করে खार्षे के कर्ता के ताला है। अस्तर छे भर्त खा खूर्ति खूर्ति खां छत्तर मिशा छशा का शाहा ह्या स्था के शाहा है। अस्तर के शाहा है। কোরান পাকের তফ্সিরে ব্যাকরণের ডিগবাঙ্গি আর বাক্যের অনুবীদের ভেন্ধিবাজিতে, শব্দের উল্টাপাল্টা অর্থ বানিয়ে মনগড়া মতবাদু দাঁড় করিয়ে, মিলাদ আর মসঙ্গিদ ঘরে ঢোকার পথে মিসুকিন্দের হাত পাতা, কচি শিশুদের না খাওয়া কান্ত্রারু ফরিয়াদকে উপেক্ষা করে, মিসুকিন্দের হাড়ু-গুঠা না খাগুয়া ভুখা বুকের ইপর দিয়ে শাহি নাুগড়া আর শেরগুয়ানি লাগিয়ে মসজিদ ঘরে নাুমাজ পড়তৈ যীগুয়া কি ধর্ম পালন? এতিম, মিসকিন তথা এক কথায় গাঁৱবদের বিবেক কেঁদে উঠে क्रियाम करत निष्मप्तंत भारव वीम्रक्तभी नुकाशिए छित्रभशन तरवत काष्ट एथा প্রতিপালকের কাছে তথা আল্লাহ্র কাছে। ট্রিরমহান আল্লাহ গরিবদের বিবেককেূ वर्लू यान, अरत द्वाकात मेंन, अश्वा वृत्रित्र ना र्यं अतारे त्यासक्, अतारे ধূর্তশিরোমণি, এরাই তোমাদের ভানুমতির তেল্কিবাজি দেখাচ্ছে। এরা শুধু রিয়া তথা

লোকু দেখানো এবাদতই করে না, এরা আমার অম্ভিত্বের উপর তোদের চিরবিশ্বাসের প্রাচীরকে ভাঙার জন্য ছল-চাতুরীর ডিগবাঁজি খাওয়া ব্যাকরণের ডিনামাইট ব্যবহার করছে এবং তা চোখে আঙুল দিয়ে একদম সহজ সরল ভাষায় শ্রেণার বস্তাপচা বড় বড় কোরান পাঁকের তফাঁসর পড়ে তোদের চোখে ধাঁধা লাগিয়ে फिरा। जानभान भौकिरंर वञ्चाभना वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र ज्यमित्रतंत्र भना उच्चावार रावुसूव स्थळ হয় তোদের। রাজদণ্ডের ধারালো তরবারির নিচে বসে কোরান-এর অনেক বস্তাপচা তফসির আরুবি, ফারসি এবং উর্দু ভাষায় রটিত হয়েছে বিরাট বিরাট আয়তনে। এণ্ডলোতে পাণ্ডিত্যের নামে সার্বজনীনতার বিরুদ্ধে গণ্ডির বমি উদগীরণ করা হয়েছে या পড়ুলে তোদের মন-প্রাণ বিষিয়ে উঠবে। কিছু আসল কোরান-এর অনুবাদ কি তোরা নতুন করে করতে পারিস না? কোরান পাকের তফসির যে সব দীলালেরা করে গেটে তারা আল্রাহর জ্ঞানের লেজ-কাটা বান্দা। এদের চরিত্র হলো ধরি মাছ ना ছুঁই পানির মতো। কত বড় দালাল আর ভণ্ড হলে ব্যাকরণের ডিগবাজি মেরে কোরীন পাকের তফাঁপরে আমার চিরমহান রূপটাকে তোদের কাছে শোষকের বিশ্রীরূপে শোষণের চুনকালি মেখে জোকার বানাতে চায় এবং এই জোকাররূপ দেখে অনেকেই কোরীন পড়া এবং গবেষণা বাদ দিতে বাধ্য হয়েছে। গুৱা বলে, গরিরদের প্রতিবাদ আর সংখ্যামের মধ্যে কোনো নৈতিক মুল্যবোধ নেই। আর নৈতিক মুল্যবোধ নেই বলেই গরিবের প্রতিবাদ আর সংগ্রাম বলৈ গুদের মতে অন্যায় প্রতিবাদ আর সংগ্রাম। তথা দুর্নীতিপরায়ণ। শোষকেরা এতিম, মিসকিনদের প্রতি দয়া প্রদর্শন করতে ইচ্ছুক, কৌরান-এর এই ভাবধারা তারা একেবারেই অশ্বীকার করতে চায় না। কারণ, তাতে তাদের আসল চেহারাখানা অতি সহঙ্গেই ধরা পড়ে যাবে। তাই তাড়ের আসল কথা হলো, সমাজের বুকে একশ্রেণীর মানুষ অপরের দয়ার উপর চিরদিন নির্ভর করে থাকবে এবং অপর শ্রেণী তাদেরকে দীন-খয়ুরাত করে দাতা নামে সমাজে পরিচিত হবে। তারা বলে, যে ব্যক্তি এতিমকে মুখের মিণ্টি কুথা দিয়ে এবং মাথায় হাত বুলিয়ে আদর করবে তারা অনেক সোয়াব পাবে এবং কিছু খাদ্য দানু করলে সে হবে খুবু বড় দাতা। আর যে ব্যক্তি এতিমের মাথায় হাত বুলীবে না, মিণ্টি কথা বলুবে না, কিছু খাদ্য দেবে না তারা দাতা নয়। মরে যাবার পির তাদেরকে আল্লাহু শাস্তি দেবেন (ত্রীবশ্য কাব্লাকাটি করলে হয়তো মান মান।) जार्एतरक यिषि वना रश्, अंठिम-मित्रकिनरक छित्रप्तिन अंठिम-मित्रकिन ना রেখে পুর্বিবরি বুকে কোরান-হাদিস মোতারেক এমুন একটি সমাজব্যবস্থা কায়েম করার সিদ্ধান্ত নেউয়া হোক য়াুর মাধ্যমে পূর্ণ ইসলামি সাম্য বিরাজ করবে, তা হুলে তারা খেঁকি কুকুরের মতো খেঁকিয়ে জবাব দৈবে - ইহাতে আল্লাহর কোুরানু-হাদিসু विद्धार्थी मुमुङ्गिवृष्ट्य कार्यम कता रख् बवः खर्ट्य रेंग क्वांत्रान्-शिक विद्धार्थी সেই হেতু ইহা নৈতিক মূল্যবোধকে অ্শ্বীকার করে এবুং যাহা নৈতিক মূল্যবোধুকে অশ্বীকার করে উঁহাই অন্যায় এবং সেই হেতু ই্হা দুর্নীতিপরায়ণ। প্রশ্ন আঁুসে – ুউহা कार्फ्त तिछिक मुनारवाधरक व्यश्वीकात करते? तिछिक मुनारवाध वन्छ कि अछिम-भित्रकिन छथा गतिरवृत मरह सिनासिमात अवः मन्मूक भ्राभरनत विक्रफ्ताहतपरक्ष নৈতিক মূল্যবোধ খর্ব হবার ভয় করেন? তাদের যুক্তি সমাজ-প্রেম এবং আল্লাহ্র পথে চলার যে ব্যাখ্যা দেয়ু ভূহা কি সত্যিই তাই, না মিখ্যা - সমাজ ধ্বংস এবং আল্রাহর বলা পথে চলার উল্টা দিকেই এগিয়ে নিতে চায়?

আমরা বলতে চাই - আল্লাহর কোরান কি আপনাদের কথাই বলছে, না অন্য কোনো কথা বলছে, যেখানে অর্থনৈতিক দাসত্ব হতে মুক্তি, সাম্য আর দ্রাতৃত্বের

क्यार वना रुख़एर?

তারা ধর্মের নামে যে অধর্ম করে বেড়ায় তার বিরুদ্ধে কিছু বলতে গেলেই আমাদেরকে ইসলামের শক্র বলে নিন্দা করে। হ্যা - আমরা আপনাদের বানানো

এজিদের ইসলামের শত্রু ঠিকই, কিছু আপনাদেরকে কোরানু-হাদিসের শত্রু বলতে চাই। আমরা নুই। আমরা তত্টুকু আপনাদের বিরোধিতা করি যতটুকু व्यापनाता अधिम-मित्रिकनरक स्रीका फिरी र्रकावात क्रना रतनाभरक व्यवशित क्तरष्टन्। व्यापनाता या रैपनायात नाम विक्रि कदा व्यापनायत मार्पण वकारा ताथक চান, উহা প্রায় শেষ হয়ে গেছে বলে মনে হয়। অনেক মুসলমান ভাইয়েরা আপনাদের আসল রূপখানার পরিচয় এবং ইসলাম কী চায় উহা মানবসমাজের

ইসলাম দাসপ্রথা, সামন্তবাদ ও শোষকদের সমস্ত ভাবধারার ঘোর বিরোধী এবং

কাছে তলে ধরতে চেষ্টা করছে।

এওলোকে শেরেক করার ইলা বা কর্তারূপে ব্যবহৃত হয় বলে ইহার সম্পূর্ণ উচ্ছেদসাধন চেয়েছে জেহাদের মাধ্যমে এবুং ইসলাম ইহাও ঘোষণা করছে যে, দাস্প্রস্থা, সামন্তবাদ ও শোষণবাদের সৃঙ্গে চিরদিনের আপোষ মীমাংসার কোনো প্রশ্নুই উঠতে পারে না। কারণ, তারা ইসলামকে ধ্বংস করার কাজে লিপ্ত আছে। আঁর এদের বিরুদ্ধে প্রক্যুবদ্ধ সংখ্রাম করাকে ইসলাম একটানা রোজা রাখা ও নামাজ পড়ার চেয়ে বেশি পুণ্যের কাজ বলে অভিহিত করেছে। কার্ণ, ইসলাম শোষকদের জানাজা পড়া, তাদের রোগশ্য্যায় সেবা করা হারাম তথা নিষিদ্ধ বলে ঘোষণা করেছে। যদিও মানবতার দোহাই দেওয়া হয়, কিছু ইসলাম কঠোরভাবে এই মানবতাটুকুও প্রদর্শন করতে বারণ করে দিয়েছে। (কিমিয়ায়ে সাআদাত, তৃতীয় খণ্ড)। ইসলাম দাসপ্রথা, সামগ্রবাদ এবং শোষণবাদের যে নোংরামি উহার চিরু অবসান চেয়েই ইসলাম তার কাজ শেষ হয়ে গেল বলে নি। ইসলাম যে সত্যই সূত্যধর্ম উহাই বিশ্বমানুবসমাজকে চ্যালেঞ্জ দিছে। ইসলাম বলছে - আল্লাহতে অন্ধ विश्वारमंत्र की मुना, यिक ठूमि व्यानाहरक प्रत्येष्ट ना निर्तन? मवष्ट्र यिक प्रत्ये निर्त्ये युक्तिमुश्चा विश्वाम क्रा. ठेरव व्यानाहरक ना प्रत्ये युक्तिमः गठ विश्वाम शास्त्र कि? মোটেই না। তাই চির-অন্ধ বিশ্বীস ফেলে দিয়ে যুক্তিসুংগত বিশ্বাস কর তথা আল্রাহকে দেখে নাগু এবং এই দেখে নেবার যে প্রয়োগপদ্ধতির ধারাসমূহ অর্থাৎ কী কী ফর্মুলার প্রয়োগ্-মাধ্যমে দেখতে পাব উহাই ইসলামের আদি এবং একুমাত্র রূপ बर्वः बर्चे त्रेत्र रुक्ते । नार्वे वर्षः याता रूपमाभरकं ज्ञानात्रक्षं धर्मत्राश्चि जाशाशिक करत ठातार रूपमात्मत ज्ञानि बर्वः शांति त्र्वितिक 'त्रुकिवान' नाम निर्देश बक्चरत करत

याता अक्वात रैप्तान अलए ठाएत व्यावात रैप्तान व्यानक वनाएँ। क्रमन यान तिशाश्रा छनाय। व्यश्र कातान शाक अञाति है सानमातरमत्त है सान व्यानक বলেছেন। অদ্ভুত রহস্যপূর্ণ বাচনভঙ্গি কোরান পাকেরু। তা হলে কি ইমানকে দুভাূুণে কেউ যুদি ভাগ করতে চায় তবে অন্যায় হবে? মাটি বলতে আমরা যেমন মাটিই বুঝি, কিছু একশত পাঁচটি উপাদান একত্র করলেই হয় মাটি। একের ভেতর একশত नैाएंटि उँनामान वाष्ट्र तनळ हारेल कि वनाय रत? नास मार्टि अक, किष्ठ এক্শত পাঁচটি উপাদানের সমন্ব্রেই মাটির রূপ। যদি কেউ বলতে চায়, একটি মোখিক ইমান এবং অপুরটি দুর্শনীয় ইমান। মোখিক ইমান হান্ধা। দৃশ্য থেকে সূহসা অদৃশ্য হতে পারে মৌখিক ইমান। কিন্তু যে ইমান দর্শনীয় উহা প্রত্যক্ষ এবং উহার অধিকারীদেরকেই বলা হয় কোরান-এর ভাষায় শ্লোমিন। আমানুদেরকে যদিও অনুবাদে মোমিন লিখা হয়, কিষ্কু ইহা মোটেই সঠিক বলে মনে হয় না। যদি व्याभावुए तरक स्माभिन वर्ण धर्त्व त्नरे छा रत्ण रतात्रान रयशात्न स्माभिन বলে ঘোষণা করেছে সেই মোমিনের সঙ্গে আমানুদের ভাবধারার আকাশ-পাতাল ব্যবধান হয়ে পড়ে। কোৱান-এর অর্থ ৪ ভাবধারার মধ্যে মিল রক্ষা করা তা হলে সম্ভব হয় না। তবে জোর করে মিলিয়ে দেওয়া অবশ্য অন্য ক্থা। আমানুদেরকে বলা যায় প্রকৃত ইমানের মহড়ায় লিপ্ত আছে তথা যারা সত্য দর্শনের সাধনীয় রত আছে তাদেরকৈই এক কথায় আমানুর দল বলা ্যায়। সুতরাং আমানুর দল আর মোমিনের দল কোরান-এর ভাবিধারায় কখনই এক নীয়া যেমন মুসলমান বলতে

म्रल यागमान वाबाय अवः वामान अवः सामित्नत मुखा या तकम अटम, मूमनमान अवः वामान्त मुखा ठिक त्र तकम अटम। ठिनि छित्त छात्यातात अक्त क्वा वावमान्त मुमनमान अवः वामान्त मुखा रिक त्र तकम अटम। ठिनि छित्त छात्यातात अक्त अक्त नावमा पाक्त वावमातात मुखा विकार कर्त - कातान पाक्त मुझा करि। वामन विभिन्न पार्टि वास्त मुखा वितास कर्त - कातान पाक्त मुमान विभिन्न पार्टि थाम्प्रमुखा थाण्डि थाक्त, किष्ठ टक्त नम्हणि यथन थाण्डि थाम्प्रमुखा सन्त टिम्हण वासाम्य विभाव वादापित व्या उथन विवास विभाव विभाव

দুর্নীতির শ্বরূপ

पूर्नीिठत व्यत्नक तकम ताल व्याष्ट्र। श्रेट पूर्नीिठत करण विश्वी अवः छয়ावर कछछला मांचा मानवनमात्मत क्रीवनग्रवश्चात छिछत त्वागक्षीवापूत मत्या अतवम करत नःक्वामक रूत् अतं अतं व्यात मानवक्षीवनत्क व्यत्नकर्ण वाक्षा करत लालात लालात लाला रूप्त लालात लालात मानवित्र मानवनमात्म कृतिित मत्या पानव्यत नःक्वामक कृत्यश्चल काचा रत्य अवः की श्रकारत मानवनमात्म प्रते लालात छएन त्वागत छएन त्वागत अवः त्वाग तक्मन करत रत्या शांक छएन त्वागा अवः त्वाग तक्मन करत रत्या शांक छएन त्वागा अवः तक्मन करत रत्या शांक वित्य व्याप्त मानवात व्याप्त व्याप्त व्याप्त मानवात व्याप्त व्

এবং অখণ্ড আহাদ এবং তাঁরেই বিকাশ, তারই আবর্তন-বিবর্তনের বিচিত্র রহস্যপূর্ণ খেলা। মানুষের দৃষ্টি দুই দেখে ততক্ষণ, যতক্ষণ শয়তান তার মাঝে থাকে। শয়তানকে যে-মানুষ দূর করে দিতে পেরেছেন, সেই মানুষকে বলা হয়ু আদম। এই আদম আমাদের মতো মানুষ নন, যদিও দেখতে তিনি আমাদের মতোই। আদম দুই **७था वर्ष्ट फिर्स्थ ना। व्याम्स**ेशक्तत्र सर्स्या वात्र करत्। व्याम्स शक्तत्र मर्गन नाछ क्रेंत्र এবং দুই বা বহু নেয় চিরবিদায় এবং তিনি তখুন সুষ্টার রহস্য এবং সুষ্টা হন তাঁর রহস্য। কোরান পাকের ভাষায় ইনারাই মোমিন। আমানুরা মোমিন নয়, বরং মোমিন হবার চেষ্টায় রত, আর মুসলমান হলো দলভুক্ত। অধ্যাত্মবাদের আলোচনায় ইহার আলোচনা করার আশী করি।

শোষিত গরিবেরা কালে কালে শোষিত হয়ে প্রতিকার চাইবার তরে অসহ্য হয়ে राळ ठूल निराष्ट्र श्रीठेवासित समान, या श्रीठेवासित समान वर्वत स्मार्थकरित साथात श्रीनूटक छोषपछाटव छावित्य ळ्याल, या श्रीठेवासित समानू पूनीिं जात দাসত্বের খ্রানি মুছে ফেলুতে চায়, য়ে প্রতিবাদের মশালের তলে কোটি কৈাটি ভুখা अंजिम, मिर्गिकनेट्रित ज्रोक्षित ष्टाया फिट्ड छाय्र, या श्रींछवाटम्त मगान मर्शामनदीत मुश्रुत्कं वाभ्रुत्व পतिपछे कत्रत्छ ष्ट्रति एल, त्यं প्रिटवास्ट्रित समालत व्यभत नास, रैंगेनामि ভाষाয় : रैन्ना व्यावश्रोतान क्रान्नाठ ठारूठा क्रनानित्र त्रश्रुरक - व्यर्षा९

অবশ্যই তরবারির ছায়ার নিচেই বেহেম্বের দরজা।

শোষক আর বাটপারদের হিংসু গাবা সমাজ জীবুনে এমনিভাবে দুকে পড়েছে যে, পবিত্র কোরান-হাদিসের ভাবার্থকে এমনভাবে বিকৃত করেছে যাঁর ফলে যে কোনো প্রকার পাঠকের পক্ষে কোরান-হাদিস হতে সত্য উদ্ধার করাটা একপ্রকার অসম্ভব হয়ে পড়েছে। সত্যের উপর তথা কোৱান-হাদিসের উপর ছাইচাপা দিয়েছে তাদের মাথার বিকৃত চিম্তাধারার বিকৃত ব্যাখ্যা দিয়ে, যার ফলে এত আঅবিরোধী ভাবধারার সমাবেশ হয়েছে যে, যে কোনো চিন্তার্শলৈ পাঠক একবার পড়লেই আর পড়তে মন চায় না। এদের বিকৃত চিস্তাধারার অপব্যাখ্যার দক্তন এক আল্লাহ, এক निव अवः अक कात्रान-अत मभेर्यक्तता क्षराञ्चति क्षत्रका वा सुनीक विक्रेङ रख গ্রেছে। আবার প্রত্যেক শ্রেণী একে অপরের উপর কাফের মোনাফেক ফতোয়া পর্যন্ত ইতিমধ্যেই দিয়ে ফেলেছে। ইসলাম ধর্মকে যদি একটি পুরিধানের কাপড় বলে ধরে लिंहें उत्त त्महें कान्नकृष्टि किन्न जान लहें। छहाउत्ति छानि भाता हत्य्वतः। अहे कानक গায়ে দিতে গেলেই অনেকে সার্কাসের লোক হাসানো জোকার মনে করে। এই সুমস্ত বিকৃত ব্যাখ্যার দক্লন ইসলাম ধর্মটিকে সার্কাসের জোকার যে রক্ম শত তালির कार्षेष्ठ পরে লোক হাসায় সে রকম তেহান্তর তালির জামা পরিয়ে দিয়ে নাজেহাল করে ছাডছে।

অর্থনৈতিক দাসতু হতে মানবকে মুক্ত করে দিতে পারলে বার আনি পাপ আপনা হতেই সরে যাবে। শোষকদের একদিক দিয়ে মানুষের রক্তশোষ্ণু অুপর দিক দিয়ে দাতা সাজার ভণ্ডামি করার সমাজব্যবস্থায় যে আদর্শবাদ মোটেই বাঁচতে পারে না

সেটাই ইসলাম বিশ্বমানবকে চোখে আঙুল দিয়ে বোঝাতে চেন্টা করেছে।

ইসলাম ঘোষণা করছে, 'আগুন, পানি, খাদ্যদুব্য এবং পোশাক-পরিচ্ছদের উপর

রয়েছে জনগণের প্রত্যেকের সমান অধিকার। (হাদিস)। ু'শোষুক এবং শোষণু শব্দটির ব্যবহার যুগের পরিবেশ এবং অর্থনৈতিক প্রতিচ্ছিবির উপর প্রতিফলিত করেই ব্যবহার করী হয়েছে এবং হচ্ছে। 'শোষক এবং শোষণ এক-একটি যুগে এক-একটি নতুন রূপ নিয়ে প্রকাশিত হয়। হাজার বছর আগের মদ ৪ মদের বোতল আজকের যুগ হতে অনেকটা অন্যপ্রকার ছিল। হাজার বছুর আগের নারীর দেহ সাজানোর বিলাস-ব্যসন আজকের যুগে অনেকটা পরিবর্তন হয়েছে। সে যুগে মদ যেমন নেশা ধরাতে পারতো, নারীর দৈহ-সাজানো যোবন যেমন কামভাবের উগ্রতা ছড়াতো, সে রকম আজগু চলছে। মেনিক কোনো

পরিবর্তন যুগের ব্যবধান এনে দিতে পারে না। পারে শুধু ব্যবহার করার পদ্ধতির ভেতর পরিবর্তন এনে দিতে। আর একটু না হয় এণিয়েই বলি - প্রাচীনকালে নারী-পুরুষের মিলনু ছিল অবাধ এবং এই অবাধ নারী-পুরুষের মেলুমেশারু মাঝে যে পীপ নামক কিছু একুটা আছে তারা হয়তো তেুঁকৈ দেখে নি। যেদিন থেকে ব্যবহারের পদ্ধতির পরিবর্তন হয়েছে, কিছু মৌলিক এমন কিছু কি পরিবর্তন হয়েছে? নিজের ঘরে রূপসী খ্লী থাকুতেও কি আজকের কথিত সভ্যতা অন্যের वार्वक्र भीत तम प्रत्य 'क्रमित्य की करत जानक रहा' जात वह-पृष्ठक वाकारत स्माल ना? जा इल जामता प्रचळ भाष्टि या, काला क्रिनिक्त स्मालिक भित्रवर्जन হয় না, পারবর্তন হয় শুধু প্রয়োগপদ্ধতির। হাজার বছর আণে যাদ্বিক যুগের মিল-ফ্যান্টরির মাধ্যমে শোষক আর শোষণ না চললেগু সে যুগের সেই পরিবেশে প্রতিফলিত অর্থনৈতিক শোষক আর শোষণ নিশ্চয়ই ছিল। শুধু কৈউটে সাপের মতো তার ছলম বা খোলস বদলায় মাত্র। হাজার বছর আগে শোষক আর শোষণটাকে মানবসমাজ হতে উপড়িয়ে ফেলে সাম্যবাদের নজিরবিহীন শিক্ষাটা সর্বপ্রথম আমরা ইসলাম ধর্মের মাধ্যমেই পা্ই। ইসলামই সুর্বপ্রথম গোলাম আর মনিবকে ভাই-ভাই वनाळ त्मशात्ना। ইन्ननामरे नर्वश्रथम 'मनिव या शात्व, भत्रत्व, शाकत्व शानामञ ঠিক তাই পাবে' বলে পৃথিবীকে সাম্য আর দ্রাতুত্বের বাণী শোনালো এবং ইসলাম শোষকুদের মনরক্ষা করে চলার বিরুদ্ধে চার্টুকারিতা বর্জন করে ঘোষণা করলো -তুমি কি দেখেছ সেই মানুষটিকে যে ইস্লামৈর ধারে-কাছেও নেই? যদি সে রকম भीनुषिंटिक प्रत्थ निक्र हों३ रुप्त राक्रिस प्रत्थ ना३, य भानुस्वत भाव्य त्राभा जात ভাট্ট্ গড়ে তুলতে চাইলেই নানা প্রকার প্রজর-আপত্তি তোলৈ। এই প্রজর-আপত্তি তুলে যারা সন্ধ্যি আর দ্রাতৃত্বের বন্ধনকে টুকরো করে ফেলতে চায় তাদের বিরুদ্ধে সুঞ্মামূ কর বৃলুে ক্রোরান এবং হাদিসের উক্তিসমূহ প্রচারিত হয়েছে। কোরান পাক निজেই তার বৈশিষ্ট্য বর্ণনা করে বলছে, সর্বযুগের তরে তার বাণী চিরন্তন। সুতরাং কোরান কখনো কোনো একটি নির্দিষ্ট যুগের অর্থনৈতিক ব্যবস্থার মড়েল অথবা বু প্রিষ্ট হতেই পারে না। কোরান পাক আমাদেরকে যে মূলনীতি দিয়েছে তার পরিবর্তন করা চলবে, না। শুধু ব্যবহারের পদ্ধতির পরিবর্তন হবে এবং হতে বাধ্য। কারণ সে যুগের অর্থনৈতিক ব্যবস্থা কখনই এক হতে পারে না। রঞ্জনের এক্স-রে सिमित्न वुत्केत रामुछलात कटी। अर्क ना वल फल एन्छियाएँ। यभन् वाकाभि - ना অন্ধ বিদ্বেষের দাসত করা হচ্ছে বলবো - সে রকম ইসলামের অর্থনৈতিক দর্শনের মাধ্যমে ইসলামি সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠিত হয় না বলে ফেলে দেগুয়াটা কি অন্ধ বিদ্বেষের **फात्रकु कतात्** हे नामान्तत न्यः? हेन्ननाम **र**गायपात नात्म क्यिक धर्मत व्यवनाष्टीत्क সমাজ হতে ঝাটা মেরে তাড়িয়ে দিতে চেয়েছে এবং প্রতিষ্ঠা করতে চেয়েছে মানুষের সাম্য, মুক্তি আর দ্রাতৃত্বের বন্ধনের দর্শন। অবশ্য কিছু সংখ্যক শোষক আর বাটপারদৈর গাত্রদাহ আর হিংসার তীব্র অগ্নিবাণ ইসলামের উপুর নিক্ষিপ্ত হয়েছে এবং হচ্ছে। কারণ, গরিব আর ছোটলোক বানিয়ে কোটি কোটি মানুষের ঘাড়ের উপর কাঁঠাল রেখে যে কোষ খাবার বিশ্রী হিংসু মোহটা ধরা পরে যাবে তারই ভূয়ে। সাহাবা আবু জর গিফারির মতো গরিবের বন্ধুকে রাবজার, উক্ষ্ মরুপ্রান্তরে নির্বাসন দিতে কুণ্ডী বোধ করে নি। সাহাবারা জানুতেন রসুলাল্লাহ (আ.) আবু জর ণিফারিকে কতুটুকু প্রাণঢালা স্নেস্থ-প্রীতি উপহার দিয়ে গেছৈনুঁ ু্র্তাসমান জমিলের উপর সত্যবাদী আবু জর ণিফারি', রসুলাল্লাহর (আ.) বাণীটি টাুদির চাকতির মোহে বাটপারদের বিবেকটাকে মোহাচ্ছন্ন করেছিল কোনো এক বিশ্রী আদিম বন্য তৃষ্ঠিকে চুরিতার্থ করতে। মসঙ্গিদে নববিতৈ দাড়িয়ে সাহাবাদের সামনে আবু জর येशन निर्छत्य प्रकारि वर्ता रक्षनतान, 'त्रपूर्णांस (खा.) व्यासारक वरताष्ट्रने, वन् छसाड्यात वर्द्रमत द्वाता डेमलास धर्मतक ध्वत्मप्रकृति पत्ति पत्ति कर्ता हत्ते , उथून व्याव জর মিখ্যা হাদিস বর্ণনা করেছেন বলে চিৎকার করে উঠলেন। মাওলা আলি আবু

জর গিফারির হাদিসটির সমর্থন দিতে গিয়ে তাঁকেগু পরিণামে লাঞ্ছনা সইতে হয়েছে। মাগুলা আলিকে তাঁর খিলাফত হারাতে হলো তাদেরই হাতে যারা আরবের এক প্রান্তে নারী-পুরুষের ভুখা থাকার হাহাকার আর অন্য প্রান্তে চোখ ঝলসানো

রাজপ্রাসাদ বানিয়েঁ ভোগ-বিলাসের নেশায় মন্ত ছিল।

व्यात कर निकारित अक्षान रेळ व्यात्रात व्यन्तरं निर्वापन व्यात तराक्र करा रूटना योळ गरितवरा व्यात करतर व्यापन श्रणादात ज्ञान मस्तव ना रहा। त्रवणारेळ विश्वरा नार्य अवः वित्वक व्याक रहा यारा ह्या, रेजिराम जात घरनारित व्यावार पून्तावृत्ति करत दिशाला साठना व्यानित क्रीवत्न। गरितवत वृक्त रेळ गिरा की व्यश्वरोत याजनार ना मरा करळ रहाएए। साठना व्यानित व्यश्वरोत्तर याजनार ना मरा करळ रहाएए। साठना व्यानित व्यश्वरोत्तर हिल्हें नरा, गरितवर क्राव्यत क्राव्यत व्यापन क्रिकेट नरा, गरितवर क्राव्यत क्राव्यत स्थान प्रकार क्राव्यत व्यापन व्यविद्या क्राव्यत व्यापन व्यविद्या कर्मा व्यव्यापन व्यविद्या क्राव्यत व्यविद्या क्रिकेट कर्मा क्राव्यत व्यापन व्यविद्या क्राव्यत व्यविद्या क्राव्यत व्यविद्या क्रिकेट व्यव्यापन व्यविद्या क्राव्यत व्यविद्या क्राव्यत व्यविद्या विद्या विद्य विद्या विद

हें ज्ञां स्वारं क्रिक्ट : ला सुरुक्त हें लाला है क्रिक्ट क्रां सुरुक्त है लाला है क्रिक्ट क्

রাতের ঘন অন্ধকার যখন ফলম্ভ গাছপালাকে ঢেকে দেয় তখন আমাদের চোখের **फृष्टि আ**त शुष्टित कन्छलाक फ्रंचक भारा ना এवः यथन আलात আঘাত খেয়ে ञेष्ककात পानिस्य यास ज्थन ञावात ञाक्षारमत क्रास्थ गाष्ट्रत कनछत्ना धता পরে। সে রকমভাবে আমাদের মনের উপর দুনিয়া নামক যে অন্ধকার বিরাজ করছে উহা দূর ক্রে ফেলতে পারলেই আমরা দেখতৈ পাব যে একই নুর সর্বত্র বিরাজ করছে এটুং এই একের দর্শনকেই বলে আল্রাহ দর্শন। (সুরা ফালাকৈর ভাবধারা ও মূল্ দর্শন ইহাই এবং এর ব্যাখ্যা পরে দ্বৈগুয়া হবে)। সমগ্র কোরান এবং হাদিস শিরিফের শুধুমাত্র একটি আদেশ এবং একটিুমাত্র উদ্দেশ্য। সেই একমাত্র আদেশ হলো, তোমার মন হতে অন্ধকার তথা দুনিয়া সরিয়ে ফেল এবং আল্লাহ কী এবং কে, তাঁর পরিচয় জেনে নাগ্ত। 'দুনিয়া নামৃক এই অন্ধকার দূর করে ফুলে' ইহাকেই ইুসলাম বলছে, मतात व्यारंग भेरत याछ।' मृठ्य व्याचात पूर्ट श्रेकात्। 'पूनिया भन रूळ नतित्य रक्न'-र्क मृत्रु तना रहा। मूल्ताः अर्थे मृत्रु क्रीविक अर्क्ष वर्त्तेषु कत्रत्व रत वर्षाः अर्थे मृत्रु আঁধার সরিয়ে দিতে পারলো না তার সেই আঁধার তার কাছেই থেকে যাবে। এবং এই আঁধার নিয়ে থাকাটাকেই জাহান্নামে আছে বলা হয় এবং ইহাই বিরহ বা এক रळ विट्छम-त्वमना उथा अकाकीकृतं जृति मरन यात त्वावा क्रामा। अर्थे विट्छम-বেদনার অপর নামই হলো জাহান্নীম। জৈবিক মৃত্যুর পর তখন সে সুন্দর বুঝতে পারবে যে, সে জাহান্নামেই এতদিন ছিল এবং সে তাুহা বুঝুতে পারে নি। মৃত্যু-ঘটনার পর মানুষ্ প্রত্যক্ষভাবে বোঝে য়ে, জাহান্নামের বিচ্ছেদই তার সাথী হয়েছিল এবং এখনো উহাই আছে। মৃত্যু বল্তে কিন্তু অনম্ভিত্ব বোঝায় না। মৃত্যু একটি ঘটনা মাত্র এবং এর বেশি কিছু नेश्च। এই মৃত্যু নামক ঘটনাটির দ্বারা মানুষকে একটি অবস্থা হতে সম্পূর্ণ পৃথক আর একটি অবস্থাতে এনে দেয়। এই ঘটনা, অর্থাৎ দুনিয়া-সরানো, কৈবিক মৃত্যুর আগেই যদি কেউ ঘটাতে পারে তবে তার আর মৃত্যু নেই।

আল্লাহ ছাড়া কিছুই নেই' কথাটি মানুষ ততক্ষণ পর্যন্ত বুঝ্তে পারে না যুত্রুণ मानुरवत् मुलत उपते पूनियात अक्षकात विताक करत। व्यानारेहें या प्रवेषय विशिष्त ক্রপঁ ৪ বৈচিত্র নিয়ে নুতুন নুতুন রূপ নিয়ে বিকশিত হচ্ছেন এবং তাঁর এই রূপ যৌ তাঁরই রূপান্তরিত বৈচিত্রপূর্ণ বিকাশ ইহা ততক্ষণ পর্যন্ত মানুষ বুঝতে পারে না যতক্ষণ পর্যন্ত তার মুনের উপর দুনিয়ার অন্ধকার বিরাজ করবে। আল্লাহর এই বহরূপে প্রকাশিত ও বিকশিত ধারীসমূহকেই বলা হয়ু কেতাব অ্পুবা কোরান। আল্লাহ য়ে নিজেই নিজেকে প্রকাশ করেছেন রূপান্তর ও বিবর্তনের (ট্রাসফর্মেশন্) দ্বারী সেই প্রকাশভঙ্গিকেই বলা হয় কেতাব অথবা কোরান। সুতুরাং যত ঘটনাই ঘটছে প্রবং ঘটবে ইহা কেতাবের ধারা অনুসারে প্রকাশের পথে ঐগিয়ে যেতে থাকে। অপ্রকাশিত ब्रवः श्रकांभिठ ब्रष्टे पूर्णातं त्रभिष्टि रुला बाल्लार्। 'यारा क्विटात्व, त्रूनिशातिठ कता रय नि, সৃষ্টির মধ্যে তাঁইা কুখনো প্রকাশিত হঁয় নি এবং হবে না।' (কোরান)। সুতরাং আমরা এখন বলতে পারি যে, প্রকাশের (সৃষ্টির) মধ্যে এমন কোনো বিষয়-বস্থ लरे, **ছिल ना, ज्यता थाकृत ना यात् जिल्ला क्रिल क्रिल म**ुल्ल ना जाए। 'कातान-अ সব কিছুই আছে' এই প্রচলিত কথাটির প্রকৃত রহস্য এখানেই। এই রহস্য না বুঝতে পারলে ইহা মূর্খ লোকের কথা ছাড়া আর কিছুই নয় বলে অনেকের ধারণা করাটা व्यनप्राय रूप नो। यथन व्यामता कातान-भन्न भित्रिंग्याया कातान ३ क्लाप्तत व्यामन বা প্রকৃত সংজ্ঞাটি বুঝতে পারবো তখন আর মূর্খজুনের উক্তি বলে বিদ্ধুপ করা হবে না। কেতাব কোনৌ ভাষায় নেই। কেতাবের পরিচয় এবং কেতাবের পাঠসমূহ কোরানরূপে প্রকাশ করা হয়েছে। আমরা রসুলাল্লাহ (আ.) হতে যে কোরান পেয়েছি উহ্না আরবি কোরান। আল্লাহ কে, আল্লাহ বলতে ক্রী বোঝায় এবং আল্লাহ ছাড়া যে কিছুই নেই এবং আল্লাহুঁর দর্শন মেলে কী করে উহারই পরিচয় পাবীর জন্য রসুলাল্রাইর (আ.) মাধ্যমৈ আমরা আরবি কোরান পেয়েছি। এই আরবি কোরানকৈ তফাঁপর করতে হবে। কাগঙ্গের পাতায় আলেম সেঙ্গে তফাঁপর করে व्यानभातिक द्वर्थ प्रथ्या वर्ष्ट व्याकाद्व चर्कात्रत नय्न। व्यातीव कात्रानक निक्षत জীবনের উপর তফসির ক্রে তুলতে হবে এবুং এই তফসিরই রসুলাল্লাহ (আ.) করতে বলেছেনু এবং ইহাই হলো প্রকৃত তফসির। মুখে মুখে ব্যাখ্যা করে আরবি ভाষা काना পश्चित्रपुरत भक्षा क्रशांत्रत कित्रका वानातीक ठेकेनित वना रग्न नि। ब तक्ष कार्गाक ठकतित सुद्धात्राय व्यत्नक भारतन। किष्ठ छन्टल व्यताक रूरतन - लक्ष नविप्तत सुर्पा अकलन नविश्व साम्नाभारा भाग करत नवि रन नि।

ত্যাগ, সাধনা ও মানবের উপর হতে শোষণ করার হিংস্ল মোহ বর্জন করে ইসলামি সাম্যবাদের যে প্রেম সেই প্রেমের অনুশীলন দ্বারা কোরানকে নিজের জীবনে ব্যাখ্যা ও মূর্ত করে তোলাই হলো প্রকৃত ব্যাখ্যা বা তফসির। কোরান ও হাদিসের কোনো কথাই একেবারে খেলো পর্যায়ে ফেলে রাখা হয় নি। অথচ আমরা নিজেদের সুবিধা মত্যো আমাদের মনমত্যো করে গ্রহণ করতে চেন্টা করছি, যার ফলে আমাদের প্রতিফলিত ভাবের ভুল ছাপ কোরান-হাদিসের উপর আরোপিত করে নিয়েছি। শুধু এই কারণেই কোরান-হাদিসের কথার মাঝে এত গড়মিল করা

মতামতের পরিচয় আমরা দেখতে পাচ্ছি।

'পবিত্র হওয়া ছাড়া কোরান কেহই স্পর্শ করতে পারবে না', আরবি কোরান-এর এই উদ্ভিটির মাঝে এক বিরাট এবং গভীর রহস্য লুকিয়ে আছে। যে কোরান পবিত্র হওয়া ছাড়া স্পর্শ করাই যায় না ইহা আরবি কোরান নয়। উহা হল নুরি কোরান। 'পবিত্র হওয়া ছাড়া স্পর্শ করা অসম্ভব'। পানির সাহায্যে হাত-মুখ ধোত করে যে ওজু সম্পাদন করা হয় ইহা সেই ওজু নয়। আমিত্ব ধ্বংস করে ওজু সম্পাদন করতে পারলে

স্পর্শ করা যায় বুরি কোরান এবং ইহাই হলো প্রকৃত কোরান। কেতাব হলো আল্রাহর প্রকাশিত অংশের পরিচয়। কোরান-এর যৈ তফসির উহা কেতাবেরই তফাঁপর। এই তফাঁপর ভাষায় করা যায় না বা ভাষায় হয় না এবং ভাষার সাহায্যে ये तक्षा दिवा का का किन हिंदू विक्र विकास মাধ্যমে যদি কেতাব তথা কোৱান-এর তফুসির বুঝিয়ে দেগুয়া যেত তবে শোষক, বেইমান আর অত্যাচারী এ জগতে একটিও থাকিত না। আমিতের অন্ধকার দুর করার প্রবল প্রচেন্টার দৃঢ় সংকল্প যার নেই, অর্থাৎ অনিচ্ছুক অন্তরৈ ইহার ত্ফর্সির थ्रातम क्तर्ला भारत नो। यां श्रां व्यातम क्रिक्ट भारत रहा रिला धर्मीय वानुकानिक কতণ্ডলো মাসালা-মাসায়েল জাতীয় বিদ্যা। 'কেতাব নাজেল হওয়া', 'কেতাঁব দান कता'-त व्यर्थ रत्ना कात्ना भानूत्यत पूनिया नाभक व्याभिद्धतू व्यक्तकात् ,पृत कदूत দেওয়া অর্থাং আল্লাহর দর্শন লাউ করা, তথা 'আল্লাহ ছাড়া কিছুই নেই' উপলব্ধি করা, তথা পবিত্র হণ্ডয়া, তথা কোরানকে স্পর্শ করার ক্ষমতা লাভ করা, তথা 'যেদিকে তাকাণ্ড সবই আল্লাহর চেহারা' উপলব্ধি করা, তথা মরার আগে মরে যাওয়া, তথা নিজেকে চিনটে পারলে আল্লাহকে চিনুতে পারা, তথা তাওত ভূঙে আয়াতরপে দর্শন লাভ করা, তথা দুনিয়া হতে ছুটে গিয়ে মুসঙ্গিদে (মাটি, ইট, পাথরের নয়) আশ্রয় নেগুয়া, তথা আমরা-রূপী (আমি-রূপী নয়) আল্লাহর দ্বারা কানে চড় মেরে কাঁহাফে ঢুকিয়ে দেওয়া, তথা দুনিয়া (পৃথিবী নয়) ত্যাগ করে দ্বীনে প্রবেশ করা, তথা আমাদের রচিত অগণিত দুনিওলো হতে ছুটে গিয়ে আলাহুর দেওয়া একমাত্র দ্বীনে প্রবেশ করা, যে একমাত্র দ্বীন হজরত আদম্ (আ.) হতে জারি कता रखिष्ट (मुनेनाणानाय ना जाविनना - व्यर्था९ व्यानारत व्यारेन कर्शलार विमन रश्च ना), उथा किशामक्कत (व्यक्तित मृज्य) भूनत्मताक्कत धातात्मा भून भात रश्या, उथा निक्तत द्वीन ज्याभ करत व्यानारत द्वीत्व श्वत्यभ कता, उथा अन्य मुम्मामन् कता, তথা नकत्र सार्धार्युता रुख याउँया, তथा निष्कृत मत्म या गराणनीएँ (किन) व्याष्ट हैं शह्क मुत्रवभाव वार्वित्य दुकवा, हथा त्रक्रमाय (भाषा वह क्रा वय) या थया, छथा 'আমি আঁদিতেই মোমিন ছিলাম' (আনা আউয়ালুলু মুমিনিন)-এর দুর্শন লাভ করা, তথা কেতাব निष्कत रञ्जग्ठ रश्यां, তথা 'আমারই শান, আমারই জালুয়া প্রকাশ रुक्ट्रं वना, उथा भनमूत रान्नात्ऋत व्यानान रक उथा 'व्याभिरे व्यान्नार' वेना, उथा আমিই পীর আমিই মুরিদ বুলা, তথা আমানুর দল হতে মোমিনের দলে প্রবেশ লাভ করা, তথা সব্দেয়ে তীড়াতাড়ি ইফতার করার আহ্বানের রহস্য উপলব্ধি করা, তথা সেজদায় গেলেই হতচেত্ৰ হয়ে যাওয়া, তথা বীজরপী ক্রহকে পূর্ণরূপে প্রকাশ করা, তথা যাকে খুশি দান করির রহমূত লাভ করা, তথা ক্ষমার পর রহিম (রহমান নয়) त्राप्त प्रमंन नार कता, उथा युक्ति-छर्क अवः आर्डेजित त्रापश्चलारक र्रमरकत नुर्त হারিয়ে ফেলা।

व्यासारित काना सक्त अन्साव सान्वकाि अवः किनकाि कि सन ित्य पृष्ठि कता रखि सन्त वा कि का विकास वा सिनाती अनुसाव सान्व-अवः किनकाि। अत वार्षित व्याद्वार वात काउँ का सन वा कि का सिना अर्थ सन वा कि का सिना अर्थ सन वा कि का सिना वात का कि का सिना वात का कि का सिना वात का का सिना वात का का सिना वात क

চেতনাকেই সৃষ্টি করেছে। সুতরাং সে কখনোই আঅনির্ভর হতে পারে না সুতরাং স্বয়ং সম্পূর্ণ হবার প্রশ্নুই আসতে পারে না।

सन तो क्रिजनार्क्ट तमा रेश व्यक्ति, चूमि, रामि, व्यवस, हैला, शाताम, मूनिया, ठाछठ हैठामि। তাই हैमनास तल, 'ठूमि क्रीतिट शाक्क क्रीतन माछ ठरतर क्रीतिट शाक्ति।' व्यश्री व्यक्ति कामि कर्ता क्रीतिट शाक्ति।' व्यश्री व्यक्ति नामक क्रिजनिट मिल्ल अक्त, व्यश्र अतः व्यक्ति व्यक्ति वामक क्रिजनाटी शाक्ति अतः अर्थ क्रिजनाटी व्यक्ति वामक क्रिजनाटी शाक्ति अतः अर्थ क्रिजनाटी व्यक्ति वामक क्रिजनाटी शाक्ति अतः अर्थ क्रिजनाटी व्यक्ति वामक क्रिजनाटी वामक क्रिजन वामक क्रिजनाटी वामक क्रिजन वामक क्राक्ति वामक क्रिजन वा

कारा निर्मालक प्रश्निम्न कर्त प्राधात पाठ एतात कना राम्न क्षण्यात वान्य निर्ण त्यात कर्ता राम्न क्षण्यात वान्य निर्ण त्याप्य राम्न क्षण्यात वान्य निर्ण त्याप्य राम्न क्षण्यात वान्य निर्ण त्याप्य राम्न क्षण्यात वान्य विद्याप्य राम्न क्षण्यात वान्य विद्याप्य वाण्य राम्न विद्याप्य वाण्य राम्न विद्याप्य वाण्य वाण्य राम्न विद्याप्य वाण्य वाण्य

क्य संशोषक्ष, कर् छानी-ध्री, कर कित-माहिण्डिक, कर माधू-मञ्जन, कर विष्ठित छाषात रंगनीत रुसक्, कर देनिया-विनिया, कर कार्य योष्ठक्षात विन्ध्र बास्ताल, कर पूतारुन अकृष्टि बार प्रतिषठ उपक्रम दिया एनष्टन, किन्न राज्य रुप् बासता बवाक रहे नि, यिद्ध बवाक रवातर कथा हिन। किन्न नितन्नत सुरानित् কণ্ঠধানিতে সব কিছুর সুন্ধা, যাকে আমরা কত রকমের নামে ডাকি সেই আল্লাহপাক, খোদা, গড়, দ্ধর, ব্রহ্মা, জিহোবা প্রচার করছেন একটি অমৃত कॅमलिया, क्रिन्न ठर्त व्यामता क्षे कॅमलिएयत वास्ट्रिक खेळा दिमिया शाही। कार्त्राम विताएँ अकिए जून वा विद्धांत उपत पा तिर्ध राद्ध राद्ध राष्ट्र विक्रित तथित र्घमकं माथा ভाषाय दूर्गम गितिपरात स्टाएए थाछ्या तथा। এ स्टाएए-थाछ्या तर्पत व्यानिऋत्न अभित्ये व्यात्रक्त व्याखान कानात्मन व्याभिना भारत्व एट्ट्न स्माराश्वर नास्मत আমাদের মতো (?) मानুষটি। সেই মানুষটির (?) কণ্ঠে সুষ্টা জানিয়ে দিলেন, 'ফাককু রাকাবাহ' অর্থাং 'ঘাড় ও কণ্ঠ মুক্ত করা'। এর মুর্ম বোঝানো হয় দাস মুক্ত করা। কিসের আবেউনীতে বাধা পড়লে দাস বলা হয়ং কিসের অভাব থাকলে দাসু নাম দেওয়া হয়? অর্থের বিনিময়ে মানুষ কেনাবেচার নাম কি কেবল দাসপ্রথা? এই व्याधुनिक यूरा त्य त्कािंग त्कािंग सानुष विष्ठत ब्लाःद्वा भित्रत्वत्य प्रत्या नित्र একবৈলা খেয়ে কোনো রক্ষে বেঁচে আছে তারা কি বিংশ শতাব্দীর আধুনিক দাস নয়? তারা কি তাদের বিবেক বেচে দেয় না কিছু পয়সার বিনিময়েঁ? তাদের विद्युक्त ग्लाश मिं दाँक्ष कि विश्य यहानीत अर्थ भरा घुत्र हा वाश रा द्वारता मुट्ट (भटिंत क्वानातं उभगसित टिए्भत स्नाट वित्वत्कत भनीय मिछ मिर्य विविद्य िष्टि ना? **প**रात्रीय किनातिण राष्टि वित्वक। यिष्टिक्ट ठाकान ना कन, श्रूगात्रितित প্রতিটি শাখায় দেখতে পাবেন কত রক্মে, কত স্টাইলে, কতু রঙ্গে অহরছু বিবেকের চলছে বেচাকেনা। তবে কি আজগু সেই পুরনো দাসতের অভিশাপ হয় নি মোচন? পুরলো মদ কি এভাবেই যুগে যুগে নতুন নতুন বেতির্লে চেলে পরিবেশন করা হবে? কতদিন চলবে এ রকম নিয়মের ঘোষটায় পেশাচিক ক্রিয়া? এ দাসত্ব কবে মুছে यात ित्रज्तः ना कालािष्न भूष्टत ना? जत कि पूनर्अत्मात कर्भकन जाश क्रीत नासर्रे দাস্তের জীবন? কোরান পাকের সূরা বাকারার আঠাশ নম্বর আয়াতটি কি পুনর্জনোরই কথা বলছে, না অন্যকিছু? এই আয়াতের নিরপেক্ষ অনুবাদ ও ব্যাখ্যা কি দেওয়া হয়েছে, না মনগড়া নিজৈদের পছন্দ মতো অনুবাদ ও ব্যাখ্যার বমি উদগারণ করা হয়েছে? নিজ নিজ দলের সাইনবোর্ড ফেলে দিয়ে নিরপেক্ষ অনুবাদ ও ব্যাখ্যা কি কোৱান পাকের কোনোদিনগু হবে না? দেড় হাজার বছর আগে আরবদেশের লোকেরা যেম্ন দলে দলে বিভক্ত ছিল এবং দলীয় দর্শনের মান মর্যাদাকেই দিতো সবার উপরে স্থান এবং তাদের এই দলে দলে বিভঙ্গিকে

আক্ষেপের ভাষায় অনুশোচনীয় দীর্ঘশ্বাস ফেলি আজগু আমরা। কিছু আমরাগ্র কি এক ইসলাম, এক কৈারান আর এক নবি থাক্তেও অনেক দলে ভাগ হয়ে যাই नि अवः शाहीन जातवरमत मद्या महान कर्मनत्क छैं करत मां के कतात हाई ना? त्याक ना त्राष्ट्र मर्मन भूमणाय छता जयवा त्यांका, छवू कि ह्यानार ना जाश्राप क्रका? **ा रत अफिलत फिलीश बातवरमत र्कन औठ बाछिरया**भ ठूनष्टि जासूत দুলপ্রিয়তাকে কেন্দ্র করে? যদি পুনর্জনা না থাকে তা হলে এর সমাধানৈর পথে কি চিরদিন কিছুলোক এগিয়ে আসবৈ এবং কালের চাকায় তা আবার অদৃশ্য হয়ে যাবার অভিনীয়ের বিলাপ চলবে চিরদিন? আমার মতো কত পাগল লেখক কলমে কেঁদেছেন এ বিষয়ের প্রতিবাদে, কিছু পৃথিবীর সমাজ এই পাণলদের (?) কপালে কি পুরস্কার বয়ে এনেছে? মৃত্যুদণ্ড, ফাঁসি, জৈল, লিখনী বাজেয়াপ্ত, মাথা খারাপ ইত্যাদি नीस्त्र सिट्छम भूतक्काते निर्धे भूतभारत एटम शिष्टन छाता। राक्षातवात, मक्कवात, ক্রোটিবার চিংকার করে বলছেন কোরান, বাইবেল, তাগুরাত, জাবুর, বেদ, গীতা, विभिष्ठेक, জেন্দাবেস্তা - ধন-সম্পদের মোহ আর মায়া মরণে আনৈ এর ইতি বা অবসান, তুবু কেন এত বড়ু জলজ্যান্ত সত্য চোখের সামুনে দেখেও দেখ না? তবে কি এটাই পুলসিরাত? এটাই কি সেই প্র যার ধার তরবারি হতে অনেক বেশি ধারালো এবং চুলৈর চেয়ে অনেক সৃষ্ধ? হায় রে মানুষ! আমরা জন্মেছি এটা সত্য এবং অবশ্যই মারা যাবো তথা চলে যাবো এটা সত্য আর এর মাঝখানের ছুটাছুটির মূল্য कर्णेक रात रिगाव कक्ष्म क्या! रुत त्काम स्मारं, त्काम लाक्ने, त्काम श्रार्थ আল্লীই পাকের পবিত্র বাণীর বুকের উপর দিয়ে হেঁটে যাবার সাহস পাই? তবে কি সেই শয়তান আমার মধ্যেই মিশে আছে? সেই শয়তানের নামই কি আমাদের কল্ষিত প্রবৃত্তির অনুস্ত চাঙ্গা? এই অনুস্ত চাঙ্গার নামই কি জাহান্নাম? যত চাউয়ার পাইয়া ना পেলেই কি আবার নতুন চাঙুয়া হাজির হয় না? এই চাঙয়ার কি শেষ নেই? আরগু আছে কি? আরগু দূেবে কি? জাহান্নামগু এ রকুম ভাষায় চাইছে না কোৱান পাকে? তবে জাহান্নাম কী? এর প্রকৃত রহস্যই বা কী? তবে কি व्याभता व्यत्नत्मरें काराब्वात्म व्याष्टि ना? तात्र कतिष्टे ना? तर्जभान कामत्मरें कि त्वाचाला रट्यः? ना यात्वा त्वाचाला रट्यं ज्या जैवसज्यत्व त्वाचाला रट्यः? अर्रे व्यवज्ञ চाञ्जञात यिं एक वा शास्त्र एस रेशरें कि शिवज्ञा? চाञ्जञाञ्च यिं एका वा शांक ठूंदा राविशात कि ठना बाष्ट्र? क्राराब्वात्मत सुकूष्ट्र राविशात कात्ना जना तिर - তবে কি অনন্ত চাওয়ার হাবিয়াতে আমরা হাবুডুবু খাচ্ছি না? জেনে গুনেও আমরা প্রবৃত্তির চাপ্তয়া পথকেই সঠিক বলে প্রায় সবাই ঐপিয়ে চুলি এবং তার পুরিণতি কতু ভয়াবহ, কত কৰুণ তা এতিম, মিসকিন তথা সর্বহারাদের চাহনি দেখলেই আমাদের ভ্রল ব্বাতে পারি।

की अक व्यक्ति तराउठ भाति विकार निष्क्र के लिए मिरा विद्यात वांधित तिर्द्य के लिए महिला त्याति का तिर्द्य का निष्क्र निष्क्र अकि क्षिण्ठ वार्धित क्षिण्ठ भाति वार्धित वार्धित का विकार निष्क्र निष्क्र अकि का व्यव्याविद्याधित मिर्ग का कि विकार वार्धि अहें मानविष्ठमाण्डा विश्वा धातात कर्मन व्यवणाक्त करता कि विकार के लिए माण्डा मण्डा मण्डा कि विकार के लिए माण्डा मण्डा कि विकार के वार्धित कि विकार के वार्धित के कि विकार के वार्धित के कि विकार के वार्धित के वार्धित वार्धित

আমি নিজেই হয়ে আছি অনেক আগে, কিছু একটা সামাজিক চাহনির লক্ষায় তা ঢেকে রাখতে বাধ্য হয়েছি। কারণ, যুক্তি হিশাবে অপরাধ স্বীকার করেও একটি খোড়া যুক্তি তবু দাঁড় করিয়ে ছাড়ি আর সেই যুক্তিটির শেষ ভাষা হলো : মানুষ লাঠির ভয়ে আত্মহত্যা করে না, আত্মহত্যা করে লক্ষার ভয়ে।

এসো পৃথিবীর মানুষেরা - তোমরা যে যেমন পোশাকের সাজেই থাক না কেন, যে যেমন চিন্তার ধর্মেই ডুবে থাক না কেন - যত ধর্মের যত বাধনেই আমরা আমাদেরকে বেঁধে রাখি না কেন - একবার একটিমাত্র শেষ অনুরোধ জানাতে চাই - আমাদের সবার বিশাল এই বুকের গর্তে বিবেকের ভাগর চোখে একবার মেখে নেই কোরান সাগরের অবগুঠিত পা হতে মাখা পর্যন্ত উলঙ্গ সত্যের নীল ছবি!

रुत्र वानाम (ता.) वर्षना कर्त्वाष्ट्रन या, तुमूनानार (वा.) वर्त्वाष्ट्रन, 'वामात क्रीवन यात राटा मरे वानार्त्र कमम कर्त्व वन्धि, कररे मुमनमान रूटा भारत ना, या भर्यन्न ना मि या भष्टक कर्त्व निष्मत क्रमा छ। मि भष्टक कर्त्व व्यभव्वत क्रमा।

(বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

হজুর পাক (আ.)-এর এই হাদিসটির তথ্য এত গুরুত্বপূর্ণ বিজ্ঞানময় এবং এই राष्ट्रित প্রতিটি কথায় কথায় মুক্রোর মতো অক অক করছে মানবধর্মের অদ্বিতীয় সেবার উদ্ধল সাম্যবাদ। শুধু কি তাই? সাদামাটা ভাষার ঝাঁপিতে লুকিয়ে আছে সার্বজনীন এক মুঠো উগ্র দুর্যু উচ্ছিটায় চোখ ধার্ষিয়ে দেপুয়ার তীক্ষ্ণ হমকি। এই তীক্ষ্ণ হমকি মানবজাতির প্রতিটি মানুষের হৃদয়কে ভাবিয়ে তোলে। 'কেহই মুসলমান হতে পারে না' অর্থাৎ মুসলমানরূপ ভূমির সীমানার কাছেগ্র থাকার স্বীকৃতি নেই। কার্ জন্য এতু বড় হম্বাকি? কে সে যে মুসলমানরূপ ভুমির সীমানাতেও माने (भन ना? त्रारे मानुषि दिने अरे समिन फिर्स गौवधान करत फिर्ट्य, या निस्त्रत সুঁখ-দুঃখকে তারই মতোঁ আর একটি মানুষ ভাইকে সমান বলে মেনে নিতে পারলো নী বা অশ্বাঁকার করে বসলো। সেই মানুষীট যে অপর মানুষটিকে আদর করে ডাক দিয়ে বলে দিল না যে, আসো মানুষ ভাই, আমরা এমন সমাজ, এমন ভুবন গড়ে তুলি যেখানে তোমাতে আর আমাতে, আমাদের মাঝে কোনো প্রভেদ বা ভৈদাভেদ थाेकरत ना। এই দুनिয়ার পার্থিব ভোগবিলাসের তো কোনো মূল্য নেই। তবে এই भुमार्शीन मन्भर्म निरेश क्वन व्याभता विद्धाप्तत थार्गीत त्रम्ना करेतवा? व्याभता स्मर्हे ভূবন রচনা করবো যেখানে তোমার গরু আর আমার চামের জমি থাকবে না। টোমার গকু আরু আমার চাষের জমি থাকলেই আসে বিভেদ। হয় ঝগড়া। দানা বাঁধে অশান্তি। শান্তি পালাতে গুরু করে। দিনের পর দিন মহারুদ্ধের মতো গড়ে ৪ঠে **क्षामाळ जात जामाळ श्रवन शिःत्रा। मानव**णा भून कत्नात उँग्र क्रिघाःत्रा क्रागत्व উভয়ের মনে। কেন হয়? তোমার গরু আমার চাষের জমির ধান খেলে আমি দেব খোঁয়াড়ে। এই তো ঝগড়ার প্রথম পদক্ষেপ। শান্তির রূপ বদলাতে থাকে অশান্তির। এই ঝগড়ার বীঙ্গ কোনোদিন যেন মাখাচাড়া দিয়ে না উঠতে পারে তার উপায় তুমি আর আমি অর্থাৎ আমরা মানুষ তাই উদ্ভাবন করবো। আবিষ্কার করবো সেই সইজ-সরল পথ যে পথে আমরা অগ্রসর হলে থাকে না কোনো অশান্তি।

यिष वामात केत्रन तोना क्रिक्ट वामातर गरू ने के करत कि लामात गरू हो कि वामात गरू हो कि ता कि ता

ইসলামে। এই ভাগ করার প্রণালি ইসলামের প্রধানতম শত্রু। অখণ্ড সত্যের অখণ্ড প্রকাশ চায় ইসলাম। 'তোমার-তোমাদের'-কে ছিন্ন করে উপড়িয়ে ফেলে দেবার জন্য সমগ্র কোরান ও হাদিস শরিফের প্রতিটি সোনালি অক্ষর কখনো শান্তভাবে, কখনো উগ্রভাবে, আবার কখনো হুমকি দিয়ে সতর্ক করে দিয়েছে। এই 'তোমার'-কৈ মুছে ফেলার জন্য কোরান-হাদিস, নবি-রসুল যুগে যুগে মানুষকে সাবধান করে দিয়েছৈ। শুধু এই একটিমাত্র আুদেশ ছাড়া সমগ্র ইসলামে আর দ্বিতীয়ু কোনো আুদেশের একবিন্দু স্থানত পায় নি। 'তুমি'-কে আসন দিতে গেলেই খোঁয়াড়ের স্ফি হয়। খোঁয়াড় কাঁ? এটাই তো যত গণ্ডগোল, হিংসা আর ভেদাভেদের আখড়া। এই খোঁয়াড়রূপী হিংসার আখড়াটা প্রথমেই চিরতরে লুপ্ত করে দেওয়া যায়, যদি সব কিছু আমার অথবা আমাদের রূপ গ্রহণ করে। আমাদৈর জমি, আমাদের গরু, তাই আমীদেরই বেঁচে থাকার শস্য এবং দুধ। আমরা সবাই মিলে দ্রাতৃত্বের বন্ধনে আবদ্ধ হয়ে বেঁচে থাকার এবং সকলের সুখ-দুঃখে সমানভাবে শরিক হতে পারবো। र्डें देव देव हैं कि स्वार्थ के किया है कि स পারবো। অক্ষর পরিচয়হীনেরা কী করে বই পড়ুতে পারবে? নিম্নুতম ইমানের ভূমির भीमानात् काष्ट्र ना थाक रॅमाजित किन्द्रभूमिक व्यवशालत् वोकानन कि निठान অশ্বাভাবিক এবং হাস্যাস্পূদ নয়? তা হলে স্পৈষ্ট দেখতে পাচ্ছি, তুমি এবং তোমুরা वाञ्चत्व ञ्चान পেলেই 'কেহই মুসলমান হতে পাৱে ना' সংজ্ঞার মাঝে নির্ঘাত আটকা পড়ে যাব। ইমান আনা অস্তুব, অবাস্তব হয়ে দুঁাড়াবে সকলের পক্ষে। তখন আমরা পারবো না হজুর পাকের (আ.) সাবধানবাণী 'যে পর্যন্ত না সে যা পছন্দ করে নিজের জন্য তাঁসে পছন্দ করে অপরের জন্য রক্ষা করতে বা মেনে চলতে। কারণ, যেখানে আমাদের এবং তোমাদের থাকবে সেখানে অন্য তুমি বা তোমরা ভাইদের জন্য আমার মত্যে পছন্দ করা অসম্ভব হয়ে দাঁড়াবে। কারণ একই সঙ্গে টাঁদ-সূর্য হয় ना। একই সঙ্গে চাঁদ, ना रेश সূর্য হবে। দুটো এক সঙ্গে কী করে হয়? এই দুটো অসম্ভব বলেই হজুর পাক (আ.) বিশ্বের মানবজাতিকে কী সুন্দর এবং বৈজ্ঞানিক শৈলীতে আহ্বান জানিয়েছেন। এই আহ্বানকে অবহেলা করতে যারা চাইবে তাদেরকে হজুর পাক (আ.) আল্লাহর শপথ দিয়ে বলেছেন যে, তারা কখনই ইমানদার হয় না বা হতে না অর্থাৎ ইমানরূপ ভুমির অতি সাধারণ সীমানার ধ্যুরেগু এদের স্থান নেই। অর্থাৎ ইমানদার হবার প্রথম এবং সহজ সংক্রা হতে এরা সম্পূর্ণরূপে বহির্ভুত। তারপরে ইসলাম? সেখালে শুধু প্রতি পদে পদে নিজের নিজটিকে অর্থাৎ আমিট্র হারাবার কঠোর সাধনায় লিপ্ত খাঁকুতে হবে। যেখানে আমিট্র হারাবার প্রশ্ন তো দূরৈ থাক সামান্য পার্থিব সম্পদের পুটুলিটা অন্য সবাইকে ভাঁত্ততা দিয়ে, ভেন্ধি দানছত্র খুলে আঅসাৎ করার প্রবল প্রটেন্টা চলছে, সেখানে ইমান-ভূমির প্রথম भीभानात ने एष्ट नी याना याय वर्ण अथला धात्रपा रुष्ट्? खान्नार निष्टे याथाल বলছেন যে, একটি মাছির একটি ডানার সমান বুলেও যদি দুনিয়ার সমস্ত সম্পদের **দाम ठाँत काष्ट्र रूळा ठाँत छिनि व्यवस्टिएत अकिंग घ**ि पानिष्ठ पान करळ ि हिळने ना। रायु द्व एथाकथिए नामधाती भूत्रुनमान! আল্লাহ্র অনুণ্ড বান্দা বলে দাবি করেও তাঁরই উচ্চারণ করা সম্পদের কী মূল্য জেনে-গুনেও সৈই সম্পদকে 'আমার-আমার' হীন বন্ধনে আবদ্ধ রাুখার জন্য কট্ট প্রকার চেষ্টাই না দিনরাত করছি। সেই মূল্যহীন সম্পূদ আজ তথাকথিত নামধারী মুসলমানদের কাছে মহামূল্যবান। তাই এই নামধারী মুসলমানেরা ভয় করে না, কৈহই মুসলমান হতে পারে না এই সাবধান বাণীটে। এরা মনে কুরে মসঙ্গিদ নামক ঘরে পাঁচবার নামাজ পড়তে পারলেই সব কিছু হয়ে গেল। পাঁচবার নামাজ পড়া ছাড়া আর অন্যকিছু সালাতই নয়, অর্থাৎ হজুর পাকের (আ.) দেওয়া সবচাইতে সুন্দর এবং শেষ্ঠ পাঁচবার সালাতকে কায়েম করার যে আনুষ্ঠানিক নিয়ম-পদ্ধতিকে 'একমাত্র সালাতের' পূর্ণ निर्फ्य तत्न स्मत्न त्नश्रा रहा, वैर्या९ अर्थे वानूर्शनिक निरम-পদ্ধতি ছাড়া वात

কোনো কিছুকেই সালাত বলা যাবে না। তবে হন্তুর পাক (আ.)-এর জন্মের পূর্বে অন্যান্য নবি-রসুল যে সালাত পালন করতেন এবং অপরকে করতে নির্দেশ দান করতেন উহা কী প্রকার সালাত কায়েম করা ছিল? কোরান শরিফে সুরা লোকমানে লোকমান হেকিম তাঁর পুত্রকে, কোন এবং কী প্রকার সালাত পালন করার উপদেশ দান করছেন? হজুর পাঁক (আ.) সালাত পড়তে বলেছেন, না কায়েম করতে वलए वालार कि जातक वार्त वलए का खंग अशाकि भूत्र ना ना अकता সালাত? একরা শব্দের অর্থ পড় (রিড)। পড় বললে আমরা যে নামাড় পড়ি। তা হলে বিচার দিবসে বুলতে পারবো যে, আল্লাহ নামাজ পড়তে বলেছেন তাই আমরুা নামাজ পড়েছি, কিন্তু আল্লাহ তখন বলবেন, কোখায়? আমি তো নামাজ পড়তে বলি नि, नामाक कार्राम् कतरे वर्ताष्ट्र। नामाक यात कार्राम रस्य शर्ष स्वताक्र ठात হয়ে গেছে অর্থাৎ সৃষ্টিরাজ্যু পেরিয়ে সে লা মোকামে যাবার সোভাগ্য অর্জন করেছে। আসসালাতু মেরাজুল মুমিনিনের অর্থ হলো প্রত্যেক মোমিনের জন্য সালাতই তো মেরাজ অর্থাৎ সালীতই মেরাজের জুন্য যথেউ। সূতরাং যারা সালাত তথা নামাজ পড়ছে তাদেরকে জিজেস করা উচিত যে, আপনারা যে এতিদন ধরে নামাজ পড়ছেন, কিন্তু মেরাজ হয়েছে কি? অর্থাৎ সৃষ্টিরহস্যের দ্বার খুলেছে কি? সালাতের আসল এবং একমাত্র অর্থ হলো সংযোগপ্রচেষ্টা তথা মিলনলাভের সাধনা। কার সঙ্গে **এर्ह সংযোগ করার প্রচে**ট্টা চালাতে হবে? আল্লাহ্র সঙ্গে সংযোগপ্রচেট্টাকে স্থায়ী कुतारकर कार्यस कता वना रखिष्ट। शाक, रेंरा व्यासारमत अशाल व्यातनावनात বিষয়বস্থ নয়।

ইসলামি সাম্যভিত্তিক মানুষে মানুষে ভালোবাসা

তা হলে এখন আমরা বুঝতে পারছি যে আমাদের প্রতিবেশীকে নিক্ষের সুখ-দুঃখের সমানু অংশীদার, বলে মেনে না নিলে সর্বপ্রথম হন্তুর পাকের (আ.) বাণী মুসলমান रेटाई भारत ना' मध्कात भारत जाएका भरत शन्तीम। ध्रथन जामता मरक्रई तूर्वाट পার্রাছ যে, ইহা একটা মুসলমান হবার সতর্ক বাণী অর্থাৎ হর্মাক। এই আদেশ যাতে কোনৌ ক্রমেই অবহেলা করতে না পারি তারই জন্য ইসলাম যত বড় হম্মকি দিয়েছে সত্যিই তা আমাদের ভাবিয়ে তোলার একটি বিশেষ বিষয়। এই इमिकित तलक वर्षना क्तराज शिल वलराज रहा, अकिए गास्टित मिकस कराजे रकल উপর হতে পানি ঢেলে বাঁচানোর ইচ্ছা যেমন হাস্যকর তেমনই অবাস্তব। প্রতিবাদ क्तरता, क्वि भावि जानष्टा? এই गाष्ट्र क्वा बात ताँ जित वा। এत छिति या सिर। ভিত্তিই যদি ধ্বংস করে দিলে তবে পানি ঢেলে কী উপকার হবে? আমরা যদি ইসুলামকে একুটি গাছ মনে করে নেই তবে তার মূল বা ভিন্তি কোনটি? আমরা জানি এবং অতি সহজেই বলে থাকি - ইমান যার নেই তার শত প্রকার এবাদতের কোনো মূল্য নেই। এর কারণ? মূল বা ভিত্তি ছাড়া গাছের জন্য বেঁচে থাকা যেমন व्यवस्थित अते व्यवस्थित प्रातिक स्वाप्त कार्या स्वयं साम करा स्वयं व्यवस्था स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं এবাদত করা ঐ গাছের ভিন্তি কেটে আগায় পানি ঢালার মতোই অবাস্তব। কোন কর্তব্য পালন করতে না পারলে আমাদের ভিন্তির উপর চরম হমকি দেগুয়া হয়েছে? অপর মুসলমান ভাইদের সুখ-দুঃখ ঠিক নিজের সুখ-দুঃখের মতো বরণ করে নিতে হরে। তাই ইসলাম আমাদের চরম হুমুকি দিচ্ছে - যদি সমান বুলে অপর মুসলমান **छाहै**एनत श्रह्म कदत ना निष्ठ भाति छद व्याप्तता व्यविश्वाभी। व्याप्तता ेकानि, অবিশ্বাসীদের আরবি ভাষায় কাফের বলে। তবে কি আমরা কাফেরের পর্যায়ে নেমে बनाभ? তবে আমাদের এত এবাদতের কি কোনো मुनार्ट নেই? অন্য সব রকম এবাদত করতে না পারলে শাস্তি দেবার কথা ঘোষণা করা হয়েছে। আন্তরিকভাবে क्रमा ठारेल बान्नार बामाप्तत क्रमा करत फरवन वर्ल ठांत बर्मीम करूपात क्या

वश्वात वर्लाष्ट्रन। किन्न सानुष्यत सान्त छ श्वान िए ना भावत्त या व्यासारम्त छिन्नित छेभत हत्स श्रमिक मिर्याष्ट्र। भरताऋछात्व व्यासारम्त कारफत वला श्राष्ट्र। छर्व अत स्थर्क भित्रवाप भावात कि कारला छेभाग्न व्यासारम्क वर्ण कि? व्यासारम्त छिन्नि स्वन क्लिं का अर्छ, व्यासता याक कारफत ना अर्छ, व्यासता याक कारफत ना श्रमें, छात अन्य व्यभारम्यत विकर्फ क्रस्थ मां छाक्र श्रवा।

व्याभता व्यभारमात छिडि त्य भत्कृ लात्क वनत्वा, व्यामात्मत हैमान कितित्य पाछ। আমরা যাতে কাফের না হই তার ব্যবস্থা কর, না হয় অসাম্যের ভিত্তি গড়তে দেব ना। व्याभता व्याभारमत धर्मत कना रामक रामक कामित कार्क व्रामक भातरता। আমরা আমাদের ধর্মের জন্য এক-একটি ডিনামাইটের টুকরো। যখন কোটি কোটি ডিনামাইটের ভাষণ গর্জন হবে তখন অসাম্যের ভিতে গটা প্রাসাদ ভেঙে খান খান হয়ে যাবে। আমাদের কাফের হবার ভয় হতে পরিত্রাণ পাবার ব্যবস্থা কর। আমাদের ইমান আমানত রক্ষা করা না হলে তোমাদের অসাম্যের ভিত্ত আর গড়তে **फित ना। अर्थ भुर्मीय वित्रकात्रप रुत्व उग्नावर छोषप। व्यामता व्यामाफित रैमान तक्रात** তরে বন্যার বাঁধভাঙা পানির মতো হ হ করে তোমাদের অসাম্যের ভিত এবং তোমাকে ভাুসিয়ে নিয়ে যাব। আমাদেরকে আর কতদিন ইসলামের উপর গভূমিল করে, 'দুই তিনে দশ হয়' বলে গোঁজামিল দিয়ে চোখে ঠুলি পরিয়ে রাখবে? ধুঁয়ো দেখতে পৈলে সেখানে 'আ়ণ্ডন নেই', ঠাণ্ডা পানি আছে', বলৈ আর কতদিনু প্রতারণা कत्रत्वः? व्यामता क्रांनि धुँरमा शाकला स्मिशात व्याधन शाकरू वाधा। এই সাম্যেत অধিকার ইসলামের আইন দ্বারা প্রতিষ্ঠা না করলে যে রসুলাল্লাহ (আ.)-এর চরম হুম্কি – 'কেহই মুসলমান হতে পারে না?' তার পরিণাম যে সুনিশ্চিত কাফের টাইটেল নিয়ে ইহলাল ত্যাগ করতে হবে তা আমরা ভালো করেই বুঝি। যেমন আমরা অতি সহক্ষেই বুঝি, সব মানুষ মরবে। আমি একটি মানুষু, তারপির আমার কী হবে বলে কেউ প্রশ্ন করে, তা ইলে আমরা ভালো করেই বুঝি যে, আমাকেপ্ত मतळ रता उपमध्यात् अर वना खळ पात या, विश्वामीता मेवार भिल्न अकिए দ্রাতৃসংঘ। এই সংঘ যদি সকল মানুষ তথা প্রতিবেশীর সুখ-দুঃখের প্রতি সমান **फ्रीफिलेंग्रि तक्रा ना कत्रक भारत जस्त में मनमानत्रभ व्याधायिज रखे थाकार याय ना**।

এবং মোসলেম শরিফ)।

বার বার সাবধান করে দিচ্ছেন রসুলাল্লাহ (আ.) প্রতিটি মানুষকে, যারা আল্লাহ ও রসুলের প্রতি ইমান আনার দাবি জানায়। এই হাদিসটিতে হজুর পাক (আ.) আমাদেরকে প্রতিবেশীদের প্রতি কর্তব্য ও দায়িত্ব পালনের এমনভাবে তাগিদ দিচ্ছেন, যা পালন করতে না পারলে মহান আল্লাহকে সাক্ষী করে বলেছেন যে 'সে ইমান আনে নি।' শুধু একবার? পর পর একই সাবধানবাণী তিনবার হজুর পাক (আ.) উচ্চারণ করাতে তা সাহাবিদের সতিয়ে ভাবিয়ে তুলেছে। ভয়ে ও বিশ্বয়ে

তাই সাহাবারা ভেবেছে যে, কী সেই কাজের দায়িত্ব যা পালুন কুরতে না পারলে 'আমরা ইমানুই আনি নি' সংজ্ঞার মধ্যে পড়ে যাবঁ? তিনু-তিনটি বার হজুরু পাক (আ.)-এর পবিত্র মুখ হতে একই কথা উচ্চারণ হলো – যিনি প্রয়োজনের ঐতিরিক্ত একটি কথাও জীবলৈ উচ্চারণু করেন নি। তাই সাহাবারা প্রশ্ন করলেন, 'ইয়া রসুলাল্লাহ (আ.), কে সেই ব্যক্তি যে ইমান আনে নি?' রসুলাল্লাই (আ.) বললেন, প্রেই ব্যক্তি, যে তার প্রতিবেশীর ক্রতব্য গু দায়িত্ব পালন করে না – অর্বাৎ श्रीठित्वभी नितालम् शाकक्र लात्त ना। लाह्य नितालम् की अवः नितालम् वनक्र की ताबायः? প্रতিবেশীর সর্বপ্রকার অভাব-অভিযোগের কোনো সমাধান যারা দিতে চায় ना, প্রতিবেশীর এই সমস্ত অভাব-অভিযোগের সুঠু মীমাংসা জানিয়ে দেওয়া সত্তেও যারা বিপদ হতে প্রতিবেশীকে নিরাপদ করলো না, তারা ইয়ান আুনে নি। অখাঁৎ বিশ্বাসীর প্রথম পর্যায়েও ত্রাদের স্থান নেই। হজুর পাক (আ.)-এর শিক্ষা ও व्याप्तिगरक गिर्त्वाधार्य कर्त्व निर्धिष्टिलन वर्लर्ड व्यन्य क्रे जारावा रेक्ट्रके अभव (वा.) উটের পিঠে যতটুকু বসে যেতেন ঠিক ততটুকু তাঁর ভ্তাকেগু বসতে দিয়েছেন এবং উটের পিঠে বসিয়ে দিয়েই তার কুর্ত্ব্যু শেষ কুরেন নি, বরং নিজে সেই উট্টের রশি ধরে গরম বালুর উপর পায়ে হেঁটে উট বয়ে নিয়ে গিয়েছেন। নিরপেক্ষ দৃষ্টি দিয়ে वनुन ळा, ब्रह्मे केत्रस मास्य चात की रूळ भारत? चात्रव ऋनमाधातपरके बकवात হজঁরত গুমর (রা.) কাপড় ভাগ করে দিলেন। জামা হোক বা না হোক সেই প্রশ্ন না करत छिनि त्रकेनर्क त्रमानं पूँकता करत हिल्लन। किन्नु श्रद्ध रम्शा शन कारता स्नामा रम्र नि स्नर छाश क्रा काशस्त्रत पूँकता हिन्द्य। त्रमान वर्ष्टलत काश्रुस् हिन्द्य अधु একজনের জামা হয়েছিল এবং যার ইয়েছিল তিনি স্বয়ং হজুরত ওমর (রা.)। জুমার নামাজের পূর্বে খোৎবা পাঠে উদ্যত হতেই আবু সাইদ খুদরি (রা.) ওমর (রা.)-কে वाधा फिलन अवः वनत्नन, 'आमात कथात छैठते फित्य रेटन, ना रतन आपिन त्यापता पाठ कत्य पात्रतन ना। रक्तरण अमत (ता.) छठदतत अलीकाय तरतन । रक्तरण আবু সাইদ খুদরি (রা.) বললেন, 'আমাদের যে কাপড় সমান ভাগে ভাগু করে ि रिरोष्टिन ठाउँ कार्रावह कामा रंग नि, किन्न वाभनात कामात काभाउँ की करते कामा रुला? कुमत (ता.) वल्लन वाभनात श्रद्धात छन्नत वामात प्रति किरव। असदात पूत्र फें छित्र विषयिन, 'अक द्विकत्वा काथर हित्र वासात्मत कार्ता आसा रुट्या ना वेद्यु वासात काथर है कित्रा दिया कासात आसात सार्वा কাপড়ের তালির ভারগু সুইতে পারে না বলে চামড়ার তালি লাগিয়ে পরছেন।

रांक्तिय कुर्निक्क वर्षिक रखिष्ट या, वालार वर्णन, 'मसस दूनियात मन्नात काम यिन अकि मोश्ति अकि छानात महान वर्णन मति रक्ति एता क्या कार्क अपन रक्ति अविधि छानात महान वर्णन मति मार्ग रक्ति कार्क कार्वित (ता.) रक्ति वर्णिक व्याप्ट, रक्ति भाक (व्या.) अकि कानकाष्ट्रा मुठ ष्टाभर्णत वाष्ट्रात काष्ट्र किया कार्णात काष्ट्र किया कार्णात कार्ण किया कार्णात कार्

হতেও। (ঝোসলেম শরিফ)।

मूं अंशितिष-विन-भाषां रेट वर्षिण व्याष्ट , रुकूत भाक (व्या.) वर्षाष्ट्रन, व्यानार्त पूनियाय व्याप्यताद्यत (भट्ट जूननाय) द्यानार्त, त्यान कर व्याप्ट्रन भाषत प्राचित्य फ्रिंश कर्षे भानि अत्वर्ष्ट उद्दार्थ (साम्रत्य भित्रक्र)। रुकूत भाक (व्या.) वर्षाष्ट्रन, 'व्यानार असन कात्ना वश्च मृष्टि कर्तन नि या छात पृष्टिक पूनिया व्याप्ट्रका व्याप्तिक श्रीण अत्रः मङ्गा

হজুর পাক (আ.) বলেছেন, 'ভোর বেলা ঘুম থেকে ওঠার সঙ্গে যার আন্ত রিক আকর্ষণ বেশির ভাগ উপার্জনের দিকে হয়, সে ব্যক্তি কখনো আল্লাহভক্ত

লোকদের অন্তর্ভুক্ত নয়, তার জন্য দোজখ অবধারিত।

रुत थाक (आ.) वलाइन, 'क्यामक्यत मार्छ अमन क्राइता लाक उँशिष्ठिण रित योक्ति थूप कार्यमपूर 'क्रिसा' थर्कत मक्षा उँच रत, उथांथि ठाक्तिक क्रिसा विक्रंश कर्ता रहे। उँशिष्ठ्र मारावाद्य क्रियाम आत्र करतलन, 'रुंग तम्लालार (आ.)! अता कि नामांकि लाक नव्ह?' रुक्त थाक (आ.) वलालन 'रंग, ठाता नामांकि थर्फ्ट, व्राक्रांश व्रवेश्वर, मातातां क्रिक्ष नक्ष्म अवाक्ष्य क्रियाम अध्या मार्ग व्याप्त क्रिया मार्ग अध्या प्राप्त मार्ग व्याप्त क्रिया व्याप्त क्रिया व्याप्त क्रिया व्याप्त क्रिया क्रिया क्रिया व्याप्त क्रिया क्रिया व्याप्त व्याप्त क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

श्रुत পাক (আ.) বলেছেন, 'দুনিয়া তোমাদের প্রতি আক্র্ট হবে এবং তোমাদের ধর্মকে এমনভাবে খেয়ে ফেলবে যেমন আগুন শুকনো কাঠের টুকরোকে ছাই করে ফেলে। স্পুর পাক (আ.) ব্লেছেন, 'দুনিয়া হতে আতারক্ষা কর। ইহা

रातुल-सातुल অপেकार्श ख्रीधकू क्रापूर्कत्।

उपादित राष्ट्रिय किया हिता विमान वर्षना कराय शिला आमरा हिवाला किया या क्ष्मण क्ष्मण व्याप्त भार्ति या, हिना विद्या प्राप्त क्ष्मण्य क्ष्म

मध्यास कतात कठिन मथ्य नित्य व्यासारम्त काणीय छाणारक पतिर्वणन कत्रल वित्य वासारम्त छाणारक पतिर्वणन कत्रल वित्य वासारम्त छाणारक पतिर्वणन कत्रल सला मिछित्य जासामा रिश्व जरव व्यामार व्यासारम्त छाणारक पतिर्वणन कत्रलन ना। रेंरा कारान- अत म्लं वारम्य। वासता थाक्ठिक पूर्वारम्त सूर्ण नारणा सानुष त्वावात सूला कित कित पति, किष्ठ जवुछ व्यामार अवः तम्मामार (व्या.)-अत व्यस्जवापीरक वृत्व नित्य मध्यास कतात जत्र अ सारत्व मामरम्त वित्र के माणार हो ना। व्यासारम्त धर्मीय क्रिजन व्यात म्मनरक 'सन स्म त्या मण्य कित्र के त्वामार्थ हो नित्य हो जात कन्य व्यासारम्त छारणा मिलत पत्र मिन चन व्यक्षकात्वत सला नित्य व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यासारम्त अर्थ सत्र व्यासारम्त व्यासारम्त अर्थ सत्र व्यासारम्त व्यासारम् वित्य कार्य वित्य वार्य व्यास वित्य वित्य वार्य वित्य वार्य वार वार्य वा

আলাহ আহ্বান জানাচ্ছেন – কে আছ, কে মোহরের দাসদের বিরুদ্ধে রুখে দাঁড়িয়ে নিজের ভাগ্যকে পরির্বতন করতে চাও? কিছু সমাজ-জাতি তো দূরের কথা, ব্যক্তি বিশেষও মোহরের দাসদের, যারা ধর্মের মুখোশ পরে লালন-পালন করছেন সেই প্রধান মোহরের দাসদের উচিত শিক্ষা দিয়ে হজুর পাক(আ.)-এর আদর্শ প্রতিষ্ঠা করার তরে এগিয়ে আসতে দ্বিধাবোধ করছে।

হজরত আবু হোরায়রা (রা.) ইতে বর্ণিত আছে, হজুর পাক (আ.) বলেছেন, 'ধ্বংস হোক দিনারের দাস, দেরহামের দাস আর দোরাদার কাপড়ের দাস। যদি দেওয়া হয় তাকে, সে সম্বর্ধ হয়, আর যদি না দেওয়া হয়, অসম্বর্ধ হয় – ধ্বংস

रेंडेक् स्न, नाष्ट्रिय रहेक स्नू।' (खांशांति गतिक)।

করছে।'

रेंत्रनाम भिक्रा िएष्ट : रेंत्रनामरें रिप्टिक ७ मानित्रक त्रर्वश्वकात ज़ात्रज़ रुळ মুক্তিদানের বি্ধান। দৈহিক দাসত্ব বলতে ধারণা করতে পারি যে দৈহিক দুঃখ-কুঁউ-যাতনা ইত্যাদি প্রধানত দার্সতা অভাবে-অনাহারে একটি মানুষ দূনের পর দিন ভীষণ কুষ্ট পাচ্ছে অথুচ ভোগবিলাসে ডুবে থেকে অপর আর একটি তাুরুই भक्ता भानुष क्रीवन कार्षिया फिक्टा अर्थे पूक्ता भानुत्वत द्रिप्टिक क्रीवनधातात अक्षिश ইসলাম মৈনে নেয় নি। তাই ইসলাম মানুষকে তার দৈহিক প্রয়োজনের উপযুক্ত মানুদ্রে বিচার কুরে ঘোষণা করেছে, তোুমার দৈহিক জীবনধারণের মুক্তির তরে যতটুকু প্রয়োজন ঠিক ততটুকু অপর একটি মানুষের বেলাতেও প্রয়োজন। ইহাই रैमनोक्षित मामांकिक আर्रेन येथें।९ विधान। उपमःशेद्ध अर्रे वन्ट्य भाति ह्या, कार्योग्र সম্পদ্কে সমানভাবে বণ্টন করে দিতে হবে। প্রতিটি মানুষ যাতে দৈহিক দাসত হতে সম্পূর্ণ মুক্তি পেতে পারে তারই তরে আমাদেরকে আল্লীহ এবং হজুর পাক (আ.) বার বার স্পর্ট ভাষায় সর্তক করে দিয়েছেন। মানুষের মাঝে যাতে দৈহিক মুক্তির তরে অসাম্য না দেখা দিতে পারে তারই জন্য দুনিয়ার পার্থিব সম্পদের যে কৌনো মুল্যই নেই সেই কথা কোৱান এবং হাদিস শৱিফৈ শত শত বার শত শত শৈলীতে প্রকাশ করে আমাদেরকে সাবধান করে দিয়েছেন। এত সাবধান করে দেগুয়া সত্তেগু য়ারা মুসলমানের মুখোশ ধারণ করে জাতীয় জীবুনে অসাম্য তৈরি করে জাতীয় দৈহিক ও মানসিক জীবনকে দাসত্বের শৃষ্ঠাল পরিয়ে দিচ্ছে, সেই বক-ধার্মিক मुरशाम-नेता छञ्ज मुत्रनमानरमत विक्रिक्त क्रेरश माँजाटा, প্রকাশ্য विদ্ধোহ ঘোষণা করতে এবং সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠা করতে আল্লাহ এবং হন্তুর পাক (আ.) বহুবার ঘোষণা করেছেন।

প্রকটা গোটা জাতির দৈহিক জীবনে অসাম্য তৈরি করে সামান্য মুর্টিমেয়
মার্থপর ব্যক্তি দৈহিক উপকরণ অর্থাৎ পার্থিব সম্পদ নিজেদের ভোগবিলাসে ঢেলে
দিচ্ছে। প্র মার্থপর মুর্টিমেয় ব্যক্তি ধর্মের নামে বড় বড় বুলি আউড়িয়ে
জনসাধারণকে বিদ্রান্ত করে। তাদেরই উচু দালানের দ্বারে লাখো মানুষ কেঁদে বেড়ায়
— আকুল আবেদন জানায়, কিন্তু তাদের মন থাকলেগু কাতর কান্নাকে অনুভব
করার শক্তি তারা হারিয়ে ফেলেছে। দৃষ্টিতে প্র লক্ষ দীন্তিহীন কালো বত্তের ভেতর
চোখের তারাগুলো তারা দেখতে পায় না। হজুর পাক (আ.) আমাদেরকে এই সমস্ত
মার্থপর ব্যক্তিদের মুভাব বর্ণনা করে বলেছেন, 'তাদের মন আছে বটে, বুঝবার শক্তি
নেই। তাদের কান আছে, শুনতে পায় না। তাদের চোখ আছে, দেখতে পায় না।
তারা জানোয়ারের মতো হয়ে গেছে, বরং তার চাইতে অধম। এরাই চরম উদাসীন্যে

उद्य बाष्ट्र।

এই মূল্যহীন পার্থিব সম্পদ ইসলামি রাষ্ট্রের সাম্যের ভিত্তি ও দর্শনে কেন যে প্রতিষ্ঠা হচ্ছে না তা সত্যিই ধর্মপ্রাণ মুসলমানদের ভাবিয়ে তোলে। কান-কাটা মরা ছাগলের মূল্য হতেও দুনিয়ার সম্পদ তুচ্ছতর, আর সেই তুচ্ছতর সম্পদকে নিয়ে মুসলিম রাষ্ট্র কেন অসাম্যের ভিত গড়ে? সমাজ এবং জাতির মেরুদণ্ড চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয় অসাম্য।

यि मात्रनेण्य ता व्यार्थन क्षर्यक्षर त्राचना करत व्यार्थि व्यात्मात तीक, मिन्न मात्रनेण्य क्षिणि धाताय व्यावात व्यायाप्तत त्राचना करता रहत त्राया व्यावात व्यायाप्तत त्राचना करता रहत त्राया व्यावात व्यायाप्तत व्यावात व्यावात व्यायाप्तत व्यावात व्

लाकमा जात्क (थएज फ़रवन। या खाताःत धकशञ्च वञ्च खानाः । खाट्यानाः करत्, আল্লাহ ইহার ন্যায় জাহান্নামের একখণ্ড বৃষ্ণু তাকে পরাবেন্। যে অন্যায়ভাবে অপ্রৈর সন্ধান নন্ট করে, আল্লাহ বিচারের দিন তার সন্ধান নন্ট করবেন।' (আবু দাউদ শরিফ)।

পরক্ষর পরক্ষরকে ভালবাসতে হবে। ভালোবাসার দাবি তখনই শ্বকৈত হয় যখন একে অপরের সুখ-দুঃখে স্মানভাবে শরিক হুতে পারে। তখনই হয় প্রকৃত সাম্যের প্রতিষ্ঠা। মানুষকৈ তার মৌলিক দাবি হতে বঞ্চিত করে, আমার মতো সুখ্-দুংখের অনুভূতি যে তাদেরও সমানই আছে, আমার মুখে মরিচ ঝাল আর টিনি মিটি অনুভূব করার শক্তি যুত্টুকু আছে, তাদেরও সেই অনুভূব করার সমান শক্তিই व्याष्ट्र। ब्रेंहेंভाবে প্ৰত্যেক বিষয় হতে विश्व - व्यवस्थित केद्र ना द्वर्थ वाभता পরক্ষার পরক্ষারকে ভালোবাসা দিয়ে মেকি কান্নার প্রীতি ছাড়ানো গোঁজামিল করে ताथा फ्रि. नाजनल्य वा व्यास्निक जन्मूर्वक्रा धूर्य-मुख्य जव मानुरम् ज समानलात्व বাঁচবার অধিকারের আইনে গড়ে তুলুবৌ মানবতীর খাঁটি তাজমইল - রক্তশোষক ভাইপারের পাঁজর নিঙড়ানো রক্ত-কিণিকায় গড়া অভিশপ্ত তাজমহল নয়। কালের অভিশপ্ত পাথরে তাজমহল ফিউড্যাল্ দর্শনে দর্শীয়ান কার্গজের ব্যাঘ্রদের নীল আটা স্বর্ণালি চশমার ফ্রেমে অতি সুন্দর যোন্ প্রেমের নগ্ন বিশ্রী গৃন্ধ সন্ধান করে।

যদি আমরা পরক্ষরের প্রতি এই ভালোবাসা প্রদর্শন করতে না পারি তবে আমাদের মাঝে কখনোই ইমান আসতে পারে না। যদি ইমান না আসে আমাদের भार्त्य जरत त्वरहरूच्च की करत राज्ज भातत्वा? हैभारतत श्रन्न जुनलहे राখाति वाष পড়ে যাই সেখানে বৈহেশ্বের প্রশ্ন তো দূরের কথা। হঙ্গরত আঁবু হোরায়রা (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'ইমান না আনা পর্যন্ত তোমরা বেহেন্তে যেতে পারবে না। এবং পরক্ষরকে ভালো না বাসলে ইমান আসতে পারে ना। আमि कि ळामाएत अमन कार्यंत नम्नान एन ना, या कतल ळामता পরস্পরকে ভালোবাসবে? তোমাদের ভেতর শান্তি বিস্তার কর। (মোসলেম)।

পরক্ষার পরক্ষারের প্রতি ভালোবাসার মৌলিক দাবি দেশ গু জাতির বুকে প্রতিঠা করার তরে যদি আমরা বোবা দর্শকের মতো হাঁ করে তাকিয়ে থাকি, তার পরিণাম যে স্পষ্টভাবে কাফের টাইটেল নিয়ে জাহান্নামে যেতে হবে সে বিষয়ে হন্ত্রর পাক (আ.) স্পর্ট ভাষায় আমাদেরকে সাবধান করে দিয়েছেন। আমাদেরকৈ তাই कारफंत राखा ना' বলে তিনি সতর্ক করেছেন। মানুষের গ্রীবাদেশে আঘাত হেনে स्रोंनिक দाবि रूळ भानुषरक धाक्ना स्मरत रफल फिळ वात्रप करत फिखएरन।

হজরত জোরাই (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, রসুলাল্রাহ (আ.) বিদায় হজে বলেছেন, 'আমার পরে তোমরা কাফের হয়ো না এবং পরক্ষার পরক্ষারের প্রীবাদেশে আঘাত কুরো না।' (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

মূল্যহীন পার্থিব সম্পদকে আঅসাৎ করে অপর ভাইদের বঞ্চিত করে যারা সমাজের বুকে ভদ্র এবং ধনী সাজে তারা কাফের। শুধু কি কাফের? এরা মানব সমাজের মধ্যৈ ভাষ্টন ধরিয়ে বিভিন্ন শ্রেণীতে বিভক্ত, করে ফেলে। এরা ভুলে গিয়েছে या, जकन सानुरस्त প्राप्तत सुना जसान। सानुसरक किंगरन वाधा करत लारित शानास বানিয়ে রেখে মানুষের প্রাণের সমান মূল্যবোধের সাম্যবাদকে নি্ছুরের মতো উপড়িয়ে ফৈলে দিয়ে করুণ হা-হতাশের বেদনার্তু ছবি মানুষের বুকে একৈ দিয়েছে। মানুষ যে তাদেরই মতো একই প্রাণের অধিকার্ত্তী, তারা তা গর্বের সহিত অম্বীকার कर्ति। जाता चूल भिराष्ट रुकूत भारकत (चा.) वार्त्वमन चात्र मेठक्वाणी। रुकूत भूक (चा.) वेलएकन, 'मृकन सूमनुसालत श्राणत सून्य मसान। चान्नार वृत्वने, 'বিশ্বাসীগণ পরস্পর দ্রাতা।' তারা অশ্বীকার করে আল্লাই এবং হন্তুর পার্কৈর (আ.) দেগুয়া সাম্যবাদ। তারা মানুষের বুকের উপর প্রকাশ্যৈ রচনা করে মানুষের রক্ত

দিয়ে ভোগ-বিলাসের পাুথর-প্রাসাদ। মানুষকে বোকা বানাবার জন্য, মানুষের क्रांश कनूत वनस्तत ठूनि পतिया मिया मैत्रिक घरत मूत्रनुमान त्राक नां उग्राक नामाक जामाग्र करता किन्नु जाकत्त्रात्र। असे छछर्द्रत त्रेमुणिक गाम्रि स्वात कर्त আমরা এগিয়ে আসি না।্অীমাদের এই দিনের পর দিন নীরবতার দরুন তারা তৈরি করে রাখে নিরাপন্তার লেহিপ্রাচরি।

व्यामारमृत्र व्यापात् भूमा या कामारमृत व्यापात मका त्रमान ठा कामता उपरास्त्र रात्रि ठूटन छैं छिरत्र हिस्त्रेष्ट। व्यामारम्बरक मारम्ब व्याधीनक त्रश्वद्वव वानिस्त छामबा পশুর মীতো ব্যবহার করছ, কিছু তোমাদের বাইরের দিকটি এত চতুরতার নাগপাশে धित्व त्वरथष्ट यात्र कना भेरक व्याभता वृत्य छैठेक भाति ना। भीनुष क्यानां एन मानुस्वत मात्र रूळ भारत ना। मानुष व्यान्नीर्वत मात्र। व्यान्नार व्यामारम्ते मानिक छथा প্রভূ। আল্রান্থ বহুবার ঘোষণা করেছৈন যৌ, আসমান-জমিনের একমাত্র মালিক হলেন

তিনিই, অন্য কেউ নয়।

হজুর পাকের (আ.) দেওয়া সাম্যবাদ মানুষকে দেয় মানুষের মানবিক দাবি প্রতিষ্ঠা করার আহ্বান। মানুষু হয়ে মানুষের কাচ্ছৈ ছোট-বড় টেদাভেদ নেই – সব मानुस्वत श्रापत मुना ममान। निष्कत कनी या पष्टक, व्यपदात कना छ। कता स्मर्तन ना निलं सुमलसान रुळिर भार्ताष्ट्र ना। আমাদের প্রথমে তাই মুদলমান হবার সীমানাতে দাঁড়াতে হবে। তারপরের প্রশ্ন আসে আমিত্ব হারিয়ে আল্লাইর সঙ্গে সংযোগ প্রচেষ্টা ত্থা সালাত কায়েম কুরার কথা। যাঁরা আমাদের 'মুসলমান হতেই পারি না'-কে স্বীকৃতি দেবার আমলটুকুও রাখে না, তারা কি শুধু কীফের? তারা তো আল্লাহ এবং রুসুলৈর বিরুদ্ধে যুদ্ধ করিছে। যারা আল্লাহ এবং রুসুলের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করছে তাদের বিক্লডেন কি আমাদৈর যুদ্ধ করতে বলা হয় নি? ক্রিষ্ট আমরাগু তৌ রসুলের মহব্বত উপেক্ষা করে নিজেদের খ্রাণের ভয়ে চুপ করে আছি।

रुषुत পাককে (আ.) নিজের প্রীণ এবং সমস্ত কিছু হতে বেশি মহব্বত করতে হুবে। হন্তুর পাক (আ.) বলেছেন, 'কেহই ইমানদার হয় না যতক্ষণ না আমি তার নিকট প্রিয়তর হই তার পিতা এবং সম্ভান হতে এবং সমগ্র মানবজাতি হতে। (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)। কিষ্কু আমরাগু কি তা মনেপ্রাণে গ্রহণ করে নিতে পেরেছি? যদি তাই পারতাম তবে হজুর পাকের (আ.) দেগুয়া সাম্যবাদ এতদিনে নিশ্যুই সুমাজের বুকে দৃঢ়ভাবে প্রতিষ্ঠা লাভ করতো। আমরাগু তো থুতনিতে দাড়ি, মাথায় টুপি, মুখে আল্লাই রসুল এবং বুগলে ইট লুকিয়ে ব্লেখে হজুরু পাকের (আ.) প্রতি মইবৈতের নহর জারি করতে চাই। দাড়ি রাখা একটি সুন্নত, কিছু নিজের জন্য যা পছন্দ করি অপরের জন্য তা করতে না পারলে কি সেই সুন্নতের দাবি এখনো

क्तरळ लक्षा रय ना?

चेत्र विकार क्षेत्र क

रक्त के वातू रहाता खता (ता.) रेक वर्षिक वार्ष, 'वािक वननाम, रह वानार्त नित, व्यासारक बेसन विषेश निका हिन याट्टा टक व्यामि उन्नकात (निक् नाति। किनि বলুলেন, মুসলমানদের পথ হতে অনিউকর পদার্থ দুরীভূত কর।' (মোসলেম

হজুর পাক (আ.) বলেন, 'পরক্ষার পরক্ষারকে হিংসা করো না। পরক্ষার পরক্ষরকৈ বিপদে ফেল না। আল্রাহর বান্দাগণকে দ্রাতা বলে গণ্য করো।' (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

হজুর পাক (আ ু) বলেন, 'যে ব্যক্তি তার ভাইয়ের হতে অপবাদ দূর করে,

দোজখ হতে তাকে মুক্তি দেওয়া আল্লাহর কর্তব্য হয়ে দাঁড়ায়। (বাইহাকি)। হজুর পাকু (আ.) বলেন, 'বেহেসেত্ম সুক্ষা রেশম বস্ত্র আবৃত ইয়াকুতের मुख जोट्य, रेराक्क शाला प्रतंना जाट्य। प्रीष्ठिमान नक्रक्षत्रं मक्की रेरा जीत्ना বিকীরণ করছে। তারা জিঞ্জাসা করল, 'হে আল্লাহর রসুল। কারা তাতে বসবাস করবে?' তিনি বললেন, 'যারা আল্লাহর জন্য পরক্ষর পরক্ষরকে ভালবাসে, যারা আল্লাহর জন্য মন্ত্রলিসে বসে এবং যারা আল্লাহর জন্য পরক্ষর পরক্ষরের সঙ্গে সাক্ষাত করে। (বাইহাকি)।

रक्षत्र रेतित सामरेषं (ता.) रक्ष तिर्ण वाष्ट्र, रक्षत भाक तल्ष्य, 'तिरस्स स्ति कत्रत ना यात वार्षत वाष्ट्र तिषु भित्रसाम भर्त। अक ताकि तल्लन, सानुष हारा ता, जात भागक मुक्त रहा, क्रुण मुक्त रहा। जिनि तल्लन, 'वाल्लार मुक्त अतः भष्क, कृत्तन भाक्षा। वार्ष्ट्र रेष्ट्र रक्ष विशेषात करा। अतः सानुषत ठूष्ट

ক্তান করা।' (মোসলেম শরিফ)।

रक्त रें तिल सामरें एत (ता.) वर्षिण राफिमिं खण्ड मुक्त, ठाणूर्यभूष छात्रा वर्षिण अवर विकास मार्वक्रनीन खाखान अवर विश्ववामी एक छोत्रपछाट रसिक अमान कर णाएत भत्रकान छिठिक क्रीवनय व्यात छें भता। अण क्ष्मण अवर मार्वक्रनीन रसिक सानम् शाकि वा वित्य काला मसाक्र हिल्ला कर एत एक मार्वक्रनीन समान अधि वा वित्य काला मसाक्र हिल्ला कर हिल्ला कर हिल्ला कर हिल्ला कर हिल्ला कर हिल्ला हिल्ला काला सान कर हिल्ला हिल्ला काला सान कर हिल्ला हिल्ला कर हिल्ला कर हिल्ला ह

এখন স্বাভাবিকভাবে প্রশ্ন আসে যে, সেই মারাত্মক্ গর্বটা কী এবং উহা কাকে বোঝানো হয়েছে? তাই একজন সাহাবা হজুর পাক (আ.)-কে প্রশ্ন করে জানতে एए राष्ट्रित या मुन्दत পागाक अवः मुन्दत कृषी भतिधान कर्ताष्ट्र कि छैर्त गर्दत व्यष्ठ र्जूक? कि इ रक्षूत भाक (वा.) भर्त कारक वृत्त अवः भर्तछ। कि छारार व्यक्ति मुन्दत এবং অতি স্পর্ট ভাষায় বলে দিয়েছেন। একটা মানুষকে বৈচে থাকার জন্য যে সমস্ত জিনিশের প্রয়োজন হয় অপর একটি মানুষের জন্যিও ঠিক তাহাই প্রয়োজন হয়। প্রতিটি মানুষের বেঁচে থাকার এই সুমান প্রয়োজন যারা প্রকাশ্যে কি গোপনে অশ্বীকার করৈ, অর্থাৎ শ্লেনে নিতে রাঙ্গি নয়, তাদের এই শ্লেনে না নেপ্রয়াকে ুগর্ব বলা হয়েছে। কারণ, এই মেনে না নেওয়াটাকেই মানবজাতির মানবীয় দাবির रकक व्यश्वीकात कता वावाय। भूषिवीत श्रृतिष्टि भानुत्वत रुप्तरा या रात्रि अवः कान्ना क्रिं एक खुम स्थाना गड़ात्ना रहित्य - शृथिवीत श्रीठिपि मानू खुत वंट्र शाकात ত্রে সমান অধিকার রয়েছে – এ রকমভাবে মানবের সার্বজনীন দাবিওলোকে 'रॅक्रस्मत्र' मुर्शाम भूरथ माभिरस অश्वीकात् कतात नामरे रूटमा मानूरमत् रूक অश्वीकात्र করা, আর এই হক অশ্বীকার করাকেই হন্তুর পাক (আ.) আখ্যা দিয়েছেন গর্ব, अवः अक्रभ गर्व काला मानूरमत रुफ्छ अर्केविन्दू भित्रमाण द्वान त्याद्वर हो প্রবেশ করতে পারবে না। অঁধাঁৎ তার জন্য বেহেশ্রের দরজা বন্ধ। আবার হাদিসটির শেষে আরগ্ত অতি স্পর্ট ভাষায় বলে দেগুয়া হয়েছে, 'মানুষকে তুচ্ছ জ্ঞান করা।' মানুষ যাতে সহজ-সরলভাবে এই কথা কয়টির মর্ম বুঝে নিয়ে ইস্লামের পথ ধরে বেহৈন্তে প্রবেশ করতে পারে অর্থাৎ মানুষের দেহে মশীর মতো সঙ্গীত আর নৃত্যের তালে মানুষের হক অশ্বীকার করে মানুষুকে পশুর মতো তুচ্ছ জ্ঞান করে মুদুভাবে रन कृष्टियो सार्यभत सानुत्यता ठाका धून भित्य त्यन त्र हना कैत्रक ना भारत विक्रिफ्त পাুষাণ প্রাচীর। এই হক্ অম্বীকার করা এবং তুচ্ছ জ্ঞান করার অধিকার মানুষের প্রতি মানুষের নেই। ইহাই ইস্লামেূর প্রকশ্যি ঘোষণা। তাই তো চিন্তাশীল মানুষণ্ডলৌকে হন্তুর পাকের (আ.) এই হমকিতে ভাবিয়ে তুলে এক প্রকার পাগল

कर्त जूलाहा। जाता खिल महरक्र दे तात्य त्य अहे हमिक रळ दिहा भाग ते सुंह कि कि , यि ना एम अ अणि असन भय देजीत करत नित्य मामने जात भित्र गात साध्यस खिल महर्के सानुत्यत हक अवः सानुस्त जुष्ह ज्ञान करात अम्म कि तक्ष हु हार्वा वात यि ना हेय जरत निर्धाण आग्न सानुस्त ज्ञान करात अम्म कि तक्ष हु हार्वा वात यि ना हेय जरत निर्धाण आग्न सानुस्त ज्ञान वात अवि मिन्न साध्य का मामने कि तक्ष का हार्वा के सामने कि तक्ष का करते वा कि तक्ष का सामने कि तक्ष का कर कि तक्ष का सामने कि तक्ष का कि तक्ष का सामने कि ति का सामने कि तक्ष का सामने कि ति कि

(सामलस गतिक)।

श्कृत পাক (আ.) বলেছেন, 'আগুন, পানি, খাদ্যদ্বত্য এবং পোশাক-পরিচ্ছদের উপর রয়েছে প্রত্যেকের সমান অধিকার। হন্তরত আ্বুকুর গিফারি (রা.) যখন তার ভুত্যকে গালি দিতেছিলেন তখনই হন্তুর পাক (আ.) তাঁকে সাবধান করে বলুলেন, কৈন তুমি তাকে গালি দিচ্ছু? তুমি কি ভুলে গেলে যে সে তোমারই ভাই? তুমি যা খাবে ঐবং পরিধান করবে ঠিক তাই তাকৈ অবশ্যই দিতে হবে। আমি বুঝতে পাছি যে জাহিলিয়াত (অস্ভ্যু) যুগের প্রভাব এখনো তোমার মধ্যে ক্রিয়া করছে।' এই দুটো হাদিসের প্রথমটিতে প্রতিটি মানুষের বেঁচে থাকার অধিকার যে সমাুন এবং সীম্যবাদই যে সুস্পর্যভাবে প্রকাশ প্রেয়েছে তারই বারু বার আবেদুনের একটি জুলম্ভ উদাহরণ। বেঁটে থাকার ত্রে প্রতিটি মানুষের নিত্যপ্রয়োজনীয় চাহিদাণ্ডলোর প্রয়োজন হয় অধিক। এই ঢ়াহিদাণ্ডলোর যে ক্রোনো একটির অভাবে মানুষের পক্ষে বেঁচে থাকা অসম্ভব হয়ে দাঁড়ায়। যেমন পানির কথা ধরা যাক। পানির ব্যবহার ছাড়া মানুষ এক পা এগিয়ে যেতে পারে না। কারণ, বেঁচে থাকার জন্য পানি সবার একইভাবে এবং একইরূপে সমান প্রয়োজন। তাই পানির উপর গাকবে জনগণের সমান অধিকার। এখানে ব্যক্তিমালিকানার (প্রাইভেট প্রোপার্টি) কোনো প্রশ্নই অসিতে পারে না। ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি যেখানেই প্রচলিত প্রথা হিশাবে মানুষ্টের মৌলিক দুব্যাদির উপর স্থান পেয়েছে, সেখানেই সঙ্গে সঙ্গে দানা বেঁধে উঠেছে অসাম্যের বিশ্রী কলহ। ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি স্থান পেয়ে পুথিবীর বুকটার উপর यूरा यूरा रा वर्तत वाठाा हात-वाति हात अवः भाभा होत समग्रिक वीस्रव घर्षनात वात्रवातमा स्टार्ट होत क्षक सामग्रित वात्रवातमा स्टार्ट होता क्षक सामग्रित वात्रवातमा स्टार्ट होता है कि स्टार्ट होता है कि सामग्रित है कि साम আঙিনায়ু বোবা বেদনার গুমরালো ছবি ফুটে গুঠে। ব্যক্তিমালিকানার অভিশাপ मानवकाछित मानवछात उँभत ভয়म्रत আघाछ ट्राटन मानुत्यत मनत्क वीं उ९म ছवित কল্পনা করে গা শিহরিয়া ৪ঠে। ব্যক্তিমালিকানার অভিশাপে মানুষের কোল হতে मानविन्ष्ठित मानुष ष्टिनिया निया मानुराव त्रवृक्ष मनिएत कान्नात छीत वारा गछ শত ফুটো করে গৈছে। হন্তুর পাকের (আ.) প্রেমিক মানব আপনি কল্লনার চোখে একবার কল্পনা করে দেখেন তো, আপনার কোলের আদুরে পুত্রকে আপনারই কোল হতে আর একটি মানুষ ট্রিরতরে ছিনিয়ে নিয়ে যাচ্ছে দাস বানিয়ে রাখার জন্য, আর व्यार्भानं व्यवाक विश्वरेश हैं। करत फाँड़िया प्रथ्यष्ट्रन, व्यापुनात व्यापुरत पूनान 'वावा, বাবা' ডাকে বোবা আকাশটায় বেদনার প্রতিধ্বনি করে চিরতরে আপনার পাশ হতে বিদায় নিচ্ছে! জানো হে রসুল প্রেমিক মানব, কেন এই করুণ দৃশ্যের অবতারণা

रुप्छ अकरें मताव श्रुतद्वा त्वाजन रूज नुजन त्वाजल एउल त्वाशात मजा? अत এক্ষাত্র কারণ ব্যক্তিমালিকানার স্বীকৃতি। ইসলাম মানুষকে মালিক বুলে নি। সুতরাং सानिकानात श्रीकृष्टित श्रभू क्लाशा रेक्ट अन? रूपनाम मानुषक सानिकानात मार्वि করুলে শেরেক অর্থাৎ অংশীদারিত্ব তথা কাফের বলে স্পর্ট ঘোষণা করেছে। সুতরাং सानिकानात मावि कतात श्रीकृष्टित প্রশ্ন কোখা হতে এল? सानिक सानुस হতে পারে না। सानुस হতে পারে খাদেম অর্থাৎ সেবক। আসমান-জ্ञমিনের একমাত্র মালিক वाल्लार। रेरारे रेमनास्मत क्षकामा साम्या। किन्न मार्यवाधी अवः पुनिशापात রাষ্ট্রপ্রধানগণ খাদেমের তথা সেবকের ভূমিকা নিয়ে খাদেমের মুখোশ পরে পিঁটম রোলার চালিয়ে যাচ্ছে। তাই এই খাদেমের মুখোশে মালিকানার ঠিম রোলার যেন মানুষের বুকের উপর কেশিলে চালাতে না পারে তারই জন্য বার বার হন্তুর পাক্ (আ.) আমাদেরকে সাবধান এবং হমকি প্রদান করে বলেছেন, এইরূপ মুখৌশধারী রাষ্ট্রপ্রধান খাদেমদের, যারা মুসলমানের সিমেন্টেড প্রক্যকে ভেঙে দিতে চায়, তাদেরকে সমুচিত শিক্ষা দাও। আমাদেরকে নীরব দর্শকের মতো হাঁ করে তাকিয়ে থাকতে অর্থাণ্ড তামাশা দেখতে বলেন নি। এভাবে তাকিয়ে থেকে আল্লাহ্র সত্যকে প্রতিষ্ঠা করার তরে যদি জেলে-গুনে নীরব থাকি তা হলে আমাদেরকৈ জাহান্নামে যেতে হবে, তার ভবিষ্যংবাণী বহুবার বহু রক্ষে আল্লাহ এবং হুজুর পাক (আ.) ঘোষণা করেছেন। আবারু ব্যক্তিমালিকানার অভিশাপ যাদের উপর নেমে আসার দকুন দরিদ্র, বিধবার প্রতীকরূপে অর্থাৎ বেঁচে থাকার সমান মোলিক অধিকার হতে विभिन्न, व्यवस्थित रुख मभाद्ध व्याशाशित रुट एनष्ट लाएत पावित्व श्रिका করার তরে আমাদেরকে সংগ্রাম করে তাদের দাবিকে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য হজুর পাক্ (আ.) এণিয়ে আসতে বলেছেন, 'যে সংগ্রাম করে বিধুবা গু দরিদ্রের সাহায়ে, সে ঐ ব্যক্তির মৃত্যো যে সংখ্রাম করে খ্রোদার পথে। এবং আমি মনে করি তিনি ইহার্ বলেছেন, 'সে ঐ ব্যক্তির মতো যে দাঁড়িয়ে থাকে (নামাজের জন্য) অনবরত এবং ঐ ব্যক্তির মতো যে রোজা রাখে বিরামবিহীন একটানা।' (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

'বিধবা ও দৃরিদ্র' বলতে এখানে সমাজের বুকে সর্বহারা মানুষের সমান অধিকারীরূপে বেঁচে থাকার হক তথা অধিকার অশ্বীকার করে এবং তুট্ট জ্ঞান করে 'তুট্ট জ্ঞানের একটি লেবেল' মেরে দিয়েছে। তাদের এই তুট্ট জ্ঞান করার লেবেল চিরতরে মুট্টে ফেলবার জন্য যারা সংগ্রাম করে, অর্থাৎ তাদেরকে দ্রাতৃত্বের বন্ধনে আবদ্ধ করার জন্য জেহাদ করে, তারা আল্লাহ্র পথেই জেহাদ করে। তারা প্র সমস্ত মানুষের মতো, যারা অনবরত নামাজের মধ্যেই দাঁড়িয়ে থাকেন এবং একটানা বিরীমহীন রোজা রেখে যান। তা হলে সেবকের মুখোশ পড়ে ব্যক্তিমালিকানার

श्रीकृष्टित श्रम्भ काशा रुळ (अन?

বাস্তব শ্বীকৃতি তথা হৃদয়ের শ্বীকৃতিকেই শ্রোমিনের লক্ষণ বলে শ্বীকৃতি দিয়েছেন। মুখের শ্বীকৃতির কি কোনোদিন বাস্তব শ্বীকৃতির সঙ্গে তুলনা হতে পৈরেছে বা পারে? वीष्ठव श्रीकृंठित हिन्स सुष्ट फ्ट्ल सुरशत श्रीकृंठित অनेत नाम रता, 'मन सि मश ফ্রিদু, বর্গল মে ইট'। মুখের স্বীকৃতির মুল্য ঐতি নগণ্য। কারণ, প্রায় ক্ষেত্রেই মুখের त्रीकृতित সঙ্গে বান্তব त्रीकृতিत सिन् श्रृंटक्षे পাগুয়া যায় ना। एवसन धक्रन, व्यासि ्यिष मानूरियत नमारक व्यव्याचात्र, व्यविचीत करत मानूरियत खुँटा शाकांत स्मीनिक क्रिनिमञ्जला मूर्यांग পেলেই আঅসাৎ করে যাচ্ছি ঐপচ আমি দাড়ি, জুব্বা, টুপি এবং তসবিহ তেলাগুয়াত করছি এবং হুদ্ধ কুরে হান্ধি হুয়েছি অপচ সমান্ধ আমাকে ঘৃণা করে, আমাকে বোম্বাই হান্তি, চ্যোট্টা হান্তি বলে গালি দেয়ু এবং তাু সত্নেও আমি मोनुस्वत काष्ट्र বলে বেড়াই – আমি মুসলমান, আমি মুসল্লি, মোমিন ইত্যাদি। আবার আমারই মতো আঁর একটি মানুষ, হজরত সামনুন মোইেবের মতো সমাজের কাছে তথা মানুষের কাছে মোহেব অর্থাং প্রেমিক বলে পরিচিত, অথচ হুজরত সামনুন-কে মোহৈব বলে ভাক দিলে তিনি নিজেকে কাজ্জাব অর্থাৎ মিখ্যাবাদী বলে দিতেন। আমি নিজেকে মোমিন, মুসল্লি বলে জাহির করছি অথুচ আমার ভাগ্যে কেন এত লাঞ্চনা আর অপমান? করিণ, আমার মুখের শ্বীকৃতি আছে, কিন্তু বাস্তব श्वीक्ठि आएँ ब्लूहै। अथह रक्तंठ मामनून साएर निक्करक काकार उथा मिर्याावामी বলে জাহির করেছেন অথচ তাঁর ভাগে কেন এত ভঙ্চি আর শুদ্ধা? কারণ তাঁর মুখের শ্বীকৃতি না থাকলেগু আসল যে শ্বীকৃতি সেই বাস্তব শ্বীকৃতি व्यास्थ।

এখন পুনরায় সেই পানির উপর প্রতিটি মানুষের সমান অধিকারের কথা নিয়ে আলোচনা করবো। পানি ছাড়া মানুষ যেমন বাঁটতে পারে না, সে রকম খাদ্য তথা আহার ছাড়াগু মানুষ বাঁচতে পারে না। সে রুকম জীবনধারণের জন্য আগুনের প্রয়োজনও অত্যধিক। পোশাক-পরিচ্ছুদ লজ্জা নিবারণ করার জন্য অতি প্রয়োজন এবং ইহাও মানুষের বেঁচে থাকার মৌলিক দাবি। শীতপ্রধান দেশে পোশাক-পরিচ্ছদ যে শুধু ল্জাকে ঢেকে রাখার কারণ তাই শুধু নয়, তীব্র শীতের প্রকোপ হতে মানুষের বাচার প্রশ্নেপ্ত এই পোশাক্-পরিচ্ছদ একটি বিশেষ স্থান দখল করে নেয়। णारी त्रार्वक्रनीन मार्वित स्नोनिक श्रीकृष्ठि वर्ता (लागाक-পतिष्टमरक स्वायपा कर्ता रुख्याष्ट्र। अर क्रनार 'व्याधन, लानि, शामा अवः (लागाक প्रतिष्टरम्त उपत तरस्रास्ट প্রতিটি মানুষের সমান অধিকার', বুলে হুজুর পাক (আ.) প্রকাশ্যে ঘ্রোষণা করে গেছেন। সুতরাং ব্যক্তিমালিক হবার স্বীকৃতির প্রশ্ন কোষা হতে এলুং পার্ষিব জীবনে ইসলামের দুর্টিতে মুল্যহীন পার্ষিব সম্পদকে যা প্রত্যেকের পার্ষিব জীবনধারণের বেলায় অতি প্রয়োজন তা ইসলামের স্বতু:সিদ্ধ পার্ধিব আইন অনুযায়ী প্রত্যেকের অধিকার সমান এবং এই সমান কথাটি যাতে পার্ষিব জীবনব্যবিস্থায় পূর্ণমাত্রায় বিরাজ করে তারই জন্য হজুর পাক (আ.) বহুস্থানে বহুবার ঘোষণা করেছেন। কারণ, সমাজের বুকে, বিশেষ করে ইসলামিক শাসনব্যবস্থায়, মুক্টিমেয় স্বার্থপর ব্যক্তি অসাম্যের বীজ যাতে ছুকিয়ে দিতে না পারে তার জন্য প্রতিটি মুসলমানুকে বার বার সাবধান করে দিয়েছৈন। এই সাম্যবাদের শিক্ষাকেই কেন্দ্রবিন্দু ধরে নিয়ে ইসলামিক শাসনব্যবস্থা সমাজে প্রতিষ্ঠা করতে হবে। অন্যথায় ইসলামিক শাসুনব্যবস্থার নামে আত্মবিরোধীমূলক ভাবধারা, অরাজকতা এবং ভোগবিলাসের বেদিতে পূজা দেবার সামিলই হবে এবং সমাজ জীবনে নেমে আসবে আরগু ভয়ংকর আভিশাপ। কারণ, ইহা হুবে আল্লাহ এবং হজুর পাক (আ.)-এর উপর মোনাফেকি করা। মোনাফেকের শান্তি কার্ফেরের চেয়ে ভয়ংকর। মোনাফেক ছদাবেশ ধারণ করে। তাই সমাজের মানুষ পানি মনে করে তৃষ্ণা নিবারণ করতে ছুটে যায়। মর্রাচিকার সন্ধান পেয়ে তাঁরা মৃত্যুর কোলে ঢলে পড়ে।

যুণা, মানুষের অমর্যাদা, স্বার্থপরতা ইত্যাদি বহু দোষে দোষী আমাদের কুখ্যাত এই সামাজিক অসাম্য। তা ছাড়া আরগ্র একটি বড় দোষ এতে আছে। প্রটিকতক লোক বিলাসিতা গু প্রাচুর্যের কারণে নফস-পরস্ত হয়ে পড়ে। অপর দিকে বিশতের দল তাদের প্রাণটাকে কোনোমতে বাচিয়ে রাখার চেন্টাতেই ব্যস্ত বাকে। আমার (ক্রহ) গবেষণা কাকে বলে তা দেখবার গু বুঝবার সুয়োগই হলো না তাদের। হন্তুর পাক (আ.) বলেন, 'সব বিষয়ে মধ্যপথ উত্তম' রাষ্ট্রীয় সম্পদ বর্টনের ব্যাপারেগ্র এই উত্তম পথের ব্যবস্থা কেন আমরা নই্ট হতে দেব? আরু, স্বেছাচারীর ব্যবস্থাকে অপমানের বোঝাস্বরূপ কেনই বা মাথা পেতে নেব? যে জাতি প্রকৃতপক্ষে ইহকালে চাইলো না এবং পরকালের প্রতিগ্র ইদাসীন রইলো, তাদের অবস্থা? এরাই ইহকালে কাফেরের হাতে অপমানিত হচ্ছে দিনের পর দিন, আবার মৃত্যুর পর অপমানিত আর বিক্লত হয় আলাহ এবং হন্তুর পাকের (আ.) নিক্ট। আমরা যাতে হন্তুর পাকের (আ.) 'পার্থিব সম্পদের সমান বর্ণচন' - এই নীতিকে সামনের রেখে দ্রুত্যতিতে সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠা করতে পারি তার কর্য থাক্তেহ হবে আন্ত রিকতা এবং ত্যাগ। এই ইসলামিক ব্যবস্থা যখন সমানের পূর্ণ মাত্রায় বিরাজ করবে তখন দেখতে পাবো মানুষকে ঠিক মানুষের মানদণ্ডে বিদার করা হয়েছে। এর চেয়ে শেষ শ্রেষ্ঠ মানবতার আসন দেগুয়া হয়েছে উ্হাই বিশের বুকে প্রথম এবং শেষ? প্রথম এবং শেষ শ্রেষ্ঠ মানবতার আসন দেগুয়া হয়েছে উহাই বিশের বুকে প্রথম এবং শেষ? প্রথম এবং শেষ প্রেষ্ঠ মানবতার আসন দেগুয়া হয়েছে উহাই বিশের বুকে প্রথম এবং শেষ? প্রথম এবং শেষ শ্রেষ্ঠ মানবতার কিনার বাতে মুসলমানের ভাই। সে উংপাড়ন করে না অপর ভাইকে। বিপদে সে ত্যাগ করে না। ধর্মভীক্রতা এখানেই।' (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)। হন্তুরত আবু কর গিফারি তার ভৃত্যকে গালি দিল্লেন আরু এমনি মুহুর্তে হন্তুর

रक्ति वातू कर निकार्ति जात खुजुर्त नानि मिट्टिन वात् अभिन भूर्ट्ज रक्ति भार्त (वा.) जात्न नाभारताद्मत वाजूननीय कथा क्यां मिट्टिन करिया तनत्ने रेटारे मिंडिज विदेश निवास निजित्व वाजि। वात्र त्यां भारति निजित्व किया मानुत्वत भारति विदेश में मुंगिति वात्र मानुत्वत भारति विदेश में मुंगिति वात्र मानुत्वत भारति वात्र मानुत्वत मानुत्वत मानुत्वत मानुत्वत मानुत्वत कार्या कार्या कार्या वात्र क्रित वाद्य मानुत्वत कार्या कार्या कार्या वाद्य कर्मा वाद्य कर्म वाद्य कर्मा वाद्य कर्म कर्मा वाद्य कर्म वाद्य क्र कर्म वाद्य कर्म

অটিরণ তোমার ভেতর কান্ত করছে।'

এখানে হজুর পাক (আ.) শুধু আবু জর গিফারি (রা.)-কেই চরম সাম্যবাদের কথা কয়টি জানিয়ে দিলেন না ুযুগে যুগে যত উন্নতে মোহান্মদির আগমন হবে তाদের জন্যন্ত এই সাম্যবাদের নীতিকৈ ভিত্তিরূপে গ্রহণ করে নিতে বলছেন। এখানে শুধু একা আবু জর গিফারিকেই সাবধান করে দেন নি। এই সাবধানবাণী সমগ্র सानेवक्रािटक अमान कता रखिष्ट। रक्षत्र व्यावू क्षत्र क्षा अकिंग मासाना उपनुक्र মাত্র। বিশ্বমানব যাতে ভুলে না যায় যে, তারা সকলে একে অন্যের ভাই, অর্থাৎ সাম্যের মধুর প্রীতি-জড়ালো বন্ধনে বাঁধা পুিতা–ুমাতার আদুরে সৃষ্টানেরা যেমন পিতা-মাতার কাছে খাওয়া-পরা এবং ইত্যাদি বিষয়ে সমান অর্থাৎ সাম্যবাদের नीठित्क अर्थ कता रश अतुः প্রতিটি সম্ভানগু বুঝুতে পারে যে তারা সবাই ভাই-ভাই। ঠিক সে রকমভাবে বিশ্বমানবকে একই পরিবার গোচিভুক্ত মনে করে 'ভাই-ভাই' সাম্যবাদের নীতিতে বিশ্বাসী হয়ে হন্তুর পাক (আ.) আমাদের্কে বুসবাস করতে বলেছেন। তাই হজরত আবু জরকে উপলক্ষ করে হজুর পাক (আ.) সমগ্র মানবজাতিকে ইশিয়ার করে দিয়ে বলছেন, 'তুমি কি ভুলে গেলে যে সে তোুমারই ভাই? তুমি যা খাবে এবং পরবে তাকে তাই দিতে হবেঁ। এই সাম্যবাদের নীতিতে याता विश्वात्री नन व्यर्शा 'सानुस सानुत्यत छार्ड', 'अकि सानुत्यत कीवन्छी छालाळ যতটুকু প্রয়োজন ততটুকু প্রয়ৌজন অপর একটি মানুষের বেলাতেপ্র' এই আদর্শকে याती नेमर्यन ना कुर्ति मानुरसत मात्या व्यनासात श्रवीनश्राष्ट्रीत रेजित करत मानुरसत् বেঁচে থাকার মোলিক দাবিগুলো হতে বঞ্চিত করে তাদেরকে হন্তুর পাক (আ.)

অসভ্য, বর্বর বলছেন এবং এই অসভ্য বর্বরতাকেই জাহেলি যুগ বলে ঘোষণা করেছেন। তাই হজুর পাক (আ.) আবু জর গিফারি তথা সমগ্র বিশ্বমানবকে বলছেন, আমি দেখছি এখনো জাহেলি যুগের প্রভাব তোমার ভেতর ক্রাজ করছে।

মানুষ মানুষের ভাই' – বিশ্বিত নেত্রে বিংশ শতাব্দীর সাম্যবাদবর্জুত অবুহেলিত কোটি কৈটি মানুষের কাছে আজ ইহা শুধু মুখের কথা তথা মেখিক শ্বীকৃতির ভূমিতেগ্র কেঁদে বেউ়ায়। বাস্তব্ সাম্যব্যবস্থার কল্পীনা করাটাপ্ত মানুষ ভুলতে বসৈছে वैर्या है सान हाताळ एनए। 'वाकिसानिकानात' (मुद्रक रूळ त्राध्मात भारेक शिल 'वाकिसानिकानात' शुकाति सुत्रनसान नासधाती स्मानारकरकत एन धसक फिर्स ठमक शार्ट्य एत्रा। एट निर्द्धीक मूत्रेनमान, जूमि 'व्यक्तिमानिकानार्त, पूकारितक करते वनक्क त्मशूर्व, बाल्लाट्ट अकमान व्यात्रमान-क्रिमलार मानिक रहन जूमि त्कान <u> ज्रुपशाङ्क निष्कृद्क मोलिक वटल मुज्जमान जमाद्क मुज्जमान वटल प्रतिष्ठ्य फाडु?</u> উত্তর দাপ্ত, হে নির্ভীক মরদে মুজাঁহিদ। আর নীরব-নিথর থেকে কোটি কোটি অবহেলিত মানুষগুলোকে ভিক্ষাভাগু হাতে 'ক্ষুধার জ্বালায় বুকটা ফেটে যাচ্ছে' চিংকার কুরে করুণ ফরিয়াদের করুণ কলক ছবি আল্লাহ্র দেওয়া সবুজু মাটির দিগন্তে প্রতিফলিত হতে দিগু না। তাদের উজাড় কর্ন্ন উদার প্রাণটা নবিউল্লাহ (আ.)-এর ব্যাকুল কঠের আকুল আবেদন, তুমি যা খাবে এবং পরবে অপরকৈও তাই দিতে হুবে, না দিলে 'তুমি মুস্লমান হতেই পারবে না।' -কে চিরসার্থক করে রাখার পথ তৈরি করে সেই পথের উদ্ধুল দৃষ্টান্ত রেখে যাও। মুসলমান হন্তুর প্নাকের (আ.) স্ত্যুপ্রতিষ্ঠার তরে হাসতে হাসতে শৃহিদ হতে পারে। মুসলমান স্থিংহবিক্রুমে वेनीयांन সৈনিক। 'মানুষ মালিক' বুলে মেকি খোদা যারা সাজে তাদের শিক্ষা দিতে মুসলমান ভীক্ন সাজতৌ পারে না। ভীক্ন ফেরুপালের পংক্রিতে মুসলমানের নাম নেই। ষ্টুজুর পাকের (আ.) দেগুয়া সাম্য প্রতিষ্ঠা হলে মাুনুষের দুনিয়াদারির হতাুশা মিশ্রিত िष्ठी ७ त्याक मृत रुख याग्न। मानूत्य मानूत्य स्मिक गर्मा एक छित्रमितन उत्त त्यच रुख याग्न। मानूत्यत वाष्ट्रात मावि नित्रा मानूष्ठक राक्षात तकस्म जात व्यक्तिगर করে ত্রোলে না। দুনিয়ার কঠিন শৃষ্ঠালরূপ গুরুদীয়িত্বের বোঝা আপনা হতেই ভেঙে যায়ু। কিন্তু কেন ইন্ধুর পাকের (ओ.) সুন্দর সাধ্যের বার্ণী আমাদের দ্বারপ্রান্তে এসে স্তদ্ধতায় বোবা কান্ধায় কাঁদে? এর প্রধান কারণ হল দুটো। প্রথমত আমাদের মাঝেই কতক্ মানুষ স্বার্থপর এবং দয়া-মায়া বর্জিত নির্ছুর। তারা চক্রান্ত আর ছলনার হীন প্রচেষ্টায় মালিক হয়। তারপর বিজেদেরকে সীজায় দাতার মহানরূপে। দাতার অবপ্রঠনে জঘন্য জিঘাংসার প্রেতদূর্ফির কোণে অন্যুহারে কাতর জন্তার জননেতাুরু খুন-পিয়াসের বিশ্রী মন্ততা চিকু চিক কুরে। দ্বিতীয়তঃ আমরা নীরবে মাথা হেঁট করে তাদের মার্লিক বলার দাবি মেনে নিচ্ছি। তাদের দাতা সাজার অবগুঠন দেখে দানবীর বলি। আমরা বিদ্ধোহ করতে জানি না। বিষ্ধর জাত সাপের আঘাত খাপ্তয়া বিকট ফণা তুলে প্রতিবাদ করতে জানি না। মাখা ভুঁচু করা ঢেউ হয়ে ঢেউয়ের পুর ঢেউয়ের মতৌ হুমড়ি খেয়ে অতল তুলে তাদের কুফরি মতবাদকে হঙ্গুম করতে পারি না। আমরা পোষা কুকুরের লেজগুটানো জীবুনটা বাঁচিয়ে রাখি। তাই তো অপরের সুখ-দুঃখের প্রতি নজীর করতে পারি না। পারি না মালিক আর দাতাজিদের শিক্ষা **क्तिळ**े। আমরা ভুলে গেছি ঝরা-ধানু ক্ষেত্ত পুড়ুক্ত চিতে নেই। পড়ুক্ত চিলেই এরা বড় রকমে জোট বেধৈ মাখাচাড়া দিয়ে ৪ঠে। তাই বারা-ধানকে ক্ষেতের মাঝেই পুড়িয়ে মারতে হয়। আমাদের সমাজে, আমাদের দেশে তাই গড়ে উঠে বিশ্রী শ্রেণীয়ার্ষের হীন প্রচেন্টা। একজন দৈনিক ত্রিশ টাকার সিগারেট ছাইয়ে পরিণত করে আর এক্জন চোখের সামনে পথের পাশে চার-প্রাচটা রোগা খিটুখিটে ছেলে-পুলে নিয়ে দু'মুঠো ভাতও পায় না। প্রধান কারণ দুটোর দোষে দোষীরা পরকালে জীহান্নাম পাবৈ পুরস্কার। আল্লাহ এবং হজুর পাকের (আ.) তুলে দেওয়া প্রকাশ্য मठात्क याता एम ३ क्राणित वृत्क श्रिकां ना कत्त व्यर्वा एम्थि ना एमात छान कर्ति, याता नीत्र पर्मत्कत व्यक्तिय कर्त ठाएत त्य क्राण्य त्य क्राण्य स्वा हित प्राप्त व्यक्तिय कर्ति व्यक्तिय विवक्तिय विवक्ति

रक्षतण व्यात (ता.) राज्य वर्षिण व्याष्ट (य, रक्षत भाक (व्या.) वर्षिण व्याप्ट (य, रक्षत भाक (व्या.) वर्षिण व्यात (व्या.) वर्षिण व्यात (व्यात व्यात व्य

বান্দা সব ভাই ভাই।' (বোখারি এবং মোসলেম শ্রিফ)।

এই দুটো হাদিসে রসুলাল্লাহ (আ.) ঐ একই সাঞ্চেরে আদর্শকে বিশ্বমানবের কল্যাণের তরে প্রতিষ্ঠা করিতে আহ্বান জানিয়েছেন। বার বার একই সাম্যের কথা আমাদেরকে মনে করিয়ে দিচ্ছেন। যাতে আমরা বৈষম্যের প্রাচীর তৈরি করে বিশ্বমানবকে মানবতার আদর্শ হতে ফেলে দিয়ে অসহায় বেদনার্ত পরিবেশ দেশু গু সমাজের বুকে তৈরি করতে না পারি। প্রথম হাদিসটিতে রসুলাল্লাহ (আ.) বিশ্ব মুসলিমুকে একুটি দ্রাতৃসংঘরূপে বর্ণনা করে তার নীতি গু আদর্শ কীরূপ এবং নীতি গু আদর্শ বিরোধী কী হতে পারে তাই সুন্দর এবং অতি স্পষ্টভাবে মানবসমাঙ্গের কাছে তুলে ধরেছেন। দ্বিতীয় হাদিসটিতে উপিদেশ রয়েছে যে এই দ্রাতৃবন্ধনের আদর্শ প্রুরূপ 'সিমেন্টেড ঐক্য' হবে। পাধরকণাগুলো যখন বালি এবং সিমেন্টের সঙ্গে মিশিয়ে জমাট করানো হয়, তখন পৃথক অবস্থায় থাকা কঠিন পাথরকণাণ্ডলোও বালি এবুং সিমেন্টের পরশ পেয়ে জমাট ঐক্যের আদর্শে রূপ গ্রহণ করে। সে রকমভাবে প্রতিটি পৃথক অবস্থায় থাকা মুসলমান যখন পরুষ্পর হিংসা এবং ঘৃণা পরিত্যাগ করে তখন স্বাভাবিকভাবে প্রক্ষরের প্রতি দানা বেঁধে গুঠে ভালোবাসা এবং অটুট দ্রাতৃবন্ধন। তাই রসুলাল্লাহ (আ.) আমাদেরকে সর্বপ্রকার হিংসা, ঘণা সম্পূর্ণরূপে ত্যাগ করে 'হও আল্লাহর বান্দা সব ভাই-ভাই' বলে আহ্বান করছেন। আবার রসুলাল্লাহ (আ.) আমাদেরকে জানিয়ে দিচ্ছেন, জান ধর্মভীক্রতা কোথায়? আর মন্দের জন্য যথের্ন্ট ক্রী তা জান? ধর্মভীরুতা হলো বিশ্বমুসলিমকে ঐক্যের বৃন্ধনে আবদ্ধ করতে হুলে প্রতিটি মুসলমানকে ভাই তথা একই পরিবারভুক্ত একই হাঁড়ির ভাত ভাই-ভাই মিলে প্রীতিসইকারে ভোজন করার মতো মূনে-প্রাণে গ্রহণ করতে হবে। তারপর भुगनभान ভाইকে কোলো প্রকার দুঃখ-কর্ট দিয়ে যেন উৎপীড়ন করা না হয় তার দিকে আমাদের সতুর্ক দৃষ্টি রাখতৈ বলেছেন। কোনো প্রকার বিপুদ-আপদ যদি মুসলমান ভাইয়ের উপর পিতিত হবার সম্ভাবনা থেকে থাকে তা হলে বিপদের সম্মুখে তাকে ফেলে না দিয়ে তার বিপদভঞ্জন করার জন্য এগিয়ে আসতে আদেশ করেছেন। কোনো মুসলমান ভাইয়ের যদি শারীরিক দুর্বলতা এবং অসুস্থতা অথবা ইত্যাদি কারণে অন্যান্য মুসলিম ভাইদের মতো কর্ম করার মানসিকতী বা সুস্থতা না থাকে ठात अना ठात्क ठूम्ह अने कृत्रक वातन करत मित्रहन। अरे ठूम्ह अने कता अकिं মারাত্মক রোগ। ঐই রোগটিই খান্নাসরূপে শয়তান হয়ে মানুষ্টের মনে অলক্ষ্যে বাসা

বেঁধে আছে। অন্যন্ন হাদিসে আছে, তুচ্ছ জ্ঞান এত মারাত্মক রোগু যা মানুষকে জান্নাত চিরতরে হারাম করে দেয়। সুতরাং ইহা হতে প্রত্যেকটি মানুষকৈ অতি সাবধানে চলতে হবে। তাই রসুলালাহ (আ.) পরিশেষে নিজের বঙ্কের দিকে তিনবার লক্ষ্য করে বললেন, 'মুসলমানের পক্ষে মন্দের জন্য ইহাই যথেওঁ যে সে ঘুণা क्रत भूमनभान छोड़ेरक। अर ठूम्ह छान छशा घुगा भित्रछांग करेरछ ना भारत धीरते धीरत देश माना वाधरछ शास्त्र। भरत देश विश्वभानव्यभारक अछ भाराध्यक अवः ভয়স্কুর হুয়ে দাঁড়ায় যে, ভাই-ভাইয়ের মাঝে গড়ে গুঠ়ে বিভেদ এবং হিংসার প্রবাল প্রাচীর। বিশ্বমানবসমাজে তখন মানুষে মানুষে গড়ে উঠে রক্তক্ষয়ী বিশ্রী তুচ্ছ জ্ঞান করা পাশবিক সংখ্রাম। একে অপরের উপর চালিয়ে যায় অত্যাচার আর শোষণের ঠিম রোলার। মানবুতার বিচার, মানুষকে মানুষের ভাই মুনে করার আর্দশ তখ্ন বিষের দুয়ারে আছড়িয়ে কাঁদে। এই চঁরম নৈরাশ্যন্তনক পরিশ্বিতিতে নীরবতা প্রদর্শন করা আরু আল্লান্থ এবং রসুলাল্লান্থ (আ.)-এর ভুকুম এবুং আদুর্শকে প্রকাশ্যে অমান্য করা এক্ই কথা। এরূপ নীরব হয়ে থাকার পরিণাম সুনিশ্চিত 'অগ্নি' পুরস্কার। তাই মুক্তি নেই কারো, মুক্তি নেই যারা অত্যাচার-অবিচারের সামনে হাঁ করে তামাশা দেখে। অত্যাচারীর উৎপাড়ুনের প্রধান পরিচালনায় যারা আছে, যারা ক্ষমতা প্রাকা সত্ত্বেপ্ত অত্যাচার এবং উৎপাঁড়ুন বৃদ্ধ না করে অত্যাচার-উৎপাঁডুন করার দৃশ্য নাঁরবে দেখৈ যায় তাদেরকে অত্যাচার-উৎপীড়ন বন্ধ করার আবেদন জানাগু। যদি তোমার অথবা তোমাদের অত্যাচার বন্ধ করার আবেদনে সাড়া না পাও, যদি মনে কুর তোমার অথবা তোমাদের চোখে কলুর বলদের ঠুলি পরিয়ে দ্রিয়ে ভেন্ধিবাজি দেখাতে চায় তবে প্রতিবাদের অডু তাৈল। মুসলমীন সমাজ যদি সমবেতভাবে প্রতিবাদ না করে তুরে তুমি একা প্রতিবাদ কর। সকলে জাহান্নামে গেলেগ্র তুমি কিছু জাহান্নামের পথ তৈরি করে রেখ না। কার্ণ, মুক্তি নেই – অসম্ভব মুক্তির প্রশ্ন। রসুলাল্রাহ (আ.)-র নয়নের অঞ্চ ভেজা বাণী বাণের মতো তোমার হৃদয়ে বার বার व्योधार्छ कर्त्व यांत्रष्ट। एट वींत भुक्षारिष्ट, जुन्नि अकार्ट कलम कागरक कत প्रणिवाष। তুচ্ছ জ্ঞান, অত্যাচার এবং উৎপীড়কের প্রধান পরিচালকের আসল চেহারাটা তুলে ধির, হে বীর মুজাহিদ। বরণ করে নিগু ইমাম হোসায়েনের মতো মহান জীবন-উৎুসর্গ। তোমার প্রাণপ্লিয় রসুলাল্লাহ (আ.)-এর সজল চোখের বিন্দুর পর বিন্দু অঞ্ গড়িয়ে পড়ার দৃশ্য তুমি তৌমার কল্পনার চোখে দেখে নাগু, হে বীর মুজাহিদ। প্র क्या कामात वर्त्तपीरा क्षेत्र का कामात क्षमभर क्षरभीत त्वावा कतिराप्ति गत्क अठा ফেরদাউসের বুকে কৃষ্টির গণমহল।

দৈহিকু দাসত্বের কঠিন শৃঞ্চালযাতনা উপ্ভোগ করা ৪ তার বেদ্নাদায়ক আঅবিলাপের ইতিকথা ত্রোমাদের পাথর সিনাটাকে একমুঠো স্নেহ-প্রীতির পরশে সিক্তু করে ত্রোলে না। আমিত্ব-গঙ্কে পূর্ণ নীতির পূজারি হয়ে নামান্ত-রোজা করাটা তো নিতান্ত রিয়া তথা লোক-দেখানো উপাসনা। তোমরা তো ভণ্ড। তোমুরা লোক-দেখানোর তরে নামাজ-ুরোজা কর। তোমরা তো ধ্বংস হয়ে যাবে। যে দুনিয়ার প্রতি আমার এত ঘূণা, যে দুনিয়া ত্যাগ ক্রতে না পারলে মুসলুমান হওয়াই যীয় না, সেই দুনিয়ার পূর্ণ মোহ হুদিয়ে জড়িয়ে উপাসনা করার ভঙামি করে বেড়াচ্ছ। ইসুলাম-खुँमित नीमानात काट्ट फैं। जार्रात नश्चेष्ठ लार्ट, उत् रेन नाम-खुमित काट्ट फैं। जार्रात नश्चेष्ठ लार्ट जार्रात काट्ट फैं। जार्रात नाम्म जार्रात काट्ट किला कार्रात क তোমাদের লক্ষা হয় না? সেই লক্ষার শেষ চিহ্নটুকুর আখর তোমাদের হৃদয় হতে অপস্যমান হয়েছে। মুক্তির প্রশ্ন? এই সামান্য সীর্মিত ধরার বুকে চক্ষ্ম জীবনের তরে কতুবার আকুলতা ভরৈ বললাম, দুনিয়ার মোহ-মায়া ত্যাপ কর। দুনিয়ার মোহ তো ভেক্সি মায়া। দুনিয়া ভোমার নয়, তুমিপ্র দুনিয়ার নগু। তবু কেন ভেক্সি মায়ায় ঝিমিয়ে-পড়া ভ্রান্ত আখির কোণে মর্টিচিকায় জলের প্রেতনৃত্য দেখ? আমি क्षामाप्तत जेत व्यात्थताक या विभविन विश्वय ऋषात्ना त्वरामजे त्वत्थिष्टि, स्न क्षा सराजागत। अरे सराजागत कासारमत जस्त व्यापकारा तुज। अर्थ अर्क विन्दु जुनसारारा আমিত্রের বাধন দৃঢ় করার তরে হাত দুটো আর প্রসারিত করৈ। না। ঐকটি ইটের গা জড়িয়ে আর একটি ইট, এভাবে ইটিগুলো নিবিড় দ্রাতৃবন্ধনে আবদ্ধ হুয়ে রচনা কুরে প্রাসাদু। তোমরাগু তোমাদের মাঝে নিবিড় দ্রাতৃবন্ধনৈ গড়ে তোলু ইসলামের ित्र छेक्क्ष्म विश्वासकत गणना सारवाद्मत गणसरम। त्रिष्टिन रूटव व्यासंता श्रीवरीत वृद्ध त्रष्टुर्भानव्। रत्रमासक्त्रप क्रथमी गणनाद्भात त्रशीठ विश्वसानवटक छेनिद्ध यो छ। সুনিশ্চিত বিজয়ের দেদীপ্যমান স্বাক্ষর উদিত অরুণের আভার মতো স্লিগ্ধ তাপে লুটিয়ে পড়বে।

ইসলামি দর্শনের দৃষ্টিতে সকল মুসলমান ভাই ভাই

व्यासता त्रवाहे बक्हें पतिवात् कुक छाहें छाहे। हें त्रमाक्षित बहें व्याप्त मिरात कारास कराज बता क्यां हैं उपहार एस ना। बताहें हाछ बवः छछ। नासाक -र्ताकात सूर्याम-पता सूत्रमान विश्वत्रम्भरण सूर्यामन्ट्यात वाकारत छछ। नासाक -र्ताकात सूर्याम-पता सूत्रमान विश्वत्रम्भरण सूर्यामन्ट्यात वाकारत छछ। निर्माण करात राष्ट्रमा बिरा त्रमान करात विश्वमानवरक छैं। जो त्रमान करात विश्वमानवरक है मिरात करात करात करात विश्वमानवरक है मिरात करात करात करात विश्वमानवरक वामात छम्न है वामार व

টিরস্তবন্ধ করে দাও একের পর একটি করে। মুসলিম দ্রাত্বন্ধন তোমার আদর্শ। জয়ের জয়টিকা তোমার ললাটে পরিয়ে দেবেন নবিউল্লাহ মোহান্মদ মোস্তকা (আ.)। হজরত আনাস (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'বেহেস্তে প্রবেশ করবে না সে, যার প্রতিবেশী নিরাপদ নয় তার অপকারিতা হতে।

(মোসলেম শরিফ)।

হজরত নুমানু বিনু বশির (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'তুমি বিশ্বাসীদের দেখবে পরক্ষরের প্রতি দয়া, প্রীতি গু সঁহানুভুতিতে একদেহের মতো; যখন পীড়িত হয় এক অন্ধ, অপর সমন্ত অন্ধ পরস্পরকে ভাকে উহার সাথে সহানুভূতির জ্ন্য জাগরণ ৪ তাপে। (বোখারি এবং মোস্লেম শরিফ)।

रक्ति रेवर्ति वैभत (ता.) रूक् तूर्पिठ আছে या, तत्रूनान्नार् (आ.) तलाएन, 'भुजनभान भुजनभात्नत छारै, त्र उँ९भींछन कदा ना ठात्के, व्यर्भप कदा ना ठात्क

শক্রির হাতে। (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

হজরত ইবনে মস্উদ (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, রসুলাল্রাহ (আ.) বলেছেন, 'याँत राट वासात क्रीवन ठाँत मथर, कात्ना वान्हा सूत्रवसीन रसू ना त्यं थर्ड ठात सन अवु ठात तमना सूमलसान ना रसः अवः कथता वीका विश्वामी रस ना त्यं भर्यष्ठ

তার প্রতিবেশী তার অনিষ্ট হতে নিরাপদ ন্যু থাকে।' (আহমদ শুরিফু)।

হজরত আবু হোরায়রা (রা.) হতে বর্ণিত আছে যে, এক ব্যক্তি জিঞ্জাসা করলো, 'হে আল্লাহর রীসুল, নামাজ-রোজা এবং সাদকার জন্য অমুক স্থ্রীলোকের অধিক খ্যাতি আছে, কিষ্টু তার প্রতিবেশীগণকে তার রসনা দারা কর্ট দেয়।' তিনি বললেন 'স্ত্রীলোকটি জাহান্নামে যাবে।' সে বললো, 'হে আল্লাহ্র রসুল, অমুক স্ত্রীলোকের नामाজ-রোজা ও সাদকার জন্য অতি অল্প নাম আছে, কিছু সে পনিরের অবশিষ্টাংশ **ए**न्स्र अवः जात श्रुंजित्वर्गींगपत्क जात तंत्रना प्राता कर्षे एन्स ना'। जिनि वनत्नन, 'শ্লীলোকটি বেহেস্তৈ যাবে।' (আহমদ এবং বাইহাকি শুরিফ)।

तत्रुलाल्लार (व्या.) तत्ननं, 'त्याभता প्रिटितभीत उपकांत कत्रत्व, या रत्न यूभि विश्वात्री रुंदा, क्षांश्वं क्रना या ভाলावात्र, श्वानत्वत क्रना ठार ভालावात्रत, ठा

रल मुत्रनमान रत्। (আरम्ह अवः छित्रमिक्रि गतिक)।

रुकेत्र व्याभत (ता.) रुळ वर्षिण व्याष्ट खं त्रभुलान्नार (व्या.) वलष्टन, 'প্রতিবেশীর কী হক তা কি তুমি জান? সে তোমার সাহীয্য চাইলে তাকে সাহায্য কুরবে, সে ত্যোমার অভয় চাইলে তোমার অভয় দিবে, সে ঋণ চাইলে তাকে ঋণ দিবে, সে নিঃশ্ব হলে তাকে দান করবে। (এবনে আদি)। রসুলাল্লাহ (আ.) বলুছেন, 'যখন তরকারি পাক কর, তার সুরুয়া বৃদ্ধি কর এবং তোমার

প্রতিবেশীকে তা হতে কিঞ্চিৎ দিও।' (মোসলেম শরিক)।

রসুলাল্রাহ পাক (আ.) বলেছেন্, 'তোমাদের ভিতর কে ভাল্যে কে মন্দ, আমি কি তাঁ জানাবো না?' সাহাবিরা নীরব রইলো। তিনি তিনবার জিজাসা করলেন। এক ব্যক্তি ব্লুলো, 'হে আল্লাহ্র রসুল! আমাদের মধ্যে কে ভালো, কে মন্দ তার সংবাদ দিন।' তিনি বুললেন, 'যে ব্যক্তির উপকারের আশা করা যায় এবং যে ব্যক্তির व्यथकार्तिका रूक नितायम शाका याञ्च, त्य क्वांभारम्त भर्या छैठभ, এवः यात **छैभकारतत खामा कता याग्र ना अवः खभकात रूळ निताभर रश्या याग्र ना, स्म**

তোমাদের মধ্যে অধম।' (তিরমিজি শরিফ)।

হজরত আবু সাইদ (রা.) বর্ণনা করেছেন যে, একটি লোক এল যার চক্ষ কোটরাগত, ললীট উন্নত, দাড়ি ঘন গজানো, গালের হাড় উচ্চ, মাথা মোড়ানো এবং বলল, 'হে শ্লোহাম্বদ, ভয় করো খোদাকে।' রসুলাল্লাহু (আ.) বললেন, 'কৈ শ্লানুবে व्यामार्त, यि द्यामारक ना मानि? त्यामा व्यामारक विश्वष्ठ करत्वरहन ममञ्ज शृथिवीत लात्कत मस्या, किष्ठ क्षामता विश्वांत्र करता ना खामाक्ता' उथन अमत कात्कके रूजा क्तरळ हार्रेटलन ठाटक, किन्नु छिनि निरुष क्तर्यन । यथन स्न हटल शन छिनि বললেন, এই ব্যক্তির দল হতে উৎপন্ন হবে একজাতি - যারা কোরান পড়বে, কিছু উহা তাদের গলার ভেতর ঢুকবে না, তোমাদের কেহ তুচ্ছ মনে করবে নিজের নামাজকে তাদের নামাজের সঙ্গে তুলনায়, নিজের রোজাকৈ তাদের রোজার সঙ্গে তুলনায়। তারা বাহির হয়ে যাবে ইসলাম হতে, তারা অত্যাচার করবে মুসলমানদের প্রতি আর ছেড়ে দিবে মুশরিকদের। যদি আমি (রসুলাল্লাহ) (আ.) তাদের পেতাম, হত্যা করতাম আদ জাতির মতো় (বোখারি এবুং মোসলেম শরিফ)।

रक्षतण व्यापमूत तरमान रेपत् व्यापिकाताम (ता.) रेट्ट पर्षिण व्याप्ट, तर्मुलेलार (व्या.) अकिमन अक्रू कतात भत्र जात मार्शिवण अक्रूत वाकि भानिष्टूक मूट्थ अ प्रत्र मार्थट लागल। तर्मुलालार (व्या.) जाप्तत क्रिक्षामा कतात्वन, 'ट्यामेता अत्रभ क्रिक्षामा कतात्वन, 'ट्यामेता अत्रभ क्रिक्षामा कतात्वन, 'ट्यामेता अत्रभ क्रिक्षामा कतात्वन, 'ट्यामेता अत्रभ व्याप्तार विवास अवर्थ जात तर्मुलक जात्वावाम्य जात्वार व्याप्तार व्याप्तार

প্রতিবেশীগণের যেন উপকার করে।' (বাইহাকি শরিফ)।

এই এগারোটি হাদিসে রসুলাল্লাহ (আ.) আবার সেই একই গণসাম্যবাদের আদর্শ তুলে ধরেছেন। একই গণীসাম্যবাদকৈ মানুষ যাতে কোনো প্রকারেই মন হতে मुट्ह एकैनळ ना भारत, जातर छना वात वात जीवधान करत किर्प्छन। ভविষाৎपूर्ण রীসুল (আ.) জানান যে, নফসে আন্ধারা অর্থাৎ শয়তান প্রবৃত্তির বশবর্তী হয়ে প্রতিটি মানুষ মানুষের উপরে প্রভুত করতে চায় অর্থাৎ মালিক বলে যেতে চায়। ইহাই প্রবৃষ্টির সাধারণ গতিধারা। প্রবৃষ্টির লোভনীয়ু বাধনের তীব্র অথ্চ সূক্ষ্ম আঘাতে मानेषु বিভিন্ন রূপের মাঝে কুর্তুত্বের প্রাধান্য বিস্তার করতে আগ্রহী। মালিক হবার উগ্র বিশ্রী কণ্ঠত্বের প্রাকে হারিয়েঁ ফেলে নিজেকে। আল্লাহর গোলাম হবার অূর্ধাৎ আল্রাহকৈ সেঙ্গদা দিতে তথা আঅসমর্পন করতে মোটেই চায় না। এইরূপ মালিকানার কর্তৃত্ব স্বয়ং ইবলিসের প্রতিরূপ ছাড়া আর কিছু নয়। ইবলিস নিজের ব্যক্তিত্বের মূল্য যাঁচাই কুরতে গিয়ে আল্লাহুর আদেশটুকু অমান্য করতে মোটেই দ্বিধা করে নি। নিজের গর্বিত মনোভাবে ইবিলিসের এত শতী বছরের প্রাণঢালা সাধনা विकल পर्यविभिन्न रला। সে অহঙ্কারের আফালনে আদমকে সেন্ধদা করে नि। এই সামান্য মাটির তৈরি আদমকে ইবলিস সেজদা করবে। অসম্ভব। সে জাহান্নামে যেতে কুঠিত নয়, ত্বু তার ব্যক্তিত্বকে আল্লাহর আদেশের নিকট মাথা হেঁট করবে না। সেই কুখ্যাত ইবিলিসই খান্নাসরূপ গ্রহণ করে প্রতিটি মানুষের মাঝে জাগ্রত অথচ অদৃশ্যমান হয়ে আছে। এই ইবলিসের প্রভাবে মানুষ খাদৈমের ভূমিকায় মালিক সেজৈ सानुसरक एत्र पुः त्रर दिन्नात विरुवान। स्विनिस्त्र श्रद्वापनाय सानुस शारित में शिर्धारम मानुरसेत स्मिनिक फाविछरनारक रवमानुम रक्रम करत व्यामित उरी। বড়লোক সীজে। একশ্রিকার বড়লোকদের জন্য বেহেস্ত হারাম। সুচের ছিদ্র দিয়ে উটের প্রবেশ অসম্ভব, কিন্তু তার চেয়ে বেশি অসম্ভব একন্সন এবম্প্রকীর বড় লোকের বেহেম্রে প্রবেশ করা।

 तिर्मामाश्व (आ.) व्याप्त वाखात माजा ना फिल त्य व्याप्ति है सानकात है हत्य भाति ना, व्याप्ति त्यहान हत्य याष्टि। व्यात त्यहमात्वत कित्रकान काश्वास्त्रत व्याध्यत कृष्टि हत्य हित्रकान काश्वास्त्रत व्याध्यत कृष्टि हत्य हित्रकान व्याप्ति प्रवासता व्याप्ति महत्व व्यात त्या वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र हित्रकान को महन्द्र नित्र नित्र वित्र हेम्नच तत्व प्रवास कित्र वित्र हित्रकान को महन्द्र नित्र नित्र वित्र हेम्नच वित्र हित्रकान को त्यामात्र को त्यानात्र हित्रकान हित्रकान

রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'সে পেয়েছে ইমানের আশ্বাদ যার নিকট আল্লাহ গ্র তাঁর রসুল প্রিয়তর অপরাপর সকলের চেয়ে।' (বোখারি এবং মোসলেম শরিফ)।

তাই রসুলাল্লাহ (আ.) আমাদেরকে সাবধান করে দিয়ে বলেছেন যে, যার व्यथकातियाँ रुक्ति श्रीटितमी नितायम नग्न स्म त्य त्वरहस्त्र श्रातम कत्रत्व ना, व्यर्याः জাহান্নামের প্রজ্বলিত অগ্নি হবে তার মা। অন্যকাল সেই অগ্নিমাতার কোলে থাকতে रत। की प्रश्ने व्यथकातिंठा? व्यथकातिंठा वनक्त अंशाल यह तक्स व्यथकात रक्त পারে তা-ই বোঝানো হয়েছে। একজন প্রসারিত জমি দখল করে মালিক সেজে দিব্যি আরাম-আয়েসে ঘরবাড়ি তৈরি করে জীবন অতিবাহিত করছে, আর্ একজন তার मळा फरहत विधिकाती मानुस वृष्टिण-व्यवस्थिण रखा श्कृष्ट्र भाषा लांकात ठारूछ ইস্লামে নেই। এই বৈষম্য সম্পূর্ণরূপে দূর করার জন্য রসুলালাহ (আ.) প্রশন্ত জমিতে বাস করা লোকটিকে অভাবগ্রন্ত লোকটির সর্বপ্রকার দুঃখ-কর্ষ্ট অ্র্থাৎ অপকারিতা দূর করার তরে সাবধান করে দিচ্ছেন। একটি মানুষ তিন শত টাকা খরচ করে দৈহে গরম প্যান্ট-কোট লাগিয়ে শীত নিবারণ করছে অথচ তারই একজন প্রতিবেশী টুটাফাটা কাপড় কোমরে জড়ায়ে লব্জা ঢাকুতে চেন্টা করেছে। किष्ठ भाग्ने भता लोकिंगि कि सल कत्रष्ट ना, मि ठात প्रতিবেশী? मि कि छुल शिष्ट या व्ययकातिण दृत कत्रक्ष ना भात्रल त्वस्थि श्रतम कत्रत्व ना? त्र कि जैते त्वस्थ **ए। या ना, व्यविश्वामें करत् ? एरव स्मिकि कर्त्व निस्म्यत्म श्वममान वर्त्त ? क्वान व्यक्तिकार्त्व** ट्रम त्रभूनाल्लाङ्क (बा.)- अत उन्नाल वर्ष निष्करक मार्चि करत? अर मार्चि कताएँ। कि নিতান্ত্র ভণ্টামি নয়? এ রকম মিখ্যা দাবি করে কি তবে এরাই মুসলমানের দৃঢ় क्षेर्तात्र वन्नन कुँग छाडात मत्या पूतमात करत मित्रकः श्रतार कि मुर्थ छप् रकार्तान পড়ে, कि द्व অতিক্রম করে ना গল্দেশে? এরাই কি সেই নামান্তি, যাদের নামান্ত পড়ার সঙ্গে তুলনা চলে না? এরাই কি তবে সেই রোজাদার, যাদের রোজার সঙ্গে ठूनना प्रथशों চल ना? তুবে कि तत्रूनाल्लार (खा.) अष्ट्रतक नका करत वलाएन खा. ঐরা বাহির হয়ে যাবে ইসলাম হতে, যৈমন তাঁর বাহির হয় ধনুক হতে? তবে কি तत्रुलालार (वा.) এদেরকেই বলেছেন যে, যদি পেতাম তবে হঁত্যা করতাম আদ क्रांठित मळा? व्ह वीत मुक्रांहिष मुगुलमान, जत्व अथत्ना नीतृत्व क्न फाँड़ित्स खक्त এই করুণ দৃশ্য দেখছ? হে বাঁর মুজীহিদ, তোমার কাছে তো পিতা ও সন্তান হতে এবং সমগ্র মানবজাতি হতেও প্রিয় তামার রসুলাল্লাহ (আ.), তবে কেন শহিদের দেদীপ্রমান বিক্রম তোমার বঙ্গে উত্তাল তরঙ্গের চুরমার করা শব্দ আলোড়নে উতলা করে তোলে নাং মৃত্যুকে না তুমি পূর্বেই সমাধির স্বাক্ষর করে রেখেছুং তবে কেন मुसाधिक দূরে ফেলে চুপ করে আছ? তবে কেন প্রতিবাদের মশাল পাশবিক শক্তিকে बिमुबात केतात oca कृत्व ठटं ना? तमुनानाहत (वा.) वत्न प्रश्रा छ छ-বেইমানেরা কি এখনো কালের কলঙ্ক-শ্বাক্ষীর ইয়ে মঠ্যমঞ্চের মন্ততায় মালিনতা ছড়াতে থাকবে? কোথায় তোমার প্রতিবাদের মশাল্? কোথায় তোমার বন্ত্রকঠিন সংকল্পের প্রধৃষিত পরিশালন? কোথায় তোমার জীবন দিয়ে নবিউল্লাহর প্রেমে

মাতোয়ারার চিহ্ন? লৌহ সংকল্পে তুমি অটল। তবু রসুলাল্লাহ (আ.)-এর আঁখির প্রবিত্র অঞ্চ গড়িয়ে পড়তে দেখে মৌন হয়ে আছি। তুমি কি সেই মুজাহিদ নগু যে গুহদু রণপ্লান্তে রসুলাল্লাহ (আ.)-কে নিজের বন্ধ তারের মুখে তুলে দিয়ে নিরাপন্তার

थार्गीत १एए क्राप्ले?

बर्षे प्रमस् शाएम या फ्ट्यांत माप्रनेतातशात भिति । वारा पढ़ छोलात तात्र क्रा रखाए ब्रवः माप्रनेतातशात श्रांत स्थान मुद्धामधाती मुप्रनमान छलात श्रांप फिर्स त्रिया पाठ, श्रांठेताफ्त मणान तारित कर्ते, प्रतार ब्रक् रखा प्रश्लाम प्रांतिस याठ। मदा दार्थ, मारापा तर्व कर्ति क्रांप पाठ भारत वा। मारापाठ तर्व तर्क-ताक्षा क्रांप्रा क्रांप्रा श्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र श्रांप्र श्रांप्र क्रांप्र क्र क्रांप्र क्र क्रांप्र क्र क्रांप्र क्रांप्र क्रांप्र क्रांप्र क्रांप्र क्रांप्र क्रांप्र

আমার ছেলেপুলেরা উঁচু ইটে গড়ানো ইমারতে গর্ম জামা পরে শীতের হিমেল राशुशारक वृत्सा वाधुन रिशाएक, वात वामातर প्रতितिभीत एटलभुलता राष्ट्रा মাটিতে খড় বিছিয়ে ছৈঁড়া ন্যাকড়া জড়িয়ে রাত কখন ফুরোবে ভাবুছে। কে কার্ খোঁজ রাখে? এই দুনিয়ার মোহু-মায়া, আমার মানবতা আমার নবিউল্লাহর (আ.) আবেদনকে বেমালুম ভূলিয়ে দিয়েছে। দুনিয়ার মেকি মায়াজাল আমার মৃত্যুঘটনা কোনোদিন ঘটবে না বলৈ দিয়েছে। আমি তো আমার প্রিয় নবিউল্লাহ (আ.)-কে বলতে শিখলাম না যে, আমারই তবে শুধু এই গরম জামা দিচ্ছ? কিছু আমার পেছনে যে আমারই মতো ভাইয়েরা শীতে কীপছে, তাদের প্রত্যেককৈ যেদিন একটি করে গরম জামা দিতে পারবে সেদিন আমাকেন্ত একটি দিন্ত। সেদিন তোমার তলে দেওয়া গরম জামা আমি আনন্দের সাথে গ্রহণ করবো। আমার প্রাণপ্রিয় মোহীমদ (আ.), তুমি যে বলে দিয়েছ, 'বিশ্বাসীরা পরস্পরের প্রতি দয়া, প্রতি ও সহানুভূতিতৈ এক দেহের মতো।' তবে আমি কী করে একা এই গরম জামা নিজের গায়ে তুলে নিয়ে বিশ্বাসী ভাইদের বঞ্চিত করবো? সেই বিশ্রী অধিকারের সংক্রা যে তুমি দাঁও নি। তবে তোমার বলে দেওয়া 'পর্স্পরের প্রতি দয়া, প্রীতি ও সহানুভূতিতে এক দেহের মতো' যে আমাকে প্রথমে অম্বীকার করতে হবে, তারপর তুলি নিতে হবে সেই গরম জামা। তা হলে কোন অধিকারে তোমার উন্নত বলে দাবি করবো? व्याभात व्यत्म गतम कामा कि इ व्यामात विश्वांत्री छाँहैएत व्यत्मधेला ख्रुं भीट्यू ठांडा रुख याट्छ। जाप्तत व्यन्नभटना या व्याभात व्यन्न। जाप्तत व्यन्नभटना या गीटा भींकिज, তাই আমার অস ডাকছে তাদের শীত নিবারণের জন্য। তুমি যে বলেছ, 'যুখন পীড়িত হয় এক অঙ্ক, অপর সমস্ত অঙ্ক পরক্ষারকে ডাকে উহার সাথে সহানুভূতির জন্য জাগরণ গু তাপে।

বিশ্বমুসলিম একটি দেহ। সেই একটি দেহের তরে একটি জামার রূপটি কিষ্টু বড়ুই করুণ। তাই অবিশ্বাসীরা একটি দেহে একটি জামার রূপটি দেখে ঠাট্টা করে।

বিশ্বমুসলিম দেহের জামাটির একটি হাতা গরম কাপড় দিয়ে বানানো, অপর राठाँिए एंड्रंग नात्रक्रा नित्रं वानाता, शिक्ठंत व्यः गृह्यूतं व्यर्धक हानातं एए व्यात व्यर्धक सात्रकिन काशक, वृत्कत व्यः गृहेकू व्यर्धक हिंद्रु वृत्व व्याद्ध व्यात वाकि व्यर्धक नाना तक्षत्वहुष्ठ- अतु ठानि साता। अर ट्या विश्वसूत्रनिस प्लट्टत उश्वत क्रासात রূপটি। তাই তো অবিশ্বাসীরা মুখে রুমাল চেপে হাসে আর মনে মনে বলে, এ রকম জোকার না থাকলে কি নাটকে টক হয়! কেউ হয়তো আমাদেরকে ইঙ্গিতে ঠাট্টা করে বলে, ধর্ম তো আফিম। সেই আফিমের নেশায় থাকুলে নিজের জামার শ্রী দেখতে পাই না। এত অপমান সইতে পারছ, হে বীর মুক্তাহিদ? এখনো তুমি নিটে দাঁড়িয়ে আছ? কোখায় ঢ়োমার প্রতিবাদের মশালু? তুমি যৈ গরম জামা পরতৈ পারছ না, বিবেক যে শত বিষদৃতি বের করে ত্রোমার বিবেককে ছেদা করে দিচ্ছে। অপর ভাইদেরগু দেবার সামর্থ্য নেই। তবে কী করবেং নবিউল্লাহ (আ.) যে তোমার নয়নের মণি। তাই শহিদ হবার প্রধূমিত বাসনা নিয়ে তাদেঁরকে রুখতে হবে যারা তোমার দেহে লোক-হাসানো জামী পরিয়ে দিয়ে পবিত্র কোরান পড়ে, কিছু তা शनात ७७०त कात्क ना, कामाप्तत क्रत्य तिभ नामाक भुत्कु, कामाप्तत क्रत्य বেশি রোজা রাখে। এই সব ভণ্ডদেরকে লুক্ষ্য করে রসুলাল্লাহ (আ.) বলছেন, 'তাুরা অত্যাচার করবে মুসলমানদের। যদি আমি পেতাম তবৈ ইত্যা করতাম আদ জাতির भळा।' रिवालात्केत भळा ऋषै कत्त ळाभात श्रापश्चित्र त्रमुलालाञ्च (ब्या.) वत्न দিচ্ছেন, তব তমি এখনো নীরব দর্শকের মতো দাঁড়িয়ে আছ্ট, হৈ বীর মুজাহিদ सुत्रनसान? विश्वीत्रीता अकिए एस्ट। सानवएम्ट्यत या काला अकिए व्यश्म योमि श्रीस्थि र्हेर्स भर्फ ज्थन व्यन्य मध्य व्यःगुष्ठत्वा जात्रर व्यापास व्यापिज रहा मध्यविष्ना क्रानास्। এই পরস্পর অবিচ্ছেদ্য সম্পর্কের আদর্শে গরীয়ান যারা তারাই মুসলমান্। ইহারই অপর নাম গণসাম্যবাদ। শোষণবাদের য়ে কোনো শ্বীকৃতিই ইসলীমে নেই, ইহাই ठात क्रुल्ड क्षमाप। त्रव मानुष मतर्त्व, जामि मानुष, जामास्क्र मतर्र्ण रस्त, रेंश स्व तकम कुलंडू मठा, विश्वामीती मुवारे 'ब्रेकिंग एक्ट विलात मात्या मरे भगमात्मात कुलंड त्रेठा उँछोत्रिठ रखा व्याष्ट्र। किन्न के 'व्याम काठित मद्या चून कत्रठाम' नामशेति मूत्रनमान कातान, नामाक अवः ताका ताचात छन्निताकि किच्छा व्यतासात्र ११क ছঁড়িয়ে, বিশ্বমুসলিম ঐক্যকে অসহায় অবস্থায় ফেলে দিচ্ছে। এই ভণ্ডরপিট চিক চিক কুরা মকুভূমির উষ্ণ বালি। দুরে উত্তালু তরঙ্গ। নিকটে মেকি। আহত পাখির মতো বিশ্বমুসলিম তেন্টার জল থৈ ফোটা বালি দেখে ছটফট করে মরে পড়ে থাকে। হে মুজাহিদী মুসলমান, কোখায় ফেলে ব্ৰেখেছ তোমার তৈরি করে রাখা প্রতিবাদের सगाने? क्लि छेख्नत जाञ्चत नजा नीत्रत-निश्वत कर्द्धा का क्रामात गर्व्ह अठा घुसञ्च প্রতিবাদ? কেন তোমার সংগ্রামের সমবেত প্রতিবাদ মানুষের গ্রাস ছিনিয়ে নেষ্টয়া গর্বিত বন্ধটাকে কাঁপিয়ে তোলে না? তুমি কি ভাগ্যটার গুপর সব দোষ চাপিয়ে দিয়ে মোজাইক করা পাষাণ নামধারী মসজিদটাতে নামাজ পড়তে যাগু আলাহকে তৃষ্ট করে বেহেম্ব আদায় করতে? এত বড় বোকাই আল্লাহকে ভেবে নিতে পারলে! ইটু দিয়ে তোলা মস্ক্রিদটার সূক্র জুতো রাখার পথটা ঘূরে কুঁকড়িয়ে পড়ে আছে খাঁটি মসজিদের অধিকারী নিপী্ডিত, লাঞ্চিত, পুদদলিত, তোমারুই মুসলমান ভাইয়েরা। মায়ের ছেঁড়া শাড়িতে শীত ঢাকতে পারে নি। হাড়-প্রঠা দুটো শুকলো স্ত্র নের বোঁটায় মুখ লাগিয়ে শিশু আহুত পাখির মতো ছটফট করে কাঁদছৈ। ছোট ছোট দুটো ঈড়ো করে বুকটায় লাগিয়ে রেখেছে। কোখায় দিয়েছ রসুলাল্লাহ (আ.)-এর দেওয়া সমান অধিকার? কোপায় তোমার দ্রাতবন্ধনের চিহ্ন? এই ভত্ত নামাজের বিড়বিড়ানিতে ভণ্ড নামাজির পরিণামু কী সেটা তুমি জান না? তবে জেনে শুনে কেন ভণ্ডামি করছো? প্রতিবাদ করবে? প্রতিবাদের জ্বালা দাবদাহের মতো ফুটিয়ে তুলবে কাগঙ্গের পাতায়? কিছু হবে না। কোনো ফল'ফলবে না। সংখ্রাম আর প্রতিবীদের

समान रता अत खागा প्रতिवाह। हन तिर्ध भात्र, ना रुग्न कग्नुसन सित्न भात्र, ना হয় একা পার, গোপনে পার, সংখ্রাম আর মশালের প্রতিবাদে নবপুস্তক রুচনা কুরতে থাক। প্রকাশক পাবে নবপুষ্টক প্রকাশ করতে। গ্রাহক্ পাবে নবপুষ্টক কিনে নিতে। মুদ্রণের পর মুদ্রণ চলবে নিবপুশুকের। রসুলাল্লাহর (আ.)-এর দৈওয়া গণসাম্যের নীবাদিত সূর্যের সাত ঘটিকার এক ঝলক সামৈর আলো দুটিয়ে পড়বে। নবপুস্তক রচনায় মোনাফেক তোমায় মৃত্যুদণ্ড দেবে? সেই ভয়ে বুঝি ভিঙ্গে বেড়াল হয়ে আছু? অড়ু, বন্যা, ভূমিকুন্দু, মহামারিতে মৃত্যুদণ্ড বরণ করে নিতে পারছ সিনেমার টিকেট কার্টার মতো কিউ দিয়ে। হাজার হাজীর রসুলাল্লাহ (আ.)-এর দাব্রিগুয়ালা গোলাবি মুসলমান তবু নবপুস্তক রচনা করবে না। সীদা কাণ্ডে কালো কালিতে কান্নাকাটি করতে পটু, কিন্তু নতুন পুস্তকের কথা বললেই সব ভীতু। এতুই সহজ্ঞ জান্নাত? ছেলের হাতের টেড্রি আচার আঁর আল্লাহর জান্নাতে যেন কৌনোই ফারাক নেই। বাঃ বাঃ চমৎকার বৃদ্ধির বহর। ফাঁকি দিয়ে বিএ পাশ করতে চাগু? একি বাপ-দাদার দেগুয়া कलक लिखिष्टू नाकि, या वृष्टिष्ट्रा भूल नित्थ फिलार लाम? ना फिला श्ररकमतरक ছোরার ভয় দেখিয়ে...। তুমি কি জীনু না যে নিজেদের ভাগ্য আল্লাভু আয়াদেরকে পরিবর্তন করতে বলেছেন। একটা জাতির ভাগ্য আল্লাহ কখনোই পরিবর্তন করান না যত্দিন না তারা নিজেদের ভাগ্যকে পুরিবর্তন করেন। ব্যক্তিগত দায়িত্ব পালনের थ्रधान निकार हित्राष्ट्र रेंत्रनाम। रेंत्रनाम निका हित्रह, नात्था मानूष यहि कारातात्म যায়ু তবে তুমিও কি যেতে চাও? তোমার ব্যক্তিগত যে দায়িত্ব ও কঁর্তব্য আছে সেটুকু কেউ পালন না করলেও তুমি পালন কর। কারণ অন্যের আমলনামা তোমার ভালৌ-মন্দের কোনো ধার ধারবৈ না। তুমি বিশ্বাস কর ভাই, জান্নাত তোমার জন্য স্পর্ট राताम रुख আছে। मुठ्रा-घँটेना घँটीत मन्ह मन्ह অनुस्मारनाग्न क्लॅफ उँठेत्व। फ्रिंग्ट অনুস্তকাল ব্যাপ্ত শুধু জাহান্নাম আর জাহান্নাম। কাঁলি আর কাগজে তুমি তোমার ব্যক্তিগত দায়িত হতে মুক্তির তরে একটি প্রতিবাদের পুস্তক রচনা করে রেখে যাও, তা হলে তুমি ইমানভূমির সুমানাতে দাড়াবার হয়তো শ্বীকৃতি পাবে। আল্লাহ এবং রসুলাল্লার্ছ (আ.)-কেঁ সান্ধী করে বলছি, কোরান-হাদিস শরিফ পড়ে প্রতিবাদের পুষ্ঠক রচনা ছাড়া বর্তমানে পরকালে মুক্তি পেয়েে জান্নাত লাভেরে আর কোনো সহজ পঁথ খুঁজে পাই না। কারণ, এই পথকে ইমানভূমির সীমানাতে দাঁড়াবার স্বীকৃতি বলা হয়েছে। তারপর হলো আধ্যাত্মিক জগত। প্রেমলীলার অশেষ সৌন্দর্যের বিজ্ঞানুষয় রহস্য। সেই রহস্যই প্রকৃত শান্তি এবং ইসলাম। এখন আধ্যাত্মিক বিষয় নিয়ে আলোচনা করা অনেকটা নদীর কিনারায় কুয়ো খুঁড়ে পানি বিতরণ করার মতো। বস্তুপ্রতি এবং বস্তুর উপর নির্ভর কুরে জড়ু চাহিদার বিভিন্নতাকে দ্রুতগতিতে

বলেছেন, 'ইমান না আনা পর্যন্ত বেহেন্তে ঢুকতে পারবে না এবং পরক্ষর পরস্পরকে ভালো ना বাসলে ইমান আসে ना। बेशन অতি সহক্রেই বুঝতে পারা যায় या रैसान रैमनास्मत लाज़ा वा सून। जारे रैमनास्मत् सून रैसान ना व्याप्रल कररे বে্ছেন্ত্রে যেতে পারবে না। ইহা রসুলাল্লাহ (আ.) অতি স্পর্ট করে বলে দিলেন এবং এটাই ইসলামের প্রকাশ্য এবং গোপন ঘোষণা। এখন আমাদের কাছে প্রশ্ন হয়ে রইল, কী সেই কান্ধ যা করতে পারলে ইমান আসে এবং ইমানের পরিবর্তে বেহেম্ব পাবে? কিছু সেই প্রশ্নের উন্তর রসুলাল্লাহ (আ.) নিজেই ইমান কী করতে পারলে আসে এবং त्वरंख राक्ष भातत्व अवर रैंभान की कंत्रक ना भातत्व चात्र ना अवर त्वरहस्त राक्ष পারবে না তাহাগ্র অতি সহজ এবং সরল ভাষায় বলে দিলেন, যেন বিষ্যুটি আমাদের নিকট ধোয়াটে বা কুয়াশার মতো মনে না হয়। তিনি আমাদের জানিয়ে দিলেন যে, পরক্ষর পরক্ষরকে ভালো না বাসলে ইমান আসে না। সেই ভালোবাসা বলতে কী বোঝানো হলো? শুধু মুখের কথা দিয়ে ভালোবাসা? না মুখ গু অপ্তর উভয় দিয়ে ভালোবাসা ফুটিয়ে তোলা? অপরের দুঃখ-কন্ট শ্লোচন করে নিজের মতো করে গড়ে তোলাটাই ভালোবাসা। কারণ, মানুষ তার নিজের বেলাতে বেশ तात्य, कि इ जंभत्वत क्रना छेमात्रीन, जमलात्यांभी शात्क। अर्हे शैन भक्षत युखात ছেড়ে দিয়ে অপরকে নিজের বেলাতে যতটুকু বুঝি ততটুকু বুঝবার নাম হলো পরক্ষরের প্রতি ভালোবাসা। পাঁচ ওয়াক্ত নীমীক্ষ পড়ার চৈয়ৈ দশ ওয়াক্ত নামাক্ষ পড়াটাগু প্রকন্ধন মানুষের পক্ষে বিশেষ কঠিনু কান্ধ নয়, কিন্তু আশ্রয়হীন অসহায় মানুষকে নিজের মালিকানায় রাখা বিশাল বাড়িটার মাঝে আশ্রয় দেওয়া বড় কঠিন কান্ধ। পথের পাশে পড়ে থেকে শীতে কাঁপছে আর মুত্যুর পথযাত্রী সাঙ্গতে শুরু করেছে, কিন্তু দুশ গুয়াক্ত নামাজ পড়ুনেগুয়ালা তথাকথিট আল্লাহ-রসুলের মহব্বত কপচানো মুসল্লি সাহেব তার বিশাল বাড়িখানা থাকা সত্নেগু এই শোঁটনীয় অবস্থা দেখে এক পা এক পা করে ইনশাল্লাহ কেটে পুড়েন। এ রকম শোচনীয় দৃশ্য সমাজে অহরহ ফুটে উঠবে জেনেই রসুলাল্লাহ পৃথিবীর মানুষকে পর্স্পর পরস্পরের প্রতি ভाলোবাসতে আদেশ দিয়েছেন এবং এই আদেশ অমান্যকারীকে ইমান আনে নি वर्तन व्यवस्था अवन्य कत्रका भात्रव्य ना ज्या कारात्वात्मत्र खाञ्चन मार्थी रुखा याकव्य বলে সাব্ধান করে দিয়েছেন। সাম্যবাদ সমাজে পরস্পরের প্রতি ভালোবাসাকে সুন্দর এবং প্রীতিকর করে তোলে বলে ইসলাম পৃথিবীর মানুষকে সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠা করতে वात वात बारिन हिर्म्छन। तत्रुवालार (बार्) वर्लस्डन, 'बाछन, शानि, शाम्प्रसुवा अवः (लागाक-প्रतिष्टुएरत उँभत तुर्धिष्टं ऋनगएनत् अख्यादकतं मभान व्यिधकात्।

तम् मृष्टित छेप्हमा श्ला वालाश्त भावात या माधनात भय मिर्शे भावात स्मित्त स्मित्त हैं भावा है भावा है भावा है भावा है भावा है सानुरस्त करान हो मिर्मे हैं सानुरस्त करान हो मिर्मे हैं सानुरस्त करान हो मिर्मे हैं सानुरस्त करान हो है है सानुरस्त करान हो है सानुरस्त करान हो है सानुरस्त करान है सानुरस्त हो है सानुरस्त है स

বীজ, সে রকম ছাঁচে গভা আজকের ভণ্ড আরব বাদশাদের শাসনতন্ত্র।

मानवनमाटक वश्ववाष्ट्रक कान भर्य कमन कर्त्व १८५ उत्तरः श्रव भ नम्य क्या কোরান-হাদিসে বিষ্টারিতভাবে আলোচনা করা হয়েছে। কিন্তু আফসোসু, কোরান-হাদিসের কথা বুঝবার এবং বরণ করে লেবার মানুষ কোথায়? আর একটি অসুবিধ্য रखिष्ट अशास्त्र खे, हेंत्रनासित वर्षे-नियम् ७-वर्षेन वर्षेत्रहात शतिशूर्व जीपर्न तत्रुनानार (जा,)-अत गात्रनकात्न ऋष्ट्र मिन्नाट्ट त्रीमावृक्त हिन अवः छेंरा केव्रनमान প্রতিষ্ঠিত আদর্শ হিসাবে পূর্ণতা পাবার পথে এগিয়ে চলছিলো। তারপর চার খলিফার আমলে ইসলামি উৎপাদন, বুটন ৪ কর্মব্যবস্থার প্রয়োগ সমাজে প্রতিষ্ঠা করার সময় তারাও পান নি। কারণ, প্রতিবেশী রাষ্ট্রের আফুমণ প্রতিহত করা, আপন রাষ্ট্রকে রক্ষা করার দায়িত্ব, রাজ্যের প্রসারতার দরুন বিভিন্ন চিন্তা এবং অভ্যন্তরীণ গোলযোগ ইত্যাদি কর্মের ভিতর তাদের চিন্তা ও শক্তি নিয়েমাজত হয়েছিল অধিক। কিন্তু তবু ইুসলামি সাম্যের আদর্শকে তাঁরা অনেকুখানি উচিয়ে তুলতে চেন্টা কুরেছেন এবং নিজেদের জীবনধারণের প্রতি পঢ়ে পদে শিক্ষার দৃষ্টান্তস্বরীপ সাম্যের অদ্বিতীয় দৃষ্টান্ত পৃথিবীর বুকে রেখে গেছেন। রাষ্ট্রপ্রধানরূপে ভৌগবিলাস তো দূরের কথা, যউটুকু ন্যায়সঙ্গতভাবে জ্ববিন্ধারণের প্রয়োজন তাহাগ্ত তারা গ্রহণ করেন নি। তাই দেখা গিয়েছে, ইসলামি বিশাল সাম্লাজ্যের রাষ্ট্রনায়ক জুনসাধারণের চেয়ে অতি **ବି**ୟୁ**ୟାର୍ଜେর পূর্ণিব জীবনটা অ**টিবাহিত ক্রিতেন। বিশাল **ଧୁ**খণ্ডের অধিপতি আদ্রিরুল মোর্মিনিনের গায়ে দেবার মাত্র একটি তালি-মারা কুর্তা ছিল। অনশনে পেটে পাথর বেঁধেছেন, পানির সঙ্গে সামান্য মধু মিশিয়ে খলিফা ইজরত আবু বুকর (রা.)-কে পান করতে দেওয়া হয়েছিল। কিছু গলায় আছুল ঢুকিয়ে বৃদ্ধি করে দিয়ে বুললেন, আবু বকর পান করবে মধু! খলিফা হঙ্গরত আলি (রা.) নিজের সন্তান हिमाम हात्रान है तहात्रात्यत्नत ऋधा निवातत्मत छत्त जायन वसीए तात्नत जायात অপরের নিকট রেখে খাদ্যসামগ্রী নিয়ে আসতেন। তবু বিশাল রাষ্ট্রের নায়ক জনসাধারণের বায়তুল মালের উপর হাত দিলেন না। এ রক্ম হাজার হাজার আদর্শের দ্র্ভান্ত তারা রেখে গেছেন। সাম্যের প্রতিষ্ঠিত আদর্শ পূর্ণতাপ্রাপ্তির পূষে ধাপে ধাপে এণিয়ে চলেছে, কিন্তু চার খলিফার তিরোধানের পর বিশ্বাসঘাতুক এজিদ সমাজ হতে সাম্যের আদর্শকে মুছে দিয়ে রাজতন্ত্র প্রতিষ্ঠা করলো। শুধু কি তাই? সাম্যের আদর্শ যারা তুলে ধ্রেটেন মানুষের কাছে, মোনাফেক এফিট তাুদেরকে निষ্ঠুরভাবে হত্যা করেছে। লৌহকে স্বর্ণ বলৈ কেউ ভুল করে না। ভুল করে নিকেলে स्रोक्षात्मा **प्रश्नीत स्रिक्**तल प्रत्थ। त्रष्टे <u>प्रश्नीति निर्देश</u>न कता स्रिक त्राना श्ला सानारकक अकिए। ठार बाक्र बातरक शाँपि साना तल सानारकक अकिएरक युन करत भुगनभान वर्ता। कारफतरक क्रना यारा, किन्नु स्मानारफरकत निरकरन स्मासारी क्रांट्फर्रेट िएल निक्क खलक तम् अक्ट रंश। बानि क्रना याश्च, क्रिष्ट बानि-क्रांका সিকি সহক্ষে চেনা যায় না। তখনই ধরা পড়ে যখন চুম্বক আর সিকির বুকটাতে 'গুয়ান আনা' দিখা থাকে। তাই যার কাছে চুম্বক আছে আর পড়তে জানে তাদের চোখে আনি-কাটা সিকি চোখে ধুলা দিতে পারে না। তারা মোনাফেক, বেইমান

সিকি বলে মানুষের সমাজ হতে বেইমান সিকিটাকে চিরতরে নর্ট করে দেয়, যেন আর কেন্ট আসল সিকি বলে ভুল না করে।

পুঁक्रिवाम ७ ইंगनास्मत প্রভেদ

অতএব আমরা দেখতে পাই 'বস্থবাদ'-এর ইসলামি ব্যবস্থাপনাকে জগতের বুকে প্রত্যক্ষ সামাজিক আদর্শরূপে কোনো কালেই প্রতিষ্ঠা করা হয় নি। যদিও কোরানহাদিস পথের সন্ধান দিয়ে দিয়েছে, তবু লিখিত আদর্শে লোকে বিশ্বাসী নয়। আর সেই যুগে লিখিত কথার মাধ্যমে প্রচার করা একপ্রকার ছিল না বললেই চলে। আরবের অল্প সংখ্যক লোক দিয়ে বিরাট সাম্রাজ্যের ব্যবস্থাপনা সে যুগে প্রথম অবস্থায় সহজ্সাধ্য ছিল না। কাজেই তাদের শাসিত বিরাট ভূখতে সেই আদর্শবাদ সম্পূর্ণ করে রেখে যেতে পারেন নি। লিখিত আদর্শ হিসাবে ইসলামের বস্থনিয়ন্ত্রণবাদ পূর্ণতাপ্রাপ্ত থাকা সত্তেও উহার প্রয়োগপদ্ধতির পূর্ণ প্রকাশ তখনো সমাজে প্রতিষ্ঠা করবার সুযোগ ও সময় পান নি। অন্ধ, বর্বর এবং পাপে-ভরা ছন্নছাড়া যুগের এত শত বছরের সমাজ জীবনের ধারা এত ক্ষুদ্র সময়ের ভেতর সম্পূর্ণরূপে বদলিয়ে ফেলা সহজ্পাধ্য নয় এবং তা কোনো কালেই সম্ভবপর নয়। তাই যে আদর্শের প্রতিষ্ঠা রসুলাল্লাহ (আ.) রেখে গেলেন উহা চার খলিফার রাজতকাল পর্যন্ত অগ্রসর হতেছিল, কিন্তু সেই অগ্রসরের গতি মোনাফেক এজিদ রাজতন্ত্রের সাগরে ডুবিয়ে দিল। আর কখনো তার প্রতিষ্ঠার চেন্টাও করা হয় নি। ফলে নামমাত্র ইসলাম শরিয়তের মুখোশে আবদ্ধ হয়ে রইলো।

কেউ হয়তো এজিদকে মোনাফেক এজিদ বলাতে নিতান্ত ভাবাবেণের পরিচয় দেবার কথা বলবেন। কিন্তু ইহা ভাবাবেণ নয়, কোরান্-হাদিসের মানদণ্ডে এজিদের

যে বিশ্রী চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য ইতিহাসে ফুটে ইঠেছে তারই সত্যিকার রূপু।

शृंकिताम अतः तम्र-सार रॅमनासित मृष्टिल क्रचना मुलावृहि। शृंकिभिणत क्रना तिल्ले भ्रम रातामरे कता रश्च नि, जा ष्टामा शृंकिताएत नीिण रंमनासि रान क्राला क्राला वामन निल्ज ना भारत जात क्रना त्रमुनान्नार (वा.) वामाएतक जीवनजात मात्रमान करत मिराएकन। धरनत श्री लाज क्षेत्र क्र्यला तिन्ती तामना मानूर्वत मत्न अ जिम्राधाताश क्ष्मनजात श्रजातमा क्ष्म मानवज्ञातिरत्यां में मत्नाजात रंजित करत, रा तक्ष भ्रक्ता पूर्वाम्लात जेमत भानि मिर्ल मक्षीत रात्र माना जामा मिरा जेलि। जार तम्मानान्न (वा.) वामाएतक मात्रमान करत मिरा तमलन, 'धनामिक अ श्रजूलत स्मार मुलात मरा क्षमनजाति सानारक करता स्था क्षमनजाति सानारक विद्या करता, रामन भानि पाम उद्देशन करता वारक।

स्तात खर्श्यात क्षर भान-भर्यामात स्मार भानुस्तत धर्मछावत्य मन्पूर्वतत्य स्वश्म करत त्या। खत्मक मित्नत छूशा वारात माभत्म क्षेकि वकतित्व रक्षता मित्न रा खवशात मृष्टि रश जात क्षरांश खत्मक र्ताम भाताख्यकछार्व भानुस्तत धर्मछावरक स्वश्म करत त्मा क्षर खर्श्यात खात स्मार। जार भूनताश तमूनान्नार (खा.) मावधान करत मिरा वनत्वन, 'धत्मश्च श्र भान-भर्यामात स्मार भानवस्त्रस्र श्रत्म करत जात धर्मछावर्क रात्ता प्रात्म माधाजिकताल विन्ष करत त्या, वकतित भात्मत भर्या मूटी क्षरां वार्ष श्रात्म करते उज्ज स्मार्थ वार्ष स्वरं करते उज्ज स्मार्थ वार्ष वार्ष करते उज्ज स्मार्थ वार्ष स्वरं करते उज्ज स्वरं वार्ष स्वरं करते हिंदी स्वरं करते उज्ज स्वरं वार्ष स्वरं करते हिंदी स्वरं करते उज्ज स्वरं वार्ष स्वरं करते हिंदी स्वरं हि

े धनवान लात्कितार धतात उँथ जिमाय मानूत्यत त्ररकाण मावि श्रीणि এवः नामावाम काण छाडात माजा प्रतमात कर्त प्रया मानूत्यत श्रीण मानूत्यत प्राण्णताध धतात जात प्रया मानूत्यत श्रीण मानूत्यत प्राण्णताध धतात जात प्रया मित्रा मुट्ट किला प्रया गारे विश्वमानवत्रमात्म अर्थ धनी लात्कितार त्रवाला निक्ष वर्ण केला है भनाम त्यायमा कत्र । तत्रवाला (जा.) अर्थ कथा पूर्व तावावात उर्त कण तक्म उपमा मित्रार्थ ना जामात्मत्र त्वावात्य क्रिण कर्त्वाद्य । त्यन धत्यत स्मात्य धनी लाक रहा त्रामावात्मत जामर्गतक उपा

हैं सालित श्रथम मर्ळत त्रीमाना रूळ त्रत ना पिछ। একদিন উপস্থিত त्राशितता त्रत्रुमान्नार (खा.)-क क्रिक्कित क्रतम्बन, 'हैशा तत्रुमान्नार! कान व्यक्ति खापनात है स्वितिहरू में स्वितिहरू स्वतिहरू स

নিকৃষ্ট।'

পুঁজিবাদের হীন স্বার্থ মানুষের সমাজ হতে জঘন্য পাশবিক উপায়ে উদ্ধার করে ধনী লোকেরা নিজেদের আপী সে আপ মনে করে। কিন্তু এই সমস্ত ধনী লোকেরা বুঝতে পারে না যে সুমাজের সহজ-ুসরল মানুষেরা কোনো দিন তাদের অন্তর হতে ক্ষীমা করবে না। একদিন তারা ধনীদের হীন প্রচেষ্টাকে চিরতরে বিশ্বসমান্ত হতে **छैपि** छि. यो कित्र कित আর আফালনই মানবসমাজের বুকে করুক না কেন, কিন্তু অবহেলিত মানবসমাজ সহক্ষেষ্ট বুঝতে পারে যে তারা সঁবাই কাগক্ষের বাঘ। এই সমস্ত কাগক্ষের বাঘদের भानवनभाके कालां हिन क्रमा कर्त्रा भारत ना। कल वसु अधना भलावृहिनम्भन्न रक्त পারলে এই সমুস্ত পুঁজিপতিরা রসুলাল্লাহ (আ.)-এর মহান অদির্শের উপর পুঁজিবাদের কিছুটা সমর্থন আছে বলে প্রচার চালায়। ক্তু বড় বেইমান হতে পারলে বিশ্বের সর্বপ্রের্ছ মানব রসুলাল্লাহ (আ.)-এর উপর পুঁজিবাদের সুমর্বনের বোঝা চাপিয়ে দেয়। অথচ ইসলাম ধনদাসদের জানাজা পড়া হারাম করে দিয়েছে। শুধু কি জানাজা পড়তে বারণ করেছে ইসলাম? ধনদাসদের পীড়াকালে সেবাটুকু পীর্যন্ত করতে কঠোরভাবে মানা করা হয়েছে। ধনদাসেরা রোগশয্যায় ছটফট কিঁরছে – করতে দাপ্ত – তারা জানোয়ারের চেয়ে অধম – তাদের জন্য অবর্হেলিত মানুষ করবে সেবা! অসম্ভব – ইসলাম বন্ত্রকঠিন কণ্ঠে ঘোষণা করছে। ইসলাম বলেছে, **অবহে** লিত সম্ভানেরা যেন ধনদাসদের সালাম না করে, সন্ধান না দেখায়, ইসলাম ঘোষণা क्तरष्ट, व्ह विस्थृत व्यवस्थित अनुना – क्षामास्मृत मुशानुता खन धनमामस्त्र मामाना সহানুর্ভূতি প্রদর্শন না করে। যদি ধনদাসদের সহানুত্তি ও সন্ধান তোমাদের সম্ভানদের প্রদর্শন করার প্রশ্রয় দান কর তবে মনে রেখ, তাদেরকেও ইসলামকে বিনাশ করার কাজে ধনদাসদের সাহায্যকারী ও সহায়করূপে ধরা হবে। কারণ, এই শ্রেণীর

ধনদাসেরা ইসলামকে বিনাশ করার ক্রুক্তে লিপ্ত থাকে।

वानार्त भर्य शति कतात वर्ष की? मानुस्वत श्रक्छ स्मिता छद्ध मानुस्वत भ्रम-मूर्तिभात श्रिण मानुस्वत ममान वाभ्रव पृष्टिक्षित्र श्रमान कता कि नाग्र-विष्ठात श्रवः वानार्त्त भर्य शति कतार कर्तार दावादाना रश्न निः तम्मानार (व्या.) वर्लाष्ट्रन, 'व्यातात कर्ता छारार भष्टक कर्ता, या निष्क्रत क्रना भष्टक कर्ता। छा रत्न छ्वि म्वटार्थ नाग्रातिष्ठातक रूळ भातवा। तमुनान्नार (व्या.) वर्लाष्ट्रन, 'मर्त्वाः कृति स्मित्त क्रिक्त कर्ता मानुस रूख भरति कर्ता कर्ता, मूछताः वृद्धि भरति क्रिक्त व्याप्ति भरति क्रिक्त व्याप्ति भरति व्याप्ति मानुस र्वात श्रिक्त व्याप्ति भरति व्याप्ति मानुस र्वात श्रिक्त व्याप्ति भरति व्याप्ति मानुस र्वात श्रिक्त कर्ता व्याप्ति विष्क्रस्त मुभुमञ्जा त्राता व्याप्ति व्याप्ति वर्षा वर्

ना, जा रत नुत्र दिश्चित व्यवस्था पूनिकी विज रूदा। विज्ञान प्रिक्त दिश्चित विक्रिक्त प्रित्याम या अधू ध्वारम् विज्ञिति रूदा। विज्ञान प्रित्य त्र प्राच्याम या अधू ध्वारम् विज्ञान विज्ञान विज्ञान विज्ञान विज्ञान प्राच्याम या अधू ध्वारम् विज्ञान विज

যাবে।'

तम्लालाष्ट (व्या.) तल्लाष्ट्रन, 'पूनिया ठातर तािं घत यात व्यात त्वालार तािं घत ति । वितः उं रा ठातर मन्नि यात व्यात त्वाला मन्नि तर । पूनियात मन्नि क्रमा कर्त विकास ति ने या पूर्व विवास वितास विवास विवास

क्या है मिलासित विधाल लहें? अहें क्र्नुसित विक्रफ्त तुर्थ में जिला कि क्रशम नय? त्रमूलालाह (व्या.) वरलष्ट्रन, 'यि क्रिंड डिम्नळत मर्स्य डाइन धतालात क्रिंड क्रिंमळत चर्या जाता क्रिंड क्रिंमळत चर्या जाता क्रिंड क्रिंमळत मर्स्य डाइन धतालात क्रिंड क्रिंमळत चर्या जाता व्यापाट हाला।' त्रमूलालाह (व्या.) वरलष्ट्रन या, 'क्रूनुमकातीत क्रुनुम वक्ष करा।' तामूललाह (व्या.) वरलष्ट्रन, 'व्यापाट व्यापाट क्रांड काल्मरक क्रूनुम व्यक्त वित्रक ना ताथ।' तमूलालाह (व्या.) वरलष्ट्रन, 'यिष्ट क्रांड वा मरलत मर्या क्रांड काल्म वा कर्ता कराता व्यापाट व्यापाट व्यापाट व्यापाट क्रांड क्रांड वा मला व्यापाट व्यापाट व्यापाट क्रांड व्यापाट क्रांड वा मला व्यापाट व्यापाट व्यापाट क्रांड वा मला व्यापाट व्याप

याता हैनेनासित अहै नेठाक वृत्यिश नीतित पर्नक्तित छूमिका भानन कतला छत कि छाता बान्नाहत प्रश्रमा नेठा श्रकार्त्या श्रष्ठात कतात ब्रोप्टिंग हक्ट वितर्छ तहेला? याता नेठा श्रष्ठात हक्ट वितर्छ तहेला छाप्ट्रत छम्बत गाम्रित कथा कि नानाछ भानन

कतात कथा वितामि वादात खाएरम २८० द्विम वटन नि?

যে শাসনব্যবস্থার ভেতুরে গোপনে লুকিয়ে থাকে অন্যায়, অবিচার, অসাম্য আর এই শাসনব্যবস্থার যে মুন্টিমেয় অসাধু ব্যক্তিদের দ্বারা পরিচালিত হয় তাদের এবং তাদের শাসনব্যবস্থা দেশ হতে চিরতরে মুছে ফেলার সম্পূর্ণ দায়িত্ব জনগণের। যে শাসনব্যবস্থা জনগণকে পাঁকে ফেলে চোর, ভাকাত আর প্রতারকে পরিণত হতে বাধ্য

सानवजात सता मश्नापूर्क हिनिता सानुत्यत मान राज ता ज्ञानारक जूल एस छिविज्यतात हिन्द्रा जा ज्ञानारक जूल एस छिविज्यतात हिन्द्रा जा कि नारक कि नारक कि नारक मिन्रा मार दि सत्तर सुकारिम। रूपास-मिनुत्क याता व्यासानज्जत व्यश्नीकात्त में राज त्काल जूल पुष्टिवामीएसत व्यश्निक्ष किता किता किता व्यासान व्यवस्था कि नारक ने जाता क्रमनीत सुत्थारम नतिभाष्ट – धन-मात्र धावसान कुकूत – जाएसत महाधित उपत रूपास-मिश्चत भवकृषित त्रामा कत, त्र सुकारिम। अपा क्रिराएम

স্থির।

र्रेमनािम गतियुक्त कातानिष्ठिक कात्रवानित वालाहना

कार्रानि भक्षत भनार पूर्ति विभित्र फिश्रा नर्रा, कार्रानिक्व निक्रत व्यक्तिक्व भनार उथा 'व्यक्ति'-क भिरित्र कार्रा कर्रा निक्रत 'व्यक्ति'-क कर्के क्रिक्त भार्रा उथा 'व्यक्ति'-क भिरित्र कर्के क्रिक्त 'व्यक्ति'-क कर्के क्रिक्त भार्रा कार्रा क्रिक्त व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति विक्त

तक्र-सार्त्र वालार धरण करतन ना। िति धरण करतन सानवसंतित 'ठाक श्यां व्यर्श सानवीय रेष्टा जात रेष्टात तरम सिलिस तिश्वा धवर ठाट करत सानवीय वासिट्य ठथा 'व्यासि'-त लाभ त्राधन करा। अतिठ श्वरक सत्वरत या शाम ठा उभला कि करात टिपा व्यर्श यादक वर्त्त सत्वरत व्याप्त स्ता व्याश्या, ठातर व्यन्तीलन रला दिवा क्षेत्र करात है पुर्थत विषय, व्याक्ष कार्त्व विश्वर त्राधात व्यव्याचित करति सार्त्र थावात उपमान करात व्यासता व्यक्तिया अल्वा श्वरा (त्रुभातिकिमियाल) रस्त उट्टा क्रिक्ट वार्ट्यत व्यक्ति सत्व करित वा। अत करता दिवा करात विद्या क्रिक्ट व्यक्ति वा। अत करता दिवा विद्या विद्

দাঁডিয়েছে।

লাইলাতুল কদরের সাথে কোরবানির রাতগুলোকে হাদিস শরিফে তুলনা করেছে। তাই কোরবানি সাধনা তাকেই বলে, যেখানে মনের কুয়াশারূপ আবরণ তথা দুনিয়ার (পৃথিবী নয়) মায়াটুকু ত্যাণের মাধ্যমে বিশ্বরবের সাথে নৈকট্য লাভ করা হয়। আমার 'আমি'-কে নফসের (ফ্যাকাল্টিস অ্যান্ড সেন্সেস) সিংহাসন হতে টেনে এনে কোরবানি করে দিতে হবৈ। তারপর নফসের সিংহাসনে বিশ্বরবকে 'আসুন, এই সিংহাসনে উপবেশন করুন', বলে আহ্বান জানাতে হবে। ইহাই কোরবানি। ইহাই নিজেকে ত্যাণের মাধ্যমে দুরে ফেলে দিয়ে বিশ্বরবের নৈকট্যের চরম প্রচেষ্টা। এই দশদিনের যে কোনো একটি দিনের ত্যাগ-সাধনা আল্লাহর পরে জ্বেছাদ করার চেয়ে আল্লাহর কাছে বেশি পছন্দনীয়। কারণ, ইহা হলোঁ নফসের

विक्रफ्तुः प्रशाष्ट्र। यात्क वना श्राः प्रशास व्याकवत् । হাদিস শরিফ অনুযায়ী চাঁদের প্রথম দশদিন হতে পগু জবাই করা পর্যন্ত কোরবানিকারীর দাঁড়ি চুল, ন্খ ইত্যাদি না কাটার আদেশ পালন করার উদ্দেশ্য কী? মন ত্যাণের মাধ্যমে নৈকট্যের বাসনায় উদগ্রীব হয়ে আছে তাই দুনিয়ার প্রতি তাকানো তো দূরের কথা, আপন দেহের সাধারণ যত্ন নেবার প্রতি মনৌযোগ দেবার অবকাশগু তার নেই। যদি এণ্ডলোর দিকে মনোযোগ দেয় তা হলে ত্যাণের মাধ্যমে নৈকট্যের পথে খানিকটা বাধা পড়বে এবং সেটুকু সময় নৈকট্যের বিপরীত দুনিয়ামুখী হবার ভয় রয়েছে। কেউ হয়তো মুনে করিতৈ পারেন নখ, চুল ইত্যাদি কীটা তো 'মোস্তাহাব' অর্থাৎ অবশ্য পালনীয় নয়। এরও কারণ অভিছে। এমন মহাপুরুষণ্ড থাকতে পারেন যিনি আমিত সম্পূর্ণরূপে ত্যাগ করে নৈকট্য লাভ করেছেন। যার ফলে সংসার-কাজে থাকুলেও মন তার উহা হতে নির্নিপ্ত থাকার শক্তি অর্জন করেছেন। ত্যাণের মাধ্যমে নৈকট্য লাভের তথা কোরবানি করতে না পারলে চুল, নখ ইত্যাদি না কাটার কোনোই অর্থ থাকতে পারে না। আসল বিষয় ছেড়ে দিয়ে অন্ধ অনুকরণ করলে অনেক সময় হিতে বিপুরীত হয়ে দাঁড়ায়। দুনিয়ার দিকে ষোলআনা নজेর রেখে ভূধু ন্খ-চুল না কাটার কী তাৎপর্য হতে পারেঁ? তাই দেখা যায়, ত্যাণের মাধ্যমে নৈকট্যৈর ভাব ক্ষুণ্ণ না হবার জন্যই এসব কাজে মনোযোগ দিতে বারণ করা হয়েছে।

रुबर वार्ष प्राताश्वता (ता.) रूक वर्षिक रखर या, तत्रुवाल्लार (वा.) वर्ताष्ट्रंब, 'त्राप्तरेषे शाका त्रद्धेश या वर्षि रकातवानि केतरला ना, या यान व्याप्तात त्रिष्णार्द्धेत काष्ट्रश्च ना व्यार्थ्ना (व्यादू पाउँष, इवर्त भाका)।

অর্থাৎ সে কি কোরবানিকে দুরাকাত নামাজ মনে করেছে? সে কি কোরবানির মূল্য দু'রাকাত নামাজ বুঝতে চায়? না, কোরবানি এত তুচ্ছ নুয়। কোরবানি দু' রাকাত নামাজন্ত নয় এবং পশু-হত্যান্ত নয়। এই হাদিস হতে স্পষ্ট বোঝা যায় যে, পশু-জবাই করাকে রসুলাল্লাহ (আ.) কোরবানি বলে মোটেই শ্বীকার কুরেন নি। यिष ऋवार कतात्क त्कीत्रवीनि वेल श्रीकृष्ठि फिट्छन छा रूल त्कन त्कात्रवानिकातीत्क क्रिवन देमगार यावात অनुभिन्न किटम्प्टने? यथष्ठ उथला ऋवार काळ जात कता रय নি। তা ছাড়া পশু-জবাই করা ঈদের নামাজের আগে করতে রসুলাল্লাহ (আ.) বার্ণ করেছেন্। এর দারা কি স্পর্ট প্রমাণিত হচ্ছে না যে, পশুকে জ্বাই করা মোটেই কোরবানি নয়?

হাদিস শরিফে এই দশ দিনের রোজা রাখার ফজিলত বর্ণনা করতে গিয়ে বলেছেন যে, এক দিনের রোজা রাখা একটি বছরের রোজা রাখার সমত্ল্য। কারণ, ইহা ত্যাণের মাধ্যমে বিশ্বরবের নৈকট্য লাভের প্রচেষ্টা। এই নৈকট্য লাভৈর রহস্যই বিশ্বরবের প্রধান উদ্দেশ্য। এই জন্যুই তিনি মানবকে দুনিয়া দিয়ে তৈরি করেছেন। তিনি দেখতে চান যে মানব কি তাঁর দুনিয়া নিয়েই থাকে, না দুনিয়া ত্যাগ করে তার নৈকট্য কামনা করে। এই সীমিত ইচ্ছাশক্তি মানবকে তিনিই সীমিত সময়ের क्रवा फिराएका। भुगु-घँछवात साधारम अर्थे श्रीमिण रेष्णागिक जिति विद्य त्वव। अथव কুখা হুলো, দুশ দিনৈর জন্য দুনিয়া ত্যাণু করার চেষ্টা করতে গেলে দিন-মজুরের উপর নির্ভরশীল সম্ভানদের ভয়িঙ্কর কণ্টের কারণ হতে পারে। আবার পক্ষীম্ভরে কোরবানি করা অবশ্য পালনীয়। এ কী রকম কথা? পার্খিব সম্পদের সমান

বর্টনব্যবস্থা হলে, তথা সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠিত হলে, গরিবের কোরবানি না করার প্রশ্ন গ্রহাই অবান্তর, সুতরাং অবশ্য পালনীয় আদেশ। যাতে বিশ্বসংসার ঠিকু থাকে তারই জন্য বহুবার বই রকমে মানবকে সাম্য প্রতিষ্ঠা করতে আবেদন জানিয়েছেন এবং সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠার তরে যাুরা যারা বাধা প্রদান করতে চাইবে তাদেরকে অসংকার্য করছে বলে অত্যাচারী বলেছেন। মানবের মানবতার সম্বলটুকু ছিনিয়ে নিতে যারা চায়, তারা তো অসংকার্যু করার প্রধান উপদেষ্টা, তারা তাৈ জঘন্য অত্যাচারী, মানুষ খুন করার উগ্র আর্সেনিক। মানবতাকে একেবারে খুন না করে এই অসং কার্য ক্রার প্রধান উপদেষ্টাগণ মানবতা খুন ক্রার অসহায় করুণ অবৃষ্টা मानवनमास्त्र रेजीत करत तारथ। ठार्र अर्रे त्रव खळी हातीत मनक त्रमुल उंश्नािएँठ করার আদেশ দান করা হয়েছে। কারণ, এরা মানবরূপী কালসাপ, জাত কেউটে। কালসাপকে রাখতে নেই। সুযোগ পেলেই এরা ফণা তুলে ছোবল মেরে বসে। তাই তো রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'যেখানে যে অবস্থায় পাগু, তরবারির আঘাতু क्ता' तेत्रुमाल्लार (व्या.) वरमध्यन, 'स्मिकारम अभने त्याक व्याप्रत यासित वापी निविप्तत भेळों रख् बर्वः याप्तत काळ वाएवत भळा रिश्त्र रख।' तत्रुनान्नार (खा.) तत्तिष्टन, 'यथन পृथितीत्र काता भाभ काक कता रहा, त्य ठा फ्रंस नाँर किंद्र ठा শুনে খুশি থাকে, সৈ ঐ ব্যক্তির মতো যে তা দেখেছে। রসুলাল্রাহ (আ.) বলেছেন, 'যদি কোনো সম্প্রদায়ের কোনো লোক পাপ করতে থাকে এবং ক্ষমতা থাকা সত্ত্বেগু তারা তাকে পাপ কান্ধ হতে নিবারণ না করে, আল্লান্থ তাদের মৃত্যুর আগেই তাদের সকলকে তার জ্ন্য শাস্তি দেবেন। (আবু দাউদ এবং ইবলে মাজা)।

রসুলালাহ (আ.) বলৈছেন, 'জনসাধারণের নেতার বিশ্বাসঘাতকতার চেয়ে আর অত বড় বিশ্বাসঘাতকতা নেই। তার নিশান তার পায়খানার রাস্তা দিয়ে টুকিয়ে

দেগুয়া হবে।' (তিরমিজি শরিফ)।

রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন, 'নিশ্চয়ই আল্লাহ ব্যক্তিবিশেষের পাপের জন্য জনসাধারণকে শাস্তি দেন না। কিন্তু যখন তারা তাদের চোখের সামনে অন্যায় কাজ হতে দেখে এবং তাদের ক্ষমতা থাকা সত্ত্বেগু তারা তা নিবারণ না করে, তখন আল্লাহ ব্যক্তিবিশেষকে গু জনসাধারণকে শাস্তি দেন।' (শরহে সুন্নত)।

तेत्रुलालार (আ.) तेट्लिप्टन, 'क्रिनितल तेलिन, व्यापनात उन्नाटन साट्य এता असन धर्म उपल्ला माने नित्र याता या तेल्या जा कत्या ना अतः मज्जद्र छापा मित्र द्वातान-अत व्यासाठ पाठ करत छनाया।' (ताइराकि)। याचाद्र मास्रित श्रद्धाक्रन म्हिन कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा विद्या कर्मणा दिशाद्र कर्मणा विद्या कर्मणा दिशाद्र कर्मणा दिशाद्र कर्मणा विद्या कर्मणा दिशाद्र कर्मणा विद्या विद्या कर्मणा विद्या कर्या कर्मणा विद्या

कक्रमा यान धर्संत नास्म क्षामारम्बरक অভিত্বত ना करत। (कातान ५८:५)।

तिमुनालार (वा.) वर्लाष्ट्रन, 'यि सानवेठात छए। विक्रिंग प्रमास संस्थित स्थान विक्रण।' (सामरालस मित्रक)। तमुनालार (वा.) वर्णाष्ट्रन, 'सानवेणात छप अर्थ करा। कर्णात्रणा अवर व्यम्नीनेणा वर्षने करा।' (सामरालस मित्रक)। तमुनालार (वा.) वर्णाष्ट्रन, 'वालार रेट्य मित्रक)। तमुनालार (वा.) वर्णाष्ट्रन, 'या व्यण्णाणात करत व्यव्हाण स्थान करता।' (किसिन्धि मित्रक)। तमुनालार (वा.) वर्णाष्ट्रन, 'या व्यण्णाणात करत व्यव्हाण स्थान करता। विण्यात करता वर्णात करता करा व्याप्त सामरालस मित्रक)। तमुनालार (व्या.) वर्णाष्ट्रन, 'या सानवेणात छप रेट्य विक्रण प्रमुनिया। अवर व्याप्त त्यात्र अन्त रेट्य विक्रण।' (मतर मुन्तेण)। तमुनालार (व्या.) वर्णाष्ट्रन, 'या व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणाती करता कर्णाणातीर्ति व्यण्णाणाती करता कर्णाणातीर्ति व्यण्णाणाती करता कर्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्य व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्ति व्यण्णाणातीर्याणातीर्य व्यण्णाणातीर्याणाणातीर्य व्यण्णाणाणातीर्य व्यण्णाणाणातीर्य व्यण्णाणाणातीर्य व्यण्णाणाणातीर्य व्यण्णाणाणात्य व्यण्णा

'তোমাদের মাঝে কেন্স্ট যে পর্যন্ত নিজের জন্য যা ভালো মনে করে পরের জন্যপ্ত তা ভালো মনে না করবে, সেই পূর্যন্ত সে ইমানদার হতে পারবে না। (বোখারি শ্রিফ্), আল্লান্ বলেছেন, 'এই পৃথিবী আমি প্রসারিত করেছি সকল সৃষ্ট জীবের

क्रवा।'(काद्वीव)।

यासात निष्मत स्रीवनक पूक्त कर्त पितिणानना कतात यण्णूक हैण्णा करात ज्याप्त क्रिक्त क्रीवनक पूक्त कर्त क्रिक्त व्याप्त व्याप्त करा क्रिक्त क्रि

নি, আমাতে আর উট-চালকের তথাকথিত অনেক প্রভেদ।

व्याभि व्याभात भट्टा अर्कांट भानुषक्त छट्टा निट्ट शांति ना। अर्कांट भानुषक्त আমার মতো ভাবতে ঘূণা জাগে। অবৈজ্ঞার সুরে আমার দেহ-মন কেঁপে ৪ঠে। উখন ळा बामात रंत्रनामि विधान रूळ अत्कवाद्य रातित्य कनता। बामात्क रमान আনি নি বলে দেবে। ইমান তো ইসলামের ভিন্তি। ইমান না থাকলে আমি তো প্রস্থান্ত তা দেখছি, মানুষের বাঁচার দাবিতে সকলে সমান। আমার মতো <u> व्यन्तरक छावळ भात्रत्वा ना वत्नै व्याभात्क अठ वर्षु भाष्ट्रि! नाभाक्र-त्वाका ना क्रत्रत्नश्र</u> তा वाभात त्मर प्रश्न देभानत्क नित्य छान प्रष्ठिया द्या नि, कि भ्र भानूत्यत वाछात फाविक्ट सानुसरक् निक्रत सक्टा ना ভावल खासात रैसान नित्र छोनाछोनि कता रस। আমার ভিন্তি কেঁপে ৪ঠে। এ যে ভীষণ শাস্তি! কঠোর আঘাত। তারপর? স্পর্ট করে वनटनन सानुरसत नौव। वर्षक्रिसानिकानात खोर्छमाथ २८७ त्रावधान कर्त्व फिटनन। মালিকানার অর্থই হলো ভোগ ও অপচয়ের জঘুন্য সর্বময় অধিকার। পুঁজিবাদীরা मानुस्पत व्यक्तिगठ मानिकाना भीकात करत। ठार बाल्लार्त मुम्मम मञ्जूमे ३ जमा করীকে কোরান-এ কঠোরভাবে নিন্দা করেছে। শ্বীর্থবাদ্যীর দুলু যীতে আর ফতোয়ার আঘাতে ুমানবের রক্তকণিকায় ব্যাক্তিমালিকানার বিষ মিশিয়ে দিতে না পারে তারই জন্য নবিজি সহজ-সরল ভাষায় বলেছেন, 'আগুন, পানি, খাদ্দেব্য এবং পোশাক-পরিচ্ছদের উপর রয়েছে প্রত্যেক মানুষের সমান অধিকার। এবং সেই অধিকার দেগুয়া হয়েছে বলেই তো কোরবানিকে করা হয়েছে অবশ্য কর্তব্য।

सानुस्त राँ। हात पारित उपत व्यर्गार शिखा-पत पार्थित जीवन पतिहासना कतात तिसास सानुस्त उपतास जीवन प्रस्ता व्याप्त वापता विप्राद्ध। पार्थित प्रम्मापत उपत कर्णात वापता विप्राद्ध। पार्थित प्रम्मापत उपता कर्णात वापता वापता विधाद दिया कर्णात वापता विद्यात विधाद दिया कर्णात प्रार्थित प्रम्मापत पार्थित प्रम्मापत प्रार्थित प्रमाद विद्यात वापता विद्यात वापता वाणता वा

रेंजिराटम खन्य स्थाउ श्रवाहिত रहेजा।

মানুষ আঁজ ক্ষুধার অগ্নিতে জলছে। তাই তার বিবেক প্রথমে ছুটে চলে ক্ষুধার অগ্নিকে নিভাতে। সমাধানের বহু নীতি প্রচারিত হয়। বিবেক তখন সত্যতে আশ্রয় নিতে চায় না। ইহা একান্ত স্বাভাবিক। সত্যের যে সুর বাজে সে সুর বিবেক সেতুকে পেরিয়ে যেতে পারে না। যদি এই পার্ষিব অসাম্য অনেকদিন বিরাজ করে তবে ক্ষুধার অগ্নিদাহ নিভানোর কর্তব্যই হবে মানুষের নিকট সব চাইতে বড় সত্য। সুন্টার নৈকট্যের কথা তখন বললে মানুষ হাসবৈ। বেশি চাপ দিলে অশ্বীকার করে বসবে। না হলে বলবে, ধর্ম ব্যক্তিগত ব্যাপার। অনেকে বলবে অপ্রয়োজনীয়। কারণ, মানুষের ভাবধারায় শুধু একটি ভাবনা, এই ক্ষুধার অগ্নিদাহ কা করে চিরতরে নিভানো যায়।

ইজন বা ধর্তব্য মতিবাদ হিসেবে বস্তুবাদকে ইসলামে মোটেই অগ্রাহ্য করা হয় নি। বরং বস্তুবাদ নিয়ন্ত্রণ ইসলামের দৃষ্টিতে কোন পথে গ্রহণযোগ্য এবং কোন পথে পরিত্যাজ্য তা কোরান-এর প্রায় সর্বগ্রই আলোচিত হয়েছে, যেহেতু ইহাই সংসারজীবনে স্বচেয়ে বড়ু পরীক্ষা ক্ষেত্র। রাতারাতি বর্ণটন-সাম্য প্রতিষ্ঠা

কোনোকালেই কোনো দেশের পক্ষে মোটেই সম্ভবপর নয়।

আল্লাহকে পাবার পথে ধন-সম্পদ কঠোর প্রতিবন্ধক। সুম্পন্ন ব্যক্তিগণের পক্ষে আল্লাহ ও পরকালে অবিশ্বাস স্থাপন করাই স্থাভাবিক গতি ইয়ে দাঁড়ায়ু বলে পুঁর্জিবাদ তথা ধনবাদকে ইসলাম সবচেয়ে বেশি ঘূণা করেছে। ইসুলাম ক্রীতদাস श्रेयों क व्यनुगर वर्ष धार्या कर्त्रुष्ट। क्रीं छमात्र-सूकि विस्थय अकिए पूर्वात क्राक तत्न পরিগণিত হয়েছে অথচ প্রচলিত দাসপ্রথাকে সঙ্গে সঙ্গে উচ্ছেদ করা হয় নি। রসুলাল্রাহ (আ.)-এর সময়ে মদিনা রাষ্ট্রে তখনো দাসপ্রথা প্রচলিতই ছিল। ঠিক সে রকমভাবে সমবর্ণটন হবার দিকে সকল প্রকার ব্যবস্থাই করা হলো। অনেক রকম व्याप्तम-नित्यं त्रुनिर्धातिञ कत्त्र ताथा श्टला। किष्ठ व्रष्ट्रानञ्जत्राक्षात्क अत्कवात्त তুলে দেবার কার্জ্ব সঙ্গে করা হলো না। রসুলাল্লাহ (আ.)-এর সময় মদিনাতে সীম্য শ্বীকৃত ছিল এবং যথাসম্ভব প্রতিষ্ঠিত ছিল। অবৃশ্য উহা ছিল সেই যুগের উপযোগী এক প্রকার ব্যবস্থা। এই প্রয়োগব্যবস্থা পরিবর্তন করা যেতে পারে, অূর্বাৎ ব্যবস্থা করার পদ্ধতি অনেক রক্ষ হতে পারে সময় গু যুগের ধারা উপযোগী, কিষ্ট বুণ্টন বিষয়ক সাম্যু গু ন্যায়নীতির মূল কথা কখনোই পরিবর্তন করা চলবে না। ইহার নিয়ন্ত্রণ সামাজিক প্রয়োজন অনুসারে জনকল্যাণুকর ব্যবস্থার জন্য যে কোনো फिक्त निर्ह्म खट्ट भा**तर्त, ठाट्ट है** नेनासित कालाहै त्रफ्तफ्न वा ना**छ-**लाकभान নাই। কারণ, ইসলামের আসল রূপটির প্রকৃত পরিচয় ইহার বহু উর্ধে। সুষ্টা এবং मृष्टित तर्द्रा जावृत प्रभनीनात विकान्भग्न भिनलत চ्तुम जानक जातू जात्ममूमर्गन रेला वर উर्ध्वत रैत्रनाम। वितरी श्रिमिक অচফन पृষ्टिक्ट भत्म श्रिमिकत मिनन বাসনায় উদ্প্রীব। দুইয়ের আকাঙ্কিত মিলনে দুই নেয় তখন বিদায়। আঅপ্রকাশ করে তোহিদ। দুনিয়ার কুয়াশা ছুটে যায়। তাওত তখন সম্পূর্ণ ভেঙে পড়ে। সৃষ্টি ও সুষ্টা তখন একসূত্রে গাঁখা এবং সব কিছু আয়াতরূপে দৃশ্যমান হয়। কিছু আপসোস। वैभाजत अयम र्त्रिंडिक अथला व्यथाल था ताथक शाल शिष्टनित्य थक याय, সেখানে পরের সিড়িগুলোর কথা আলোচনা করা?

অনেকের চিন্তাধারায় একটি ধারণা বদ্ধমূল হয়ে আছে যে, রসুলাল্লাহ (আ.)-এর সময়ে অর্থাৎ সেই যুগে মদিনাতে যে অর্থনীতি চালু ছিল তার কৌনোই পরিবর্তন ইসলামি রাষ্ট্রে করা চলবে না। ইহা একটি মারাত্মক ভুল এবং পাগলামি কথা ছাড়া व्यात किष्ट्रहें नग्न। भतम्भत मृतिष्ठात ३ न्यायम् ४० व्याष्ठतम कतात विषय हेमलास क्रात जानिए तयात्रा अहे नीजिक त्याप्ट्रीय मन्मर वर्णत्नत व्याभावत मायात व्याप्ट्रमें अविश्व के नीजिक त्याप्ट्रीय मन्मर वर्णत्नत व्याप्ट्रात भारति व्याप्ट्रात व्याप्ट्रमें अवश्व व्याप्ट्रमें अवश्व व्याप्ट्रमें व्याप्ट्रमें व्याप्ट्रमें व्याप्ट्रमें विकास है मान हिंद्रा विकास व्याप्ट्रमें विवास विवास व्याप्ट्रमें विवास व्याप्ट्रमें विवास विवास

কোরানভিত্তিক জাকাত গু সালাতের আলোচনা

সামাজিক ৪ অর্থনৈতিক বিবর্তনের তথা ক্রমবিকাশের সাথে উৎপাদনের পদ্ধতি এবং বর্ণ্টনব্যবস্থার প্রয়োগ অবশ্যই পরিবর্তন করতে হবে। কিন্তু অভ্যন্তরীণ মূলনীতি সাম্যবাদ অক্ষুণ্ন রাখতেই হবে। যেমন ধরুন প্রকৃত জাকাতের নামকর্ণ করে 'জাকুত' নামক রাষ্ট্রীয় কর। প্রকৃত জাকাতের সংজ্ঞা কখনই 'জাকাত' নামুক कर्रापैत ভाव कातानं-ध वश्न क्रेट भाद ना। कात्रम, कातान श्ला भुननीिए। সেই জন্মই 'জাকাত' নামক করটিকে হাদিসে জাকাতু শব্দে ব্যবহার করা হয় নি। হাদিস পড়ার সময় লক্ষ্য করবেন 'জাকাত' নামক করটির ভাব যখনই বহন করছে उंथनरें डेंगरक 'त्राप्तका' नामकत्वप कता रखिष्ट। गठकता व्याड़ारें होकात त्राप्तकात জাকাত' নামক কর আর কোরান-এর জাকাত কখনোই এক ভাব বহন করুতে পারে না। যেমন ধরুন ইফতারের কথা ধুরা যাক। প্রকৃত ইফুতার এবং আনুষ্ঠানিক ইফুতার ক্খনোই এক হতে পারে না। কিন্তু আমুরা আনুষ্ঠানিক ইফতারের সঙ্গেই পরিচিত। ইফতার বলতে আমরা রোজা রেখে নির্দিষ্ট সময়ে বিভিন্ন খাদ্যসাম্প্রী দিয়ে উপবাসরত ভাঙা বুঝি। ব্রোজা ভাঙা হাকিকতে ভুল, তাই উপবাসরত ভাঙা ্লিখলাম। ক্রিম্ব প্রকৃত ইফীতার উপবাস ভাঙার খাদ্যসামুখ্রী দ্রোটেই নয়। তবৈ প্রকৃত ইফতার কী? মারেফতের গোপুন কুখা বইতে বিষয়টি অপ্রাসঙ্গিক ইলেও অনেকণ্ডলো হাদিস হতে মাত্র একটি হাদিস তুলে ছিলাম। রসুলাল্লাহ (আ.) বলেছেন या, 'आल्लार तरल्ट्सन, आसात निक्र नित्र সবচেয়ে তাড়াতাড়ি ইফতার করে। এখন আপনারাই বলুন, এই ইফতার কি ভালের ফুলুরি খাবার তাড়াহড়া করা?

সময়টুকু তার জ্বন্য কর্মতুৎপর থাকার দরকার হয় না।

জীকীত নামক রাষ্ট্রীয় খাজনাকেই যদি কোরান-এ 'জাকাত' বলা হতো তা হলে গরিব জনসাধারণ জাকাত-দানের মহাকল্যাণ হতে সম্পূর্ণরূপে বঞ্চিত হয়ে পড়ে। শুধু তাই নয়, আত্মগানির শান ছায়ায় নিমজ্জিত হয়ে পড়ে। তা ছাড়া ইসলামের সাম্যবাদের আদুর্শ প্রতিষ্ঠিত হলে শতকরা আভাই ভাগ জাকাত দানের কথা তো

সৈই যুগে ইসলামি রাড্রে নিঃসম্বল দ্রিদ্বের সাহায্যের জন্য 'সাহেবে নেসাব'-এর উপর অধীৎ নির্দিষ্ট পরিমাণ সম্পদশালী ব্যক্তির উপর তার উদ্বন্ত আয়ের শতকার আড়াই ভাগ বাধ্যতামূলক কররূপে ধার্য করা হতো। এই খাজনার নামকরণ করা হয়েছিল জাকাত। কোরান-এর জাকাত অর্থ এই কর অথবা এই পরিমাণ দান করা

नग्न ।

সালাতের সঙ্গে বেশিরভাগ জাকাতের কথা একত্রে দেখা যায়। তার কারণ, সালাত করতে চাইলেই অর্থাৎ আল্লাহর সঙ্গে সংযোগের চেন্টা করতে গেলেই নিজের য্থাসর্বস্ব উৎসর্গ করার প্রশ্ন আসে। পক্ষান্তরে নিজের যথাসর্বস্ব সাময়িকভাবে আকড়িয়ে ধরে থাকতে গেলে আল্লাহতে মনোযোগ দেগুয়া সম্ভব হতে পারে না। এই জন্য সালাত ক্রতে গেলেই জাকাতের কথা এসে পড়ে এবং জাকাত দিতে চাইলে

সালাত করতেই হবে। উভয়ে পরক্ষর অঙ্গান্ধী।

त्रानाण अकृषि ज्येश्व त्रःर्याण श्रक्ति। देश त्रमय द्वाता थिछण नय। यिषठ त्राण्ठात जानूं निक त्रानाण त्रानाण त्राना करात त्रायुं निक तिथान मित्रयण त्राण्ण ह्रायुं क्रियान त्रानाण त्रानाण त्रानाण कर्मा कर्म कर्मा कर्म

विश्वसानवनसारक नासावारमत वामर्ग श्रीठिका लाख केत्ररू भारत।

मानाटात मार्य काकाउ किछ्उ। मुठा मार्य किउ वि अवः भार्षित मन्म काकाउ करा वार्या व

এখন আমরা সেই 'জাকাত' নামক করটি নিয়ে আলোচনা করবো। জাকাত এবং 'জাকাত' নামক কর এই দুটোর পার্যক্য এখন সহজেই বোঝা যাবে। ধরুন, बक्रा च्रव वर् काराक्षत नाम ताचा रता पाकिमान। जा रत पाकिमान बवः पाकिमान-नामक काराक पूर्ण कि बक्र विषय पादन? ना, पादन ना। कार्य, पूर्णात नाम अक रत्न पूर्ण अक किनिम नय। अर्थ 'काकार्य' नामक कर्ति तमुनानार (वा.) वान कर्तिष्ट्रत मिर्टिंग अक किनिम नय। अर्थ 'काकार्य' नामक कर्ति तम्म कर्ति। यचन मामावाप तोर्ष्म अठिकेच रत्व उचन 'काकार्य' नामक करि व्यात शांक ना। छरा व्यापना रार्ष्म अठिकेच रत्व उचन 'काकार्य' नामक करिए व्यात शांक ना। छरा व्यापना रार्ष्म करिए याय। किर्णात केपत ब्रीत मामावाप राज्य करिकारत करा कारा वात्र करिए पाय। किर्णात करिष्म वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य करिष्म मामावाप मामावाप रार्य वार्य वार्

मूननीं रिं रिंदा छेथू पूर्ववर्गी एत श्रद्धागवाव हा व्यक्तत मेळा व्यन्तव करता क्रिया छेथा है प्रमासित व्यनुमत्र ना हरा व्यत्नक रक्तव विक्रफा एत प्रतिक काल करता है प्रमासित व्यनुमत्र ना हरा व्यत्नक रक्तव विक्रफा एत प्रतिक काल करता है प्रमासित मूननीं जित भिति एता व्यक्तवाद श्रद्धा विक्र भिति विक्रित में स्वाक विक्र प्रतिक विक्र प्रमासित क्रिया काल करता है कि विक्र प्राप्त काल करता काल करता विक्र प्राप्त काल करता विक्र प्राप्त काल करता विक्र प्रतिक विक्र विक्र

হয়ে গেছে।

ইসলামের প্রথম যুগে ছিল একীয়ভাবে পরিবারকৈন্দ্রিক সমাজ। পিতা-মাতাই ছিলেন এক-একটি পরিবারের প্রধান উপদেষ্টা এবং চালক। তারা ভক্তির পাত্র গুরুজনরূপে বিরাজ করতেন। তারা অভিজ্ঞ চালক এবং যোগ্য উপদেষ্টা এবং তার সাথে পারিবারিক আয়-ব্যয়ের অধিকারীপ্ত তারাই হতেন। তাদের মৃত্যু হলে তাদের অধিকারভুক্ত সম্পত্তির বর্তনব্যবস্থা অবশ্যই থাকতে হবে। মৃতব্যক্তির পরিত্যক্ত সম্পদ্ বর্তনব্যবস্থার কথা কোরান শরিকে উল্লেখ করা হয়েছে। এর দ্বারা একথা বোঝায় না যে, ব্যক্তিমালিকানা রাখতেই হবে। দাসপ্রথার শ্বীকৃতি কোরান-এর কোথাপ্ত

লেই, বরং দাসপ্রথা উচ্ছেদ করার আহ্বান কত সুন্দর করেই না বলা হয়েছে। কিষ্ক সেই যুগের সেই অবস্থাতে দাসপ্রথা রয়ে গেল্ট এর দ্বারা একথা বোঝায় না যে, দাসপ্রথা রীখতেই হবে। কোরান যেমন মৃতব্যক্তির সম্পত্তির বণ্ট্রনত্যবস্থা প্রদান করেছে, আবার তার সঙ্গে সাম্যের অজ্সু বাণীপ্র প্রচার ক্রেছে। 'পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আল্লাহ তোমাদের মঙ্গলের জন্যই সৃষ্টি করেছেন'। (২:২৯)। তাই আমর্রা দেখতে পাই, সেই যুগে সেই পরিবেশে যদিও সাম্ভের রোলার চালানো হয় নি, কিছু त्रात्मात्र फिट्न धार्विके ख्वात त्रावधानवाधी ७ उपस्टिमत् द्वालात कम छालात्ना ख्य নি। আমুরা খোৎবাতে গুনে আসছি : আসসুলতানু জিলুলাহ। আল্লাহ যেখানে সোজাসুজি মানুষের রাজ্যু সেখানে সুলতানের অষ্টিত্ব কৌথায়ঁ? 'সুলতানূ' কেমুন করে व्यान्नार्वे श्रारा रेला अष्टा वित्मेषञ्जेत वृत्य ज्ञवात्रे श्रद्धाञ्चन व्योष्ट्रे। हैत्रनामि तार्ष्ट्रे त्रुन्छाने छिनि यात्क व्यान्नार ७ जांत तेत्रुन कर्जूकृत व्यात्रता वित्रिखण्डन जांत्रते श्रीठिनिधिक्त्र्यु। 'त्रुन्छान' वर्ष रला ऋष्ठ्यात व्याधिकाती । अर ऋषछा ऋाष्ट्रत् ७ বাতেনের মিলিত ক্ষমতা। এরূপ সুলতান নিজের ইচ্ছায় রাষ্ট্রের চালকরূপে অধিষ্ঠিত নুন। আপসোস, সুলতান শব্দটির অপপ্রয়োগ করে আতাকেন্দ্রিক দুনিয়াদার রাজাগণ নিজেদের শাসনব্টবস্থা কায়েম রাখার জন্য খোৎবার মধ্যে মসজিদ ঘরে আমাদেরকে তাদের পক্ষে এই নেশা পান করিয়ে ভুলিয়ে রেখেছে। এই ভুলের নেশায় আর कछकान व्याभता भाजान शाकरवा? श्वनींकछ द्धार्थ यावात भत्रे श्रीनंका नामधाती রাজারা কোনো আলেমকে স্বাধীনভাবে খোৎবা পাঠ ৪ প্রচার করতে দেয় নি। তাই সত্যিকার আলেম প্রায়ই নির্যাতিত ৪ নিহত হয়েছে এই সমস্ত খলিফা নামধারী রাজাদের হাতে। খেলাফত ভেঙে যাবার পর হতে আজ পর্যন্ত মুসলিম জাহান রাজতন্ত্রের এই কালিমা বহন করে চলছে। শাসকগণ তথাক্ষিত কাঁচ আলেমদের সমর্বনের সাহায্য নিয়ে স্বেচ্ছাচারিতা কায়েম করে চলেছে।

मुनिस तार्ष्ट्रित गाननछात अर्थ कता अकि वान्मितिस्म। अशाल ना वाष्ट्रि वासिए क्रुंगला कर्न् वात ना वाष्ट्र वात का वाष्ट्र वात ना कर्म क्रुंगला कर्न् वात ना वाष्ट्र वात का क्रिंगला क्रुंगला कर्म वात ना वाष्ट्र वात ना वात ना वात ना वात क्रिंगला क्रिंगला। अर्थ क्रिंगणा वासिए अणिकात निर्वे वात वात वात क्रिंगणा अर्थ क्रिंगणा वासिए अर्थ क्रिंगला क्रिंगणा क्रिंगला क्रिंगला क्रिंगला क्रिंगला वात क्रिंगला क्रिंगला क्रिंगला वात क्रिंगला क्रिंगला क्रिंगला वात क्रिंगला वात क्रिंगला क्रिंग

व्यञ्चतन छें भनक भाव।

रक्रत्रेण मार्किक वनिश्च (ता.) सूमिनस तार्ष्ट्रित ताष्ट्रियधानत या क्रम्भान छक्रपूर्ण पारिक जा वर्णना करिएन। जिन सूमिनस तार्ष्ट्रित ताष्ट्रियधानक निन्नानात उपमे परिवाद है। जिन वर्णा मुर्गक्ष तार्ष्ट्रित ताष्ट्रियधानक निन्नानात उपमे विस्त ना रखा महासक द्वागकी वापू सिमिन भा पूर्णक्ष सहा भानि रहा, ज्राव प्रारं वर्णनात भानि वर्णनाती निन्नाना जा वर्ण कर्ता प्राप्त त्व क्रम्भान तार्ष्ट्रित ताष्ट्रियधान यि सक्ष अवश्व (सप्ता जाति रहा जा राष्ट्र महासक द्वार्थित स्वा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त वर्णा वर्ण विभवभासी ताष्ट्रियधानक 'याचान या व्यवसार भावशा याति प्रभाव प्रस्त वर्णा वर्णा कर्तात व्याप्त प्रभाव या वर्णा वर्णा वर्णा कर्तात वर्णा कर्तात वर्णा हिमान अस्मान अस्मान अस्मान वर्णा वर्णा कर्तात वर्णा वर्

প্রতিনিধিরপেই বস্কুজগতে হস্ত সঞ্চালন করে থাকেন। তিনি নিজেকে উহার
মালিক মনে করে অংশীবাদীরপে পরিগণিত করতে রাজি নন। যদিও আদর্শকে লক্ষ্য
করেই ধর্মীয় বিধান রচনা করা হয়ে থাকে, তথাপি পরিণামে আদর্শবাদ ও বাস্তব
নিয়ন্ত্রণ সমাজে একরপে থাকতে পারছে না। মূলের দিকে লক্ষ্য রেখে বুঝতে চেডা না

করলেই চিন্তার গোলযোগ এবং মতভেদের উদিয় হয়ে থাকে।

हैं नासित छैं भत विक्रं वेडाशा फिवात कात्रण वाल्लाह्त दिस्क क्यां िंछ वासाफित निक्रं विक्रं वाकादि सल धात्र कदा वाल्ला यादि वासता दिस्क विद्या वालाद सल धात्र कदा वाल्ला है दिस्क वाल्ला है दिस्क विद्या करा है दिस्क विद्या वालाह है दिस्क वालाह ह

अक्टि त्राधात्रण मान।

नक्तर यथन वालन (थरानथूनि मट्टा उं९्लाएन वा उंलार्डन कृत्व तित उथन रिमिट्ट वालार्ड (व्यक्तर वार्ड वेला यात ना। वालार्ड व्यथ्छ प्रीत अतम कर्ड अगुम्हात वालार्ड ध्वाविल रट्ट निर्णट वम्र वाला वालार्ड व्याविल रट्ट निर्णट वम्र वालार्ड व्यक्त वर्ण क्रांड रामित्व प्राप्ट में मट्टा अरमांड रत्त रेंसांड वालार्ड वालार्ड (व्यक्तर वालांड महित वार्ड रेंसांड माट्ड वालार्ड (व्यक्तर वालांड मिलांड अर्चांड माट्ड वालार्ड वालार्ड मिलांड अर्चांड क्रांड वालांड वा

विवर्णन ३ त्रभाष्ठत क्यांिट माधातपणः या वाबाता रहा वालार महत्क छा वाबात ना। कातप, छात त्रभाष्ठत वश्चत त्रभाष्ठततत मद्धा नहा। काता वश्च त्रभाष्ठ तिछ रत्न व्याणत मद्धा व्यात थाकष्ट ना। व्यालारत श्वचम अवः भूर्वत व्यवश्च व्यथा व्य काता व्यवश्च व्यभित्वर्षिछ (यक्ति छारा रूट छात व्यक्तात्वत हैं छव रहा अवः व्यभाष व्यवश्च व्यभाष त्रभाष्ठत रहा थाक्। 'छिनि नव नव कालुहा ३ मात्नत मद्धा भवान नव नवत्वत्व विक्रित रहा थाक्न। (कातान)। व्यवाः छिनि व्य निद्धत्व श्वकाम क्रत शुद्ध हत्वष्टन, व्यर्थ शुद्ध हतात शिवत अक्षि व्यक्ति का विविद्यन ভাগ করা সময়টুকুতে যে কোটি বিলিয়ন নতুন নতুন রূপ দেখিয়ে যাচ্ছেন, সেই রূপবৈচিত্র আর তিনি কোনোদিনও দেখাবেন না। এখানেই তার নব নব রূপে

বিকাশ হবার স্বান্ধর।

नकरमत व्यक्तिश्राता व्यवश्वात या दिल्क नकम उपाला करत उपाल वित्र केंचाल करता करता विद्या क्षित्र विद्या क्षित्र विद्या क्षित्र विद्या विद्या क्षित्र विद्या विद्या

वालार्त तिर्फ्य नेशस्त्र वलक्ष्य विश्व विश्व विश्व कातान-अत विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विश्व विष्य विष्य

नायमञ्चल वाय क्यार नाम जानार्व त्यक्र रूप वाय क्या वायाय।

कार्तान-भर व्यवपादकारीत्मर विष्ठित अरे मध्यत वर्ष यि आत तिथ्या रय एत श्रीकार करत निष्ठेर रत या, दूनियार कार्यस्त, व्यश्मीवादी रेट्डािक त्रवारे मिल वाल्लार्स प्रथ्या दिष्क्रक थाक वेद्या कर्माः अमनकि कमिडेनिक एम्थला ठाप्तर त्रमाक रूट वाल्लार्स दिष्क्रक वर्ष कर्मां या श्रीसाकनीया वाष्ट डेरा डेप्ट्रक कर्त क्रिया ठात क्रिया व्यवक डेस्ट व्यवश्वाय कांडियाट्या त्रूटिस व्यादान-भर व्यार्थन साठारिक यिनि सामिन, अरेसि डेक्ट मर्याकात्रम्मत व्यक्टिक वाल्लार्स दिख्य र

ব্যয় করার আদেশ দেবার কোনো মানেই হয় না।

जात्र मकात विषय रला, कातान-भत्र जन्वाफ्कातीण कातान-भ उन्निधिण 'वाय करा' क्यां हिएक ज्ञानकां। राणिक नहीं काल नहीं तहना निथात माणा जर्य करा, हान थयताण करा। किन्न जाणांग, भर्ष क्रांति ज्ञान निथात माणा जर्य करान, हान थयताण करा। किन्न जाणांग, भर्ष क्रांति ज्ञान करात वार्व मुक्ति काता, किन्न करात क्षेत्र भाक रूप के किया हिराहि। हान वनका या वृद्धि जा कृति हो। किया हिराहि। हान वें मनाक वार्व वार्व क्रांति काता कराता कराता कराता है। जिल्ला क्रांति क्रांति काता कराता कराता

কোনো বস্থুর মধ্যেই অবস্থান করে না। উহা অবস্থান করে মানুষের মনে। मानुरस्त এই অবস্থানরূপ মনটির পরিবেশকেই বলা হয় দুনিয়া। ইহাঁই মানবমনেরূ আমিফের আবরণ। এই আবরণ ছিন্ন হয় বলে জাহের গ্রু বাতেন একাকার। সকুলই আল্লাইর নিদর্শন তথা আয়াত। সকল্ট একক অখুত্ত অম্ভিত্বের সুস্তে নুরে মোহাঙ্গদির আলোয় একসূত্রে সংযুক্ত। দুই তখন বিদায়। তৌহিদ তখন প্রতিষ্ঠিত। এই পর্যায়ের মানুষের মাঝে তখন দুই সমুদু সম্মিলিত। সৃষ্টি ৪ সুষ্টা একসূত্রে গাখা।
ইসলাম ধনদাস, পুঁজিবাদী তথা বুর্জোয়াদেরকৈ যতটুকু ঘণা এবং অবক্তা প্রদর্শন করেছে ততটুকু ঘণা এবং অবক্তা দুনিয়ার আর কোনো ইজম করে নি। সেই জন্যই

সোনা-রূপার লৈতি ধুন্দাসেরা পুতুলপূজা করছে বলে কোরান ঘোষণা করছে।

(त्रुता हैताहिस : क़कु ७)।

ইসলাম মাটির পুতুল তৈরি করে দেবতার আসনে পুজো করাটাকে যতটুকু ঘূণা कर्त्वरष्ट छिक उउँदूर्कू घृषा कर्त्वरष्ट स्नाना-त्रेत्रीत विन्नी स्मार्ट्ट भर्छ ठाउँहै अछि नानाश्चित्र शाकारक। स्नाना-त्रभात्र अर्हे विन्नी स्मारटक रकातान भूठून रठित कर्त्व

দেবতার আসনে পুজো করা বুলে ঘোষণা করেছে।

এখন প্রশ্ন হলৌ, শুধু কি পুঁজিবাদের উপরই ইসলাম ঘৃণা প্রদর্শন করছে? ইস্লাম দরিদ্রতা তথা অভাবকে ঘৃণা কুরছে। কারণ, এই দরিদ্রত্না মানুষ্কে কুফরির দিকে धार्ल धार्ल नामिता हात्म । जार तेजूनानाह (जा.) तक्ष्म किंक कर्छ छामिना करताहन : कामान काकक जार्रेशाकूना कुकता - जर्चार, 'जलात कात्कातत कातन रुवात लिक्स रुत्य मांमारा अत कातुन रूता मानुष यथन नित्मतक अकसूर्का लाळूत মুখাপেক্ষী দেখতে পায়ু, জীবনদীপ চিরতরে নিভে যাবার যে কাতর পোংড়ানির অসহ্য যন্ত্রণা সে তখনই মর্মে মর্মে অনুভব করে যখন অভাবের তাড়না তার কাছে এসে দাঁড়ায়। ছোট ছোট ছেলেপুলে ক্ষুধার তীব্র যন্ত্রণায় অসহায় আহত পাখির মত্যে ছটফট করে মানুষের পিতার পানে যখন ফ্যাল ফ্যাল করে চেয়ে থাকে, যুবতী কন্যার দেহ ছড়ানো লক্ষার আল্পনা যখুন এক টুকরো শতচ্ছিন্ন শাড়ি আর চেকে রাখ্তে না পেরে মানুষ পিতার কাছে ফরিয়াদ জানায়, মানুষ পিতা তখন হাড়ু গুঠা বুকটা উচিয়ে ছোটে দু'মুঠো খাদ্যের জন্য কাজের খোঁজে, কিন্তু সারাটি দিনের অক্লান্ত্র চেন্টা করেও যুখন দু'মুঠো খাড়োর যোগাড় করতে পারলো না অ্রথচ পৃথিবীর বুকে রাশি রাশি ধুনসম্পদ চারিদিকে ধনদাস আর বুর্জোয়ারা আঁকড়িয়ে ধরে সর্বময় ভোগবিলাসে নিজেদেরকে ডুবিয়ে রেখেছে, ধনদীসদের বিলাসবঁহল হোটেলণ্ডলোতে, স্ত্মুপীকৃত খাদ্যদ্রব্য পড়েঁ রয়েছে, কিন্তু মানুষ পিতা তার পুত্র-कन्यात कन्य पूर्व शक्ति शोष्य मध्यर कत्य पातला ना – उथन सानुष पिठात परिक भूकात खाषणा 'आसात काष्ट मव मसान' आखिवत्वाधी उथा श्रांकीसिन वल सुल ইয় এবং মানুষ পিতা যখন দেখতে পায় ঐ ধনদাসেৱা মাথায় টুপি আর তথাক্ষিত हैं अनासित लिग्गिकू भूदत ठाएं। छाएं अब्बू करत सिनाम अ धर्मे अञ्चार खाग फ़िरा আল্রাহ-রসুলের প্রতি বিগলিত প্রেমের ধারা ছোটায়, তখন সে অবিশ্বাসীর নীতির সোপানে ধাপে ধাপে নেমে পড়ে।

मानुरात त्रमारक अरे त्रकृत करूप पुगा जरतर कृटी अर्छ अवः उर्छरत् यपि পুঁজিবাদ এবং ধন্দাসদের সুর্বময় ভোগবিলাসের ক্ষমতা মানুষের সমাজপথ তৈরি করে দেয়। তাই ইসলাম পুঁজিবাদ এবং অভাব তথা দারিদ্র উভয়ুকে ঘৃণা কুরেছে। এই দুটোর প্রতিই যখন ইসিলাম ঘৃণা প্রদূর্শন করেছে তখন স্বাভাবিক ভাবেই মনে कता यात्र या, रैनवाम नापत व्याखोन क्रानिखण्ड नाम्यवाप्टक्। नाम्यवाप्ट नपनमाटक প্রতিষ্ঠিত হোক এটাই ইসলামের পার্ষিব সম্পূদবর্ণনের মূলনীতি। মানুষের মানবিক মূল্যকে রক্ষা করতে গিয়ে সাম্যবাদকে মূলনীতিরূপে গ্রন্থ করে মানুষের পৃথিবীর যে কোনো অংশ যুদি প্রতিষ্ঠিত করতে এগিয়ে আসে তবে নিপীড়িত, লাঞ্চিত, পদদলিত পৃথিবীর কোটি কোটি মানুষ তাদের জানাবে আন্তরিক শুদ্ধা আর সালাম এবং

अकिष्म ठाता शृथिवीत वृद्ध विष्ठतंपकाती श्रृंकिवाही, श्वहां खात क्रिक्षांतरहते क्षित्र खाडूं के हित्य वृद्धित्य स्टित, शायतित गड़ा स्विक श्रांत्राह खात त्रवंश्य स्टांशिवनात्र त्रें त्रित्य वृद्धित्य स्टित, शायतित गड़ां स्विक श्रांत्राह खात त्रवंश्य स्टांशिवनात्र त्रें त्रित्य खातू व्या त्रवाना व्या त्रवाना व्या त्रवाना व्या त्रवाही खातू व्या क्रित्य सावूर्य त्रवाही कर्ता। क्षित्र क्षित्र व्या क्षित्र क्षित्य क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्

রসুলাল্রাহ (আ.) তাঁর উন্ধতের মধ্যে পাঁচ শত বছর আগে বেহুেম্ভে প্রবেশ করবে वल योफ्ति पुत्रश्वापं क्रानिख़ष्टन जाता की तकम भतिव देशत किष्ट्रण व्याভात्र ना দিলে হয়তো বিষয়টা ঘোলাটে হয়ে থাকতে পারে। তারা সেই সমস্ত ণিরিব যাুরা পূর্ণ যৌবনেও নফসে আন্ধারাকে সম্পূর্ণরূপে আপন কর্তৃত্বের মাঝে রেখে সুষ্টার নৈকট্য এবং দর্শন লাভের বাসুনায় কঠোর সাধনায় সদা লিস্ত থেকে সর্বদা সুষ্টার প্রতি তংগত এবং তংমুখাপেক্ষ্য তথা তাকোয়ায় থাকে। সৃষ্টি এবং সুষ্টার যে গভার একটি রুহস্য লুকিয়ে আছে সেই রহস্যের ঢাকুনা খুলতে তারা আপ্রাণ চেন্টা ও সাধনাতে লিপ্ত থাকৈ। তারা সুষ্টার দর্শনকেই জীবনের মূলমুম্ব করে নিয়েছে। সুষ্টার রহস্য তারা দেখবে, সুষ্টার দর্শন এবং সুষ্টার বিজ্ঞানের অধিকারী তারা হবে, এই মরণপণ বিয়ে সাধনাতে ধ্যানমগ্ন রয়েছে। তাদেরকে স্রুষ্টা যত রকম ব্যুষা-বেদনার ফ্লালা দিয়েই পরীক্ষা করুন না কেন তারা তাদের সংকল্পে থাকে অটল। তারা প্রথমে সংসার্বিরাগী। তারা আমিত্ব ত্যাগের সাধনায় যোগী। যদিও তারা জানে গৃহত্যাগ করলেই বৈরাগ্য হয় না, আমিত তথা অহম তথা খুদি তথা হাম্তি ত্যাগ করতে পারলেই হয় প্রকৃত বৈরাগ্য, তবু তারা রসুলাল্লাহ (আ.)-এর নির্ম্বন হেরা পাহাড়ের छराग्न अकार्को, धेरानसञ्च ऋरिनत्के श्रथस्य लिग्ने वर्तव कत्त्व, निर्ऋत्न अकार्को धरानसञ्च থেকে সুষ্টার নৈকট্য লাভের ইুশারা তারা হেরা পাহাড়ের গুহা হতে সন্ধান পায়। তাই তারা প্রথমে সংসার বিরাগী। সুন্টার দর্শন পেলে সুন্টার আদেশেই তারা সংসারে প্রবেশ করে। তাই সংসারে থেকেও তারা যোগী। কর্মে লিপ্ত থেকেও তারা নির্লিপ্ত। তারা তাদের নফুসকে সম্পূর্ণরূপে লোভমুক্ত করে সুংসারকে তাদের দাস করে নিতে পেরেছে। তারা নিঃশঙ্ক ৪ মুক্ত। দুনিয়া তাঁদের পরিত্যক্ত। সুষ্টার একক অখণ্ড দ্বীনে তাদের বাসস্থান। তাই তারা সংসারের দাস নয়। তারা ধ্যানী ৪ কর্মবার। তাই বিশুদ্ধ কর্মযোগে দুনিয়াকে তারা মুসঞ্চিদ বানিয়ে নিয়েছে। কর্ম হয়েছে তাদের ধ্যান। व्यावात धाने रस कर्स त्रभाष्ठत। वाळन रस काररत व्याव्यश्रकाम। कात्रप इंरकान এবং পরকালের ভেদ তাদের ভেঙে গিয়েছে। এরাই রসুলাল্লাহ (আ.)-এর বর্ণিত পাঁচ শতু বংসরু আগে বেহুহস্তে প্রবেশ করার সুসংবাদুপ্রাপ্ত গুরিবের দল। এরা তথাকুথিত দুনিয়ার বিচরণকারী বানিয়ে-নেগুয়া দারিদ্রপীড়িত গরিব নয়। তথাকথিত বানিয়ে-নৈওয়া গরিবদের লক্ষ্য হলো যাদের পার্ষিব সুখ-শ্বাচ্ছন্দ্য আছে তাদের সে রকুম সুখ-স্বাচ্ছন্য দেওয়া হবে না বা পেতে পারে না। আমাদের মতো গরিবদের দাবি ইলো, যাদের আছে তাদের সঙ্গে নিজেদেরও সমান আছে বলে শ্বীকৃতি দেওয়া। व्याभर्ता 'नार्रे'- अत लार्रेस्न शाकरता रकन? ठार्रे 'व्यार्क्ष' व्यात 'नार्रे' निरंशर्रे पूर्निशात প্রায়্পুকল মানুষের মাঝে দৃন্ধ আর ঝুগড়ার সৃষ্টি হয়। তাই এই আছে আর 'নাই'-এর দুন্দু-বৈষম্য আর ঝণড়ার চিরসুন্দর সমাধান ইসলাম দিয়ে রেখেছে সাম্যবাদের মাধ্যমে। সবাই সমানভাবে ভোগ করবে আল্লাহর দেগুয়া এই পৃথিবীর त्रमञ्ज त्यागत्राम्पर। ठारे किष्टू त्रःशाक व्याष्ट-७ यानात्रत त्यमेन रेत्रनाम घृणा करत्रष्ट त्यमेन व्यावात नारे-७ याना उथा वानित्य-८५७ या गतिवत्रतत्व घृणा करत्रष्ट। कात्रण, पूर्ण भतम्भत विद्वाधी नींछित देवसा भृषिवींत वूक कथलाएँ प्राधातम मानि फिल्ल भारत ना। अर्हे पूर्णा सुभीत तककारी प्रश्नास यूण यूण सराकारत रेणिराप्तक कलिए भारत ना। अर्हे पूर्णा सुभीत तककारी प्रश्नास यूण यूण सराकारत रेणिराप्तक कलिए करत तार्थ वर्ल रूपलास धाराभा कराष्ट्र पास्त कर उपल ज्ञात करा राहे। रूपलासित भार्षित प्रमामक्ष्तिक देवा असत कारक अर्थ वर्ण यादा ना। तिम धात उपल एका मानुस असत कारक अर्थ वर्ण यादा ना। तिम धात उपल एका मानुस असत कारक अर्थ वर्ण यादा ना। तिम धात उपल एका भारत निरा यादा व्याप्त व्याप्त वाहा। अर्हे भाषासात्र वाह्म करात्र वाह्म भाषात्र वाह्म वाह्म भाषात्र वाह्म वाह्म भाषात्र वाह्म वाह

ইসলাম সতর্ক করে দিচ্ছে, শুধু কুলম দিয়ে কাণজের পাতায় ইটের প্রাসাদ वानात्मरे छन्दव ना। कात्रप, कागळे बाका रूटित थ्रामाप्त क्रारशत क्रुधा सिछात्ना याय, कि हु ठाळ शाका याय ना। शाकात श्राप्ताफ वानाळ रटल रूप-वानि-प्रिक्षक ইত্যাদি নিয়ে হাড়ভাঙা খাটুনি দিয়ে সরন্ধমিনে প্রাসাদ বানাতে হুবে। না হলে প্রাসাদে থাকা স্বপ্নই থেকে যাঁবে। বাস্তবে আর তার রূপ নেবে না। ঠিক সে রকম কাগঙ্গের বই দিয়ে প্রতিবাদ করে সাম্য আসতে পারে না। কোরান শরিফে আল্লাহ আমাদেরকে যে সর্তক করে দিয়েছেন, আমরা যদি আমাদের জীবনব্যবস্থার পরিবর্তন করতে শত বাধা-বিঘ্ন অতিক্রম করে মানুষের মানবিক শাসন সাম্যবাদ প্রতিষ্ঠার তরে এপিয়ে ना আর্মি, সুখ্রাম যুদি না করি, জেহাদি মনোবল নিয়ে मानुत्पत गर्ग क्षांक रेवस्कात थाहीत नारि खद्त ट्यप्ट ना फर्ट एटव बानार আম্বাদের জীবনব্যবস্থার কোনোই পরিবর্তন করবেন না। আল্লাহকে অপুবাদ দ্বেবার সুযোগ আর এখানে রইলো না। আল্লাহ আমাদেরকে পরোক্ষভাবে পাশবিকু শৃক্তিকে मैंबाक रूट निर्वत कतात जस्त व्यापने पास्य फाँजास्ज क्लास्थन। मबास्कृत स्वीक दिवस्वा ষ্টচ্ছেদ করে সাম্য প্রতিষ্ঠার আশা আর কল্পনা নিয়ে বোকার মতো হাঁ করে থাকলে বৈষদ্যের বিশ্রী কলহের অবসান হবে না। আর আল্লাহর সাম্যবাদকে দাগুয়াত খাওয়া মিটির বাসনখানার মতো হাতে তুলে দেবেন নাঁ। কোরান-এর তফসির শুধু কালির আঁকা কাগজে রেখে দিলেই তফসির হয় না, কোরান তফসির তখনই হয় যখন মানুষ তার নিজের জীবনটাকে তফসির করতে পারে।

यथन सानूय व्यन्तारा-त्मायप-क्रुनुत्मत मृल छिडिछलात्क त्कर्छ त्करा वित्र त्व व्याप्त व

भाभूनि लिदन अपित्क फ्रियं नि। ठात श्रधान कातप रतना, भानुषरक येज उपहिन আরি আদেশই দেওয়া হোক না কেন, মানুষ স্বভাবতই বস্থবাদের সঙ্গে সাংঘাতিকভাবে জড়িয়ে আছে। বস্তুর মাঝেই মানুষের বিচরণ, স্থিতি এবং অবগাহন। তাই তাহার প্রতি তাচ্ছিল্যের দুর্ফি প্রদর্শনের উপটুদশগুলো প্রায়ই বেকার হয়ে পড়ে। বস্থুর উধের্ব বস্থুতে বাস করে চিন্তা করা প্রায় বেশিরভাগ মানুষের পক্ষে এক প্রকার অসম্ভব, তাই ইসলামের দেওয়া বস্তবর্ণনের সঙ্গে নিজের চিন্তাধারাকে রাঙিয়ে নিতে वना रखिए। अकिंग उपलम्भ एतस अवः व्ययति रिला सुधास अवः माधातुर्गीर रुला সবার জন্য দলগতভাবে প্রযোজ্য। আসলে সত্যি বলতে কি ইসলামের দর্শন এসবের অনেক উধের। মানুষ কী করে সুষ্টার নৈকট্য লাভ করতে পারে এবং এই নৈকট্য লাভই হলো চরম পাগুয়া এবং ইহাই ইসলাম। এই নৈকট্য লাভের সোভাগ্য যাদের रुख़एए जाप्तत हिम्राधाता अभनजात व्यवस्थित रख़एए या, छैरात व्यत्नक ঐতিহাসিক দৃষ্টান্ত পীর-গুলিদের জীবনী পড়ুলে জলের মতো পরিষ্কার হয়ে যায়। কারণ, বস্থুর ভাগ-বাঁটোয়ারা নিয়ে মানুষ এত উৎসাহ আর উদ্দীপনা প্রদর্শন করে যে, শত উপদেশের মাঝেও উহার গতি কুলুষতার দিকে গড়িয়ে যেতে চায় জলের धर्स्त भळा। श्रवित धर्म व्यात ऋत्वत धर्म श्राग्न अरुष्ट धातात भळा, यिन्छ दृगाज দুইটি পৃথক মনে হয়ে। বস্তুর প্রাচুর্যতায় প্রবৃত্তির বন্ধনগুলো দুঢ়তা প্রকাশ করে এবং ইঁহা নানা রকম সামাজিক রোগের জনা দেয়। সেই রোগণ্ডলোর কয়টির নাম হলো : স্বার্থপরতা, আমিফ্রেরু দৃঢ়তা প্রকাশ, অহঙ্কার, তুচ্ছ জ্ঞান কুরার পাশবিক প্রবৃত্তি, শোষিত মানুষের ফরিয়াদে পাষরের মতো চরিত্রের কঠিনতা প্রকাশ পাওয়া, প্রতারণার চালবাজু উদ্ভব, অপরকে কী করে ঠকানো যায় তার চিন্তা মনে মনে তৈরি করা, ব্ন্যশুক্তির প্রচুণ্ড ঝড়ে কোমলতার গাছগুলো ভেঙে পড়া ইত্যাদি যত तकम ভाষात गांथूनिक পतिश्वात तूंवित्य प्रथ्या त्याक ना त्कून छत् श्रवृष्टित छाउशात শেষ হয় না। অনৈকে মৃত্যুশয্যায় অবধারিত মৃত্যুর মুখোমুখি হয়েও 'আরপ্ত চাই, আরপ্ত যদি হতো' এই আঁক্ষৈপ আরু হতাশা নিয়ে পৃষিবীর থেকে নেয় চিরবিদায়; যে চাওয়া চাওয়ার চেয়ে অনেক বেশি পেয়েও চাওয়ার হান্ধার জিব্বাণ্ডলো লক লক করে গন্ধিয়ে ৪ঠে এবং মৃত্যুই ইহার উপসংহার টেনে দেয় আপসোসের ভাষায়। ইহাকৈই কোৱান 'হাবিয়াঠৈ স্থিতিলাভ ক্রবে' বলেছে। কারণ, হাবিয়ার বৈশিষ্ট্য रला या, এই काराब्राप्सव जनां जिसे खरीं। किल फिल कितन भर्वे से राकर्त, তলাতে অবশেষে আন্ত্ৰিয় निতে পাৱে ना। কারণ, ইহার তলা থাকলৈ তো তলায় আশ্রয় নেবে। চাওয়ার যেমন তলা থাকে না, হাবিয়ারও তেমন তলা নেই। আক্রৈপের আর্তুনাদের নাম রাখা হয়েছে ওয়াইল নামক জাহান্নাম। জাহান্নাম वारित्र वाष्ट्र कि ना क्रांनि ना, जत्व शाकलंश शाकुळ शाद्व। जत्व क्रांश्वास त्य আমাদের অভ্যন্তরে অবস্থান লাভ করছে ইহাতে কি এ বর্ণনা দেবার পর্বন্ত প্রশ্ন করার মত্যে কিছু থাকতে পারে? জাহান্নামের আগুন দেখতে কেমন? জাহান্নামের আগুন কী কী ক্লাঁলিয়ে পুড়িয়ে দেয়? জাইান্নামের আগুন কী তা কি তোমরা জানু? জাহান্নামের আণ্ডন এমনই এক আজব আণ্ডুন যা সাধারণ আণ্ডনের মত্যো ঘর-বাড়ি कुलाशे ना, काপড़-कालड़, लागाक-পतिष्टम कुलाश ना, असनिक सानुत्यते দৈহটিকেও জাহান্নামের আগুন জ্বালায় না বা জ্বালাতৈ পারে না। জাহান্নামের আগুন क्तिवनभाव अकिं किंनित्र क्रानांग्र अवः क्रानोक्ष পष्टक करत खात स्त्रिप्टि रस्ना মানুষের অন্তর। অন্তরের জ্বালার দহুনের তীব্রতা কত ভয়াবহ, কত মারাত্মক, কত त्विमामाञ्चल अवः कल श्रेष्ठञ्जल नित्न शांद्व ला मुमाम भीवता व्यामता व्यंशतर দেখতে পাই। এই অন্তরের প্রচণ্ড দহনে মানুষ কুতটুকু দিশেহারা হলে নিজেকে নিজে খুন করে ফেলে, যাকে বলা হয় আত্মহত্যা। পৃথিবীর বড় বড় প্রাচুর্যতার দেশের বড় বড় ধনীরা, যাদের বৈষয়িক অভাব-অন্টনের প্রশ্নই ৪ঠে না, তবু কোন দুহনে কোন ফ্বালায় আত্মহত্যা করে। এই অন্তর্জ্বালার বোবা দহনে কত মানুষকে মানসিক

ভারসাম্য হারিয়ে পাগলা গারদে যেতে হয় তার রিপোর্ট পেশ করতে গেলে এদের সংখ্যা হবে ভয়াবহরপে অনেক। এই আগুনের দাহ কিছু বাহির হতে কিছুই বোঝা যায় না। দেখলে মনেই হবে না যে এর ভেতর দহনের প্রচণ্ড জ্বালা দাউ দাউ করে জুলছে বোবার মতো।

শরিয়ত গু মারেফতের প্রভেদ

শরিয়ত সমাজকেন্দ্রিক, কিন্তু মারেফত ব্যক্তিকেন্দ্রিক। বিজ্ঞান শিক্ষা সমাজকেন্দ্রিক किन्न विकासी रश्या वाकिरकेन्द्रिक। विकासित वर्ज वर्ज छिप्ति निर्लंश रामन विकासी रश्या याग्न ना, त्म तकम मित्रग्रूण-मार्द्यकरणत छेपत पर्जाञ्चना कतरलश व्यथवा वर्ज़ বুড়ু ডিগ্রি নিলেই মারেফতের অধিকারী গুলি-দরবেশ, পীর-ফকির হওয়া যায় না। विक्रानी रवात रामन रकाता श्रकात गर्छ शास्त्र ना, स्न तकम खान्नारत अनि रवात मध्या काला गुर्ज लाहे। जा ऋना कातान भाकत प्रमञ्ज कथा यात याहेल्द्र धाताविवतवी वर्षना कत्रक्र भिर्वेश भार्त्य भारत्य পार्शकरफत एभरक राय्क रहा अकिए আয়াত পাঠ করে। সেই আয়াতটি হলো ইউতিহ মা ইয়াশাউ - অর্থাৎ দান করা হয় যাকে খুশি তাকেই। আল্লাহর রহমতের রহিমরূপী দান তিনি যাকে খুশি তাকেই দান করেন এবং এই বিশেষ দানের প্রশ্নে কোনো প্রকার ধরা-বাঁধা আইন ও শরিয়ত নেই। বিদ্যার কচকচানির বাহার থাকতে পারে এবং এই বিদ্যার বাহার দেখে व्यातकरकर अनि-एतरवम वरन प्रभारक जुन कता रखाए अवः अधाता कता रहन, গুলি-দরবেশ হবার রহমত আল্লাহর এমন একটি দান যার মধ্যে কোনো প্রকার নিয়মের বালাই নেই। তাই কেনুৱান-এর ভাষাটি হলো, যাকে খুশি তাকেই দান করা হয়। পীর-ফকির হুবার রহমত বিদ্যা অর্জনু-বিবর্জনের প্রশ্নের সুম্বুখীন হতে হয় না। তা হলে প্রত্যেক নবিকে মাদ্রাসায় পাশ করিয়ে নবি হবার শর্তটি জুড়ে দেগুয়া राजा। जा रत कातानक खारेंगा क्तळ राजा ना या, श्रीतिष्ट रेलन उपि তথা निরক্ষর। যারা কোরান-এর তফসিরে জালালাইন এবং হাদিস-ফেকাহ একজন পীর-গুলিকে 'অবশ্যই জানতে হবে' শুর্তটি জুড়ে দিয়েছেন তাদের পীর-গুলিরা व्यात्रम शीत-अमि नग्न, जाता रूलन अञ्चार माकी शीत-अमि। এ तकम अञ्चार माका পীর-গুলি বাজারের যেখানে সেখানে হরহামেশা পাগুয়া যায়। আসলে এদের গুহাবি গুপ্ত চরের মতো গোপনে প্রবেশ করে আহলে সুন্ধাতুল জামীতের দর্শনকে হালকা গ্র খেলো করে দেবার একটি প্রচেষ্টা বলা যায়। তবে এদের আসল চেহারা গুরুপ ধরা পড়ে যেতে আর বেশি বাকি নেই। কারণ, ঢাকা ৪ চট্টগ্রামে আহলে সুন্নাতুল জামাতের মাদ্রাসা প্রতিষ্ঠিত হয়েছে - তবে সংখ্যায় অতি নগণ্য।

আছে, কিন্তু বিজ্ঞানী কয়জন পাওয়া যায়!

র্মপদর্শনে বিভিন্নতা থাকবেই। কারণ, রূপে মুলে এক হলেগু সূরভেদে অনেক। এক-এক রূপের স্তরে এক-একঙ্গন অবস্থান করার দরুন ভাবের বিভিন্নতা লাভ করা অতি সাধারণ কথা, কিন্তু এই বিভিন্নতার মধ্যেই মারেফতপদ্থীরা অনেক সময় খেই হারিয়ে ফেলে এবং ভাবের ভাষাগুলোর মধ্যে এমন তালগোল পাকিয়ে ফেলে যে এর

গোলকধাঁধা হতে বেরিয়ে আসা অনেকের পক্ষে হয়ে পড়ে কউকর এবং ইহাও নিতান্ত স্বাভাবিক ব্যাপার। কারণ, মানুষের স্বভাবও অনেকটা তাই। একটু ভাব যদি তার মনমতো পছন্দ হয়েে যায় তবে ত্রীর যত সুন্দর ভাবই হোক না কেন অথবা তার ভাব হতে অনেক্ উঁচুম্বরের ভাবই হোক না কেন, উহা গ্রহণ করা অথবা উহা কেমন সেই প্রশ্ন এবং উত্তর খোঁজার আগ্রহটুকুও অনেক সময় দেখা যায় না। কারণ, তার ভাবের একটা মিলানো হিশাবের অস্ক্র অনেক আগেই করে রাখা হয়েছে এবং সেই হিশাবের অঙ্কটি বাদ দিয়ে আর একটি হিশাবের নতুন অঙ্ক করতে ইচ্ছা বা আগ্রহ প্রায় লোকেরই থাকে না। বরং সেই নতুন উন্নতমানের হিশাবের অঙ্ককে ভুল প্রমাণিত করার জন্য উঠে-পড়ে লেগে যায় এবং এরই ফলে তৈরি হয় নিজেদের মধ্যে মতভেদ এবং এই মতভেদ অবশেষে জনা দিয়ে ফেলে মনের অজান্তে বিভিন্ন দল। ধরণের নোংরামি, কিন্তু আশ্চর্যের বিষয় হলো এই যে, <u> লোংরামিটাকেই প্রচার করা হয় সার্বজনীনতার নামে। উনারা কত বড় সার্বজনীন</u> উহা ইনাদের ভেতরে ঢুকলেই দেখতে পাবেন -ু নোংৱামির দুর্গন্ধে। এরা অনেক সময় এমন ভয়ুঙ্কর স্পর্ধা করে থাকে যে, তাদের হিশাবের অঙ্কটিতে যদি কোুরান-হাদিসের বাণীগুলোর সঙ্গে অমিল দেখা দেয় তখন মহাচিন্তায় পড়ে যায়। হিশাব क्षिलात्नात क्रना एटल *ए*गाकाक्षिल। एगाकाक्षिल याटा धता ना थटा छात क्रना करा রকমের যে ব্যাকরণের মারপ্যাচের দোহাই দেগুয়া হয় তা দেখলেই আপনি রীতিমতো হিমশিম খেয়ে যাবেন। যদি ব্যাকরণেগু মিলাতে না পারে তা হলেগু রেহাই নেই। হিশাব তার মিলাতেই হবে। তাই কোরান-এ উল্লিখিত কোরান শব্দটি काजान व्यर्थ ना ध्रत जानाज व्यर्थ कत्रक्त रहत। की एस९काज व्यक्तियाज। काजानक বুঝতে হবে সালাত! পানিকে দুধ মনে করার মতো। না হলে উনাদের হিশাব মিলে नी। পुरिवीत अर्थे त्रम्मरकत नव भारत् नव विष्णाय मरत् रय अ तकम रिमारवत वारात কমবৌশ দেখা যায়। কোৱান-এর হিশাব মিলাতে গিয়ে প্রচুর পরিশ্রম করতে হয় প্রকান্ত বাধ্য হয়ে। কারণ, কোরানকে ত্যো গালাগালি দেবারী কোনৌ উপায় নেই। किष्ठु ये गानागानि रक्षम कत्रक रय रामित्रत। रामित्र ति हाति या कर् श्रकात কুর্ণসিত গালাগালি সহ্য করতে হয় তা বোধ হয় অনেকেরই জানার কথা। হিশাবের **ब्रेट्स शोर्फ्त्रिंग ना सिम्टल ब्रात यास काशास्त्र! त्रटम त्रटम सिशा शोर्फ्त वटन सम्बरा** করে হাদিসের গালে এক চড় বসিয়ে দেয়। হায় রে বিদ্যার কচকচানি! একবার ভুলেও বলতে শিখে নি যে, আমি এই হাদিসটি বুঝতে পারি নি অ্থবা এই হাদিসটি অঁতি সাধারণের অবগতির জন্য বুলা হয়েছে। কারণ, ইনারা তো বিদ্যার সাগর। পচা ভোবা মার্ক্রা হাদিস উনাদের বিদ্যার সাগরকে বানচাল কুরে দেবে। সবার জন্য যেখানে নীতির প্রয়োগ থাকবে সেখানে ভাবের এবং ভাষার উঁচু-নিচু এবং রূপকতার ষাধ্যম নিতে হবেই। ইনারা সার্বজনীনতার নামে দুর্গন্ধ বমি লিখনীতৈ প্রকাশু কুরে যে খানে দক্ষালগু বোধ হয় চমকে যায়। হাদিস্বেটা, রসুলে পাকেরু এক অুতি উচু মহান সাহাবি, হজরত আবু হোরায়রা (রা.)-র উপর অনেক হিশাব মিলানৌ লেখক সাংঘতিকভাবে ক্ষেপে গুছেন্। এক লেখক তো রাগে গুরগর করে 'কাঞ্জির <u> १क़ क्लाट बाएर'-त्र भक्ता विताष्ट्र अक भत्वर्षमात्र ঐতিহাসিক भाकी कल वा</u> রেজাল্ট জনতাকে উপহার দিলেন। কেতাবের হিশাব এতই নিখুত যে, গুরু কুয়টি অবশ্যই থাকার কথা। কিছু গোয়াল ঘরে গেলে আর হিশাব মিলৈ না। উনি হিশাব কুরে অপূর্ব গবেষণার বন্ধি জনতাকে উপহার দিয়ে জান্নাতবাসী হয়েছেন। উনার हिमावशानात छ्टाता छूल फिळ वांधा रलाम। रक्रतेण खोंचू रहातायता (ता.) स्नाप्ट উনুষাট বছর জীবিত ছিলেন। অবশ্য উনার মতে, রসুলে পাকের ইন্তেকালের পর छैनि अकात् वष्ट्रत अरिवेट ष्टित्नन अवः त्रमूल शार्कतं मेटम ष्टितनं मार्वे छिन वष्टत। मूठताः छैनात हिमाव अनुयासी अकात्त अवुः छिन् वष्टत वाम मित्न मार्व एस वष्टतत वीनकत्रत्थ त्रभूतन भारकते भत्म ष्टितनो। की व्यभूवं व्यत्कत हिभाव। सराना शाउरा। व्यास

পাগলগু এ কথা ভন্লে হি হি করে হাসবে। হজরত ুআবু হোরায়ুরার উপুর মুসলমান নামধারী দুইটি দলের প্রচন্ত গোসা। প্রথম দলটির নাম প্রহাবি এবং দ্বিতীয় फ्लिंगित नाम रत्ना निया। अत कात्रपृष्टि किन्न भूवर मुन्दत। अरावित्मत शामा रूतना যত আধ্যাত্মিক বিষুয়ের প্রায় হাদিস্ট তাঁর মাধ্যমে পাগুয়া গেছে। কারণ, গুহাবিরা অধ্যাত্মবাদকে অশ্বীকার তো করেই এবং আবু হোরায়রার মাধ্যমে সেই সব সাহাবাদের মর্যাদার কথা জ্বানতে পারি ্যাদের মুর্যাদার কথা গুনলে শিয়াদের শরীরে ভালুকের ক্ষুর আসে। শিয়ারা এমনই অদ্ভূত হিংসুটে যে বিদ্যার প্রশ্নে ইনারা <u>অনেকটা সীর্বজ্ঞানী হরিদাস পালের মতো। ইসলামের বিশ্বয় আমিরুল মোমিনিন</u> थोनका अभत कात्रप्लत उँभत या-ठा भग्नवा कत्रफा रैनाएनत क्रिस्ता किए अर्फ ना। कुष्ठकष्ठावि! क्य वसु क्रांबल्धशालाप्टत एल। अभतत्क भालाभालि हित्स व्यालित्क **उँ**पुक्त अञ्चालात एसरकात कि। व्यात्रत्न व्यानित्क शास्त्री कतात त्रुक्षा कू-सठनव। আঁলি জাহেরি সুরতে জীবিত থাকলে এসব বিদ্বান্দের ভুল ঝুঝিয়ে দিতেন। এরা প্রশংসার চাতুর্যে আলিকে ডুবিয়ে দেবার নতুন ফুন্দি আবিষ্কার কুরেছে। অনেকুটা গুণচীনের লিনু পিয়াগুরু মতো। প্রশংসার মধ্য দিয়ে মাগুকে ডুবিয়ে দাগু। লিন পিয়াগুর দর্শনটি এত বেশি নতুনত বৃহন করে যে পৃথিবীর প্রায় দীর্শনিকেরা অবাক হয়েছেন। দর্শনের ভাষাটি কত ছোট এবং চাতুর্যতার রহস্যে কত বড় ব্যাপকতায় পतिपूर्व। तावाहें याग्र ना ताकाणि कठ माताव्यके व्यञ्च। धीतगठिक मधूक त्या भग्रहात सिमित्य स्मरत रक्षनात मिणि व्यञ्च। यग्नः माठ त्य व्यः क्षा प्रतित क्षा भग्रहीतित क्षा स्मर्कात कर्षा भग्रहीतित क्षा स्मर्कात कर्षा भग्रहीतित क्षा स्मर्कात कर्षा भग्रहीतित क्षा स्मर्कात स्मर्कात क्षा स्मर्कात समर्कात समर्कात स्मर्कात समर्कात समर्वात समर्कात समर्कात समर्कात समर्वात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्कात समर्वात समर्कात समर्वात समर्कात समर्वात समर्वात समर्वात समर्कात समर्वात सम्बन्ध समर्वात सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध समर्वात सम्बन्ध सम्बन्ध समर्वात सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम् এসব দর্শনের গোমর ফাঁক করে দিটেন। শিয়ারা সেই লিন পিয়াগুর থিগুরি গ্রহণ করেছেন। এই শিয়ারা জ্রঘন্য ভাষায় হজরত আবু বকর, গুমর এবং গ্রসমানকে যে সব অকথ্য গালাগালি দিয়ে যায় তা গুনলে মানুষ তো দূরের কথা পশুরাগু এদের দেখতে পারে না। শিয়াদের দুই চোখের বিষ হলুন আবু হোরায়ুরা। শিয়ারা আবু हातायतात व्यत्नक राष्ट्रिय राष्ट्रिय शर्ग करतन, कि हु या छेना व्यानि वार्फ व्यन्त छिने शिक्नात यर्गामात राष्ट्रियछला शर्ग कतळ ताकि याका ळा मूरतत कथा कन्नना করাটাগু পাপ মনে করেন।

কেবল ধর্ম-দর্শুনের প্রশ্নেই চিন্তাধারার একটা মিলানো হিশাবের অঙ্কটি এক্তরফাভাবে চাপিয়ে দিয়ে বাহবা কুড়ালে কিন্তু অন্যায় হবে। যে কোনো ধর্ম, দুর্শন, সাহিত্য, ঐতিহাসিক তথা রাজনৈতিক ভাষ্য তথা প্রতিটি ক্ষেত্রে প্রতিটি বিষয়ে মিলানো হিশাবের অঙ্কটির আগমন অবশ্যই পাবেন। আঅবিরোধের ঝুড়ি বলেগু যদি আপনি অন্যের মিলানো হিশাবের অঙ্কটিকে গাল দেন অথবা বুঝিয়ে **प्रम**्ठतू त्र ठा स्मत्न तित् ना ध्रवः अक कथाग्र त्रवाष्ट्र सानक्त हाहत्व ना। अप्नत সবাইকে গালে চড় মেরে বুঝিয়ে চিতে পারে মাত্র দুটো বিষয় : একটি হলো বিজ্ঞান এবং ইহাই সর্বপ্রধান এবং অপরটি হলো মারেফতের গোপন জ্ঞান অর্জনকারী পীর-ফকিরেরা। কিন্তু এঁদের প্রভাবটা সবার উপর ছায়াপাত করতে চাইলেগু গ্রহণ করার সাহস থাকে হাতে গোণা কিছু লোকের মধ্যে। কারণ, এরা মাছ ধরার আগ্রহ দেখায়, কিন্তু যদি মাছ না ধরা যায় অথবা না পাগুয়া যায় তার জন্য পানিতে নামতে চায় না। ফটকা বাজারের মাল কেনাবেচার মতো এরা পীর-ফকিরদের বিশ্বাস করে। আকাঙ্কিত কিছু না পেলে সার্বজনীন একটি বিশেষণ জুড়িয়ে দিতে কার্পণ্য করে না व्यात সেই विस्मेर विस्मिष्पित नाम रूला छड़, उथा व्येटड 'छ' तहें, उथा छिम्हि ভাঙলে কিছু পাবেন না। দেখতে আপনি ডিমু, কিছু ভেতরে কিছু নাই। মানে আপনি তখন ভণ্ড অমুক, ভণ্ড তমুক। একটু যদি তলিয়ে দেখি তবে কি এই পৃথিবীতেই বাস করা মানুষণ্ডলোর বেশিরভাগই সৈ রকম ডিম নুয়, যাদের ভাঙবার সাহস নেই। व्याभि व्यवेभ त्वथक मास्टव या এकেवादा जूनमीभाजा स्वाग्ना ऋन मिण कुऋपाअ

বলতে চাই না, তবে হিশাব মিলানো একটি অঙ্কের ডিম যে এতে কি সন্দেহ আছে? আর সেই ডিমটি না ভাঙার অনুরোধ রইলো। কারণ, কী যে পাবেন তা তো

ताबार याग्र।

খ্রিস্টান ধর্মের অনুসারীদের মাঝে ধর্ম-দর্শনের বেশ কয়টি অঙ্ক আছে। একটি व्यक्तत यागकन रता ये नित-तुत्रुन अत्मष्टन ठाएत्त मक्षा विष्ठ ठेशा रेमा नित হলেন সর্বশ্রেষ্ঠ এবং সবাইকে বাদ দিয়ৈ একমাত্র তাকেই মেনে নিতে হবে এবং ইহার व्यवाशा रता भाभ रत। এখन यिनि श्चिम्ठातित घत्त् ऋवाधर्य कत्त्वाधन अवः प्रारं জনাসূত্রে পাগুয়া মতবাদই গ্রহণ করা অত্যন্ত স্বাভাবিক এবং সাধারণ কথা। অন্য ধর্মের বিচার বিশ্লেষণ করতে গেলেগু নিজের হিশাবের মিলানো অকটি কিছু 'মন মে শেখ ফরিদ বগল মে ইট' এর মতো বহাল তবিয়তে থাকতেই হবে। আপনি ইহদি, বৌদ্ধ, হিন্দু অথ্যা মুসলমান বলে খ্রিস্টানদের উপুর লিখিত কথা কয়টি পড়ে দাঁত वात क्रित्र हार्रे व्यथवा सूहिक रामक हार्रेवन, किन्नु छूल्छ असन सरान কান্ধটি কুৱে বসবেন না। কারণ, আমাদের এই মুচকি হাসাহাসির মধ্যে সত্য নামকূ মহাপুরুষটিকে ধরতে ভীষণ কর্ম্ভ হয়, বিশেষ করে এ বিংশ শতান্দীর যুগে এই ভীষণ কন্টের সুযোগটিকে কোলে তুলে নিল একমাত্র ধূর্ত শিয়াল পণ্ডিত। সেই ধূর্ত শিয়ালের অপর নামুই হলো কমিউনিজম, যাকে আমরা বলি মানুষকে জানোয়ার বানানোর সর্বশ্রেছ বিদ্যা। আমরা লাফালাফি কুরে ধর্মে পুরীক্ষার পানিকে এমনই धाला करत करलिष्ट या, कालाग्रात वानावात विष्ठा किसरेनिकस रेनटिएलक्ष्राल मानुषञ्चलात्क धत्त कालाशात्त्रत लागाक भित्रत्य फिल्ह, व्यात जातर भित्रपि अर বিংশশতাব্দী। একটি কথা এই অধম লেখক ঘোষণা করতে চায় আরু সেটা হলো, क्षिडेनिक्रम আक्र रग्नका नक्न लागात्कत क्यागलत मुक्ता लाङ्नीय, किन्न डूंक् क्टाल फिट्ट दिन मध्य नागीत ना। कातन, अकि रेटिराम टिति रेट्ट मध्येत প্রয়োজন এবং সময়ই একদিন এর অসারতার গোমর ফাঁক করে দেবেই। কারণ কমিউনিজ্মের ভেতর অভ্যন্তরীণ কোনো সত্য নেই এবং এই নেইটা ধরা পড়লে সময়ের ইতিহাস একদিন জানিয়ে দেবে সবাইকে।

পীর-ফকিরদের দর্শনঙ্গনিত প্রভেদ

আমাদের ধর্ম-দর্শনের মধ্যে যারা মারেফতপন্থী তাদের মাঝেগু আপুনি অনেক প্রকার অঙ্কের মিলানো হিশাব অবশ্যই পাবেন। যৈমন ধরুন, মারেফতপন্থীদের মুধ্যে একটা অতি সাধারণ অঙ্কের মিলানো হিশাব দেখতে পাই। একদল মারেফতপন্থীরা গানবাদ্যকে এবাদতের একটি বিশেষ মাধ্যম হিশাবে তাদের হিশাবের অঙ্কে মির্লিয়ে নেওয়া হয়েছে। যেমূন ধরুন চিশ্তিয়া তরিকার বেশিরভাগই, তবে সবাই নয়। অনেক চিশতিয়া তরিকার অনুসারীরা গানবাদ্যকে তাদের হিশাবের অঙ্কে অপছন্দ कद्भन अवः रेंरात्क अर्थात्याग्रे नम्र वत्न त्याष्ठ्या कद्भव्यन्। यथे किमीलम्रा लिक्स বুলতেই সঙ্গীতের মাধুর্যের খুসবু পাবার কথা। বাংলাদেশে এবং এর বাইরে অনেক চিশতিয়া তরিকার অনুসারী পীবেন যারা গানবাদ্যকে মোটেই পছন্দ করেন না। আবার যে তরিকায় গালু-বাদ্যের প্রশ্নটি অবান্তর করে রাখা হয়েছে সেই সব তরিকার অনেক অনুসারী পাবেন যারা গান বাদ্যকে এবাদতের একটি সর্বপ্রধান অঙ্গরূপে মনে করেন। যেমন ধরুন, বিখ্যাত সুরেশ্বরের গুরুশে গ্রেলেই বুঝতে পারবেন या जाता नकत्मविक्या अवः भूकाएकिषया जैतिकात जनुत्राती रखि गानवाम्यक এবাদতের একটি অংশরূপে গ্রহণ করা হয়েছে। অধম লেখকৈর জানা মতে পৃথিবীতে যত গুরশু পালন করা হয়ু তার মধ্যে সুরেশ্বরের গুরশটিতে পাবেন একটি আশ্চর্য तकम वाणिक्रम, बात त्रिंग राला बवाके करत एउशा नाएए वाजुर्व भव वस् वस् অতি পুরাতন কারুকার্য খচিত আশা, যাকে আমরা লাঠি বলি। সেই লাঠিগুলোর পা

হতে माथा পর্যন্ত বিভিন্ন ধাতুতে তৈরি অতি সুক্ষা কারুকার্যে পরিপূর্ণ এবং প্রধান গুরশের দিনে মাগরিবের আজানের পর প্রস্থ বের করা হয়। এত লম্বা, এত অদ্ভূত সুন্দর পাঁচটি আশা তথা লাঠি আমার জীবনেগু দেখি নি। আজমিরে খাজা বাবার মাজারে দুইটি আশা দেখার ভাগ্য আমার হয়েছে, কিছু লম্বায় এবং কারুকার্যের মহিমায় এই পাঁচটির সঙ্গে জাগতিক দৃষ্টির মাপকাঠিতে তুলনা হয় কি না উহা

চোখে দেখলেই পাঠক পরিষ্কার বুঝুতে পারবেন। সুরেশ্বরের আদি পীর্ যিনি, তিনি হলেন বাবা জান শরীফ। অবশ্যু এই নাম তাঁর भारत भारत्व फिराय एक । उनात व्यात्रल नाम रत्ना रक्षत्व व्यारम व्यानि। उनात भीत সাহেব কলিকাতার মানিকতলার বিখ্যাত হন্তরত সুফি ফতেহ আলি শাহ। হন্তরত त्रुकि कटार वानि गार त्राप्टरतत व्यतन शनिका हिटनन। ठाएमत मध्य व्यपत पुरुन বিখ্যাত খলিফার নাম উল্লেখ করলাম : একজন হলেন ফুরফুরা শরিফের হজীরত মাগুলানা আবু বকর সিদ্ধিক এবং অপরঙ্গন হলেন পাবনীর এনায়েতপুরের হজরত <u>साञ्जलाना अशोटक्रम व्यालि गार। रुक्तरा अशाटक्रम व्यालि गार-ब्रत थलिका रुक्तरा</u> ইউনুসু শাহ ুসাহেব এবং উনার দুজন বি্খ্যাত খলিফাদের মধ্যে একজন হলেুন্ আর্টরশির পরি সাহেব এবং চন্দ্রপাঁড়ার পরি সাহেব। এতগুলো কথা বলার একটি বিশেষ উদ্দেশ্য আছে বলেই বলতে হলো। আর সেই বিশেষ উদ্দেশ্যটি হলো, এঁদের अत्रत्भ व्यथवा बैरमत या काला मार्शिकत भाववामा कता रय वा बवः भाववामाक ইনারা এবাদতের একটি বিশেষ অঙ্গ বলে হয়তো ধ্রেনে নেন না অথবা জায়েজ তথা বৈধ বলে হয়তো গণ্য করেন না। অখচ একই তরিকার একই পারের মুরিদ হয়েগু বাবা জান শরীফ শাহ সাহেব গানবাদ্যকে খুবুই পছন্দ করতেন। যার দক্রন অনেক व्यात्रिति छाषा काना পश्चित्वता व्यना त्रत श्रीत त्रात्श्वत्मत त्रभात्मा क्रात्म क्रात्म व्याप्ति । সুরেশ্বরের গুরশের কথা ভনলে তেলে-বেণ্ডনে জুলে গুঠেন। এখানে বিশেষ করে वीश्लाफिएन व्यत्नक व्यार्जीव काना भींभ्रिकता भानेवाम्प्ररक रात्राक्ष भएन कर्द्रन अवश যারা গানবাদ্য করেন অথবা শোনেন তাদের বিবি তালাক হুয়ে যাবার ফতোয়াগু भाट्या भर्सा त्माना याग्न अवः अर्थे वित्मच विষয়টি नित्रा পণ্ডिতে পণ্ডিতে তর্কযুদ্ধ অনেক হয়েছে এবং এখনো হচ্ছে। জানি না কালের ইতিহাস একদিন 'ইংরেজি পট্টা राताम', 'रुटी छाना राताम', 'मारेटिक क्वातान भरा राताम' - व तकम रुटायांत मट्टा भूताचन रुट्टाया रख याय कि ना। 'रेटा राताम' वना ववः 'रेटा भरक कित না' বলীর মাঝে কিছু বিরাট পার্থক্য থেকে যায়। পছন্দ হয় না, তাই করি না বলার मात्वाअ अकिंग नमनीय ভाব থেকে याय, किंग्न अकिंम राताम वनात मात्वा शांक কঠিন নিষ্ঠুরতা। কারণ, সমস্ত কোরান-এর মধ্যে গান-বাদ্যের বিরুদ্ধে একটি কথাও বলা হয় নি। পক্ষ এবং বিপক্ষের কিছু হাদিসের দ্বারা ক্রি এ রকুম কঠিন হয়ে যাওয়া মানায়? হয়তো এমনও তো হতে পাঁরে যে, রেডিগু, টেপ, টেলিভিশন আর ভি সি व्यात-अत युर्ग तस्य व्यापनात श्रिय प्रदल-स्मर्याता व्यापनात करणाया अस्न कृप करत নাগু থাকটে পারে।

बक्रें। त्रुम्तत क्यात श्रष्टनन আছে। त्र क्यां हि रला, या शाष्ट कन धरत त्र शाष्ट्रहें वाफाता हिन ष्टांत्रं, यात या शाष्ट्र कन धरत ना त्र शाष्ट्र ये पुम्ततहें शाक ना त्किन वाफाता हिन ष्टांत्रं, ना। याहतिमत भीत त्राह्मतत नाम श्रुव विभि ह्याष्ट्र बद्ध छिन वा क्षित्र अठ वर्ष्ट्र याकारत अतम वाध्वय वाक्षात्रं का पृथितीत का यात्र विभ वा यात्र विभ त्या का वा विभ वा यात्र वा यात्र विभ वा यात्र वा य

আটরশির পীর সাহেব জিন পালন করেন, তা হলে কী এমন দোষটা তিনি করে ফেললেন? যদি বলি যে হজরত দাউদ (আ.) এবং হজরত সোলায়মান (আ.) অনেক জিন পালতেন এবং এই বিষয়টি সবারই জানা থাকার কথা। তা হলে এত বড় বড় দুইজন নুবির জিন পালন করার বিষয়টি হাসিমুখে মেনে নিতে পারছেন আর আর্টরশির পরি সাহেবের বেলায় যত গোশ্বা আর অপবাদ! আটরশির পরি त्रात्टवरक् शृष्टक रहा ना छाट्या कथा, ठाउँ वट्य कि ठात नास विशेषा व्यथवाह एकाला उष्टिठ वट्य कृद्धन? व्याथनात्र विमादना रिभादवत व्यक्तिष्ठ व्याप्टेत्रित श्रीत गांट्वरक भिनाक कर्षे रक्ष वर्त वृति या-ठा भन्नवा करत वत्रतवः श्रीवरीक किष्ट भानुष আছে याता निष्मत ভाলा ছोड़ा আत काद्वा ভालाটा দেখতৈ পাदে ना। व्यापेनि अक्ट्रे एक कतल अ तुक्स सानुष् व्यतन पार्वन। व्यथस निशरकत श्रास वाप्र করেন একজন্ ভদ্রলোক। আমি তাকে জীবনেও কাউকে ভালো বলতে শুনি নি। খুব नक्रा करत क्वांञ्र्य निर्ध वस्त्र वस्त्र ठात कथा छन्छाम। खत्नक त्रमग्र भर्तीत ति ति করে উঠতো। একদিন সহ্য করতে না পেরে বলেই ফেললাম, আপনার চোখে কি ভালো মানুষ ধরা পড়ে নি? সোজা উত্তরটি হলো, 'হ্যা ধরা পড়েছে মাত্র একুজন, वात (मिं) रेला वामि निक्ध। भद्ध कानक भावनाम उनात अक निक्र वासीसात क्रींभ काल फीलन कदा ठीन रक्रभ कदा ফেলেছেন এবং সেই আओंग्र लक्षाग्र আत আদালতের দরজায় পা রাখেন নি। তাই বলতে ইচ্ছে করে, ভূবের নাট্যশালায় भान्य क्रना येण जरुक एक जरुक निक्रिक्त क्रना नया। वाकारि यि । ब्रवक्स रुका, 'ভবৈর নাট্যশালায় নিজেকে চেনা দায়' - তা হলে কেমন হতো?

আপনাদেরকে একটি মজার খবর শোনাতে চাই। অনেকেই হয়তো জানেন এবং বলতেও শুনেছেন যে, মানুষের দ্বারা রচিত হয়েছে আর একটি কোরান। আল্লাহ্র বাণী কোরান-এর নাম সবাই জানেন, কিছু মানুষের রচিত কোরান-এর নামটি কিষ্ট সবাই একবাকের মেনে নিয়েছেন এবুং বিশেষ করে আহলে সুন্ধাতুল জামাতের मुत्र्वभानता। আत पुनिशात थाश वातवानि भूत्रवभानर रत्ना त्रुन्ति क्रीभाळूत আत বীকি বাহান্তর ফেরকীয় মিলেগু চার আনি হয় কি না সন্দেহ। সৈই মানুষটির নাম रला भाठनाना कानान उँिफ्न कृषि, व्यात সেই শ्वतिष्ठ कातान-अत्र नाभ रला মসনভি শরিফ। তিনি নিজেই মসনভি শরিফকে বলেছেন ফারসি ভাষায় রচিত कादान – रास्त्र कादान দात क्षावाल পरनिछ। मनात विषय्ि रला, त्रवारे একবাক্যে এই কথা মেনে নিয়েছেন। রেয়ন্ড এ. নিকলসন সাহেব মসনভি শরিফের উপর মন্তব্য ক্রতে গিয়ে বলেছেন যে, মুসলমানদের মধ্যে এমন কিতাব আর কেউ লিখতে পারে নি, পারে না এবং ভবিষ্যতেও লিখতে পারবে না। অথুচ দুঃখের বিষয় এত বড় কিতাবটি আজগু পর্যন্ত কোনো ধারাবাহিক অনুবাদ হয় নি। যী-গু কিছুটা रुखए छैरा निष्क्रप्तत भनभक्ता व्यर्शक विकृष्ट करत केता रुखएए। वाश्नाप्तर्भेत বিখ্যাত ধর্মীয় প্রতিষ্ঠানটি ক্রিষ্ট এ ধরনের কেতাবণ্ডলোর অনুবাদ ধারাবাহিকভাবে এখনো করেন নি। কারণ সৌদি আরবের শ্রুদ্ধেয় গুহাবি ভাইদের প্রভাবটিকে নীরবে হঙ্গমু করতে হচ্ছে। কারণ, এ ধরনের কিতাবের ধারাবাহিক অনুবাদ করতে গেলে গুহাবি এবং অন্যান্য ফেরকাণ্ডলোর মৃত্যুঘণ্টা আপসে বেচ্ছে উঠবৈ। সুতরাং এদের মৃত্যুঘণ্টা জেনে শুনে বাজুক এটা কি তারা চাইবে, অথবা আশা করতে পারেন? বিশ্ববিখ্যাত গুলিয়ে কামৈল বাবা শামসে তাব্লিফ্রের ছিগুয়ানে শামসে তাব্লিজ কিতাবটির অনুবাদ তো দূরের কথা, নাম গুনলেই গুহাবি ভাইয়েরা ভ্রত দেখার মতো ভয় করেন। সুতরাং এই ফারসি ভাষায় রচিত বিরাট দিগুয়ানটির আজগু কোনো অনুবাদ বাংলা ভাষায় বাহির হয় নি। এ রকমভাবে বহু মুল্যবান কেতাবের অনুবাদ করা হয় নি। সে সব কিতাবগুলো বিখ্যাত গুলি-দরবেশ, পীর-ফকিরেরা कार्तेत्रि ভाষाয় नित्थ शिष्ट्रन ध्रवः আজ्ञ খুঙ্গলে সে সব মূল্যবান কেতাব পাগ্রয়া याया। यासन िष्ठशाल तू व्यानि गार कनकेत, िष्ठशाल वाता कतिन, िष्ठशाल কুতুবুদ্দিন বখতিয়ার কাকি, দিগুয়ানে আমির খসক্ল, দিগুয়ানে গুয়ায়েসি, দিগুয়ানে হাফিজ সিরাজি - ইত্যাদি অনেক মারেফত্রের গোপুনু কথার কিতাব।

সূত্যকে ধরতে হয় অনুমান এবং সম্ভাবনার উপুর দাড়িয়ে। যদিও অনুমান চিরদিনই অনুমান এবং সত্য চিরদিনই স্ত্যা সূত্য কুৰি সত্য কাহাকে বলেং সত্য বলতে কী বৌঝায়? সত্যের সংক্ষা কী? ইত্যাদি বিভিন্ন প্রশ্নে অনেক মতবিরোধ থাকতে পারে, কিন্তু মোটা কথায় সত্য বলতে যা বোঝা যায় তা হলো, সত্যের গায়ে कार्ता कामा-कार्यक्र शाक ना उथा मठा ित्रिक्ति था रेट मार्था भर्यक्र शाक उनम् । अकम्म उनम् मठात मर्मन क कनात छार्था रखाष्ट्र या वनटा भातता ना। কারণ, যারা উলস্থ সত্যের রূপটি দেখেছে তারা নিজেরাই উহার রূপের বর্ণনা গু ব্যাখ্যা ভাষার মাধ্যমে পরিপূর্ণরূপে দিয়ে য়েতে পেরেছেন বলে তো মনে হয় না। কারণ, সীমিত ভাষার শব্দমালায় এক-একটি বাক্য তৈরি করে উলঙ্গ সত্যের বুর্ণনা দ্বিতে গেলে ভাষাগুলো সহজ শব্দের মধ্যেও হয়ে পড়ে কঠিন এবং বুঝে নিতে त्रीिठिमळा ट्रिमिम (थळ ट्रिश। यामनू धक्रन कातान श्राक्तत श्रूथम वाकर्षित् সত্যিকার মর্মার্য আজুগু কেউ ভাষায় লিখে যেতে পারেন নি। 'আলিফ লাম মিম' কোরান পাকের তিনটি অন্ধরের অবশ্যই অর্থ আছে যা আমাদের অনেকেরই জানা নেই। কারণ, কোরান নিজেই তাঁর দর্শনে কোনো কিছুই নিরর্থক করে তৈরি করেন নি বলে বার বার সহজ ভাষায় ঘোষণা করেছেন। এ রকমভাবে অনেক কৃথাই বড় বড় মনীমীরা বলে গেছেন খুবই সহজ ভাষায়, কিছু, এর সত্যিকার অর্থ কী হতে পারে এ নিয়ে লেগে যায় মতবিরোধ। যেমন ধরুন একটি বাক্য, 'যাহা দেখতে খুবই সহজ উহুইে ধরে রাখতে খুবই কঠিন। বাক্যের শব্দগুলো কতু সহজ, কিছু ভাবধারাটি কত কঠিন মনে ইয়। যেমন আর একটি বাক্য 'য়ে জিনিসের দাম খুব तिमि रूख याग्र मिंह क्रिनिमित यात काला मामरे शाक् ना। यथन अकिए मेछाक পুরোপুরি বুঝতে না পারলেও অনুমানের মধ্য দিয়েই এগিয়ে যেতে হয়, অবশ্য সেই অনুমানগুলো এক-একটি সাজানো হিশাবু। অনুমানের এই সাজানো হিশাবগুলো হাসিমুখে বরণ করে নিতে হয়েছে।

আমার লিখিত বইটির ভাষা কতটুকু ভাবের বাহন হতে পেরেছে তা বলতে পারবো না। তবে এটুকু বলতে চাই যে, আল্লাহকে পাবার পথে ভাষার মাধ্যমে ভাবটি হয়তো অনেক দূর পর্যন্ত এগিয়ে গিয়েছে; অথবা একেবারে কাছাকাছি এগিয়ে গেছে; অথবা এমনও হতে পারে যে মাঝামাঝি পথে এসে থেমে গেছে; অথবা এমনও হতে পারে মাঝামাঝি পথে এসে থেমে গেছে; অথবা এমনও হতে পারে যে, আল্লাহকে পাবার পথে কেবল যাত্রা শুরু করেছে, অথবা এমনও হতে পারে যে, আল্লাহকে পাবার পথের কাছেও যেতে পারি নি। সুতরাং আমার রচিত বইটির মুল্যায়ন করে যেতে পারলাম না এবং এ জন্য পাঠক সমাজের কাছে ক্ষমা চাইছি।

ম্যাটার তথা বস্কু যখন এনার্জি তথা শক্তিতে

রূপান্তরিত হয় এবং সেই রূপান্তরিত শক্তির মহাসাগরে বিজ্ঞানীরা খেই হারিয়ে ফেলেন এর ব্যাপকতার দর্শনে। তাই বিজ্ঞানীরা একবাক্যে সবাই বলে গুঠেন যে. व्याधूनिक विक्रान रहाळा व्यत्नक मृत भर्यष्ठ अभित्य शिष्ट अवः असन्छ रळ भात्त त्य व्यासता सावासाविक्य व्यवहान कर्तिष्ट व्यथवा असन्छ रळ भात्त त्य, मळात अथस मिष्ठिक क्वनर भा ताथक क्रिंग्स तक व्याष्टि। व्यभीत्मत उभत मिम्हाष्ठ अर्थ कता ममीत्मत भक्त वाष्ठविकर कठिन अवः मूलर रत्स भर्द अवः रेंरा मसीत्मत भक्त माजविक। विक्रानीत्मत कथाछलाक सत्न रत्व व्याव्यविद्धाध व्याष्ट व्यामल रेंरा स्माटिर व्याव्यविद्धाध नहा, रेंरा रत्ना व्यभीत्मत माग्द ममीत्मत भक्त व्याव्यराता रत्स कित कित अभित्य यावात मिक वाष्ठव भरकाश्व मसर्विगठ पर्यन साछ।